License Information

Translation Notes (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Notes, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Notes (unfoldingWord)

रोमियो 1:1 (#1)

"पौलुस"

उस समय की संस्कृति में, पत्र लिखने वाले पहले अपना नाम बताते थे। आपकी भाषा में पत्र के लेखक का परिचय देने का एक विशेष तरीका हो सकता है, और यदि यह आपके पाठकों के लिए मददगार हो, तो आप इसे यहाँ इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पौलुस की ओर से"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय व्यक्ति

रोमियों 1:1 (#2)

"यीशु मसीह का दास है, और प्रेरित होने के लिये बुलाया गया"

ये दो वाक्यांश पौलुस के बारे में और जानकारी देते हैं। वह खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में वर्णित करता है जिसे परमेश्वर ने मसीह के **सेवक** और **प्रेरित** होने का पद और अधिकार दिया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति जिसे परमेश्वर ने मसीह यीशु का सेवक बनाया है, और जिसे उसने अपना प्रतिनिधि होने के लिए बुलाया है"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 1:1 (#3)

"प्रेरित होने के लिये बुलाया गया"-"अलग किया गया"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे यीशु ने प्रेरित होने और अलग रहने के लिए बुलाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 1:1 (#4)

"परमेश्वर के उस सुसमाचार के लिये"

यहाँ, **के लिए** एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस उस उद्देश्य को बता रहे हैं जिसके लिए यीशु ने उन्हें **अलग किया**। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के सुसमाचार का प्रचार करने के लिए" या "ताकि मैं परमेश्वर के सुसमाचार की घोषणा कर सकूँ"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियो 1:1 (#5)

"परमेश्वर का सुसमाचार"

पौलुस **सुसमाचार** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **परमेश्वर** से आता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर से सुसमाचार”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 1:2 (#1)

"जिसकी"

यहाँ, **जिसकी** इंगित करता है कि आगे जो कुछ भी है वह पिछली पद में उल्लिखित “परमेश्वर के सुसमाचार” के बारे में और जानकारी है। पौलुस इस बात पर ज़ोर दे रहा है कि “परमेश्वर का सुसमाचार” **पवित्रशास्त्र** से उत्पन्न हुआ है, जो परमेश्वर से भी आता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच के संबंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अर्थात् सुसमाचार”

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियो 1:3 (#1)

"अपने पुत्र"- "के विषय में"

यह वाक्यांश हमें “परमेश्वर के सुसमाचार” के बारे में और जानकारी देता है। पौलुस का मतलब है कि परमेश्वर के वादे किए गए सुसमाचार का संदेश परमेश्वर के पुत्र, “मसीह यीशु” के बारे में है, जैसा कि 1:1 में बताया गया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच के संबंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अर्थात, उसके पुत्र के बारे में सुसमाचार”

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 1:3 (#2)

"अपने पुत्र"

पुत्र एक महत्वपूर्ण शीर्षक है जो परमेश्वर और यीशु के बीच के संबंध का वर्णन करता है।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

रोमियों 1:3 (#3)

"दाऊद के वंश से उत्पन्न हुआ"

यहाँ, **दाऊद के वंश** से एक मुहावरा है जो दाऊद के वंशज को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समान मुहावरे का उपयोग कर सकते हैं या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो दाऊद के वंशज के रूप में पैदा हुआ था"

देखें: मुहावरा

रोमियो 1:3 (#4)

"शरीर के भाव से"

यहाँ, **शरीर के भाव से** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "शारीरिक वंश के संदर्भ में।" यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समान मुहावरे का उपयोग कर सकते हैं या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वाभाविक वंश के अनुसार"

देखें: मुहावरा

रोमियों 1:4 (#1)

"और पवित्रता की आत्मा के भाव से मरे हुओं में से जी उठने के कारण सामर्थ्य के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा है।"

इस पद में, पौलुस इन वाक्यांशों को उस क्रम में रखता है जिसे वह विशेष रूप से जोर देना चाहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं।

देखें: सूचना संरचना

रोमियो 1:4 (#2)

"परमेश्वर का पुत्र ठहरा है।"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य किसने किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि **परमेश्वर** ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे परमेश्वर ने अपने पुत्र के रूप में नियुक्त किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 1:4 (#3)

"परमेश्वर का पुत्र"

परमेश्वर का पुत्र एक महत्वपूर्ण शीर्षक है जो **परमेश्वर** और **यीशु** के बीच के संबंध का वर्णन करता है।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

रोमियों 1:4 (#4)

"सामर्थ्य के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा है"

यहाँ, **सामर्थ्य** का अर्थ हो सकता है: (1) वह साधन जिसके द्वारा परमेश्वर ने यीशु को परमेश्वर के पुत्र के रूप में नामित किया। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे सामर्थ्य के माध्यम से परमेश्वर का पुत्र नामित किया गया था" (2) परमेश्वर द्वारा परमेश्वर के पुत्र को दी गई सामर्थ्य का एक नया स्तर। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे परमेश्वर के शक्तिशाली पुत्र के रूप में नामित किया गया था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 1:4 (#5)

"पवित्रता की आत्मा"

पौलुस परमेश्वर की **आत्मा** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व वाले रूप का उपयोग कर रहा है जो **पवित्रता** की विशेषता है। यह पवित्र आत्मा को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 1:4 (#6)

"मरे हुओं में से जी उठने के कारण"

यदि आपकी भाषा में **जी उठने** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृतकों में से पुनरुत्थित होकर"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:4 (#7)

"मरे हुओं में से"

यहाँ, **मरे हुओं में से** का अनुवाद में इस्तेमाल किया गया वाक्यांश मरे हुए लोगों को संदर्भित करता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मरे हुओं में से"

देखें: मुहावरा

रोमियो 1:4 (#8)

"मरे हुओं में से"

पौलुस उस स्थान का वर्णन करने के लिए स्वामित्व वाले रूप का उपयोग कर रहे हैं जहाँ से **यीशु** का पुनरुत्थान हुआ था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत्यु से" या "मृतकों में से"

देखें: स्वामित्व

रोमियो 1:4 (#9)

(हमारा)"परमेश्वर का पुत्र ठहरा है"

कुछ अनुवादों में **हमारा** शब्द का इस्तेमाल हुआ है जो एक सर्वनाम है और लोगों के लिए सन्दर्भित है। यहाँ, **हमारा** सभी मसीहियों को संदर्भित करता है, इसलिए यह समावेशी है। आपकी भाषा में इन रूपों को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियो 1:5 (#1)

"जिसके द्वारा"

यहाँ, **जिसके** यीशु को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु के द्वारा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियो 1:5 (#2)

"जिसके द्वारा हमें अनुग्रह और प्रेरिताई मिली"

यदि आपकी भाषा **अनुग्रह** और **प्रेरिताई** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसने हमारे प्रति दयालुता दिखाई और हमें अपना प्रेरित बनाया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:5 (#3)

"हमें"- "मिली"

यहाँ, **हम** विशेष हैं, और आपकी भाषा को इस रूप को स्पष्ट करने की आवश्यकता हो सकती है। यह संदर्भित कर सकता है: (1) पौलुस और अन्य प्रेरितों को, (2) पौलुस अपने बारे में बहुवचन रूप में बोल रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने प्राप्त किया"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 1:5 (#4)

"उसके"

यहाँ, **उसके** एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस यह बता रहे हैं कि यीशु ने पौलुस और अन्य लोगों को अपना प्रेरित बनाने का उद्देश्य क्या था। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "के उद्देश्य से"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियों 1:5 (#5)

"सब जातियों के लोग विश्वास करके उसकी मानें"

यदि आपकी भाषा में **मानें** और **विश्वास** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: “सभी अन्यजातियों में लोगों को यीशु की आज्ञा का पालन ईमानदारी से करना चाहिए”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:5 (#6)

"विश्वास करके उसकी मानें"

यहाँ, **विश्वास करके उसकी मानें** का अर्थ हो सकता है: (1) आज्ञाकारिता जो परमेश्वर पर भरोसा करने की विशेषता है। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर पर भरोसा करके आज्ञाकारिता के लिए” या “परमेश्वर पर भरोसा करने से आने वाली आज्ञाकारिता” (2) आज्ञाकारिता जो परमेश्वर पर भरोसा करने से उत्पन्न होती है। वैकल्पिक अनुवाद: “विश्वास जो आज्ञाकारिता में परिणत होता है”

देखें: स्वामीत्व

रोमियो 1:5 (#7)

"सब जातियों के लोग"

यहाँ, **जातियों** का मतलब हो सकता है: (1) जाति। यदि आपने **सब** का अर्थ सभी प्रेरितों के लिए लगाया है और इसे अपने अनुवाद में रखा है तो इस व्याख्या का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “सभी लोगों के समूहों के बीच” (2) गैर-यहूदी लोगों के समूह। यदि आपने "**हम**" को केवल पौलुस के सन्दर्भ में समझा है और इसका अनुवाद “मैं” के रूप में किया है तो इस व्याख्या का प्रयोग करें।वैकल्पिक अनुवाद: “सभी गैर-यहूदी लोगों के बीच”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियो 1:5 (#8)

"जिसके द्वारा हमें अनुग्रह और प्रेरिताई मिली कि उसके नाम के कारण सब जातियों के लोग विश्वास करके उसकी मानें"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों का क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमें उसके नाम के कारण अनुग्रह और प्रेरिताई मिली, ताकि सभी जातियों में विश्वास की आज्ञाकारिता हो"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 1:5 (#9)

"उसके नाम के कारण"

यहाँ, **नाम** का अर्थ हो सकता है: (1) स्वयं यीशु। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु के लिए" (2) यीशु की प्रतिष्ठा। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु की महिमा के लिए"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 1:6 (#1)

"जिनमें"

यहाँ, '**जिनमें**' का अर्थ "गैर यहूदियों" से है, जिनका ज़िक्र पिछले पद में किया गया था। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। देखें कि आपने पिछले पद में "गैर यहूदियों" का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "जातियों के बीच" या "अन्यजातियों के बीच"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियो 1:6 (#2)

"तुम"

इस पत्री में, चार अपवादों को छोड़कर, **तुम** और “तुम्हारा” शब्द बहुवचन हैं और इस पत्री के प्राप्तकर्ताओं को संदर्भित करते हैं, जो रोम में विश्वासी हैं (देखें 1:7)। यदि यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “रोम में मसीह पर विश्वास करने वाले आप”

देखें: ‘आप’ के रूप — बहुवचन

रोमियों 1:6 (#3)

"यीशु मसीह के होने के लिये बुलाए गए हो"

पौलुस उन लोगों का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहा है जिन्हें **यीशु मसीह** ने **बुलाया** था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यीशु मसीह द्वारा बुलाए गए लोग”

देखें: स्वामित्व

रोमियो 1:7 (#1)

"उन सब के नाम जो रोम में"-" हैं"

इस संस्कृति में, अपना नाम बताने के बाद, पत्री लिखने वाले लोग बताते थे कि वे किसे पत्री लिख रहे हैं, और वे उन लोगों का नाम तीसरे व्यक्ति में लिखते थे। अगर आपकी भाषा में यह भ्रामक हो, तो आप दूसरे व्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "रोम में रहने वाले आप सभी के लिए"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय व्यक्ति

रोमियो 1:7 (#2)

"परमेश्वर के प्यारे"

पौलुस रोम की कलीसिया का वर्णन करने के लिए **प्यारे** विशेषण का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में विशेषण का उपयोग इस प्रकार नहीं होता है, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो परमेश्वर के प्रिय हैं"

देखें: संज्ञा विशेषण

रोमियो 1:7 (#3)

"परमेश्वर के प्यारे"

पौलुस उन **प्यारों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जिन्हें **परमेश्वर** प्यार करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर द्वारा प्यार किया गया”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 1:7 (#4)

"हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे"

इस संस्कृति में, पत्री लिखने वाले पत्री के मुख्य कार्य को शुरू करने से पहले प्राप्तकर्ता के लिए शुभकामनाएँ देते थे। अपनी भाषा में ऐसे रूप का उपयोग करें जिससे यह स्पष्ट हो कि यह एक अभिवादन और आशीष है। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह आपको अनुग्रह और शांति प्रदान करें"

देखें: आशीष

रोमियो 1:7 (#5)

"हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे"

यदि आपकी भाषा **अनुग्रह** और **शान्ति** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह आप पर अपने अनुग्रहपूर्ण कार्य दिखाएँ और आपको शान्ति का अनुभव कराएँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:7 (#6)

"हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह"

यहाँ **पिता** शब्द एक महत्वपूर्ण शीर्षक है जो परमेश्वर और यीशु के बीच के संबंध और परमेश्वर और विश्वासियों के बीच के संबंध का वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे परमेश्वर पिता और प्रभु यीशु मसीह”

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

रोमियों 1:7 (#7)

"हमारे पिता"

जब पौलुस यहाँ **हमारे** लिखते हैं, तो वह अपने और अपने पाठकों के बारे में बात कर रहे हैं, इसलिए **हमारे** समावेशी होगा। आपकी भाषा में इस रूप को स्पष्ट करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “जो हम विश्वासियों के पिता हैं”

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियो 1:8 (#1)

"पहले मैं तुम सब के लिये यीशु मसीह के द्वारा अपने परमेश्वर का धन्यवाद करता हूँ, कि तुम्हारे विश्वास की चर्चा सारे जगत में हो रही है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होग, तो आप इन उपवाक्यों का क्रम बदल सकते हैं, क्योंकि दूसरा खंड उस परिणाम का कारण बताता है जिसका वर्णन पहला उपवाक्य करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि तुम्हारा विश्वास पूरे संसार में प्रचारित हो रहा है, मैं सबसे पहले यीशु मसीह के द्वारा अपने परमेश्वर को धन्यवाद देना चाहता हूँ"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियो 1:8 (#2)

"पहले"

यहाँ **पहले** यह संकेत मिलता है कि पौलुस ने पत्री का परिचय समाप्त कर दिया है, और उसके बाद जो लिखा है वह पत्री की विषय-वस्तु की शुरुआत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पहली बात जो मैं कहना चाहता हूँ वह यह है"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियो 1:8 (#3)

"अपने परमेश्वर"

पौलुस **अपने परमेश्वर** के स्वामित्व वाले रूप का उपयोग यह व्यक्त करने के लिए कर रहा है कि मै **परमेश्वर** का हूँ। पौलुस का मतलब यह नहीं है कि वह परमेश्वर का मालिक है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जिस परमेश्वर का हूँ" या "वह परमेश्वर जो मेरा मालिक है"

देखें: स्वामित्व

रोमियो 1:8 (#4)

"तुम्हारे विश्वास"

अगर आपकी भाषा में **विश्वास** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का इस्तेमाल नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस तरह से आप मसीह पर भरोसा करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:8 (#5)

"तुम्हारे विश्वास की चर्चा सारे जगत में हो रही है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से बता सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। संदर्भ से पता चलता है कि अन्य विश्वासी यह घोषणा कर रहे हैं कि रोमी विश्वासियों का विश्वास कितना महान है। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य लोग आपके विश्वास की घोषणा कर रहे हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियो 1:8 (#6)

"सारे जगत में"

यहाँ, **सारे जगत** एक अतिशयोक्ति है जो दुनिया के उन सभी हिस्सों को संदर्भित करती है जो पौलुस और उसके पाठकों के लिए परिचित थे, विशेष रूप से रोमी साम्राज्य। पौलुस पृथ्वी पर हर जगह का उल्लेख नहीं कर रहे है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरी दुनिया में" या "जहाँ भी रोमी साम्राज्य है"

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियो 1:9 (#1)

"जिसकी"

जिसकी यह दर्शाता है कि आगे जो लिखा गया है वह कारण है कि क्यों पौलुस पिछली पद में कह सका कि वह रोमी विश्वासियों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद देता है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "आप निश्चिंत हो सकते हैं कि यह सच है क्योंकि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियो 1:9 (#2)

"परमेश्वर जिसकी सेवा मैं अपनी आत्मा से उसके पुत्र के सुसमाचार के विषय में करता हूँ, वही मेरा गवाह है, कि मैं तुम्हें किस प्रकार लगातार स्मरण करता रहता हूँ"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो और यदि आपको ऐसा करने की आवश्यकता हो तो आप इन उपवाक्यों के निर्देश बदल सकते हैं और एक नया वाक्य बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मेरा गवाह है कि मैं किस रीति से लगातार तुम्हारा स्मरण करता हूँ। मैं अपनी आत्मा से उसके पुत्र के सुसमाचार के द्वारा उसकी सेवा करता हूँ।"

देखें: सूचना संरचना

रोमियो 1:9 (#3)

"परमेश्वर जिसकी सेवा मैं अपनी आत्मा से उसके पुत्र के सुसमाचार के विषय में करता हूँ, वही मेरा गवाह है"

यह वाक्य **परमेश्वर** के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन वाक्यों के बीच संबंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरा गवाह, और मैं अपनी आत्मा में उसके पुत्र के सुसमाचार में उसकी सेवा करता हूँ"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियो 1:9 (#4)

"मेरा गवाह"

अगर आपकी भाषा में **गवाह** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो मेरे बारे में गवाही देता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:9 (#5)

"मैं अपनी आत्मा से"

यहाँ, **आत्मा** का तात्पर्य आंतरिक व्यक्ति से है, जो कि एक व्यक्ति सोचता और महसूस करता है। पौलुस का मतलब है कि वह पूरी निष्ठा से परमेश्वर की सेवा करता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरे दिल से" या "पूरी निष्ठा से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियो 1:9 (#6)

"सुसमाचार के विषय में"

यहाँ, **में** उस माध्यम को दर्शाता है जिसके द्वारा पौलुस ने परमेश्वर और **सुसमाचार** की सेवा की विशेष रूप से **सुसमाचार** के प्रचार को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुसमाचार का प्रचार करते हुए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियो 1:9 (#7)

"उसके पुत्र के सुसमाचार के विषय में"

पौलुस परमेश्वर के **पुत्र** के बारे में **सुसमाचार** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पुत्र के बारे में सुसमाचार में"

देखें: स्वामित्व

रोमियो 1:9 (#8)

"के" - "पुत्र"

पुत्र यीशु के लिए एक महत्वपूर्ण शीर्षक है, जो परमेश्वर के **पुत्र** हैं।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

रोमियो 1:9 (#9)

"लगातार"

यहाँ, **लगातार** एक अतिशयोक्ति है जो इस बात पर जोर देती है कि पौलुस ने रोम में कलीसिया के लिए कितनी बार प्रार्थना की। पौलुस का यह मतलब नहीं है कि वे अपना सारा समय उनके लिए प्रार्थना करने में बिताते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं नियमित रूप से" या "मैं आदतन"

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियो 1:9 (#10)

"मैं" - "स्मरण करता रहता हूँ"

यहाँ, **स्मरण करता रहता हूँ,** प्रार्थना करने के लिए एक मुहावरा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समान मुहावरे का उपयोग कर सकते हैं या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आपके लिए प्रार्थना कर रहा हूँ"

देखें: मुहावरा

रोमियो 1:10 (#1)

"नित्य अपनी प्रार्थनाओं में विनती करता हूँ"

इस वाक्यांश का अर्थ वही है जो पिछले पद में "मैं लगातार तुम्हारा स्मरण करता हूँ" है। पौलुस इनका इस्तेमाल इस बात पर ज़ोर देने के लिए करता है कि वह कितनी शिद्दत से प्रार्थना करता है कि परमेश्वर उन्हें रोम में कलीसिया का दौरा करने की अनुमति दें। अगर आपकी भाषा में ऐसा करने के लिए दोहराव का इस्तेमाल नहीं किया गया है, तो आप पिछले पद

में समान अंश के लिए एक वाक्यांश का इस्तेमाल कर सकते हैं और इस पद में दूसरे तरीके से ज़ोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी सभी प्रार्थनाओं में, मैं परमेश्वर से विनती करता हूँ"

देखें: द्विरावृत्ति

रोमियो 1:10 (#2)

"नित्य"

यहाँ, शब्द **नित्य** एक अतिशयोक्ति है जो रोम की कलीसिया के लिए परमेश्वर से पौलुस की प्रार्थनाओं की आवृत्ति को प्रतीकात्मक रूप से व्यक्त करता है। पौलुस का मतलब यह नहीं है कि वह अपना सारा समय उनके लिए प्रार्थना करने में बिताता है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं और दूसरे तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अक्सर”

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियो 1:10 (#3)

"परमेश्वर की इच्छा से"

यदि आपकी भाषा में **इच्छा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर मेरे लिए इच्छा रखते हैं" या "क्योंकि परमेश्वर के इच्छा से मैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:11 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ यह दर्शाता है कि यह एक कारण खंड है। 1:9–10 में पौलुस यह बता रहे हैं कि वे रोम में कलीसिया का दौरा करने के लिए लगातार प्रार्थना क्यों करते हैं। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं हमेशा यह अनुरोध कर रहा हूँ क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियो 1:11 (#2)

"तुम से मिलने की"

पौलुस **मिलने** का उपयोग न केवल रोम में मसीही विश्वासियों से मिलने के लिए करते हैं, बल्कि उनके साथ समय बिताने के लिए भी करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपसे मिलने के लिए”

देखें: लक्षणालंकार

रोमियो 1:11 (#3)

"जिससे"

यहाँ, **जिससे** यह दर्शाता है कि यह एक उद्देश्य वाक्य है। पौलुस यह बता रहे हैं कि वह रोम में विश्वासियों से क्यों मिलना चाहता है। उद्देश्य वाक्य को पेश करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “इस निर्देश में कि”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियो 1:12 (#1)

"अर्थात् यह"

यहाँ, **अर्थात् यह,** इस बारे में और जानकारी देता है कि पौलुस रोम में विश्वासियों के साथ “कुछ आत्मिक उपहार” क्यों साझा करना चाहता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच के संबंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अर्थात्” या “विशेष रूप से”

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 1:12 (#2)

"तुम में है, शान्ति पाऊँ"

अगर आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “एक दूसरे को प्रोत्साहित करना”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियो 1:12 (#3)

"उस विश्वास के द्वारा जो मुझ में, और तुम में है"

पौलुस यीशु में उस विश्वास का उल्लेख करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है जिसे वह और उनके पाठक दोनों साझा करते हैं। पौलुस का मतलब है कि

कि उन्हें एक-दूसरे को प्रोत्साहित करना चाहिए क्योंकि उनका मसीह में परस्पर विश्वास है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप और मैं दोनों एक-दूसरे के साथ साझा करके कि हम परमेश्वर में कैसे विश्वास करते हैं” या “हमारे सामान्य मसीही विश्वास के बारे में बात करके”

देखें: स्वामित्व

रोमियो 1:12 (#4)

"विश्वास"

देखिये आपने 1:5 में **विश्वास** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:13 (#1)

"मैं नहीं चाहता कि तुम इससे अनजान रहो"

यहाँ पौलुस ने एक अलंकार का प्रयोग किया है जो एक नकारात्मक शब्द के साथ एक ऐसे शब्द का प्रयोग करके एक मजबूत सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सकारात्मक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से चाहता हूँ कि आप सूचित रहें"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

रोमियो 1:13 (#2)

"अनजान रहो"

अगर आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: “नहीं जानना”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियो 1:13 (#3)

"भाइयों"

हालाँकि **भाइयों** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग मसीह में विश्वास करने वाले पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भाइयो और बहनों”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं

रोमियो 1:13 (#4)

"परन्तु अब तक रुका रहा"

पौलुस का मानना है कि उसके पाठक जानते होंगे कि **अब तक** का मतलब “वर्तमान समय में भी" है। उसका मतलब यह नहीं है कि जिस समय उसने ये शब्द लिखे थे, उस समय उसे कोई **बाधा** नहीं थी। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन मुझे बाधा दी गई है और अब भी बाधा है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियो 1:13 (#5)

"परन्तु अब तक रुका रहा"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। यदि यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य किसने किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुझे रोका।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियो 1:13 (#6)

"कि जैसा मुझे और अन्यजातियों में फल मिला, वैसा ही तुम में भी मिले"

यहाँ, **फल** का अर्थ हो सकता है: (1) पौलुस के उपदेश के परिणामस्वरूप सुसमाचार में विश्वास करने वाले लोग, जो इस पद को 1:15 में दिए गए विचार से जोड़ता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि मैं तुम्हारे बीच भी लोगों को उद्धार की ओर ले जा सकूँ" (2) रोम में विश्वासियों को मज़बूत करना, जिस स्थिति में इसका अर्थ 1:11 में "कुछ आत्मिक, अनुग्रहपूर्ण उपहार" के समान होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि मैं तुम्हें भी मज़बूत कर सकूँ"

देखें: रूपक

रोमियो 1:14 (#1)

"कर्जदार हूँ"

पौलुस अपने बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक **कर्जदार** हों, जिन पर यहूदी नहीं, बल्कि **यूनानियों** और **अन्यभाषियों** लोगों का कर्जा हो। पौलुस का मतलब है कि वह गैर-यहूदियों को सुसमाचार प्रचार करने के लिए बाध्य थे क्योंकि परमेश्वर ने उन्हें ऐसा करने का आदेश दिया था। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक रूपक का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, "मैं सुसमाचार प्रचार करने के लिए बाध्य हूँ"

देखें: रूपक

रोमियो 1:14 (#2)

"मैं यूनानियों और अन्यभाषियों का"

यहाँ पौलुस **यूनानियों** और **अन्यभाषियों** का उपयोग सभी अन्यजातियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए करते हैं जिनका उल्लेख पिछले पद में किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी प्रकार के अन्यजातियों के लिए"

देखें: विभज्योतक

रोमियो 1:14 (#3)

"बुद्धिमानों और निर्बुद्धियों"

यहाँ पौलुस ने पिछले पद में उल्लिखित अन्यजातियों में से सभी प्रकार के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए **बुद्धिमान** और **निर्बुद्धि** लोगों का उपयोग किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समान अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्यजातियों में से सभी प्रकार के लोगों के लिए"

देखें: विभज्योतक

रोमियो 1:14 (#4)

"यूनानियों और अन्यभाषियों का, और बुद्धिमानों और निर्बुद्धियों"

इन दो वाक्यांशों का मतलब एक ही है। पौलुस इनका इस्तेमाल इस बात पर ज़ोर देने के लिए करते हैं कि उसे हर तरह के गैर-यहूदी को सुसमाचार सुनाना ज़रूरी है। अगर एक ही बात को दो बार कहना आपके पाठकों के लिए उलझन भरा हो, तो आप इन वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर तरह के गैर-यहूदी को" या "हर एक गैर-यहूदी व्यक्ति को"

देखें: द्विरावृत्ति

रोमियो 1:15 (#1)

"इसलिए"

इसलिए यहाँ यह संकेत देता है कि यह एक कारण खंड है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यही कारण है"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियो 1:16 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह बताता है कि पौलुस रोम में सुसमाचार का प्रचार करने के लिए उत्सुक क्यों हैं। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह करने के लिए उत्सुक हूँ क्योंकि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियो 1:16 (#2)

"नहीं लजाता"

यहाँ पौलुस एक अलंकार का प्रयोग करता है जो एक नकारात्मक शब्द के साथ एक ऐसे शब्द का प्रयोग करके एक मजबूत सकारात्मक अर्थ व्यक्त करता है जो इच्छित अर्थ के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सकारात्मक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे गर्व है"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

रोमियो 1:16 (#3)

"मैं सुसमाचार से नहीं लजाता" - "सामर्थ्य"

यहाँ, **सुसमाचार** का तात्पर्य विशेष रूप से **सुसमाचार** के प्रचार से है जिसका उल्लेख पिछले पद में किया गया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे सुसमाचार का प्रचार करने में कोई शर्म नहीं है

देखें: लक्षणालंकार

रोमियो 1:16 (#4)

"उद्धार के निमित्त परमेश्वर की सामर्थ्य है"

पौलुस **सुसमाचार** को सामर्थी तरीके से वर्णित करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है, जिससे परमेश्वर लोगों को बचाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि यह सामर्थी तरीका है जिससे परमेश्वर लोगों को बचाते है"

देखें: स्वामित्व

रोमियो 1:16 (#5)

"उद्धार के निमित्त"

यहाँ, **निमित्त** यह संकेत करता है कि उद्धार **सुसमाचार** का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके परिणामस्वरूप उद्धार होता है"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियो 1:16 (#6)

"हर एक विश्वास करनेवाले के लिये, पहले तो यहूदी, फिर यूनानी के लिये, उद्धार के निमित्त"

यदि आपकी भाषा में **उद्धार** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी को बचाने हेतु"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:16 (#7)

"हर एक विश्वास करनेवाले के लिये"

पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे है जिनकी कई भाषाओं में एक खंड को पूर्ण होने के लिए आवश्यकता होती है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप संदर्भ से यह शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर उस व्यक्ति के लिए जो यह मानता है कि यीशु ही मसीहा है"

देखें: पदलोप

रोमियो 1:16 (#8)

"पहले तो यहूदी, फिर यूनानी के लिये"

पौलुस यहूदी लोगों और यूनानी लोगों के बारे में बात कर रहे हैं, किसी एक खास यहूदी या यूनानी के बारे में नहीं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप ज़्यादा स्वाभाविक वाक्यांश का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पहले यहूदी लोगों को और फिर यूनानी लोगों को"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियो 1:16 (#9)

"पहले तो यहूदी"

पहले तो यहूदी वाक्यांश का अर्थ है कि यहूदी लोग सुसमाचार सुनने वाले पहले लोग थे। पौलुस का मतलब यह नहीं है कि **यहूदी यूनानी** से बेहतर है या उसका दर्जा ऊँचा है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों को, जिन्होंने सबसे पहले सुसमाचार सुना,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 1:16 (#10)

"यूनानी के लिये"

यहाँ, **यूनानी** शब्द का मतलब सामान्य रूप से गैर-यहूदी लोगों से है। यह केवल ग्रीस देश के लोगों को संदर्भित नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गैर-यहूदी के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियो 1:17 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि आगे जो कुछ भी कहा गया है वह कारण है कि सुसमाचार परमेश्वर की सामर्थ है जो उद्धार की ओर ले जाती है, जैसा कि पिछले पद में बताया गया है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "सुसमाचार हर उस व्यक्ति को बचा सकता है जो विश्वास करता है क्योंकि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियो 1:17 (#2)

"उसमें परमेश्वर की धार्मिकता विश्वास से और विश्वास के लिये प्रगट होती है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह परमेश्वर की धार्मिकता को प्रकट करता है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियो 1:17 (#3)

"उसमें परमेश्वर की धार्मिकता विश्वास से और विश्वास के लिये प्रगट होती है"

पौलुस परमेश्वर की **धार्मिकता** के बारे में ऐसे बोलता है मानो यह कोई ऐसी वस्तु हो जिसे **प्रकट** किया जा सकता है। उसका मतलब है कि जब कोई व्यक्ति उन्हें सुसमाचार सुनाता है तो लोग परमेश्वर की धार्मिकता के बारे में सीखते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या किसी उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब लोग सुसमाचार का प्रचार करते हैं, तो इसे सुनने वाले परमेश्वर की धार्मिकता के बारे में सीखते हैं।"

देखें: रूपक

रोमियो 1:17 (#4)

"परमेश्वर की धार्मिकता"

यहाँ पौलुस परमेश्वर के अधिकारवाचक रूप का प्रयोग कर रहा है जिसका अर्थ हो सकता है: (1) धार्मिकता जो परमेश्वर से आती है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर से धार्मिकता" (2) धार्मिकता जो परमेश्वर की विशेषता बताती है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की धार्मिकता।"

देखें: स्वामीत्व

रोमियो 1:17 (#5)

"परमेश्वर की धार्मिकता"

अगर आपकी भाषा में **धार्मिकता** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिस तरह से परमेश्वर लोगों को धार्मिक बनाता है।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:17 (#6)

"उसमें"

यहाँ सर्वनाम **उसमें** का तात्पर्य "सुसमाचार" से है जिसका उल्लेख पिछले पद में किया गया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुसमाचार में"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियो 1:17 (#7)

"विश्वास से और विश्वास के लिये"

यहाँ, **विश्वास से और विश्वास के लिये** यह वर्णन करता है कि **परमेश्वर की धार्मिकता कैसे प्रकट होती है**। यह एक मुहावरा है जिसका अर्थ हो सकता है: (1) पूरी तरह से केवल विश्वास के द्वारा। वैकल्पिक अनुवाद: "शुरू से अंत तक विश्वास के द्वारा" या "पहले से आखिरी तक विश्वास के माध्यम से" (2) उस विश्वास के द्वारा जो सभी विश्वासियों में साझा होता है, जैसे कि वाक्यांश "समुद्र से समुद्र तक" का अर्थ है "एक समुद्र से दूसरे समुद्र तक।" वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति के विश्वास से दूसरे व्यक्ति के विश्वास तक" (3) विश्वास के द्वारा जो बढ़ते हुए विश्वास की ओर ले जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास के लिए विश्वास के माध्यम से" या "विश्वास की एक हद से दूसरे हद तक"

देखें: मुहावरा

रोमियो 1:17 (#8)

"जैसा लिखा है"

यहाँ पौलुस ने पुराने नियम की एक पुस्तक (हबक्कूक 2:4) से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए **जैसा लिखा है** का प्रयोग किए हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा शास्त्रों में लिखा है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियो 1:17 (#9)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से बता सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। यदि आपको यह बताना ही है कि यह कार्य किसने किया, तो उद्धरण भविष्यद्वक्ता हबक्कूक द्वारा लिखा गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि भविष्यद्वक्ता हबक्कूक ने लिखा था"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियो 1:17 (#10)

"विश्वास से धर्मी जन जीवित रहेगा"

इस वाक्य में पौलुस हबक्कूक 2:4 को उद्धृत देते हैं। आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो सकता है कि आप इस सामग्री के बीच उद्धरण चिह्न लगा दें या किसी भी विराम चिह्न या परिपाटी का प्रयोग करें जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए प्रयुक्त होती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियो 1:17 (#11)

"विश्वास से धर्मी जन जीवित रहेगा"

यहाँ, **जीवन** का अर्थ हो सकता है: (1) अनन्त जीवन। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास के द्वारा अनन्त जीवन प्राप्त करेगा" (2) किसी के भौतिक जीवन की गुणवत्ता। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास से वास्तव में जीवित रहेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियो 1:17 (#12)

"विश्वास"

देखें आपने 1:5 में **विश्वास** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:18 (#1)

(क्योंकि)"परमेश्वर का क्रोध तो उन लोगों की सब अभक्ति और अधर्म पर स्वर्ग से प्रगट होता है, जो सत्य को अधर्म से दबाए रखते हैं"

कुछ अनुवादों में "**क्योंकि**" का इस्तेमाल हुआ है ताकि इस पद को इसके पुछले पद से जोड़ा जा सके। यह दर्शाता है कि आगे जो लिखा गया है वह कारण है कि क्यों "धर्मी व्यक्ति को

विश्वास से जीना चाहिए," जैसा कि पिछले पद में बताया गया है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "धर्मी व्यक्ति को इस तरह से जीना चाहिए क्योंकि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियो 1:18 (#2)

"परमेश्वर का क्रोध" -"प्रगट होता है"

अगर आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अपना क्रोध प्रकट कर रहा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियो 1:18 (#3)

"परमेश्वर का क्रोध"

यहाँ पौलुस **क्रोध** का उपयोग परमेश्वर के **क्रोध** के परिणाम को संदर्भित करने के लिए करते हैं, जो लोगों का न्याय करना और उन्हें दंडित करना है क्योंकि वे अधर्मी हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समान अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की क्रोधपूर्ण दंड"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियो 1:18 (#4)

"उन लोगों की सब अभक्ति और अधर्म पर स्वर्ग से प्रगट होता है"

यदि आपकी भाषा में **अभक्ति** और **अधर्म** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों के सभी अभक्ति और अधर्मी कार्यों के विरुद्ध"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:18 (#5)

"उन लोगों की सब अभक्ति और अधर्म पर स्वर्ग से प्रगट होता है"

यहाँ, **उन लोगों की सब अभक्ति और अधर्म** का अर्थ उन लोगों से है जो अधर्मी और अभक्ति के कार्य करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समान अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे लोगों के विरुद्ध जो कोई अभक्ति या अधर्मी कार्य करते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियो 1:18 (#6)

"जो सत्य को अधर्म से दबाए रखते हैं"

यदि आपकी भाषा में **अधर्म** और **सत्य** के इन विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो, क्योंकि वे धार्मिकता से कार्य नहीं करना चाहते, इसलिए परमेश्वर के बारे में सत्य को छिपाते रहते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:18 (#7)

"उन लोगों"

हालाँकि **लोगों** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों सम्मिलित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं

रोमियो 1:18 (#8)

"जो सत्य को अधर्म से दबाए रखते हैं"

यह वाक्यांश हमें उन लोगों की प्रकृति के बारे में और जानकारी देता है, जिन्हें पिछले वाक्यांश में **पुरुष** कहा गया है। यह विभिन्न प्रकार के **पुरुषों** के बीच अंतर नहीं कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच के संबंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये वही लोग हैं जो अधर्म में सत्य को रोकते हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियो 1:18 (#9)

"जो सत्य को अधर्म से दबाए रखते हैं"

यहाँ पौलुस **सत्य** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हों जिन्हें रोका या पीछे रखा जा सकता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इस अर्थ को गैर-लाक्षणिक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अधर्म में सत्य को जानने से रोकते हैं"

देखें: मानवीकरण

रोमियो 1:19 (#1)

"इसलिए कि परमेश्वर के विषय का ज्ञान"

अगर आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग परमेश्वर के बारे में क्या जान सकते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियो 1:19 (#2)

"उनके" - "उन पर"

सर्वनाम **उनके** पिछले पद में वर्णित अभक्ति और अधर्मी लोगों को संदर्भित करता है। जब तक अन्यथा उल्लेख न किया जाए, उन्हें, "उनके", और "**उन पर**" 1:19–32 में अधर्मी और अभक्ति लोगों को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये सभी अधर्मी और अभक्ति लोग ... ये सभी अधर्मी और अभक्ति लोग

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियो 1:20 (#1)

"क्योंकि उसके अनदेखे गुण, अर्थात् उसकी सनातन सामर्थ्य और परमेश्वरत्व, जगत की सृष्टि के समय से उसके कामों के द्वारा देखने में आते हैं"

यदि आपकी भाषा में **गुण**, **सामर्थ्य** और **सृष्टि** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग परमेश्वर के बारे में जो नहीं देख सकते हैं, वह कितना शाश्वत शक्तिशाली है और वह कौन है, यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:20 (#2)

"देखने में आते हैं"

किसी चीज़ को समझने के लिए **देखने** शब्द का इस्तेमाल किया गया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब साफ़-साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्पष्ट रूप से देखा जाता है"

देखें: रूपक

रोमियो 1:20 (#3)

"देखने में आते हैं"

अगर आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग स्पष्ट रूप से देख सकते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 1:20 (#4)

"जगत की"

पौलुस ने पूरे भूमण्डल को संदर्भित करने के लिए **जगत** का प्रतीकात्मक रूप से उपयोग किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर द्वारा बनाई गई सभी चीज़ों का"

देखें: उपलक्षण

रोमियो 1:20 (#5)

"जगत की सृष्टि के समय से उसके कामों के द्वारा देखने में आते हैं"

अगर आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो बातें परमेश्वर ने समझ में आने योग्य बनाई हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियो 1:20 (#6)

"यहाँ तक कि वे निरुत्तर हैं"

यहाँ तक यह दर्शाता है कि यह एक परिणाम खंड है। परिणाम खंड को पेश करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप, उनके पास कोई बहाना नहीं है" या "यही कारण है कि उनके पास कोई बहाना नहीं है"

देखें: जोड़े—कारण और परिणाम का संबंध

रोमियो 1:21 (#1)

"परमेश्वर को जानने पर भी"

यहाँ पौलुस ने **जानने पर भी** शब्द का प्रयोग यह संकेत देने के लिए किया है कि ये लोग परमेश्वर के बारे में जानते हैं या जानते हैं कि परमेश्वर अस्तित्व में है। उसका मतलब यह नहीं है कि वे परमेश्वर को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के बारे में जानना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 1:21 (#2)

"उन्होंने परमेश्वर के योग्य बड़ाई और धन्यवाद न किया"

यहाँ, **उन्होंने परमेश्वर के योग्य बड़ाई और धन्यवाद न किया** का मतलब मूल रूप से एक ही बात है। पौलुस इनका इस्तेमाल इस बात पर ज़ोर देने के लिए करता है कि अधर्मी लोग परमेश्वर का अपमान करते हैं। अगर आपकी भाषा में इस तरह से दोहराव नहीं है, तो आप इन वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बिना किसी कृतज्ञता के परमेश्वर का तिरस्कार करते हैं" या "वे परमेश्वर की पूरी तरह से अवहेलना करते हैं"

देखें: द्विरावृत्ति

रोमियो 1:21 (#3)

"और धन्यवाद न किया"

यहाँ पौलुस **धन्यवाद** की अभिव्यक्ति के बारे में ऐसे बात करते है जैसे कि यह कोई ऐसी चीज़ हो जो किसी व्यक्ति को दी जा सकती है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या उन्होंने उसका धन्यवाद किया"

देखें: रूपक

रोमियो 1:21 (#4)

"परन्तु व्यर्थ विचार करने लगे, यहाँ तक कि उनका निर्बुद्धि मन अंधेरा हो गया"

इन दो वाक्यांशों का मतलब एक ही है। पौलुस इनका इस्तेमाल इस बात पर ज़ोर देने के लिए करता है कि परमेश्वर का आदर करने से इनकार करके ये अधर्मी लोग कितने मूर्ख बन गए। अगर एक ही बात को दो बार कहना आपके पाठकों के लिए भ्रमित करने वाला हो सकता है, तो आप इन वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जिस तरह से सोचते हैं, उसमें पूरी तरह से मूर्ख बन गए"

देखें: द्विरावृत्ति

रोमियो 1:21 (#5)

"परन्तु व्यर्थ विचार करने लगे"

अगर आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे व्यर्थ बातें सोचने लगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियो 1:21 (#6)

"उनका निर्बुद्धि मन अंधेरा हो गया"

यहाँ पौलुस **मन** के बारे में इस तरह बात करता है मानो वह मानसिक रूप से चीज़ों को समझ सकता हो या अंधकारमय हो सकता है। वह **अंधेरा हो गया** शब्द का उपयोग किसी के समझने की क्षमता खोने के संदर्भ में करते हैं। उसका मतलब है कि इन लोगों में आत्मिक संवेदनशीलता की कमी है और वे आत्मिक चीज़ों को समझने में असमर्थ हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप अपनी संस्कृति से एक समान रूपक का उपयोग कर सकते हैं या इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका हृदय आत्मिक चीज़ों को महसूस करने या समझने में असमर्थ हो गया"

देखें: रूपक

रोमियो 1:21 (#7)

"मन"

यहाँ पौलुस ने **मन** शब्द का प्रयोग किसी व्यक्ति के आंतरिक अस्तित्व या मन को संदर्भित करने के लिए किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आंतरिक अस्तित्व" या "मन"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियो 1:21 (#8)

"मन"

मन शब्द एकवचन संज्ञा है जो लोगों के समूह के आंतरिक अस्तित्व या मन को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में एकवचन संज्ञाओं का उस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आंतरिक अस्तित्व" या "हृदय"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:22 (#1)

"मूर्ख बन गए"

मूर्ख बन गए वाक्यांश इन अधर्मी लोगों द्वारा पिछले खंड में अपने बारे में किए गए दावे के विपरीत है। अपनी भाषा में विरोधाभास को प्रस्तुत करने के लिए स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके बजाय वे मूर्ख बन गए"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

रोमियो 1:22 (#2)

"मूर्ख बन गए"

वैकल्पिक अनुवाद: "वे मूर्ख बन गए" या "उन्होंने मूर्खों की तरह काम किया" या "उन्होंने मूर्खों की तरह काम करना शुरू कर दिया"

रोमियों 1:23 (#1)

"और"

यहाँ, **और** यह इंगित करता है कि आगे जो बताया गया है वह बताता है कि इन अधर्मी और अभक्ति लोगों ने "मूर्ख बनने" के बाद क्या किया, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। आप यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना चाह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "; फिर वे" या "फिर उन्होंने"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियो 1:23 (#2)

"और अविनाशी परमेश्वर की महिमा को नाशवान मनुष्य, और पक्षियों, और चौपायों, और रेंगनेवाले जन्तुओं की मूरत की समानता में बदल डाला"

पौलुस ने इन अधर्मी लोगों के कार्यों का वर्णन करने के लिए **बदल डाला** का उपयोग किया जैसे कि वे सामान या पैसे का आदान-प्रदान कर रहे थे। पौलुस का मतलब है कि उन्होंने परमेश्वर की आराधना करना बंद कर दिया है और इन प्राणियों के समान मूर्तियों की पूजा करना शुरू कर दिया है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। आप यहाँ एक नया वाक्य शुरू कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, "; तब उन्होंने अविनाशी परमेश्वर की महिमा करना बंद कर दिया ताकि वे परमेश्वर द्वारा बनाई गई चीज़ों की छवियों की पूजा करें: नाशवान मनुष्य, पक्षी, चौपाए जानवर और रेंगने वाले जीव" या "तब उन्होंने अविनाशी परमेश्वर की महिमा करना बंद कर दिया ताकि वे परमेश्वर द्वारा बनाई गई चीज़ों की छवियों की पूजा करें: नाशवान मनुष्य, पक्षी, चौपाए जानवर और रेंगने वाले जीव"

देखें: रूपक

रोमियो 1:23 (#3)

"अविनाशी परमेश्वर की महिमा को नाशवान मनुष्य"

अविनाशी परमेश्वर की महिमा को नाशवान मनुष्य की समानता, इन दो वाक्यांशों का अर्थ विपरीत है। **परमेश्वर** और **मनुष्य** के बीच के अंतर पर ज़ोर देने के लिए पौलुस समान वाक्यांशों के साथ विपरीत बात कहता है। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करके एक अंतर व्यक्त करें जो समानांतर विचारों का उपयोग करता है।

देखें: समानांतरता

रोमियो 1:23 (#4)

"अविनाशी परमेश्वर की महिमा"

अगर आपकी भाषा में **महिमा** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अविनाशी परमेश्वर की महिमा करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:23 (#5)

"अविनाशी परमेश्वर की महिमा"

पौलुस **महिमा** और **अविनाशी परमेश्वर** के बीच के रिश्ते का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यह वाक्यांश निम्न को संदर्भित कर सकता है: (1) वह महिमा जो परमेश्वर की विशेषता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह महिमा जो अविनाशी परमेश्वर की विशेषता है" (2) वह महिमा जो परमेश्वर की है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह महिमा जो केवल अविनाशी परमेश्वर की है"

देखें: स्वामित्व

रोमियो 1:23 (#6)

"मूरत की समानता"

मूरत और समानता के रूप में अनुवादित शब्दों का उपयोग पुराने नियम के यूनानी अनुवाद में एक ही चीज़ को संदर्भित करने के लिए किया गया था (1:26)। यहाँ पौलुस यह संकेत देने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है कि **मूरत समानता** की व्याख्या है। अपनी भाषा में एक और स्पष्टीकरण या विस्तार प्रस्तुत करने वाले शब्द या वाक्यांश का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "एक समानता, यानी एक स्वरुप"

देखें: स्वामित्व

रोमियो 1:23 (#7)

"और पक्षियों, और चौपायों, और रेंगनेवाले जन्तुओं की"

पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जिनकी कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा होने के लिए ज़रूरत होती है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप पद में पहले से ये शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और पक्षियों की आकृतियाँ, और चौपायों की आकृतियाँ, और रेंगने वाले जीवों की आकृतियाँ"

देखें: पदलोप

रोमियो 1:23 (#8)

"और चौपायों"

चौपायों का मतलब उन जानवरों से है जो चार पैरों पर चलते हैं। अपनी भाषा में इस तरह के जानवर का वर्णन करने के लिए सबसे स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "चौपायों का" या "चार पैरों वाले जानवरों का"

रोमियो 1:24 (#1)

"इस कारण"

इस कारण शब्द यह दर्शाता है कि आगे जो कुछ भी है वह तार्किक निष्कर्ष है। **इस कारण** यहाँ एक परिणाम खंड प्रस्तुत किया गया है। पौलुस लोगों द्वारा परमेश्वर की महिमा को अस्वीकार करने के परिणाम के बारे में बता रहा है, जैसा कि पिछले पद में वर्णित है। परिणाम खंड प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप" या "यही कारण है" या "इस कारण से"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियो 1:24 (#2)

"परमेश्वर ने उन्हें उनके मन की अभिलाषाओं के अनुसार अशुद्धता के लिये छोड़ दिया"

पौलुस इन लोगों के बारे में ऐसे बात करता है मानो **परमेश्वर** उन्हें शारीरिक रूप से **अभिलाषाओं** के अधीन छोड़ रहा हो। उसका मतलब है कि परमेश्वर उन्हें वह पाने की अनुमति दे रहा है जो वे चाहते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उन्हें अपने दिल की **अभिलाषाओं** के वश में होने दिया।

देखें: रूपक

रोमियो 1:24 (#3)

"उन्हें उनके मन की अभिलाषाओं"

पौलुस उन **अभिलाषाओं** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है जो **उनके मन** से आती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अभिलाषाओं जो उनके हृदय से आती हैं।"

देखें: स्वामित्व

रोमियो 1:24 (#4)

"उनके मन की"

देखें कि आपने 1:21 में " **मन**" का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियो 1:24 (#5)

"अशुद्धता के लिये"

यह एक परिणाम खंड है। पौलुस लोगों के उनके मन की **अभिलाषाओं में लिप्त होने** के परिणाम के बारे में बता रहे हैं। परिणाम व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद (अल्पविराम से पहले): ", जिसके परिणामस्वरूप अशुद्धता होती है।"

देखें: जोड़े— कारण और परिणाम का संबंध

रोमियो 1:24 (#6)

"अशुद्धता के लिये"

अगर आपकी भाषा में **अशुद्धता** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अशुद्ध हो जाना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:24 (#7)

"अशुद्धता के लिये"

यहाँ पौलुस ने यौन अनैतिकता को **अशुद्धता** के रूप में संदर्भित किया है, जैसे कि यह कोई गंदी चीज़ हो। उसका मतलब है कि ये कामुक लोग यौन अनैतिक कार्य करने के परिणामस्वरूप आत्मिक रूप से अशुद्ध हो जाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी संस्कृति से एक समान रूपक का उपयोग कर सकते हैं या इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, "यौन अनैतिक बनना"

देखें: रूपक

रोमियो 1:24 (#8)

"अनादर करें"

यहाँ, **अनादर करें** का मतलब हो सकता है: (1) परमेश्वर द्वारा लोगों को उनकी **अभिलाषाओं के हवाले** कर देने का नतीजा। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके परिणामस्वरूप उनका अपमान होता है" (2) वह उद्देश्य जिसके लिए **परमेश्वर** ने उन्हें **उनकी अभिलाषाओं के अनुसार** कर दिया। वैकल्पिक अनुवाद: "अपमान करने के लिए।"

देखें: जोड़े—लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियो 1:24 (#9)

"अपने शरीरों का अनादर करें"

इस खंड में पौलुस ने **अपने शरीर का अनादर करें** का प्रयोग यौन अनैतिक कृत्यों को संदर्भित करने के लिए प्रतीकात्मक रूप से किया है। यह शर्मनाक कृत्य को संदर्भित करने का एक विनम्र तरीका है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे संदर्भित करने का एक अलग विनम्र तरीका इस्तेमाल कर सकते हैं या आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यौन अनैतिक कार्य करना" या "यौन अनैतिक गतिविधि में लिप्त होना"

देखें: मंगल भाषण

रोमियो 1:25 (#1)

"उन्होंने परमेश्वर की सच्चाई को बदलकर झूठ बना डाला"

पौलुस ने इन अधर्मी लोगों के कार्यों का वर्णन करने के लिए **बदलकर** का उपयोग किया है जैसे कि वे सामान या पैसे का आदान-प्रदान कर रहे थे। पौलुस का मतलब है कि उन्होंने परमेश्वर के बारे में जो सच है उस पर विश्वास करना बंद कर दिया और मूर्तियों पर विश्वास करना शुरू कर दिया, जो झूठे देवता हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:23 में **बदलकर** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद, "इन लोगों ने परमेश्वर के सत्य पर विश्वास करने से इनकार कर दिया और जो झूठ है उसे स्वीकार कर लिया।"

देखें: रूपक

रोमियो 1:25 (#2)

"परमेश्वर की सच्चाई को बदलकर झूठ बना डाला"

अगर आपकी भाषा में **सच्चाई** और **झूठ** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के बारे में जो सही है उसके लिए जो गलत है।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियो 1:25 (#3)

"परमेश्वर की सच्चाई"

पौलुस **परमेश्वर** के बारे में **सच्चाई** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के बारे में सत्य।"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 1:25 (#4)

"उपासना और सेवा की"

इन दो वाक्यांशों का अर्थ मूलतः एक ही है। पौलुस इनका उपयोग इस बात पर ज़ोर देने के लिए करता है कि इन लोगों ने सच्चे **परमेश्वर** की आराधना करने से पूरी तरह इनकार कर दिया। अगर आपकी भाषा में इस तरह दोहराव नहीं है, तो आप इन वाक्यांशों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरे दिल से आराधना की।"

देखें: द्विरावृत्ति

रोमियों 1:25 (#5)

"सृष्टि"

अगर आपकी भाषा में **सृष्टि** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या रचा गया था"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:25 (#6)

"सृजनहार की जो सदा धन्य है"

यह वाक्यांश **सृजनहार** के बारे में और जानकारी देता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच के संबंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सृष्टिकर्ता परमेश्वर जो अनंत काल तक धन्य है।"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 1:25 (#7)

"जो सदा धन्य है"

सृजनहार का नाम लेने के बाद, पौलुस आशीर्वाद जोड़ते है। ऐसा रूप इस्तेमाल करें जिसे लोग आपकी भाषा में आशीर्वाद के रूप में पहचान सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अनंत काल तक धन्य रहे"

देखें: आशीर्वाद

रोमियों 1:25 (#8)

"धन्य"

सृजनहार का वर्णन करने के लिए पौलुस विशेषण धन्य का प्रयोग संज्ञा के रूप में कर रहे है। यदि आपकी भाषा में विशेषणों का उसी तरह उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसका अनुवाद संज्ञा वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परम धन्य"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 1:26 (#1)

"परमेश्वर ने उन्हें नीच कामनाओं के वश में छोड़ दिया"

देखें कि आपने 1:24 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 1:26 (#2)

"नीच कामनाओं के वश में"

पौलुस उन **कामनाओं** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है जो **नीच** बातों से जुड़ी हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपमानजनक भावनाएँ"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 1:26 (#3)

"कामनाओं के वश"

अगर आपकी भाषा में **कामनाओं** और **वश** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो कुछ करने में रुचि रखते हैं, उसे करके स्वयं का अपमान करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:26 (#4)

"इसलिए"

इसलिए अनुवादित शब्द **कामनाओं के वश** की व्याख्या प्रस्तुत करता है। यह व्याख्या शब्द यहाँ तक के बाद शुरू होती है और अगले पद के अंत तक जारी रहती है। अपनी भाषा में एक ऐसा शब्द या वाक्यांश इस्तेमाल करें जो आगे की व्याख्या या विस्तार प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात्,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 1:26 (#5)

"यहाँ तक कि उनकी स्त्रियों ने भी स्वाभाविक व्यवहार को उससे जो स्वभाव के विरुद्ध है, बदल डाला"

पौलुस ने अधर्मी महिलाओं के कार्यों का वर्णन करने के लिए **बदल डाला** का उपयोग किया है जैसे कि वे सामान या पैसे का आदान-प्रदान कर रही थीं। पौलुस का मतलब है कि उन्होंने पुरुषों के साथ **स्वाभाविक** यौन क्रियाएँ करना बंद कर दिया और अन्य महिलाओं के साथ यौन क्रियाएँ करना शुरू कर दिया, जो **स्वाभाविक के विरुद्ध** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:23 और 25 में **बदल डाला** का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद, "पुरुषों के साथ प्राकृतिक यौन क्रियाएँ करना बंद कर दिया और महिलाओं के साथ अप्राकृतिक यौन क्रियाएँ करना शुरू कर दिया"

देखें: रूपक

रोमियों 1:26 (#6)

"स्वाभाविक व्यवहार"

पौलुस ने **स्वाभाविक व्यवहार** का प्रयोग महिलाओं और पुरुषों के बीच यौन क्रियाकलापों को संदर्भित करने के लिए लाक्षणिक रूप से किया है। यह किसी ऐसी चीज़ को संदर्भित करने का एक विनम्र तरीका है जो कुछ संस्कृतियों में अपमानजनक होगी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे संदर्भित करने का एक अलग विनम्र तरीका इस्तेमाल कर सकते हैं या आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पुरुषों के साथ यौन क्रियाकलाप"

देखें: मंगल भाषण

रोमियों 1:26 (#7)

"उससे जो स्वभाव के विरुद्ध है"

पौलुस महिलाओं और अन्य महिलाओं के बीच यौन गतिविधि को संदर्भित करने के लिए **स्वभाव के विरुद्ध** शब्द का प्रयोग करते हैं। यह किसी अनैतिक चीज़ को संदर्भित करने का एक विनम्र तरीका है। यदि यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसे संदर्भित करने का एक अलग विनम्र तरीका इस्तेमाल कर सकते हैं या आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य महिलाओं के साथ यौन गतिविधि"

देखें: मंगल भाषण

रोमियों 1:27 (#1)

"वैसे ही पुरुष भी"

यह वाक्यांश इस बात पर ज़ोर देता है कि आगे जो लिखा गया है वह 1:26 के समान है। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी तरह, पुरुष भी"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 1:27 (#2)

"छोड़कर"

पौलुस इन लोगों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे अपना स्थान छोड़कर किसी दूसरे स्थान पर जा रहे हों। उसका मतलब है कि वे परमेश्वर द्वारा लोगों के लिए यौन क्रिया करने के तरीके को त्याग रहे हैं या अस्वीकार कर रहे हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप अपनी संस्कृति से एक समान रूपक का उपयोग कर सकते हैं या इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "त्याग दिया" या "अस्वीकार कर दिया"

देखें: रूपक

रोमियों 1:27 (#3)

"स्त्रियों के साथ स्वाभाविक व्यवहार छोड़कर"

देखिये आपने पिछले पद में **स्वाभाविक व्यवहार** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मंगल भाषण

रोमियों 1:27 (#4)

"स्त्रियों के साथ स्वाभाविक व्यवहार"

पौलुस **स्त्रियों के साथ स्वाभाविक व्यवहार** के उपयोग का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहैं हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्त्रियों से जुड़ा स्वाभाविक व्यवहार"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 1:27 (#5)

"स्त्रियों के"

पौलुस इन स्त्रियों के बारे में सामान्य रूप से बात कर रहैं हैं, किसी एक विशेष **स्त्री** के बारे में नहीं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "महिलाओं के बारे में"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 1:27 (#6)

"आपस में कामातुर होकर जलने लगे"

पौलुस **कामातुर** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे कि यह आग की तरह जलती हो। उसका मतलब है कि उनकी **कामातुरता** बेकाबू है, एक बेतहाशा जलती आग की तरह। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप इसका मतलब साफ-साफ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दूसरे के लिए जुनूनी रूप से कामुकता" या "एक दूसरे को बहुत चाहते थे"

देखें: रूपक

रोमियों 1:27 (#7)

"आपस में कामातुर होकर जलने लगे"

अगर आपकी भाषा में **कामातुर** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दूसरे के लिए वासना से जलना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:27 (#8)

"पुरुषों ने पुरुषों के साथ निर्लज्ज काम करके"

यह वाक्यांश पुरुषों द्वारा अन्य पुरुषों के साथ यौन क्रियाकलाप करने को संदर्भित करता है। यह किसी अनैतिक चीज़ को संदर्भित करने का एक विनम्र तरीका है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे संदर्भित करने का एक अलग विनम्र तरीका इस्तेमाल कर सकते हैं या आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पुरुष बेशर्मी से एक दूसरे के साथ यौन क्रियाकलाप करते हैं"

देखें: मंगल भाषण

रोमियों 1:27 (#9)

"काम करके"

पौलुस पुरुषों के एक दूसरे के साथ अप्राकृतिक काम करने की बात करते हैं जैसे कि उनकी बातचीत से कुछ पैदा हो सकता है, एक बेशर्मी भरा काम। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप अपनी संस्कृति से एक समान रूपक का उपयोग कर सकते हैं या इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रतिबद्ध होना" या "संलग्न होना"

देखें: रूपक

रोमियों 1:27 (#10)

"निर्लज्ज काम करके अपने भ्रम का ठीक फल पाया।"

मूल भाषा में **फल** वाक्यांश जोर देने के लिए खंड के सामने है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप उस जोर को दिखाने के लिए इन वाक्यांशों के क्रम को व्यवस्थित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और दण्ड, जो उनके विकृति के लिए आवश्यक था, अपने आप में प्राप्त कर रहे थे"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 1:27 (#11)

"और"

यहाँ, **और** यह दर्शाता है कि आगे जो कुछ हुआ वह **निर्लज्ज काम** का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और परिणामस्वरूप"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 1:27 (#12)

"ठीक फल पाया"

पौलुस उनके पापपूर्ण कार्य के लिए **फल** के बारे में इस तरह बात करता है जैसे कि यह कुछ ऐसा हो जिसे वे अपने अंदर प्राप्त कर सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने शरीर में अनुभव करना" या "अपने बीच प्राप्त करना"

देखें: रूपक

रोमियों 1:27 (#13)

"ठीक फल"

अगर आपकी भाषा में **फल** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सजा देने की प्रक्रिया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:27 (#14)

"निर्लज्ज काम करके अपने भ्रम का ठीक फल पाया।"

अगर आपकी भाषा में **निर्लज्ज काम** के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उनके विकृत कृत्यों के लिए आवश्यक था"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:28 (#1)

"जब उन्होंने परमेश्वर को पहचानना न चाहा"

यहाँ, **परमेश्वर को पहचानना न चाहा** एक मुहावरा है जो परमेश्वर के बारे में सोचने या परमेश्वर को स्वीकार करने को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें परमेश्वर के बारे में सोचना पसंद नहीं था"

देखें: मुहावरा

रोमियों 1:28 (#2)

"उन्होंने परमेश्वर को पहचानना"

अगर आपकी भाषा में **पहचानना** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के बारे में पूरी तरह से जागरूक न होना" या "परमेश्वर के अस्तित्व को पूरी तरह से स्वीकार न करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:28 (#3)

"परमेश्वर ने भी उन्हें उनके निकम्मे मन पर छोड़ दिया"

देखें कि आपने 1:24 और 26 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 1:28 (#4)

"निकम्मे मन पर"

पौलुस इन अधर्मी लोगों के मन के विषय में सामान्य तौर पर बात कर रहे हैं, किसी एक विशेष **मन** की नहीं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप एक ज़्यादा स्वाभाविक वाक्यांश का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अस्वीकृत मन के लिए"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 1:28 (#5)

"निकम्मे मन पर"

यहाँ, **मन** का तात्पर्य व्यक्ति की इच्छा और नैतिक तर्क से है। इन अधर्मी लोगों में से एक का मन **निकम्मा** हो गया है, जिसका अर्थ है कि इसे परमेश्वर ने बेकार समझकर अस्वीकार कर दिया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मन जो बेकार हो गया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 1:28 (#6)

"काम करें"

यहाँ, **काम करें** का मतलब हो सकता है: (1) एक **निकम्मे मन** का परिणाम। वैकल्पिक अनुवाद: "और परिणामस्वरूप वे करते हैं" या "उन्हें कार्य करने के लिए प्रेरित करना" (2) एक **निकम्मे मन** का उद्देश्य। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि वे ऐसा करें"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 1:28 (#7)

"वे अनुचित काम करें"

वाक्यांश **वे अनुचित काम करें**, वह पौलुस द्वारा 1:29–31 में वर्णित बातों को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अनुचित बातें जो इसके बाद आती हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 1:29 (#1)

"वे सब प्रकार के अधर्म, और दुष्टता, और लोभ, और बैर-भाव से भर गए; और डाह,"

पौलुस इन अधर्मी लोगों को संदर्भित करने के लिए **भर गए** का उपयोग करते हैं जैसे कि वे एक बर्तन हों जो पौलुस द्वारा इस खंड में सूचीबद्ध पापों से **भर गए** हो। जैसे एक बर्तन जो किसी चीज से **भर गए** हो, लोग इन पापों से पूरी तरह नियंत्रित हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी संस्कृति से एक समान रूपक का उपयोग कर सकते हैं या इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधर्म, दुष्टता, लोभ और द्वेष से पूरी तरह नियंत्रित"

देखें: रूपक

रोमियों 1:29 (#2)

"भरपूर"

अगर आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने खुद को भर लिया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 1:29 (#3)

"सब प्रकार के अधर्म, और दुष्टता, और लोभ, और बैर-भाव से भर गए"

अगर आपकी भाषा में **अधर्म, दुष्टता, लोभ** और **बैर-भाव** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी अधर्म, दुष्टता, लोभ और दुर्भावनापूर्ण विचारों से भरा हुआ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:29 (#4)

"और डाह, और हत्या, और झगड़े, और छल, और ईर्ष्या से भरपूर हो गए"

पौलुस इन अधर्मी लोगों को एक बरतन के रूप में संदर्भित करने के लिए **भरपूर हो गए** का उपयोग करते हैं, जैसे कि वे उन पापों से **भरपूर हो गए** हैं जिन्हें पौलुस इस वाक्य में सूचीबद्ध करते हैं। जैसे एक बरतन जो किसी चीज़ से **भरपूर** होता है, वैसे ही लोग पूरी तरह से इन पापों द्वारा नियंत्रित होते हैं। अगर यह आपकी भाषा में मददगार हो, तो आप अपनी संस्कृति से एक समान रूपक का उपयोग कर सकते हैं या इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ईर्ष्या, हत्या, संघर्ष, छल और झगड़े से पूरी तरह नियंत्रित"

देखें: रूपक

रोमियों 1:29 (#5)

"और बैर-भाव से भर गए; और डाह, और हत्या, और झगड़े, और छल, और ईर्ष्या से भरपूर हो गए"

यदि आपकी भाषा **बैर-भाव**, **डाह**, **हत्या** और **छल** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे ईर्ष्यालु, हत्यारे, झगड़ालू और धोखेबाज विचारों से भरे हुए हैं, और वे बुरे काम करने का इरादा रखते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:30 (#1)

"परमेश्वर से घृणा करनेवाले, हिंसक, अभिमानी," - "आज्ञा का उल्लंघन करनेवाले,"

पौलुस इन विशेषणों का उपयोग संज्ञा के रूप में लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए कर रहे है। यदि आपकी भाषा में विशेषणों का उपयोग उसी तरह नहीं किया जाता है, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग परमेश्वर से घृणा करते हैं, वे लोग अहंकारी हैं, वे लोग हिंसक हैं, वे लोग अभिमानी हैं ... वे लोग आज्ञा का उल्लंघन करनेवाले हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 1:30 (#2)

"निन्दा करनेवाले," - "बुरी-बुरी बातों के बनानेवाले"

अगर आपकी भाषा में **निन्दा करनेवाले** और **बुरी-बुरी बातों के बनानेवाले** के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग दूसरों के खिलाफ बोलते हैं ... जो लोग बुरे काम करने के तरीके खोजते करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:30 (#3)

"बुरी-बुरी बातों के बनानेवाले"

पौलुस उन **बनानेवालों** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है जो **बुरी-बुरी बातों** का आविष्कार करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुरी चीजों का आविष्कार करना"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 1:31 (#1)

"निर्बुद्धि, विश्वासघाती, स्वाभाविक व्यवहार रहित, कठोर और निर्दयी"

पौलुस इन विशेषणों का उपयोग संज्ञा के रूप में लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए कर रहें हैं। यदि आपकी भाषा में विशेषणों का उपयोग उसी तरह नहीं किया जाता है, तो आप इसका अनुवाद संज्ञा वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग मूर्ख, अविश्वासी, हृदयहीन और निर्दयी हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 1:32 (#1)

"परमेश्वर की यह विधि"

अगर आपकी भाषा में आदेश के लिए भाववाचक संज्ञा का इस्तेमाल नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो सही ढंग से व्यवस्थित है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:32 (#2)

"परमेश्वर की यह विधि"

पौलुस परमेश्वर की ओर से आने वाले धार्मिक **विधियों** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का धार्मिक आदेश" या "जो परमेश्वर विधि देता है वह सही है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 1:32 (#3)

"कि"

यहाँ, **कि** इंगित करता है कि आगे जो कुछ लिखा गया है वह **परमेश्वर के धर्मी विधि** की विषय-वस्तु है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अर्थात्, कि” या “दूसरे शब्दों में, कि”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 1:32 (#4)

"ऐसे-ऐसे काम" - "ऐसे काम" - "वरन् करनेवालों से"

सर्वनाम **ऐसे-ऐसे काम** और **ऐसे काम** और **करनेवालों** 1:28–31 में "जो चीजें उचित नहीं हैं" की सूची को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसी अनुचित चीजें ... ये अनुचित काम ... जो लोग इन अनुचित चीजों को करते रहते हैं" या "इस तरह की बुरी चीजें ... ये बुरे काम ... जो लोग इन बुरी चीजों को करते रहते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 1:32 (#5)

"मृत्यु के दण्ड के योग्य हैं"

पौलुस लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए विशेषण **योग्य** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहैं हैं। यदि आपकी भाषा में विशेषणों का उपयोग उसी तरह नहीं किया जाता है, तो आप इसका अनुवाद संज्ञा वाक्यांश से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो मृत्यु के योग्य हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 1:32 (#6)

"मृत्यु के दण्ड के योग्य हैं"

अगर आपकी भाषा में **मृत्यु** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं किया गया है, तो आप उसी विचार को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मरने के योग्य हैं”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 1:32 (#7)

"मृत्यु के दण्ड के योग्य हैं"

यहाँ, **मृत्यु** आत्मिक **मृत्यु** को संदर्भित करती है, जो भौतिक मृत्यु के बाद नरक में अनन्त दण्ड है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक रूप से मरने के योग्य हैं" या "आत्मिक मृत्यु के योग्य हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:1 (#1)

"अतः"

अतः यहाँ पर पत्र के एक नए भाग की शुरुआत को चिन्हित करता है। यह एक परिणाम खण्ड भी प्रस्तुत करता है जो उस व्यवहार के परिणामों को संक्षेप में बताता है जिसे पौलुस ने 1:18–32 में वर्णित किया है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप" या "तो फिर"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 2:1 (#2)

"तू कोई क्यों न हो" - "क्योंकि जिस बात में तू" -"इसलिए कि तू जो दोष लगाता है, स्वयं ही वही काम करता है"

पौलुस यहां सभी लोगों को सन्दर्भित करने के लिए एकवचन सर्वनाम **तू** का उपयोग करते हैं। इस अध्याय के सामान्य टिप्पणी में इस पर चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "**क्योंकि जिस बात में तू" - "दूसरे पर दोष लगाता है" - "उसी बात में अपने आपको भी दोषी ठहराता है;" - "इसलिए कि तू जो दोष लगाता है, स्वयं ही वही काम करता है**"

देखें: समूहों को सन्दर्भित करने वाले एकवचन सर्वनाम

रोमियों 2:1 (#3)

"तू निरुत्तर है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:20 में कैसे किया।

रोमियों 2:1 (#4)

"हे दोष लगानेवाले"

हे दोष लगानेवाले यहाँ एक विस्मयादिबोधक है जिसका उद्देश्य मानव जाति में प्रत्येक न्याय करने वाले व्यक्ति को दोषी ठहराना है। इस विचार को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक विस्मयादिबोधक का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक प्राणी "

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 2:1 (#5)

"तू"

यहाँ, **तू** एक एकवचन संज्ञा है जो सामान्य रूप से मानवता को सन्दर्भित करता है। इस अध्याय कि सामान्य टिप्पणियों में इसकी चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "मानव"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:1 (#6)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** एक कारण वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पद के शेष में पौलुस कारण बताते हैं कि इसलिए कि तू जो दोष लगाता है, स्वयं ही वही काम करता है। आपके भाषा में कारण दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि" या "चूंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 2:1 (#7)

"इसलिए कि तू जो दोष लगाता है"

शब्द का अनुवाद **तू जो** एक सर्वनाम है जो किसी भी तरीके या किसी भी समय का सन्दर्भ देता है जब कोई व्यक्ति किसी और पर दोष लगा सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कभी भी" या "किसी भी चीज़ में जो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 2:1 (#8)

" दूसरे पर"

यहां, **दूसरे पर** किसी अन्य व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी दुसरे व्यक्ति पर"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 2:1 (#9)

"क्योंकि"

यहां, **क्योंकि** एक उपवाक्य प्रस्तुत करता है जो बताता है कि ये निर्णयात्मक लोग आत्म-निंदा क्यों करते हैं। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 2:1 (#10)

"जिस बात में"

वाक्यांश **जिस बात में** उन कार्यों को सन्दर्भित करता है जिनके लिए लोग एक-दूसरे का न्याय करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए कि तू जो दोष लगाता है", स्वयं ही "वही काम करता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 2:2 (#1)

"और हम जानते हैं"

यहाँ, **हम** निम्नलिखित को सन्दर्भित कर सकता है: (1) पौलुस और रोम में कलीसिया। वैकल्पिक अनुवाद: "हम सभी जो मसीह में विश्वास करते हैं" (2) सामान्य रूप से मानवजाति। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी लोग" आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

रोमियों 2:2 (#2)

"परमेश्वर की ओर से सच्चे दण्ड की आज्ञा होती है"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग **दण्ड** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो **परमेश्वर** करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का न्याय" "परमेश्वर कैसे दण्ड देते हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:2 (#3)

"परमेश्वर की ओर से सच्चे दण्ड की आज्ञा होती है"

यदि आपकी भाषा **दण्ड** और **सच्चे** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर जो दण्ड देते हैं वह सत्य के अनुसार होता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:2 (#4)

"ओर से सच्चे दण्ड की आज्ञा होती है"

यह वाक्य उस तरीके को दर्शाता है जिसमें परमेश्वर उन लोगों का न्याय करेंगे जो पापपूर्ण कार्य करते हैं। वे उनके द्वारा वास्तव में किए गए पापों के अनुसार उनका न्याय करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तथ्यों के आधार पर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:2 (#5)

"ऐसे-ऐसे काम करनेवालों"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:32 में कैसे किया।

रोमियों 2:2 (#6)

"ऐसे-ऐसे काम"

यहां, **ऐसे-ऐसे काम** का सन्दर्भ 1:28–32 में "जो चीजें उचित नहीं हैं" की सूची से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसी अनुचित बातें" या "इस प्रकार की बुरी बातें"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:3 (#1)

"और हे मनुष्य, तू जो ऐसे-ऐसे काम करनेवालों पर दोष लगाता है, और स्वयं वे ही काम करता है; क्या यह समझता है कि तू परमेश्वर की दण्ड की आज्ञा से बच जाएगा?"

पौलुस यहाँ एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि ये निर्णयात्मक लोग यह समझ लें कि परमेश्वर अंततः उनके न्यायाधीश होंगे। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु हे मनुष्य, तू जो उन लोगों का न्याय करता है जो ऐसे ऐसे काम करते हैं, और तू भी वही काम करता है, यह न समझ कि तू परमेश्वर के न्याय से बच जायेगा!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 2:3 (#2)

"कि"

सर्वनाम **कि** इस पद के अन्तिम खण्ड को सन्दर्भित करता है **कि तू परमेश्वर की दण्ड की आज्ञा से बच जाएगा**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि परिणाम"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करे

रोमियों 2:3 (#3)

"और हे मनुष्य, तू जो ऐसे-ऐसे काम करनेवालों पर दोष लगाता है, और स्वयं वे ही काम करता है; क्या यह समझता है कि तू परमेश्वर की दण्ड की आज्ञा से बच जाएगा?"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन उपवाक्यों के निर्देश बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हे मनुष्य, तू परमेश्वर के न्याय से बच जाएगा, जो ऐसे ऐसे काम करनेवालों का न्याय करते हैं, और तू भी वही काम करता है।"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 2:3 (#4)

"और हे मनुष्य"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 2:1 में किस प्रकार किया है।

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 2:3 (#5)

"तू जो ऐसे-ऐसे काम" - "और स्वयं वे ही काम करता है"

शब्द **तू जो ऐसे-ऐसे काम** और **और स्वयं वे ही काम करता है** "जो बातें उचित नहीं हैं" की सूची को 1:28–32 में सन्दर्भित करते हैं। देखें कि आपने 2:2 में **ऐसे-ऐसे काम** और 2:1 में **और स्वयं वे ही काम करता है** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:3 (#6)

"क्या यह समझता है कि तू परमेश्वर की दण्ड की आज्ञा से बच जाएगा"

यहां पौलुस **दण्ड** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जिससे कोई **बच** नहीं सकता है। पौलुस का मतलब है कि कोई भी परमेश्वर के न्याय से नहीं बच सकता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि तुम परमेश्वर के न्याय को नहीं रोक पाओगे"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 2:3 (#7)

"परमेश्वर की दण्ड"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 2:2 में कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:4 (#1)

"क्या तू उसकी भलाई, और सहनशीलता, और धीरजरूपी धन को तुच्छ जानता है? और क्या यह नहीं समझता कि परमेश्वर की भलाई तुझे मन फिराव को सिखाती है"

पौलुस यहाँ एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं ताकि यह जोर दिया जा सके कि ये निर्णयात्मक लोग यह जान लें कि **परमेश्वर की भलाई** उन्हें **मन फिराव की ओर** ले जाती है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पौलुस यहाँ एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग इस बात पर ज़ोर देने के लिए कर रहा है कि इन न्याय करने वाले लोगों को पता होना चाहिए कि परमेश्वर की दया उन्हें पश्चाताप की ओर ले जाती है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप उसके शब्दों को एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं और दूसरे तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम जो उसकी भलाई और सहनशीलता और धीरजरूपी धन का तिरस्कार करते हो, निश्चित रूप से जान लो कि परमेश्वर की दया तुम्हें पश्चाताप की ओर ले जाती है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 2:4 (#2)

"तू ... तुच्छ जानता है" - "तुझे"

इस पद्य में पौलुस यहाँ सामान्य रूप से सभी मानवता को सन्दर्भित करने के लिए एकवचन सर्वनाम **तू** और **तुझे** का उपयोग करते हैं। देखें कि 2:1 और 2:3 में 'तुम' का अनुवाद कैसे किया गया है।।

देखें: समूहों को सन्दर्भित करने वाले एकवचन सर्वनामों का उपयोग

रोमियों 2:4 (#3)

"क्या तू उसकी भलाई, और सहनशीलता, और धीरजरूपी धन को तुच्छ जानता है"

पौलुस परमेश्वर की **भलाई, सहनशीलता और धीरजरूपी** के बारे में इस प्रकार बात करते हैं जैसे वे धन हों जिन्हें प्राप्त या अस्वीकार किया जा सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी भलाई, और सहनशीलता, और धीरजरूपी धन को तुच्छ जानता है"

देखें: रूपक

रोमियों 2:4 (#4)

"क्या तू उसकी भलाई, और सहनशीलता, और धीरजरूपी धन को तुच्छ जानता है"

यदि आपकी भाषा में **भलाई**, **सहनशीलता**, और **धीरजरूपी** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह कितना दयालु, सहनशील और धैर्यवान है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:4 (#5)

"उसकी भलाई, सहनशीलता और धीरजरूपी धन," - "परमेश्वर की भलाई"

पौलुस **भलाई**, **सहनशीलता**, और **धीरजरूपी** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **परमेश्वर** की विशेषता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर की भलाई, सहनशीलता और धैर्य के विषय में... परमेश्वर की भलाई"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:4 (#6)

"परमेश्वर की भलाई तुझे मन फिराव को सिखाती है।"

पौलुस परमेश्वर की **भलाई** के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हों जो किसी को **मन फिराव** की ओर ले जा सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अपनी भलाई का इस्तेमाल करके आपको पश्चाताप करवाते हैं"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 2:4 (#7)

"तुझे मन फिराव को सिखाती है"

यहां, **मन फिराव** एक उद्देश्य वाक्यांश है। पौलुस **परमेश्वर की भलाई** का उद्देश्य बता रहे हैं। अपनी भाषा में एक उद्देश्य वाक्यांश को इंगित करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "तुझे मन फिराव सिखाती है" या "चीजों को देखने के तरीके को पूरी तरह से बदलने के लिए तेरा मार्गदर्शन करता है"

देखें: जोड़े — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियों 2:4 (#8)

"मन फिराव"

यदि आपकी भाषा में **मन फिराव** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चीजों को देखने के अपने तरीके को पूरी तरह से बदलने के लिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:5 (#1)

"पर अपनी कठोरता"

पौलुस इन लोगों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे एक कठोर पदार्थ हों। उनका मतलब है कि ये लोग अपने निर्णयात्मक जीवन के तरीके से मन फिराने के लिए जिद्दी रूप से इनकार करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी संस्कृति से एक समानार्थक रूपक का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु अपनी जिद के अनुसार"

देखें: रूपक

रोमियों 2:5 (#2)

"और हठीले मन"

यहाँ, **हठीले मन** किसी व्यक्ति की इच्छा या आंतरिक अस्तित्व को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "पश्चाताप न करने की इच्छा" या "पश्चाताप करने की अनिच्छा"

देखें: रूपक

रोमियों 2:5 (#3)

"अपने लिये क्रोध कमा रहा है"

यहां पौलुस **क्रोध** के बारे में बात करते हैं जैसे कि यह कोई वस्तु हो जिसे कोई संचित कर सकता है। उनका मतलब है कि जितना अधिक लोग मन फिराने से इनकार करते हैं, उतना ही अधिक परमेश्वर का क्रोध उनके खिलाफ बढ़ता जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""तुम अपने विरुद्ध परमेश्वर के क्रोध को बढ़ा रहे हो"

देखें: रूपक

रोमियों 2:5 (#4)

"क्रोध" - "क्रोध"

यहां पौलुस **क्रोध** का उपयोग परमेश्वर के **क्रोध** के परिणाम का उल्लेख करने के लिए करते हैं, जो लोगों का न्याय करना और उन्हें सजा देना है क्योंकि वे अधर्मी हैं। देखें कि आपने इस शब्द के इसी उपयोग का अनुवाद 1:18 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 2:5 (#5)

"उसके क्रोध के दिन के लिये, जिसमें परमेश्वर का सच्चा न्याय प्रगट होगा"

पौलुस मानते हैं कि उनके पाठक यह समझेंगे कि **उसके क्रोध के दिन** और **परमेश्वर का सच्चा न्याय प्रगट होगा** दोनों भविष्य के उस समय को सन्दर्भित करते हैं जब परमेश्वर सभी दुष्ट लोगों को दण्डित करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह समय जब परमेश्वर अन्ततः दुष्ट लोगों को दण्ड देंगे और अपना धर्मी न्याय प्रकट करेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:5 (#6)

"उसके क्रोध के दिन के लिये, जिसमें परमेश्वर का सच्चा न्याय प्रगट होगा, अपने लिये क्रोध कमा रहा है"

पौलुस **दिन** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **क्रोध** और **परमेश्वर का सच्चा न्याय प्रगट होने** कि विशेषता वाला दिन है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के क्रोध और उनके धर्मी न्याय के प्रकटीकरण वाला दिन"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:5 (#7)

"उसके क्रोध के दिन के लिये, जिसमें परमेश्वर का सच्चा न्याय प्रगट होगा, अपने लिये क्रोध कमा रहा है"

यदि आपकी भाषा **क्रोध**, **प्रगट**, और **न्याय** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के क्रोध दिन, जब वह प्रकट करेंगे कि वह कितना न्यायपूर्ण ढंग से न्याय करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:5 (#8)

"जिसमें परमेश्वर का सच्चा न्याय प्रगट होगा"

पौलुस परमेश्वर के धर्मी न्याय का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जैसा कि **जिसमें परमेश्वर का सच्चा न्याय प्रगट होगा** प्रकट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब परमेश्वर अपना धर्मी न्याय प्रकट करेंगे"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:5 (#9)

"जिसमें परमेश्वर का सच्चा न्याय प्रगट होगा"

पौलुस **सच्चा न्याय** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **परमेश्वर** द्वारा किया जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का न्यायपूर्वक न्याय करना"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:6 (#1)

"वह हर एक को उसके कामों के अनुसार बदला देगा"

यह अनुच्छेद पुराने नियम से एक उद्धरण है (62:12) । यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इसे प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह हर एक को उसके कामों के अनुसार बदला देगा’”

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

रोमियों 2:6 (#2)

"वह हर एक को उसके कामों के अनुसार बदला देगा"

यहाँ पौलुस **बदला देगा** का उपयोग किसी को उचित रूप से दण्डित या पुरस्कृत करने के लिए करते हैं, जैसे कि दण्ड या पुरस्कार उस व्यक्ति के कार्यों के लिए पारस्परिक भुगतान हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक व्यक्ति को उसके कामों के अनुसार उचित दण्ड या पुरस्कार दिया जाएगा।"

देखें: रूपक

रोमियों 2:6 (#3)

"उसके कामों"

यदि आपकी भाषा कामों के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे कैसे काम करते हैं" या "वे क्या करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:7 (#1)

""

सामान्य जानकारी:\n\n 2:7–10 में पौलुस यह स्पष्ट करते हैं कि जब उन्होंने 2:6 में कहा कि परमेश्वर “वह हर एक को उसके कामों के अनुसार बदला देगा" तो उसका क्या मतलब है।

रोमियों 2:7 (#2)

"जो सुकर्म में स्थिर रहकर महिमा, और आदर, और अमरता की खोज में हैं, उन्हें वह अनन्त जीवन देगा।"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनन्त जीवन उन लोगों के लिए है जो महिमा, आदर और अमरत्व की खोज में उत्तम कार्यों में धैर्य रखते हैं।"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 2:7 (#3)

"अनन्त जीवन"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप ये शब्द पिछले पद से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनन्त जीवन वह है जो परमेश्वर वापस देते हैं"

देखें: पदलोप

रोमियों 2:7 (#4)

"जो ," - "खोज में हैं"

पौलुस इन लोगों को **खोज** के रूप में सन्दर्भित करते हैं, जैसे कि वे कुछ प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हों। उनका मतलब है कि वे इस प्रकार जीवन जीने का प्रयास कर रहे हैं कि **जो सुकर्म में स्थिर रहकर महिमा, और आदर** प्राप्त कर सकें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन लोगों के लिए जो ... प्राप्त करने का प्रयास करते रहते हैं”

देखें: रूपक

रोमियों 2:7 (#5)

"जो सुकर्म में स्थिर रहकर महिमा, और आदर, और अमरता की खोज में हैं, उन्हें वह अनन्त जीवन देगा"

यहाँ, **के अनुसार** संकेत कर सकता है: (1) वह साधन जिसके द्वारा ये लोग **महिमा, और आदर, और अमरता की खोज में हैं**। वैकल्पिक अनुवाद: “उन लोगों को सनातन जीवन जो अच्छे काम की सहनशीलता के माध्यम से महिमा और आदर और अक्षयता की खोज कर रहे हैं” (2) वह कारण क्यों परमेश्वर इन लोगों को **अनन्त जीवन** प्रदान करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि वे अच्छे काम में सहनशीलता

रखते हैं और महिमा और आदर और अक्षयता की खोज कर रहे हैं, उन्हें अनन्त जीवन मिलता है”

रोमियों 2:7 (#6)

"जो सुकर्म में स्थिर रहकर"

यदि आपकी भाषा में **स्थिर** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""इस तथ्य के अनुसार कि वे अच्छा काम करते रहते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:7 (#7)

"महिमा, और आदर, और अमरता"

यदि आपकी भाषा में **महिमा**, **आदर**, और **अमरता** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उन्हें महिमा दे, सम्मान दे, और हमेशा के लिए जीवित रखे।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:8 (#1)

"पर जो स्वार्थी हैं"

यदि आपकी भाषा में **स्वार्थी** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वार्थी महत्वाकांक्षी होने से"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:8 (#2)

"पर जो स्वार्थी हैं और सत्य को नहीं मानते, वरन् अधर्म को मानते हैं, उन पर क्रोध और कोप पड़ेगा"

ये दोनों वाक्यांश एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस उनका उपयोग यह दिखाने के लिए करते हैं कि ये लोग कितने पापी हैं। यदि एक ही बात को दो बार कहने से आपके पाठकों को भ्रम हो सकता है, तो आप वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो सत्य और सही बातों के प्रति अवज्ञाकारी हैं।"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

रोमियों 2:8 (#3)

"पर जो स्वार्थी हैं और सत्य को नहीं मानते, वरन् अधर्म को मानते हैं"

यहाँ पौलुस **सत्य** के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो जिसकी कोई अवज्ञा कर सके, और वह **अधर्म** के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो जिसकी कोई आज्ञा मान सके। पौलुस का मतलब है कि उनकी अवज्ञा करके ये लोग उस बात को अस्वीकार करते हैं जो परमेश्वर कहते हैं कि सत्य और सही है।। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो परमेश्वर की अवज्ञा करके सत्य और सही बात को अस्वीकार करते हैं”

देखें: मानवीकरण

रोमियों 2:8 (#4)

"सत्य को " - "अधर्म को"

यदि आपकी भाषा **सत्य** और **अधर्म** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो सत्य है - "जो अधर्म हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:8 (#5)

"क्रोध और कोप"

पौलुस कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्द छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन शब्दों को 2:6 से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्रोध और कोप वही है जिसका बदला परमेश्वर देते हैं"

देखें: पदलोप

रोमियों 2:8 (#6)

"क्रोध"

यहाँ पौलुस **क्रोध** का उपयोग परमेश्वर के **कोप** के परिणाम के रूप में करते हैं, जो लोगों का न्याय और दण्डित करना है क्योंकि वे अधर्मी हैं। देखें कि आपने इस शब्द के इसी उपयोग का अनुवाद 1:18 में कैसे किया।

देखें: रूपक

रोमियों 2:8 (#7)

"क्रोध और कोप"

यदि आपकी भाषा में **क्रोध** और **कोप** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर क्रोधित और कुपित हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:8 (#8)

"क्रोध और कोप"

शब्द **क्रोध** और **कोप** मूल रूप से एक ही चीज़ का अर्थ रखते हैं। पौलुस उनका उपयोग परमेश्वर के उन लोगों के प्रति तीव्र गुस्से को प्रकट करने के लिए करते हैं जो **सत्य को नहीं मानते** हैं। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार की पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन वाक्यांशों को मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन पर क्रोध" या "और कोप" या "क्रोधित गुस्सा"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

रोमियों 2:9 (#1)

"और क्लेश और संकट हर एक मनुष्य के प्राण पर जो बुरा करता है"

पौलुस **क्लेश और संकट** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे ये विचार किसी व्यक्ति पर लागू होते हों। उनका मतलब है कि हर **बुरा** व्यक्ति **क्लेश और संकट** का अनुभव करेगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर प्राणी जो बुराई उत्पन्न करता है, उसे क्लेश और संकट का अनुभव होगा।"

देखें: रूपक

रोमियों 2:9 (#2)

"क्लेश और संकट "

यदि आपकी भाषा में **कष्ट** और **संकट** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कठिन एवं कष्टकारी समय"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:9 (#3)

"क्लेश और संकट"

ये दोनों शब्द मूल रूप से एक ही चीज़ का अर्थ रखते हैं। पौलुस उनका उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए करते हैं कि परमेश्वर का न्याय इन लोगों के विरुद्ध कितना तीव्र होगा। यदि आपकी भाषा में पुनरावृत्ति का इस तरह से उपयोग नहीं होता है, तो आप इन वाक्यांशों को मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्लेश और संकट" या "तीव्र संकट"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

रोमियों 2:9 (#4)

"हर एक मनुष्य के प्राण "

पौलुस **मनुष्य के प्राण** का उपयोग एक व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी प्राणी"

देखें: उपलक्षण

रोमियों 2:9 (#5)

"मनुष्य के"

पौलुस यहाँ **मनुष्य** शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं, जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होती हैं।

रोमियों 2:9 (#6)

"बुरा"

पौलुस लोगों द्वारा की जाने वाली चीजों का वर्णन करने के लिए संज्ञा के रूप में विशेषण **बुरा** का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में विशेषण का उपयोग इस प्रकार नहीं होता है, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुराई क्या है" या "जो चीजें बुरी हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 2:9 (#7)

"पहले यहूदी पर फिर यूनानी पर।"

इस वाक्यांश का अर्थ हो सकता है: (1) यहूदियों के पास अधिक जिम्मेदारी होगी क्योंकि परमेश्वर ने पहले उद्धार की पेशकश उन्हें की थी। वैकल्पिक अनुवाद: "विशेष रूप से यहूदी व्यक्तियों के लिए और गैर-यहूदी व्यक्तियों के लिए भी" (2) यहूदियों का न्याय गैर-यहूदियों से पहले किया जाएगा, जो 1:16 में समान अर्थ है। वैकल्पिक अनुवाद: "पहले यहूदी व्यक्ति के लिए और फिर गैर-यहूदी व्यक्ति के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:9 (#8)

"फिर यूनानी"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:16 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:10 (#1)

"परन्तु महिमा और आदर और कल्याण हर एक को मिलेगा"

यदि आपकी भाषा में **महिमा** और **आदर** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर सभी को महिमा और सम्मान देंगे और शांति प्रदान करेंगे"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:10 (#2)

"कल्याण"

यदि आपकी भाषा में **कल्याण** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यहाँ, **कल्याण** का अर्थ हो सकता है: (1) शान्त और सुरक्षित महसूस करना। वैकल्पिक अनुवाद: "एक शान्तिपूर्ण भावना" (2) परमेश्वर के साथ शान्ति में होना। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के साथ एक शान्तिपूर्ण सम्बन्ध" (3) दोनों, एक शान्तिपूर्ण भावना और परमेश्वर के साथ एक शान्तिपूर्ण सम्बन्ध। "एक शान्तिपूर्ण भावना और परमेश्वर के साथ एक शान्तिपूर्ण सम्बन्ध"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:10 (#3)

"भला"

पौलुस **भला** विशेषण का प्रयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं ताकि वह उन कार्यों का वर्णन कर सके जो लोग करते हैं, जो संज्ञा का गुण या विशेषता बताने के लिए है। यदि आपकी भाषा में विशेषण का उपयोग इस तरह से नहीं होता है, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भले काम" या "जो चीजें भली हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 2:10 (#4)

"पहले यहूदी को फिर यूनानी को"

देखें कि आपने पिछले पद में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:11 (#1)

"क्योंकि परमेश्वर किसी का पक्ष नहीं करता"

यदि आपकी भाषा में **पक्ष** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर एक प्रकार के व्यक्ति को दूसरे से ऊपर सम्मान नहीं देते" या "परमेश्वर एक व्यक्ति की तुलना में दूसरे के प्रति अधिक अनुकूल नहीं हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:12 (#1)

"इसलिए"

इसलिए यहाँ यह संकेत करता है कि 2:12–16 में जो आता है वह पिछले पद में "परमेश्वर के साथ कोई पक्षपात नहीं है" वाक्यांश का कारण स्पष्ट करता है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सत्य है इसलिए"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 2:12 (#2)

"और जिन्होंने व्यवस्था पाकर पाप किया"

पौलुस इस वाक्यांश का उपयोग गैर-यहूदियों के लिए करते हैं, जिन्हें वह 2:9–10 में "यूनानी" कहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जितने भी गैर-यहूदी लोगों ने बिना व्यवस्था के पाप किया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:12 (#3)

"बिना व्यवस्था" - "बिना व्यवस्था," - "व्यवस्था" - " व्यवस्था,"

शब्द **व्यवस्था** एकवचन संज्ञा है जो उन नियमों के समूह को सन्दर्भित करता है जो परमेश्वर ने मूसा को सुनाकर इस्राएल को दिए थे। इस अध्याय के सामान्य टिप्पणियों में इस शब्द की चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर की व्यवस्था के बिना ," - "परमेश्वर की व्यवस्था के बिना" - "परमेश्वर की व्यवस्था"-"परमेश्वर की व्यवस्था”

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:12 (#4)

"बिना व्यवस्था " - "बिना व्यवस्था"

यहाँ, **बिना व्यवस्था** का अर्थ परमेश्वर **कि व्यवस्था** को न जानने से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की व्यवस्था को बिना जाने" या "परमेश्वर की व्यवस्था अज्ञानता में"

देखें: मुहावरा

रोमियों 2:12 (#5)

"नाश"

यहाँ पौलुस **नाश** शब्द का उपयोग उस अनन्त दण्ड के लिए करते हैं जो शारीरिक मृत्यु के बाद नरक में होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनंत काल तक दण्डित भी किया जाएगा” या "अनन्त दण्ड का अनुभव करेगा"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 2:12 (#6)

"और जिन्होंने व्यवस्था पाकर पाप किया"

पौलुस ने इस वाक्यांश का इस्तेमाल यहूदियों को सन्दर्भित करने के लिए किया है, जो वे लोग हैं जिन्हें परमेश्वर ने अपनी व्यवस्था दि थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जितने भी यहूदी लोगों ने व्यवस्था पाकर पाप किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:12 (#7)

"उनका दण्ड व्यवस्था के अनुसार होगा"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य किसने किया, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अपनी व्यवस्था के अनुसार न्याय करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 2:12 (#8)

"व्यवस्था के अनुसार"

यहाँ, **अनुसार** यह संकेत करता है कि **व्यवस्था** वह मानक है जिसके द्वारा परमेश्वर उन लोगों का न्याय करेंगे जो उनकी व्यवस्था को जानते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनका दण्ड व्यवस्था के अनुसार होगा” या “व्यवस्था के अनुसार”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:13 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि यह पद बताता है कि परमेश्वर उन दोनों समूहों के लोगों का न्याय क्यों करते हैं जिनका उल्लेख पिछले पद में किया गया है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर दोनों समूहों के लोगों का निष्पक्ष रूप से न्याय करते हैं क्योंकि”

देखें: मिलाना — कारण और परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 2:13 (#2)

"व्यवस्था के" - "व्यवस्था पर"

देखें कि आपने पिछले पद में **व्यवस्था** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:13 (#3)

"क्योंकि परमेश्वर के यहाँ व्यवस्था के सुननेवाले धर्मी नहीं"

पौलुस यहाँ **परमेश्वर के यहाँ** का उपयोग करते हैं ताकि **धर्मी** लोगों का वर्णन कर सकें, जैसे कि वे **परमेश्वर** की उपस्थिति में स्थित हों। उनका मतलब है कि परमेश्वर उन्हें अपने साथ सही बनाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर द्वारा धर्मी नहीं बनाए गए हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 2:13 (#4)

"पर व्यवस्था पर चलनेवाले धर्मी ठहराए जाएँगे"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करेगा, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" इसे करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: ""परमेश्वर व्यवस्था पर चलनेवालों को धर्मी ठहराएँगे।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 2:14 (#1)

"फिर"

फिर यहाँ यह संकेत करता है कि 2:14–16 एक और कारण प्रस्तुत करते हैं कि परमेश्वर उन दोनों समूहों का न्याय क्यों करते हैं जो 2:12 में उल्लेखित हैं। 2:14–16 यह स्पष्ट करते हैं कि **अन्यजाति**, जो परमेश्वर की व्यवस्था से अनभिज्ञ हैं, फिर भी पापी क्यों माने जाते हैं। अपने भाषा में स्वाभाविक रूप से कारण को स्पष्ट करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर दोनों समूहों के लोगों का निष्पक्ष रूप से न्याय करते हैं क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 2:14 (#2)

"फिर जब अन्यजाति लोग जिनके पास व्यवस्था नहीं," - "तो व्यवस्था उनके पास न होने पर"

पौलुस इन लोगों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे उनके पास **व्यवस्था** नहीं है। उनका मतलब है कि उन्हें वह विधि नहीं मिली जो परमेश्वर ने यहूदियों को दी थी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 2:12 में "व्यवस्था के बिना" का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर की व्यवस्था से अनजान"

देखें: रूपक

रोमियों 2:14 (#3)

"व्यवस्था" - "व्यवस्था की," - "व्यवस्था"

देखें कि आपने **व्यवस्था** का अनुवाद 2:12 में कैसे किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:14 (#4)

"स्वभाव ही से"

यदि आपकी भाषा में **स्वभाव** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वाभाविक रूप से "

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:14 (#5)

"व्यवस्था की बातों पर"

पौलुस विशेष नियमों का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **व्यवस्था** बनाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था की आज्ञाएँ"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:14 (#6)

"तो व्यवस्था उनके पास न होने पर भी वे अपने लिये आप ही व्यवस्था हैं"

यहाँ पौलुस **अन्यजाति** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे **एक व्यवस्था** हों। पौलुस का मतलब है कि गैर-यहूदी लोगों के पास सही और गलत के बारे में अपने खुद के नियम हैं, और उनके नियम परमेश्वर के **व्यवस्था** के समान हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में परमेश्वर की व्यवस्था का पालन कर रहे हैं।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 2:15 (#1)

"वे व्यवस्था की बातें अपने-अपने हृदयों में लिखी हुई दिखाते हैं"

पौलुस गैर-यहूदी लोगों के कुछ बुनियादी नियमों का पालन करने की बात करते हैं, जैसे कि वे अन्य लोगों को **व्यवस्था की बातें** दिखा रहे हों। उनका मतलब है कि गैर-यहूदी लोग यह प्रदर्शित करते हैं कि वे स्वाभाविक रूप से व्यवस्था के कुछ नियमों को समझते हैं और उनका पालन करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो दूसरों को जागरूक करते हैं कि वे व्यवस्था के काम को समझते हैं”

देखें: रुपक

रोमियों 2:15 (#2)

"वे व्यवस्था की बातें अपने-अपने हृदयों में लिखी हुई दिखाते हैं"

यहां पौलुस **व्यवस्था की बातें** की बात करते हैं, जैसे कि वे लोगों के दिलों की सतहों पर लिखे जा सकते हैं। उनका मतलब है कि परमेश्वर ने गैर-यहूदियों को सामान्य रूप से यह जानने में सक्षम बनाया है कि क्या सही है या गलत, भले ही वे व्यवस्था को नहीं जानते हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे व्यवस्था जानते हैं”

देखें: रूपक

रोमियों 2:15 (#3)

"व्यवस्था की बातें"

"पौलुस व्यवस्था का पालन करने वाले **काम** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। इस वाक्यांश का अर्थ पिछले पद में 'व्यवस्था की बातें' के समान है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक सहायक हो, तो आप एक अलग

अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं।"वैकल्पिक अनुवाद: "वह कार्य जिसे व्यवस्था व्यक्ति से करने की मांग करती है।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:15 (#4)

"अपने-अपने हृदयों में लिखी हुई दिखाते हैं"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उनके हृदयों पर लिखी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 2:15 (#5)

"अपने-अपने हृदयों में "

देखें कि आपने 1:21 में "हृदय" का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

रोमियों 2:15 (#6)

"और उनके विवेक भी गवाही देते हैं"

पौलुस इन लोगों की व्यक्तिगत **विवेक** का उल्लेख करने के लिए रूपक रूप में एकवचन का उपयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके विवेक भी गवाही दे रहे हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 2:15 (#7)

"और उनके विवेक भी गवाही देते हैं"

यहां पौलुस **विवेक** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हों जो अदालत में **गवाही** दे रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका विवेक पुष्टि करता है कि यह सत्य है"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 2:15 (#8)

"और उनके विवेक भी गवाही देते हैं, और उनकी चिन्ताएँ परस्पर दोष लगाती, या उन्हें निर्दोष ठहराती हैं"

यह खण्ड बताता है कि **गवाही देने** का क्या अर्थ है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच सम्बन्ध को स्पष्ट कर सकते हैं या एक नया वाक्य शुरू कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""गवाही देना, अर्थात्, प्रत्येक व्यक्ति के विचार जो आरोप लगा रहे हैं या उनका बचाव भी कर रहे हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 2:15 (#9)

"और उनकी चिन्ताएँ परस्पर दोष लगाती, या उन्हें निर्दोष ठहराती हैं"

यहाँ पौलुस **चिन्ताएँ** की बात करते हैं जैसे कि वे कोई व्यक्ति हों जो किसी को कचहरी में आरोपित या बचाव कर सकते हैं। यदि यह आपके लिए भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: (पूर्ववर्ती अल्पविराम हटाएँ): "उनके सोचने के तरीके से उन पर आरोप लगाकर या उनका बचाव करके"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 2:16 (#1)

"जिस दिन"

यहाँ, **जिस दिन** उस समय बिंदु को सन्दर्भित करता है जब कुछ घटित होता है। यह 24 घंटे की अवधि को सन्दर्भित नहीं करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक समय ऐसा आ रहा है"

देखें: रूपक

रोमियों 2:16 (#2)

"जिस दिन परमेश्वर... न्याय करेगा"

पौलुस मानते हैं कि उनके पाठक यह समझेंगे कि **जिस दिन परमेश्वर... न्याय करेंगे** वह भविष्य में वह समय है जब परमेश्वर सभी का न्याय करेंगे, जैसा कि पौलुस ने 2:2 और 2:5 में भी उल्लेख किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भविष्य में जब परमेश्वर अन्ततः न्याय करेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:16 (#3)

"मनुष्यों की गुप्त बातों का"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग **गुप्त बातों** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो **मनुष्यों** के पास होते हैं। ये **गुप्त बातों** विशेष रूप से गुप्त विचार हैं जो लोगों के पास होते हैं, जैसा कि पिछले पद में "विचार" शब्द द्वारा संकेतित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों की गुप्त बातें" या "वे गुप्त बातें जो मनुष्य रखते हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:16 (#4)

"मनुष्यों की गुप्त बातों"

यदि आपकी भाषा में **गुप्त बातों** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य गुप्त रूप से क्या सोचते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:16 (#5)

"मनुष्यों"

पौलुस यहाँ **मनुष्यों** शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और स्त्रियाँ दोनों शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों का" या "लोगों का"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

रोमियों 2:16 (#6)

"मेरे सुसमाचार के अनुसार यीशु मसीह के द्वारा"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु के द्वारा, मेरे सुसमाचार के अनुसार"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 2:16 (#7)

"मेरे सुसमाचार के अनुसार"

पौलुस **सुसमाचार** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह उनका अपना हो। उनका मतलब है कि यह वह **सुसमाचार** है जिसे परमेश्वर ने उन्हें प्रचार करने के लिए सौंपा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के सुसमाचार के अनुसार जो मैं प्रचार करता हूँ"

देखें: रूपक

रोमियों 2:17 (#1)

""

संयोजक वक्तव्य:\n\n यह पद मूल भाषा में **यदि** के साथ शुरू होता है जो यह दर्शाता है कि 2:17–29 में पौलुस विषय बदलते हैं, अन्यजाति लोगों से बात करने से जो व्यवस्था को नहीं जानते, यहूदी लोगों की ओर जो व्यवस्था को जानते हैं। वे समझाते हैं कि यहूदी भी परमेश्वर के न्याय से नहीं बच सकते। वैकल्पिक अनुवाद: “तुम्हें यह भी जानना चाहिए यदि” या “हालांकि”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 2:17 (#2)

"यदि"

यहां, **यदि** एक शर्तीय वाक्य की शुरुआत को इंगित करता है जो इस पद से लेकर 2:21 तक है। पौलुस इस तरह बोलते हैं जैसे यह यहूदियों के विवरण काल्पनिक संभावनाएं हों, लेकिन उनका मतलब है कि वे वास्तव में सत्य हैं। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक यह गलत समझ सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि" या "इसलिए"

देखें: जोड़ना — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 2:17 (#3)

"तू"

हालांकि पौलुस यहूदियों से बात कर रहे हैं, वह काल्पनिक रूप से एक व्यक्ति को सम्बोधित कर रहे हैं, इसलिए 2:17–27 में **तू, तेरा,** और **तू स्वयं** एकवचन है जब तक कि अन्यथा उल्लेख न किया गया हो। यदि आपकी भाषा में एकवचन रूप किसी ऐसे व्यक्ति के लिए स्वाभाविक नहीं होगा जो लोगों के एक दल से बात कर रहा हो, तो आप अपने अनुवाद में **तू, तेरा,** और **तू स्वयं** के बहुवचन रूपों का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: समूहों को सन्दर्भित करने वाले एकवचन सर्वनाम

रोमियों 2:17 (#4)

"यदि तू स्वयं को यहूदी कहता है"

पौलुस यहूदियों के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे उन्होंने स्वयं को यहूदी नामित किया हो। उनका मतलब है कि वे स्वयं को यहूदी मानते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अपनी संस्कृति से एक समान रूपक का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, "यदि तू स्वयं को यहूदी कहता है" या "तू स्वयं को वास्तव में यहूदी मानता है"

देखें: उपमा

रोमियों 2:17 (#5)

"और व्यवस्था पर भरोसा रखता है"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन शब्दों को सन्दर्भ से जोड़ सकते हैं, जो पापियों के लिए परमेश्वर का न्याय है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के न्याय से बचने के लिए व्यवस्था पर भरोसा रखता है" या "परमेश्वर के न्याय से स्वयं को बचाने के लिए व्यवस्था पर निर्भर है"

देखें: पदलोप

रोमियों 2:17 (#6)

"परमेश्वर के विषय में घमण्ड करता है"

पौलुस यहूदियों के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे वे **परमेश्वर** में घमण्ड कर रहे हों। उनका मतलब है कि यहूदी इस बात का घमण्ड करते हैं कि वे ही एकमात्र राष्ट्र हैं जो परमेश्वर को जानते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, "परमेश्वर के बारे में घमण्ड करता है"

देखें: उपमा

रोमियों 2:18 (#1)

"और उसकी इच्छा जानता और व्यवस्था की शिक्षा पाकर उत्तम-उत्तम बातों को प्रिय जानता है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्योंकि तुम व्यवस्था से शिक्षित हो, इसलिए उसकी इच्छा जानते हो और उत्तम बातों को स्वीकार करते हो"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 2:18 (#2)

"उसकी इच्छा"

यदि आपकी भाषा में **इच्छा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर की इच्छा है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:18 (#3)

"व्यवस्था की शिक्षा पाकर"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरों ने तुम्हें व्यवस्था से शिक्षा दी है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 2:19 (#1)

"यदि तू अपने पर भरोसा रखता है, कि मैं अंधों का अगुआ, और अंधकार में पड़े हुओं की ज्योति"

पौलुस शब्द **अपने पर** का उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि यहूदी कितने **भरोसा** से भरे हुए हैं कि केवल वही दूसरों को आत्मिक रूप से मार्गदर्शन कर सकते हैं। इस जोर को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "और तुमने स्वयं को यह विश्वास दिला लिया है कि केवल तुम ही एक मार्गदर्शक हो।"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 2:19 (#2)

"कि मैं अंधों का अगुआ"

पौलुस यहूदियों को **अगुआ** के रूप में सन्दर्भित करते हैं, जैसे कि वे ही एकमात्र लोग हैं जो स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। वह गैर-यहूदियों को **अंधों** के रूप में सन्दर्भित करते हैं, जैसे कि वे देखने में असमर्थ हैं। उनका मतलब है कि यहूदी सोचते हैं कि वे ही एकमात्र हैं जो दूसरों को परमेश्वर का सत्य सिखा सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि तुम परमेश्वर से दूर हुए लोगों के सहायक हो।"

देखें: रूपक

रोमियों 2:19 (#3)

"कि मैं अंधों का अगुआ"

यदि आपकी भाषा में **अगुआ** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि तुम अंधे लोगों के लिए मार्गदर्शक बन सको"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:19 (#4)

"अंधों का"

मूल भाषा में यहाँ **पुरुष** शब्द का उपयोग किया गया है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अंधों के लिए"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं सम्मिलित होती हैं

रोमियों 2:19 (#5)

"कि मैं अंधों का अगुआ, और अंधकार में पड़े हुओं की ज्योति"

ये दोनों वाक्यांश एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस उनका उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि यहूदी कितनी दृढ़ता से मानते थे कि गैर-यहूदी परमेश्वर के सत्य के बारे में अज्ञानी थे। यदि एक ही बात को दो बार कहना आपके पाठकों को भ्रमित कर सकता है, तो आप इन दोनों विचारों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "केवल वे ही हैं जो उन लोगों को मार्गदर्शन दे सकते हैं जो परमेश्वर के विषय में सत्य से अनभिज्ञ हैं"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

रोमियों 2:19 (#6)

"और अंधकार में पड़े हुओं की ज्योति"

यहाँ पौलुस **ज्योति** का उपयोग यहूदियों के लिए करते हैं, और वह **अंधकार में पड़े हुओं** के रूपक गैर-यहूदियों के लिए करते हैं। उनका मतलब है कि यहूदी सोचते हैं कि वे गैर-यहूदियों को परमेश्वर के बारे में सिखा सकते हैं, जैसे कि एक **ज्योति** उन लोगों पर चमकती है जो अंधेरे में हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई जो परमेश्वर के बारे में सत्य को उन लोगों के सामने प्रकट कर सकता है जो परमेश्वर के बारे में नहीं जानते।"

देखें: रूपक

रोमियों 2:20 (#1)

"और बुद्धिहीनों का सिखानेवाला, और बालकों का उपदेशक हूँ, और ज्ञान, और सत्य का नमूना, जो व्यवस्था में है, मुझे मिला है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं, क्योंकि तीसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहले दो वाक्यांश वर्णन करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि व्यवस्था में ज्ञान और सत्य का स्वरूप होने के कारण, तुम मानते हो कि तुम्हें मूर्खों के उपदेशक और बालकों के शिक्षक होना चाहिए।"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 2:20 (#2)

"और बुद्धिहीनों का सिखानेवाला, और बालकों का उपदेशक हूँ,...जो व्यवस्था में है"

ये दोनों वाक्यांश एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस उनका उपयोग यह स्पष्ट करने के लिए करते हैं कि यहूदी कितनी दृढ़ता से मानते थे कि गैर-यहूदी परमेश्वर के सत्य के बारे में अज्ञानी थे। यदि एक ही बात को दो बार कहना आपके पाठकों के लिए भ्रमित करने वाला हो, तो आप वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे ही लोग जो उन लोगों को शिक्षा दे सकते हैं जो बालकों के समान मूर्ख हैं, और केवल वे ही हैं जिनके पास व्यवस्था है।"

देखें द्विरावृत्ति (डबलेट)

रोमियों 2:20 (#3)

"और बालकों का उपदेशक हूँ"

पौलुस गैर-यहूदियों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे **बालक** हों। उनका मतलब है कि वे परमेश्वर के बारे में अज्ञानी हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग आत्मिक रूप से अज्ञानी हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 2:20 (#4)

"और ज्ञान, और सत्य का नमूना, जो व्यवस्था में है, मुझे मिला है"

पौलुस **व्यवस्था** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह एक भौतिक रूप हो जिसे कोई व्यक्ति धारण कर सकता है। उनका अभिप्राय है कि **व्यवस्था** परमेश्वर का सच्चा ज्ञान समाहित करती है, जिसे यहूदी मानते हैं कि केवल उन्हीं के पास है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की व्यवस्था के द्वारा यह समझना कि कोई व्यक्ति वास्तव में परमेश्वर को कैसे जान सकता है"

देखें: रूपक

रोमियों 2:20 (#5)

"और ज्ञान, और सत्य का नमूना"

पौलुस **व्यवस्था** के **रूप** का वर्णन करने के लिए **ज्ञान** और **सत्य** के स्वामित्व रूपों का उपयोग कर रहे हैं। यहाँ, **ज्ञान** और **सत्य** का अर्थ हो सकता है: (1) **व्यवस्था** में क्या शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्ञान और सत्य को शामिल करने वाला रूप" (2) **व्यवस्था** क्या दर्शाती है। वैकल्पिक अनुवाद: "ज्ञान और सत्य को क्या दर्शाती है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:20 (#6)

"और ज्ञान, और सत्य का नमूना"

यदि आपकी भाषा में **ज्ञान** और **सत्य** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम परमेश्वर के विषय में क्या जानते हैं और परमेश्वर के विषय में क्या सत्य है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:21 (#1)

"अतः क्या तू जो औरों को सिखाता है, अपने आपको नहीं सिखाता? क्या तू जो चोरी न करने का उपदेश देता है, आप ही चोरी करता है?"

2:21–23 में पौलुस यहूदियों के वर्णन से 2:17–20 में एक श्रृंखला में अलंकारिक प्रश्नों की ओर बढ़ते हैं। ये प्रश्न यहूदियों के कपट पर जोर देते हैं, जो सोचते थे कि वे गैर-यहूदियों से श्रेष्ठ हैं क्योंकि वे व्यवस्था को जानते थे। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्नों का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप पौलुस के शब्दों को कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो तुम, जो दूसरों को सिखाते हो, अपने आप को नहीं सिखाते! तुम, जो चोरी न करने का उपदेश देते हो, वास्तव में चोरी करते हो?"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 2:21 (#2)

"अतः"

यहाँ, **अतः** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह तथ्यात्मक शर्तीय कथन का दूसरा भाग है जिसे पौलुस ने 2:17 में "यदि तू स्वयं को यहूदी कहता है" के साथ शुरू किया था। पौलुस यह दिखाना चाहते हैं कि यहूदियों के विश्वास और उनके जीवन में विरोधाभास है। यदि आप 2:17–21 को अलग-अलग वाक्यों में विभाजित करते हैं, तो आपको यहां "यदि" कथन का एक संक्षिप्त रूप शामिल करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: ""अगर ये सब सच है, तो" या "चूँकि ये सब सच है, तो""

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 2:21 (#3)

"औरों"

यहाँ, **औरों** एकवचन सर्वनाम है जो लोगों के एक समूह को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से एकवचन सर्वनाम का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्य लोग"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:21 (#4)

"अपने आपको नहीं सिखाता"

यहाँ पौलुस यह संकेत देते हैं कि यहूदियों को स्वयं को **सिखाने** की आवश्यकता है, क्योंकि वे वास्तव में उन विधियों का पालन नहीं करते जिनकी वे शिक्षा देते हैं। वे ऐसा जीवन जीते हैं जैसे कि वे मूसा की व्यवस्था को जानते ही नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चूँकि तुम स्वयं व्यवस्था का पालन नहीं करते, तो क्या तुम स्वयं को नहीं सिखाते"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:22 (#1)

"तू जो कहता है, "व्यभिचार न करना," क्या आप ही व्यभिचार करता है? तू जो मूरतों से घृणा करता है, क्या आप ही मन्दिरों को लूटता है?"

पिछले पद की तरह, यहाँ भी पौलुस जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रश्न नहीं पूछ रहे, बल्कि दो बार प्रश्न रूप का उपयोग करके अपने कथन की सच्चाई को बलपूर्वक प्रकट कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप उनके शब्दों को कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं या और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम, जो व्यभिचार न करने के लिए कहते हो, वास्तव में स्वयं व्यभिचार करते हो! तुम, जो मूर्तियों से घृणा करते हो, वास्तव में मंदिरों को लूटते हो"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 2:22 (#2)

"क्या आप ही मन्दिरों को लूटता है"

यहाँ पौलुस संकेत करते हैं कि जिन **मन्दिरों** को यहूदी लूटते हैं, वे वही स्थान हैं जहाँ मूर्तियाँ रखी और उपासना जाती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप यह व्यवहार क्या करते हैं?" या "तू जो मूरतों से घृणा करता है, क्या तू ही मन्दिरों को लूटता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:23 (#1)

"तू जो व्यवस्था के विषय में घमण्ड करता है, क्या व्यवस्था न मानकर, परमेश्वर का अनादर करता है?"

जैसा कि पिछले दो पदों में, पौलुस यहां जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वह जो कह रहे हैं उसके सत्य को जोर देने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से संप्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तूतुम जो व्यवस्था पर घमण्ड करते हो, वास्तव में व्यवस्था का उल्लंघन करके परमेश्वर का अनादर करते हो व्यवस्था न मानकर, परमेश्वर का अनादर करता है?"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 2:23 (#2)

"तू जो व्यवस्था के विषय में घमण्ड करता है"

पौलुस **व्यवस्था** का उपयोग इस प्रकार करते हैं जैसे यह कुछ ऐसा हो जिसमें लोग घमण्ड कर सकें। उनका अर्थ है कि यहूदी इस बात पर घमण्ड करते हैं कि वे ही एकमात्र राष्ट्र हैं जो परमेश्वर की व्यवस्था को जानते हैं, जिसका अर्थ "परमेश्वर के विषय में घमण्ड" के समान है 2:17 में। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, "तुम, जो इस बात पर घमण्ड करते हो कि केवल तुम ही परमेश्वर की व्यवस्था को जानते हो"

देखें: रूपक

रोमियों 2:23 (#3)

"क्या व्यवस्था न मानकर"

यदि आपकी भाषा में **न मानकर** (उल्लंघन) के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था का उल्लंघन करके "या" व्यवस्था को तोड़कर"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:24 (#1)

"क्योंकि तुम्हारे कारण अन्यजातियों में परमेश्वर का नाम अपमानित हो रहा है," जैसा लिखा भी है।"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के निर्देश बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि लिखा है, 'तुम्हारे कारण अन्यजातियों में परमेश्वर के नाम की निन्दा की जाती है।'"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 2:24 (#2)

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह इस बात का कारण है कि पिछला कथन सत्य है। आपके भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "ये बातें जो मैंने तुम्हारे विषय में कही हैं, वे सत्य हैं, क्योंकि।"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 2:24 (#3)

"क्योंकि तुम्हारे कारण अन्यजातियों में परमेश्वर का नाम अपमानित हो रहा है," जैसा लिखा भी है।"

इस खण्ड में पौलुस 52:5 का एक हिस्सा उद्धृत करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण दर्शाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किसी अन्य चिह्न से अलग करना सहायक हो सकता है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 2:24 (#4)

"परमेश्वर का नाम"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग परमेश्वर के नाम को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। पौलुस का यह अर्थ नहीं है कि परमेश्वर खुद एक नाम है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:24 (#5)

"परमेश्वर का नाम"

पौलुस **परमेश्वर के नाम** का उपयोग रूपक के रूप में **परमेश्वर** के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक

हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि आई.आर.वी. में।

देखें: उपलक्षण

रोमियों 2:24 (#6)

"क्योंकि तुम्हारे कारण अन्यजातियों में परमेश्वर का नाम अपमानित हो रहा है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्यजाति तुम्हारे कारण परमेश्वर के नाम का अपमान करते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 2:24 (#7)

"क्योंकि तुम्हारे कारण अन्यजातियों में परमेश्वर का नाम अपमानित हो रहा है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे कारण परमेश्वर का नाम अन्यजातियों के बीच अपमानित होता है।"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 2:24 (#8)

"तुम्हारे कारण"

पौलुस यशायाह का हवाला देते हुए यह संकेत करते हैं कि यहूदियों के अनुचित व्यवहार के कारण **अन्यजातियों में परमेश्वर का नाम** अपमानित हो रहा है। चूंकि यहूदियों को संसार के सामने परमेश्वर का प्रतिनिधित्व करना था, उनके अनुचित व्यवहार ने परमेश्वर को गलत तरीके से प्रस्तुत किया, जिससे अन्यजाति उनकी निन्दा करने लगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे तुम व्यवहार करते हो, उसके परिणामस्वरूप" या "तुम्हारे व्यवहार के कारण"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:24 (#9)

"तुम्हारे कारण"

यहां, **तुम्हारे** बहुवचन है और यह यहूदियों को सन्दर्भित करता है। यह 2:17–27 में बहुवचन **तुम्हारे** का एकमात्र उदाहरण है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम अन्यजाति लोग"

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 2:24 (#10)

"जैसा लिखा भी है।"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। चूंकि पौलुस यशायाह द्वारा लिखी गई किसी चीज का उल्लेख कर रहे हैं, आप यशायाह को विषय के रूप में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसा यशायाह ने लिखा भी है।”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 2:24 (#11)

"जैसा लिखा भी है।"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:17 में कैसे किया है।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 2:25 (#1)

"यदि"

यदि यहाँ यह संकेत करता है कि 2:25–29 यहूदी और अन्यजाति दोनों को उनके पापों के लिए दण्डित किए जाने का एक और कारण प्रदान करते हैं, जैसा कि 2:12 में कहा गया है। पौलुस इस विचार के विरुद्ध तर्क कर रहे हैं कि खतना यहूदी के उद्धार की सुनिश्चितता देता है, जैसा कि कुछ यहूदी मानते थे। अपने भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “यहूदियों का न्याय अन्यजातियों के साथ किया जाएगा क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 2:25 (#2)

"खतने" - "तेरा खतना बिन खतना की दशा ठहरा"

यदि आपकी भाषा में **खतना** और **बिन खतना** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “खतना होना... तेरा खतना होना खतना रहित जैसा है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:25 (#3)

"लाभ"

पौलुस यहाँ एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक हो सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सन्दर्भ से शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुझे लाभ होगा।"

देखें: पदलोप

रोमियों 2:25 (#4)

"परन्तु यदि तू व्यवस्था को न माने"

पौलुस एक व्यक्ति का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **व्यवस्था** का उल्लंघन करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो व्यवस्था का उल्लंघन करता है" या "जो व्यवस्था को तोड़ता है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:25 (#5)

"तेरा खतना बिन खतना की दशा ठहरा"

यहाँ, **तेरा खतना बिन खतना की दशा ठहरा** एक अतिशयोक्ति है जिसका उपयोग पौलुस यह दिखाने के लिए करते हैं कि परमेश्वर के लोगों के लिए **व्यवस्था का पालन करना** कितना महत्वपूर्ण है। पौलुस का यह मतलब नहीं है कि जो व्यक्ति परमेश्वर के **व्यवस्था** का उल्लंघन करता है, वह अब शारीरिक रूप से खतना नहीं किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह ऐसा है जैसे कि तेरा खतना नहीं हुआ हो" या "यह वैसा ही है जैसे कि तेरा खतना कभी हुआ ही नहीं था”।

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियों 2:26 (#1)

"तो यदि"

पौलुस अपने पाठकों को यह समझाने के लिए एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग कर रहा है कि **व्यवस्था की आवश्यकताओं का पालन** करने वाले **खतनारहित व्यक्ति** को क्या लाभ होंगे। अपनी भाषा में काल्पनिक स्थिति व्यक्त करने के लिए स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "तो मान लीजिए कि"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक शर्तें

रोमियों 2:26 (#2)

"बिन खतना?"

पौलुस लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए विशेषण **बिन खतना** को संज्ञा के रूप में उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में विशेषण का उपयोग इस तरह नहीं होता है, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यक्ति जो खतनारहित है”

देखें: संज्ञा विशेषण

रोमियों 2:26 (#3)

"माना करे"

यहाँ, **माना करे** एक मुहावरा है जो आज्ञा का पालन करने के सन्दर्भ में है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आज्ञाकारी हैं"

देखें: मुहावरा

रोमियों 2:26 (#4)

"व्यवस्था की विधियों"

पौलुस **व्यवस्था** में पाई जाने वाली **विधियों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था क्या चाहती है" या "व्यवस्था की मांग"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:26 (#5)

"तो क्या उसकी बिन खतना की दशा खतने के बराबर न गिनी जाएगी?"

यहाँ पौलुस एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए कर रहे हैं कि **व्यवस्था** की मांगों को पूरा करना कितना महत्वपूर्ण है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चय ही परमेश्वर उसके खतने न किए जाने को खतना समझेंगे"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 2:26 (#6)

"तो क्या उसकी बिन खतना की दशा खतने के बराबर न गिनी जाएगी?"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करेगा, तो पौलुस का तात्पर्य हैं कि "परमेश्वर" इसे करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर उसकी खतनारहित दशा को खतना नहीं मानेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 2:26 (#7)

"उसकी बिन खतना की दशा"- "खतने"

देखें कि आपने पिछले पद में **बिन खतना** और **खतना** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:27 (#1)

"शारीरिक रूप से बिन खतना... दोषी न ठहराएगा?"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "चूँकि वह

व्यवस्था को पूरा कर रहा है, इसलिए स्वभाव से खतनारहित लोग न्याय करेंगे"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 2:27 (#2)

"बिन खतना"

देखें कि आपने इसका अनुवाद पिछले पद में किस प्रकार किया।

देखें: संज्ञा विशेषण

रोमियों 2:27 (#3)

"शारीरिक रूप से बिन खतना"

यदि आपकी भाषा में **शारीरिक** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वाभाविक रूप से खतनारहित"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:27 (#4)

"पूरा करे"

यहाँ, **पूरा करे** एक मुहावरा है जिसका मतलब पूरी तरह से आज्ञा पालन करना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद (बिना अल्पविराम के): "पूरी तरह से आज्ञाकारी"

देखें: मुहावरा

रोमियों 2:27 (#5)

"लेख पाने और खतना किए जाने"

यहाँ, **पाने** का अर्थ हो सकता है: (1) यहूदियों का न्याय किया जाएगा, चाहे उनके पास **लेख और खतना** हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लेख और खतना होने के बाद भी" (2) यहूदियों का न्याय किया जाएगा, उनके पास **लेख और खतना** होने पर भी। वैकल्पिक अनुवाद: "लेख और खतना होते हुए भी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:27 (#6)

"लेख"

पौलुस **व्यवस्था** का वर्णन उन लेखों के साथ कर रहे हैं जो **व्यवस्था** का निर्माण करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लिखित कानून संहिता" या "परमेश्वर की लिखित व्यवस्था"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 2:27 (#7)

"खतना"

देखें कि आपने पिछले दो पदों में **खतना** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:27 (#8)

"व्यवस्था को माना नहीं करता है"

यदि आपकी भाषा में **माना नहीं करता है** के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी जो व्यवस्था का उल्लंघन करता है" या "कोई भी जो परमेश्वर की व्यवस्था को तोड़ता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 2:28 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे कहा गया है, वह पहले जो कहा गया है उसका कारण है। यह पद पौलुस के उन कथनों का निष्कर्ष है जो उन्होंने 2:25–27 में दिए थे। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “वास्तव में” या “सचमुच”।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 2:28 (#2)

"वह यहूदी"

यहाँ पौलुस **यहूदी** शब्द का उपयोग उस व्यक्ति के लिए करते हैं जो परमेश्वर के लोगों में से एक है क्योंकि वे वास्तव में उद्धार

के लिए परमेश्वर पर विश्वास करते हैं, जैसा अब्राहम ने किया था। यहाँ **यहूदी** का अर्थ केवल यहूदियों के पूर्वजों से सम्बन्धित व्यक्ति नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक आत्मिक यहूदी”

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 2:28 (#3)

"बाहरी रूप में"

यहाँ, **बाहरी रूप में** यहूदियों की धार्मिक प्रथाओं का सन्दर्भ है, जिन्हें अन्य लोग देख सकते हैं, जैसे खतना या विशेष कपड़े पहनना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वह यहूदी नहीं जो केवल बाहरी रूप में यहूदी है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:28 (#4)

"खतना"

यहाँ पौलुस **खतना** का उपयोग उस सोच और दृष्टिकोण में परिवर्तन को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं जो तब होता है जब परमेश्वर किसी व्यक्ति को बचाते हैं। इसे परमेश्वर के लोगों से सम्बन्धित होने का आंतरिक चिन्ह भी माना जा सकता है, जैसे कि खतना यहूदियों का बाहरी चिन्ह था। इसे पुराने नियम में "हृदय का खतना" कहा गया था (30:6; 4:4)। यहाँ, **खतना** यहूदियों की रीति का सन्दर्भ नहीं देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक खतना "

देखें: रूपक

रोमियों 2:28 (#5)

"देह में"

पौलुस यहाँ **देह** का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अपनी संस्कृति से समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर पर"

देखें: उपलक्षण

रोमियों 2:29 (#1)

"पर यहूदी वही है, जो आन्तरिक है"

जिस शब्द का अनुवाद **आन्तरिक** किया गया है, वह ऐसी चीज को सन्दर्भित करता है जिसे अन्य लोग नहीं देख सकते या जो छिपी हुई है। यहां अर्थ पिछले पद में "स्पष्ट रूप से" के विपरीत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक यहूदी आंतरिक रूप से, जो दूसरों द्वारा नहीं देखा जाता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:29 (#2)

"यहूदी"

यहाँ पौलुस **यहूदी** शब्द का उपयोग उसी प्रकार करते हैं जैसे उन्होंने पिछले पद में किया था। देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया था।

देखें: रूपक

रोमियों 2:29 (#3)

"खतना वही है, जो हृदय का और आत्मा में है"

पौलुस एक **खतना** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **हृदय** में किया जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खतना हृदय में किया जाता है" या "खतना एक आंतरिक परिवर्तन है।"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:29 (#4)

"और खतना वही है, जो हृदय का और आत्मा में है"

वाक्यांश **और खतना वही है, जो हृदय का और आत्मा में है** एक मुहावरा है जो उस सोच और दृष्टिकोण में परिवर्तन को सन्दर्भित करता है जो तब होता है जब परमेश्वर किसी व्यक्ति को बचाते हैं। इसे परमेश्वर के लोगों से सम्बन्धित होने का आंतरिक चिन्ह भी माना जा सकता है, जैसे कि खतना यहूदियों का बाहरी चिन्ह था। यह अभिव्यक्ति पहली बार पुराने नियम में आई थी (30:6; 4:4)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समकक्ष मुहावरा या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने पिछले पद में "इस खतना" का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप के दूर होने से यह सचमुच परमेश्वर के लोगों का है"

देखें: मुहावरा

रोमियों 2:29 (#5)

"हृदय का"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:21 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 2:29 (#6)

"आत्मा में है; न कि लेख का"

यहां, **में** यह दर्शाता है कि यह कैसे हुआ। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा के द्वारा, न कि अक्षर के द्वारा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:29 (#7)

"आत्मा में"

यहां, **आत्मा** का अर्थ हो सकता है: (1) पवित्र आत्मा, जो किसी व्यक्ति के विचारों और दृष्टिकोण को बदल देते हैं जब परमेश्वर उस व्यक्ति को बचाते हैं, जैसा कि UST में है। (2) किसी व्यक्ति की आत्मा, जिसके लिए **में** को एक स्थान के रूप में समझने की आवश्यकता होगी। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी आत्मा में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 2:29 (#8)

"न कि लेख का"

देखें कि आपने **लेख** का अनुवाद 2:27 में कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 2:29 (#9)

"ऐसे की प्रशंसा मनुष्यों की ओर से नहीं"

"सर्वनाम **ऐसे** उस व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो आंतरिक रूप से यहूदी है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं।वैकल्पिक अनुवाद: "उस आंतरिक यहूदी की प्रशंसा"।

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 2:29 (#10)

" ऐसे की प्रशंसा मनुष्यों की ओर से नहीं"

वैकल्पिक अनुवाद: "यह प्रशंसा"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 2:29 (#11)

" मनुष्यों की ओर से नहीं"

यहाँ मूल भाषा में **पुरुष** शब्द का उपयोग किया गया है जो एक पुरुषवाचक शब्द है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और स्त्रियाँ दोनों सम्मिलित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यों की ओर"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हैं

रोमियों 3:1 (#1)

"फिर यहूदी की क्या बड़ाई"

यहाँ, **फिर** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पिछले अध्याय में, विशेष रूप से 2:28–29 में पौलुस ने जो कहा था जो कहा था, उसका उत्तर है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि ये बातें सत्य हैं, तो क्या होगा"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:1 (#2)

"फिर यहूदी की क्या बड़ाई, या खतने का क्या लाभ?"

यह पद दो आलंकारिक प्रश्नों को **या** से जोड़ता है। पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वह इन दो प्रश्नों का उपयोग यह व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं कि एक यहूदी को पौलुस द्वारा कही गई बातों, विशेष रूप से 2:28–29 में कही गई बातों पर क्या आपत्ति हो सकती है। यदि आप अपनी भाषा में

इस उद्देश्य के लिए आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर यहूदी की निश्चित रूप से कोई बड़ाई नहीं है, और खतना से कोई लाभ नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:1 (#3)

"फिर यहूदी की क्या बड़ाई, या खतने का क्या लाभ?"

इस पद में पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि वह एक गैर-मसीही यहूदी है जो पौलुस के विरूद्ध बहस कर रहा है। यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो सकता है कि वे इस सभी सामग्री को उद्धरण चिह्न या उद्धरण को इंगित करने के लिए आपकी भाषा जो भी विराम चिह्न या परम्परा का उपयोग करती है, उसके साथ इसे इंगित करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:1 (#4)

"फिर यहूदी की क्या बड़ाई, या खतने का क्या लाभ?"

यदि आपकी भाषा में **बड़ाई** या **लाभ** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप उन्हीं विचारों को दुसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो फिर यहूदी होने में क्या बड़ाई है, और खतना किए जाने का क्या लाभ है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:1 (#5)

"फिर यहूदी की क्या बड़ाई"

पौलुस यह बताने के लिए **यहूदी** के स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं कि किसकी **बड़ाई** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों के लिए"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:1 (#6)

"या खतने का"

पौलुस **खतना** के स्वामित्व वाले रूप का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि **लाभ** कहाँ से आता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो खतने से आता है" या "खतना किए जाने से"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:1–9 (#1)

संयोजक कथन: 3:1–9 में, पौलुस आलंकारिक प्रश्नों और उत्तरों की एक श्रृंखला का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए करता है कि "यहूदी और यूनानी" दोनों "पाप के अधीन" हैं।

रोमियों 3:2 (#1)

"हर प्रकार से बहुत कुछ"

इस पद में पौलुस पिछले पद में पूछे गए अलंकारिक प्रश्न का उत्तर देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह कहकर उत्तर दूँगा, 'हर प्रकार से बहुत अधिक!'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:2 (#2)

"हर प्रकार से बहुत कुछ"

पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है, जिन्हें पूरा करने के लिए कई भाषाओं में एक वाक्य की आवश्यकता होगी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप पिछले पद से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदी होने की बड़ाई और खतने का लाभ हर प्रकार से बहुत कुछ है।"

देखें: पदलोप

रोमियों 3:2 (#3)

"हर प्रकार से बहुत कुछ"

हर प्रकार से बहुत कुछ एक अतिशयोक्ति है जिसका उपयोग पौलुस यहूदियों के होने और खतना किए जाने के

महत्व को दर्शाने के लिए करते हैं। पौलुस का यह मतलब नहीं है कि यहूदी होने और खतना किए जाने के बारे में सब कुछ लाभकारी है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जो उत्साह को दिखाती है। वैकल्पिक अनुवाद: "कई तरीकों से बहुत कुछ"

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियों 3:2 (#4)

"पहले तो यह कि"

यहाँ, **पहले तो यह, कि** यह संकेत कर सकता है कि: (1) जो आगे आता है वह कई कारणों की सूची में पहला कारण है कि यहूदी होना लाभकारी क्यों है, इस पहलु में पौलुस इस अध्याय में सूची जारी नहीं रखते। वैकल्पिक अनुवाद: "कई लाभों में से पहला यह है कि" या "एक लाभ यह है कि" (2) जो आगे आता है वह यहूदी होने का सबसे महत्वपूर्ण कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रमुख लाभ यह है कि" या "सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:2 (#5)

"परमेश्वर के वचन उनको सौंपे गए"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य किसने किया, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उन्हें अपने वचनों को सौंपा" या "परमेश्वर ने विश्वास के साथ उनको परमेश्वर के वचन दिए।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:2 (#6)

"परमेश्वर के वचन"

यहाँ, **परमेश्वर के वचन** का अर्थ हो सकता है: (1) सम्पूर्ण पुराना नियम। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्रशास्त्रों में परमेश्वर ने जो कहा" (2) पुराने नियम में दर्ज परमेश्वर की प्रत्यक्ष वाणी। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्रशास्त्रों में परमेश्वर ने जो सन्देश उन्हें सुनाए"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 3:2 (#7)

"परमेश्वर के वचन"

यहाँ, **परमेश्वर** का स्वामित्व रूप सन्दर्भित कर सकता है: (1) **वचन** जो **परमेश्वर** से आए हों। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर से आए वचनों से" (2) **परमेश्वर** के बारे में कहे गए **कथन**। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के बारे में कथन"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:3 (#1)

"यदि"

यदि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे कहा गया है वह पिछले पद में पौलुस द्वारा कही गई बात का उत्तर है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि ये बातें सत्य हैं, तो"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:3 (#2)

"यदि कुछ विश्वासघाती निकले भी तो क्या हुआ? क्या उनके विश्वासघाती होने से परमेश्वर की सच्चाई व्यर्थ ठहरेगी?"

इस पद में पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि इन दो प्रश्नों का उपयोग यह व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं कि एक यहूदी को पौलुस द्वारा पिछले पद में कही गई बातों पर क्या आपत्ति हो सकती है। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए आप एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन उनमें से कुछ विश्वासघाती थे! उनकी विश्वासघाती निश्चित रूप से परमेश्वर की विश्वासयोग्यता को निरस्त नहीं कर सकती!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:3 (#3)

"यदि कुछ विश्वासघाती निकले भी तो क्या हुआ? क्या उनके विश्वासघाती होने से परमेश्वर की सच्चाई व्यर्थ ठहरेगी?"

इस पद में पौलुस ऐसे बोल रहा है जैसे कि वह स्वयं एक गैर-मसीही यहूदी हो जो पौलुस के विरूद्ध बहस कर रहा हों। आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ इंगित करे।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:3 (#4)

"कुछ?"

सर्वनाम **कुछ** कुछ यहूदी लोगों को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ यहूदी लोग"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 3:3 (#5)

"क्या उनके विश्वासघाती होने से परमेश्वर की सच्चाई व्यर्थ ठहरेगी?"

यदि आपकी भाषा में **विश्वासघाती** या **विश्वासयोग्य** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तथ्य कि वे **विश्वासघात** हैं, क्या परमेश्वर के विश्वासयोग्य कार्य निष्फल हो जाएँगे?"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:3 (#6)

"परमेश्वर की सच्चाई?"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग **परमेश्वर** की विशेषता के रूप में **सच्चाई** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वासयोग्यता जो परमेश्वर की विशेषता है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:4 (#1)

"कदापि नहीं!"

इस पद में पौलुस उन प्रश्नों का उत्तर देते हैं जो उन्होंने पिछले पद में लिखे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उत्तर दूँगा, 'ऐसा कभी नही होगा!'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:4 (#2)

"कदापि नहीं!"

कदापि नहीं एक ऐसा विस्मयादिबोधक है जो एक मजबूत निषेध को व्यक्त करता है। अपनी भाषा में एक ऐसा विस्मयादिबोधक प्रयोग करें जो एक मजबूत निषेध को व्यक्त करने के लिए स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "बिल्कुल नहीं" या "निश्चित रूप से नहीं"

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 3:4 (#3)

"वरन्"

वरन् यहाँ यह संकेत देता है कि जो कुछ आगे है वह पिछले पद में दिए गए विचार के विपरीत है कि विश्वासघाती यहूदी "परमेश्वर की विश्वासयोग्यता को निरस्त" नहीं कर सकते हैं। अपनी भाषा में विरोधाभास प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन" या "हालांकि"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

रोमियों 3:4 (#4)

"परमेश्वर सच्चा"

यहाँ, **परमेश्वर सच्चा** एक अनिवार्य वाक्य है, लेकिन यह एक निर्देश नहीं है। इसके बजाय, पौलुस यह व्यक्त कर रहे हैं कि लोगों को यह मानना चाहिए कि परमेश्वर हमेशा **सच्चा** हैं, चाहे लोग कुछ भी सोचें। अपनी भाषा में उस प्रकार का रूप उपयोग करें जो इस प्रकार की स्थिति में उपयोग किया जाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग हमेशा जानें कि परमेश्वर सच्चा हैं" या "लोग हमेशा यह घोषित करें कि परमेश्वर सच्चा हैं"

देखें: अनिवार्यताएँ — अन्य उपयोग

रोमियों 3:4 (#5)

"हर एक मनुष्य झूठा ठहरे"

यदि आपकी भाषा में **झूठा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर मनुष्य झूठ बोलता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:4 (#6)

"हर एक मनुष्य झूठा ठहरे"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले खण्ड से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक मनुष्य को झूठा है।"

देखें: पदलोप

रोमियों 3:4 (#7)

"हर एक मनुष्य"

मूल भाषा में, यहाँ **पुरुष** शब्द का उपयोग किया गया है, जो पुल्लिंग शब्द है, लेकिन पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग सामान्य अर्थ में कर रहे हैं, जिसमें पुरुष और स्त्रियाँ दोनों शामिल हैं। हिंदी में यहाँ मनुष्य शब्द का उपयोग किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी शामिल होती हों

रोमियों 3:4 (#8)

"जैसा लिखा है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:17 में कैसे किया।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 3:4 (#9)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि कार्य किसने किया, तो आप यह

कह सकते हैं कि उद्धरण दाऊद द्वारा लिखा गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि दाऊद ने लिखा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:4 (#10)

"जिससे तू अपनी बातों में धर्मी ठहरे और न्याय करते समय तू जय पाए"

यह वाक्य भजन संहिता 51:4 से एक उद्धरण है। यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकता है कि आप इस सभी सामग्री को उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ प्रस्तुत करें।।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:4 (#11)

"जिससे"

जिससे यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह भजन संहिता 51:4 में दाऊद द्वारा पहले लिखी गई बात का परिणाम है, जो दाऊद के पाप के विषय में है। पौलुस मानते हैं कि उनके पाठक उस पद के पहले भाग से परिचित होंगे। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने पाप किया इसलिए" या "मेरे पाप के कारण"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:4 (#12)

"जिससे तू अपनी बातों में धर्मी ठहरे और न्याय करते समय तू जय पाए"

इस वाक्य में, **तू** और **अपनी** परमेश्वर को सन्दर्भित करता हैं और एकवचन हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, जैसे कि यू.एस.टी. में है।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 3:4 (#13)

"तू अपनी बातों में धर्मी ठहरे" - "न्याय करते समय"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य

स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग यह स्वीकार करेंगे कि आप कितने धर्मी हैं ... जब लोग आपका न्याय करने का प्रयास करेंगे" या "आप स्वयं को धर्मी साबित करेंगे ... जब अन्य लोग आपका न्याय करने की कोशिश करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:4 (#14)

"तू अपनी बातों में"

पौलुस दाऊद के **शब्दों** का उपयोग करते हुए उन बातों का वर्णन करते हैं जो परमेश्वर ने शब्दों के माध्यम से कहीं थीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जो कहते हैं उसमें"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 3:5 (#1)

"पर यदि"

इस पद में, पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि वह एक अविश्वासी यहूदी हो और उस कथन को चुनौती दे रहा है जो पौलुस ने पिछले पद में दिया था। **पर** यहाँ यह इंगित करता है कि जो आगे आता है, वह पिछले पद में पौलुस द्वारा कही गई बात की प्रतिक्रिया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वास्तव में यह सत्य है" या "अब यदि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 3:5 (#2)

"पर यदि हमारा अधर्म परमेश्वर की धार्मिकता ठहरा देता है, तो हम क्या कहें? क्या यह कि परमेश्वर जो क्रोध करता है अन्यायी है?"

इन वाक्यों में पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि वह एक गैर-मसीही यहूदी हो जो पौलुस के विरूद्ध तर्क कर रहा है। आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ इंगित करे।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:5 (#3)

"यदि हमारा अधर्म परमेश्वर की धार्मिकता ठहरा देता है, तो हम क्या कहें?"

पौलुस एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग करके उस तर्क को विकसित कर रहे हैं जो एक अविश्वासी यहूदी कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि हमारी अधर्मता परमेश्वर की धार्मिकता की महिमा करती है। तब हम क्या कहेंगे"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

रोमियों 3:5 (#4)

"हमारा" - "हम क्या कहें"

यहाँ, **हमारा** और **हम** का उपयोग विशेष रूप से पौलुस और अन्य यहूदियों के लिए किया गया है। आपकी भाषा में इन रूपों को चिन्हित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदी ... हम यहूदी क्या कहेंगे"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम

रोमियों 3:5 (#5)

"हमारा अधर्म" - "परमेश्वर की धार्मिकता"

यदि आपकी भाषा में **अधर्म** या **धार्मिकता** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम कितने अधर्मी हैं ... परमेश्वर कितने धर्मी हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:5 (#6)

"क्या यह कि परमेश्वर जो क्रोध करता है अन्यायी है?"

इस वाक्य में पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि इस प्रश्न का उपयोग यहाँ एक आपत्ति व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं जो एक यहूदी पौलुस द्वारा पिछले पद में कही गई बात पर कर सकता है। यह वाक्य उस काल्पनिक प्रश्न का उत्तर भी है जो इससे पहले आता है। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं होता, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर निश्चित रूप से अपने क्रोध का उपयोग करने के लिए अधर्म नहीं हो सकते!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:5 (#7)

"यदि हमारा अधर्म परमेश्वर की धार्मिकता ठहरा देता है, तो हम क्या कहें? क्या यह कि परमेश्वर जो क्रोध करता है अन्यायी है?"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप पहले वाक्य के काल्पनिक सशर्त कथन को दूसरे वाक्य के बयानबाजी प्रश्न के साथ जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: ""यदि हमारा अधर्म परमेश्वर की धार्मिकता की प्रशंसा करता है, तो हम निश्चित रूप से यह नहीं कह सकते हैं कि परमेश्वर अपने क्रोध को थोपने के लिए अधर्मी है!

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 3:5 (#8)

"जो क्रोध करता है"

यहाँ पौलुस **क्रोध करता है** का उपयोग परमेश्वर के क्रोध के परिणाम के को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं,जिसे लोगों का न्याय करने और उन्हें दण्ड देने के द्वारा किया जाता है क्योंकि वे अधर्मी हैं। देखें कि अपने 1:18 में **क्रोध** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 3:5 (#9)

"यह तो मैं मनुष्य की रीति पर कहता हूँ"

पौलुस यह एक उदाहरण के रूप में निर्देश दे सकते हैं ताकि यह दिखा सकें कि वे **परमेश्वर की धार्मिकता** को चुनौती देने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में भ्रमित करने वाला हो सकता है, तो आप यू.एल.टी. के अनुसार कोष्ठक जोड़ सकते हैं, या अपनी भाषा में एक विभिन्न तरीके का उपयोग कर सकते हैं ताकि एक उदाहरण का संकेत मिल सके। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं एक मनुष्य के रूप में तर्क कर रहा हूँ"

देखें: विभिन्न

रोमियों 3:5 (#10)

"यह तो मैं मनुष्य की रीति पर कहता हूँ"

यहाँ, वाक्यांश **मनुष्यों की रीति** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "जिस तरह लोग करते हैं" या "एक मनुष्य की तरह।" यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समान मुहावरा या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इस आधार पर बोलता हूँ कि मनुष्य चीजों को कैसे समझते हैं" या "मैं केवल मनुष्य की तर्कशक्ति के अनुसार बोलता हूँ।"

देखें: मुहावर

रोमियों 3:6 (#1)

"कदापि नहीं!"

देखें कि आपने इसे 3:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 3:6 (#2)

"नहीं तो परमेश्वर कैसे जगत का न्याय करेगा?"

यहाँ पौलुस यहाँ कारण दे रहे हैं कि परमेश्वर "जो क्रोध करता है अन्यायी नहीं है," जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। आपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि यदि परमेश्वर अन्यायी होते, तो वे संसार के न्यायी कैसे होते"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:6 (#3)

"परमेश्वर कैसे जगत का न्याय करेगा"

इस खण्ड में पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि अपने प्रश्न का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए कर रहे हैं कि **परमेश्वर** अन्यायी होते तो **संसार के न्यायी** नहीं हो सकते थे। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर निश्चित रूप से संसार के न्यायी नहीं हो सकते!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:6 (#4)

"जगत"

यहाँ पौलुस **जगत** का उपयोग उन लोगों के लिए करते हैं जो **जगत** में रहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संसार में लोग"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 3:7 (#1)

"यदि"

यदि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पिछले पद में पौलुस द्वारा कही गई बात की प्रतिक्रिया है। इस पद में, पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि वह एक अविश्वासी यहूदी है और पौलुस द्वारा पिछले पद में दिए गए कथन को चुनौती दे रहा है। देखें कि आपने 3:5 में इसका अनुवाद कैसे किया।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 3:7 (#2)

"यदि मेरे झूठ के कारण परमेश्वर की सच्चाई उसकी महिमा के लिये अधिक करके प्रगट हुई, तो फिर क्यों पापी के समान मैं दण्ड के योग्य ठहराया जाता हूँ?"

पौलुस एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग कर रहे हैं ताकि वह तर्क विकसित कर सकें जो एक अविश्वासी यहूदी कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि मेरे झूठ के माध्यम से परमेश्वर का सत्य उनकी महिमा के लिए प्रकट होता है। फिर भी मुझे एक पापी के रूप में क्यों आंका जा रहा है"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

रोमियों 3:7 (#3)

"यदि मेरे झूठ के कारण परमेश्वर की सच्चाई उसकी महिमा के लिये अधिक करके प्रगट हुई"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन यदि मेरे झूठ के माध्यम से परमेश्वर का सत्य उसकी महिमा के लिए अधिक प्रकट होता है"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 3:7 (#4)

"परमेश्वर की सच्चाई"

यदि आपकी भाषा में **सच्चाई** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर कितना सच्चा हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:7 (#5)

"परमेश्वर की सच्चाई"

पौलुस **सच्चाई** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **परमेश्वर** की विशेषता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की सत्यता"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:7 (#6)

"मेरे झूठ के कारण" - "मैं" - "पापी के समान"

यहाँ पौलुस **मेरे** और **मैं** का उपयोग एक यहूदी व्यक्ति के लिए करते हैं जो इस काल्पनिक प्रतिक्रिया को दे सकता है। यदि इससे आपके पाठकों को भ्रम हो सकता है, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब हम यहूदी झूठ बोलते हैं ... क्या हम ... पापी के रूप में" या "जब हम यहूदी झूठ बोलते हैं ... क्या हम ... पापी के समान हैं"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम

रोमियों 3:7 (#7)

"मेरे झूठ के कारण"

यदि आपकी भाषा में **झूठ** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं झूठा कार्य करता हूँ" या "जब मैं झूठ बोलता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:7 (#8)

"उसकी महिमा के लिये"

यहाँ, **के लिये** यह दर्शाता है कि यह एक परिणाम वाक्य है। परिणाम दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके परिणामस्वरूप वह महिमन्वित होते हैं"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:7 (#9)

"उसकी महिमा के लिए"

यदि आपकी भाषा में **महिमा** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह दिखाने के लिए कि वह कितना गौरवशाली हैं" या "उनकी महिमा करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:7 (#10)

"तो फिर क्यों पापी के समान मैं दण्ड के योग्य ठहराया जाता हूँ"

इस खण्ड में पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि इस प्रश्न का उपयोग उस आपत्ति को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं जो एक यहूदी को पौलुस द्वारा पिछले पद में कही गई बात पर हो सकती है, जिसे पिछले खण्ड में भी दोहराया गया था। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से मुझे अब भी एक पापी के रूप में नहीं आंका जाना चाहिए!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:7 (#11)

"फिर क्यों पापी के समान मैं दण्ड के योग्य ठहराया जाता हूँ?"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस संकेत देते हैं कि "परमेश्वर" इसे करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर अब भी मेरा न्याय करते हैं" या "क्या परमेश्वर को मेरा न्याय करते रहना चाहिए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:7 (#12)

"पापी"

यदि आपकी भाषा में **पापी** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई जो पाप करता है" या "जैसे कि मैं पापी था"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:7–9 (#1)

सामान्य जानकारी: 3:7–9 में, पौलुस इस प्रकार बात कर रहे हैं जैसे कि वह एक अविश्वासी यहूदी है और 3:6 में पौलुस द्वारा दिए गए कथन को चुनौती दे रहे हैं। एक टिप्पणी आपको इन पदों के भीतर एक कोष्ठक कथन के बारे में बताएगी जिसमें पौलुस अपने शब्दों को तर्क में शामिल करते हैं।

रोमियों 3:8 (#1)

"(और) हम क्यों बुराई न करें कि भलाई निकले?"

मूल भाषा में, यहाँ यह वाक्य **और** से आरंभ होता है, जो इंगित करता है कि इस पद में पौलुस ऐसे बात कर रहें हैं जैसे वह एक अविश्वासी यहूदी हों और वह 3:6 में दिए गए अपने कथन को चुनौती दे रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके अलावा" या "अतिरिक्त रूप से"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों का जोड़ना

रोमियों 3:8 (#2)

"हम क्यों बुराई न करें कि भलाई निकले?" जैसा हम पर यही दोष लगाया भी जाता है, और कुछ कहते हैं कि इनका यही कहना है। परन्तु ऐसों का दोषी ठहराना ठीक है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह नहीं कि 'हम बुराई करें, ताकि अच्छाई आए,' जैसा कि हमारी निंदा की जाती है और जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 3:8 (#3)

"क्यों... न"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से शब्दों की आपूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्यों न कहें"

देखें: पदलोप

रोमियों 3:8 (#4)

"क्यों...न (" - "हम क्यों बुराई न करें कि भलाई निकले"

इस वाक्य में पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि एक छुपे हुए प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं ("और क्यों न कहें") यह जोर देने के लिए कि यदि परमेश्वर अधर्मी होते तो वे संसार का न्याय नहीं कर सकते थे। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमको कहना चाहिए ... 'हम बुराई करें, ताकि भलाई आ सकें!'"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:8 (#5)

"जैसा हम पर यही दोष लगाया भी जाता है, और कुछ कहते हैं कि इनका यही कहना है।"

पौलुस इसे अलग-अलग रूप में कहते हैं ताकि यह दिखा सकें कि लोग उन पर झूठा दोष लगा रहे हैं कि वे सिखा रहे हैं कि लोगों को पाप करना चाहिए ताकि यह दिखाया जा सके

कि परमेश्वर कितने अच्छे हैं। यदि यह आपकी भाषा में भ्रमित करने वाला हो, तो आप यू.एल.टी. की तरह कोष्ठक जोड़ सकते हैं या अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग कर सकते हैं ताकि इसे अलग-अलग निर्देश के रूप में इंगित किया जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: “कुछ लोग हमारी निंदा करते हैं और पुष्टि करते हैं कि हम ऐसी बातें कह रहे हैं।”

देखें: अलग-अलग

रोमियों 3:8 (#6)

"हम पर यही दोष लगाया भी जाता है"

जब पौलुस **हम** और **इनका** कहते हैं, तो वह (1) औपचारिक तरीके से केवल अपने बारे में बात कर रहे हो सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं दोषी ठहराया जाता हूँ... मुझे" (2) अपने और अन्य सभी मसीही के बारे में बोलते हुए। वैकल्पिक अनुवाद: "हम मसीही दोषी ठहराए जाते हैं... हमें"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम

रोमियों 3:8 (#7)

"हम पर यही दोष लगाया भी जाता है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों द्वारा हम पर दोष लगाया जाता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:8 (#8)

"हम क्यों बुराई न करें...."जैसा हम पर यही दोष लगाया भी जाता है, और कुछ कहते हैं कि इनका यही कहना है। परन्तु ऐसों का दोषी ठहराना ठीक है।"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्यों न कहें (जैसा कि हम पर दोष लगाया जाता है और जैसा कि कुछ लोग हमें ऐसा कहने के लिए कहते हैं) कि हमें बुराई करनी चाहिए"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

रोमियों 3:8 (#9)

"ऐसों का दोषी ठहराना ठीक है"

पौलुस इसे अलग-अलग रूप में कहते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि जो लोग उन पर झूठा **दोष** लगा रहे हैं कि वह लोगों को "बुराई करने के लिए सिखाता हैं, ताकि भलाई आ सकें," वे ही लोग हैं परमेश्वर द्वारा न्याय किए जाने के योग्य हैं। यदि यह आपकी भाषा में भ्रमित करने वाला हो, तो आप यू.एल.टी की तरह कोष्ठक जोड़ सकते हैं या अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग कर सकते हैं ताकि इसे एक अलग रूप में दिखाया जा सके।

देखें: अलग-अलग

रोमियों 3:8 (#10)

"ऐसों का दोषी ठहराना ठीक है"

यहाँ सर्वनाम **ऐसों** उन लोगों को सन्दर्भित करता है जो पौलुस की निंदा करते हैं, यह दावा करते हुए कि वह लोगों को "बुराई करने के लिए सिखाते हैं, ताकि भलाई आ सकें।" यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो लोग यह कहते हैं, उनका न्याय उचित है।”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 3:8 (#11)

"ऐसों का दोषी ठहराना ठीक है"

यदि आपकी भाषा में **दोषी** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिनका न्याय न्यायपूर्वक होता है" या "जिनका न्याय परमेश्वर न्यायपूर्वक करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:9 (#1)

"तो फिर क्या हुआ? क्या हम उनसे अच्छे हैं?"

यहाँ पौलुस अपनी श्रृंखला के अलंकारिक प्रश्नों को समाप्त करते हुए उसी वाक्यांश **तो फिर क्या** का उपयोग किया, जिससे उन्होंने इस चर्चा की शुरुआत की थी। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:1 में कैसे किया।

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:9 (#2)

"क्या हम उनसे अच्छे हैं?"

पौलुस प्रश्नात्मक रूप का उपयोग यह व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं कि एक यहूदी को पौलुस द्वारा पहले कही गई बात पर क्या आपत्ति हो सकती है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से हम बेहतर स्थिति में नहीं हैं!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:9 (#3)

"क्या हम उनसे अच्छे हैं?"

यहाँ, **हम** का उपयोग विशेष रूप से पौलुस और उनके साथी यहूदियों के बारे में बात करने के लिए किया गया है। आपकी भाषा में इन रूपों को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या हम यहूदी बेहतर स्थिति में हैं?"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 3:9 (#4)

"कभी नहीं"

कभी नहीं एक विस्मयादिबोधक है जो पिछले कथन के प्रति एक मजबूत नकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करता है। इस विचार को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक विस्मयादिबोधक का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "कभी नहीं!" या "किसी भी प्रकार से नहीं!"

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 3:9 (#5)

"कभी नहीं"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहा है जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम किसी भी प्रकार से बेहतर स्थिति में नहीं हैं"

देखें: पदलोप

रोमियों 3:9 (#6)

"क्योंकि हम... यह दोष लगा चुके हैं"

क्योंकि यहाँ यह दर्शाता है कि जो आगे आता है, वह इस बात का कारण है कि पिछला कथन क्यों सत्य है। कारण दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "हम बेहतर नहीं हैं क्योंकि हमने पहले ही दोष लगा दिया हैं।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:9 (#7)

"हम यहूदियों और यूनानियों दोनों पर यह दोष लगा चुके हैं।"

यहाँ, **हम** का अर्थ हो सकता है: (1) पौलुस केवल औपचारिक तरीके से अपने बारे में बोल रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने पहले ही दोष लगाया है" (2) पौलुस अपने और अन्य मसीही के बारे में बोल रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम मसीहीयों ने पहले ही दोष लगाया है" देखें कि आपने पिछले पद में **हम** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

रोमियों 3:9 (#8)

"यूनानियों"

यहाँ, **यूनानियों** का मतलब सामान्य रूप से गैर-यहूदी लोगों से है। यह केवल यूनान देश के लोगों को ही सन्दर्भित नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गैर-यहूदी लोग"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:9 (#9)

"पाप के वश"

वाक्यांश **पाप के वश** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "पाप की शक्ति के अधीन" या "पाप करने की लालसा से नियन्त्रित।" यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप द्वारा नियन्त्रित" या "पाप करना रोकने में असमर्थ।"

देखें: मुहावरा

रोमियों 3:10 (#1)

"जैसा लिखा है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:17 में किस प्रकार किया है।

देखें: उद्धरण और उद्धरण का सीमा

रोमियों 3:10 (#2)

"जैसा लिखा है:"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि भविष्यवक्ताओं ने लिखा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:10 (#3)

"कोई धर्मी नहीं, एक भी नहीं।"

यह वाक्य पौलुस के भजन संहिता 14:3 का उद्धरण है। यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकता है कि आप इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ प्रस्तुत करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:10 (#4)

"कोई धर्मी नहीं है, एक भी नहीं"

ये दोनों वाक्यांश एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस ने एक ही बात को दो बार, थोड़े अलग तरीकों से कहा है, यह जोर देने के लिए कि **एक भी** व्यक्ति **धर्मी** नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा एक भी व्यक्ति नहीं है जो धर्मी हो" या "कोई भी धर्मी नहीं है"

देखें: समानांतरता

रोमियों 3:10 (#5)

"कोई धर्मी नहीं, एक भी नहीं"

पौलुस सभी लोगों का वर्णन करने के लिए संज्ञा के रूप में एकवचन विशेषण **कोई भी धर्मी नहीं** और **एक** का उपयोग

कर रहे है। यदि आपकी भाषा में विशेषणों का उपयोग इस प्रकार नहीं होता है, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी धर्मी लोग नहीं हैं, कोई भी व्यक्ति नहीं" या "कोई भी धर्मी व्यक्ति नहीं है, एक भी व्यक्ति नहीं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 3:11 (#1)

""कोई समझदार नहीं"

यह वाक्य पौलुस के भजन संहिता 14:2 और भजन संहिता 53:3 का संक्षिप्त अनुवाद है। यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकता है कि आप इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ प्रस्तुत करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:11 (#2)

"कोई नहीं" - "कोई नहीं"

पौलुस सभी लोगों का वर्णन करने के लिए संज्ञात्मक **विशेषण** का उपयोग संज्ञाओं के रूप में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में विशेषण का उपयोग इसी प्रकार नहीं होता है, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई पुरुष नहीं हैं ... कोई पुरुष भी नहीं हैं" या "कोई व्यक्ति नहीं है ... कोई व्यक्ति भी नहीं है"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 3:11 (#3)

"कोई समझदार नहीं"

यहाँ, **समझदार** का अर्थ है कोई ऐसा व्यक्ति जो समझदारी से या सही तरीके से सोचने में सक्षम है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी बुद्धिमान नहीं है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:11 (#4)

"परमेश्वर को खोजनेवाला"

यहाँ, पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हुए **खोजनेवाला** का उपयोग उन लोगों का वर्णन करने के लिए करते हैं जो परमेश्वर को जानने का प्रयास कर रहे हैं, जैसे कि परमेश्वर खो गए हों और लोगों को उन्हें ढूंढना हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर को जानने का प्रयास करते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 3:12 (#1)

"सब भटक गए हैं, सब के सब निकम्मे बन गए"

यह वाक्य 14:3 और 53:4 का उद्धरण है। यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकता है कि आप इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ प्रस्तुत करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:12 (#2)

"भटक गए"

पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हुए इन लोगों का वर्णन **भटक गए** के रूप में करते हैं, जैसे कि उन्होंने उस मार्ग को छोड़ दिया है जो परमेश्वर की ओर ले जाता है। दाऊद के अनुसार है कि वे परमेश्वर के नियमों के अनुसार जीने से इनकार करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीने से इनकार कर दिया"

देखें: रूपक

रोमियों 3:12 (#3)

"सब के सब निकम्मे बन गए"

यहाँ, **निकम्मे** का अर्थ है कि ये पापी लोग इतने पापी हैं कि वे न तो परमेश्वर को और न ही मनुष्यजाति को कोई लाभ पहुँचाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे सभी किसी को भी लाभ पहुँचाने के लिए व्यर्थ हो गए हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:12 (#4)

"कोई भलाई करनेवाला नहीं, एक भी नहीं"

ये दोनों वाक्यांश एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस थोड़ा अलग तरीके से एक ही बात दो बार कहते हैं, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि **कोई भी** व्यक्ति लगातार **भलाई** नहीं कर सकता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी व्यक्ति नहीं है जो भलाई करता है" या "कोई भी भलाई नहीं कर रहा है"

देखें: समानांतरता

रोमियों 3:12 (#5)

"एक भी नहीं"

देखें कि आपने **नहीं** और **एक भी** का अनुवाद 3:10 में कैसे किया है।

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 3:12 (#6)

"भलाई"

यदि आपकी भाषा में **भलाई** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो दयालु हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:13 (#1)

""उनका गला खुली हुई कब्र है"

ये दो वाक्य भजन संहिता 5:9 से एक उद्धरण हैं। यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकता है कि आप इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ प्रस्तुत करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:13 (#2)

"उनका गला खुली हुई कब्र है"

ये तीन वाक्य एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस तीन बार एक ही बात को थोड़ा अलग तरीके से कहते हैं, यह दिखाने के लिए कि ये लोग जो शब्द कहते हैं, वे कितने हानिकारक हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो बातें कहते हैं, वे घातक, भ्रामक और हानिकारक हैं।"

देखें: समानांतरता

रोमियों 3:13 (#3)

"उनका गला"

पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हुए इन लोगों के गले के बारे में सामान्य रूप से बात करते हैं, किसी विशेष **गले** के बारे में नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके प्रत्येक गले"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 3:13 (#4)

"उनका गला"

यहाँ पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हैं, जिसमें **गले** का उपयोग करके कुछ ऐसा वर्णित किया गया है जो लोग अपने गले का उपयोग करके कहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो कहते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 3:13 (#5)

"उनका गला खुली हुई कब्र है"

पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हुए इन लोगों के **गले** को **खुली कब्र** के रूप में वर्णित करते हैं, जैसे कि यह सड़ी हुई लाशों से भरा एक गहरा गड्ढा हो। उनका मतलब है कि इन लोगों की बातें नैतिक रूप से भ्रष्ट हैं और परमेश्वर का अपमान करती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके शब्द नैतिक भ्रष्टाचार को व्यक्त करते हैं।"

देखें: रूपक

रोमियों 3:13 (#6)

"उन्होंने अपनी जीभों से"

यहाँ पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हैं, जिसमें उन्होंने कुछ ऐसा वर्णन करने के लिए **जीभों** का उपयोग किया है जो लोग किसी को धोखा देने के लिए कहेंगे, इसे कहने के लिए अपनी जीभों का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो वे कहते हैं उससे"

देखें: लक्षणालंकर

रोमियों 3:13 (#7)

"उनके होठों में साँपों का विष है"

यह वाक्य भजन संहिता 140:3 से एक उद्धरण है। यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकता है कि आप इस सभी सामग्री को उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ प्रस्तुत करें।।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:13 (#8)

"साँपों का विष"

पौलुस **विष** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **साँपों** से आता है, जो विषैले साँप होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "साँप का विष"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:13 (#9)

"साँपों का विष"

पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हुए **साँप का विष** का उपयोग करते हैं यह बताने के लिए कि लोग जो कहते हैं वह ऐसा है जैसे उनके शब्दों में **विष** हो। उनका मतलब है कि उनके कहे गए शब्द लोगों को नुकसान पहुँचाते हैं जैसे घातक विष करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को जहरीले साँप के काटने जैसा दर्द देता है" या "शब्द जो लोगों को चोट पहुँचाते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 3:13 (#10)

"उनके होठों में"

यहाँ पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हैं, जिसमें **होंठों** का उपयोग करके कुछ ऐसा वर्णित किया गया है जो लोग किसी को नुकसान पहुँचाने के लिए अपने **होंठों** का उपयोग करके कहेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उन चीजों में है जो वे कहते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 3:14 (#1)

"और उनका मुँह श्राप और कड़वाहट से भरा है"

यह वाक्य भजन संहिता 10:7 से एक उद्धरण है। यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकता है कि आप इस सभी सामग्री को उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ प्रस्तुत करें।।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:14 (#2)

"मुँह"

पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हैं जो इन लोगों के मुँह के बारे में सामान्य रूप से कहा है, न कि किसी विशेष **मुँह** के बारे में। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शब्द"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 3:14 (#3)

"उनका मुँह"

"यहाँ पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हैं, जो **मुँह** का उपयोग करके लोगों के श्राप और कड़वी बातें बोलने का वर्णन करते हैं, जो वे अपने **मुँह** से कहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो वे कहते हैं" या ""उनके शब्द""

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 3:14 (#4)

"श्राप और कड़वाहट से भरा है"

पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हुए **श्राप और कड़वाहट** का उपयोग करते हैं जैसे कि ये अवधारणाएँ ऐसी चीजें हैं जिनसे लोग अपने **मुँह** को भर सकते हैं या लाद सकते हैं। उनका मतलब है कि ये लोग आदतन दूसरों के विरुद्ध श्राप देते हैं और कड़वी बातें कहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आदतन दूसरों के विरुद्ध श्राप देते हैं और कड़वी बातें कहते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 3:15 (#1)

"उनके पाँव"

पौलुस यशायाह का उद्धरण देते है, जिसमें पावँ, मानव शरीर का एक हिस्सा, पूरे व्यक्ति को सन्दर्भित करने के लिए उपयोग किया जाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये लोग"

देखें: उपलक्षण

रोमियों 3:15 (#2)

"लहू बहाने को"

पौलुस यशायाह का उद्धरण देते हुए **लहू बहाना** का उपयोग लोगों की हिंसक हत्या का सन्दर्भ देने के लिए करते हैं, जो आमतौर पर उन लोगों से खून निकलने का कारण बनता है जो मारे जाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरों की हत्या करना"

देखें: रूपक

रोमियों 3:15–17 (#1)

""

सामान्य जानकारी: पद 15–17 पौलुस द्वारा यशायाह 59:7–8 का संक्षिप्त अनुवाद है। यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकता है कि आप इस सभी सामग्री को उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए

उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ प्रस्तुत करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:16 (#1)

"नाश और क्लेश"

यदि आपकी भाषा **नाश** और **क्लेश** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप अन्य अभिव्यक्तियों के साथ समान विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवन को नष्ट करना और लोगों को दुखी करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:16 (#2)

"उनके मार्गों में"

यहाँ, **मार्गों** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "जहाँ भी वे जाते हैं" या "वे कैसे व्यवहार करते हैं।" यह किसी व्यक्ति के दैनिक जीवन को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष मुहावरा या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके आचरण को दर्शाना"

देखें: मुहावरा

रोमियों 3:17 (#1)

"मार्ग"

देखें कि आपने पिछले पद में "मार्ग" का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: मुहावरा

रोमियों 3:17 (#2)

"कुशल का मार्ग"

पौलुस **मार्ग** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जिसकी विशेषता **कुशल** है। वह यह कहना चाहते हैं कि ये लोग शान्तिपूर्वक जीने का तरीका नहीं समझते। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक शान्तिपूर्ण मार्ग" या "शान्तिपूर्ण व्यवहार करने का तरीका"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:18 (#1)

"उनकी आँखों के सामने परमेश्वर का भय नहीं"

यह वाक्य भजन संहिता 36:1 से एक उद्धरण है। यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकता है कि आप इस सभी सामग्री को उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ प्रस्तुत करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 3:18 (#2)

"परमेश्वर का भय नहीं"

यदि आपकी भाषा में **भय** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी आँखों के सामने परमेश्वर के प्रति कोई भय की भावना नहीं हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:18 (#3)

"परमेश्वर का भय"

पौलुस उस स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जिससे यह **भय** व्यक्त किया जा सके जो लोगों को **परमेश्वर** के प्रति महसूस करना चाहिए।। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के प्रति भय" या "परमेश्वर का भय"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:18 (#4)

"उनकी आँखों के सामने"

यहाँ, **उनकी आँखों के सामने** एक मुहावरा है जो किसी चीज के बारे में विचार करने का सन्दर्भ देता है। पौलुस का मतलब है कि ये लोग बिल्कुल भी नहीं सोचते कि परमेश्वर कितने महान और भययोग्य हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष मुहावरा या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके मन में"

देखें: मुहावरा

रोमियों 3:19 (#1)

"(अब) हम जानते हैं, कि व्यवस्था"

मूल भाषा में, यह वाक्य **अब** से आरंभ होता है, जो यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह 3:1–9 में **व्यवस्था** और "परमेश्वर की धार्मिकता" के बारे में पौलुस की शिक्षाओं का सारांश है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 3:19 (#2)

"हम जानते हैं"

यहाँ, **हम** का उपयोग विशेष रूप से पौलुस और अन्य यहूदियों के बारे में बात करने के लिए किया गया है। आपकी भाषा में इन रूपों को चिन्हित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम यहूदी जानते हैं"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 3:19 (#3)

"व्यवस्था जो कुछ कहती है उन्हीं से कहती है"

यहाँ पौलुस **व्यवस्था** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो जो बोल सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जितनी बातें परमेश्वर व्यवस्था में कहते हैं, उतनी ही बातें वह बोलते है"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 3:19 (#4)

"व्यवस्था" - "व्यवस्था"

यहाँ पौलुस **व्यवस्था** का उपयोग पूरे पुराने नियम का सन्दर्भ देने के लिए करते हैं, जिसमें व्यवस्था भी शामिल है। यहाँ वह केवल मूसा की व्यवस्था का उल्लेख नहीं कर रहे हैं, जैसा कि उन्होंने इस अध्याय में पहले किया था। हम यह जानते हैं क्योंकि 3:10–18 में पौलुस ने पुराने नियम के उन भागों से पद उद्धृत किए हैं जो मूसा की व्यवस्था में नहीं हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पवित्रशास्त्र... पवित्रशास्त्र”

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 3:19 (#5)

"जो व्यवस्था के अधीन हैं"

पौलुस ने यहूदियों को सन्दर्भित करने के लिए **व्यवस्था के अधीन** का उपयोग किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। देखें कि आपने 2:12 में इसी तरह के वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों के लिए" या "जो व्यवस्था जानते हैं उनके लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:19 (#6)

"इसलिए कि"

यहाँ, **इसलिए कि** एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस यह बता रहे हैं कि **व्यवस्था क्या कहती है** इसका उद्देश्य क्या है। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद (बिना पूर्ववर्ती अल्पविराम के): "ताकि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियों 3:19 (#7)

"हर एक मुँह बन्द किया जाए"

यहाँ, **हर एक मुँह बन्द किया जाए** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "कोई भी खुद को बचाने के लिए कुछ नहीं कह सकता।" पौलुस का मतलब है कि कोई भी परमेश्वर के सामने खुद का बचाव नहीं कर सकता, क्योंकि सभी ने पाप किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी मनुष्य खुद को बचा नहीं सकता"

देखें: मुहावरा

रोमियों 3:19 (#8)

"बन्द किया जाए"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बन्द कर दिए जाएंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:19 (#9)

"सारा संसार"

पौलुस रूपक के रूप में **सारे संसार** का उपयोग **संसार** में रहने वाले **सभी** लोगों को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संसार में सभी लोग"

देखें: उपलक्षण

रोमियों 3:19 (#10)

"परमेश्वर के दण्ड के योग्य ठहरे"

वाक्यांश **परमेश्वर के दण्ड के योग्य ठहरे** का अर्थ है कि परमेश्वर अन्तिम न्याय में हर किसी का न्याय करेंगे कि उन्होंने अपना जीवन कैसे जिया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के न्याय के अंतर्गत आएँगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:20 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** एक कारण वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस यह कारण बता रहे हैं कि क्यों पूरी मानवता "परमेश्वर के दण्ड के योग्य" है, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। अपनी भाषा में कारण वाक्यांश को दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है, जैसे कि यू.एस.टी. में है। वैकल्पिक अनुवाद: "इसका कारण यह है कि" या "परिणामस्वरूप,"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:20 (#2)

"कोई प्राणी उसके सामने धर्मी नहीं ठहरेगा"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करेगा, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" इसे करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर किसी भी प्राणी को न्यायसंगत नहीं ठहराएँगे" या "परमेश्वर किसी भी प्राणी को धर्मी नहीं ठहराएँगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:20 (#3)

"प्राणी"

पौलुस **प्राणी** शब्द का उपयोग रूपक के रूप में करते हैं ताकि मनुष्य का उल्लेख किया जा सके, जो माँस से बना होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य"

देखें: उपलक्षण

रोमियों 3:20 (#4)

"व्यवस्था के द्वारा" - "पाप की पहचान होती है"

इस पद में पौलुस **व्यवस्था** के बारे में इस प्रकार बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो किसी को धर्मी ठहरा सकता है या उन्हें **पहचान** प्रदान कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर अपनी व्यवस्था में माँगते हैं उसे पूरा करके ... परमेश्वर अपनी व्यवस्था के माध्यम से पाप की पूर्ण जागरूकता प्रदान करते हैं।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 3:20 (#5)

"व्यवस्था के कामों से"

देखें कि आपने 2:15 में समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:20 (#6)

"व्यवस्था के" - "व्यवस्था"

इस पद में **व्यवस्था** एक एकवचन संज्ञा है जो उन व्यवस्थाओं के समूह को सन्दर्भित करता है जो परमेश्वर ने मूसा को सुनाकर इस्राएल को दिए थे। यह पूरे पुराने नियम को सन्दर्भित नहीं करता है, जैसा कि पिछले पद में था। देखें कि आपने 2:12 में **व्यवस्था** के इस उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:20 (#7)

"उसके सामने"

यहाँ, **उसके सामने** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "उनकी उपस्थिति में।" यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष मुहावरा या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी उपस्थिति में"

देखें: मुहावरा

रोमियों 3:20 (#8)

"पाप की पहचान"

यदि आपकी भाषा **पहचान** और **पाप** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पापी होने के बारे में पूरी तरह से जागरूक"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:20 (#9)

"पाप की पहचान"

पौलुस **पहचान** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो एक व्यक्ति द्वारा किए गए **पाप** के बारे में है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप के बारे में पूर्ण ज्ञान"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:20 (#10)

"व्यवस्था के द्वारा"

यहाँ, **व्यवस्था के द्वारा** उस साधन को इंगित करता है जिसके द्वारा कोई व्यक्ति पाप के बारे में पूरी तरह से जागरूक हो जाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था के माध्यम से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:21 (#1)

"पर अब"

पर अब यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह 2:1–3:20 में पौलुस की **व्यवस्था** के बारे में चर्चा के विपरीत है। अपनी भाषा में विरोधाभास प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी अब"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

रोमियों 3:21 (#2)

"पर अब बिना व्यवस्था परमेश्वर की धार्मिकता प्रगट हुई है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन अब, परमेश्वर की धार्मिकता व्यवस्था से अलग प्रकट की गई है"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 3:21 (#3)

"व्यवस्था," - "व्यवस्था"

इस पद में **व्यवस्था** का पहला उल्लेख उन व्यवस्थाओं को सन्दर्भित करता है जो परमेश्वर ने यहूदियों को मूसा के माध्यम से दी थी, जबकि दूसरा उल्लेख पुराने नियम की पहली पाँच पुस्तकों को सन्दर्भित करता है जो मूसा द्वारा लिखी गई थीं। यू.एल.टी इस अंतर को **व्यवस्था** (द लॉ) और **व्यवस्था** (लॉ) का उपयोग करके दिखाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे व्यवस्था जो परमेश्वर ने इस्राएल को दिए ... पवित्रशास्त्र का वह भाग जो मूसा ने लिखा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:21 (#4)

"बिना व्यवस्था"

यहाँ, **व्यवस्था बिना** का अर्थ हो सकता है: (1) **व्यवस्था** जो माँग करता है उसे करने के **बिना** । वैकल्पिक अनुवाद: "जो व्यवस्था माँगता है उसे किए बिना" (2) जो **व्यवस्था** कहता है उसके बाहर। वैकल्पिक अनुवाद: "जो व्यवस्था कहता है उससे सम्बन्धित नहीं" या "जो व्यवस्था कहता है उससे अलग"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:21 (#5)

"परमेश्वर की धार्मिकता प्रगट हुई है"

यदि आपकी भाषा में इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य किसने किया, तो पौलुस के अनुसार "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने अपनी धार्मिकता प्रकट की है" या "परमेश्वर ने अपनी धार्मिकता उजागर की है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:21 (#6)

"परमेश्वर की धार्मिकता"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:17 में कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:21 (#7)

"जिसकी गवाही व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता देते हैं"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था और भविष्यवक्ता गवाही दे रहे हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:21 (#8)

"जिसकी गवाही व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता देते हैं"

यहाँ पौलुस **व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं** का उपयोग इस प्रकार करते हैं जैसे वे लोग हों जो एक कचहरी में गवाही दे सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं में कहते हैं, वह इस बात की लिखित गवाही है।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 3:21 (#9)

"व्यवस्था और भविष्यद्वक्ता"

पौलुस इब्रानी शास्त्र के दो भागों, **व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं,** के नाम का उपयोग पुरे इब्रानी पवित्रशास्त्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके पवित्रशास्त्रों में"

देखें: उपलक्षण

रोमियों 3:22 (#1)

"अर्थात्"

यहाँ, **अर्थात्** यह दर्शाता है कि आगे जो बताया गया है, वह यह समझाता है कि कोई व्यक्ति "परमेश्वर की धार्मिकता" कैसे प्राप्त करता है। यह विरोधाभास को इंगित नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात," या "यहाँ तक कि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 3:22 (#2)

"परमेश्वर की वह धार्मिकता"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:22 (#3)

"जो यीशु मसीह पर विश्वास करने से"

यहाँ, **यीशु मसीह पर विश्वास** एक स्वामित्व रूप है जो **विश्वास** को **यीशु मसीह** से जोड़ता है। यह सन्दर्भित कर सकता है: (1) यीशु मसीह में विश्वास। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु मसीह में विश्वास करके" या "यीशु मसीह पर विश्वास करके" (2) यीशु मसीह की विश्वासयोग्यता। वैकल्पिक अनुवाद: "उस विश्वासयोग्यता के माध्यम से जो यीशु मसीह के पास है" या "यीशु मसीह कितने विश्वासयोग्य हैं, इसके माध्यम से"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:22 (#4)

"सब विश्वास करनेवालों"

पौलुस कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक खण्ड को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इस शब्द को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो उन पर विश्वास करते हैं" या "वे जो उद्धार के लिए यीशु पर विश्वास करते हैं"

देखें: पदलोप

रोमियों 3:22 (#5)

"के लिये"

यहाँ, **के लिये** एक कारण वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस यह कारण बताते हैं कि क्यों **परमेश्वर की धार्मिकता उन सभी के लिए है जो विश्वास करते हैं**। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:22 (#6)

"कुछ भेद नहीं"

यदि आपकी भाषा में **भेद** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर भेदभाव नहीं करते" या "परमेश्वर पक्षपाती नहीं हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:23 (#1)

"इसलिए"

इसलिए यहाँ एक कारण वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस यह कारण बता रहे हैं कि क्यों "कोई भेदभाव नहीं है," जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। अपनी भाषा में कारण को इंगित करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इसका कारण यह है कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:23 (#2)

"सब"

यहाँ पौलुस विशेषण **सब** का उपयोग संज्ञा के रूप में करते हैं, जो उन **सभी** लोगों को सन्दर्भित करता है जो कभी अस्तित्व में आए हैं या आएँगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 3:23 (#3)

"परमेश्वर की महिमा से रहित हैं"

पौलुस **सभी** लोगों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे कुछ ऐसे हैं जो अपने गंतव्य तक नहीं पहुँचते। उनका मतलब है कि वे **परमेश्वर की महिमा** को प्राप्त नहीं करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की महिमा से दुरी" या "परमेश्वर की महिमा को प्राप्त करने में असफल"

देखें: रूपक

रोमियों 3:23 (#4)

"परमेश्वर की महिमा"

यहाँ पर **परमेश्वर की महिमा** का अर्थ हो सकता है: (1) वह महिमा जो परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ साझा की जब उन्होंने उन्हें बनाया, लेकिन जिसे मनुष्यों ने पाप करने पर खो दिया। वैकल्पिक अनुवाद: "वह महिमा जो परमेश्वर ने उन्हें एक बार दी थी" या "परमेश्वर से प्राप्त महिमा" (2) परमेश्वर की महिमा करना, जैसा कि समान वाक्यांश "अविनाशी परमेश्वर की महिमा" में 1:23 में है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की महिमा करना"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:24 (#1)

"उसके अनुग्रह से... सेंत-मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं"

यहाँ पौलुस **अनुग्रह** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हों जो किसी को **धर्मी** ठहरा सकता है। पौलुस के अनुसार परमेश्वर का अनुग्रह लोगों को भेंट के रूप में धर्मी बनाता हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और धर्मी बनने की भेंट दी जाती है क्योंकि परमेश्वर अनुग्रहकारी हैं"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 3:24 (#2)

"सेंत-मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं"

पौलुस मानते हैं कि उनके पाठक यह जानते हैं कि जो लोग **सेंत-मेंत धर्मी ठहराए जाते हैं**, वे वही हैं जिन्होंने पिछले पद में "पाप किया है"। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट करना सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी लोग स्वतंत्र रूप से धर्मी ठहराए जाते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:24 (#3)

"सेंत-मेंत"

वैकल्पिक अनुवाद: "भेंट के रूप में" या "निःशुल्क"

रोमियों 3:24 (#4)

"उसके अनुग्रह से उस छुटकारे के द्वारा जो मसीह यीशु में है"

यदि आपकी भाषा में **अनुग्रह** और **छुटकारा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को विभिन्न रूपों में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के अनुग्रहकारी होने के कारण मसीह यीशु के माध्यम से उन्हें छुटकारा दिया " या "परमेश्वर इतने दयालु हैं कि मसीह यीशु ने उन्हें छुटकारा दिया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:24 (#5)

"छुटकारे"

शब्द **छुटकारे** का अनुवाद किसी को मूल्य देकर कैद से मुक्ति के लिए किया जाता है। आपकी भाषा में यह बताना आवश्यक हो सकता है कि लोग किससे छुटकारा पाए। इसका अर्थ हो सकता है: (1) यीशु लोगों को अनन्त दण्ड से मुक्त करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अनन्त दण्ड से छुटकारा” (2) यीशु लोगों को पाप की दासता से मुक्त करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पाप की दासता से छुटकारा”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:24 (#6)

"जो मसीह यीशु में है"

यहाँ, पौलुस **छुटकारे** के बारे में बात करते हैं जैसे कि यह एक वस्तु हो जो यीशु के अन्दर ही सकती है। पौलुस का अर्थ है कि परमेश्वर ने उन सभी लोगों को जो यीशु में विश्वास करते हैं, उन्हें **मसीह यीशु** के साथ एकजुट करके छुटकारा दिया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मसीह यीशु के साथ एकता के माध्यम से आता है" या "जो मसीह यीशु के साथ एक होने के माध्यम से है"

देखें: रूपक

रोमियों 3:25 (#1)

"उसे परमेश्वर ने... ऐसा प्रायश्चित ठहराया"

यहाँ पौलुस **ठहराया** का उपयोग ऐसे करते हैं जैसे यीशु पुराने नियम के प्रायश्चित बलिदान थे, जिन्हें मन्दिर में परमेश्वर को **चढ़ाया** गया हो। उनका अर्थ है कि यीशु की मृत्यु मानवता के पापों के लिए एक बलिदान थी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे परमेश्वर ने मानवता के पापों के प्रायश्चित के लिए प्रस्तुत किया"

देखें: रूपक

रोमियों 3:25 (#2)

"जो विश्वास करने से कार्यकारी होता है" - "अपनी धार्मिकता प्रगट करे"

यदि आपकी भाषा **प्रायश्चित**, **विश्वास**, **प्रगट**, या **धार्मिकता** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप विभिन्न रूपों के साथ वही विचार व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों के पापों का प्रायश्चित करने के लिए ... पर विश्वास करके यह दिखाने के लिए कि वह लोगों को धर्मी कैसे ठहराता हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:25 (#3)

"उसके लहू के"

यहाँ पौलुस यीशु की मृत्यु का उल्लेख करने के लिए **उसके लहू** का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक

हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह की मृत्यु में"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 3:25 (#4)

"उनके विषय में वह अपनी धार्मिकता प्रगट करे"

यहाँ, **के विषय में** इंगित करता है कि जो वाक्यांश इसके बाद आता है, वह उद्देश्य है जिसके लिए परमेश्वर ने यीशु को **प्रायश्चित** के रूप में **प्रगट** किया। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्य को इंगित करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी धार्मिकता को प्रदर्शित करने के लिए"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियों 3:25 (#5)

"अपनी धार्मिकता"

देखें कि आपने 1:17 में "परमेश्वर की धार्मिकता" का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:25 (#6)

"जिन पर परमेश्वर ने अपनी सहनशीलता से ध्यान नहीं दिया"

यदि आपकी भाषा में **ध्यान नहीं दिया** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उन्होंने पापों को अनदेखा किया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:25 (#7)

"जो पाप पहले किए गए"

यदि आपकी भाषा में **पाप** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने पहले कैसे पाप किया था"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:26 (#1)

"वरन"

यहाँ, **वरन** एक कारण वाक्यांश प्रस्तुत किया गया है। पौलुस परमेश्वर के "सहनशीलता से ध्यान नहीं दिया" का कारण बता रहे हैं, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। एक नया वाक्य शुरू करते हुए, अपनी भाषा में कारण को इंगित करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इसका कारण यह है"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:26 (#2)

"परमेश्वर ने अपनी सहनशीलता"

यदि आपकी भाषा में **सहनशीलता** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर अत्यंत संयमी हैं" या "चूँकि परमेश्वर धैर्य रखते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:26 (#3)

"उसकी धार्मिकता प्रगट"

पौलुस **परमेश्वर** को **सहनशील** के रूप में वर्णित करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के धीरज में"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:26 (#4)

"उसकी धार्मिकता प्रगट हो"

देखें कि आपने पिछले पद में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:26 (#5)

"इसी समय"

वैकल्पिक अनुवाद: "इतिहास के इस क्षण में" या "वर्तमान समय में"

रोमियों 3:26 (#6)

"कि जिससे वह आप ही"

यहाँ, **कि जिससे** यह दर्शाता है कि जो आगे आता है वह एक उद्देश्य खण्ड है। पौलुस उस उद्देश्य को बता रहे हैं जिसके लिए परमेश्वर अब **अपनी धार्मिकता** प्रकट करते हैं। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्य को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद (बिना अल्पविराम के): "ताकि वह हो सके"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियों 3:26 (#7)

"जो यीशु पर विश्वास करे"

पौलुस उन सभी लोगों की बात कर रहे हैं जो **यीशु पर विश्वास** करते हैं, न कि किसी विशेष व्यक्ति की। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी जो यीशु में विश्वास रखता है" या "हर व्यक्ति जो यीशु पर विश्वास करता है"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 3:26 (#8)

"जो यीशु पर विश्वास करे"

यहाँ पौलुस एक व्यक्ति का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **यीशु में विश्वास** के द्वारा पहचाना जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जिसकी पहचान यीशु में विश्वास के द्वारा होती है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:26 (#9)

"यीशु पर विश्वास"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:22 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:27 (#1)

"तो"

यहाँ, **तो** यह संकेत करता है कि जो आगे है वह पौलुस ने 3:21–26 में जो कहा उसका प्रतिउत्तर है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, कोष्ठक वाक्यांश को अल्पविराम के बीच में डालकर। वैकल्पिक अनुवाद: "तो, (यदि यह परमेश्वर हैं जो यीशु में विश्वास के माध्यम से लोगों को धर्मी बनाते हैं), घमण्ड करना कहाँ रहा?"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:27 (#2)

"घमण्ड करना कहाँ रहा?"

पौलुस यहाँ जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि इस प्रश्न का उपयोग उस आपत्ति को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं जो एक यहूदी पौलुस द्वारा 3:21–26 में कही गई बातों पर कर सकता है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्नों का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो फिर घमण्ड के लिए कोई आधार नहीं है!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:27 (#3)

"घमण्ड करना कहाँ रहा?"

यहाँ पौलुस **घमण्ड** की बात ऐसे करते हैं जैसे यह कोई वस्तु हो जो किसी स्थान पर हो सकती है। उनका मतलब है कि कोई भी घमण्ड नहीं कर सकता, क्योंकि केवल परमेश्वर ही लोगों को धर्मी बनाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर क्या कोई घमण्ड कर सकता है?"

देखें: रूपक

रोमियों 3:27 (#4)

"घमण्ड करना कहाँ रहा?"

यदि आपकी भाषा **घमण्ड** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को एक

अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर कौन घमण्ड कर सकता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:27 (#5)

"उसकी तो जगह ही नहीं"

इस वाक्य में पौलुस पिछले वाक्य में पूछे गए अलंकारिक प्रश्न का उत्तर देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह कहकर उत्तर दूँगा, 'यह अस्वीकार्य है!'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:27 (#6)

"उसकी तो जगह ही नहीं"

यदि आपकी भाषा में इस तरह निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने इसे बाहर रखा है" या "परमेश्वर इसकी अनुमति नहीं देते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:27 (#7)

"कौन सी व्यवस्था के कारण से? क्या कर्मों की व्यवस्था से?"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो इन वाक्यों को कई भाषाओं में पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किस प्रकार कि व्यवस्था के माध्यम से एक व्यक्ति धार्मिक ठहराया जाता है? क्या व्यक्ति व्यवस्था के कार्यों के माध्यम से धार्मिक ठहराया जाता है? ... एक व्यक्ति विश्वास की व्यवस्था के माध्यम से धार्मिक ठहराया जाता है।"

देखें: पदलोप

रोमियों 3:27 (#8)

"कौन सी व्यवस्था के कारण से? क्या कर्मों की व्यवस्था से?"

इन दो वाक्यों में पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि इन दो प्रश्नों का उपयोग यह व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं कि एक यहूदी को पौलुस द्वारा पिछले वाक्य और 3:21–26 में कही गई बातों पर क्या आपत्ति हो सकती है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से एक प्रकार कि व्यवस्था के कारण से! निश्चित रूप से कार्यों के कारण से!" या "निश्चित रूप से एक व्यक्ति एक प्रकार कि व्यवस्था के कारण से धर्मी बनाया जाता है! निश्चित रूप से एक व्यक्ति कार्यों के कारण से धार्मिक धर्मी बनाया जाता है!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:27 (#9)

"कर्मों की व्यवस्था"

पौलुस **व्यवस्था** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जिसकी विशेषता **कर्म** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कर्मों द्वारा विशेषीकृत एक व्यवस्था के कारण से?" या "जो व्यवस्था की आवश्यकता है उसे करके?"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:27 (#10)

"नहीं, वरन् विश्वास की व्यवस्था के कारण"

इस वाक्य में पौलुस पिछले दो वाक्यों में पूछे गए अलंकारिक प्रश्नों का उत्तर देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह कहकर उत्तर दूँगा, 'नहीं! बल्कि विश्वास के एक नियम के कारण से।'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:27 (#11)

"नहीं"

नहीं! यह एक विस्मयादिबोधक है जो पिछले कथन के साथ एक प्रबल विरोधाभास को व्यक्त करता है। अपनी भाषा में एक ऐसा विस्मयादिबोधक प्रयोग करें जो एक प्रबल

विरोधाभास को व्यक्त करने के लिए स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "बिल्कुल नहीं!"

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 3:27 (#12)

"विश्वास की व्यवस्था के कारण"

पौलुस **व्यवस्था** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जिसकी विशेषता **विश्वास** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था के कारण से जो विश्वास द्वारा विशेषता प्राप्त है" या "जो विश्वास की आवश्यकता है उसे करके"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:27 (#13)

"विश्वास"

यदि आपकी भाषा में **विश्वास** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर में विश्वास"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:27–31 (#1)

""

संयोजक कथन: 3:27–31 में, पौलुस अलंकारिक प्रश्नों और उत्तरों की एक श्रृंखला का उपयोग करते हैं ताकि यह जोर दिया जा सके कि केवल परमेश्वर ही लोगों को यीशु में विश्वास के माध्यम से धर्मी ठहराते हैं। जैसे 3:1–9 में, पौलुस अलंकारिक प्रश्न पूछते समय ऐसा बोलते हैं जैसे वह एक गैर-मसीही यहूदी हों, लेकिन जब वह उन प्रश्नों का उत्तर देते हैं तो वह स्वयं के रूप में बोलते हैं।

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:28 (#1)

"इसलिए"

इसलिए यह संकेत करता है कि इस शब्द के बाद आने वाला भाग पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, इसके बाद आने वाला भाग पिछले पद में "विश्वास की व्यवस्था" का अर्थ स्पष्ट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 3:28 (#2)

"हम इस परिणाम पर पहुँचते हैं"

यहाँ, **हम** का उपयोग विशेष रूप से पौलुस और अन्य मसीही यहूदियों के लिए किया गया है, जैसा कि 3:9 में संकेत दिया गया है। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम विश्वास करने वाले यहूदी मानते हैं" या "हम विश्वास करने वाले यहूदी जानते हैं"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 3:28 (#3)

"मनुष्य"

मूल भाषा में, यहाँ **पुरुष** शब्द का उपयोग किया गया है, जो पुल्लिंग शब्द है, लेकिन पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग सामान्य अर्थ में कर रहे हैं, जिसमें पुरुष और स्त्रियाँ दोनों शामिल हैं। हिंदी में यहाँ मनुष्य शब्द का उपयोग किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्यजाति" या "व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं।

रोमियों 3:28 (#4)

"मनुष्य... धर्मी ठहरता है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" ने यह किया। वैकल्पिक अनुवाद: "कि परमेश्वर एक पुरुष को धर्मी ठहराते हैं" या "कि परमेश्वर मनुष्य को धर्मी बनाते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 3:28 (#5)

"विश्वास के द्वारा"

यदि आपकी भाषा में **विश्वास** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु पर विश्वास रखकर"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:28 (#6)

"व्यवस्था के कामों"

पौलुस उन **कामों** का उल्लेख करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जिनकी माँग परमेश्वर **व्यवस्था** में करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे कार्य जो व्यवस्था आवश्यक मानती है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:29 (#1)

"क्या"

क्या यहाँ यह संकेत करता है कि अगले दो वाक्य वे प्रतिक्रियाएँ हैं जो एक यहूदी पौलुस द्वारा पिछले पद में कही गई बात पर दे सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या तुम यहूदी कह सकते हो"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 3:29 (#2)

"क्या अन्यजातियों का नहीं? हाँ, अन्यजातियों का भी है।"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो इन वाक्यों को कई भाषाओं में पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप पिछले पद से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या वे अन्यजातियों के परमेश्वर नहीं हैं? हाँ, वे अन्यजातियों के भी परमेश्वर हैं।"

देखें: पदलोप

रोमियों 3:29 (#3)

"अन्यजातियों का"

देखें कि आपने 1:5 में **अन्यजाती** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:29 (#4)

"क्या परमेश्वर केवल यहूदियों का है? क्या अन्यजातियों का नहीं?"

पौलुस यहाँ जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि इन दो प्रश्नों का उपयोग यह व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं कि एक यहूदी पौलुस द्वारा पिछले पद में कही गई बातों पर क्या प्रतिक्रिया दे सकता है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर निश्चित रूप से केवल यहूदियों के परमेश्वर नहीं हैं! वे निश्चित रूप से अन्यजातियों के भी परमेश्वर हैं!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:29 (#5)

"हाँ, अन्यजातियों का भी है"

इस वाक्य में पौलुस पिछले दो वाक्यों में पूछे गए अलंकारिक प्रश्नों का उत्तर देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह कहकर उत्तर दूँगा, 'हाँ, अन्यजातियों का भी'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:29 (#6)

"हाँ"

हाँ एक विस्मयादिबोधक है जो उत्साह प्रकट करता है। उत्साह प्रकट करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक विस्मयादिबोधक का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद (बिन्दु को विस्मयादिबोधक चिह्न में बदलें): "बिल्कुल!"

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 3:30 (#1)

"क्योंकि"

पौलुस **क्योंकि** का उपयोग इस तरह करते हैं जैसे कि शेष पद एक काल्पनिक सम्भावना हो, लेकिन उनका मतलब है

कि यह वास्तव में सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और यह सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद, (बिना किसी भी पूर्ववर्ती अल्पविराम के): "चूँकि हम जानते हैं" या "क्योंकि यह सत्य है कि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 3:30 (#2)

"क्योंकि"

यह वाक्य इस कारण को प्रस्तुत करता है कि पौलुस पिछले पद में क्यों कह सकते थे कि परमेश्वर अन्यजातियों का भी परमेश्वर हैं। आपकी भाषा में कारण वाक्य प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि, वास्तव में" या "हम जानते हैं कि यह सत्य है क्योंकि, वास्तव में"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 3:30 (#3)

"एक ही परमेश्वर है"

पौलुस **परमेश्वर** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे वह एक संख्या हो। उनका मतलब है कि **परमेश्वर** यहूदी और अन्यजाती दोनों के लिए **एकमात्र** सच्चे **परमेश्वर** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर केवल एक है"

देखें: रूपक

रोमियों 3:30 (#4)

"जो खतनावालों को विश्वास से और खतनारहितों को भी विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराएगा"

यह वाक्य हमारे **परमेश्वर** के बारे में और जानकारी देता है कि **वह कौन** हैं। यह सच्चे **परमेश्वर** और झूठे देवताओं के बीच कोई भेद नहीं कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह वही हैं जो विश्वास से खतना किए हुए को धर्मी ठहराएँगे, और वह उसी विश्वास के द्वारा खतनारहित को भी धर्मी ठहराएँगे"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 3:30 (#5)

"खतनावालों" - "खतनारहितों"

शब्द **खतनावाले** और **खतनारहित** ऐसे एकवचन संज्ञा हैं जो लोगों के समूहों को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार के एकवचन संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खतना किए हुए लोग ... खतना न किए हुए लोग"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 3:30 (#6)

"खतनावालों" - "खतनारहितों"

यहाँ पौलुस **खतना** का उपयोग यहूदियों को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं, उन्हें **खतना** के साथ जोड़ते हुए, और वह **खतनारहित** का उपयोग रूपक रूप में अन्यजाती को सन्दर्भित करने के लिए करते हैं, उन्हें **खतनारहित** के साथ जोड़ते हुए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदी लोग ... अन्यजाती लोग"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 3:30 (#7)

"विश्वास से" - "विश्वास के द्वारा"

देखें कि आपने 3:26 में इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:31 (#1)

"तो क्या हम व्यवस्था को विश्वास के द्वारा व्यर्थ ठहराते हैं"

यहाँ, **तो** यह संकेत करता है कि यह वाक्य वह प्रतिक्रिया है जो एक यहूदी पौलुस द्वारा पिछले पद में कही गई बात पर दे सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब तुम यहूदी लोग कहोगे, 'तो क्या हम व्यवस्था को व्यर्थ ठहराते हैं'"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 3:31 (#2)

"तो क्या हम व्यवस्था को विश्वास के द्वारा व्यर्थ ठहराते हैं"

पौलुस यहाँ जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि इस प्रश्न का उपयोग उस प्रतिक्रिया को व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं जो एक यहूदी पौलुस द्वारा पिछले पद में कही गई बात पर दे सकता है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और दूसरे तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो हम निश्चित रूप से उसी विश्वास के द्वारा व्यवस्था को रद्द करते हैं!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 3:31 (#3)

"तो क्या हम व्यवस्था को विश्वास के द्वारा व्यर्थ ठहराते हैं"

यहाँ, **हम** का उपयोग केवल उन अविश्वासी यहूदियों के लिए किया गया है जिनकी ओर से पौलुस बोल रहे हैं। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिन्हित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “तो क्या हम यहूदी लोग इसे व्यर्थ ठहराते हैं”

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 3:31 (#4)

"तो क्या हम व्यवस्था को... व्यर्थ ठहराते हैं"

यहाँ, **व्यवस्था को व्यर्थ ठहराते हैं** का मतलब है **व्यवस्था** को व्यर्थ या किसी के लिए भी अनुपयुक्त बना देना। पौलुस के अनुसार यहूदियों को यह चिंता हो सकती है कि वह यह सिखा रहे हैं कि व्यवस्था का कोई महत्व नहीं है क्योंकि परमेश्वर लोगों को विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या हम व्यवस्था को व्यर्थ बना देते हैं" या "क्या हम व्यवस्था को फेंक देते हैं?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:31 (#5)

"विश्वास के द्वारा"

देखें कि आपने पिछले पद में इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 3:31 (#6)

"कदापि नहीं! वरन् व्यवस्था को स्थिर करते हैं"

इन दो वाक्यों में पौलुस पिछले वाक्य में पूछे गए आलंकारिक प्रश्नों का उत्तर देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह कहकर उत्तर दूँगा, 'कदापि नहीं! इसके विपरीत, हम व्यवस्था को स्थिर करते हैं'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 3:31 (#7)

"कदापि नहीं"

देखें कि आपने 3:6 में इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 3:31 (#8)

"हम... व्यवस्था को स्थिर करते हैं"

यहाँ, **हम** का उपयोग विशेष रूप से पौलुस और अन्य मसीही के लिए किया गया है। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम मसीही लोग व्यवस्था को स्थिर करते हैं"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 3:31 (#9)

"व्यवस्था को स्थिर करते हैं"

पौलुस **व्यवस्था** का उल्लेख करने के लिए **स्थिर** का उपयोग करते हैं जैसे कि यह एक वस्तु हो जिसे स्थापित कर सकते हैं। यहाँ **स्थिर** का अर्थ व्यर्थ के विपरीत है, जो इस पद में पहले उपयोग किया गया था। इसका अर्थ हो सकता है: (1) मसीही लोग यीशु पर विश्वास करके व्यवस्था की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, जिन्होंने उनके लिए व्यवस्था को पूरा किया। वैकल्पिक अनुवाद: “हम विश्वास द्वारा व्यवस्था को पूरा करते हैं” (2) मसीही लोग **व्यवस्था** को महत्व देते हैं और पुष्टि करते हैं कि यह उपयोगी है। वैकल्पिक अनुवाद: “हम पुष्टि करते हैं

कि व्यवस्था उपयोगी है" या "हम पुष्टि करते हैं कि व्यवस्था का मूल्य है"

देखें: रूपक

रोमियों 4:1 (#1)

"तो ... क्या कहें"

यहाँ, **तो** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पिछले अध्याय में पौलुस ने जो कहा था उसका उत्तर है, विशेष रूप से जो उन्होंने 3:27–31 में कहा था। देखें कि आपने **तो ... क्या** का अनुवाद 3:1 में कैसे किया।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 4:1 (#2)

"तो हम क्या कहें, कि हमारे शारीरिक पिता अब्राहम को क्या प्राप्त हुआ?"

इस पद में पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि एक प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं ताकि यहूदी द्वारा उठाई गई आपत्तियों को व्यक्त किया जा सके, जो पौलुस ने पिछले अध्याय में कहा था, विशेष रूप से 3:27–31 में कही गई बातों के सम्बन्ध में। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब हम कहेंगे कि अब्राहम ने, जो हमारे शरीर के अनुसार पूर्वज थे, अवश्य ही कुछ खोज लिया है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 4:1 (#3)

"तो हम क्या कहें, कि हमारे शारीरिक पिता अब्राहम को क्या प्राप्त हुआ?"

इस पद में और अगले पद के पहले भाग में, पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक गैर-मसीही यहूदी हों जो पौलुस के खिलाफ तर्क कर रहा हो। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 4:1 (#4)

"हम क्या कहें"

4:1–9 में पौलुस विशेष रूप से **हम** का उपयोग स्वयं और अन्य यहूदियों के लिए करते हैं। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम यहूदी क्या कहें"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 4:1 (#5)

"कि हमारे शारीरिक पिता अब्राहम को क्या प्राप्त हुआ"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे अब्राहम ने प्राप्त किया है, जो शरीर के अनुसार हमारे पूर्वज हैं"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 4:1 (#6)

"शारीरिक"

देखें कि आपने **शारीरिक** का अनुवाद 1:3 में कैसे किया।

देखें: मुहावरा

रोमियों 4:1–12 (#1)

""

जोड़ने वाला कथन: 4:1–12 आलंकारिक प्रश्नों और उत्तरों की एक श्रृंखला है जिसका उपयोग पौलुस इस बात पर ज़ोर देने के लिए करता है कि यहूदियों के पूर्वज **अब्राहम** को भी परमेश्वर ने "विश्वास के द्वारा" धर्मी ठहराया था।

रोमियों 4:2 (#1)

"क्योंकि यदि अब्राहम कामों से धर्मी ठहराया जाता, तो उसे घमण्ड करने का कारण होता है"

यह उपवाक्य उन कथनों को जारी रखते हैं जो एक अविश्वासी यहूदी पौलुस के विरुद्ध कर सकता है जो पिछले पद में शुरू हुआ था। आपको इन खंडों के अंत में समापन उद्धरण चिह्न लगाकर या किसी अन्य विराम चिह्न या परिपाटी का उपयोग करके इसे इंगित करना पड़ सकता है, जिसका उपयोग

आपकी भाषा में उद्धरण के अंत को इंगित करने के लिए किया जाता है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 4:2 (#2)

"क्योंकि"

यहाँ पर **क्योंकि** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह पिछले पद में दिए गए कथन का कारण है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह ऐसा होना चाहिए क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 4:2 (#3)

"यदि अब्राहम कामों से धर्मी ठहराया जाता, तो उसे घमण्ड करने का कारण होता है"

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह एक काल्पनिक सम्भावना हो, परन्तु उनका मतलब है कि अविश्वासी यहूदी सोच सकते हैं कि यह वास्तव में सच है। पौलुस के समय में कुछ यहूदी शिक्षक सिखाते थे कि अब्राहम को अपने विश्वास के कारण घमण्ड करने का अधिकार था। हालांकि, इसे सच मानकर अनुवाद करने से आपके पाठकों में भ्रम हो सकता है।

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 4:2 (#4)

"अब्राहम ... धर्मी ठहराया जाता"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य किसने किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने यह किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने अब्राहम को धर्मी ठहराया" या "परमेश्वर ने अब्राहम को अपने साथ सही किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:2 (#5)

"कामों से"

पौलुस मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि **कामों से** का अर्थ "व्यवस्था के काम" से है जैसा कि 3:28 में है। यदि

आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर अपने लोगों से अपेक्षा करते हैं उसे करके"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:2 (#6)

"परन्तु परमेश्वर के निकट नहीं"

इस खण्ड में पौलुस उन अलंकारिक प्रश्नों का उत्तर देना शुरू करते हैं जो उन्होंने पिछले खण्डों और पिछले पदों में लिखे थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह कहकर उत्तर दूंगा, 'परन्तु परमेश्वर के सामने नहीं!'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:2 (#7)

"परन्तु परमेश्वर के निकट नहीं"

यहाँ **परन्तु** के बाद जो आता है, वह पहले निर्दोष रूप से कही गई बात के विपरीत एक जोरदार विरोधाभास है। पौलुस उस तर्क को नकार रहे हैं जो उन्होंने इस पद में और पिछले पद में पहले प्रस्तुत किया था। आप इस जोर को स्पष्ट कर सकते हैं, जैसे कि वाक्य को विस्मयादिबोधक चिह्न के साथ समाप्त करके या अपनी भाषा में जोरदार विरोधाभास प्रस्तुत करने के लिए किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु निश्चित रूप से परमेश्वर के सामने नहीं!" या "हालांकि, परमेश्वर के दृष्टिकोण से नहीं!"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

रोमियों 4:2 (#8)

"परमेश्वर के निकट"

पौलुस अब्राहम के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह परमेश्वर की उपस्थिति में खड़े हों। उनका मतलब है कि अब्राहम परमेश्वर के सामने अपनी धार्मिकता पर घमण्ड नहीं कर सकते थे यदि वह कामों के द्वारा धर्मी होते। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के दृष्टिकोण से"

देखें: रूपक

रोमियों 4:3 (#1)

""

कुछ अनुवाद यहाँ इस पद कि शुरुआत **क्योंकि** के साथ करते हैं जो यह संकेत करता है कि इस पद में जो कुछ भी आता है, वह इस बात का कारण है कि पौलुस ने पिछले पद में कहा था कि अब्राहम "परमेश्वर के सामने" घमंड नहीं कर सकते। अपनी भाषा में कारण वाक्य को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सत्य है क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 4:3 (#2)

"पवित्रशास्त्र क्या कहता है"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं ताकि वह जो कह रहे हैं उसके सत्य पर जोर दे सकें। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर को सम्प्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्रशास्त्र निश्चित रूप से कहता हैं"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 4:3 (#3)

"पवित्रशास्त्र क्या कहता है"

यहाँ पौलुस ने **'कहता'** का प्रयोग ऐसे किया है जैसे **पवित्रशास्त्र** कोई व्यक्ति हो जो बोल सकता है। उनका मतलब है कि जिस पवित्रशास्त्र का वे उद्धरण देने वाले हैं, उसमें उस विषय से सम्बन्धित जानकारी है जिस पर वे चर्चा कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्रशास्त्र में क्या जानकारी है?"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 4:3 (#4)

"पवित्रशास्त्र क्या कहता है?"

यहां पौलुस **पवित्रशास्त्र क्या कहता है** का उपयोग पुराने नियम की एक पुस्तक (उत्पत्ति 15:6) से उद्धरण को इंगित करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्रशास्त्र में क्या लिखा है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 4:3 (#5)

"पवित्रशास्त्र"

यहाँ, **पवित्रशास्त्र** विशेष रूप से 15:6 के उद्धरण को सन्दर्भित करता है जो इस पद में आता है। यह सामान्य रूप से पवित्रशास्त्र को सन्दर्भित नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पवित्रशास्त्र जो उत्पत्ति में मूसा ने लिखा था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:3 (#6)

"यह उसके लिये धार्मिकता गिना गया"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग स्वाभाविक नहीं है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। यदि यह बताना आवश्यक है कि कार्य किसने किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने इसे उसके लिए धार्मिकता के रूप में श्रेय दिया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:3 (#7)

"और यह उसके लिये... गिना गया"

सर्वनाम **यह** अब्राहम के विश्वास को सन्दर्भित करता है, जो इस कथन से संकेतित था कि **अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसका विश्वास धार्मिकता गिना गया" या "परमेश्वर में उसका भरोसा धार्मिकता गिना गया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 4:3 (#8)

"धार्मिकता"

यदि आपकी भाषा में **धार्मिकता** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धर्मी होना” या “परमेश्वर के साथ सही सम्बन्ध में होना”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:4 (#1)

""

कुछ अनुवादों में इस पद की शुरुआत **अब** के साथ होती है जो यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे पद 4–5 में है, वह पिछले पद में पवित्रशास्त्र उद्धरण की व्याख्या है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वास्तव में,” या “निश्चित रूप से,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 4:4 (#2)

"काम करनेवाले की"

यहाँ, **काम करनेवाला** एक काल्पनिक व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो उन व्यवस्थाओं का पालन करता है जो परमेश्वर ने मूसा के माध्यम से दी थीं और "कामों से धर्मी ठहराया जाता है" (देखें: 4:2) । हालांकि, क्यूंकि पद 4–5 का अर्थ अगले पद में दिया गया है, इसलिए आपको इसका अर्थ यहाँ पर और अधिक समझाने की आवश्यकता नहीं है।

देखें: जानकारी को अंतर्निहित कब रखना चाहिए

रोमियों 4:4 (#3)

"मजदूरी देना दान नहीं"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपनी मजदूरी को अनुग्रह नहीं मानते" या "वह अपने वेतन को अनुग्रह नहीं समझते"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:4 (#4)

"मजदूरी देना दान नहीं," - "हक़ समझा जाता है"

वैकल्पिक अनुवाद: "अनुग्रह के रूप में ... उत्तरदायित्व के रूप में" या "उपहार के रूप में ... उत्तरदायित्व के रूप में"

रोमियों 4:4 (#5)

"मजदूरी देना दान नहीं," - "हक़ समझा जाता है"

यदि आपकी भाषा **दान** और **हक़** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप विभिन्न रूपों के साथ उन्हीं विचारों को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि जो अनुग्रहकारी हैं ... जैसा कि जो बकाया है" या "जैसा कि कुछ उपहार में दिया गया ... जैसा कि कुछ बकाया है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:5 (#1)

"परन्तु"

यहाँ पर **परन्तु** यह संकेत करता है कि इस पद में जो कहा गया है, वह पिछले पद में पौलुस द्वारा कही गई बात के विपरीत है। विरोधाभासी विचार व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "पर"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

रोमियों 4:5 (#2)

"जो काम नहीं करता"

यहाँ, **जो काम नहीं करता** का अर्थ उस व्यक्ति से है जो परमेश्वर द्वारा मूसा के माध्यम से दी गई व्यवस्थाओं का पालन नहीं करता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन नहीं करता”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:5 (#3)

"धर्मी ठहरानेवाले"

यहाँ, **धर्मी ठहरानेवाले** परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर जो धर्मी ठहराते हैं” या “परमेश्वर जो धर्मी बनाते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:5 (#4)

"भक्तिहीन"

पौलुस एकवचन विशेषण वाक्यांश **भक्तिहीन** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक समूह के लोगों का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में विशेषण का उपयोग इस प्रकार नहीं होता है, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह सब लोग जो अधर्मी हैं" या "वह लोग जो बुरे कार्य करते हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 4:5 (#5)

"उसका विश्वास उसके लिये धार्मिकता गिना जाता है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि कार्य कौन करता है, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" इसे करते हैं। देखें कि आपने 4:3 में एक समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उसके विश्वास को धार्मिकता के रूप में मान्यता दी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:5 (#6)

"उसका विश्वास" - "धार्मिकता गिना जाता है"

यदि आपकी भाषा में **विश्वास** और **धार्मिकता** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को विभिन्न रूपों में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह कैसे भरोसा करते हैं ... धार्मिक होने के रूप में" या "वह परमेश्वर में कैसे भरोसा करते हैं ... परमेश्वर के साथ सही होने के रूप में"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:6 (#1)

"उसे दाऊद भी... कहता है"

पौलुस ने यहाँ **दाऊद भी... कहता है** का उपयोग भजन संहिता 31:1–2 से एक शास्त्र उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए किया है, जिसे दाऊद ने लिखा था। यह 4:7–8 में होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समान

वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस पुराने नियम से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दाऊद ने पुराने नियम में भी लिखा है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 4:6 (#2)

"धन्य कहता"

यदि आपकी भाषा में **धन्य** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पुरुष कितना धन्य है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:6 (#3)

"धन्य कहता"

पौलुस **पुरुष** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **धन्य** द्वारा विशेषित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धन्य पुरुष" या "सुखी पुरुष"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 4:6 (#4)

"उसे"

पौलुस सामान्यता लोगों के विषय में बात कर रहे हैं, किसी विशेष **पुरुष** के बारे में नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति का"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 4:6 (#5)

"जिसे परमेश्वर बिना कर्मों के धर्मी ठहराता है"

कुछ अनुवादों में पुरुष शब्द का इस्तेमाल किया गया है। यह वाक्य **पुरुष** के बारे में और जानकारी प्रदान करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यों के बीच सम्बन्ध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात्, वह मनुष्य जिसे परमेश्वर कर्मों के बिना भी धर्मी मानते हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 4:6 (#6)

"धर्मी ठहराता"

यदि आपकी भाषा में **धर्मी ठहराता** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धर्मी होना माना जाता है" या "अपने आप में सही होना माना जाता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:6 (#7)

"बिना कर्मों के"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:28 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 4:7 (#1)

"धन्य वे हैं, जिनके अधर्म क्षमा हुए,"

यह पद भजन संहिता 31:1–2 से उद्धरण की शुरुआत है। आपके पाठकों के लिए इसे आरंभिक उद्धरण चिह्न या किसी अन्य विराम चिह्न या परंपरा के साथ इंगित करने द्वारा सहायक हो सकता है जिसका उपयोग आपकी भाषा उद्धरण की शुरुआत को इंगित करने के लिए करती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 4:7 (#2)

"धन्य वे हैं, जिनके अधर्म क्षमा हुए,"

यह दोनों वाक्यांश एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस थोड़ा अलग तरीके से एक ही बात दो बार कहते हैं, यह दिखाने के लिए कि यह लोग कितने **धन्य** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग कितने धन्य हैं जिन्हें परमेश्वर उनके सभी पापों के लिए पूरी तरह से क्षमा करते हैं"

देखें: समानांतरता

रोमियों 4:7 (#3)

"जिनके पाप"

यदि आपकी भाषा **पापों** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अवैध कार्य जो उन्होंने किए हैं ... वे पाप जो उन्होंने किए हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:7 (#4)

"अधर्म क्षमा हुए,"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने करी, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर क्षमा करते हैं ... परमेश्वर ढांकते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:7 (#5)

"जिनके पाप ढांपे गए हैं"

पौलुस ने दाऊद का उल्लेख कुछ शब्दों को छोड़ते हुए किया है जो कई भाषाओं में एक खंड को पूरा करने के लिए आवश्यक होंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप पिछले खंड से ये शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धन्य हैं वे जिनके पाप ढँके हुए हैं"

देखें: पदलोप

रोमियों 4:7 (#6)

"ढांपे गए"

पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हैं और **ढांपे** शब्द का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि परमेश्वर इस प्रकार पापों को क्षमा करते हैं जैसे कि वह पापों को ढक देते हैं ताकि वह उन्हें अब और न देखें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्षमा किए गए हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 4:8 (#1)

"धन्य है वह मनुष्य जिसे परमेश्वर पापी न ठहराए"

इस पद का अन्त भजन संहिता 31:1–2 से एक उद्धरण का समापन है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि यह उद्धरण चिन्ह के साथ समाप्त होता है या आपकी भाषा में उद्धरण के अन्त को दर्शाने के लिए जो भी विराम चिह्न या परम्परा उपयोग की जाती है, उसका उपयोग करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 4:8 (#2)

"धन्य है वह मनुष्य जिसे परमेश्वर पापी न ठहराए"

यह पद पिछले पद के दो खण्डों के समान अर्थ रखता है। यहाँ पौलुस थोड़े अलग तरीके से वही बात कहते हैं ताकि यह जोर दिया जा सके कि परमेश्वर जिन लोगों के पापों को क्षमा करते हैं, वे लोग कितने **धन्य** होते हैं। इस जोर को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति सचमुच कितना धन्य है जिसके पाप निश्चित रूप से प्रभु नहीं गिनते!"

देखें: समानांतरता

रोमियों 4:8 (#3)

"वह मनुष्य"

पौलुस दाऊद को सामान्य लोगों के बारे में बोलते हुए उद्धृत करता है, किसी एक विशेष **व्यक्ति** के बारे में नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 4:8 (#4)

"पापी"

यदि आपकी भाषा में **पापी** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पापपूर्ण कर्म"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:8 (#5)

"न ठहराए"

पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हैं, जो **ठहराने** का उपयोग परमेश्वर के लोगों के पापों को याद करने या ध्यान देने के संदर्भ में करते हैं, जब उन्होंने उन्हें क्षमा कर दिया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से ध्यान नहीं देते"

देखें: रूपक

रोमियों 4:8 (#6)

"न"

वाक्यांश **न** यूनानी में दो नकारात्मक शब्दों का अनुवाद करता है। पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हुए उनका एक साथ उपयोग करते हैं ताकि यह जोर दिया जा सके कि यह कितना निश्चित है कि परमेश्वर लोगों के पापों को नहीं देखते जब उन्होंने उन्हें माफ कर दिया है। इस जोर को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "कभी नहीं"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

रोमियों 4:9 (#1)

"तो"

यहाँ **तो** एक परिणाम खण्ड प्रस्तुत करता है। यह पद 4:6–8 में पौलुस द्वारा कही गई बातों के तार्किक निष्कर्ष को इंगित करती है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप,"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 4:9 (#2)

"यह धन्य वचन, क्या खतनावालों ही के लिये है, या खतनारहितों के लिये भी?"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वह यहां प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वह कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते

हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह धन्यता निश्चित रूप से खतना वालों पर और खतनारहित पर भी है!”

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 4:9 (#3)

"यह धन्य"

यहां, **यह धन्य** उन लोगों की आनन्दमय स्थिति को सन्दर्भित करती है जिन्हें परमेश्वर क्षमा करते हैं और धार्मिक बनाते हैं, जैसा कि 4:6–8 में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या यह परमेश्वर द्वारा क्षमा किये जाने की धन्य स्थिति है” या “क्या यह परमेश्वर की ओर से धन्य क्षमा है””

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:9 (#4)

"तो यह धन्य वचन, क्या खतनावालों ही के लिये है, या खतनारहितों के लिये भी"

पौलुस **धन्य वचन** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह कोई वस्तु हो जिसे किसी पर **डाला** जा सकता है। उनका मतलब है कि खतना किए हुए और बिना खतना किए हुए दोनों लोग परमेश्वर से क्षमा की आशीष प्राप्त कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्या यह धन्य वचन खतना किए हुए को दी जाती है ... बिना खतना किए हुए को”

देखें: रूपक

रोमियों 4:9 (#5)

"खतनावालों," - "खतनारहितों"

देखें कि आपने इन शब्दों का अनुवाद 3:30 में कैसे किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:9 (#6)

"तो"

तो यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह एक अलंकारिक प्रश्न का उत्तर देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 4:9 (#7)

"हम यह कहते हैं"

यहाँ पौलुस विशेष रूप से **हम** का उपयोग पौलुस और अन्य यहूदियों का उल्लेख करने के लिए करते हैं। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को स्पष्ट करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम यहूदी लोग कहते हैं"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 4:9 (#8)

"हम यह कहते हैं"

यहां पौलुस **हम यह कहते हैं** का उपयोग करते हैं ताकि 15:6 से एक संशोधित पवित्रशास्त्र उद्धरण प्रस्तुत किया जा सके, जिसे मूसा ने लिखा था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस पुराने नियम से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हम कहते हैं जो मूसा ने पुराने नियम में लिखा था”

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 4:9 (#9)

"अब्राहम के लिये उसका विश्वास धार्मिकता गिना गया"

देखें कि आपने 4:3 और 4:5 में समान वाक्यों का अनुवाद कैसे किया।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:10 (#1)

"तो वह कैसे गिना गया? खतने की दशा में या बिना खतने की दशा में"

इन दो वाक्यों में पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि इन दो प्रश्नों का उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए कर रहे हैं कि अब्राहम बिना खतना के धार्मिक ठहराए गए थे। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। आपको इन वाक्यों को मिलाने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक

अनुवाद: "तब तब तुम निश्चित रूप से जानते हो कि यह उनके लिए कैसे गिना गया! तुम निश्चित रूप से जानते हो कि यह खतना में था या खतनारहित में!" या "तब तुम निश्चित रूप से जानते हो कि यह उनके लिए कैसे गिना गया, चाहे खतना में या खतनारहित में!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 4:10 (#2)

"तो...कैसे"

यहां, **तो** एक परिणाम खण्ड प्रस्तुत करता है जो एक अलंकारिक प्रश्न के रूप में है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "कैसे, परिणामस्वरूप," या "तो फिर, कैसे"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 4:10 (#3)

"कैसे"

यहाँ **कैसे** का अर्थ है "किस परिस्थिति में।" पौलुस यह नहीं पूछ रहे हैं कि परमेश्वर ने अब्राहम को धर्मी कैसे बनाया, बल्कि यह पूछ रहे हैं कि क्या जब परमेश्वर ने उन्हें धर्मी बनाया तब अब्राहम का खतना हुआ था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किस परिस्थिति में"

देखें: मुहावरा

रोमियों 4:10 (#4)

"वह कैसे गिना गया?" - "खतने की दशा में नहीं"

इस पद में सर्वनाम **वह** अब्राहम के विश्वास को सन्दर्भित करता है, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब्राहम का विश्वास गिना गया ... उनका विश्वास खतना में नहीं था"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 4:10 (#5)

"तो वह कैसे गिना गया?"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्रवाई किसने की, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर परमेश्वर ने इसे कैसे गिना?"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:10 (#6)

"खतने की दशा में या बिना खतने की दशा में? खतने की दशा में नहीं परन्तु बिना खतने की दशा में।"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप ये शब्द पिछले वाक्य से ले सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या इसे खतने में गिना जाता था, या इसे बिना खतने में गिना जाता था? इसे खतने में नहीं गिना जाता था, बल्कि इसे बिना खतने में गिना जाता था।"

देखें: पदलोप

रोमियों 4:10 (#7)

"खतने की दशा में या बिना खतने की दशा में? खतने की दशा में नहीं परन्तु बिना खतने की दशा में।"

यदि आपकी भाषा खतना और खतना रहित के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप समान विचारों को अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। पौलुस का तात्पर्य है कि अब्राहम इन वाक्यों का विषय हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब अब्राहम का खतना हुआ था, या जब वह खतना रहित थे? यह तब नहीं था जब उनका खतना हुआ था, बल्कि तब था जब वह खतना रहित थे"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:11 (#1)

"खतने का," - "उसने बिना खतने की दशा में" - "बिना खतने की दशा में"

यदि आपकी भाषा में **खतना** और **बिना खतना** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खतना किए जाने के दौरान... खतना न किए जाने के दौरान... खतना न किए जाने के माध्यम से"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:11 (#2)

"खतने का चिह्न"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग **चिन्ह** का वर्णन करने के लिए कर रहें है जो **खतना** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह चिन्ह जो खतना है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 4:11 (#3)

"कि उस विश्वास की धार्मिकता पर छाप हो जाए, जो उसने बिना खतने की दशा में रखा था"

यह वाक्य **खतना के चिन्ह** के बारे में और जानकारी देता है। खतना न केवल एक **चिन्ह** है, बल्कि एक **मुहर** भी है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन वाक्यों के बीच सम्बन्ध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात्, उस विश्वास की धार्मिकता की मुहर जो उनके खतनारहित होने पर थी"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 4:11 (#4)

"धार्मिकता पर छाप"

पौलुस **एक छाप** का उपयोग कर रहे हैं जो **धार्मिकता** को वास्तविक साबित करती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक छाप जो धार्मिकता को प्रमाणित करती है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 4:11 (#5)

"विश्वास की धार्मिकता"

पौलुस **धार्मिकता** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **विश्वास** से आती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास से आने वाली धार्मिकता" या "परमेश्वर के साथ सही होने की स्थिति जो उन पर विश्वास करने से आती है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 4:11 (#6)

"जो उसने बिना खतने की दशा में रखा था"

यह खण्ड अब्राहम के **विश्वास** के बारे में और जानकारी प्रदान करता है। पौलुस उस **विश्वास** का उल्लेख कर रहे हैं जो अब्राहम के खतना से पहले था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच सम्बन्ध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अब्राहम का खतना न होने पर था"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 4:11 (#7)

"जो बिना खतने की दशा"

यहाँ पौलुस **खतना रहित** होने की बात ऐसे कर रहा है जैसे कि यह कोई ऐसी जगह हो जहाँ कोई व्यक्ति हो सकता है। उसका मतलब है कि अब्राहम खतना रहित अवस्था में थे। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जबकि वह खतना रहित था"

देखें: रूपक

रोमियों 4:11 (#8)

"जिससे वह...ठहरे"

यहां, **जिससे** एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस यह बता रहे हैं कि परमेश्वर ने अब्राहम से खतना करवाने की आवश्यकता क्यों रखी। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस निर्देश में कि वह होगा"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 4:11 (#9)

"जिससे वह उन सब का पिता ठहरे, जो बिना खतने की दशा में विश्वास करते हैं"

पौलुस ने अब्राहम को **पिता** के रूप में सन्दर्भित किया है, जैसे कि उन्होंने शारीरिक रूप से उन सभी को जन्म दिया है **जो परमेश्वर में विश्वास करते हैं**। पौलुस का मतलब है कि अब्राहम आत्मिक रूप से उन सभी खतनारहित गैर-यहूदियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो परमेश्वर पर भरोसा करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट

रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन सभी के आत्मिक प्रतिनिधि जो खतनारहित होकर विश्वास करते हैं" या "उन सभी के पिता की तरह जो खतनारहित होकर विश्वास करते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 4:11 (#10)

"बिना खतने की दशा"

यहाँ पर जिस शब्द का अनुवाद **दशा** किया गया है उसका मतलब किसी समय अवधि से गुज़रना हैं। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खतना रहित समय के दौरान" या "जब वे खतना रहित थे तब से""

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:11 (#11)

"ताकि वे भी धर्मी ठहरें"

यहां, **ताकि** यह संकेत करता है कि यह उपवाक्य सन्दर्भित कर सकता है: (1) अब्राहम का उद्देश्य **उन सभी का पिता होना जो विश्वास करते हैं**। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि यह उनके लिए धार्मिकता गिनी जाए" (2) यह परिणाम कि अब्राहम **उन सभी का पिता है जो विश्वास करते हैं**। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके परिणामस्वरूप धार्मिकता उन्हें श्रेय दी जाएगी"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 4:11 (#12)

"ताकि वे भी धर्मी ठहरें"

देखें कि आपने **गिना गया** का अनुवाद 4:3–5 और 9–10 में कैसे किया है।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:11 (#13)

"धार्मिकता"

यदि आपकी भाषा में **धार्मिकता** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग

रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिक होना" या "परमेश्वर के साथ सही सम्बन्ध में होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:12 (#1)

"और उन खतना किए हुओं का पिता हो"

यहाँ, **और** यह इंगित करता है कि जो आगे आता है वह परमेश्वर द्वारा अब्राहम को खतना करने का एक और उद्देश्य है, जब उन्होंने परमेश्वर पर विश्वास किया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पिछले वाक्य की कुछ जानकारी दोहरा सकते हैं और एक नया वाक्य शुरू कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ताकि वह खतना किए हुओं के पिता बन सकें"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 4:12 (#2)

"उन खतना किए हुओं का पिता हो, जो न केवल खतना किए हुए हैं, परन्तु हमारे पिता अब्राहम के उस विश्वास के पथ पर भी चलते हैं"

पौलुस **खतना किए हुओं का पिता** का उपयोग करते हैं यह दर्शाने के लिए कि अब्राहम यहूदियों के दोनों शारीरिक और आत्मिक पूर्वज हैं जो यीशु में विश्वास करते हैं। वह शारीरिक रूप से खतना किए गए हैं और उनके पास "हृदय का खतना" भी है, जिसका पौलुस 2:29 में उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन यहूदियों के लिए जो न केवल खतना किए गए हैं, बल्कि जो हमारे पिता अब्राहम के विश्वास के पदचिन्हों का अनुसरण भी करते हैं जब वे बिना खतना के थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:12 (#3)

"और उन खतना किए हुओं का पिता हो, जो न केवल खतना किए हुए हैं, परन्तु हमारे पिता अब्राहम के उस विश्वास के पथ पर भी चलते हैं, जो उसने बिन खतने की दशा में किया था"

पौलुस यह मानते हैं कि उनके पाठक यह समझेंगे कि यह दोनों वाक्यांश उन यहूदियों को सन्दर्भित करते हैं जो **केवल** शारीरिक रूप से खतना किए गए नहीं हैं, बल्कि उनमें वही **विश्वास** भी है जो परमेश्वर में अब्राहम का था जब उनका

खतना नहीं हुआ था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन यहूदियों के लिए जो केवल खतना किए गए नहीं हैं, बल्कि जो हमारे पिता अब्राहम के विश्वास के पदचिन्हों पर भी चलते हैं जब उनका खतना नहीं हुआ था”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:12 (#4)

"परन्तु हमारे पिता अब्राहम के उस विश्वास के पथ पर भी चलते हैं"

यहाँ, **पथ पर भी चलते** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है किसी के उदाहरण का अनुसरण करना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समान मुहावरा या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो हमारे पिता अब्राहम के विश्वास के उदाहरण का पालन करते हैं"

देखें: मुहावरा

रोमियों 4:12 (#5)

"परन्तु हमारे पिता अब्राहम के उस विश्वास के"

पौलुस **हमारे पिता अब्राहम** के **विश्वास** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे पिता अब्राहम के **विश्वास** का”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 4:12 (#6)

"हमारे पिता अब्राहम के"

यहाँ, **हमारे** पौलुस और उनके साथी विश्वास करने वाले यहूदियों को सन्दर्भित करता है, जैसे कि 3:9 में है। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे यहूदी पिता अब्राहम का”

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 4:12 (#7)

"बिन खतने की"

यहां, **बिन खतने की** का वही अर्थ है जैसा कि पिछले पद में "खतना के माध्यम से" कहा गया है। देखें कि आपने वहां उस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:13 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ **क्योंकि** यह कारण बताता है कि अब्राहम गैर-यहूदियों और यहूदियों दोनों के आत्मिक "पिता" क्यों हैं, जैसा कि 4:11–12 में कहा गया है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 4:13 (#2)

"प्रतिज्ञा" - "कि वह जगत का वारिस होगा"

यदि आपकी भाषा में **प्रतिज्ञा** और **वारिस** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने यह प्रतिज्ञा की ... कि वह संसार के उत्तराधिकारी होंगे”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:13 (#3)

""

यहाँ, शब्द का अनुवाद या संकेत है कि **प्रतिज्ञा अब्राहम** और **उनके वंश** के लिए है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और भी”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 4:13 (#4)

"उसके वंश को"

मूल भाषा में यहाँ पौलुस "वंश" के लिए **बीज** का उपयोग करते हैं। जैसे पौधे बीज उत्पन्न करते हैं जो कई और पौधों में विकसित होते हैं, वैसे ही लोग कई संतानों को जन्म दे सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को

स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी संतानों के लिए"

देखें: रूपक

रोमियों 4:13 (#5)

"जगत का"

यहाँ **जगत** का उल्लेख हो सकता है: (1) **जगत** की सारी भूमि। यद्यपि परमेश्वर ने अब्राहम के वंशजों को कनान देश देने का वादा किया था, पौलुस के समय के यहूदी समझते थे कि यह प्रतिज्ञा पूरी पृथ्वी को शामिल करती है। यह वास्तव में तब होगा जब यीशु, जो अब्राहम के वंशज हैं, पूरे संसार पर राज्य करेंगे। वैकल्पिक अभिव्यक्ति: "संसार की सारी भूमि का" (2) संसार में रहने वाले लोग, जैसे 3:19 में। वैकल्पिक अनुवाद: "संसार में रहने वाले लोगों का"

देखें: उपलक्षण

रोमियों 4:13 (#6)

"न उसके वंश को व्यवस्था के द्वारा दी गई थी, परन्तु विश्वास की धार्मिकता के द्वारा मिली"

यहाँ **द्वारा** के रूप में अनुवादित शब्द उस माध्यम को इंगित करता है जिसके द्वारा परमेश्वर ने **वादा** दिया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था के माध्यम से नहीं बल्कि धार्मिकता के माध्यम से था" या "व्यवस्था के आधार पर नहीं बल्कि धार्मिकता के आधार पर था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:13 (#7)

"व्यवस्था"

देखें कि आपने **व्यवस्था** का 3:21 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:13 (#8)

"विश्वास की धार्मिकता"

देखें कि आपने 4:11 में उसी वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 4:14 (#1)

"क्योंकि "

यहाँ **क्योंकि** यह दर्शाता है कि 4:14–15 यह कारण बताते हैं कि परमेश्वर की प्रतिज्ञा अब्राहम को "विश्वास की धार्मिकता के माध्यम से" दिया गया था और "व्यवस्था के माध्यम से" नहीं, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। कारणों को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 4:14 (#2)

"क्योंकि यदि व्यवस्थावाले वारिस हैं, तो विश्वास व्यर्थ...ठहरी"

पौलुस एक काल्पनिक स्थिति का उपयोग कर रहे हैं ताकि उनके पाठक यह समझ सकें कि लोग परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को कैसे प्राप्त करते हैं और इसके गंभीर परिणाम क्या हो सकते हैं। अपनी भाषा में काल्पनिक स्थिति व्यक्त करने के लिए स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मान लीजिए कि यदि वारिस व्यवस्था से हैं, तो विश्वास व्यर्थ हो गया है"

देखें: जोड़ें — काल्पनिक स्थितियाँ

रोमियों 4:14 (#3)

"क्योंकि यदि व्यवस्थावाले वारिस हैं, तो विश्वास व्यर्थ और प्रतिज्ञा निष्फल ठहरी"

देखें कि आपने पिछले पद में "वारिस", **व्यवस्था**, और **विश्वास** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:14 (#4)

"वारिस हैं"

यहाँ, **वारिस** "अब्राहम" और "उनके वंशज" का उल्लेख करते हैं जो पिछले पद में है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वारिस, अब्राहम या उनके वंशज, हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:14 (#5)

"यदि व्यवस्थावाले वारिस हैं"

यहाँ, **व्यवस्थावाले** उन लोगों को सन्दर्भित करता है जो परमेश्वर द्वारा धर्मी गिने जाने के लिए व्यवस्था का पालन करने का प्रयास करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वारिस वे हैं जो परमेश्वर द्वारा धर्मी गिने जाने के लिए व्यवस्था का पालन करने का प्रयास करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:14 (#6)

"तो विश्वास व्यर्थ"

पौलुस **विश्वास** के बारे में ऐसे बात करता है मानो यह एक बर्तन हो जिसे खाली किया जा सकता है। उसका मतलब है कि अगर सिर्फ़ **व्यवस्था** का पालन करने से कोई व्यक्ति परमेश्वर के वादों को प्राप्त कर सकता है तो **विश्वास** किसी व्यक्ति को धर्मी बनाने में शक्तिहीन या बेकार हो जाएगा। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो परमेश्वर पर भरोसा करके धर्मी बनना असंभव होगा"

देखें: रूपक

रोमियों 4:15 (#1)

""

आप इस पद की शुरुआत **क्योंकि** के साथ कर सकते हैं जो यह दिखाता है कि बाकि का पद का यह स्पष्ट करता है कि व्यवस्था का पालन करके परमेश्वर के वादे को प्राप्त करना विश्वास और वादे को निष्फल कर देगा, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। आपकी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 4:15 (#2)

"व्यवस्था तो क्रोध उपजाती है"

यहां पौलुस **व्यवस्था** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो कुछ उत्पन्न कर सकता है। उनका मतलब है कि **व्यवस्था** परमेश्वर को लोगों को दण्डित करने के लिए प्रेरित करती है क्योंकि वे इसका पालन नहीं कर पाते। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग इसका पालन नहीं करते उनके लिए व्यवस्था क्रोध का कारण बनती है"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 4:15 (#3)

"क्रोध"

देखें कि आपने इस शब्द के उसी उपयोग का अनुवाद 1:18 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 4:15 (#4)

"और जहाँ व्यवस्था नहीं वहाँ उसका उल्लंघन भी नहीं"

पौलुस **व्यवस्था** और **उल्लंघन** के बारे में इस प्रकार बात करते हैं जैसे वे किसी विशेष स्थान पर स्थित हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु जहाँ व्यवस्था नहीं है, वहाँ उल्लंघन भी नहीं है" या "परन्तु जिस जगह परमेश्वर की व्यवस्था नहीं है, वहाँ उल्लंघन भी नहीं है"

देखें: रूपक

रोमियों 4:15 (#5)

"उल्लंघन"

देखें कि आपने **उल्लंघन** का उपयोग 2:23 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:16 (#1)

"प्रतिज्ञा विश्वास पर आधारित है"

यहाँ, **यह** (कुछ अनुवादों में इस्तेमाल हुआ है) बाद में उल्लिखित **प्रतिज्ञा** को संदर्भित करता है और 4:13 में पेश किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रतिज्ञा विश्वास से है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:16 (#2)

"विश्वास पर आधारित है"

यहां, **विश्वास पर आधारित** यह दर्शाता है कि कोई व्यक्ति **प्रतिज्ञा** कैसे प्राप्त करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति परमेश्वर की प्रतिज्ञा विश्वास के माध्यम से प्राप्त करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:16 (#3)

"इसी कारण"

यह वाक्य एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस उस उद्देश्य को बता रहे हैं जिसके लिए परमेश्वर **विश्वास** को **प्रतिज्ञा** प्राप्त करने का साधन बनाते हैं। आपकी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद (बिना अल्पविराम के): "जिससे"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियों 4:16 (#4)

"अनुग्रह की रीति पर"

वैकल्पिक अनुवाद: "अनुग्रह के द्वारा" या "अनुग्रह के आधार पर"

रोमियों 4:16 (#5)

"अनुग्रह"

यदि आपकी भाषा में **अनुग्रह** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर कितने अनुग्रहकारी हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:16 (#6)

"इसी कारण प्रतिज्ञा...दृढ़ हो"

यहां, **इसी कारण** संकेत कर सकता है: (1) एक उद्देश्य वाक्य। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि प्रतिज्ञा सुनिश्चित हो सकें"

(2) एक परिणाम वाक्य। वैकल्पिक अनुवाद: "इस परिणाम के साथ कि प्रतिज्ञा सुनिश्चित हो सकती है"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का सम्बन्ध

रोमियों 4:16 (#7)

"प्रतिज्ञा"

देखें कि आपने **प्रतिज्ञा** को 4:13 में कैसे अनुवादित किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:16 (#8)

"सब वंश"

वाक्यांश **सब वंश** एकवचन है, परन्तु यह लोगों के एक समूह को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से एकवचन संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी वंशज"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:16 (#9)

"सब वंश"

देखें कि आपने **वंश** का अनुवाद 4:13 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 4:16 (#10)

"न कि केवल उसके लिये जो व्यवस्थावाला है, वरन् उनके लिये भी जो अब्राहम के समान विश्वासवाले हैं"

यह उपवाक्य वाक्यांश **वंश** के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करते हैं। वह **व्यवस्था** से सम्बन्धित **वंश** और **विश्वास** से सम्बन्धित **वंश** के बीच अन्तर करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच सम्बन्ध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन विश्वासियों से जो अब्राहम के साथ व्यवस्था के माध्यम से जुड़े हैं और उन लोगों से जो अब्राहम के विश्वास के साथ जुड़े हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 4:16 (#11)

"जो व्यवस्थावाला है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 4:14 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:16 (#12)

"अब्राहम के समान विश्वासवाले"

यहाँ, **अब्राहम के समान विश्वासवाले** से उन लोगों को सन्दर्भित किया जाता है जो अब्राहम की तरह परमेश्वर पर भरोसा करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिनका विश्वास अब्राहम के समान है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:16 (#13)

"वही तो हम सब का पिता है"

पौलुस अब्राहम को **पिता** के रूप में सन्दर्भित करते हैं, जैसे कि उन्होंने सभी मनुष्यों को शारीरिक रूप से उत्पन्न किया हो। पौलुस का अर्थ है कि अब्राहम सभी विश्वास करने वाले यहूदियों के शारीरिक पूर्वज हैं और सभी विश्वास करने वाले गैर-यहूदियों के आत्मिक पूर्वज हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो हम सभी का जो विश्वास करते है आत्मिक रूप से प्रतिनिधित्व करते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 4:16 (#14)

"हम सब का"

यहाँ, **हम सब** का अर्थ **वंश** से है और इसलिए यह सभी विश्वास करने वाले यहूदियों और गैर-यहूदियों को शामिल करता है। आपकी भाषा आपको इन रूपों को चिन्हित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी परमेश्वर में विश्वास करने वालों का" या "हम सभी का जो परमेश्वर में भरोसा करते हैं"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 4:17 (#1)

"जैसा लिखा है, "मैंने तुझे बहुत सी जातियों का पिता ठहराया है"

यहां पौलुस उस वाक्य को बाधित करते हैं जिसे उन्होंने पिछले पद में शुरू किया था और अपने तर्क का समर्थन करने के लिए इन दो उपवाक्यों को निर्देश में जोड़ते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन उपवाक्यों को इस तरह से चिह्नित कर सकते हैं जिससे यह दिखे कि वे एक वाक्य के बीच में डाले गए हैं, जैसा कि कुछ और अनुवादों में है। आप इन उपवाक्यों को पद के अन्त में भी ले जा सकते हैं ताकि वह मुख्य वाक्य को विभाजित न करें।

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 4:17 (#2)

"जैसा लिखा है"

यहाँ पौलुस पुराने नियम से एक उद्धरण का उपयोग करते हैं, पिछले पद में दिए गए कथन का समर्थन करने के लिए कि अब्राहम "हम सभी के पिता हैं।" यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस पद और पिछले पद के बीच के सम्बन्ध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तथ्य कि अब्राहम हम सभी के पिता हैं, शास्त्रों में लिखा है, जो कहते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:17 (#3)

"जैसा लिखा है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:17 में किस प्रकार किया है।

देखें: उद्धरण और उद्धरण का सीमा

रोमियों 4:17 (#4)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक हो कि क्रिया किसने की, तो कह सकते हैं कि उद्धरण मूसा ने लिखा था। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि मूसा ने लिखा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:17 (#5)

"मैंने तुझे बहुत सी जातियों का पिता ठहराया है"

इस खण्ड में पौलुस 17:5 का उद्धरण देते हैं। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि आप इस सारी सामग्री को उद्धरण चिह्नों से अलग करें या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा का उपयोग करें जो आपकी भाषा किसी उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग करती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 4:17 (#6)

"मैंने तुझे ... पिता ठहराया है" - "उसने विश्वास किया"

यह सर्वनाम **मैं, परमेश्वर** को सन्दर्भित करता है, और **तुझे** और **उसने** अब्राहम को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, परमेश्वर, ने तुझे, अब्राहम, नियुक्त किया है, जैसा कि ... अब्राहम ने विश्वास किया"

देखें: सर्वनाम — उनका प्रयोग कब करें

रोमियों 4:17 (#7)

"बहुत सी जातियों का पिता"

पौलुस ने परमेश्वर द्वारा अब्राहम को **पिता** कहने के कथन को उद्धृत किया है, मानो वह शारीरिक रूप से बच्चे उत्पन्न करने जा रहे हों जिनसे **बहुत सी जातियों** बनती है।परमेश्वर का अर्थ है कि अब्राहम उन लोगों के आत्मिक पूर्वज बनेंगे जो **बहुत सी जातियों** से होंगे और परमेश्वर पर वैसे ही विश्वास करेंगे जैसे अब्राहम करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कई समूहों के लोगों के आत्मिक प्रतिनिधि"

देखें: रूपक

रोमियों 4:17 (#8)

"उस परमेश्वर के सामने जिस पर उसने विश्वास किया"

यहां पौलुस पिछले पद के वाक्य को जारी रखते हैं, जिसे उन्होंने इस पद में पहले दो उपवाक्यों के साथ रोका था। यह उपवाक्य पिछले पद के कथन को पूरा करता है, "वही तो हम सब का पिता है।" यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। आपको एक नया वाक्य

शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "अब्राहम परमेश्वर की उपस्थिति में हम सबके पिता हैं जिन पर उन्होंने विश्वास किया"

देखें:अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:17 (#9)

"परमेश्वर के सामने"

पौलुस **के सामने** का उपयोग अब्राहम के लिए करते हैं जैसे कि वह **परमेश्वर** के साथ शारीरिक रूप से उपस्थित हों। पौलुस का मतलब है कि **परमेश्वर** व्यक्तिगत रूप से अब्राहम को उन विश्वासियों का प्रतिनिधित्व करने वाला मानते हैं जो **बहुत सी जातियों** से आते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसा परमेश्वर सोचते हैं” या “परमेश्वर की दृष्टि में”

देखें: रूपक

रोमियों 4:17 (#10)

"जिस पर उसने विश्वास किया और जो मरे हुओं को जिलाता है, और जो बातें हैं ही नहीं, उनका नाम ऐसा लेता है, कि मानो वे हैं"

यह उपवाक्य **परमेश्वर** के बारे में और जानकारी प्रदान करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यों के बीच के सम्बन्ध को स्पष्ट करने के लिए नए वाक्य बना सकते हैं या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह वही परमेश्वर हैं जिन पर उन्होंने भरोसा किया। यह वही परमेश्वर हैं जो मृतकों को जीवित करते हैं और जो चीजें अस्तित्व में नहीं हैं उन्हें अस्तित्व में लाते हैं”

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 4:17 (#11)

"और जो बातें हैं ही नहीं, उनका नाम ऐसा लेता है, कि मानो वे हैं"

पौलुस उन **जो बातें हैं ही नहीं, उनका नाम ऐसा लेता है** जैसे कि **परमेश्वर** उन्हें बुला रहे हों। पौलुस का मतलब है कि **परमेश्वर** चीजों को अस्तित्व में आने का आदेश देकर बनाते हैं, जैसा कि मूसा उत 1:3–27 में वर्णन करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन चीजों को अस्तित्व में

लाना जो पहले अस्तित्व में नहीं थीं" या "बोलकर, उन चीजों को बनाना जो पहले अस्तित्व में नहीं थीं"

देखें: रूपक

रोमियों 4:18 (#1)

"उसने" - "तेरा" - "वह"

यह सर्वनाम **उसने, तेरा और वह** परमेश्वर को नहीं, अब्राहम को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्टता लाने में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं।

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 4:18 (#2)

"उसने निराशा में भी आशा रखकर विश्वास किया"

यहाँ, **में भी आशा** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "जो निराशाजनक लग रहा था उसके बावजूद भी।" यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालांकि यह निराशाजनक लग रहा था, उन्होंने आशा के आधार पर विश्वास किया"

देखें: मुहावरा

रोमियों 4:18 (#3)

"जो आशा के विपरीत भी आशा के आधार पर विश्वास करते थे"

यदि आपकी भाषा में **आशा** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आशान्वित होकर विश्वास करते थे, भले ही यह निराशाजनक लगता था"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:18 (#4)

"विश्वास किया"

पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जिनकी कई भाषाओं में एक खण्ड को पूरा करने के लिए आवश्यकता होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सन्दर्भ से यह शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर पर विश्वास किया" या "परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा करी थी उस पर विश्वास किया"

देखें: पदलोप

रोमियों 4:18 (#5)

"कि तेरा वंश ऐसा होगा"

यहां, **कि** यह दर्शाता है कि यह एक उद्देश्य वाक्य है। पौलुस यह बता रहे हैं कि अब्राहम का **आशा के आधार पर** विश्वास करने का परिणाम क्या था। अपनी भाषा में परिणाम वाक्य को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसका परिणाम यह हुआ कि वह बन गए"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 4:18 (#6)

"बहुत सी जातियों का पिता"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 4:17 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 4:18 (#7)

"उस वचन के अनुसार"

यहां पौलुस **उस वचन के अनुसार** का उपयोग एक पुराने नियम की पुस्तक से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए करते हैं (15:5)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत देता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्रशास्त्र में जो लिखा गया था"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 4:18 (#8)

"उस वचन के अनुसार"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की, तो उद्धरण परमेश्वर द्वारा कहा गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर ने कहा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:18 (#9)

"तेरा वंश ऐसा होगा"

पौलुस का मानना है कि उनके पाठक उस पद में परमेश्वर द्वारा कही गई बाकी बातों को जानते होंगे जिसे वह उद्धृत कर रहें है (15:5)। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आकाश की ओर देख और तारों को गिन, यदि तू उन्हें गिनने में सक्षम हो। वैसे ही तेरा वंश भी होगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:18 (#10)

"वंश"

देखें कि आपने **वंश** का अनुवाद 4:16 में किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

रोमियों 4:19 (#1)

"वह जो सौ वर्ष का था, अपने मरे हुए से शरीर और सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा जानकर भी विश्वास में निर्बल न हुआ"

अगर यह आपकी भाषा में ज़्यादा स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने अपने शरीर को पहले से ही मरा हुआ (लगभग सौ साल पुराना) माना—और सारा के गर्भ की मरी हुई अवस्था—लेकिन वह विश्वास में कमज़ोर नहीं हुआ"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 4:19 (#2)

"विश्वास में निर्बल न हुआ"

"यहाँ पौलुस एक अलंकार का उपयोग करते हैं जिसमें एक नकारात्मक शब्द का उपयोग करके एक मजबूत सकारात्मक अर्थ व्यक्त किया जाता है, जो इच्छित अर्थ के विपरीत होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सकारात्मक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और विश्वास में दृढ़ होते हुए" या "और विश्वास में मजबूत होते हुए"

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

रोमियों 4:19 (#3)

"विश्वास में निर्बल न हुआ"

पौलुस अब्राहम के **विश्वास** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह कुछ ऐसा हो जिसमें कोई व्यक्ति **निर्बल** हो सकता है। उनका मतलब है कि अब्राहम ने परमेश्वर पर भरोसा बनाए रखा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास करना बंद न करना"

देखें: रूपक

रोमियों 4:19 (#4)

"विश्वास में"

यदि आपकी भाषा में **विश्वास** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कैसे उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:19 (#5)

"अपने मरे हुए से शरीर"

पौलुस अब्राहम के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे कि वह वास्तव में मानते थे कि उनका शरीर **मृत** था। पौलुस का मतलब है कि अब्राहम जानते थे कि वह एक बालक उत्पन्न करने के लिए बहुत वृद्ध हो चुके थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक बालक का पिता बनने में असमर्थ" या "प्रजनन के लिए अक्षम"

देखें: रूपक

रोमियों 4:19 (#6)

"वह जो सौ वर्ष का था"

यहाँ पौलुस अब्राहम की उम्र के बारे में पृष्ठभूमि जानकारी प्रदान करते हैं ताकि उनके पाठक समझ सकें कि अब्राहम ने क्यों **अपने शरीर को पहले से ही मृत मान लिया** था। अपनी भाषा में पृष्ठभूमि जानकारी व्यक्त करने के लिए स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वे लगभग 100 वर्ष के थे"

देखें: पृष्ठभूमि की जानकारी

रोमियों 4:19 (#7)

"सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले खण्ड से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने सारा के गर्भ की मृत अवस्था पर भी विचार किया"

देखें: पदलोप

रोमियों 4:19 (#8)

"सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा"

यदि आपकी भाषा में **मरी हुई** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि सारा का गर्भ मृत था"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:19 (#9)

"सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा"

पौलुस सारा के **गर्भ** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह मृत हो। उनका मतलब है कि वह बच्चों को गर्भ धारण करने में असमर्थ थीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कैसे सारा गर्भ धारण करने में असमर्थ थीं" या "कि सारा बच्चे को जन्म नहीं दे सकती थीं"

देखें: रूपक

रोमियों 4:19 (#10)

"सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा"

पौलुस मानते हैं कि उनके पाठक यह जानते होंगे कि सारा अपने जीवन भर गर्भवती नहीं हो सकीं, जैसा कि पुराने नियम की पुस्तक उत्पत्ति में वर्णित है। यह तथ्य अब्राहम के विश्वास को और भी अद्भुत बनाता है। यदि आपके पाठक अब्राहम और सारा की कहानी से अपरिचित हैं, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सारा के गर्भ की मृतता, क्योंकि वह पहले कभी गर्भवती नहीं हो सकीं" या "सारा के गर्भ की मरी हुई की सी दशा, जो हमेशा से मृत था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:20 (#1)

"और न अविश्वासी होकर परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर संदेह किया"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब्राहम परमेश्वर की प्रतिज्ञा के प्रति अविश्वासी नहीं हुए"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 4:20 (#2)

"और"

"**और** यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह **परमेश्वर कि प्रतिज्ञा** में अब्राहम के **विश्वास** पर जोर देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “फिर भी,"" या “वास्तव में,""

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 4:20 (#3)

"परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर"

पर के रूप में अनुवादित शब्द का अर्थ "सम्बन्ध में" या "सम्बन्धित" भी हो सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की प्रतिज्ञा के प्रति" या "परमेश्वर की प्रतिज्ञा के बारे में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:20 (#4)

"परमेश्वर की प्रतिज्ञा"

पौलुस **परमेश्वर** की ओर से आने वाले **प्रतिज्ञा** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर की ओर से आने वाली प्रतिज्ञा” या “परमेश्वर की ओर से प्रतिज्ञा”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 4:20 (#5)

"परमेश्वर की प्रतिज्ञा"

यदि आपकी भाषा में **प्रतिज्ञा** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक अलग रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बातें जो परमेश्वर ने प्रतिज्ञा करी है" या "वे बातें जो परमेश्वर ने कहा कि होंगी"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:20 (#6)

"और न अविश्वासी होकर...संदेह किया"

यहाँ, **संदेह** और **अविश्वासी** एक दोहरा नकारात्मक भाव बनाते हैं। यदि यह दोहरा नकारात्मक भाव आपकी भाषा में गलत समझा जाता है, तो आप इसे सकारात्मक कथन के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने विश्वास में कोई कमी नहीं दिखाई" या "उनका विश्वास अडिग रहा"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

रोमियों 4:20 (#7)

"अविश्वासी," - "पर विश्वास में"

यदि आपकी भाषा **अविश्वासी** और **विश्वास** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को क्रियात्मक रूपों के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अविश्वासी होना ... विश्वास करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:20 (#8)

"विश्वास में दृढ़ होकर"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उन्हें विश्वास में मजबूत किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:20 (#9)

"विश्वास में दृढ़ होकर"

पौलुस अब्राहम के **विश्वास** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह कुछ ऐसा हो जिसमें एक व्यक्ति को **मजबूत** किया जा सके। उनका मतलब है कि परमेश्वर ने अब्राहम को उन पर भरोसा बनाए रखने के लिए सक्षम बनाया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास करते रहने में सक्षम बनाया गया"

देखें: रूपक

रोमियों 4:20 (#10)

"परमेश्वर की महिमा की"

यदि आपकी भाषा में **महिमा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने परमेश्वर की महिमा की"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:21 (#1)

"और निश्चय जाना"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उन्हें पूरी तरह से आश्वस्त किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:21 (#2)

"जिस बात की उसने प्रतिज्ञा की है, वह उसे पूरा करने में भी सामर्थी है"

यह सर्वनाम **वह** अब्राहम को नहीं पर परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने प्रतिज्ञा करी थी, परमेश्वर सामर्थी हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 4:21 (#3)

"जिस बात की उसने प्रतिज्ञा की है"

यहाँ, **जिस बात की उसने प्रतिज्ञा की है**, वह प्रतिज्ञा पौलुस द्वारा 4:13 में वर्णित है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बातें जो परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थीं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 4:22 (#1)

"इस कारण"

यहां, **इस कारण** एक परिणाम वाक्यांश प्रस्तुत करता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "और इस कारण से" या "और यही कारण है कि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 4:22 (#2)

"यह उसके लिये धार्मिकता गिना गया"

यह खण्ड 15:6 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो सकता है कि आप इसे उद्धरण चिह्नों या किसी अन्य विराम चिह्न या परिपाटी के साथ इंगित करें जिसका प्रयोग आपकी भाषा में उद्धरणों को इंगित करने के लिए किया जाता है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 4:22 (#3)

"यह उसके लिये धार्मिकता गिना गया"

देखें कि आपने इसका अनुवाद 4:3 में कैसे किया है।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:23 (#1)

"और यह वचन...न केवल उसी के लिये लिखा गया'"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं और उन्हें जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब यह वाक्यांश 'यह उसके लिए गिना गया था,' केवल उसके लिए नहीं लिखा गया था"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 4:23 (#2)

"उसके" - "उसी"

सर्वनाम **उसके** और **उसी** अब्राहम को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब्राहम का ... उन्हें"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 4:23 (#3)

"न केवल उसी के लिये लिखा गया"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना ही है कि कार्य किसने किया, तो मूसा ने उद्धरण लिखा। वैकल्पिक अनुवाद: "मूसा ने इसे केवल अब्राहम के लिए नहीं लिखा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:23 (#4)

"उसी के लिए"

वैकल्पिक अनुवाद: "उनके लिए" या "उनके बारे में"

रोमियों 4:23 (#5)

"उसके लिये ... गिना गया"

यह खण्ड 15:6 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो सकता है कि आप इसे उद्धरण चिह्नों या किसी अन्य विराम चिह्न या किसी और चिह्न के साथ इंगित करें जिसका प्रयोग आपकी भाषा में उद्धरणों को इंगित करने के लिए किया जाता है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 4:23 (#6)

"उसके लिये... गिना गया"

देखें कि आपने पिछले पद में इसे कैसे अनुवाद किया।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:24 (#1)

"वरन् हमारे लिये भी जिनके लिये विश्वास धार्मिकता गिना जाएगा, अर्थात् हमारे लिये जो उस पर विश्वास करते हैं, जिसने हमारे प्रभु यीशु को मरे हुओं में से जिलाया"

यहां, **हमारे** और **जिन्हें** सभी **उन लोगों को सन्दर्भित करता है जो यीशु में विश्वास करते हैं**। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिन्हित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "वरन् हमारे लिये भी जिनके लिये विश्वास धार्मिकता गिना जाएगा, अर्थात् हम जो उस पर विश्वास करते हैं, जिसने हमारे प्रभु यीशु को मरे हुओं में से जिलाया।"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 4:24 (#2)

"हमारे लिए"

देखें कि आपने पिछले पद में "उनके लिए" का अनुवाद कैसे किया।

रोमियों 4:24 (#3)

"जिनके लिये... गिना जाएगा"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक हो कि क्रिया कौन करेगा, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" इसे करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे परमेश्वर गिनेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:24 (#4)

"वरन् हमारे लिये भी जिनके लिये विश्वास धार्मिकता गिना जाएगा"

यहां "विश्वास" जो 4:5 और 4:20 में बताया गया है। पहले **यह** अब्राहम के विश्वास का उल्लेख करता था, परन्तु इस पद में **यह हमारे** विश्वास का उल्लेख करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारा विश्वास है"।

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 4:24 (#5)

"गिना जाएगा"

देखें कि आपने पिछले पद में **गिना जाएगा** का अनुवाद किस प्रकार किया।

रोमियों 4:24 (#6)

"जिसने हमारे प्रभु यीशु को मरे हुओं में से जिलाया"

यह खण्ड परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर जिन्होंने हमारे प्रभु यीशु को मृतकों में से जीवित किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 4:24 (#7)

"हमारे प्रभु यीशु को मरे हुओं में से जिलाया"

यहां, **जिलाया** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है किसी मृत व्यक्ति को फिर से जीवित करना। यदि आपकी भाषा में यह मददगार हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने हमारे प्रभु यीशु को पुनर्जीवित किया"

देखें: मुहावरा

रोमियों 4:24 (#8)

"मरे हुओं में से"

यहाँ, अनुवादित वाक्यांश **मरे हुओं में से** मृत व्यक्तियों को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस स्थान से जहां मृत व्यक्ति हैं"

देखें: मुहावरा

रोमियों 4:25 (#1)

"वह" - "हमारे" - "हमारे धर्मी ठहरने के लिये"

यहां सर्वनाम **वह** यीशु को सन्दर्भित करता है, और **हमारे** उन सभी "जो उन पर विश्वास करते हैं" को सन्दर्भित करता है, जैसा कि पिछले पद में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यीशु ... हम विश्वासियों के लिए ... हम विश्वासियों को धर्मी ठहरने के लिये”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 4:25 (#2)

"वह पकड़वाया गया" - "जिलाया भी गया"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" ने यह किया। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे परमेश्वर ने त्यागा ... परमेश्वर ने जिलाया भी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 4:25 (#3)

"पकड़वाया गया"

पौलुस यीशु के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई वस्तु हों जिन्हें दूसरे व्यक्ति को **सौंपा/पकड़वाया गया** जा सकता है। पौलुस का मतलब है कि परमेश्वर ने लोगों को यीशु को गिरफ्तार करने और मारने की अनुमति दी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिन्हें मारे जाने की अनुमति दी गई”

देखें: रूपक

रोमियों 4:25 (#4)

"हमारे अपराधों के लिए" - "हमारे धर्मी ठहरने के लिये"

यदि आपकी भाषा **अपराधों** और **धर्मी** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को क्रियात्मक रूपों के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि हमने अपराध किया ... हमें धर्मी बनाने के लिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 4:25 (#5)

"हमारे अपराधों के लिये"

यहाँ पौलुस द्वारा **के लिये** का उपयोग 4:23–24 से अलग तरीके से किया गया हैं। यहां पौलुस इस वाक्यांश का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि यीशु **क्यों पकड़वाए गए** थे। अपने शब्दों में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे अपराधों के कारण”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 4:25 (#6)

"जिलाया भी गया"

देखें कि आपने पिछले पद में **जिलाया** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: मुहावरा

रोमियों 4:25 (#7)

"हमारे धर्मी ठहरने के लिये"

यहाँ पौलुस इस पद के पहले भाग की तुलना में अलग तरीके से इस वाक्यांश का उपयोग करते हैं। पौलुस इस वाक्यांश का उपयोग यीशु के **जिलाए जाने** के उद्देश्यों में से एक को इंगित करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे धर्मी ठहराए जाने के उद्देश्य के लिए”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 5:1 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ **क्योंकि** शब्द पत्र के एक नए खण्ड को चिह्नित करता है। यह एक परिणाम खण्ड भी प्रस्तुत करता है जो यीशु पर विश्वास करके धर्मी बनने वाले व्यक्ति के धन्य परिणामों को संक्षेप में प्रस्तुत करता है, जिसकी पौलुस ने 1:18–4:25 में विस्तार से चर्चा की है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "चूंकि ये सभी बातें सत्य हैं" या "आपको जो कुछ भी मैंने विस्तार से बताया है, उसके सत्य होने के परिणामस्वरूप"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:1 (#2)

"हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आओ हम विश्वास द्वारा धर्मी ठहराए जाने के कारण हमारे प्रभु यीशु मसीह के माध्यम से परमेश्वर के साथ शान्ति प्राप्त करें" या "हम विश्वास द्वारा धर्मी ठहराए जाने के कारण हमारे प्रभु यीशु मसीह के माध्यम से परमेश्वर के साथ शान्ति प्राप्त कर सकते हैं"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 5:1 (#3)

"धर्मी ठहरे"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" ने यह किया। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि परमेश्वर हमें धर्मी बनाते हैं" या "चूँकि परमेश्वर हमें अपने साथ सही बनाते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 5:1 (#4)

"विश्वास से"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 4:16 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:1 (#5)

"हम ...मेल रखें"

कुछ प्राचीन प्रतियों में लिखा है "हमारे पास शान्ति है," जो समझ में आता है, क्योंकि 5:1–5 उन आशीर्वादों की सूची है जो उन लोगों के लिए हैं जिन्हें **विश्वास से धर्मी** ठहराया गया है। यदि पाठ **हम ...मेल रखें** सही है, तो यह वाक्यांश पौलुस की इच्छा को इंगित कर सकता है कि उनके साथी विश्वासी परमेश्वर के साथ अपनी शान्ति का अनुभव जारी रखें। यदि आपके क्षेत्र में पहले से ही बाइबल का अनुवाद मौजूद है, तो आप उस अनुवाद में पाठ का उपयोग करने पर विचार कर सकते हैं। यदि आपके क्षेत्र में पहले से बाइबल का अनुवाद नहीं है, तो हम सलाह देते हैं कि आप अनफोल्ड़िंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन और अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन के पाठ का पालन करें।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

रोमियों 5:1 (#6)

"हम ...रखें"

पौलुस अपने मसीही पाठकों को परमेश्वर के साथ शान्तिपूर्ण जीवन जीने के लिए प्रेरित करने हेतु **हम ... मेल रखें** वाक्यांश का उपयोग करते हैं। यह एक आदेश नहीं है। इस वाक्यांश का अर्थ यह नहीं है कि जो **विश्वास से धर्मी ठहराए गए हैं** उनके पास अभी तक परमेश्वर के साथ शान्ति नहीं है। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप उपयोग करें जो प्रेरणा को व्यक्त करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: “हमें शान्ति बनाए रखनी चाहिए”

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

रोमियों 5:1 (#7)

"हम ... मेल रखें"

यदि आपकी भाषा में **मेल** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं, जैसा कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन में किया गया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:1 (#8)

"हम ... मेल रखें।"

पौलुस इन लोगों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे **मेल** का स्वामित्व कर सकते हैं या उसे प्राप्त कर सकते हैं। उनका मतलब है कि वे परमेश्वर के साथ शान्ति से रह सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आओ हम शान्तिपूर्ण तरीके से जीवन व्यतीत करें।"

देखें: रूपक

रोमियों 5:1 (#9)

"हम ... रखें" - "अपने"

यहाँ और इस अध्याय में, **हम** और **अपने** समावेशी रूप से उन सभी का उल्लेख करते हैं जो यीशु में **विश्वास द्वारा धर्मी**

ठहराए गए हैं। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "आइए हम विश्वासी ... रखें ... अपने"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 5:1 (#10)

"अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा"

यहाँ, **द्वारा** यह संकेत करता है कि **अपने प्रभु यीशु मसीह** वह माध्यम हैं जिसके द्वारा विश्वासियों को **परमेश्वर के साथ मेल** प्राप्त होती है। यह उस कार्य को सन्दर्भित करता है जो यीशु ने विश्वासियों के लिए किया ताकि उन्हें **परमेश्वर के साथ मेल** प्राप्त हो सके, जैसा कि संक्षेप में 4:25 में उल्लेख किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो हमारे प्रभु यीशु मसीह ने हमारे लिए किया" या "जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के कारण हुआ"।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:2 (#1)

"जिसके द्वारा विश्वास के कारण उस अनुग्रह तक जिसमें हम बने हैं, हमारी पहुँच भी हुई"

यदि आपकी भाषा में **पहुँच**, **विश्वास**, या **अनुग्रह** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके माध्यम से हम भी पहुँच प्राप्त करते हैं और अनुग्रहकारी परमेश्वर में खड़े होते हैं, उस पर विश्वास करके"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:2 (#2)

"जिसके"

सर्वनाम **जिसके** "हमारे प्रभु यीशु मसीह" को सन्दर्भित करता है, जैसा कि पिछले वचन में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे प्रभु यीशु मसीह"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 5:2 (#3)

"हमारी ... भी हुई" - "हम बने हैं" - "हम ... घमण्ड करें"

इस पद में सर्वनाम **हम** समावेशी रूप से सभी मसीह में विश्वासियों को सन्दर्भित करता है। इस अध्याय के सामान्य टिप्पणियों में इस पर चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "हम विश्वासियों के पास ... है ... हम विश्वासी स्थिर रहते हैं ... हम विश्वासी गर्व करते हैं"

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 5:2 (#4)

"उस अनुग्रह तक जिसमें हम बने हैं"

पौलुस **अनुग्रह** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह कोई स्थान हो जहाँ कोई पहुँच सकता है और उसमें खड़ा हो सकता है। उनका मतलब है कि यीशु पर विश्वास करने से विश्वासियों को आत्मविश्वास के साथ अनुभव होता है कि परमेश्वर अपने लोगों के प्रति कितने अनुग्रहकारी हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मविश्वास के साथ अनुभव करना कि परमेश्वर कितने दयालु हैं" या "सुरक्षित रूप से अनुभव करना कि परमेश्वर कितने अनुग्रहकारी हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 5:2 (#5)

"परमेश्वर की महिमा की आशा पर घमण्ड करें"

यदि आपकी भाषा में **आशा** और **महिमा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम गर्व कर सकते हैं क्योंकि हमें विश्वास है कि हम परमेश्वर के साथ महिमान्वित होंगे।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:2 (#6)

"परमेश्वर की महिमा की"

पौलुस स्वामित्व रूपों का उपयोग कर रहे हैं यह वर्णन करने के लिए कि **महिमा** कैसे **परमेश्वर** से सम्बन्धित है। यह सन्दर्भित कर सकता है: (1) वह महिमा जो परमेश्वर विश्वासियों के साथ साझा करते हैं। यह वही महिमा थी जो परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ साझा की थी जब उन्होंने उन्हें

बनाया था, लेकिन जिसे उन्होंने खो दिया जब पहले मनुष्यों ने पाप किया, जैसा कि 3:23 में उल्लेख किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: “महिमा में साझा करना जो परमेश्वर के पास है” या “परमेश्वर से महिमा” (2) परमेश्वर की महिमा करना, जैसा कि समान वाक्यांश “अविनाशी परमेश्वर की महिमा” में 1:23 में है। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर की महिमा करने की”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 5:3 (#1)

"केवल यही नहीं"

यहाँ सर्वनाम **यही** "परमेश्वर की महिमा की आशा" के बारे में गर्व करने का उल्लेख करता है, जैसा कि पिछले वचन में बताया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और हम केवल परमेश्वर की महिमा की आशा के आधार पर ही गर्व नहीं करते"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 5:3 (#2)

"हम क्लेशों में भी घमण्ड करें"

यहाँ, **हम क्लेशों में** का अर्थ हो सकता है: (1) विश्वासियों को अपने **क्लेशों** पर **घमण्ड** हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम अपनी पीड़ाओं पर भी गर्व कर सकते हैं" (2) विश्वासियों को **क्लेशों** का अनुभव करते समय गर्व हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम तब भी गर्व कर सकते हैं जब हम संकट में हों"

देखें: रूपक

रोमियों 5:3 (#3)

"जानकर"

यहाँ, **जानकर** यह दर्शाता है कि इस वचन और अगले वचन में जो कुछ भी आता है, वे कारण हैं कि क्यों विश्वासियों को **क्लेशों में भी घमण्ड** हो सकता है। कारणों को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि हम जानते हैं"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:3 (#4)

"हम क्लेशों में," - "क्लेश" - "धीरज"

यदि आपकी भाषा में **क्लेशों**, **क्लेश**, और **धीरज** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को क्रियात्मक रूपों के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब हम दुख सहते हैं ... जब हम दुख सहते हैं, तो यह ... धैर्य रखने का एक तरीका होता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:3 (#5)

"क्लेश से धीरज {उत्पन्न होता है}"

पौलुस **धीरज** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह एक गुण हो जिसे विकसित किया जा सकता है। उनका मतलब है कि जब मसीही **क्लेश** के दौरान परमेश्वर पर भरोसा करते हैं, तो वे पहले की तुलना में अधिक **धीरज** विकसित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह कष्ट हमें धैर्य रखना सिखाता है"

देखें: रूपक

रोमियों 5:4 (#1)

"और धीरज से खरा निकलना, और खरे निकलने से आशा उत्पन्न होती है"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और धैर्य चरित्र उत्पन्न करता है, और यह चरित्र आशा उत्पन्न करती है।"

देखें: पदलोप

रोमियों 5:4 (#2)

"और धीरज"

देखें कि आपने पिछले वचन में **धीरज** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:4 (#3)

"खरा निकलना, और खरे निकलने से"

जिस शब्द का अनुवाद **खरा निकलना** किया गया है, वह विशेष रूप से किसी व्यक्ति के मानसिक और नैतिक गुणों को सन्दर्भित करता है जिन्हें परमेश्वर द्वारा स्वीकार्य माना जाता है क्योंकि उन्होंने सफलतापूर्वक परीक्षा का सामना किया है। यदि आपकी भाषा में **खरे निकलने** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गुण जिनकी परमेश्वर स्वीकृति देते हैं, और स्वीकार्य गुण"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:4 (#4)

"आशा"

देखें कि आपने **आशा** का 5:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:5 (#1)

"और आशा से लज्जा नहीं होती, क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन उपवाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा उपवाक्य उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला उपवाक्य वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और क्योंकि परमेश्वर का प्रेम हमारे हृदयों में पवित्र आत्मा के माध्यम से उण्डेला गया है, जो हमें दिया गया है, इसलिए वह आशा निराश नहीं करती।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:5 (#2)

"और आशा से"

यहाँ, **आशा** "परमेश्वर की महिमा की आशा" का सन्दर्भ 5:2 में देती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और परमेश्वर की महिमा में विश्वास रखते हुए” या “परमेश्वर की महिमा की आशा”"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:5 (#3)

"क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है"

पौलुस **प्रेम** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह कुछ ऐसा हो जिसे एक बरतन से **उण्डेला** जा सकता है, और वे **हमारे मन** के बारे में रूपक में बात करते हैं जैसे वे ऐसे पात्र हों जिन्हें भरा जा सकता है। उनका मतलब है कि पवित्र आत्मा ने परमेश्वर के लोगों को पूरी तरह से प्रकट कर दिया है कि परमेश्वर उन्हें कितना प्रेम करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि पवित्र आत्मा, जो हमें दिया गया था, उन्होंने गहराई से प्रकट किया है कि परमेश्वर अपने लोगों से कितना प्रेम करते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 5:5 (#4)

"पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे मन में डाला गया है"

यदि आपकी भाषा इस तरह से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा, जिसे परमेश्वर ने हमें दिया है, उन्होंने परमेश्वर का प्रेम हमारे हृदयों में उण्डेल दिया है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 5:5 (#5)

"परमेश्वर का प्रेम"

पौलुस यह बताने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं कि **प्रेम** का **परमेश्वर** से कैसे सम्बन्ध है। यहाँ, **परमेश्वर का प्रेम** निम्नलिखित का सन्दर्भ हो सकता है: (1) हमारे लिए परमेश्वर का प्रेम। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का प्रेम" या "हमारे लिए परमेश्वर का प्रेम" (2) परमेश्वर के लिए हमारा प्रेम। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के लिए हमारा प्रेम"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 5:5 (#6)

"हमारे मन में"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:21 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 5:6 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि 5:6–8 में जो आता है वह 5:5 में "परमेश्वर का प्रेम" की व्याख्या करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:6 (#2)

"जब हम निर्बल ही थे"

इस खण्ड में पौलुस कुछ ऐसा वर्णन कर रहे हैं जो उस समयावधि के दौरान सत्य था जिसका वह शेष वचन में वर्णन कर रहे हैं। आप अपने अनुवाद में एक उपयुक्त संयोजक शब्द या वाक्यांश के साथ इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय जब हम दुर्बल ही थे"

देखें: जोड़े — समकालिक समय संबंध

रोमियों 5:6 (#3)

"हम निर्बल ही थे"

यहाँ, **निर्बल** का मतलब है कि लोग स्वयं को धार्मिक बनाने में पूरी तरह से असमर्थ हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम अभी भी स्वयं को धर्मी बनाने में असमर्थ हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:6 (#4)

"भक्तिहीनों के लिये"

यहाँ, **भक्तिहीनों** का उल्लेख पहले पद में किए गए **हम** से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम अधर्मी लोगों के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:7 (#1)

"{क्योंकि} किसी धर्मी जन"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यह शब्द "**क्योंकि**" हिन्दी आई.आर.वी. अनुवाद में नहीं उपयोग हुआ है परन्तु यह अंग्रेजी अनुवाद में पाया जाता है। यहाँ, **क्योंकि** एक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है, इसके विपरीत, यह कितना आश्चर्यजनक है कि मसीह अधर्मी पापियों के लिए मरेंगे, जैसा कि पिछले वचन में कहा गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन की तरह एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:7 (#2)

"किसी ... के लिये कोई मरे, यह तो दुर्लभ है" - "परन्तु क्या जाने किसी"

पौलुस इस पद में दो काल्पनिक स्थितियों में **किसी** का दो बार उपयोग करते हैं। वह ऐसा इसलिए करते हैं ताकि उनके पाठक यह समझ सकें कि किसी के लिए स्वेच्छा से मरना कितना दुर्लभ है। अपनी भाषा में काल्पनिक स्थितियों को व्यक्त करने के लिए स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "आइए विचार करें कि किसी के लिए मरना कितना दुर्लभ होगा... हालांकि, मान लें कि शायद कोई"

देखें: काल्पनिक परिस्थितियाँ

रोमियों 5:7 (#3)

""

यहाँ **क्या जाने** शब्द के बाद जो आता है, वह पिछले वाक्य में पौलुस द्वारा कही गई बात के विपरीत है। हालांकि **किसी धर्मी जन के लिये कोई मरे, यह तो दुर्लभ है** के लिए, **किसी** संभवतः **भले मनुष्य** के लिए मरने को तैयार हो सकता है। हालांकि पौलुस एक **धर्मी जन** और **भले मनुष्य** के बीच का अन्तर नहीं बताते हैं, वह दोनों उदाहरणों को इस बात पर जोर देने के लिए प्रस्तुत करते हैं कि किसी व्यक्ति के लिए स्वेच्छा से किसी अन्य व्यक्ति के लिए मरना कितना असम्भव है। अपनी भाषा में विरोधाभास प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत, शायद कोई"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

रोमियों 5:7 (#4)

"मरने का धैर्य दिखाए"

पौलुस मृत्यु की बात इस तरह करता है जैसे यह **धैर्य** या चुनौती हो जिसे **किसी** के द्वारा पार किया जाए। उनका मतलब है कि **किसी** में इतना साहसी होगा कि किसी और के लिए अपना जीवन दे सके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मरने के लिए भी तैयार हो सकता है" या "मरने के लिए भी साहसी हो सकता है"

देखें: रूपक

रोमियों 5:8 (#1)

"अपने"

पौलुस शब्द **अपने** का उपयोग करते हैं ताकि यह जोर दिया जा सके कि **परमेश्वर** अपने लोगों से कितना प्रेम करते हैं। इस जोर को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका स्वयं का" या "उनका व्यक्तिगत"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 5:8 (#2)

"हम पर अपने प्रेम"

यदि आपकी भाषा में **प्रेम** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर हमसे कितना प्रेम करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:8 (#3)

"जब हम पापी ही थे"

इस अनुच्छेद में पौलुस कुछ ऐसा वर्णन कर रहे हैं जो उस समयावधि के दौरान सत्य था जिसका वह शेष वचन में वर्णन कर रहे हैं। आप अपने अनुवाद में एक उपयुक्त संयोजक शब्द या वाक्यांश के साथ इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय जब हम अभी भी पापी थे"

देखें: जोड़े — समकालिक समय संबंध

रोमियों 5:8 (#4)

"जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद (पूर्ववर्ती अल्पविराम को छोड़कर): "मसीह ने हमारे लिए प्राण त्याग दिए जब हम पापी ही थे।"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 5:9 (#1)

"तो उसके द्वारा परमेश्वर के क्रोध से {फिर और कितना अधिक} क्यों न बचेंगे?"

हिन्दी आई.आर.वी. अनुवाद में **फिर और कितना अधिक** वाकय का उपयोग नहीं हुआ है। यह अंग्रेजी अनुवाद में पाया जाता है। यहाँ, **फिर** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह वह परिणाम है जिसे पौलुस ने 5:6–8 में वर्णित किया है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "और भी अधिक, इसलिए"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:9 (#2)

"क्रोध से {फिर और कितना अधिक} क्यों न बचेंगे"

हिन्दी आई.आर.वी. अनुवाद में **फिर और कितना अधिक** वाकय का उपयोग नहीं हुआ है। यह अंग्रेजी अनुवाद में पाया जाता है। **फिर और कितना अधिक** यहाँ यह जोरदार तरीके से बताता है कि जो आगे है वह भी एक महत्वपूर्ण परिणाम है जो मसीह ने हमारे लिए किया। अपनी भाषा में जोरदार तरीके से व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तो और भी अधिक निश्चित है कि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:9 (#3)

"तो जबकि हम, अब उसके लहू के कारण धर्मी ठहरे"

यह खण्ड बताता है कि **हम बहुत अधिक** निश्चित क्यों हो सकते हैं कि **हम उद्धार पाएँगे**। आपके भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि अब हम उनके लहू से धर्मी ठहराए गए हैं"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 5:9 (#4)

"जबकि हम, अब उसके लहू के कारण धर्मी ठहरे"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन विचारों को सक्रिय रूपों के साथ या अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब उनके लहू ने हमें धर्मी ठहराया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 5:9 (#5)

"उसके लहू के कारण"

देखें कि आपने **उसके लहू** को 3:25 में कैसे अनुवादित किया।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 5:9 (#6)

"उसके द्वारा ... क्यों न बचेंगे"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को सक्रिय रूपों के साथ या अपनी भाषा में अन्य स्वाभाविक तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह हमें उद्धार देंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 5:9 (#7)

"क्रोध"

यदि आपकी भाषा में **क्रोध** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। यहाँ, **क्रोध** विशेष रूप से "क्रोध के दिन" को सन्दर्भित करता है, जिसका उल्लेख 2:5 में किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "जब परमेश्वर अंततः पापियों का न्याय करेंगे।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:10 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** पौलुस ने पिछले वचन में जो कहा, उसका स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:10 (#2)

"बैरी होने की दशा में"

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह एक काल्पनिक सम्भावना हो, लेकिन उनका मतलब है कि यह वास्तव में सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि, शत्रु होने के नाते"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 5:10 (#3)

"उसके पुत्र की मृत्यु के द्वारा हमारा मेल परमेश्वर के साथ हुआ"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन विचारों को सक्रिय रूपों के साथ या अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पुत्र की मृत्यु ने हमें परमेश्वर से मेल कराया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 5:10 (#4)

"उसके पुत्र"

पुत्र यीशु के लिए एक महत्वपूर्ण शीर्षक है, जो परमेश्वर के **पुत्र** हैं।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

रोमियों 5:10 (#5)

"उसके जीवन के कारण हम उद्धार {बहुत अधिक} क्यों न पाएँगे"

हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में अत्यधिक शब्द का उपयोग नहीं हुआ है परन्तु यह अंग्रेजी अनुवाद में पाया जाता है। यहाँ, **बहुत अधिक** जोर दिया गया है कि जो आगे आता है वह **परमेश्वर** के साथ **मेल हो जाने पर** का एक महत्वपूर्ण परिणाम है। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले वचन में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "यह और भी अधिक निश्चित है"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:10 (#6)

"हमारा मेल ... हुआ"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने हमारे साथ जब मेल किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 5:10 (#7)

"हमारा मेल ... हुआ"

यह खण्ड यह कारण बताता है कि **हम अत्यधिक** आश्वस्त हो सकते हैं कि **हम उद्धार पाएँगे**। आपकी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि हमारा मेल हो गया है"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:10 (#8)

"उसके जीवन के कारण हम उद्धार क्यों न पाएँगे"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका जीवन हमें उद्धार देगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 5:10 (#9)

"हम उद्धार क्यों न पाएँगे"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप पिछले पद में समान कथन से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब परमेश्वर अंततः न्यायियों का न्याय करेंगे, तब हम उद्धार पाएँगे।"

देखें: पदलोप

रोमियों 5:10 (#10)

"उसके जीवन"

यहाँ **जीवन** उस **जीवन** को दर्शाता है जो यीशु के पास था जब परमेश्वर ने उन्हें पुनर्जीवित किया। यह पुनरुत्थान **जीवन** दिखाता है कि परमेश्वर ने यीशु की मृत्यु को उन सभी के पापों के लिए भुगतान के रूप में स्वीकार कर लिया था जो यीशु पर विश्वास करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु का जीवन जब परमेश्वर ने उन्हें पुनर्जीवित किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:10 (#11)

"उसके जीवन"

यदि आपकी भाषा में **जीवन** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका पुनर्जीवित होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:11 (#1)

"और केवल यही नहीं, परन्तु"

सर्वनाम **यही** सन्दर्भित कर सकता है: (1) जो पौलुस ने पिछले पद में कहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "हम न केवल उनके जीवन से उद्धार पाएँ हैं, बल्कि" (2) जो पौलुस ने 5:2–10 में कहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "न केवल ये सभी बातें सत्य हैं, बल्कि"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 5:11 (#2)

"परमेश्वर में आनन्दित होते हैं"

पौलुस इन लोगों के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे वे परमेश्वर में गर्व कर रहे हों। पौलुस का मतलब है कि ये मसी ह में विश्वास करने वाले परमेश्वर की महानता के बारे में **आनन्दित होते** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम भी इस बात पर गर्व कर रहे हैं कि परमेश्वर कितने महान हैं" या "हम भी परमेश्वर के कारण गर्व कर रहे हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 5:11 (#3)

"अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा"

यहाँ, **द्वारा** यह संकेत देता है कि **हमारे प्रभु यीशु मसीह** वह माध्यम हैं जिनके द्वारा विश्वासी गर्व कर सकते हैं। यह उस कार्य का सन्दर्भ देता है जो यीशु ने विश्वासियों के लिए किया ताकि वे गर्व कर सकें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो हमारे प्रभु यीशु मसीह ने हमारे लिए किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:11 (#4)

"जिसके द्वारा हमारा मेल हुआ है"

यहाँ, **द्वारा** यह संकेत देता है कि यीशु वह माध्यम हैं जिसके द्वारा विश्वासियों का **मेल हुआ है**। यह इस बात को सन्दर्भित करता है कि यीशु ने विश्वासियों के लिए क्या किया ताकि वे परमेश्वर के साथ शान्ति प्राप्त कर सकें, जैसा कि संक्षेप में 4:25 में उल्लेख किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने हमारे लिए जो किया उससे हमें मेल-मिलाप प्राप्त हुआ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:11 (#5)

"हमारा मेल हुआ है"

यदि आपकी भाषा में **मेल** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब हमारा परमेश्वर के साथ मेल-मिलाप हो चूका है।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:12 (#1)

"इसलिए"

वाक्यांश **इसलिए** यह संकेत करता है कि 5:12–21 में जो आता है वह मनुष्यों के **पाप** और परमेश्वर के अनुग्रह के बीच सम्बन्ध की पौलुस की व्याख्या है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:12 (#2)

"जैसा एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आई, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई"

यहाँ पौलुस **पाप** और **मृत्यु** के बारे में बात करते हैं जैसे कि वे वस्तुएँ हैं जो किसी स्थान में प्रवेश कर सकती हैं या लोगों के बीच फैल सकती हैं। पौलुस का मतलब है कि जिस तरह से परमेश्वर ने **जगत** और मनुष्यों को कार्य करने के लिए बनाया था, वह **पाप** और **मृत्यु** द्वारा पूरी तरह से भ्रष्ट हो गाए हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे एक पुरुष के माध्यम से पाप संसार में आया, और वह पाप उस पुरुष की मृत्यु का कारण बनेगा, वैसे ही उस पुरुष के बाद जन्मे सभी पुरुष भी मरेंगे।"

देखें: रूपक

रोमियों 5:12 (#3)

"एक मनुष्य के द्वारा"

पौलुस वाक्यांश **एक मनुष्य** का उपयोग आदम, पहले मनुष्य के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, जैसे 5:14 में। वैकल्पिक अनुवाद: "पहले पुरुष, आदम के माध्यम से,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:12 (#4)

"पाप" - "पाप, मृत्यु, और इस रीति से मृत्यु"

यदि आपकी भाषा में **पाप** और **मृत्यु** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप विभिन्न अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पापपूर्ण कार्य ... पापपूर्ण कार्य, जीवित वस्तुएँ मर सकती हैं, इसलिए मरने की क्षमता भी"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:12 (#5)

"पाप के द्वारा मृत्यु आई"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप पिछले खण्ड से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और पाप के माध्यम से मृत्यु संसार में प्रवेश कर गई।"

देखें: पदलोप

रोमियों 5:12 (#6)

"मनुष्यों {पुरुषों}"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **पुरुषों** का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उसका उपयोग नहीं किया गया है। पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

रोमियों 5:12 (#7)

"और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई"

यहाँ सर्वनाम **इस रीति** सन्दर्भित कर सकता है: (1) वह तथ्य जिसे पौलुस अगले वाक्यांश में बताते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस तथ्य के कारण, अर्थात्, कि सभी ने पाप किया" (2) पहले पद में उल्लेखित **एक मनुष्य**। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पुरुष के कारण, सभी ने पाप किया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 5:12 (#8)

"सब"

पौलुस विशेषण **सब** का उपयोग एक संज्ञा के रूप में लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी

भाषा में विशेषण का उपयोग इस प्रकार नहीं होता है, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी मनुष्य" या "सम्पूर्ण मानवता" या "सभी लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 5:13 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि 5:13–14 में जो आता है, वह इससे पहले जो आया था उसे स्पष्ट करता है। यहाँ यह स्पष्ट करता है कि मृत्यु और **पाप** व्यवस्था से पहले भी विद्यमान थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:13 (#2)

"व्यवस्था के दिए जाने तक," - "जहाँ व्यवस्था नहीं"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि जब तक व्यवस्था नहीं आई ... जैसा कि तब था जब कोई व्यवस्था नहीं थी"

देखें: पदलोप

रोमियों 5:13 (#3)

"व्यवस्था," - "व्यवस्था"

इस वचन में **व्यवस्था** उन नियमों को सन्दर्भित करता है जो परमेश्वर ने यहूदियों को दिए थे। देखें कि आपने **व्यवस्था** का अनुवाद 2:12 में कैसे किया।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:13 (#4)

"पाप" - "पाप"

देखें कि आपने पिछले वचन में **पाप** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:13 (#5)

"पाप जगत में तो था"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह कोई वस्तु हो जो किसी स्थान में मौजूद हो सकती है। पौलुस का मतलब है कि लोगों ने **जगत में** पाप किया था इससे पहले कि परमेश्वर ने मूसा को अपने नियम दिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों ने संसार में पाप किया"

देखें: रूपक

रोमियों 5:13 (#6)

""

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि कार्य किसने किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उन्हें पाप करने का दोष नहीं दिया" या "परमेश्वर ने इसे पाप नहीं माना।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 5:13 (#7)

""

वैकल्पिक अनुवाद: "पापों का कोई लेखा-जोखा नहीं रखा जाता" या "पापों का कोई हिसाब-किताब नहीं रखा जाता"

रोमियों 5:13 (#8)

"परन्तु जहाँ व्यवस्था नहीं {थी}"

यहाँ, **जहाँ...थी** संकेत कर सकता है: (1) कारण क्यों **पाप गिना नहीं जाता**। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि कोई व्यवस्था नहीं थी" (2) उस समय जब **पाप गिना नहीं जाता**। वैकल्पिक अनुवाद: "जब कोई व्यवस्था नहीं थी"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:13 (#9)

"परन्तु जहाँ व्यवस्था नहीं"

यहाँ, **व्यवस्था नहीं** का अर्थ है कि परमेश्वर ने अभी तक लोगों को अपनी **व्यवस्था** नहीं दी थी, जो उन्हें यह पहचानने में सहायता कर सकते थे कि पाप क्या है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों के पास यह पहचानने के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी कि पाप क्या है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:14 (#1)

"तो भी आदम से लेकर मूसा तक मृत्यु ने उन लोगों पर भी राज्य किया"

यहाँ पौलुस **मृत्यु** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक राजा हो जो लोगों पर **राज्य** करता हो। पौलुस का मतलब है कि कोई भी स्वयं को मरने से रोक नहीं सकता था। यदि आपकी भाषा में यह मददगार हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आदम से लेकर मूसा तक कोई भी **मनुष्य** मरने से बच नहीं सका, यहाँ तक कि वे भी" या "आदम से लेकर मूसा तक **मनुष्य** का जीवन अनिवार्य रूप से **मृत्यु** में समाप्त हुआ, यहाँ तक कि उन लोगों का जीवन भी"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 5:14 (#2)

"मृत्यु"

देखें कि आपने **मृत्यु** का अनुवाद 5:12 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:14 (#3)

"आदम से लेकर मूसा तक"

यहाँ, **आदम** उस समय को सन्दर्भित करता है जब आदम जीवित थे और **मूसा** उस समय को सन्दर्भित करता है जब **मूसा** जीवित थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय से जब आदम जीवित थे, उस समय तक जब मूसा जीवित थे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:14 (#4)

"उन लोगों पर भी राज्य किया, जिन्होंने उस आदम ... के अपराध के समान पाप न किया"

यह वाक्य इस बारे में और जानकारी देता है कि **मृत्यु** ने किन पर शासन किया। यह उन लोगों के बीच कोई भेदभाव नहीं कर रही है जो **आदम** और **मूसा** के समय के दौरान जीवित थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन वाक्यों के बीच सम्बन्ध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ तक कि उन लोगों पर भी जिन्होंने आदम की तरह परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया।"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 5:14 (#5)

"उस आदम, जो उस आनेवाले का चिन्ह है, के अपराध के समान पाप न किया"

यदि आपकी भाषा **समान**, **पाप**, और **चिन्ह** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी तरह जैसे आदम ने अपराध किया, जो आने वाले का प्रतीक हैं" या "बिल्कुल वैसे ही जैसे आदम ने अपराध किया, जो आने वाले के समान हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:14 (#6)

"उस आदम ... के अपराध के समान"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं यह वर्णन करने के लिए कि **समान** का **अपराध** से कैसे सम्बन्ध है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आदम के अपराध के समान" या "उसी तरह जैसे आदम ने अपराध किया"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 5:14 (#7)

"आदम, जो उस आनेवाले का चिन्ह है"

पौलुस **आदम** के बारे में इस प्रकार बात करते हैं जैसे वह एक आदर्श या **चिन्ह** हों। पौलुस का अभिप्राय है कि **आदम** की भूमिका **जो आनेवाले हैं** उनकी भूमिका के समान है क्योंकि दोनों ऐसे कार्य करते हैं जो सभी मानव प्राणियों को प्रभावित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आदम, जो आने वाले का प्रतिरूप हैं" या "आदम, जो आने वाले का नमूना हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 5:14 (#8)

"उस आनेवाले का"

उस आनेवाले का वाक्यांश यीशु को सन्दर्भित करता है। पौलुस का मतलब है कि आदम आदर्श मनुष्य, यीशु, का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भविष्य में आने वाले हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु का प्रतिनिधित्व करते हुए, जो भविष्य में आने वाले हैं" या "यीशु का पूर्वाभास करते हुए, जो आने के लिए नियत थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:15 (#1)

"अपराध," - "अनुग्रह के वरदान" - "एक मनुष्य के अपराध से" - "परमेश्वर का अनुग्रह और उसका जो दान"

यदि आपकी भाषा भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग **अपराध**, **अनुग्रह के वरदान**, **अनुग्रह**, और **दान** के विचारों के लिए नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को क्रियात्मक रूपों के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कैसे आदम ने अपराध किया ... परमेश्वर ने अनुग्रहपूर्वक क्या दिया ... जब एक पुरुष ने अपराध किया ... परमेश्वर कितने अनुग्रहकारी हैं और उन्होंने क्या अनुग्रहपूर्वक दिया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:15 (#2)

"जैसी अपराध की दशा है, वैसी अनुग्रह के वरदान की नहीं"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनुग्रह का वरदान अपराध के समान नहीं है"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 5:15 (#3)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह पहले जो आया था, उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, यह **अपराध** और **अनुग्रह के वरदान** के बीच के अन्तर की व्याख्या प्रस्तुत करता है। एक सम्बन्ध शब्द या अन्य तरीका उपयोग करें यह दिखाने के लिए कि इस वचन का दूसरा वाक्य पहले वाक्य की व्याख्या करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में," या "आप देखिए,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:15 (#4)

"जब"

पौलुस एक शर्तीय वक्तव्य प्रस्तुत कर रहे हैं जो काल्पनिक प्रतीत होता है, लेकिन वह पहले से ही इस बात से आश्वस्त हैं कि शर्त सत्य है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि **अनुग्रह के वरदान** के लाभ **अपराध** के परिणामों से श्रेष्ठ हैं। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो एक शर्त को प्रस्तुत करता है जिसे वक्ता सत्य मानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 5:15 (#5)

"एक व्यक्ति के अपराध के द्वारा"

पौलुस **अपराध** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **एक** पुरुष द्वारा किया गया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पुरुष के अपराध द्वारा" या "क्योंकि एक पुरुष ने अपराध किया"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 5:15 (#6)

"बहुत लोग" - "बहुत से लोगों"

यहाँ पौलुस विशेषण **बहुत** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, ताकि एक बड़े समूह का वर्णन किया जा सके। यदि आपकी भाषा में विशेषण का उपयोग इस प्रकार नहीं होता है, तो आप इसे एक संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं, जैसा कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन में है।

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 5:15 (#7)

"अधिकाई से हुआ"

यहाँ, **अधिकाई** प्रभावशाली तरीके से आदम के **अपराध** और **परमेश्वर के अनुग्रह** के परिणामों के बीच के अन्तर को उजागर किया गया है, जो **यीशु मसीह** के माध्यम से आता है। अपनी भाषा में प्रभावशाली तरीके से व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "और भी अधिक निश्चित रूप से"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:15 (#8)

"तो परमेश्वर का अनुग्रह और उसका जो दान एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह के अनुग्रह से हुआ बहुत से लोगों पर अवश्य ही अधिकाई से हुआ"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन खण्डों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनेकों के लिए परमेश्वर का अनुग्रह और एक मनुष्य, यीशु मसीह के अनुग्रह द्वारा दिया गया वरदान प्रचुर मात्रा में था।"

देखें: सूचना की संरचना

रोमियों 5:15 (#9)

"परमेश्वर का अनुग्रह"

पौलुस **अनुग्रह** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **परमेश्वर** से आता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का अनुग्रह" या "परमेश्वर से अनुग्रह" या "परमेश्वर कितने दयालु हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 5:15 (#10)

"एक मनुष्य के"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं उस **अनुग्रह** का वर्णन करने के लिए जो उस **एक मनुष्य** से आता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग

अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उस एक पुरुष से” या “उस एक पुरुष से सम्बन्धित”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 5:16 (#1)

"और जैसा एक मनुष्य के पाप करने का फल हुआ, वैसा ही दान की दशा नहीं, क्योंकि एक ही के कारण दण्ड की आज्ञा का फैसला हुआ, परन्तु बहुत से अपराधों से ऐसा वरदान उत्पन्न हुआ कि लोग धर्मी ठहरे"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्य उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्य वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, क्योंकि फैसला एक व्यक्ति से दण्ड की आज्ञा तक आया, लेकिन वरदान कई अपराधों से धर्मीकरण तक आया। यही कारण है कि वरदान उस एक व्यक्ति के समान नहीं है जिसने पाप किया।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:16 (#2)

"दान" - "ऐसा वरदान"

देखें कि आपने पिछले वचन में इन दो वाक्यांशों का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:16 (#3)

"जैसा एक मनुष्य के पाप करने"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी के समान जैसे एक ने पाप किया"

देखें: पदलोप

रोमियों 5:16 (#4)

"एक मनुष्य के पाप करने"

यहाँ, **एक मनुष्य के पाप करने** वह आदम को सन्दर्भित करता है, जैसा कि 5:12–15 में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से

कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आदम, जिन्होंने पाप किया”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:16 (#5)

""

यदि आपकी भाषा **दण्ड** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन में किया गया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:16 (#6)

"एक ही के कारण"

यहाँ, **एक** उस **एक** पाप का उल्लेख करता है जो आदम ने किया था। यह आदम का स्वयं उल्लेख नहीं करता है, जैसा कि पिछला **एक** करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आदम के अपराध से" या "आदम द्वारा किए गए पाप"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:16 (#7)

"एक ही के कारण"

यहाँ, **एक ही के** से निम्न संकेत मिल सकते हैं: (1) कि **दण्ड** एक अपराध के बाद आया। वैकल्पिक अनुवाद: "एक के बाद" (2) कि **दण्ड** एक अपराध के कारण आया। वैकल्पिक अनुवाद: "एक के कारण"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:16 (#8)

"दण्ड की आज्ञा," - "अपराधों, धर्मी ठहरे"

यदि आपकी भाषा में **दण्ड की आज्ञा**, **अपराधों**, और **धर्मी ठहरे** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोगों द्वारा किए गए पाप कर्मों की निन्दा परमेश्वर से करवाने के लिए, परमेश्वर को धर्मी ठहराने के लिए”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:16 (#9)

"दण्ड की आज्ञा का फैसला"

यहाँ, **की आज्ञा का फैसला** यह दर्शाता है कि परमेश्वर के **दण्ड** का परिणाम इस प्रकार था। परिणाम को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद (अल्पविराम को छोड़कर): "परिणामी दण्ड की आज्ञा के लिए"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:16 (#10)

"बहुत से अपराधों से"

यहाँ, **बहुत से अपराधों से** यह संकेत मिल सकता है: (1) कि **अनुग्रह के वरदान** कई अपराधों के बाद हुआ। वैकल्पिक अनुवाद: "कई अपराधों के बाद" (2) कि **अनुग्रह के वरदान** कई अपराधों के कारण दिया गया। वैकल्पिक अनुवाद: "कई अपराधों के कारण"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:16 (#11)

"धर्मी ठहरे"

यहाँ, **ठहरे** यह दर्शाता है कि जो अनुसरण करता है वह परमेश्वर के **अनुग्रह के वरदान** का परिणाम है। परिणाम को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामी औचित्य के लिए"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:17 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह उससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, यह 5:15–16 में चर्चा किए गए अपराध और अनुग्रहकारी वरदान के बीच के अन्तर की और व्याख्या प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:17 (#2)

"जब {यदि}"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **यदि** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में यहाँ **जब** शब्द का उपयोग हुआ है। पौलुस एक शर्तीय वक्तव्य प्रस्तुत कर रहे हैं जो काल्पनिक प्रतीत होता है, लेकिन वह पहले से ही इस बात से आश्वस्त हैं कि शर्त सत्य है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि **वरदान** के लाभ **अपराध** के परिणामों से श्रेष्ठ हैं। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो एक शर्त को प्रस्तुत करता है जिसे वक्ता सत्य मानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह मानते हुए कि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 5:17 (#3)

"एक मनुष्य के अपराध के कारण"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 5:15 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 5:17 (#4)

"एक मनुष्य के," - "एक ही," - "एक मनुष्य के"

देखें कि आपने पिछले वचन में **एक** का पहला उदाहरण कैसे अनुवाद किया।

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 5:17 (#5)

"एक मनुष्य के अपराध के कारण मृत्यु" - "अनुग्रह और धर्मरूपी वरदान बहुतायत से पाते हैं" - "अनन्त जीवन में"

यदि आपकी भाषा इन विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को क्रियात्मक रूपों के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि एक व्यक्ति ने पाप किया, इस कारण से लोग मरते हैं ... परमेश्वर कितने प्रचुर मात्रा में दयालु हैं और वह लोगों को धार्मिक कैसे बनाते हैं ... जीवन के द्वारा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:17 (#6)

"मृत्यु ने ... राज्य किया"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 5:14 में किस प्रकार किया है।

देखें: मानवीकरण

रोमियों 5:17 (#7)

"एक मनुष्य के ... द्वारा"

यहाँ, **द्वारा** यह संकेत करता है कि **एक मनुष्य** वह कारण हैं जिसके कारण **मृत्यु ने ... राज्य किया**। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मनुष्य के कारण"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:17 (#8)

"अर्थात् यीशु मसीह के द्वारा अवश्य ही {कितना अधिक} अनन्त जीवन में राज्य करेंगे"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **कितना अधिक** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उसका उपयोग नहीं किया गया है। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 5:10 और 5:15 में किस प्रकार किया है।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:17 (#9)

"करेंगे" - "एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह के द्वारा अवश्य ही अनन्त जीवन में राज्य करेंगे"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस एक मनुष्य यीशु मसीह के माध्यम से ... अनन्त जीवन में राज्य करेंगे"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 5:17 (#10)

"जो लोग" - "अनन्त जीवन में राज्य करेंगे"

पौलुस इन लोगों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे राजा हों जो **अनन्त जीवन** नामक स्थान में **राज्य** करते हैं। इसका अर्थ हो सकता है: (1) वे अपनी पापी इच्छाओं पर नियंत्रण रखेंगे जबकि वे शारीरिक रूप से जीवित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या वे ... अपनी पापी प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखेंगे जबकि जीवित हैं" (2) वे **यीशु मसीह** के साथ अनन्तकाल तक **राज्य** करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या वे ... अनन्तकाल तक राज्य करेंगे और जीवित रहेंगे"

देखें: रूपक

रोमियों 5:17 (#11)

"तो जो लोग अनुग्रह और धर्मरूपी वरदान बहुतायत से पाते हैं"

यह खण्ड उन लोगों का वर्णन करता है जो **अनन्त जीवन में राज्य करेंगे**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के बीच समबन्ध को और स्पष्ट बना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो अनुग्रह की बहुतायत और धार्मिकता के वरदान को प्राप्त करते हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 5:17 (#12)

"जो लोग अनुग्रह ... बहुतायत से पाते हैं"

पौलुस **बहुतायत** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **अनुग्रह** से सम्बन्धित है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो परमेश्वर के बहुतायत के अनुग्रह को प्राप्त करते हैं" या "वे जो अनुभव करते हैं कि अनुग्रहकारी परमेश्वर कितने प्रचुर हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 5:17 (#13)

"धर्मरूपी वरदान"

पौलुस स्वामित्व के रूप का उपयोग कर रहे हैं यह वर्णन करने के लिए कि **धर्मरूपी** एक **वरदान** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वरदान, जो धर्मरूपी बनाए जाने का है,”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 5:17 (#14)

"एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह के द्वारा"

यहाँ, **के द्वारा** यह दर्शाता है कि वह **एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह** वह कारण हैं कि उनके लोग **अनन्त जीवन में राज्य करेंगे**। कारण दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी एक के कारण, यीशु मसीह"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:17 (#15)

"एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह"

वाक्यांश **एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह** इस बात का सन्दर्भ देता है कि यीशु ने विश्वासियों के लिए क्या किया ताकि वे **अनन्त जीवन में राज्य करेंगे** कर सकें। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो एक, यीशु मसीह ने उनके लिए किया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:18 (#1)

"इसलिए जैसा एक अपराध सब मनुष्यों के लिये दण्ड की आज्ञा का कारण हुआ, वैसा ही एक धार्मिकता का काम भी सब मनुष्यों के लिये जीवन के निमित्त धर्मी ठहराए जाने का कारण हुआ"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो फिर, जैसे एक व्यक्ति ने अपराध किया और इस अपराध ने सभी लोगों को दोषी बना दिया, वैसे ही एक व्यक्ति ने धार्मिकता का कार्य किया और इस कार्य ने सभी लोगों को अनन्त जीवन के लिए न्यायसंगत बना दिया।"

देखें: पदलोप

रोमियों 5:18 (#2)

"इसलिए जैसा"

इसलिए जैसा यह संकेत करता है कि 5:18–21 में जो आता है, वह 5:12–17 के विचारों का सारांश है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक स्पष्ट अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्त में" या "सारांश में"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:18 (#3)

"का कारण" - "का कारण"

देखें कि आपने पिछले वचन में **का कारण** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:18 (#4)

"अपराध" - "दण्ड की आज्ञा," - "धर्मी ठहराए जाने"

देखें कि आपने **अपराध**, **दण्ड की आज्ञा**, और **धर्मी ठहराए जाने** का 5:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:18 (#5)

"सब मनुष्यों {" - "सब मनुष्यों"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **पुरुषों** का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में उसका उपयोग नहीं किया गया है। हालांकि **पुरुषों** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और स्त्रियाँ दोनों शामिल हैं। देखें कि आपने **सब मनुष्यों** का अनुवाद 5:12 में कैसे किया।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

रोमियों 5:18 (#6)

"जीवन के निमित्त धर्मी ठहराए जाने"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं यह बताने के लिए कि **धर्मी ठहराए जाने** का **जीवन** से कैसे सम्बन्ध है। इसका मतलब हो सकता है: (1) **धर्मी ठहराए जाने** जो **जीवन** की ओर ले जाती है। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिकता जो अनन्त जीवन लाती है" (2) **धर्मी ठहराए जाने** जो **जीवन** है। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिकता, जो अनन्त जीवन है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 5:18 (#7)

"जीवन के"

यहाँ, **जीवन** का अर्थ "अनन्त जीवन" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनन्त जीवन का" या "सदैव जीवित रहने के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:19 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे कहा गया है, वह पिछले पद में पौलुस द्वारा कही गई बात को स्पष्ट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:19 (#2)

"जैसा" - "वैसे ही"

देखें कि आपने पिछले वचन में समान संयोजक शब्द **जैसा** और **वैसे ही** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:19 (#3)

"से" - "से"

देखें कि आपने पिछले दो वचनों में **से** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:19 (#4)

"एक मनुष्य के आज्ञा न मानने से" - "एक मनुष्य के आज्ञा मानने से"

यदि आपकी भाषा में **आज्ञा न मानने से** और **आज्ञा मानने से** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएँ नहीं हैं, तो आप इन्हीं विचारों को क्रियात्मक रूपों के साथ व्यक्त कर सकते हैं। आपको क्रियाओं के लिए एक वस्तु प्रदान करने की आवश्यकता हो सकती है, जैसे "परमेश्वर" या "परमेश्वर की आज्ञा।" वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति जो परमेश्वर की अवज्ञा कर रहा है ... वह व्यक्ति जो परमेश्वर की आज्ञा का पालन कर रहा है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:19 (#5)

"एक मनुष्य के"

यहाँ, **एक मनुष्य** "आदम" को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 5:12 में **एक मनुष्य** के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:19 (#6)

"जैसा एक मनुष्य के आज्ञा न मानने से बहुत लोग पापी ठहरे"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पुरुष की अवज्ञा के कारण कई लोग पापी बन गए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 5:19 (#7)

"बहुत लोग" - "बहुत लोग"

देखें कि आपने **बहुत लोग** का अनुवाद 5:15 में किस प्रकार किया।

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 5:19 (#8)

"पापी"

देखें कि आपने **पापी** का 5:8 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 5:19 (#9)

"एक मनुष्य के आज्ञा मानने से बहुत लोग धर्मी ठहरेंगे"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक की आज्ञाकारिता ने अनेक लोगों को धार्मिक बना दिया।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 5:19 (#10)

"एक मनुष्य के"

यहाँ, **एक मनुष्य** "यीशु मसीह" को सन्दर्भित करता हैं। देखें कि आपने 5:17 में **एक मनुष्य के** के तीसरे उदाहरण का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:20 (#1)

"व्यवस्था"

देखें कि आपने **व्यवस्था** का 2:12 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:20 (#2)

"बीच में आ गई"

अनुवादित शब्द **बीच में आ गई** का अर्थ बिना ध्यान दिए चुपके से आना हो सकता है, जैसा कि 1:4 में है। पौलुस यह जोर दे सकते हैं कि **व्यवस्था** का आगमन किसी अवांछित व्यक्ति के किसी स्थान पर गुप्त रूप से प्रवेश करने जैसा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बिना ध्यान दिए चुपके से प्रवेश करने वाले व्यक्ति की तरह प्रवेश की"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 5:20 (#3)

"अपराध" - "पाप" - "अनुग्रह"

देखें कि आपने **अपराध** का अनुवाद 5:15–18, **पाप** का 5:12–13, और **अनुग्रह** का 5:15 और 5:17 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:20 (#4)

"अपराध बहुत हो" - "जहाँ पाप बहुत हुआ, वहाँ अनुग्रह उससे भी कहीं अधिक हुआ"

पौलुस **अपराध**, **पाप**, और **अनुग्रह** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे वे वस्तुएँ हों जिनकी मात्रा बढ़ सकती है। उनका मतलब है कि इन अवधारणाओं की सामर्थ्य या प्रभाव पूरी मानवता में फैल गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपराध अधिक स्पष्ट हो सके ... पाप अधिक स्पष्ट हो गया, अनुग्रह और भी अधिक स्पष्ट हो गया।"

देखें: रूपक

रोमियों 5:20 (#5)

"कि अपराध बहुत हो"

यह खण्ड सन्दर्भित कर सकता है: (1) **व्यवस्था** देने के लिए परमेश्वर के उद्देश्यों में से एक। वैकल्पिक अनुवाद: "अपराध को बढ़ाने के लिए" (2) परमेश्वर द्वारा **व्यवस्था** देने का परिणाम। वैकल्पिक अनुवाद (पूर्ववर्ती अल्पविराम के साथ): "जिसके परिणामस्वरूप अपराध बढ़ता है"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 5:20 (#6)

"जहाँ"

यहाँ पौलुस **जहाँ** का उपयोग **पाप** और **अनुग्रह** का उल्लेख करने के लिए करते हैं, मानो वे किसी स्थान पर स्थित हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे"

देखें: रूपक

रोमियों 5:21 (#1)

"कि"

यहाँ **कि** वाक्यांश एक उद्देश्य वाक्य को प्रस्तुत करता है। पौलुस उस उद्देश्य को बता रहे हैं जिसके लिए परमेश्वर ने अनुग्रह को प्रचुर मात्रा में प्रदान किया, जैसा कि पिछले वचन में कहा गया है। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्य को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद (बिना अल्पविराम के): "उस उद्देश्य के लिए कि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 5:21 (#2)

"जैसा" - "वैसा ही"

देखें कि आपने **जैसा** और **वैसा ही** का अनुवाद 5:19 में कैसे किया।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 5:21 (#3)

"पाप" - "मृत्यु फैलाते हुए," - "अनुग्रह" - "धर्मी ठहराते हुए" - "अनन्त जीवन"

देखें कि आपने पिछले वचन में **पाप** और **अनुग्रह** का अनुवाद कैसे किया, 5:17 में **मृत्यु** और **धर्मी ठहराते हुए**, और 2:7 में **अनन्त जीवन** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 5:21 (#4)

"पाप ने ... राज्य किया"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक राजा हो जो लोगों पर शासन कर रहा हो। पौलुस का मतलब है कि हर कोई अपनी पापपूर्ण इच्छाओं द्वारा नियंत्रित था। जबकि मृत्यु **राज्य** कर रही थी 5:14 में, **पाप ने राज्य** किया जब परमेश्वर ने व्यवस्था दिया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर कोई पाप द्वारा नियंत्रित था"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 5:21 (#5)

"मृत्यु फैलाते हुए"

यहाँ, **मृत्यु फैलाते हुए** का अर्थ हो सकता है: (1) वह स्थान जहाँ **पाप का राज्य था**। वैकल्पिक अनुवाद: "उस स्थान पर जहाँ मृत्यु है" (2) वह साधन जिसके द्वारा **पाप का राज्य था**। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत्यु के माध्यम से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 5:21 (#6)

"अनुग्रह भी ... धर्मी ठहराते हुए राज्य करे।"

यहाँ पौलुस **अनुग्रह** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह लोगों पर राज्य करने वाला एक राजा हो। पौलुस का मतलब है कि परमेश्वर का **अनुग्रह** लोगों को धार्मिक बनने की अनुमति देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कैसे अनुग्रहकारी परमेश्वर लोगों को धार्मिक बना सकते हैं"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 5:21 (#7)

"के द्वारा" - "के द्वारा"

देखें कि आपने **के द्वारा** का 5:17–19 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:21 (#8)

"अनन्त जीवन के लिये"

यहाँ, **के लिये** यह इंगित करता है कि जो अनुसरण करता है वह परमेश्वर के **अनुग्रह** का परिणाम है, जो **धर्मी ठहराते हुए** राज्य करता है। कारण को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "अनन्त जीवन में परिणत हुआ"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 5:21 (#9)

"हमारे प्रभु यीशु मसीह"

वाक्यांश **हमारे प्रभु यीशु मसीह** इस बात का सन्दर्भ देता है कि यीशु ने विश्वासियों को **अनन्त जीवन** प्राप्त कराने के लिए क्या किया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो यीशु मसीह हमारे प्रभु ने उनके लिए किया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:1 (#1)

"तो ...क्या"

यहाँ, **तो** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पिछले अध्याय में पौलुस ने जो कहा उसका उत्तर है, विशेष रूप से जो उन्होंने 5:20 में कहा। देखें कि आपने **तो ...क्या** का अनुवाद 3:1 और 4:1 में कैसे किया।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 6:1 (#2)

"तो हम क्या कहें? क्या हम पाप करते रहें कि अनुग्रह बहुत हो?"

इस पद में पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि उन अफवाहों को सम्बोधित करने के लिए एक प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं जो कुछ लोग फैला रहे होंगे जो उनकी शिक्षाओं को गलत तरीके से पेश करते हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्नों का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं या किसी अन्य तरीके से जोर को सम्प्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो क्या हम कहेंगे कि हमें पाप में बने रहना चाहिए ताकि अनुग्रह बढ़ सके!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 6:1 (#3)

"तो हम क्या कहें? क्या हम पाप करते रहें कि अनुग्रह बहुत हो?"

इस वचन में और अगले वचन के पहले भाग में, पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक मसीही हों जिन्होंने पिछले अध्याय में पौलुस की शिक्षा को गलत समझा हो। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या प्रथा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 6:1 (#4)

"कहें? क्या हम ...करते रहें"

यहाँ, **हम** में वे सभी शामिल हैं जिनके बारे में पौलुस ने उन लोगों के रूप में बात की थी "जिन्होंने मसीह यीशु में बपतिस्मा लिया था," जैसा कि 6:3 में उल्लेख किया गया है, इसलिए **हम** सभी मसीहियों को शामिल करता है। आपकी भाषा के लिए आपको इन रूपों को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 6:1 (#5)

"पाप करते रहें" - "अनुग्रह"

देखें कि आपने **पाप** और **अनुग्रह** का 5:21 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:1 (#6)

"क्या हम पाप करते रहें"

पौलुस **पाप** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह एक स्थान हो। वह इस विचार का उल्लेख कर रहे हैं कि लोग मसीही बनने के बाद भी पापपूर्ण जीवन जीते रहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या हमें पापपूर्ण जीवन जीते रहना चाहिए?"

देखें: रूपक

रोमियों 6:1 (#7)

"कि अनुग्रह बहुत हो"

पौलुस यहाँ **अनुग्रह** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह एक वस्तु हो जो मात्रा में **बहुत हो** सकती है, जैसा कि वे 5:20 में भी करते हैं। वे इस विचार का उल्लेख कर रहे हैं कि मसीही अपने जीवन में **अनुग्रह** की सामर्थ्य या प्रभाव का अनुभव कर सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि हम अधिक अनुग्रह का अनुभव कर सकें।"

देखें: रूपक

रोमियों 6:1 (#8)

"कि अनुग्रह बहुत हो"

यहाँ **कि** वाक्यांश एक उद्देश्य वाक्य को प्रस्तुत करता है। पौलुस उस कथित उद्देश्य को बता रहे हैं जिसके लिए कोई **पाप** करेगा। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्य प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “अनुग्रह बढ़ाने के लिए”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 6:2 (#1)

"कदापि नहीं"

इस पद में पौलुस उन प्रश्नों का उत्तर देते हैं जो उन्होंने पिछले पद में लिखे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह कहकर उत्तर दूँगा, 'कभी नहीं हो सकता!'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:2 (#2)

"कदापि नहीं!"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 3:4 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 6:2 (#3)

"हम जब पाप के लिये मर गए तो फिर आगे को उसमें कैसे जीवन बिताएँ?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि वह यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वह कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से सम्प्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम जो पाप के लिए मर गए हैं, निश्चित रूप से उसमें अब भी नहीं जी सकते!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 6:2 (#4)

"हम जब पाप के लिये मर गए तो फिर आगे को उसमें कैसे जीवन बिताएँ?"

पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह एक स्थान हो जहाँ मसीही लोग रह सकते हैं या मर सकते हैं। यहाँ, **पाप के लिए मर गए** का अर्थ है कि मसीही लोग अब अपनी पापपूर्ण इच्छाओं द्वारा नियंत्रित नहीं होते हैं। इसके विपरीत, पाप में **जीवन बिताएँ** का मतलब है पापपूर्ण इच्छाओं द्वारा नियंत्रित होते रहना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम जो अब पाप करने की अपनी इच्छा से नियंत्रित नहीं हैं, हम अब भी ऐसे कैसे जी सकते हैं जैसे कि हम उस इच्छा से नियंत्रित हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 6:3 (#1)

"क्या तुम नहीं जानते कि हम सब जितनों ने मसीह यीशु का बपतिस्मा लिया तो उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि वे यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वे कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप निश्चित रूप से जानते हैं कि जितने भी मसीह यीशु में बपतिस्मा लिए गए, वे उनकी मृत्यु में बपतिस्मा लिए गए हैं!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 6:3 (#2)

"जितनों ने"

पौलुस एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जितने लोग"

देखें: पदलोप

रोमियों 6:3 (#3)

"जितनों ने मसीह यीशु का बपतिस्मा लिया तो उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जितने लोगों ने मसीह यीशु में बपतिस्मा लिया, उन्होंने उसकी मृत्यु में भी बपतिस्मा लिया।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 6:3 (#4)

"मसीह यीशु का बपतिस्मा लिया तो उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया"

पौलुस **मसीह यीशु** और **उसकी मृत्यु** के बारे में इस प्रकार बात करते हैं जैसे वे स्थान हों जहाँ कोई **बपतिस्मा** ले सकता है। यहाँ, **मसीह यीशु का** का अर्थ है **मसीह यीशु** के साथ एकजुट होना, और **उसकी मृत्यु में** का अर्थ है **उसकी मृत्यु** के आत्मिक लाभों में सहभागी होना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन दो वाक्यांशों के अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने बपतिस्मा लिया वे मसीह यीशु के साथ एकजुट होते हैं और उनकी मृत्यु के लाभों में भी सहभागी होते हैं।"

देखें: रूपक

रोमियों 6:3 (#5)

"मृत्यु"

देखें कि आपने **मृत्यु** का 5:21 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:4 (#1)

"हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि"

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए हम गाड़े गए थे"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:4 (#2)

"हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि"

पौलुस मसीहियों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे यीशु के साथ **गाड़े गए** थे जब उनका बपतिस्मा हुआ था। पौलुस गाड़े जाने का उल्लेख इसलिए करते हैं क्योंकि यह इस बात पर जोर देता है कि यीशु वास्तव में मरे थे। यहाँ उनका मतलब है कि मसीही वास्तव में मसीह की **मृत्यु** के साथ एकजुट हैं और इसके आत्मिक लाभों में सहभागी हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम वास्तव में मसीह की मृत्यु के साथ एकजुट हैं" या "हम मसीह की मृत्यु के साथ इतने एकजुट हैं कि यह मानो हम वास्तव में उनके साथ दफनाए गए थे"

देखें: रूपक

रोमियों 6:4 (#3)

"उनकी मृत्यु में बपतिस्मा के द्वारा"

यहाँ, **द्वारा** यह इंगित करता है कि निम्नलिखित वाक्यांश वह साधन है जिसके द्वारा मसीही लोग यीशु के साथ **गाड़े गए** हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी मृत्यु में बपतिस्मा के माध्यम से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:4 (#4)

"उस मृत्यु का"

देखें कि आपने पिछले वचन में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 6:4 (#5)

"उस मृत्यु" - "की महिमा"-"जीवन के"

देखें कि आपने **मृत्यु** का 6:3, **महिमा** का 5:2, और **जीवन** का 5:21 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:4 (#6)

"ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नये जीवन के अनुसार चाल चलें"

यहाँ, **ताकि** यह दर्शाता है कि जो आगे आता है वह एक उद्देश्य वाक्य है। पौलुस एक उद्देश्य बता रहे हैं जिसके लिए परमेश्वर ने **बपतिस्मा** की स्थापना की। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि हम जीवन की नवीनता में चल सकें, जैसे मसीह को पिता की महिमा द्वारा मृतकों में से उठाया गया था"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 6:4 (#7)

"जैसे" - "वैसे ही"

देखें कि आपने **जैसे** का और **वैसे ही** का अनुवाद कैसे किया 5:19 में।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 6:4 (#8)

"जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नये जीवन के अनुसार चाल चलें"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि एक मसीही को बपतिस्मा लेने के बाद जिस नए तरीके से जीना चाहिए, वह मृतकों में से **जिलाए** जाने के समान है, जैसा कि मसीह थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक समान तुलना का उपयोग कर सकते हैं या इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमें एक नए तरीके से जीना चाहिए, जैसे जब मसीह पिता की महिमा के माध्यम से मृत्यु से जिलाए गए थे।"

देखें: उपमा

रोमियों 6:4 (#9)

"मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पिता की महिमा ने मसीह को मृतकों में से जीवित किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 6:4 (#10)

"मसीह ... मरे हुओं में से जिलाया गया"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 4:24 में किस प्रकार किया।

देखें: मुहावरा

रोमियों 6:4 (#11)

"मरे हुओं में से"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 4:24 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: मुहावरा

रोमियों 6:4 (#12)

"पिता की महिमा के द्वारा"

पौलुस **महिमा** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **पिता** से आती है या उन्हें विशेषता देती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पिता से महिमा के माध्यम से" या "पिता की महिमा के माध्यम से"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 6:4 (#13)

"महिमा"

यहाँ, **महिमा** विशेष रूप से परमेश्वर की महिमामय सामर्थ्य को सन्दर्भित करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "महिमामय सामर्थ्य"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:4 (#14)

"पिता की"

पिता परमेश्वर के लिए एक महत्वपूर्ण उपाधि है।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

रोमियों 6:4 (#15)

"हम" - "चाल चलें"

यहाँ पौलुस **चाल चलें** का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि कोई व्यक्ति जीवन कैसे जीता है और व्यवहार करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम ... कार्य कर सकें"

देखें: रूपक

रोमियों 6:4 (#16)

"नये जीवन के अनुसार"

पौलुस **जीवन** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **नये** द्वारा विशेषित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक नए जीवन के साथ" या "जैसे वे जो नए जीवित किए गए हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 6:5 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि जो पौलुस ने पिछले वचन में कहा, उसे यह स्पष्ट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो फिर,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों का जोड़ना

रोमियों 6:5 (#2)

"यदि"

पौलुस एक शर्तीय वक्तव्य प्रस्तुत कर रहे हैं जो काल्पनिक प्रतीत होता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त हैं कि शर्त सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक वक्तव्य के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 6:5 (#3)

"हम उसकी मृत्यु की समानता में उसके साथ जुट गए हैं"

यहाँ पौलुस **मृत्यु** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह कुछ ऐसा हो जिससे मसीही शारीरिक रूप से एक **साथ जुट** सकते हैं। उनका मतलब है कि बपतिस्मा लेकर, मसीही यह दिखाते हैं कि वे मसीह की मृत्यु से प्राप्त आत्मिक लाभों में सहभागी होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम बपतिस्मा के माध्यम से मसीह की मृत्यु में सहभागी होते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 6:5 (#4)

"उसकी मृत्यु की समानता में," - "जी उठने"

यदि आपकी भाषा इन विचारों के लिए **समानता** और **जी उठने** के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उनकी मृत्यु के समान है ... मृतकों से उनका पुनरुत्थान"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:5 (#5)

"उसकी मृत्यु की समानता में"

यहाँ पौलुस संकेत करते हैं कि **उसकी मृत्यु की समानता** का अर्थ पिछले वचन में उल्लिखित "बपतिस्मा" से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी मृत्यु की समानता में जो बपतिस्मा द्वारा दर्शाई गई है" या "बपतिस्मा में, जो उनके साथ मरने का प्रतिनिधित्व करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:5 (#6)

"तो निश्चय उसके जी उठने की समानता में भी जुट जाएँगे"

यहाँ पौलुस **जी उठने** के बारे में बात करते हैं जैसे कि यह कुछ ऐसा है जिसमें मसीही लोग **जुट** सकते हैं। उनका मतलब है कि मसीही लोग एक दिन मसीह की तरह मृतकों में से जी उठेंगे होंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम भी निश्चित रूप से मसीह की तरह जी उठेंगे"

देखें: रूपक

रोमियों 6:6 (#1)

"हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने हमारे पुराने मनुष्यत्व को उनके साथ क्रूस पर चढ़ाया।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 6:6 (#2)

"हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया"

पौलुस **हमारे** पापी मनुष्य स्वभाव के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक **पुराना मनुष्यत्व** हो जिसे मसीह के समान क्रूस पर ठोंका गया था। पौलुस का मतलब है कि जब मसीह को **क्रूस पर चढ़ाया गया**, तो उन्होंने सभी मनुष्यों को नियंत्रित करने वाली **पाप** और मृत्यु की शक्ति को नष्ट कर दिया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने पाप की उस शक्ति को नष्ट कर दिया जो लोगों को नियंत्रित करती थी जब मसीह को क्रूस पर चढ़ाया गया।"

देखें: रूपक

रोमियों 6:6 (#3)

"उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया"

सर्वनाम **उसके** मसीह को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाए गए थे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 6:6 (#4)

"ताकि"

यहाँ, **ताकि** एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस उस उद्देश्य को बता रहे हैं जिसके लिए परमेश्वर ने **हमारे पुराने मनुष्यत्व को क्रूस पर चढ़ाया**। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद (बिना अल्पविराम के): "ताकि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 6:6 (#5)

"पाप का शरीर नाश हो जाए"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य किसने किया, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर पाप के शरीर को नाश कर सकते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 6:6 (#6)

"पाप का शरीर नाश हो जाए"

पौलुस **पाप का शरीर** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह दासत्व की एक स्थिति हो जिसे समाप्त किया जा सकता है। उनका मतलब है कि मसीह के क्रूसीकरण ने पापपूर्ण इच्छाओं की लोगों पर नियंत्रण करने की क्षमता को समाप्त कर दिया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर पूरी तरह से ख़त्म कर सकें कि कैसे पापमय जीवन लोगों को नियंत्रित करता है।"

देखें: रूपक

रोमियों 6:6 (#7)

"पाप का शरीर"

पौलुस यह बताने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं कि **शरीर** का **पाप** से कैसे सम्बन्ध है। इस विचार को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। यहाँ, **पाप का शरीर** का अर्थ हो सकता है: (1) कैसे मनुष्य **पाप** की ओर प्रवृत्त होते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारी मनुष्य प्रवृत्ति पाप की ओर" या "कैसे पापपूर्ण जीवन जीना हमें नियंत्रित करता है" (2) कैसे पाप मनुष्य के शरीर को नियंत्रित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कैसे पाप हमारे शरीर को नियंत्रित करता है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 6:6 (#8)

"पाप का" - "पाप के"

देखें कि आपने **पाप** का 6:1 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:6 (#9)

"ताकि हम आगे को पाप के दासत्व में न रहें"

यहाँ, **ताकि** संकेत कर सकता है: (1) परमेश्वर का उद्देश्य **पाप के शरीर** को नाश करने के लिए। वैकल्पिक अनुवाद: "जिससे कि यह अब दास न बनाए" (2) **पाप के शरीर** के **नाश** होने का परिणाम। वैकल्पिक अनुवाद: "जिससे यह अब दासत्व में नहीं रहेगा"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 6:6 (#10)

"ताकि हम आगे को पाप के दासत्व में न रहें"

पौलुस **पाप के शरीर** के बारे में बात करते हैं जैसे कि यह लोगों को **दासत्व** में रख सकता है। यहाँ उनका मतलब है कि पाप की लालसा, जो लोगों को नियंत्रित करती है, अब ऐसा नहीं करेगी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि यह हमें पापपूर्ण जीवन जीने के लिए मजबूर न करे।"

देखें: रूपक

रोमियों 6:7 (#1)

"जो मर गया"

यहाँ पौलुस संकेत करते हैं कि **जो मर गया** है, वही "पुराना मनुष्यत्व" है जिसे पौलुस ने पिछले वचन में कहा था मसीह के साथ "क्रूस पर चढ़ाया गया।" पौलुस का मतलब है कि परमेश्वर किसी भी व्यक्ति को जो "पाप के लिए मर गया" (6:2) उसको पापमय जीवन से **मुक्त** मानते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो पाप के लिए मर गया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:7 (#2)

"पाप से मुक्त हो गया है"

पौलुस पिछले वचन से लोगों को **पाप** द्वारा दास बनाए जाने के रूपक को जारी रखते हैं। यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में इस तरह से बात करते हैं जैसे कि यह कुछ ऐसा है जिससे लोगों को **मुक्त** होना चाहिए। उनका मतलब है कि लोगों को नियंत्रित करने वाली **पाप** की लालसा अब ऐसा नहीं करेगी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब पापपूर्ण जीवन जीने की आवश्यकता नहीं है।"

देखें: रूपक

रोमियों 6:7 (#3)

"मुक्त हो गया है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग स्वाभाविक नहीं है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो। यदि यह बताना आवश्यक है कि किसने कार्य किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने यह किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुक्त किया है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 6:7 (#4)

"पाप"

देखें कि आपने पिछले वचन में **पाप** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:8 (#1)

"यदि"

इस वचन में, पौलुस एक शर्तीय कथन कह रहे हैं जो काल्पनिक प्रतीत होता है, लेकिन वह पहले से ही इस बात से आश्वस्त हैं कि शर्त सत्य है। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक रूप का उपयोग करें जो उस शर्त को प्रस्तुत करता है जिसे वक्ता सत्य मानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 6:8 (#2)

"हम मसीह के साथ मर गए"

पौलुस मसीहियों के बारे में इस प्रकार बात करते हैं जैसे वे शारीरिक रूप से मसीह के साथ मरे हों। उनका आशय है कि बपतिस्मा के माध्यम से मसीही यह दर्शाते हैं कि वे मसीह की मृत्यु से प्राप्त आत्मिक लाभों में सहभागी होते हैं और एक दिन **उसके साथ जीएँगे भी**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरल रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम बपतिस्मा लेते समय मसीह की मृत्यु से संयुक्त होते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 6:8 (#3)

"हमारा विश्वास यह है"

पौलुस का तात्पर्य है कि चूंकि मसीही लोग **मसीह के साथ मर गए** हैं, इसका परिणाम यह है कि उन्हें विश्वास है कि वे **उनके साथ जीवित रहेंगे**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमें विश्वास है" या "यह हमें विश्वास दिलाता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:8 (#4)

"{हम} उसके साथ जीएँगे भी"

यहाँ पौलुस यह संकेत देते हैं कि **उसके साथ जीएँगे** "अनन्त जीवन" को सन्दर्भित करता है, जैसा कि उन्होंने 5:21 और 6:4–5 में उल्लेख किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम उनके साथ हमेशा के लिए जीवित रहेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:9 (#1)

"क्योंकि हम जानते है कि मसीह मरे हुओं में से जी उठा और फिर कभी नहीं मरेगा"

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह जानते हुए कि मसीह मृतकों में से जी उठे हैं और अब और नहीं मरेंगे"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 6:9 (#2)

"हम जानते है"

देखें कि आपने 6:6 में समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 6:9 (#3)

"मसीह मरे हुओं में से जी उठा"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि किसने कार्य किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मसीह को मृतकों में से जिलाया।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 6:9 (#4)

"मरे हुओं में से जी उठा"

देखें कि आपने 6:4 में समान खण्ड का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 6:9 (#5)

"फिर कभी नहीं मरेगा। मृत्यु उस पर प्रभुता नहीं करती"

ये दो वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। पौलुस थोड़ा अलग तरीके से वही बात दो बार कहते हैं, यह जोर देने के लिए कि **मसीह** फिर कभी नहीं मरेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर बिल्कुल कभी नहीं मरेंगे"

देखें: समानता

रोमियों 6:9 (#6)

"मृत्यु उस पर प्रभुता नहीं करती"

यहाँ पौलुस **मृत्यु** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक **प्रभु** हो जो किसी पर शासन कर सकता है। पौलुस का मतलब है कि यीशु फिर से नहीं मर सकते। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अब मृत होने को स्वीकार नहीं करते" या "वह फिर कभी नहीं मर सकते"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:9 (#7)

"मृत्यु"

देखें कि आपने **मृत्यु** का अनुवाद 6:4 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:10 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दिखाता है कि जो आगे आता है वह इस बात का कारण है कि मसीह "अब और नहीं मरते," जैसा कि पिछले वचन में कहा गया है। अपनी भाषा में कारण दर्शाने का सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें, जैसे कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफ़ायड़ ट्रान्सलेशन में।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:10 (#2)

"वह जो"

यहाँ, **वह जो** मसीह की मृत्यु और जीवन को सन्दर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मृत्यु जो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 6:10 (#3)

"पाप के लिये एक ही बार मर गया"

यहाँ, **पाप के लिए** का अर्थ है कि मसीह ने मानवता को "पाप के दासत्व" से मुक्त करने के लिए प्राण त्याग दिए। इसका यह मतलब नहीं है कि यीशु स्वयं कभी पाप द्वारा नियंत्रित थे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट करना सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्होंने लोगों पर पाप के नियंत्रण को समाप्त करने के लिए प्राण त्याग दिए” या “उन्होंने पाप को लोगों पर प्रभुत्व जमाने से रोकने के लिए प्राण त्याग दिए”।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:10 (#4)

"परन्तु जो जीवित है"

यहाँ, **जो जीवित है** मसीह के जीवन को सन्दर्भित करता है जब परमेश्वर ने उन्हें मृतकों में से जिलाया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वह जीवन जो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 6:10 (#5)

"तो परमेश्वर के लिये जीवित है"

यहाँ, **परमेश्वर के लिए** का अर्थ है कि मसीह अब परमेश्वर की महिमा के लिए जीते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे परमेश्वर की महिमा के लिए जीते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:11 (#1)

"तुम {आप}"

पूरे 6:11–23 में, सर्वनाम **तुम** और "तुम्हारी" बहुवचन हैं और रोम के विश्वासियों को सन्दर्भित करते हैं जिन्हें पौलुस ने यह पत्र लिखा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप रोम के विश्वासियों"

देखें: ‘आप’ के रूप — बहुवचन

रोमियों 6:11 (#2)

"पाप के लिये तो मरा"

देखें कि आपने “पाप के लिए मर गए” का अनुवाद 6:2 में कैसे किया।

देखें: रूपक

रोमियों 6:11 (#3)

"परमेश्वर के लिये ...जीवित"

देखें कि आपने पिछले वचन में "वे परमेश्वर के लिए जीते हैं" जैसे वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:11 (#4)

"मसीह यीशु में"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:24 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 6:12 (#1)

"इसलिए"

इसलिए यहाँ एक परिणाम वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस यह बता रहे हैं कि वे चाहते हैं कि उनके पाठक पिछले वचन में कही गई बात के जवाब में कैसे कार्य करें। अपनी भाषा में परिणाम वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "यही कारण है" या "इसके कारण"

देखें: जोडें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:12 (#2)

"पाप तुम्हारे नाशवान शरीर में राज्य न करे"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह एक राजा हो जो **नाशवान शरीर** नामक स्थान पर शासन करता है। **पाप ...नाशवान शरीर में राज्य न करे** से पौलुस का मतलब है कि मसीही लोगों को अपने शरीर का उपयोग करने के तरीके पर **पाप** को नियंत्रण नहीं करने देना चाहिए। देखें कि आपने 5:21 में **राज्य** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने भौतिक शरीर को पाप के नियंत्रण में न आने दें"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:12 (#3)

"नाशवान शरीर में"

हालांकि **शरीर** यहाँ एकवचन संज्ञा है, पौलुस अपने पाठकों के शरीरों का उल्लेख कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप बहुवचन रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके नश्वर शरीरों में"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 6:12 (#4)

"तुम्हारे नाशवान शरीर में"

यहाँ, **शरीर** का अर्थ हो सकता है: (1) सम्पूर्ण व्यक्ति। वैकल्पिक अनुवाद: "आप में" या "आपके सम्पूर्ण अस्तित्व में" (2) भौतिक मानव शरीर। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके भौतिक शरीर में"

देखें: उपलक्षण

रोमियों 6:12 (#5)

"उसकी लालसाओं के अधीन रहो"

यहाँ **के** यह संकेत करता है कि जो कुछ भी आगे आता है वह **पाप के राज्य** का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जिससे तुम उसकी अभिलाषाओं का पालन कर सको" या "जिसके परिणामस्वरूप आप अपनी वासनाओं का पालन करते हैं"

देखें: जोडें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:12 (#6)

"उसकी लालसाओं के अधीन रहो"

यहाँ पौलुस **लालसाओं** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे लोग हों जिनकी आज्ञा का पालन किया जा सकता है। उनका मतलब है कि लोग पापपूर्ण काम करने की अपनी इच्छाओं के आगे झुक सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी वासनात्मक इच्छाओं के आगे झुकना" या "जो आप वासना करते हैं उसे करना"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:12 (#7)

"उसकी लालसाओं"

यदि आपकी भाषा में **लालसाओं** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह आपको वासना की ओर कैसे प्रेरित करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:12 (#8)

"उसकी"

सर्वनाम **उसकी नाशवान शरीर** को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके नश्वर शरीर का"

देखें: सर्वनाम — उनका प्रयोग कब करें

रोमियों 6:13 (#1)

"और न अपने अंगों को अधर्म के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो, पर अपने आपको मरे हुओं में से जी उठा हुआ जानकर परमेश्वर को सौंपो, और अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन खण्डों के क्रम को समान विचारों पर जोर देने के लिए बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपने अंगों को अधर्म के उपकरण के रूप में पाप के लिए प्रस्तुत न करें, बल्कि अपने अंगों को परमेश्वर के लिए धार्मिकता के उपकरण के रूप में प्रस्तुत करें। और अपने आप को परमेश्वर के लिए प्रस्तुत करें, जैसे मृतकों में से जीवित हो गए हों।"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 6:13 (#2)

"और न अपने अंगों को अधर्म के हथियार होने के लिये पाप को सौंपो" - "और अपने अंगों को धार्मिकता के हथियार होने के लिये परमेश्वर को सौंपो"

पौलुस शरीर के अंगों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे **हथियार** हों जिन्हें किसी को अर्पित किया जा सकता है या किसी के द्वारा उपयोग किया जा सकता है। उनका मतलब है कि वे चाहते हैं कि उनके पाठक अपने शरीर के अंगों का उपयोग पाप करने के लिए बन्द कर दें, बल्कि इसके बजाय उन्हें उस तरीके से जीने के लिए उपयोग करें जैसा परमेश्वर चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपने अंगों का उपयोग पाप करके अधर्म करने के लिए न करें ... और अपने अंगों का उपयोग परमेश्वर के लिए धर्मपूर्वक कार्य करने के लिए करें"

देखें: रूपक

रोमियों 6:13 (#3)

"अधर्म के हथियार होने के लिये"

पौलुस **हथियार** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **अधर्म** द्वारा विशेषीकृत हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधर्मी औजारों के रूप में" या "अधर्मी रूप से जीने के लिए औजारों के रूप में"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 6:13 (#4)

"हथियार होने के लिये" - "हथियार होने के लिये"

वह शब्द जिसका अनुवाद **हथियार** के रूप में किया गया है, अक्सर "शास्त्र" को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे हथियार ... वैसे ही हथियार"

रोमियों 6:13 (#5)

"अधर्म के" - "धार्मिकता के"

यदि आपकी भाषा में **अधर्म** और **धार्मिकता** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अधर्मपूर्ण है ... जो धार्मिक है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:13 (#6)

"पर अपने आपको ...परमेश्वर को सौंपो"

पौलुस अपने पाठकों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे स्वयं को अपने स्वामी **परमेश्वर** के दास के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वयं को परमेश्वर को समर्पित करें"

देखें: रूपक

रोमियों 6:13 (#7)

"मरे हुओं में से जी उठा हुआ"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि मसीही लोगों को इस तरह से जीना चाहिए जो यह प्रदर्शित करे कि वे अब **पाप के लिए मृत हैं, लेकिन परमेश्वर के लिए जीवित हैं**, जैसा कि 6:11 में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे कि वे पापपूर्ण जीवन जीने से मुक्त हो गए हैं" या "जैसे कि वे अब पापपूर्ण जीवन जीने से नियंत्रित नहीं होते हैं"

देखें: उपमा

रोमियों 6:13 (#8)

"मरे हुओं में से"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 6:4 में किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 6:13 (#9)

"और अपने अंगों को"

पौलुस एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस वाक्य की शुरुआत से इसे जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अपने अंग प्रस्तुत करें"

देखें: पदलोप

रोमियों 6:13 (#10)

"धार्मिकता के हथियार होने के लिये"

पौलुस **हथियार** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **धार्मिकता** द्वारा विशेषीकृत हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धार्मिक उपकरणों के रूप में” या “धार्मिक रूप से जीने के लिए उपकरणों के रूप में”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 6:14 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह संकेत करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, यह पिछले वचन में पौलुस ने जो कहा, उसका स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वास्तव में,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 6:14 (#2)

"तब तुम पर पाप की प्रभुता न होगी, क्योंकि तुम व्यवस्था के अधीन नहीं वरन् अनुग्रह के अधीन हो"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन उपवाक्यों के निर्देश को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा

उपवाक्य उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला उपवाक्य वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि आप व्यवस्था के अधीन नहीं हैं, बल्कि अनुग्रह के अधीन हैं, इसलिए पाप को आप पर शासन करने की अनुमति न दें।"

देखें: जोडें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:14 (#3)

"तब तुम पर पाप की प्रभुता न होगी"

देखें कि आपने 6:12 में इसी वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:14 (#4)

"तब तुम पर पाप की प्रभुता न होगी"

पौलुस एक भविष्यवाणी का उपयोग निर्देश देने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप निर्देश के लिए एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप को शासन करने की अनुमति नहीं होनी चाहिए" या "पाप को शासन करने की अनुमति न दें"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

रोमियों 6:14 (#5)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि जो आगे आता है वह कारण है कि पौलुस अपने पाठकों से आग्रह करते हैं कि वे **पाप** को अपने **प्रभु** बनने की अनुमति न दें। कारण दर्शाने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "चूंकि"

देखें: जोडें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:14 (#6)

"क्योंकि तुम व्यवस्था के अधीन नहीं वरन् अनुग्रह के अधीन हो"

पौलुस **व्यवस्था** और **अनुग्रह** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे वे शासक हों जिनके अधीनता के तहत लोगों को रहना पड़ता है। उनका मतलब है कि मसीही अब **व्यवस्था** की आवश्यकताओं द्वारा नियंत्रित नहीं होते, जो लोगों के अधिक

पाप करने का कारण बनता था, जैसा कि 5:20 में कहा गया है। इसके विपरीत, मसीही अब अनुग्रहकारी परमेश्वर की सेवा करते हैं, जैसा कि 6:15–23 में समझाया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि व्यवस्था अब आपको नियंत्रित नहीं करता, बल्कि आप अब परमेश्वर के अनुग्रह के अधीन हैं"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:14 (#7)

"व्यवस्था"

देखें कि आपने **व्यवस्था** का 2:12 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:14 (#8)

"अनुग्रह के अधीन"

यहाँ, **अनुग्रह** विशेष रूप से परमेश्वर के अनुग्रहकारी तरीके से लोगों को पाप करने से रोकने की शक्ति देने का सन्दर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के अनुग्रह द्वारा नियंत्रित"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:15 (#1)

"तो क्या हुआ"

यहाँ, **तो** यह संकेत देता है कि जो आगे आता है वह पौलुस ने 6:1–14 में जो कहा उसका उत्तर है। देखें कि आपने **तो क्या हुआ** का अनुवाद कैसे किया 3:1, 4:1, और 6:1 में।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:15 (#2)

"तो क्या हुआ? क्या हम इसलिए पाप करें कि हम व्यवस्था के अधीन नहीं वरन् अनुग्रह के अधीन हैं"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वह यहाँ एक प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं ताकि कुछ लोगों की आपत्ति को सम्बोधित किया जा सके जो उन्होंने पिछले वचनों में कही थी। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्नों का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक

कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं या किसी अन्य तरीके से जोर को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो क्या हमें पाप करना चाहिए क्योंकि हम व्यवस्था के अधीन नहीं हैं, बल्कि अनुग्रह के अधीन हैं!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 6:15 (#3)

"तो क्या हुआ? क्या हम इसलिए पाप करें कि हम व्यवस्था के अधीन नहीं वरन् अनुग्रह के अधीन हैं"

इन दो वाक्यों में, पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे एक मसीही हों जिन्होंने पिछले वचनों में पौलुस द्वारा सिखाए गए बातों को गलत समझा हो। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को संकेतित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 6:15 (#4)

"व्यवस्था के अधीन," - "अनुग्रह के अधीन"

देखें कि आपने पिछले वचन में इन वाक्यांशों का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:15 (#5)

"कदापि नहीं"

इस वाक्य में पौलुस उन अलंकारिक प्रश्नों का उत्तर देना शुरू करते हैं जो उन्होंने पहले पद में पूछे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उत्तर दूँगा और कहूँगा, 'ऐसा कभी न हो!'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:15 (#6)

"कदापि नहीं"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:4 और 6:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 6:16 (#1)

"क्या तुम नहीं जानते कि जिसकी आज्ञा मानने के लिये तुम अपने आपको दासों के समान सौंप देते हो उसी के दास हो: चाहे पाप के, जिसका अन्त मृत्यु है, चाहे आज्ञा मानने के, जिसका अन्त धार्मिकता है"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वे यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वे कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप निश्चित रूप से जानते हैं कि आप जिस चीज़ के लिए आज्ञाकारिता के दास के रूप में खुद को प्रस्तुत करते रहते हैं, आप उसी के दास बन जाते हैं जिसका आप पालन करते हैं—चाहे पाप जो मृत्यु की ओर ले जाता है, या आज्ञाकारिता जो धार्मिकता की ओर ले जाती है!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 6:16 (#2)

"चाहे" - "चाहे"

यहाँ अनुवादित सर्वनाम **चाहे** किसी वस्तु या व्यक्ति के लिए एक सामान्य सन्दर्भ को इंगित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे भी या जो भी ... जिसे भी या जो भी"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 6:16 (#3)

"तुम अपने आपको दासों के समान सौंप देते हो" - "उसी के दास हो: ...चाहे आज्ञा मानने के"

पौलुस लोगों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे स्वयं को किसी या किसी चीज़ के **दासों** के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वह किसी व्यक्ति या किसी चीज़ द्वारा नियंत्रित होने की बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप लगातार नियंत्रित होते रहते हैं ... आप उस चीज़ द्वारा नियंत्रित हो जाते हैं जिसका आप पालन करते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 6:16 (#4)

"आज्ञा मानने के"

यहाँ, **के** यह दर्शाता है कि यह एक उद्देश्य वाक्य है। पौलुस यह बता रहे हैं कि इन लोगों का **अपने आप को दास** के रूप में प्रस्तुत करने का उद्देश्य क्या है। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्य को दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "आज्ञा पालन करने के लिए" या "आज्ञा पालन करने के उद्देश्य से"

देखें: जोडें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 6:16 (#5)

"आज्ञा मानने के लिये," - "आज्ञा मानने के"

यदि आपकी भाषा में **आज्ञा मानने** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आज्ञा का पालन करने के लिए... आज्ञा का पालन करने के लिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:16 (#6)

"चाहे पाप के, जिसका अन्त मृत्यु है, चाहे आज्ञा मानने के, जिसका अन्त धार्मिकता है"

यहाँ, **पाप** और **आज्ञा मानने** के बारे में ऐसे बात की गई है जैसे वे स्वामी हों जिनके **दास** उनका पालन करेंगे। पौलुस का मतलब है कि लोग या तो अपनी लालसा से **पाप** करने के लिए नियंत्रित हो सकते हैं या परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने की लालसा से। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चाहे आप पाप करने से नियंत्रित हों, जो मृत्यु की ओर ले जाता है, या आप परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने से नियंत्रित हों, जो धार्मिकता की ओर ले जाता है।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:16 (#7)

"पाप के" - "आज्ञा मानने के"

पौलुस स्वामित्व के रूप का उपयोग कर रहे हैं **दासों** का वर्णन करने के लिए जो **पाप** या **आज्ञा मानने** के हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गुलाम जो पाप के हैं ... गुलाम

जो आज्ञाकारिता के हैं" या "पाप के गुलाम ... आज्ञाकारिता के गुलाम"

देखें: स्वामीत्व

रोमियों 6:16 (#8)

"पाप के {" - "धार्मिकता "

देखें कि आपने **पाप** का अनुवाद 6:1 में और **धार्मिकता** का 6:13 में किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:16 (#9)

"जिसका अन्त मृत्यु है," - "जिसका अन्त धार्मिकता है"

यहाँ, **प्रेरित करना** परिणाम को दर्शाता है। परिणाम को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत्यु का परिणाम ... धार्मिकता का परिणाम" या "मृत्यु का कारण ... धार्मिकता का कारण"

देखें: जोडें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:16 (#10)

"अन्त मृत्यु है"

यहाँ, **मृत्यु** आत्मिक **मृत्यु** को सन्दर्भित करती है, जो शारीरिक मृत्यु के बाद नरक में अनन्त दण्ड है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक मृत्यु की ओर ले जाना" या "आत्मिक रूप से मरने का कारण बनना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:17 (#1)

"परमेश्वर का धन्यवाद हो"

यहाँ, **परमेश्वर को धन्यवाद** एक विस्मयादिबोधक वाक्यांश है जो पौलुस की कृतज्ञता को व्यक्त करता है। धन्यवाद व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक विस्मयादिबोधक रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परमेश्वर को धन्यवाद करता हूँ!"

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 6:17 (#2)

"कि तुम जो पाप के दास थे"

यहाँ, **कि** इंगित करता है कि जो खण्ड इसके बाद आता है, वह पौलुस के पाठकों के पहले के जीवन और मसीही बनने के बाद के जीवन के बीच एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है, जब उन्होंने सच्ची मसीही **उपदेश** को **मन से** सुना। यदि यह आपके पाठकों को भ्रमित कर सकता है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालांकि आप पाप के दास थे"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

रोमियों 6:17 (#3)

"पाप के दास"

देखें कि आपने पिछले वचन में **पाप के** समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:17 (#4)

"अब मन से उस उपदेश के माननेवाले हो गए"

यहाँ पौलुस **उपदेश के साँचे** की बात करते हैं जैसे कि वह कोई व्यक्ति हो जिसे **माना** जा सकता है। उनका मतलब है कि उनके पाठकों ने उस सच्ची मसीही शिक्षा को स्वीकार किया जो मसीही उन्हें सिखा रहे थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन आपने शिक्षा के स्वरूप को स्वीकार किया"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:17 (#5)

"माननेवाले हो गए"

अनुवादित शब्द **माननेवाले** यह दर्शाता है कि जिन्होंने सुना, उन्होंने जो सुना उसे मानकर प्रतिक्रिया भी दी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जुड़े रहे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:17 (#6)

"अब मन से ...माननेवाले हो गए"

यहाँ, **मन से** एक मुहावरा है जो ईमानदारी से कुछ करने या अपनी इच्छा और भावनाओं के साथ कुछ करने को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने पूरी तरह से सुना" या "आपने गहराई से सुना।"

देखें: मुहावरा

रोमियों 6:17 (#7)

"उस उपदेश के ..., जिसके साँचे में ढाले गए थे"

यहाँ पौलुस **उपदेश के साँचे** की बात करते हैं जैसे कि यह एक दास-स्वामी हो, जिसके लिए लोग **दास के रूप में सौंपे जाते हैं** जब वे मसीही बनते हैं (अंग्रेजी अनुवाद)। हिन्दी आई.आर.वी में इस वाकय को **साँचे में ढाले गए थे** करके अनुवादित किया गया है। पौलुस का मतलब है कि मसीही लोगों को सच्ची मसीही शिक्षा के अधिकार के अधीन होना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस शिक्षा के रीति को जिसके लिए आपको प्रस्तुत किया गया था" या "उस शिक्षा के रीति को जिसे आपको सौंपा गया था, जैसे कि आप उसके दास थे"।

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:17 (#8)

"जिसके साँचे में ढाले गए थे"

हिन्दी आई.आर.वी में इस वाकय को **साँचे में ढाले गए थे** करके अनुवादित किया गया है और अंग्रेजी भाषा के अनुवाद में **दास के रूप में सौंपे जाते हैं**।यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे परमेश्वर ने आपको सौंपा है" या

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 6:18 (#1)

"और पाप से छुड़ाए जाकर धार्मिकता के दास हो गए"

यहाँ पौलुस **पाप** और **धार्मिकता** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे वे ऐसे स्वामी हों जिनके अधीन लोग **दास** हो सकते हैं। पौलुस का मतलब है कि उनके पाठक अब अपनी पापपूर्ण इच्छाओं द्वारा नियंत्रित नहीं होते, बल्कि धार्मिकता के अनुसार जीने की लालसा द्वारा नियंत्रित होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और पापपूर्ण जीवन से मुक्त होकर, अब आपको धार्मिकता के अनुसार जीना है।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:18 (#2)

"और पाप से छुड़ाए जाकर ...के दास हो गए"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन विचारों को सक्रिय रूपों में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की, तो पौलुस का अर्थ है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर ने आपको पाप से मुक्त किया, उन्होंने आपको अपना दास बना लिया।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 6:18 (#3)

"पाप" - "धार्मिकता के"

देखें कि आपने **पाप** और **धार्मिकता** का 6:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:19 (#1)

"मैं तुम्हारी शारीरिक दुर्बलता के कारण मनुष्यों की रीति पर कहता हूँ"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके शारीरिक कमजोरी के कारण, मैं एक मनुष्य के रूप में बोलता हूँ" या "क्योंकि आप अभी भी अपरिपक्व हैं, मुझे सरल शब्दों में बोलना पड़ता है"

देखें: जोडें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:19 (#2)

"मैं ...मनुष्यों की रीति पर कहता हूँ"

यहाँ, **मनुष्यों की रीति पर** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "जैसे लोग करते हैं" या "जैसे एक मनुष्य करता है।" यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष मुहावरा या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इस आधार पर बोल रहा हूँ कि मनुष्य चीजों को कैसे समझते हैं" या "मैं एक साधारण मनुष्य की तरह बात कर रहा हूँ।"

देखें: मुहावरा

रोमियों 6:19 (#3)

"तुम्हारी शारीरिक दुर्बलता" - "अशुद्धता और कुकर्म," - "पवित्रता के लिये धार्मिकता"

यदि आपकी भाषा **दुर्बलता**, **अशुद्धता**, **कुकर्म**, **धार्मिकता**, और **पवित्रता** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपका शरीर कितना कमजोर है ... अशुद्धता में कार्य करने के लिए और अधिक से अधिक अधर्म करने के लिए ... धार्मिक रूप से जीने के लिए, जो पवित्रीकरण की ओर ले जाता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:19 (#4)

"तुम्हारी शारीरिक दुर्बलता"

यहाँ, **शारीरिक** एक मुहावरा है जो मनुष्य की प्रकृति को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष मुहावरा या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपकी मानवीय कमजोरी" या "आपकी स्वाभाविक सीमाएँ"

देखें: मुहावरा

रोमियों 6:19 (#5)

"जैसे"

जैसे यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह उससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, यह पौलुस ने 6:17–18 में जो कहा उसका स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके अलावा,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 6:19 (#6)

"जैसे" - "वैसे"

देखें कि आपने **जैसे** और **वैसे** को 5:19 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 6:19 (#7)

"तुम ने अपने अंगों को अशुद्धता और कुकर्म के दास करके सौंपा था," - "अपने अंगों को पवित्रता के लिये धार्मिकता के दास करके सौंप दो"

पौलुस शरीर के अंगों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे **दास** हों जिन्हें किसी को समर्पित किया जा सकता है या किसी के द्वारा उपयोग किया जा सकता है। उनका मतलब है कि उनके पाठक अपने शरीर के अंगों का उपयोग अशुद्धता से कार्य करने और परमेश्वर की व्यवस्था की अवहेलना करने के लिए करते थे, लेकिन अब उन्हें उनका उपयोग उस तरीके से करना चाहिए जैसा परमेश्वर चाहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 6:13 में समान वाक्यांशों का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "आपने अपने अंगों का उपयोग अशुद्धता से कार्य करने और परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए किया ... अपने अंगों का उपयोग धर्मपूर्वक कार्य करने के लिए करें"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:19 (#8)

"पवित्रता के लिये"

वाक्यांश **पवित्रता के लिये** परिणाम को दर्शाता है। अपनी भाषा में परिणाम को दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्रीकरण का परिणाम" या "पवित्रीकरण का कारण बनना"

देखें: जोडें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:20 (#1)

"{क्योंकि} जब तुम पाप"

अंग्रेजी अनुवाद में **क्योंकि** शब्द का उपयोग हुआ है जो हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में नहीं है। **क्योंकि** यहाँ एक परिणाम वाक्यांश प्रस्तुत करता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इसका कारण यह है कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:20 (#2)

"जब तुम पाप के दास थे, तो धार्मिकता की ओर से स्वतंत्र थे"

यहाँ, पौलुस **पाप** और **धार्मिकता** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे दास-स्वामी हों। पौलुस का मतलब है कि जब उनके पाठक पहले अपने शरीर का उपयोग पापपूर्ण कार्य करने के लिए कर रहे थे, तो वे **धार्मिकता** के **दास** के रूप में परमेश्वर के उद्देश्यों को नहीं कर रहे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब आप पाप के अधीन थे, तो आपने परमेश्वर की सेवा नहीं की" या "जब आप पापपूर्ण जीवन जी रहे थे, तो आप धार्मिक जीवन नहीं जी रहे थे।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:20 (#3)

"तो धार्मिकता की ओर से स्वतंत्र थे"

यहाँ पौलुस यह गम्भीर सुझाव नहीं दे रहे हैं कि पापी लोगों को धार्मिक रूप से जीने की आवश्यकता नहीं है। पौलुस का उद्देश्य **स्वतंत्र** के शाब्दिक अर्थ के विपरीत अर्थ को व्यक्त करना है। यदि यह आपकी भाषा में गलत समझा जा सकता है, तो अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने पर विचार करें। वैकल्पिक अनुवाद: “आप अधर्मी थे” या “आप धार्मिक रूप से जीने में असमर्थ थे”।

देखें: विरोधाभास

रोमियों 6:21 (#1)

"उनसे उस समय तुम क्या फल पाते थे? क्योंकि उनका अन्त तो मृत्यु है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यों के क्रम को उलट सकते हैं क्योंकि दूसरा वाक्य उस कारण को बताता है जिसका परिणाम पहला वाक्य वर्णित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "चूंकि उन चीजों का

परिणाम मृत्यु है, तो आपको तब कौन सा फल मिल रहा था जिसके कारण अब आप शर्मिंदा हैं?"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:21 (#2)

"तो जिन बातों से अब तुम लज्जित होते हो, उनसे उस समय तुम क्या फल पाते थे?"

पौलुस यहाँ एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं ताकि पिछले वचन में "पाप के दास" होने की निरर्थकता पर जोर दिया जा सके। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं ताकि किसी अन्य तरीके से जोर को सम्प्रेषित किया जा सके। वैकल्पिक अनुवाद: "तो आपके पास तब कोई फल नहीं था जिसके कारण अब आप शर्मिंदा हैं!"

देखें: अलंकारिक प्रश्नों

रोमियों 6:21 (#3)

"फल"

यहाँ, **फल** एक मुहावरा है जो लाभ या फायदे को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष मुहावरा या साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लाभ" या "फायदा"

देखें: मुहावरा

रोमियों 6:21 (#4)

"जिन बातों से" - "उनसे"

यहाँ, **जिन बातों से** और **उनसे** पापों को सन्दर्भित करती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन पापों से ... उन पापों से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:21 (#5)

"क्योंकि उनका अन्त तो मृत्यु है"

यदि आपकी भाषा **अन्त** और **मृत्यु** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं

विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वे चीजें अंततः आपकी मृत्यु का कारण बनती हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:21 (#6)

"मृत्यु"

यहाँ, **मृत्यु** आत्मिक **मृत्यु** को सन्दर्भित करती है, जो शारीरिक मृत्यु के बाद नरक में अनन्त दण्ड है। देखें कि आपने 6:16 में **मृत्यु** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:22 (#1)

"परन्तु अब"

परन्तु अब पिछले दो पदों के साथ एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है, जो समय पर केन्द्रित है। अनुवादित शब्द **अब** उस समय को सन्दर्भित करता है जब रोमी विश्वासियों ने मसीही विश्वास अपनाया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप स्पष्ट कर सकते हैं कि **अब** किसे सन्दर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन अब जब आप यीशु में विश्वास करते हैं,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

रोमियों 6:22 (#2)

"पाप से स्वतंत्र होकर और परमेश्वर के दास बनकर"

यह खण्ड़ यह स्पष्ट करता है कि पौलुस के पाठकों के पास **पवित्रता की ओर ले जाने वाला फल** क्यों है। आपकी भाषा में कारण बताने का एक स्वाभाविक तरीका यह है: "क्योंकि आप पाप से मुक्त हो गए हैं और परमेश्वर के दास बन गए हैं।"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:22 (#3)

"पाप से स्वतंत्र होकर और परमेश्वर के दास बनकर"

यहाँ पौलुस **पाप** और **परमेश्वर** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे दास-स्वामी हों। पौलुस का मतलब है कि मसीही अब अपनी लालसा द्वारा पाप करने के लिए नियंत्रित नहीं होते, बल्कि उन्हें **परमेश्वर** की आज्ञा का पालन करना चाहिए। 6:18 में एक समान वाक्यांश देखें। यदि आपकी भाषा में यह

सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पापपूर्ण जीवन जीने से मुक्त होकर परमेश्वर की सेवा करना आरम्भ कर दिया है”

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:22 (#4)

"पाप से स्वतंत्र होकर और परमेश्वर के दास बनकर"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक हो कि क्रिया किसने की, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने आपको पाप से मुक्त किया और अपने अधीन कर लिया" या "परमेश्वर ने आपको आपके पाप के नियंत्रण से मुक्त किया और अपनी सेवा करने के लिए प्रेरित किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 6:22 (#5)

"तुम को फल मिला"

देखें कि आपने पिछले वचन में **फल** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: मुहावरा

रोमियों 6:22 (#6)

"जिससे पवित्रता प्राप्त होती है," - "उसका अन्त अनन्त जीवन है"

देखें कि आपने **पवित्रता** का अनुवाद 6:19, **उसका अन्त** का अनुवाद 6:21, और **अनन्त जीवन** का अनुवाद 5:21 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:22 (#7)

"जिससे पवित्रता प्राप्त होती है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 6:19 में किस प्रकार किया है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:23 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि यह पद उन दो पिछले पदों में पौलुस ने जो कहा उसका कारण स्पष्ट करता है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सत्य है क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 6:23 (#2)

"पाप की मजदूरी तो मृत्यु है"

यहाँ, पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो **मज़दूरी** दे सकता है। पौलुस का मतलब है कि पापमय जीवन जीने का परिणाम अनन्त **मृत्यु** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब कोई व्यक्ति पापमय जीवन जीता है, तो इसका परिणाम अनन्त मृत्यु होता है।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 6:23 (#3)

"पाप की मजदूरी तो मृत्यु है"

पौलुस **मृत्यु** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह उन लोगों को दी जाने वाली **मजदूरी** हो जो **पाप** करते हैं। उनका मतलब है कि पापपूर्ण जीवन जीने का परिणाम अनन्त **मृत्यु** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सीधे या उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो भी पापपूर्ण जीवन जीता है, उसे परिणामस्वरूप अनन्त मृत्यु मिलती है" या "जो भी पापपूर्ण जीवन जीता है, वह अनन्त मृत्यु को ऐसे कमाता है जैसे यह काम के लिए मजदूरी हो।"

देखें: रूपक

रोमियों 6:23 (#4)

"पाप की मजदूरी"

पौलुस **पाप** से मिलने वाली **मजदूरी** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप की मजदूरी" या "पाप से मिलने वाली मजदूरी"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 6:23 (#5)

"मृत्यु है"

यहाँ, **मृत्यु** आत्मिक **मृत्यु** को सन्दर्भित करती है, जो शारीरिक मृत्यु के बाद नरक में अनन्त दण्ड है। देखें कि आपने **मृत्यु** के उसी उपयोग का अनुवाद 6:16 और 6:21 में कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 6:23 (#6)

"मृत्यु है," - "परमेश्वर का वरदान" - "अनन्त जीवन है"

देखें कि आपने **मृत्यु** का 6:21 में, **परमेश्वर का वरदान** का 5:15–16 में, और **अनन्त जीवन** का 6:22 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 6:23 (#7)

"परमेश्वर का {अनुग्रहकारी} वरदान"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग करके **अनुग्रहकारी वरदान** का वर्णन कर रहे हैं जो **परमेश्वर** से आता है। हिन्दी आई.आर.वी. अनुवाद में **अनुग्रहकारी** शब्द का उपयोग नहीं किया गया है जबकि यह अंग्रेजी अनुवाद में पाया जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का अनुग्रहकारी उपहार" या "परमेश्वर से अनुग्रहकारी उपहार"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 6:23 (#8)

"मसीह यीशु में"

पौलुस **अनन्त जीवन** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह **मसीह यीशु** में प्राप्त होता हो। पौलुस का मतलब है कि **अनन्त जीवन मसीह यीशु** से जुड़ने के द्वारा प्राप्त होता है, जैसा कि 6:11 में कहा गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके लिए जो मसीह यीशु से जुड़े हैं" या "मसीह यीशु से जुड़े होने के माध्यम से प्राप्त होता है"

देखें: रूपक

रोमियों 7:1 (#1)

"हे भाइयों, क्या तुम नहीं जानते (मैं व्यवस्था के जाननेवालों से कहता हूँ) कि जब तक मनुष्य जीवित रहता है, तब तक उस पर व्यवस्था की प्रभुता रहती है"

पौलुस यहाँ यह जोर देने के लिए एक आलंकारिक प्रश्न का प्रयोग कर रहे हैं कि यहूदियों को अपने पूरे जीवन में व्यवस्था का पालन करना आवश्यक है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम निश्चित रूप से जानते हो, भाइयों (क्योंकि मैं उन लोगों से बात कर रहा हूँ जो व्यवस्था जानते हैं), कि व्यवस्था मनुष्य पर तब तक प्रभुता करती है जब तक वह जीवित रहता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 7:1 (#2)

"भाइयों"

हालांकि यह शब्द **भाइयों** का उपयोग सामान्यतः पुरुषों के लिए होता है, पौलुस यहां इस शब्द का उपयोग मसीह में विश्वास करने वाले दोनों यहूदी पुरुष और महिला के लिए कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे साथी यहूदी मसीही"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं भी शामिल होती हैं

रोमियों 7:1 (#3)

"मैं व्यवस्था के जाननेवालों से कहता हूँ"

यहाँ पौलुस ने खुद को बीच में रोककर स्पष्ट किया कि वह पत्र के इस भाग को रोम की कलीसिया में यहूदी विश्वासियों को विशेष रूप से निर्देशित कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सही अर्थ नहीं दे रहा हो, तो आप कोष्ठक जोड़ सकते हैं, जैसा कि यू.एल.टी. में किया गया है, या इसे इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें।

रोमियों 7:1 (#4)

"कि"

यहां, **कि** यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया था, उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, यह कारण

बताता है कि पौलुस को क्यों उम्मीद है कि ये **भाई** जो वह कह रहे हैं, उसे समझेंगे। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे विश्वास है कि तुमको यह समझना चाहिए क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 7:1 (#5)

"मैं... कहता हूँ"

इस अध्याय में और यहाँ पर सर्वनाम **मैं** पौलुस को संदर्भित करता है (देखें: 6:19)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, पौलुस, कह रहा हूँ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 7:1 (#6)

"व्यवस्था)," - "व्यवस्था"

हर बार जब **व्यवस्था** का उल्लेख 7:1–20 में होता है, तो इस वाक्यांश का अनुवाद उसी प्रकार करें जैसे आपने इसे 2:12 में किया था।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:1 (#7)

"उस पर व्यवस्था की प्रभुता रहती है"

यहाँ पौलुस **व्यवस्था** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक राजा हो। पौलुस का मतलब है कि, एक राजा की तरह, **व्यवस्था** का पालन उन लोगों द्वारा किया जाना चाहिए जो इसके लिए बाध्य हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे या एक उपमा के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक राजा की तरह, हर यहूदी व्यक्ति को व्यवस्था का पालन करना चाहिए"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:1 (#8)

"मनुष्य" - "मनुष्य जीवित रहता है"

हालांकि **मनुष्य** और **उस** पुल्लिंग हैं, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिलाएँ दोनों शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति का ... वह व्यक्ति रहता है"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं सम्मिलित होती हैं

रोमियों 7:2 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह इंगित करता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया है उसका स्पष्टीकरण देता है। यहाँ, यह परमेश्वर की व्यवस्था से एक उदाहरण प्रस्तुत करता है जो यह दर्शाता है कि "व्यवस्था व्यक्ति पर तब तक शासन करता है जब तक वह जीवित रहता है," जैसा कि पौलुस ने पिछले पद में कहा था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उदाहरण के लिए," या "एक उदाहरण के रूप में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों का संयोजन

रोमियों 7:2 (#2)

"विवाहित स्त्री व्यवस्था के अनुसार अपने पति के जीते जी उससे बंधी है, परन्तु यदि पति मर जाए, तो वह पति की व्यवस्था से छूट गई"

पौलुस यहूदियों की **विवाहित** महिलाओं और पतियों के संदर्भ में बात कर रहे हैं, किसी विशेष **महिला** या **पति** के नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विवाहित महिलाएँ अपने जीवित पतियों के प्रति व्यवस्था द्वारा बंधी रहती है, लेकिन यदि उसके पति की मृत्यु हो जाती है, तो वे अपने पतियों से मुक्त हो जाती है..."

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 7:2 (#3)

"विवाहित स्त्री व्यवस्था के अनुसार अपने पति के जीते जी उससे बंधी है" -"तो वह...व्यवस्था से छूट गई"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था लगातार विवाहित महिला को बांधता है ... परमेश्वर उन्हें मुक्त करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 7:2 (#4)

"विवाहित स्त्री व्यवस्था के अनुसार अपने पति के जीते जी उससे बंधी है, परन्तु यदि पति मर जाए, तो वह पति की व्यवस्था से छूट गई"

यहाँ पौलुस **व्यवस्था** की बात करते हैं जैसे कि यह एक व्यक्ति हो जो **स्त्री** को उसके **पति** से बांध सकता है। पौलुस का मतलब है कि मूसा की **व्यवस्था** एक **विवाहित स्त्री** को उसके **पति** के जीवित रहते हुए उससे विवाहित रहने की आवश्यकता करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अपनी व्यवस्था में यह आवश्यक करते हैं कि विवाहित स्त्री अपने जीवित पति से विवाहित रहे ... उसे अब पति से विवाहित रहने की आवश्यकता नहीं है"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:2 (#5)

"पति की व्यवस्था"

पौलुस **व्यवस्था** के स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **पति** से संबंधित है। यह वाक्यांश पहले के खंड में वर्णित **व्यवस्था** को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यवस्था जो उसे पति के साथ बंधे रहने की आवश्यकता प्रदान करता है”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 7:3 (#1)

"इसलिए"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 5:18 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 7:3 (#2)

"पति के जीते जी वह किसी दूसरे पुरुष की हो जाए, तो व्यभिचारिणी कहलाएगी"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वह किसी अन्य पति से विवाह करती हैं, जबकि पहला पति जीवित है"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 7:3 (#3)

"पति के जीते जी"

इस खंड में पौलुस कुछ ऐसा वर्णन कर रहे हैं जो उसी समय अवधि में हो रहा था जैसा कि वह अगले खंड में वर्णन करते हैं। आप अपने अनुवाद में एक उपयुक्त जोड़ने वाले शब्द या वाक्यांश के साथ इसे स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी समय जब पति जीवित है"

देखें: जोड़े — समकालिक समय संबंध

रोमियों 7:3 (#4)

"पति" - "पति"

देखें कि आपने पिछले पद में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 7:3 (#5)

"तो व्यभिचारिणी कहलाएगी"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था उसे एक व्यभिचारिणी का शीर्षक देगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 7:3 (#6)

"वह उस व्यवस्था से छूट गई"

यहाँ पौलुस **व्यवस्था** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह कोई वस्तु या व्यक्ति हो जिससे कोई मुक्त हो सकता है। पौलुस का मतलब है कि **व्यवस्था** जो एक महिला को **दूसरे पति** से विवाह करने से रोकती थी, लागू नहीं होती अगर उसका पहला पति मर जाता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने पिछले पद में "वह व्यवस्था से मुक्त हो गई है" वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "उसे अब पहले पति से विवाहित रहने की आवश्यकता नहीं है"

देखें: रूपक

रोमियों 7:4 (#1)

"तो"

तो यहाँ पौलुस ने जो 7:1–3 में कहा है, उसके परिणाम को प्रस्तुत करते हैं। अपनी भाषा में परिणाम वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "चूंकि यह सत्य है"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 7:4 (#2)

"भाइयों"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 7:1 में किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं भी सम्मिलित होती हैं

रोमियों 7:4 (#3)

"तुम भी मसीह की देह के द्वारा व्यवस्था के लिये मरे हुए बन गए"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम भी व्यवस्था के लिए मर गए हो"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 7:4 (#4)

"तुम भी... मरे हुए बन गए"

पौलुस **तुम भी** शब्द का उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि यहूदी मसीहियों को भी व्यवस्था का पालन करने की आवश्यकता नहीं है। इस जोर को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम यहूदी स्वयं भी मृत हो गए" या "यहाँ तक कि स्वयं तुम यहूदी भी मृत हो गए"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 7:4 (#5)

"तुम भी... व्यवस्था के लिये मरे हुए बन गए"

यहाँ पौलुस **मरे** शब्द का उपयोग यहूदी मसीहियों के लिए करते हैं, जिन्हें अब व्यवस्था का पालन करने की आवश्यकता

नहीं है। जैसे मृत व्यक्तियों को व्यवस्था का पालन नहीं करना पड़ता, वैसे ही यहूदी मसीहियों को अब इसका पालन नहीं करना पड़ता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक रूपक का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुमको अब व्यवस्था का पालन करने की आवश्यकता नहीं है" या "तुम मृत व्यक्तियों की तरह हैं क्योंकि आपको व्यवस्था का पालन करने की आवश्यकता नहीं है"

देखें: रूपक

रोमियों 7:4 (#6)

"मसीह की देह के द्वारा"

यहाँ, **के द्वारा** यह संकेत करता है कि **मसीह की देह** वह साधन है जिसके द्वारा विश्वासियों को **व्यवस्था के लिए मृत कर दिया गया**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह के शरीर के माध्यम से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:4 (#7)

"मसीह की देह के द्वारा"

यहाँ, **मसीह की देह के द्वारा** यीशु के शरीर की मृत्यु को संदर्भित करता है। यदि यह आपके लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह की देह के मृत्यु के माध्यम से"

देखें: रूपक

रोमियों 7:4 (#8)

"कि उस दूसरे के हो जाओ"

यहाँ, **कि** एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस उस उद्देश्य को बता रहे हैं जिसके लिए परमेश्वर ने **विश्वासियों को व्यवस्था के लिए मृत** किया। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इस निर्देश के अनुसार कि हम किसी और के हों सकें"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 7:4 (#9)

"कि उस दूसरे के हो जाओ"

यहाँ पौलुस **दूसरे के हो जाओ** का उपयोग करते हैं ताकि मसीहीयों के **मसीह** के साथ एकजुट होने को दर्शाया जा सके, जैसे कि वे **उनसे विवाह** कर लेते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि तुम यीशु के साथ एकजुट हो सको" या "ताकि तुम मसीह के साथ वैसे ही एकजुट हो सको जैसे एक महिला दूसरे पति से विवाह करती है"

देखें: रूपक

रोमियों 7:4 (#10)

"जो मरे हुओं में से जी उठा"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें जिन्हें परमेश्वर ने मृतकों में से जी उठाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 7:4 (#11)

"जो मरे हुओं में से जी उठा"

देखें कि आपने 4:24 में एक समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 7:4 (#12)

"ताकि हम परमेश्वर के लिये फल लाएँ"

यहाँ, **ताकि** एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस उस उद्देश्य को बता रहे हैं जिसके लिए परमेश्वर ने **यीशु को मृतकों में से जिलाया**। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद (बिना अल्पविराम के): "ताकि हम परमेश्वर के लिए फल उत्पन्न करें"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियों 7:4 (#13)

"ताकि हम परमेश्वर के लिये फल लाएँ"

पौलुस यहाँ **फल** का उपयोग उन कार्यों का उल्लेख करने के लिए करते हैं जो परमेश्वर को प्रसन्न करते हैं, मानो वे **फल** हों जिन्हें कोई व्यक्ति विकसित कर सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले कार्य करने में सक्षम हो सकते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 7:4 (#14)

"हम परमेश्वर के लिये फल लाएँ"

यहां, **हम** में वे सभी शामिल हैं जिन्हें पौलुस ने इस पद में और 7:1 में पहले **भाइयों** कहा था, इसलिए **हम** में सभी यहूदी मसीही शामिल हैं। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिन्हित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

Romans 7:5 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह पहले कहे गए को स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि अगले दो पदों में जो आता है, वह पिछले पद में पौलुस ने जो कहा था, उसे स्पष्ट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वास्तव में,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 7:5 (#2)

"हम शारीरिक थे"

यहाँ पौलुस **शारीरिक** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह कोई स्थान हो जिसमें कोई **हो** सकता है। उनका मतलब है कि उनके पाठक पहले अपनी पापी प्रवृत्तियों की इच्छाओं के अनुसार जीते थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम अपनी पापी प्रवृत्तियों के अनुसार जी रहे थे" या "हम जो भी करना चाहते थे, वही कर रहे थे"

देखें: रूपक

रोमियों 7:5 (#3)

"तो पापों की अभिलाषाएँ जो व्यवस्था के द्वारा थीं"

यदि आपकी भाषा में **अभिलाषाएँ** के विचार के लिए कोई अमूर्त संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था के द्वारा पाप करने की इच्छा काम कर रही थी"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:5 (#4)

"जो व्यवस्था के द्वारा... काम करती थीं"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक शब्द को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप संदर्भ से शब्द जोड़ सकते हैं। पौलुस ने **व्यवस्था** के बारे में कुछ ऐसा ही कहा कि 5:20 में पाप बढ़ गया। वैकल्पिक अनुवाद: "जो व्यवस्था के माध्यम से बढ़े थे वे कार्य कर रहे थे" या "जो व्यवस्था द्वारा उत्तेजित किए गए थे वे कार्य कर रहे थे"

देखें: पदलोप

रोमियों 7:5 (#5)

"व्यवस्था के द्वारा"

यहाँ, **के द्वारा** उस साधन को इंगित करता है जिसके द्वारा **पापपूर्ण इच्छाएं** बढ़ीं। पौलुस का मतलब है कि **व्यवस्था** ने लोगों की लालसा को और अधिक पाप करने के लिए उत्तेजित किया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था के द्वारा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:5 (#6)

"हमारे अंगों में काम करती थीं"

यहाँ पौलुस **अभिलाषाएँ/पापपूर्ण इच्छाओं** के बारे में बात करते हैं, जैसे कि वे इच्छाएं किसी के शरीर के अंगों के भीतर काम कर रही हों। उनका मतलब है कि लोगों की पापपूर्ण इच्छाएं उन्हें अपने शरीर के साथ पाप करने के लिए प्रेरित करती थीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे अंगों का उपयोग पाप करने के लिए प्रेरित कर रही थीं"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:5 (#7)

"अंगों"

देखें कि आपने **अंगों** का 6:13 में कैसे अनुवाद किया है।

रोमियों 7:5 (#8)

"फल उत्पन्न करने के लिये"

यहाँ, **के लिये** एक परिणाम वाक्यांश का परिचय देता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसके परिणामस्वरूप फल उत्पन्न हुआ" या "ताकि वे फल उत्पन्न करें"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 7:5 (#9)

"मृत्यु का फल उत्पन्न करने के लिये"

यहाँ पौलुस **फल** का उपयोग किसी के कार्यों के परिणाम या नतीजे के रूप में कर रहे हैं। पौलुस **फल** का उपयोग पिछले पद में किए गए उपयोग से अलग तरीके से कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि परिणाम मृत्यु के लिए फल हो"

देखें: रूपक

रोमियों 7:5 (#10)

"मृत्यु का"

देखें कि आपने **मृत्यु** का 6:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:5 (#11)

"मृत्यु का"

यहाँ, **मृत्यु** आत्मिक **मृत्यु** को संदर्भित करता है, जो शारीरिक मृत्यु के बाद नरक में अनन्त दण्ड है। देखें कि आपने 6:16 में **मृत्यु** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:6 (#1)

"परन्तु"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 6:22 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: जोड़ें — विरोधाभास सम्बन्ध

रोमियों 7:6 (#2)

"परन्तु जिसके बन्धन में हम थे" - "अब व्यवस्था से ऐसे छूट गए"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने हमें उस व्यवस्था से मुक्त कर दिया है ... जो हमें जकड़े हुई थी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 7:6 (#3)

"हम कानून से मुक्त कर दिए गए हैं," - "उससे जिसे हम पकड़े हुए थे"

यहाँ पौलुस **व्यवस्था** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक दास-स्वामी हो जिससे किसी को **मुक्त** होना चाहिए और जो लोगों को बंदी बना सकता है। पौलुस का मतलब है कि मसीहीयों को यहूदियों को दी गई परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन नहीं करना पड़ता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमें अब व्यवस्था का पालन नहीं करना है ... जिसे हमें पहले पालन करना आवश्यक था" या "हम उन दासों की तरह हैं जिन्हें व्यवस्था से मुक्त कर दिया गया है ... जिसे हमें पहले दासों की तरह पालन करना पड़ता था।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:6 (#4)

"जिसके बन्धन में हम थे"

वाक्यांश **जिसके बन्धन में हम थे, व्यवस्था** को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप

इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यवस्था जिसके द्वारा हम बन्धन में थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:6 (#5)

"जिसके बन्धन में हम थे उसके लिये मरकर"

पौलुस **व्यवस्था** के बारे में इस तरह से बात करते हैं जैसे यह एक स्थान हो जहाँ मसीही मर सकते हैं। यहाँ, **व्यवस्था के लिए मरना** इस विचार को संदर्भित करता है कि मसीही अब यहूदियों को दी गई परमेश्वर की व्यवस्थाओं का पालन करने के लिए बाध्य नहीं हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब उस का पालन करने की आवश्यकता नहीं है जिससे हम बंधे हुए थे"

देखें: रूपक

रोमियों 7:6 (#6)

"वरन्... सेवा करते हैं"

यहाँ, **वरन्** यह इंगित करता है कि जो कुछ भी आता है वह मसीहियों के **व्यवस्था के लिए मरने** का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणाम यह है कि हम सेवा कर सकें"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 7:6 (#7)

"सेवा करते हैं"

पौलुस एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस शब्द को संदर्भ से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हम परमेश्वर की सेवा कर सकते हैं”

देखें: पदलोप

रोमियों 7:6 (#8)

"नई रीति पर" - "पुरानी रीति पर नहीं"

यदि आपकी भाषा में **नई रीति** और **पुरानी रीति** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप

इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। ये शब्द विभिन्न तरीकों को इंगित करते हैं जिनमें लोग परमेश्वर की **सेवा** करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “नए तरीके से ... पुराने तरीके से नहीं”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:6 (#9)

"आत्मा की नई रीति पर"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग **नई रीति** का वर्णन करने के लिए करते हैं जो **आत्मा** द्वारा उत्पन्न होती है। पौलुस का मतलब है कि पवित्र आत्मा मसीहियों को एक नए तरीके से जीने में सक्षम बनाते हैं जो परमेश्वर को प्रसन्न करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक नए तरीके से जो पवित्र आत्मा से आता है”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 7:6 (#10)

"लेख की पुरानी रीति पर"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग **पुरानी रीति** का वर्णन करने के लिए करते हैं जो **लेख** द्वारा निर्धारित होता है। पौलुस का मतलब है कि मसीही उस पुराने तरीके से नहीं जीते जो व्यवस्था की मांग करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पुराने तरीके से जो लेख की मांग करता है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 7:6 (#11)

"लेख की"

पौलुस **लेख** का उपयोग **व्यवस्था** का उल्लेख करने के लिए करते हैं जो अक्षरों के साथ लिखा गया है। देखें कि आपने इस शब्द का 2:27 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: रूपक

रोमियों 7:7 (#1)

"तो हम क्या कहें"

तो यह संकेत करता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, **तो** यह संकेत करता है कि इसके बाद जो आता है, वह पौलुस ने पिछले पदों में जो कहा उसका उत्तर है, विशेष रूप से जो उन्होंने 7:5 में कहा। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 6:1 में कैसे किया।

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 7:7 (#2)

"तो हम क्या कहें? क्या व्यवस्था पाप है?"

इन दो वाक्यों में पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वे उन आपत्तियों को संबोधित करने के लिए प्रश्नों का उपयोग कर रहे हैं जो कुछ लोगों को 7:5 में कही गई बातों के बारे में हो सकती हैं क्योंकि उन्होंने उन्हें गलत समझा। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए आलंकारिक प्रश्नों का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं या किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो क्या हम कहेंगे कि व्यवस्था पाप है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 7:7 (#3)

"तो हम क्या कहें? क्या व्यवस्था पाप है?"

इन दो वाक्यों में पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक यहूदी मसीही हों जिन्होंने पिछले वचनों में पौलुस की शिक्षा को गलत समझा हो। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परंपरा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 7:7 (#4)

"पाप?" - "पाप"

यदि आपकी भाषा में **पाप** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ पापमय ... कौन सी चीजें पापमय हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:7 (#5)

"कदापि नहीं"

इस वाक्य में पौलुस उन आलंकारिक प्रश्नों का उत्तर देना शुरू करते हैं जो उन्होंने पहले पद में लिखे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उत्तर दूंगा, 'ऐसा कभी न हो!'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:7 (#6)

"कदापि नहीं"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:4 और 6:2 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 7:7 (#7)

"वरन्"

वरन् यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह उससे विपरीत है जो पहले आया था। यहाँ, **वरन्** उस विचार के विपरीत को प्रस्तुत करता है कि **व्यवस्था** पापमय है। अपनी भाषा में विरोधाभास प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी," या "इसके विपरीत,"

देखें: जोड़ें — विपरीत सम्बन्ध

रोमियों 7:7 (#8)

"वरन्"

वरन् यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह उससे पहले क्या आया था उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, यह परमेश्वर की व्यवस्था से एक उदाहरण प्रस्तुत करता है जो **व्यवस्था** के महत्व को स्पष्ट करता है। देखें कि आपने **क्योंकि** का उपयोग कैसे 7:2 में अनुवाद किया।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 7:7 (#9)

"लालच"

यदि आपकी भाषा में **लालच** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य

तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लालची होने का क्या मतलब है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:7 (#10)

"व्यवस्था यदि न कहती"

यहाँ पौलुस **कहती** का उपयोग **व्यवस्था** से एक उद्धरण को इंगित करने के लिए करते हैं जो पुरानी वाचा में लिखा है (20:17)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह व्यवस्था में लिखा गया था"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 7:7 (#11)

"व्यवस्था यदि न कहती"

यहाँ पौलुस **व्यवस्था** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो कुछ कह सकता है। उनका मतलब है कि परमेश्वर ने **व्यवस्था** में जो लिखा था, वही कहा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने व्यवस्था में कहा"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:8 (#1)

"पाप ने अवसर पाकर आज्ञा के द्वारा मुझ में सब प्रकार का लालच उत्पन्न किया"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो जो **अवसर** ले सकता है और किसी व्यक्ति में **लालच** उत्पन्न कर सकता है। पौलुस का मतलब है कि जब उन्होंने लालच करने से रोकने वाली आज्ञा के बारे में सीखा, तो उनकी **पाप** की लालसा बढ़ गई। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी पाप की लालसा, आज्ञा के परिणामस्वरूप बढ़कर, मुझे लालच करने के लिए प्रेरित करती है"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:8 (#2)

"आज्ञा"

यहाँ, **आज्ञा** विशेष रूप से पिछले पद में दिए गए आदेश "तुम लालच मत करना" का उल्लेख करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आदेश कि हमें लालच नहीं करना चाहिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:8 (#3)

"आज्ञा"

यदि आपकी भाषा में **आज्ञा** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर ने आदेश दिया है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:8 (#4)

"लालच"

देखें कि आपने पिछले पद में **लालच** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:8 (#5)

"बिना व्यवस्था के पाप मुर्दा है"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे कि यह कुछ ऐसा हो सकता है जो **मृत** हो। पौलुस का मतलब है कि यदि परमेश्वर का व्यवस्था न दिया गया होता, तो उनकी **पाप** की लालसा नहीं बढ़ती। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई व्यवस्था नहीं होता, तो मेरी **पाप** की लालसा उत्तेजित नहीं होती"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:9 (#1)

"व्यवस्था बिना"

यहाँ पौलुस **व्यवस्था** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह इसके बारे में जानने से पहले अस्तित्व में नहीं थी। पौलुस का मतलब है कि उसे **एक समय** पर परमेश्वर के नियम के बारे में जानकारी नहीं थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था से अनजान रहते हुए" या "व्यवस्था के ज्ञान के बिना"

देखें: रूपक

रोमियों 7:9 (#2)

"जब आज्ञा आई"

पौलुस **आज्ञा** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो जो पौलुस के पास **आ सकती** हो। उनका मतलब है कि वह **आज्ञा** के प्रति जागरूक हो गए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब मैं आज्ञा के प्रति जागरूक हुआ"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:9 (#3)

"आज्ञा" - "पाप"

देखें कि आपने पिछले पदों में **आज्ञा** और **पाप** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:9 (#4)

"आज्ञा"

यहाँ, **आज्ञा** का संदर्भ हो सकता है: (1) वे सभी आज्ञाएं जो परमेश्वर की व्यवस्था का निर्माण करती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की आज्ञाएं" (2) **आज्ञा** जो लालच के विरुद्ध है, जैसा कि पिछले पद में उल्लेख किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "लालच के विरुद्ध आज्ञा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:9 (#5)

"तो पाप जी गया"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो **जीवित हो** सकता है। इसका अर्थ हो सकता है: (1) पौलुस की पाप के प्रति लालसा जागृत हुई, जैसा कि पिछले पद में उल्लेख किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी पाप के प्रति लालसा जागृत हुई" (2) पौलुस को एहसास हुआ कि वे पाप कर रहे थे, जैसा कि 7:7 में उल्लेख किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे मेरे पाप का एहसास हुआ"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:10 (#1)

"मेरे लिये मृत्यु"

पौलुस यहाँ **मृत्यु** शब्द का उपयोग आत्मिक रूप से मृत होने के लिए करते हैं, जो सभी गैर-मसीहियों की आत्मिक स्थिति है। आत्मिक मृत्यु का परिणाम शरीर के मरने के बाद नरक में अनन्त दण्ड होता है। पौलुस का यहाँ अर्थ है कि उन्होंने महसूस किया कि वे आत्मिक रूप से मृत थे जब उन्होंने परमेश्वर के नियम को समझा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आत्मिक रूप से मर चुका था"

देखें: रूपक

रोमियों 7:10 (#2)

"आज्ञा"

देखें कि आपने पिछले पद में **आज्ञा** का अनुवाद कैसे किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:10 (#3)

"जीवन"

यहाँ, **जीवन** का अर्थ "अनन्त जीवन" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनन्त जीवन का" या "सदैव जीवित रहने के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:10 (#4)

"वही आज्ञा जो जीवन के लिये थी"

यहाँ, **के लिए आज्ञा** के उद्देश्य को इंगित करती है। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आज्ञा जो जीवन उत्पन्न करने के लिए थी"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियों 7:10 (#5)

"मेरे लिये मृत्यु का कारण ठहरी"

यहाँ, **लिए** इंगित करता है कि जो कुछ भी आता है वह **आज्ञा** का परिणाम है। पौलुस का मतलब है कि परमेश्वर के नियमों के कारण लोगों के लिए अनन्त **मृत्यु** हुई। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह मेरे लिए मृत्यु का परिणाम सिद्ध हुआ"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 7:10 (#6)

"कारण ठहरी"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैने पाया कि यह"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 7:10 (#7)

"वही... ठहरी"

यहाँ पौलुस **आज्ञा** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह एक वस्तु हो जिसे **खोजा** जा सकता है। पौलुस का मतलब है कि उन्होंने महसूस किया कि परमेश्वर की व्यवस्था लोगों के लिए आत्मिक मृत्यु का कारण बनती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने महसूस किया कि यह होना चाहिए था"

देखें: रूपक

रोमियों 7:10 (#8)

"मृत्यु"

यहाँ, **मृत्यु** आत्मिक **मृत्यु** को संदर्भित करती है, जो शारीरिक मृत्यु के बाद नरक में अनन्त दण्ड है। देखें कि आपने 6:16 में **मृत्यु** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:11 (#1)

"पाप ने अवसर पाकर आज्ञा के द्वारा"

देखें कि आपने इस खंड का अनुवाद 7:8 में किस प्रकार किया है।

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:11 (#2)

"मुझे बहकाया"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो लोगों को धोखा दे सकता है। पौलुस का मतलब है कि पाप के प्रति उनकी लालसा ने उन्हें यह सोचने के लिए धोखा दिया कि वे **आज्ञा** का पालन करके धार्मिक बन सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे खुद को धोखा देने के लिए मजबूर किया गया"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:11 (#3)

"उसी के द्वारा"

सर्वनाम **उसी आज्ञा** को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आज्ञा के द्वारा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 7:11 (#4)

"मुझे मार भी डाला"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो जो लोगों को नष्ट कर सकता है। पौलुस का मतलब है कि उनकी पाप की लालसा ने उन्हें परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करने के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप पौलुस आध्यात्मिक रूप से मृत हो गए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे आत्मिक रूप से मरने के लिए प्रेरित किया"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:12 (#1)

"इसलिए"

इसलिए यह संकेत करता है कि इस वाक्यांश के बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। **इसलिए** यहाँ पौलुस ने 7:7–11 में जो कहा, उसका परिणाम प्रस्तुत करता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्यूंकि यह सत्य है"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 7:12 (#2)

"आज्ञा"

देखें कि आपने **आज्ञा** का 7:9 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:13 (#1)

"परन्तु"

शब्द **परन्तु** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह एक तार्किक निष्कर्ष है। **परन्तु** यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पौलुस ने 7:7–12 में जो कहा उसका परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप" या "यही कारण है" या "इस वजह से"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 7:13 (#2)

"तो क्या वह जो अच्छी थी, मेरे लिये मृत्यु ठहरी"

पौलुस यहाँ एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं यह जोर देने के लिए कि व्यवस्था ने उन्हें सीधे आध्यात्मिक रूप से मृत नहीं किया। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से जो अच्छा है वह मेरे लिए मृत्यु नहीं बना!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 7:13 (#3)

"अच्छी थी" - "अच्छी वस्तु के द्वारा"

यहाँ, **अच्छी थी** शब्द व्यवस्था को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की उत्तम व्यवस्था ... उन उत्तम व्यवस्थाओं के माध्यम से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:13 (#4)

"वह जो अच्छी थी" - "मेरे लिये मृत्यु ठहरी"

यहाँ पौलुस व्यवस्था के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे कि यह **मृत्यु का कारण बन सकता है**। पौलुस इस विचार का उल्लेख कर रहे हैं कि परमेश्वर की व्यवस्थाओं ने सीधे उन्हें आत्मिक रूप से मृत बना दिया। वह अगले वाक्य में इस विचार को अस्वीकार करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या ... मुझे आत्मिक रूप से मरने का कारण बना"

देखें: रूपक

रोमियों 7:13 (#5)

"मृत्यु" - "मृत्यु"

इस पद में **मृत्यु** आत्मिक मृत्यु को संदर्भित करती है, जो शारीरिक मृत्यु के बाद नरक में अनन्त दण्ड है। देखें कि आपने **मृत्यु** के इसी उपयोग का 6:16 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:13 (#6)

"मृत्यु" - "पाप" - "पाप" - "मृत्यु" - "आज्ञा के द्वारा, पाप"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **पाप** और **आज्ञा** का 7:11 में और **मृत्यु** का 7:10 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:13 (#7)

"कदापि नहीं"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:4 और 6:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 7:13 (#8)

"परन्तु पाप उस अच्छी वस्तु के द्वारा मेरे लिये मृत्यु का उत्पन्न करनेवाला हुआ कि उसका पाप होना प्रगट हो"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन पाप ने मेरे अंदर मृत्यु उत्पन्न की ताकि यह दिखाया जा सके कि यह पाप ही है जो अच्छे के माध्यम से कार्य करता है"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 7:13 (#9)

"मेरे लिये मृत्यु का उत्पन्न करनेवाला हुआ कि उसका पाप होना प्रगट हो, और आज्ञा के द्वारा पाप बहुत ही पापमय ठहरे"

यहाँ, शब्द **कि** एक उद्देश्य वाक्यांश को इंगित करता है। पौलुस **पाप** के **मृत्यु उत्पन्न करने** के उद्देश्य को बता रहे हैं। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप ने मुझमें मृत्यु उत्पन्न की ताकि यह दिखा सके कि यह अच्छा होते हुए भी पाप है"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियों 7:13 (#10)

"उसका पाप होना प्रगट हो"

यहाँ पौलुस **प्रकट हो** का प्रयोग **पाप** जैसी कोई वस्तु हो जिसे लोग देख सकते हैं। पौलुस का मतलब है कि परमेश्वर के नियम लोगों को यह पहचानने में सक्षम बनाते हैं कि **पाप** क्या है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह पाप के रूप में पहचाना जा सकता है"

देखें: रूपक

रोमियों 7:13 (#11)

"अच्छी वस्तु के द्वारा"

यहाँ, **के द्वारा** यह संकेत करता है कि **क्या अच्छा है** वह साधन है जिसके द्वारा पाप को स्पष्ट रूप से पाप के रूप में समझा जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अच्छा है उसके द्वारा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:13 (#12)

"पाप," - "मेरे लिये मृत्यु का उत्पन्न करनेवाला"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो किसी को मार सकता है। पौलुस का मतलब है कि पाप के प्रति उनकी लालसा ने उन्हें परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप वे आत्मिक रूप से मृत हो गए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप ... ने मुझे आत्मिक रूप से मरने के लिए प्रेरित किया"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:13 (#13)

"मृत्यु का उत्पन्न करनेवाला हुआ"

यहाँ पौलुस **मृत्यु** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह कोई वस्तु हो जो किसी व्यक्ति के अंदर हो सकती है। उनका मतलब है कि वे आत्मिक रूप से मृत थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे आत्मिक रूप से मार डाला गया"

देखें: रूपक

रोमियों 7:13 (#14)

"और आज्ञा के द्वारा पाप बहुत ही पापमय ठहरे"

यहाँ, **और** एक उद्देश्य वाक्यांश को इंगित करता है। पौलुस **पाप उत्पन्न करने के लिए मृत्यु** का एक और उद्देश्य बता रहे हैं। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "आज्ञा के माध्यम से पाप को अत्यधिक पापी बनाने के निर्देश में"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

रोमियों 7:13 (#15)

"आज्ञा के द्वारा"

यहाँ, **द्वारा** यह संकेत करता है कि **आज्ञा** वह माध्यम है जिसके द्वारा पाप **अत्यधिक पापपूर्ण** बन जाता है। पौलुस का मतलब है कि परमेश्वर के नियम एक मानक प्रदान करते हैं जिसके द्वारा लोग समझ सकते हैं कि पाप कितना अत्यधिक पापपूर्ण है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आज्ञा के माध्यम से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:13 (#16)

"पाप बहुत ही पापमय ठहरे"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो जो और अधिक **पापी** बन सकता है। उनका मतलब है कि परमेश्वर की व्यवस्था एक मानक प्रदान करता है जिसके द्वारा लोग समझ सकते हैं कि पाप कितना अत्यधिक पापी है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप को अत्यधिक पापी के रूप में पहचाना जा सकता है"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:13 (#17)

"बहुत ही"

यहाँ, **बहुत ही** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है "बहुत अधिक" या "अत्यधिक।" यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अपनी भाषा से एक समान मुहावरा उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यधिक स्तर तक"

देखें: मुहावरा

रोमियों 7:14 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि यह पद पिछले कथन के सत्य होने का कारण है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "ये बातें जो मैंने अभी कही हैं, वे सत्य हैं क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 7:14 (#2)

"व्यवस्था तो आत्मिक है"

यहाँ, **आत्मिक** का अर्थ है कि **व्यवस्था** का स्रोत परमेश्वर की आत्मा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था परमेश्वर की आत्मा से आती है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:14 (#3)

"मैं शारीरिक हूँ"

पौलुस **मैं** शब्द का उपयोग स्वयं और **व्यवस्था** के बीच के अंतर को उजागर करने के लिए करते हैं। इस जोर को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वास्तव में शारीरिक हूँ"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 7:14 (#4)

"शारीरिक"

यहाँ, **शारीरिक** पापी मनुष्य की प्रकृति की कमजोरी को संदर्भित करता है, जो परमेश्वर की सहायता के बिना पाप करना बंद करने में असमर्थ है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक रूप से कमजोर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:14 (#5)

"पाप के हाथ बिका हुआ"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आप को दासत्व में बेच दिया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 7:14 (#6)

"पाप के हाथ बिका हुआ"

यहाँ पौलुस अपने बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे वह एक दास हों। यहाँ, **पाप के हाथ बिका हुआ** का अर्थ हो सकता है: (1)

किसी के पापी मनुष्य स्वभाव से प्रभावित होना। इस स्थिति में पौलुस अपनी स्थिति के बारे में मसीही बनने के बाद भी बात कर रहे होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे पापी स्वभाव के प्रभाव में होना” (2) किसी की लालसा द्वारा पाप करने के लिए नियंत्रित होना। इस स्थिति में पौलुस अपनी स्थिति के बारे में मसीही बनने से पहले बात कर रहे होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “पाप करने की मेरी इच्छा से नियंत्रित होना”

देखें: रूपक

रोमियों 7:14 (#7)

"पाप के हाथ"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का समान उपयोग 3:9 में कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 7:15 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह संकेत करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह पहले क्या आया था, उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह इंगित करता है कि यह पद पिछले कथन के सत्य होने का कारण है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो मैंने कहा है वह सत्य है क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 7:15 (#2)

"और जो मैं करता हूँ उसको नहीं जानता"

वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे यह नहीं पता कि मैं जो कार्य करता हूँ, वह क्यों करता हूँ"

रोमियों 7:15 (#3)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दिखाता है कि इसके बाद आने वाला भाग पहले के भाग की व्याख्या करता है। यहाँ, यह पिछले वाक्य में "जो मैं उत्पन्न करता हूँ" की व्याख्या प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 7:15 (#4)

""

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं नहीं करना चाहता ... जिससे मुझे घृणा है"

देखें: पदलोप

रोमियों 7:15 (#5)

""

वाक्यांश **मैं करता हूँ** अतिशयोक्ति हैं, जिनका पौलुस इस बात पर जोर देने के लिए उपयोग करते हैं कि वे अक्सर वह करते हैं जो वे नहीं करना चाहते। इसका मतलब यह नहीं है कि पौलुस हमेशा ये चीजें करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैं नहीं चाहता, वह मैं अक्सर अभ्यास करता हूँ ... जो मैं नफरत करता हूँ, वह मैं अक्सर करता हूँ"

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियों 7:16 (#1)

"और यदि, जो मैं नहीं चाहता"

पौलुस ऐसा बोल रहे हैं जैसे यह एक काल्पनिक संभावना हो, लेकिन उनका मतलब है कि यह वास्तव में सच है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्यूंकि जो मैं नहीं चाहता"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 7:16 (#2)

"जो मैं नहीं चाहता वही करता हूँ"

देखें कि आपने पिछले पद में इस वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया था।

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियों 7:16 (#3)

"तो मैं मान लेता हूँ कि व्यवस्था भली है"

यहाँ पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं व्यवस्था से सहमत हूँ और इस प्रकार स्वीकार करता हूँ कि यह अच्छा है"

देखें: पदलोप

रोमियों 7:17 (#1)

"वरन्"

वरन् यह संकेत करता है कि यह पद पिछले दो पदों में पौलुस द्वारा कही गई बातों का तार्किक निष्कर्ष है। अपनी भाषा में निष्कर्ष प्रस्तुत करने का एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "तो यह है"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 7:17 (#2)

"तो ऐसी दशा में उसका करनेवाला मैं नहीं"

पौलुस **मैं** शब्द का उपयोग करते हैं ताकि अपने और **पाप** के बीच के अंतर को उजागर कर सकें, जो उन्हें वह करने के लिए मजबूर करता है जो वे नहीं करना चाहते। इस जोर को दिखाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब यह मैं नहीं हूँ जो उत्पन्न करता है"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 7:17 (#3)

"उसका"

यहाँ सर्वनाम **उसका** उन पापी कार्यों को संदर्भित करता है जिन्हें वे करना नहीं चाहते, जैसा कि पिछले दो पदों में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे पापपूर्ण कार्य जिन्हें मैं करना नहीं चाहता"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 7:17 (#4)

"वरन् पाप है जो मुझ में बसा हुआ है"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो जो किसी के अंदर रह सकता है। पौलुस का मतलब है कि उनकी **पाप** करने की लालसा उन्हें वह करने के लिए मजबूर करती है जो वे नहीं करना चाहते। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी पाप करने की लालसा मुझे गहराई से प्रभावित करती है"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:18 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह संकेत करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह उससे पहले की बात की व्याख्या करता है। यहाँ, यह पौलुस ने पिछले वाक्य में जो कहा, उसकी व्याख्या प्रस्तुत करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 7:18 (#2)

"क्योंकि मैं जानता हूँ, कि मुझ में अर्थात् मेरे शरीर में कोई अच्छी वस्तु वास नहीं करती"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के निर्देश बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे पता है कि मेरे भीतर, अर्थात् मेरे शरीर में, कुछ भी अच्छा नहीं रहता"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 7:18 (#3)

"कि मुझ में अर्थात् मेरे शरीर में कोई अच्छी वस्तु वास नहीं करती"

यहाँ पौलुस **अच्छी वस्तु** की बात करते हैं जैसे कि यह कोई व्यक्ति हो जो किसी के अंदर **वास** कर सकती है। उनका मतलब है कि उनकी पापी प्रकृति बिल्कुल भी **अच्छी** नहीं है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे बारे में कुछ भी अच्छा नहीं है ... मेरे शरीर के बारे में"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:18 (#4)

"मेरे शरीर"

यहाँ पौलुस अपने पापी स्वभाव का उल्लेख करने के लिए **शरीर** का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरा पापी स्वभाव”

देखें: रूपक

रोमियों 7:18 (#5)

"अच्छी" - "भले"

यदि आपकी भाषा में **भले** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी अच्छी चीज़ ... जो उत्तम है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:18 (#6)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह उससे संबंधित है जो पहले आया था। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि अगला वाक्य पिछले कथन के सही होने का कारण है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैंने अभी कहाँ है, वह सही है क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 7:18 (#7)

"इच्छा तो मुझ में है"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अच्छा करने की इच्छा मुझमें विद्यमान है"

देखें: पदलोप

रोमियों 7:18 (#8)

"इच्छा तो मुझ में है"

यहाँ पौलुस **इच्छा** की बात करते हैं जैसे यह कोई चीज हो जो किसी व्यक्ति के अंदर हो सकती है। पौलुस का मतलब है कि वे वास्तव में कुछ अच्छा करना चाहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वास्तव में चाहता हूँ" या "मैं गहराई से लालसा करता हूँ"

देखें: रूपक

रोमियों 7:18 (#9)

""

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अच्छाई उत्पन्न करने की क्षमता मुझमें नहीं है" या "मैं अच्छाई उत्पन्न करने में सक्षम नहीं हूँ"

देखें: पदलोप

रोमियों 7:19 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले कहे गए का स्पष्टीकरण देता है। यहाँ, यह पिछले पद के अंतिम वाक्य में पौलुस ने जो कहा, उसका स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वास्तव में,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 7:19 (#2)

"अच्छे" - "बुराई"

यदि आपकी भाषा में **अच्छाई** और **बुराई** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अच्छे कर्म ... बुरे कर्म”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:19 (#3)

"जिस अच्छे काम की मैं इच्छा करता हूँ" - "जिस बुराई की इच्छा नहीं करता"

पौलुस कई भाषाओं में इन वाक्यांशों को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अच्छा जो मैं करना चाहता हूँ ... बुरा जो मैं नहीं करना चाहता हूँ"

देखें: पदलोप

रोमियों 7:20 (#1)

"परन्तु यदि मैं वही करता हूँ जिसकी इच्छा नहीं करता"

देखें कि आपने इस खंड का अनुवाद 7:16 में किस प्रकार किया है।

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 7:20 (#2)

"तो उसका करनेवाला मैं न रहा, परन्तु पाप जो मुझ में बसा हुआ है"

देखें कि आपने इन पदों का अनुवाद 7:17 में कैसे किया।

रोमियों 7:21 (#1)

"तो मैं यह... पाता हूँ"

यहाँ पौलुस एक **व्यवस्था** के बारे में बात करते हैं जैसे कि यह एक वस्तु हो जिसे वे **खोज** सकते हैं। पौलुस का मतलब है कि वे उस **व्यवस्था** के बारे में जागरूक हो गए हैं जो पद के विश्राम में वर्णित है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इस बात से अवगत हो गया हूँ कि वहां था"

देखें: रूपक

रोमियों 7:21 (#2)

"तो"

यहाँ, **तो** एक परिणाम वाक्यांश प्रस्तुत करता है। 7:21–25 में उस तार्किक निष्कर्ष का वर्णन है जो पौलुस ने 7:14–20 में कहा है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 7:21 (#3)

"यह व्यवस्था"

यहाँ, **व्यवस्था** एक नियम या सिद्धांत को संदर्भित करता है। यह उन व्यवस्थाओं को संदर्भित नहीं करता जो परमेश्वर ने यहूदियों को दी थीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह नियम" या "व्यवस्था का एक अलग प्रकार"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:21 (#4)

"मैं यह व्यवस्था पाता हूँ कि जब भलाई करने की इच्छा करता हूँ, तो बुराई मेरे पास आती है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन खंडों के निर्देश को उलट सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि बुराई मुझमें मौजूद है, मुझमें, जो अच्छाई करना चाहता है"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 7:21 (#5)

"मेरे पास," - "बुराई मेरे पास आती है"

यहाँ पौलुस **बुराई** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह कोई वस्तु हो जो किसी व्यक्ति के अंदर हो सकती है। पौलुस का मतलब है कि वह दुष्ट कार्य करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे अंदर ... मैं दुष्ट कार्य करता हूँ"

देखें: रूपक

रोमियों 7:21 (#6)

"भलाई करने की इच्छा करता हूँ"

यहाँ, **भलाई करने की इच्छा के** बारे में अधिक जानकारी दे रहा है, जो पौलुस को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के बीच संबंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अच्छा करने की इच्छा रखते हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 7:21 (#7)

"भलाई," - "बुराई"

देखें कि आपने **भलाई** और **बुराई** का 7:19 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:22 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात की व्याख्या करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि इस पद में जो आता है, वह पिछले पद के सत्य होने का कारण है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैंने कहा है, वह सत्य है क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 7:22 (#2)

"मैं... परमेश्वर की व्यवस्था से बहुत प्रसन्न रहता हूँ"

यहाँ पौलुस **परमेश्वर की व्यवस्था** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह एक स्थान हो जहाँ कोई व्यक्ति **प्रसन्न** हो सकता है। उनका मतलब है कि परमेश्वर के नियम उन्हें **प्रसन्न** करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं परमेश्वर की व्यवस्थाओं के कारण आनंदित होता हूँ"

देखें: रूपक

रोमियों 7:22 (#3)

"परमेश्वर की व्यवस्था से"

यहाँ, **परमेश्वर की व्यवस्था** उन नियमों को संदर्भित करता है जो **परमेश्वर** ने यहूदियों को दिए थे, और यही आमतौर पर पौलुस का आशय होता है जब वह **व्यवस्था** कहते हैं। देखें कि आपने 2:12 में इसी प्रकार की अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:22 (#4)

"भीतरी मनुष्यत्व"

यहाँ, **भीतरी मनुष्यत्व** एक व्यक्ति के मन को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आंतरिक अस्तित्व" या "मन"

देखें: रूपक

रोमियों 7:23 (#1)

"मुझे... दिखाई पड़ती है"

यहाँ पौलुस **दिखाई** का उपयोग कुछ देखने या महसूस करने के संदर्भ में करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अनुभव करता हूँ"

देखें: रूपक

रोमियों 7:23 (#2)

"दूसरे प्रकार की व्यवस्था"

यहाँ, **दूसरे प्रकार की व्यवस्था** एक नियम या सिद्धांत को संदर्भित करता है। यह उन कानूनों को संदर्भित नहीं करता जो परमेश्वर ने यहूदियों को दिए थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह नियम" या "व्यवस्था का एक अलग प्रकार"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:23 (#3)

"जो मेरी... लड़ती है... जो मेरे अंगों में है"

यहाँ पौलुस **दूसरे प्रकार की व्यवस्था** की बात करते हैं, जैसे कि यह कोई व्यक्ति हो जो किसी के शरीर के अंगों के भीतर संघर्ष कर सकता हो। उनका मतलब है कि उनकी पापपूर्ण इच्छाएं उन्हें उनके शरीर का उपयोग पापपूर्ण कार्य करने के लिए करवा रही थीं, जो वे नहीं करना चाहते थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरल रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे मेरे अंगों का उपयोग करके पाप करने के लिए प्रेरित कर रहे थे"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:23 (#4)

"अंगों" - "अंगों"

देखें कि आपने **अंगों** का 6:13 में कैसे अनुवाद किया है।

रोमियों 7:23 (#5)

"मेरी बुद्धि की व्यवस्था"

यहाँ, **मेरी बुद्धि की व्यवस्था** निम्नलिखित का संदर्भ दे सकता है: (1) एक सिद्धांत जो पौलुस सोचते हैं, जो परमेश्वर के नियमों के लिए प्रसन्नता है, जिसे उन्होंने पिछले पद में कहा था कि यह उनके "अंदर" है। वैकल्पिक अनुवाद: "सिद्धांत जो मैंने सोचा है" या "मेरे मन में सिद्धांत" (2) वे नियम जो परमेश्वर ने यहूदियों को दिए, जिन्हें पौलुस कहते हैं कि वह अपने मन से सेवा करते हैं 7:25 में। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का नियम जो मेरे मन में है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 7:23 (#6)

"मुझे पाप की व्यवस्था के बन्धन में डालती है"

यहाँ पौलुस **दूसरे प्रकार की व्यवस्था** की बात करते हैं जैसे कि यह कोई व्यक्ति हो जो किसी को **बन्धन** बना सकता है। उनका मतलब है कि उनकी पापपूर्ण इच्छाएं उनकी इच्छा के विरुद्ध उन्हें नियंत्रित करती थीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे नियंत्रित कर रहा है"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:23 (#7)

"पाप की व्यवस्था"

यहाँ **पाप की व्यवस्था** निम्नलिखित का संदर्भ दे सकता है: (1) वह सिद्धांत कि लोगों की एक पापी प्रकृति होती है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यवस्था जो मेरी पापी प्रकृति है" (2) वे व्यवस्था जो परमेश्वर ने यहूदियों को दी, जिन्हें पौलुस ने पहले 7:5 में कहाँ था कि वे लोगों को अधिक पाप करने के लिए प्रेरित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की व्यवस्था जो पाप को प्रेरित करती है"

देखें: रूपक

रोमियों 7:23 (#8)

"जो मेरे अंगों में है"

यहाँ पौलुस **पाप की व्यवस्था** की बात करते हैं जैसे कि यह कुछ ऐसा हो जो किसी के अंदर हो सकता है। उनका मतलब है कि उनके पास एक पापी स्वभाव है जो उनके शरीर के अंगों द्वारा किए गए कार्यों को प्रभावित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मेरे अंगों द्वारा किए गए कार्यों को प्रभावित करता है"

देखें: रूपक

रोमियों 7:24 (#1)

"मैं कैसा अभागा मनुष्य हूँ"

यह वाक्य एक विस्मयादिबोधक है जो गहरी निराशा को व्यक्त करता है। इसे व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक विस्मयादिबोधक का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "ओह, मैं कितना बेनसी हूँ!"

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 7:24 (#2)

"मुझे इस मृत्यु की देह से कौन छुड़ाएगा"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग अपनी निराशा व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों को एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से कोई भी मुझे इस मृत्यु के शरीर से नहीं बचाएगा!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 7:24 (#3)

"इस मृत्यु की देह से"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं यह बताने के लिए कि **देह** का संबंध **इस मृत्यु** से कैसे है। यह वाक्यांश निम्नलिखित को संदर्भित कर सकता है: (1) **देह** जो **इस मृत्यु** का परिणाम है। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर जो इस मृत्यु का कारण बनता है" (2) **देह** जो **इस मृत्यु** द्वारा विशेषीकृत है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह नश्वर शरीर"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 7:24 (#4)

"इस मृत्यु की"

यहाँ, **यह मृत्यु** निम्नलिखित का उल्लेख कर सकती है: (1) भौतिक मृत्यु। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मरते हैं" (2) आत्मिक मृत्यु। वैकल्पिक अनुवाद: "इस आत्मिक मृत्यु का"

देखें: रूपक

रोमियों 7:25 (#1)

"हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद हो"

यह वाक्य एक विस्मयादिबोधक है जो आनंद को व्यक्त करता है। यह उस अलंकारिक प्रश्न का उत्तर है जो पौलुस ने पिछले पद में पूछा था। अपनी भाषा में आनंद व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक विस्मयादिबोधक का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "ओ, मैं यीशु मसीह हमारे प्रभु के माध्यम से परमेश्वर का कितना आभारी हूँ!"

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 7:25 (#2)

"हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर का धन्यवाद हो"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का धन्यवाद हो, जिन्होंने यह यीशु मसीह हमारे प्रभु के माध्यम से किया"

देखें: पदलोप

रोमियों 7:25 (#3)

"इसलिए"

इसलिए यह संकेत करता है कि इस वाक्यांश के बाद जो आता है, वह इससे पहले की बातों को स्पष्ट करता है। **इसलिए** यह संकेत करता है कि इस पद में जो आता है, वह पहले के विचारों का सारांश है। यहाँ पौलुस ने इसे 7:14–24 के विचारों के संदर्भ में उपयोग किया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक स्पष्ट अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 5:18 में कैसे किया।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 7:25 (#4)

"मैं आप"

पौलुस वाक्यांश **मैं आप** का उपयोग अपने और उस पाप के बीच के अंतर को स्पष्ट करने के लिए करते हैं, जो उन्हें वह करने के लिए बाध्य करता है जो वे नहीं करना चाहते। इस अंतर को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में मैं ही हूँ जो"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 7:25 (#5)

"बुद्धि से तो परमेश्वर की व्यवस्था का, परन्तु शरीर से पाप की व्यवस्था की सेवा करता हूँ"

यहाँ पौलुस **परमेश्वर की व्यवस्था** और **पाप की व्यवस्था** की बात करते हैं जैसे वे लोग हों जिनकी वह **सेवा** कर सकते हैं। उनका मतलब है कि वे **परमेश्वर की व्यवस्था** का पालन करना चाहते हैं, लेकिन अक्सर अपनी लालसा के कारण पाप का पालन करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मन से मैं परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करता हूँ, लेकिन शरीर से पाप की व्यवस्था का पालन करता हूँ"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 7:25 (#6)

"से" - "मन के"

देखें कि आपने **मन** का 1:28 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 7:25 (#7)

"परमेश्वर की व्यवस्था"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 7:22 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 7:25 (#8)

"परन्तु शरीर से पाप की व्यवस्था"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्यांश से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन शरीर के साथ, मैं पाप के नियम की सेवा करता हूँ"

देखें: पदलोप

रोमियों 7:25 (#9)

"शरीर से"

यहाँ पौलुस अपने पापी स्वभाव का उल्लेख करने के लिए **शरीर** शब्द का उपयोग करते हैं। देखें कि आपने 7:18 में इसी वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

रोमियों 7:25 (#10)

"पाप की व्यवस्था"

देखें कि आपने 7:23 में उसी वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

रोमियों 8:1 (#1)

"इसलिए अब जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दण्ड की आज्ञा नहीं।"

यहाँ, **इसलिए अब** पत्री में एक नए खण्ड की शुरुआत को चिह्नित करता है। यह एक परिणाम खण्ड भी प्रस्तुत करता है जिसकी चर्चा पौलुस ने अध्याय 5–7 में चर्चा की थी। अपनी भाषा में परिणाम को इंगित करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "चूँकि यह सभी बातें सत्य हैं, कोई भी दण्ड की आज्ञा नहीं है" या "जो कुछ भी मैंने आपको निर्दोष बताया है, उसके सत्य होने के परिणामस्वरूप, कोई भी दण्ड की आज्ञा नहीं है"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

Romans 8:1 (#2)

"दण्ड की आज्ञा"

देखें कि आपने **दण्ड की आज्ञा** का 5:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

Romans 8:1 (#3)

"मसीह यीशु में हैं"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 3:24 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 8:2 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह उससे संबंधित है जो पहले आया था। **क्योंकि** यहाँ यह स्पष्ट करता है कि यह पद यह कारण बताता है कि पौलुस ने पिछले पद में जो कहा वह सत्य क्यों है। आपकी भाषा में कारण दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 8:2 (#2)

"जीवन की आत्मा की व्यवस्था"

पौलुस **व्यवस्था** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **जीवन की आत्मा** द्वारा विशेषीकृत है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह व्यवस्था जो जीवन की आत्मा द्वारा विशेषीकृत है”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:2 (#3)

"व्यवस्था"

यहाँ, **व्यवस्था** एक नियम या सिद्धांत को संदर्भित करता है। यह उन नियमों को संदर्भित नहीं करता जो परमेश्वर ने यहूदियों को दिए थे। देखें कि आपने **व्यवस्था** के समान उपयोग का 7:21 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:2 (#4)

"जीवन की आत्मा"

पौलुस आत्मा का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **जीवन** उत्पन्न करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह आत्मा जो जीवन उत्पन्न करता है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:2 (#5)

"आत्मा का"

यहाँ, **आत्मा** पवित्र **आत्मा** को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा का"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतनिर्हित जानकारी

रोमियों 8:2 (#6)

"जीवन की" - "पाप की" - "मृत्यु की"

देखें कि आपने **जीवन** का 2:7 में, **पाप** का 5:20 में, और **मृत्यु** का 5:17 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:2 (#7)

"जीवन की"

यहाँ, **जीवन** अनन्त **जीवन** का संदर्भ देता है। देखें कि आपने 5:18 में **जीवन** के इस उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:2 (#8)

"मसीह यीशु में मुझे"-"स्वतंत्र कर दिया"

वाक्यांश **मसीह यीशु में** निम्नलिखित का संदर्भ दे सकता है: (1) वह माध्यम जिसके द्वारा **आत्मा** किसी व्यक्ति को **स्वतंत्र** करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवन ने आपको मसीह यीशु में मुक्त किया" (2) **जीवन** की एक विशेषता। वैकल्पिक अनुवाद: "उस जीवन का जो मसीह यीशु में है,आपको मुक्त किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:2 (#9)

"मसीह यीशु में"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले पद में और 3:24 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 8:2 (#10)

"पाप की, और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र कर दिया"

यहाँ पौलुस **पाप और मृत्यु की व्यवस्था** की बात करते हैं जैसे कि यह कोई वस्तु या व्यक्ति हो जिससे कोई **स्वतंत्र हो सकता है**। पौलुस का मतलब है कि वह नियम जो पाप और मृत्यु का परिणाम था, उन पर लागू नहीं होता जो **मसीह यीशु** के साथ जुड़े हुए हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप और मृत्यु की व्यवस्था अब से तुम पर हावी नहीं होगी"

देखें: रूपक

रोमियों 8:2 (#11)

"पाप की, और मृत्यु की व्यवस्था"

यह संदर्भित कर सकता है: (1) यह सिद्धांत कि लोगों में पापपूर्ण स्वभाव होता है जिसका परिणाम मृत्यु होता है, जैसा कि 7:23–25 में उल्लेख किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह सिद्धांत जो हमारी पापी प्रकृति है जो मृत्यु की ओर ले जाती है" (2) वे व्यवस्था जो परमेश्वर ने यहूदियों को दिए, जिन्हें पौलुस ने पहले 7:5 में कहाँ था कि वे लोगों को और अधिक पाप करने के लिए उत्तेजित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के व्यवस्था जो पाप और मृत्यु को उत्तेजित करते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 8:2 (#12)

"मृत्यु"

यहाँ, **मृत्यु** आत्मिक **मृत्यु** को संदर्भित करती है, जो शारीरिक मृत्यु के बाद नरक में अनन्त दण्ड है। देखें कि आपने 6:16 में **मृत्यु** के उसी उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:3 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह संकेत करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह उससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, यह इस पद और अगले पद में जो आता है, उसे पौलुस द्वारा पिछले पद में कही गई बात के स्पष्टीकरण के रूप में प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 8:3 (#2)

"जो काम व्यवस्था शरीर के कारण दुर्बल होकर न कर सकी, उसको परमेश्वर ने किया"

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक हो तो आप इन वाक्यांशों का क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने वह काम किया जो व्यवस्था नहीं कर सकी, क्योंकि वह शरीर के कारण दुर्बल थी।"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 8:3 (#3)

"व्यवस्था"

यहाँ, **व्यवस्था** उन विधियों को संदर्भित करता है जो परमेश्वर ने यहूदियों को प्रदान की थीं, जब पौलुस **व्यवस्था** कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर यही होता है। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:12 में कैसे किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:3 (#4)

"व्यवस्था शरीर के कारण दुर्बल होकर न कर सकी, उसको परमेश्वर ने किया"

पौलुस का तात्पर्य यह है कि **व्यवस्था** लोगों को धर्मी बनाने में **दुर्बल** थी, जो इस पुस्तक का मुख्य विषय है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था लोगों को धार्मिक बनाने में असमर्थ था ... लेकिन परमेश्वर ने ऐसा किया।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:3 (#5)

"जो काम व्यवस्था शरीर के कारण दुर्बल होकर न कर सकी"

यहाँ पौलुस **व्यवस्था** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो **कुछ करने में दुर्बल** और **कमजोर** था। पौलुस का मतलब है कि परमेश्वर ने यहूदियों को जो व्यवस्थाएं दी थीं, वे लोगों को धार्मिक नहीं बना सकती थीं, क्योंकि लोग स्वाभाविक रूप से पापी होते हैं और उन व्यवस्थाओं का पालन करने में असमर्थ होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था लोगों को पाप करने से नहीं रोक सकती थी, क्योंकि पापी मनुष्य की प्रकृति ने लोगों को इसका पालन करने से रोका।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 8:3 (#6)

"के कारण दुर्बल होकर"

यह वाक्यांश इस बात का कारण है कि **व्यवस्था वह करने में दुर्बल था** जो उसे करना चाहिए था। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि यह कमजोर था"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 8:3 (#7)

"शरीर के कारण"

यह वाक्य बताता है कि **व्यवस्था दुर्बल क्यों था।** अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "शारीरिक स्वभाव के कारण"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 8:3 (#8)

"शरीर के कारण"

यहाँ पौलुस **शरीर** का उपयोग रूपक रूप में पापी मनुष्य की प्रकृति को संदर्भित करने के लिए करते हैं। देखें कि आपने 7:18 में **शरीर** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 8:3 (#9)

"अपने ही पुत्र को पापमय शरीर की समानता में, और पाप के बलिदान होने के लिये भेजकर"

यह खण्ड दर्शाता है कि परमेश्वर ने **पाप की निंदा** कैसे की। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:3 (#10)

"अपने ही पुत्र को...भेजकर"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने पुत्र को पृथ्वी पर भेजकर" या "अपने पुत्र को मानवजाति के पास भेजकर"

देखें: पदलोप

रोमियों 8:3 (#11)

"पुत्र"

पुत्र यीशु के लिए एक महत्वपूर्ण शीर्षक है, जो परमेश्वर के **पुत्र** हैं।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

रोमियों 8:3 (#12)

"पापमय शरीर की समानता में"

पौलुस **पापमय शरीर** की विशेषता वाली **समानता** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का प्रयोग कर रहे हैं। उनका मतलब यह है कि यीशु का मानव **शरीर** वैसा ही था जैसा पापी लोगों का होता है, हालाँकि यीशु ने कभी पाप नहीं किया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पापी मनुष्यों के समान शरीर में"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:3 (#13)

"पापमय शरीर की समानता में"

यदि आपकी भाषा में **समानता** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पापी शरीर जैसे शरीर में"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:3 (#14)

"पापमय शरीर की" - "शरीर"

यहाँ पौलुस **शरीर** का उपयोग रूपक रूप में "संपूर्ण शरीर" के अर्थ में करते हैं, जो माँस से बना होता है। देखें कि आपने 2:28 में **देह** के इस उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: उपलक्षण

रोमियों 8:3 (#15)

पाप के... लिये"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) यीशु को पाप का अंत करने के लिए भेजा गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप को समाप्त करने के उद्देश्य से" (2) यीशु पाप के लिए एक बलिदान थे। वैकल्पिक अनुवाद: "पाप के लिए एक बलिदान के रूप में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:3 (#16)

"पाप पर दण्ड की आज्ञा दी"

यहाँ पौलुस **पाप** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह एक दोषी व्यक्ति हो जिसे एक न्यायी दोषी ठहरा सकता है। पौलुस का मतलब है कि परमेश्वर ने लोगों पर नियंत्रण रखने वाली पाप की शक्ति को हटा दिया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने पाप की शक्ति को रद्द कर दिया" या "उन्होंने पाप के लोगों को नियंत्रित करने के तरीके को नष्ट कर दिया"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 8:3 (#17)

"शरीर में"

यहाँ, **शरीर** का तात्पर्य विशेष रूप से यीशु के शरीर से है, जो क्रूस पर मरे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप

इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने पुत्र के शरीर में क्रूस पर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:4 (#1)

"इसलिए"

यहाँ, **इसलिए** से संकेत मिलता है कि आगे जो कुछ कहा गया है वह उद्देश्य है जिसके लिए परमेश्वर ने यीशु के "शरीर में पाप पर दण्ड की आज्ञा दी।" अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस निर्देश में कि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 8:4 (#2)

"व्यवस्था की विधि हम में जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। क्रिया करने वाला व्यक्ति हो सकता है: (1) हम। वैकल्पिक अनुवाद: "हम व्यवस्था के धार्मिक कार्यों को पूरा कर सकते हैं" (2) परमेश्वर। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर हममें व्यवस्था के धार्मिक कार्यों को पूरा कर सकता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:4 (#3)

"व्यवस्था की विधि हम में जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं, पूरी की जाए"

यहाँ पौलुस **व्यवस्था की विधि** की बात करते हैं, जैसे कि वे किसी व्यक्ति के भीतर हो सकते हैं। पौलुस का मतलब है कि परमेश्वर मसीहियों को वे **धार्मिक विधि** करने में सक्षम बनाते हैं जो उनकी व्यवस्था की माँग थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था के धार्मिक कर्म हमारे द्वारा किए जा सकते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 8:4 (#4)

"व्यवस्था की विधि"

पौलुस उन **विधि** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जिन्हें परमेश्वर ने **व्यवस्था** में आदेशित किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिक कार्य जो व्यवस्था की मांग करते हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:4 (#5)

"व्यवस्था की"

यहाँ, **व्यवस्था** का तात्पर्य उन नियमों से है जो परमेश्वर ने यहूदियों को दिए थे, जिसका अर्थ आम तौर पर पौलुस तब करता है जब वह **व्यवस्था** कहता है। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 2:12 में कैसे किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:4 (#6)

"हम में जो शरीर के अनुसार नहीं वरन् आत्मा के अनुसार चलते हैं"

यह खंड **हमारे** बारे में अधिक जानकारी प्रदान करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच संबंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम, अर्थात्, वे जो शरीर के अनुसार नहीं, बल्कि आत्मा के अनुसार चलते हैं।"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 8:4 (#7)

"जो शरीर के अनुसार नहीं...चलते"

यहाँ पौलुस **चलते** का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि लोग कैसे व्यवहार करते हैं या अपना जीवन कैसे जीते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो शरीर के अनुसार व्यवहार नहीं कर रहे हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 8:4 (#8)

"शरीर के अनुसार," - "आत्मा के अनुसार"

वैकल्पिक अनुवाद: “शरीर द्वारा निर्धारित ... आत्मा द्वारा निर्धारित” या “शरीर के अनुरूप ... आत्मा के अनुरूप”

रोमियों 8:4 (#9)

"शरीर के अनुसार"

यहाँ पौलुस **शरीर** का उपयोग रूपक के रूप में पापी मनुष्य की प्रकृति को संदर्भित करने के लिए करते हैं। देखें कि आपने पिछले पद में **शरीर** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 8:5 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया था उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि यह पद यह कारण बताता है कि पौलुस ने पिछले पद में जो कहाँ वह क्यों उचित है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह इस तथ्य के कारण है कि”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 8:5 (#2)

"शारीरिक" - "शरीर की"

देखें कि आपने पिछले पद में **शरीर** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 8:5 (#3)

"शरीर की बातों पर मन लगाते हैं"

वाक्यांश **मन लगाते हैं** एक मुहावरा है जो किसी चीज़ के बारे में ध्यान से सोचने या कुछ करने का दृढ़ निश्चय करने का संकेत देता है। यदि यह आपके भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर की चीज़ें करने का इरादा रखते हैं।"

देखें: मुहावरा

रोमियों 8:5 (#4)

"शरीर की बातों"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग **बातों** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो **शरीर** से संबंधित हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर से संबंधित वस्तुएं" या "शारीरिक वस्तुएं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:5 (#5)

"परन्तु आध्यात्मिक आत्मा की बातों"

पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जिनकी कई भाषाओं में एक खंड को पूरा होने के लिए ज़रूरत होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप पिछले वाक्यांश से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लेकिन वे जो आत्मा के अनुसार हैं”

देखें: पदलोप

रोमियों 8:5 (#6)

"आत्मा की बातों पर"

पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जिनकी कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा होने के लिए ज़रूरत होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन शब्दों को पिछले खंड से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद (अल्पविराम को छोड़कर): "आत्मा की बातों पर उनका ध्यान केंद्रित करें"

देखें: पदलोप

रोमियों 8:5 (#7)

"आत्मा की बातों पर"

पौलुस **आत्मा** से संबंधित **बातों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा से संबंधित वस्तुएं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:6 (#1)

(क्योंकि)"शरीर पर मन लगाना तो मृत्यु है"

आप इस पद के आरंभ में **'क्योंकि'** शब्द का प्रयोग कर सकते हैं, जिसका प्रयोग आई.आर.वी में नहीं किया गया है। **क्योंकि** यह दिखाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दिखाता है कि इस पद और अगले पद में जो आता है, वह पौलुस ने पिछले पद में जो कहा उसे स्पष्ट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 8:6 (#2)

"मन लगाना" - "मन लगाना"

यदि आपकी भाषा में **मन लगाना** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सोचने का तरीका ... सोचने की पद्धति"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:6 (#3)

"शरीर पर मन लगाना"

पौलुस **मन लगाना** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **शरीर** पर केंद्रित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मानसिकता जो शरीर पर केंद्रित है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:6 (#4)

"शरीर पर"

देखें कि आपने पिछले दो पदों में **शरीर** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 8:6 (#5)

"तो मृत्यु है"

यहाँ, **है** यह इंगित करता है कि जो आगे आता है वह **शरीर पर मन लगाने** का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत्यु में परिणत होता है"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 8:6 (#6)

"तो मृत्यु है"

यहाँ, **मृत्यु** आत्मिक मृत्यु को संदर्भित करती है, जो शारीरिक मृत्यु के बाद नरक में अनन्त दण्ड है। देखें कि आपने **मृत्यु** के उसी उपयोग का 6:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:6 (#7)

""

पौलुस **मन लगाना** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **आत्मा** पर केंद्रित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मानसिकता जो आत्मा पर केंद्रित है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:6 (#8)

"जीवन और शान्ति है"

यहाँ, **है** यह इंगित करता है कि जो कुछ घटित होता है वह **आत्मा पर मन लगाने** का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवन और शान्ति में परिणत होता है"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 8:6 (#9)

"जीवन और शान्ति"

यदि आपकी भाषा में **जीवन** और **शान्ति** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवित रहना और शान्तिपूर्ण होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:6 (#10)

"जीवन"

यहाँ, **जीवन** अनन्त **जीवन** को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 5:18 में **जीवन** के इस उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:7 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** यह संकेत करता है कि यह पद और अगला पद यह कारण देते हैं कि पौलुस ने 8:5–6 में जो कहा वह सत्य है। कारणों को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस तथ्य के कारण"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 8:7 (#2)

"शरीर पर मन लगाना"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया है।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:7 (#3)

"बैर रखना है"

यदि आपकी भाषा में **बैर** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शत्रुतापूर्ण है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:7 (#4)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दिखाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले कही गई बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह

संकेत करता है कि आगे जो लिखा गया है वह कारण है कि पौलुस ने पिछले खंड में जो कहा वह सत्य है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इस तथ्य के कारण कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 8:7 (#5)

"न तो परमेश्वर की व्यवस्था के अधीन है" - "न हो सकता है"

यहाँ, **यह शरीर पर मन लगाने** का उल्लेख करता है जो पहले पद में बताया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह मानसिकता स्वयं को ... के अधीन नहीं करती है ... यह मानसिकता ऐसा करने में सक्षम नहीं होती है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 8:7 (#6)

"न तो परमेश्वर की व्यवस्था के अधीन है" - "और न हो सकता है।"

यहाँ पौलुस **शरीर पर मन लगाने** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह कोई व्यक्ति हो जो खुद को किसी चीज़ के अधीन कर सकता है। पौलुस का मतलब है कि जो व्यक्ति इस **मानसिकता** के साथ सोचता है, वह परमेश्वर के व्यवस्था के अधीन नहीं हो सकता। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो इस तरह सोचता है वह खुद को अधीन नहीं करता ... क्योंकि वह ऐसा करने में सक्षम नहीं है।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 8:7 (#7)

"क्योंकि न तो परमेश्वर की व्यवस्था के अधीन है"

यहाँ पौलुस **परमेश्वर की व्यवस्था** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे वह एक राजा या स्वामी हों, जिनके समीप कोई व्यक्ति **स्वयं को अधीन** कर सकता है। पौलुस परमेश्वर के व्यवस्था का पालन न करने वाले व्यक्ति का उल्लेख कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह परमेश्वर के व्यवस्था का पालन नहीं करता है"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 8:7 (#8)

"परमेश्वर की व्यवस्था"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 7:22 में किस प्रकार किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:7 (#9)

"क्योंकि"

शब्द **क्योंकि** यह संकेत देता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह उसके पहले आए शब्दों से किस प्रकार संबंधित है। यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि जो बाद में आता है, वह इस बात का कारण है कि पौलुस ने पिछले खंड में जो कहा, वह सत्य है। कारण दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इस तथ्य के कारण कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 8:8 (#1)

"जो शारीरिक दशा में हैं"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 7:5 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 8:9 (#1)

"परन्तु"

परन्तु यहाँ पिछले पद में उल्लिखित "पर मन लगाने" वाले लोगों और उन विश्वासियों के बीच एक मजबूत अंतर दर्शाया गया है, जिन्हें पौलुस यह पत्र लिख रहे हैं। अपनी भाषा में विरोधाभास को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

रोमियों 8:9 (#2)

"परन्तु... तो तुम शारीरिक दशा में नहीं"

पौलुस **तुम** शब्द का उपयोग अपने मसीही पाठकों और उन लोगों के बीच के अंतर को उजागर करने के लिए करते हैं जो **शारीरिक दशा में** रहते हैं। इस जोर को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि, आप वास्तव में नहीं हैं"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 8:9 (#3)

"शारीरिक दशा में"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछली पद में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 8:9 (#4)

"आत्मा तुम में बसता है"

यहाँ पौलुस पवित्र **आत्मा** के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे वह एक स्थान हो जिसमें कोई **बसता हो**। उनका अर्थ हो सकता है: (1) विश्वासियों को पवित्र **आत्मा** द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जैसा कि इस पद में पहले **में** का उपयोग किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा द्वारा नियंत्रित" (2) विश्वासी पवित्र **आत्मा** के साथ एक हो जाते हैं, जैसा कि पौलुस ने 8:1 में **में** का उपयोग करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मा के साथ एक हो जाना"

देखें: रूपक

रोमियों 8:9 (#5)

"परमेश्वर का आत्मा"-"आत्मिक- "मसीह का आत्मा"

ये वाक्यांश सभी पवित्र **आत्मा** का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा ... परमेश्वर का पवित्र आत्मा ... मसीह का पवित्र आत्मा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:9 (#6)

"तुम"

यहाँ, **तुम** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो **मसीह की आत्मा नहीं रखता**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो,

तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह व्यक्ति आत्मा के बिना”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 8:9 (#7)

"तो वह उसका जन नहीं"

पौलुस एक व्यक्ति का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो मसीह का नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह व्यक्ति उनका नहीं है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:10 (#1)

"यदि"

पौलुस ऐसा बोल रहे हैं जैसे यह एक काल्पनिक संभावना हो, लेकिन उनका मतलब है कि यह वास्तव में सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहाँ जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक बयान के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 8:10 (#2)

"मसीह तुम में है"

यहाँ पौलुस **तुम** के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं मानो **तुम** एक स्थान हैं जहाँ मसीह हो सकते हैं। देखें कि आपने पिछले पद में **तुम में** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 8:10 (#3)

"तो देह पाप के कारण मरी हुई है; परन्तु आत्मा धार्मिकता के कारण जीवित है"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भले ही शरीर पाप के कारण मृत है, आत्मा धार्मिकता के कारण जीवन है।"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 8:10 (#4)

"देह पाप के कारण मरी हुई है"

पौलुस सामान्य रूप से विश्वासियों के शरीरों की बात कर रहे हैं, किसी एक विशेष **देह** की नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर मृत हैं"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 8:10 (#5)

"देह पाप के कारण मरी हुई है"

यहाँ पौलुस **देह** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह पहले से ही **मरी हुई है**। पौलुस का मतलब है कि एक मसीही का भौतिक **देह** अभी भी **पाप के कारण** मर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “शरीर निश्चित रूप से पाप के कारण मरेगा”

देखें: रूपक

रोमियों 8:10 (#6)

"परन्तु आत्मा धार्मिकता के कारण जीवित है"

यहाँ, **आत्मा धार्मिकता के कारण जीवित है** का अर्थ हो सकता है: (1) पवित्र आत्मा किसी व्यक्ति को अनन्त **जीवन** प्रदान करते हैं। इस मामले में **आत्मा** पवित्र **आत्मा** को संदर्भित करता है और **जीवन** अनन्त **जीवन** को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन पवित्र आत्मा अनन्त जीवन प्रदान करते हैं" (2) एक विश्वासी की **आत्मा** जीवित है। इस मामले में **आत्मा** व्यक्तिगत विश्वासियों की आत्माओं को संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन आत्मा जीवित है" या "लेकिन आपकी आत्माएं जीवित हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:10 (#7)

"धार्मिकता के कारण"

यदि आपकी भाषा में **धार्मिकता** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपकी धार्मिक स्थिति के कारण"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:11 (#1)

"यदि"

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह एक काल्पनिक संभावना हो, लेकिन उनका मतलब है कि यह वास्तव में सच है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 8:11 (#2)

"उसी का आत्मा"-"अपने आत्मा"

ये वाक्यांश पवित्र **आत्मा** का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा ... उनकी पवित्र आत्मा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:11 (#3)

"जिसने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया" - "जिसने मसीह को मरे हुओं में से जिलाया"

यह वाक्यांश परमेश्वर का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, जिन्होंने यीशु को मृतकों में से उठाया ... परमेश्वर, जिन्होंने मसीह यीशु को मृतकों में से उठाया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:11 (#4)

"जिसने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया" - "जिसने मसीह को मरे हुओं में से जिलाया"

देखें कि आपने 4:24 में एक समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 8:11 (#5)

"वह तुम्हारी मरनहार देहों को भी अपने आत्मा के द्वारा जो तुम में बसा हुआ है जिलाएगा"

पौलुस **जिलाएगा** का उपयोग मसीहियों के मरने के बाद होने वाले पुनरुत्थान का संकेत देने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके मरने के बाद आपके नश्वर शरीरों को भी पुनर्जीवित करेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:11 (#6)

"अपने आत्मा के द्वारा"

यहाँ, **के द्वारा** उस माध्यम को इंगित करता है जिसके द्वारा परमेश्वर **मसीहियों** को **जिलाएगा**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके आत्मा के माध्यम से”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:11 (#7)

"अपने आत्मा के द्वारा जो तुम में बसा हुआ है"

यहाँ, **जो तुम में बसा हुआ है** पवित्र **आत्मा** के बारे में और जानकारी देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच संबंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनकी आत्मा, अर्थात्, वह आत्मा जो आप में निवास करती है”

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 8:12 (#1)

"तो हे भाइयों"

तो हे भाइयों यह संकेत देता है कि इस वाक्यांश के बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। **तो,** यहाँ संकेत देता है कि 8:12–17 में जो है, वह 8:5–11 के विचारों का सारांश है। देखें कि आपने इस वाक्यांश का 5:18 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 8:12 (#2)

"भाइयों"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:13 में किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं।

रोमियों 8:12 (#3)

"हम शरीर के कर्जदार नहीं"

यहाँ पौलुस मसीहियों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे **कर्जदार** हैं। उनका मतलब है कि मसीही आत्मा के अनुसार जीवन जीने के लिए बाध्य हैं, न कि शरीर के अनुसार। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हम पर एक दायित्व है”

देखें: रूपक

रोमियों 8:12 (#4)

"शरीर के कर्जदार नहीं"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप पिछले वाक्य से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम शरीर के ऋणी नहीं हैं।"

देखें: पदलोप

रोमियों 8:12 (#5)

"शरीर के" - "शरीर"

यहाँ पौलुस **शरीर** का उपयोग पापी मनुष्य की प्रकृति को संदर्भित करने के लिए करते हैं। देखें कि आपने इस वाक्यांश के इसी उपयोग का अनुवाद 7:18 में कैसे किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 8:12 (#6)

"शरीर के अनुसार दिन काटें"

यहाँ, **शरीर के अनुसार** जीने की व्याख्या प्रस्तुत की गई है। अपनी भाषा में ऐसा शब्द या वाक्यांश प्रयोग करें जो आगे की व्याख्या या विस्तार प्रस्तुत करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात, शरीर के अनुसार जीवन यापन करना"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 8:12 (#7)

"शरीर के अनुसार दिन काटें"

देखें कि आपने 8:4 में उसी वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 8:13 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात की व्याख्या करता है। यहाँ, यह पिछले पद में पौलुस ने जो कहा, उसकी व्याख्या प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 8:13 (#2)

"तुम शरीर के अनुसार दिन काटोगे"

देखें कि आपने 8:4 में और पिछले पद में समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 8:13 (#3)

"तो मरोगे"

यहाँ, **मरोगे** आत्मिक रूप से मरने को संदर्भित करता है, जिसका अर्थ है शारीरिक मृत्यु का अनुभव करने के बाद नरक में अनन्त दण्ड भोगना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप आत्मिक रूप से मरने वाले हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:13 (#4)

"यदि आत्मा से देह की क्रियाओं को मारोगे"

यहाँ, **देह की क्रियाओं को मारोगे** का अर्थ है "किसी चीज़ को करना पूरी तरह से बंद कर देना।" यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप शरीर की प्रथाओं को करना बंद कर देते हैं।"

देखें: रूपक

रोमियों 8:13 (#5)

"देह की क्रियाओं"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग **क्रियाओं** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो **देह** के साथ की जाती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो शरीर के साथ किया जाता है" या "जो आप शरीर के साथ करते हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:13 (#6)

"देह की क्रियाओं"

यदि आपकी भाषा में **क्रियाओं** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो शरीर के साथ किया जाता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:13 (#7)

"क्रियाओं"

यहाँ, **क्रियाओं** विशेष रूप से पापी **क्रियाओं** को संदर्भित करती हैं जो व्यक्ति अपने **देह** के साथ करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शरीर की पापपूर्ण प्रथाएं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:13 (#8)

"देह की"

पौलुस सामान्य रूप से शरीरों की बात कर रहे हैं, किसी एक विशेष **देह** के बारे में नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपके शरीरों का”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 8:13 (#9)

"तो जीवित रहोगे"

यहाँ, **जीवित** रहने का अर्थ है शारीरिक मृत्यु का अनुभव करने के बाद स्वर्ग में परमेश्वर के साथ अनंतकाल तक रहना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप अनंतकाल तक जीवित रहेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:14 (#1)

"इसलिए"

इसलिए यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। **इसलिए** यहाँ यह दर्शाता है कि यह पद यह कारण बताता है कि पौलुस ने पिछले पद में जो कहा वह सत्य है। आपकी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह इस तथ्य के कारण है कि”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 8:14 (#2)

"जितने" - "वे"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जितने लोग ... वे लोग"

देखें: पदलोप

रोमियों 8:14 (#3)

"जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्हें परमेश्वर की आत्मा द्वारा निर्देशित किया जाता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:14 (#4)

"परमेश्वर के आत्मा के"

देखें कि आपने **परमेश्वर के आत्मा** का 8:9 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:14 (#5)

"परमेश्वर के पुत्र"

यहाँ पौलुस **पुत्र** शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं, जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की संतान"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं

रोमियों 8:14 (#6)

"परमेश्वर के पुत्र"

पौलुस इन लोगों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे **परमेश्वर** उनके शारीरिक पिता हों। उनका मतलब है कि इन लोगों का परमेश्वर के साथ पिता-पुत्र का संबंध है क्योंकि वे यीशु में विश्वास करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के आत्मिक बच्चे"

देखें: रूपक

रोमियों 8:15 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह संकेत देता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, यह पिछले पद में पौलुस ने जो कहा, उसका स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 8:15 (#2)

"कि फिर"

यहाँ, **कि फिर** इंगित करता है कि पौलुस के पाठकों के पास मसीही बनने से पहले **दासत्व की आत्मा** थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरी बार के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:15 (#3)

"आत्मा"

यहाँ, **आत्मा** का अर्थ हो सकता है: (1) किसी व्यक्ति का दृष्टिकोण या भावनात्मक स्थिति। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मानसिक स्थिति" (2) एक दुष्ट आत्मा। वैकल्पिक अनुवाद: "एक दुष्ट आत्मा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:15 (#4)

"दासत्व की आत्मा" - "लेपालकपन की आत्मा"

इन दोनों वाक्यांशों में पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं ताकि किसी चीज़ का वर्णन किया जा सके जो किसी अन्य चीज़ के होने का कारण बनती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप विभिन्न अभिव्यक्तियों का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक आत्मा जो दासत्व का कारण बनती है ... वह आत्मा जो लेपालकपन का कारण बनती है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:15 (#5)

"दासत्व की" - "भयभीत" - "लेपालकपन की"

यदि आपकी भाषा **दासत्व**, **भयभीत**, और **लेपालकपन** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गुलाम होने का ... आपका डर ... उन लोगों का जो दत्तक ग्रहण किए गए हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:15 (#6)

"कि फिर भयभीत हो"

यहाँ, **फिर** इंगित करता है कि **भयभीत** होना दासत्व की **आत्मा** प्राप्त करने का परिणाम होता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "भय में परिणत होना"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंद

रोमियों 8:15 (#7)

"आत्मा"

यहाँ, **आत्मा** का संदर्भ हो सकता है: (1) पवित्र **आत्मा**, जैसा कि **आत्मा** के उपयोग से संकेत मिलता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा" (2) किसी व्यक्ति का रवैया या भावनात्मक स्थिति, जैसा कि इस पद में आत्मा के पिछले प्रयोग में है। वैकल्पिक अनुवाद: "मानसिक स्थिति"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:15 (#8)

"अब्बा, हे पिता"

यहाँ, **पुकारना** इंगित करता है कि जो आगे है वह एक भावनात्मक उद्गार है। इसे व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक उद्गार का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "हे अब्बा! पिता!"

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 8:15 (#9)

"हे अब्बा, हे पिता"

यहाँ पौलुस यहूदी अरामी शब्द **अब्बा** की ध्वनियों को यूनानी अक्षरों में लिखते हैं, जिसका अर्थ है **पिता**। चूंकि पौलुस अगले पद में अर्थ का अनुवाद करते हैं, आपको अपनी भाषा में सबसे समान ध्वनियों का उपयोग करके इस शब्द को लिखना चाहिए।

रोमियों 8:15 (#10)

"हे पिता"

पिता परमेश्वर के लिए एक महत्वपूर्ण शीर्षक है।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

रोमियों 8:16 (#1)

"हमारी आत्मा के साथ"

यहाँ, **आत्मा** किसी व्यक्ति के दृष्टिकोण या भावनात्मक स्थिति को संदर्भित करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मानसिक स्थिति"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:16 (#2)

"परमेश्वर की सन्तान"

यहाँ पौलुस **परमेश्वर की सन्तान** का उपयोग उन लोगों को संदर्भित करने के लिए करते हैं जिनका परमेश्वर के साथ पिता-सन्तान संबंध है क्योंकि वे यीशु में विश्वास करते हैं। यहाँ, **सन्तान** का अर्थ युवा लोगों से नहीं है, बल्कि उस संबंध से है जो लोगों का अपने पिता के साथ होता है। यदि आप **सन्तान** का अनुवाद एक शाब्दिक शब्द का उपयोग करके करते हैं, तो ऐसा शब्द चुनें जो किसी भी उम्र के लोगों को उनके पिता के संबंध में संदर्भित कर सके। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के आत्मिक संतान" या "परमेश्वर के आत्मिक बच्चे"।

देखें: रूपक

रोमियों 8:17 (#1)

"यदि"

पौलुस ऐसा बोल रहे हैं जैसे यह एक काल्पनिक संभावना हो, लेकिन उनका मतलब है कि यह वास्तव में सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 8:17 (#2)

"यदि सन्तान हैं, तो वारिस भी, वरन् परमेश्वर के वारिस"

पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जिनकी कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा होने के लिए ज़रूरत होती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पिछले पद के अंत

से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि हम सन्तान हैं, तो हम उत्तराधिकारी भी हैं: हम परमेश्वर के उत्तराधिकारी हैं और"

देखें: पदलोप

रोमियों 8:17 (#3)

"सन्तान"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 8:17 (#4)

"वारिस भी, वरन् परमेश्वर के वारिस"

पौलुस **वारिस** शब्द का उपयोग मसीहियों के लिए करते हैं, जैसे कि वे किसी परिवार के सदस्य से संपत्ति और धन प्राप्त करेंगे। उनका मतलब है कि वे सब कुछ प्राप्त करेंगे जो परमेश्वर ने मसीहियों को देने का वादा किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग प्राप्त करेंगे वह सब कुछ जो परमेश्वर ने वादा किया है : वे सभी जो परमेश्वर से उन चीजों को प्राप्त करते हैं।"

देखें: रूपक

रोमियों 8:17 (#5)

"मसीह के संगी वारिस हैं"

पौलुस **संगी वारिस** शब्द का उपयोग करते हैं ताकि मसीहियों को इस तरह संदर्भित किया जा सके कि वे, **मसीह** के साथ, किसी परिवार के सदस्य की तरह सम्पत्ति और धन प्राप्त करेंगे। उनका मतलब है कि परमेश्वर मसीहियों को वही देंगे जो वे मसीह को देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम भी वही प्राप्त करेंगे जो परमेश्वर ने मसीह और हमें एक साथ वादा किया है।"

देखें: रूपक

रोमियों 8:17 (#6)

"हम {उसके} साथ दुःख उठाए तो {उसके} साथ महिमा भी पाएँ"

यहाँ सर्वनाम **उसके** मसीह को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम मसीह के साथ मिलकर कष्ट सहते हैं ताकि हम मसीह के साथ मिलकर महिमा भी प्राप्त कर सकें।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 8:17 (#7)

"तो"

पौलुस यहाँ **तो** का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि किस उद्देश्य से मसीही **मसीह के संग** कष्ट सहते हैं। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 8:17 (#8)

"हम {उसके} साथ दुःख उठाए तो उसके साथ महिमा भी पाएँ"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर हमें भी उनके साथ महिमा प्रदान कर सकते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:18 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह उससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, यह दिखाता है कि 8:18–25 में जो आता है, वह पिछले पद में पौलुस ने जो कहा, उसके बारे में और जानकारी प्रदान करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 8:18 (#2)

"मैं समझता हूँ"

यहाँ सर्वनाम **मैं** पौलुस को संदर्भित करता है (देखें: 7:1)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, पौलुस, समझता हूँ।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 8:18 (#3)

"मैं समझता हूँ, कि इस समय के दुःख और क्लेश"-"कुछ भी नहीं हैं"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इस वर्तमान समय की पीड़ाओं की तुलना नहीं कर सकता हूँ"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:18 (#4)

"इस समय के दुःख और क्लेश उस महिमा के सामने"

यदि आपकी भाषा **दुःख** और **महिमा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वर्तमान समय में जो चीजें हमें दुख देती हैं ... वह महिमामयी स्थिति"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:18 (#5)

"जो हम पर प्रगट होनेवाली है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि परमेश्वर प्रकट करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:19 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह संकेत करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह उसके पहले आने वाली बातों से किस प्रकार संबंधित है। यहाँ, यह पद पौलुस ने 8:17 में जो कहा, उसके लिए

अतिरिक्त समर्थन प्रदान करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 8:19 (#2)

"सृष्टि बड़ी आशा भरी दृष्टि से"-"प्रतीक्षा कर रही है"

यहाँ, **बड़ी आशा** एक मुहावरा है जिसका पौलुस उपयोग करते हैं यह दर्शाने के लिए कि **सृष्टि बड़ी आशा भरी दृष्टि से** प्रतीक्षा कर रही है। उनका मतलब यह नहीं है कि **बड़ी आशा** स्वयं प्रतीक्षा कर रही है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सृष्टि बहुत उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही है" या "सृष्टि अत्यधिक उत्सुकता के साथ प्रतीक्षा कर रही है"

देखें: मुहावरा

रोमियों 8:19 (#3)

"सृष्टि बड़ी आशा भरी दृष्टि से"-"प्रतीक्षा कर रही है"

यहाँ पौलुस **सृष्टि** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो कुछ उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह ऐसा है जैसे सृष्टि उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही है।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 8:19 (#4)

"सृष्टि" - "परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने की"

यदि आपकी भाषा **सृष्टि** और **प्रगट होने** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सृजित वस्तुओं का ... परमेश्वर के पुत्रों का प्रकट होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:19 (#5)

"परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में

किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय के लिए जब परमेश्वर अपने पुत्रों को प्रकट करेंगे।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:19 (#6)

"परमेश्वर के पुत्रों के"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 8:14 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 8:20 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह संकेत करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह बताता है कि इससे पहले क्या आया था। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि 8:20–22 में जो आता है, वह कारण है कि पिछले पद में पौलुस ने जो कहा, वह सत्य है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 8:20 (#2)

"व्यर्थता के अधीन"

यदि आपकी भाषा में **व्यर्थता** के विचार के लिए कोई अमूर्त संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यर्थ होने की अवस्था में"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

रोमियों 8:20 (#3)

"सृष्टि"

देखें कि आपने इसे पिछले पद में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:20 (#4)

"सृष्टि अपनी इच्छा से नहीं पर अधीन"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने सृष्टि को अपने अधीन किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:20 (#5)

"सृष्टि अपनी इच्छा से नहीं पर अधीन करनेवाले की ओर से"

यहाँ पौलुस **सृष्टि** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो किसी के **अधीन** हो सकता है और जिसकी अपनी इच्छा हो सकती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह ऐसा है जैसे सृष्टि अपनी इच्छा के विरुद्ध अधीन हो गई हो।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 8:20 (#6)

"अधीन करनेवाले की ओर से"

यह वाक्यांश परमेश्वर को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, जिन्होंने इसे अधीन किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:20 (#7)

"इस आशा से की गई"

यहाँ, **आशा** सृष्टि की **आशा** को संदर्भित करती है, यही कारण है कि सृष्टि पिछले पद में "परमेश्वर के पुत्रों के प्रगट होने की प्रतीक्षा कर रही है"। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आशा देने के आधार पर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:20 (#8)

"आशा"

देखें कि आपने **आशा** का 5:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:21 (#1)

"सृष्टि भी आप ही विनाश के दासत्व से छुटकारा पाकर"- "महिमा की स्वतंत्रता प्राप्त करेगी"

यहाँ पौलुस **सृष्टि** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो किसी के अधीन हो और जिसे **स्वतंत्रता** की आवश्यकता हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वयं सृष्टि अब और क्षय के अधीन नहीं रहेगी, बल्कि महिमा का अनुभव करेगी।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 8:21 (#2)

"सृष्टि भी आप ही"-"छुटकारा पाकर"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर स्वयं सृष्टि को मुक्त करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:21 (#3)

"सृष्टि"

देखें कि आपने पिछले दो पदों में **सृष्टि** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:21 (#4)

"विनाश के दासत्व" - "महिमा की स्वतंत्रता"

यदि आपकी भाषा **दासत्व**, **विनाश**, **स्वतंत्रता**, और **महिमा** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "**विनाश** के अधीन होना... जो महिमामय है उसे अनुभव करने के लिए स्वतंत्र होना"

देखें: अमूर्त संज्ञाएँ

रोमियों 8:21 (#5)

"विनाश के दासत्व"

पौलुस **दासत्व** को **विनाश** के साथ वर्णित करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विनाश के लिए दास बनना"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:21 (#6)

"विनाश के दासत्व"

यहाँ पौलुस **विनाश** के बारे में बात करते हैं जैसे कि यह किसी को गुलाम बना सकता है। उनका मतलब है कि **सृष्टि** निश्चित रूप से **विनाश** होने के लिए नियत थी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विनाश के लिए नियत होना"

देखें: रूपक

रोमियों 8:21 (#7)

"स्वतंत्रता प्राप्त करेगी"

यहाँ पौलुस **स्वतंत्रता** के बारे में बात करते हैं जैसे कि यह एक स्थान हो जहाँ कोई **प्रवेश** कर सकता है। पौलुस का मतलब है कि **सृष्टि** इस **स्वतंत्रता** का अनुभव करेगी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वतंत्रता का अनुभव करना"

देखें: रूपक

रोमियों 8:21 (#8)

"महिमा की स्वतंत्रता"

पौलुस **स्वतंत्रता** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **महिमा** से संबंधित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "महिमा से आने वाली स्वतंत्रता" या "महिमा से संबंधित स्वतंत्रता"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:21 (#9)

"परमेश्वर की सन्तानों की महिमा"

यहाँ पौलुस **परमेश्वर की सन्तानों की महिमा** के स्वामित्व का उपयोग करते हैं ताकि **महिमा** का उल्लेख कर सकें जो परमेश्वर विश्वासियों के साथ साझा करते हैं। यह वही **महिमा** थी जो परमेश्वर ने मनुष्यों के साथ साझा की थी जब उन्होंने उन्हें बनाया था, लेकिन जिसे उन्होंने खो दिया जब पहले मनुष्यों ने पाप किया, जैसा कि 3:23 में उल्लेख किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "महिमा जो परमेश्वर अपने सन्तानों को देते हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:21 (#10)

"परमेश्वर की सन्तानों की"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 8:16 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 8:22 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दिखाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, यह दर्शाता है कि इस पद में जो आता है, वह पिछले दो पदों में **सृष्टि** की दुखद स्थिति के बारे में पौलुस ने जो कहा, उसका और समर्थन करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 8:22 (#2)

"सारी सृष्टि अब तक मिलकर कराहती और पीड़ाओं में पड़ी तड़पती है"

यहाँ पौलुस **सृष्टि** की बात करते हैं जैसे वह एक महिला हो जो **कराहती और पीड़ाओं में पड़ी** होती है जब वह बच्चे को जन्म देती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सारी सृष्टि एक महिला की तरह है जो बच्चे को जन्म देते समय दर्द में कराहती और पीड़ा में होती है" या "सारी सृष्टि एक साथ बहुत अधिक पीड़ित हो रही है"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 8:23 (#1)

"जिनके पास आत्मा का पहला फल है"

यह खंड संदर्भित कर सकता है: (1) पौलुस और उनके मसीही पाठक। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जिनके पास आत्मा के प्रथम फल हैं" (2) वह कारण जिसके कारण मसीही **कराहते हैं**। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि हमारे पास आत्मा के प्रथम फल हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:23 (#2)

"आत्मा का पहला फल है"

पौलुस **पहला फल** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं, जो **आत्मा** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पहले फल, अर्थात्, आत्मा"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:23 (#3)

"पहला फल"

यहाँ पौलुस **पहला फल** का उपयोग पवित्र **आत्मा** को संदर्भित करने के लिए करते हैं, जैसे कि वे फसल के मौसम के दौरान काटी गई पहली फसल हों। पौलुस का मतलब है कि पवित्र **आत्मा** उन आशीषों का पहला हिस्सा हैं जो परमेश्वर मसीहियों को देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरल रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पहला उपहार"

देखें: रूपक

रोमियों 8:23 (#4)

"हम"

पौलुस यहाँ **हम** शब्द का उपयोग करते हैं ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि मसीही भी सृष्टि के कष्टों में सहभागी होते हैं। इस बात को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में एक

स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे अपने ही”

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 8:23 (#5)

"अपने में कराहते हैं"

यहाँ पौलुस **कराहते** शब्द का उपयोग उस भावनात्मक पीड़ा को संदर्भित करने के लिए करते हैं जो मसीही स्वर्ग में परमेश्वर के साथ होने की प्रतीक्षा करते समय अनुभव करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भावनात्मक पीड़ा का अनुभव करना”

देखें: रूपक

रोमियों 8:23 (#6)

"लेपालक होने की, अर्थात् अपनी देह के छुटकारे की"

देखें कि आपने **लेपालक होने** का 8:15 में और **छुटकारे** का 3:24 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:23 (#7)

"लेपालक होने की'-"प्रतीक्षा करते हैं"

यहाँ, **हमारा लेपालक होना** का अर्थ है वह समय जब हम दत्तक पुत्रों के रूप में परमेश्वर के परिवार के पूर्ण सदस्य बन जाएँगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम प्रतीक्षा कर रहे हैं जब हम परमेश्वर के परिवार के पूर्ण सदस्य बनेंगे।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:23 (#8)

"अपनी देह के"

पौलुस सामान्य विश्वासियों के शरीरों के बारे में बात कर रहे हैं, किसी विशेष शरीर के बारे में नहीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे शरीरों का”

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 8:24 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया उसे समझाता है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि इस पद और अगले पद में जो आता है, वह कारण है कि क्यों मसीही "कराहते" हैं और पूरी तरह से अपनाए जाने और मुक्त होने की "उत्सुकता से प्रतीक्षा" कर रहे हैं। अपनी भाषा में कारण दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "हम ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 8:24 (#2)

"आशा के द्वारा" - "आशा" - "आशा"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञा **आशा** का 5:4 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:24 (#3)

(इस)"आशा के द्वारा"

आप अपने भाषा में उद्धार और आशा के बीच सम्बन्ध दिखने के लिए **इस** शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहाँ, हमें यह संकेत मिलता है: (1) कि **आशा** का सम्बन्ध **उद्धार** से है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस आशा के साथ संबंध में" (2) वह साधन जिसके द्वारा लोग उद्धार प्राप्त करते हैं। इस मामले में, **आशा** विश्वास को संदर्भित करेगी। वैकल्पिक अनुवाद: "इस आशा द्वारा"

रोमियों 8:24 (#4)

हमारा उद्धार हुआ है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की, तो पौलुस का तात्पर्य है कि "परमेश्वर" ने इसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने हमें बचाया।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:24 (#5)

"वह देखने में आए" - "कोई देख रहा है"

पौलुस यहाँ **देखने** और **देख** का उपयोग कुछ अनुभव करने के संदर्भ में करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनुभव किया जा रहा है ... वे अनुभव करते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 8:24 (#6)

"देखने में आए"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग देख सकते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:24 (#7)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया था, उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह पिछले कथन के सत्य होने का कारण है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सही है क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 8:24 (#8)

"जिस वस्तु की आशा की जाती है जब वह देखने में आए"

यहाँ पौलुस एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं ताकि वे जो कह रहे हैं उसका जोर स्पष्ट कर सकें। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से कोई भी उस चीज़ की आशा नहीं करता जो वे देखते हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 8:25 (#1)

"जिस वस्तु को हम नहीं देखते"

देखें कि आपने पिछले पद में "**देखा**" और "**देखने**" के समान उपयोग का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 8:25 (#2)

"जिस वस्तु को हम नहीं देखते," - "तो धीरज से उसकी प्रतीक्षा भी करते हैं।"

यहाँ, **जिस वस्तु को हम नहीं देखते** और **उसकी** "लेपालक होने" और "छुटकारे" का उल्लेख 8:23 में करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेपालक होने और छुटकारा जिन्हें हम नहीं देखते हैं ... हम इन चीजों की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:25 (#3)

"धीरज"

यदि आपकी भाषा में **धीरज** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धीरज का पालन करते हुए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:26 (#1)

"सहायता करता है" - "हमारे लिये विनती करता है"

पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे हैं जिनकी कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा होने के लिए आवश्यकता होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारी सहायता करते हैं ... हमारे लिए मध्यस्थता करते हैं"

देखें: पदलोप

रोमियों 8:26 (#2)

"हमारी दुर्बलता में"

यदि आपकी भाषा में **दुर्बलता** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारी कमजोर स्थिति में"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:26 (#3)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया है उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि जो इसके बाद आता है, वह पिछले कथन के सत्य होने का कारण है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि यह सही है"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 8:26 (#4)

""

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि हम नहीं जानते कि हमें किस चीज़ के लिए प्रार्थना करनी चाहिए जैसा कि हमें करना चाहिए"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 8:26 (#5)

"आत्मा आप ही"

यहाँ पौलुस **आप ही** शब्द का उपयोग करते हैं ताकि यह जोर दिया जा सके कि पवित्र **आत्मा** मसीहियों की सहायता करते हैं। इस जोर को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “वही आत्मा”

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 8:26 (#6)

"आहें भर भरकर जो बयान से बाहर है"

वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसी कराहें जिन्हें हम शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते हैं"

रोमियों 8:27 (#1)

"और मनों का जाँचनेवाला"

यहाँ, **मनों का जाँचनेवाला** परमेश्वर को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर, जो दिलों की जाँच करते हैं,”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:27 (#2)

"मनों का जाँचनेवाला"

वाक्यांश **मनों का जाँचनेवाला** का अर्थ "विचारों और भावनाओं की जाँच करता है" है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो हमारे सभी विचारों और भावनाओं को जानते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 8:27 (#3)

"मनों का जाँचनेवाला"

देखें कि आपने 1:21 में "मन" का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 8:27 (#4)

"पवित्र आत्मा की मनसा"

पौलुस **आत्मा** से संबंधित **मनसा** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आत्मा की मानसिकता”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 8:27 (#5)

"मनसा"

देखें कि आपने **मन लगाने** का 8:6 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:27 (#6)

"परमेश्वर की इच्छा के अनुसार"

यहाँ, **परमेश्वर** का अर्थ परमेश्वर की इच्छा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की इच्छा के अनुसार"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:28 (#1)

"भलाई" - "उसकी इच्छा"

यदि आपकी भाषा में **भलाई** और **इच्छा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप उन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या अच्छा है ... उसका क्या उद्देश्य है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:28 (#2)

""

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके लिए जिन्हें परमेश्वर ने बुलाया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:29 (#1)

"जिन्हें उसने पहले से जान लिया है"

यहाँ, **पहले से जान लिया** का अर्थ हो सकता है: (1) परमेश्वर ने पहले से उन्हें जानने का निर्णय लिया था, जैसा कि इस शब्द का उपयोग 1 पतरस 1:20 में किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्हें उन्होंने पहले से चुना" (2) परमेश्वर ने पहले से जान लिया था कि वे क्या करेंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्हें उन्होंने पहले से जान लिया,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:29 (#2)

"कि उसके पुत्र के स्वरूप में हों"

यहाँ, **स्वरूप** का अर्थ है कि एक दिन मसीही यीशु के समान दिखेंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 1:23 में **स्वरूप** का अनुवाद कैसे किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक समान रूप जो उनके पुत्र के समान है"

देखें: रूपक

रोमियों 8:29 (#3)

"उसके पुत्र के"

पुत्र यीशु के लिए एक महत्वपूर्ण शीर्षक है, जो परमेश्वर के **पुत्र** हैं।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

रोमियों 8:29 (#4)

"ताकि वह"

यहाँ, **ताकि** एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उद्देश्य के लिए कि वह संभव हो सके"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 8:29 (#5)

"वह"

सर्वनाम **वह** परमेश्वर के **पुत्र**, यीशु को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पुत्र"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 8:29 (#6)

"ताकि" - "वह बहुत भाइयों में पहलौठा ठहरे"

यहाँ, **पहलौठा** का अर्थ हो सकता है: (1) परमेश्वर के बच्चों में सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति। वैकल्पिक अनुवाद: "पहले स्थान पर रहने वाला व्यक्ति" (2) पुनरुत्थान पाने वाला पहला व्यक्ति। वैकल्पिक अनुवाद: "पुनरुत्थान होने वाला प्रथम व्यक्ति"

देखें: रूपक

रोमियों 8:29 (#7)

"भाइयों"

हालाँकि **भाइयों** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भाइयों और बहनों”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं सम्मिलित होती हैं

रोमियों 8:29 (#8)

"भाइयों"

यहाँ, **भाइयों** से तात्पर्य मसीहियों से है, जिन्हें पौलुस 8:17 में “ममसीह के संगी वारिस” कहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर के संतान”

देखें: रूपक

रोमियों 8:30 (#1)

"उसने" - "बुलाया" - "उन्हें बुलाया"

यहाँ, **बुलाया** का तात्पर्य परमेश्वर द्वारा लोगों को अपने लोग होने के लिए चुनने से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके लोग बनने के लिए चुना ... उन्होंने चुना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:30 (#2)

"उन्हें महिमा भी दी"

पौलुस भूतकाल का उपयोग किसी ऐसी बात को इंगित करने के लिए करते हैं जो निश्चित रूप से भविष्य में घटित होगी। अगर आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप भविष्यकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “महिमा भी करेंगे”

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 8:31 (#1)

"तो हम इन बातों के विषय में क्या कहें"

यहाँ, **तो** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है, वह पिछले पदों में पौलुस ने जो कहा, उसका उत्तर है। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 6:1 में कैसे किया है।

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 8:31 (#2)

"तो हम इन बातों के विषय में क्या कहें? यदि परमेश्वर हमारी ओर है, तो हमारा विरोधी कौन हो सकता है?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि इन दो वाक्यों में प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वह कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर हम इन चीजों से कहेंगे: यदि परमेश्वर हमारे पक्ष में हैं, तो निश्चित रूप से कोई भी हमारे खिलाफ नहीं हो सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 8:31 (#3)

"यदि"

पौलुस एक शर्तीय वक्तव्य प्रस्तुत कर रहे हैं जो काल्पनिक प्रतीत होता है, लेकिन वह पहले से ही आश्वस्त हैं कि शर्त सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक वक्तव्य के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 8:31 (#4)

"हमारी ओर है"

वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे पक्ष में हैं"

रोमियों 8:32 (#1)

"जिसने अपने निज पुत्र को भी न रख छोड़ा, परन्तु उसे हम सब के लिये दे दिया, वह उसके साथ हमें और सब कुछ क्यों न देगा?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि वे यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वे कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जिन्होंने वास्तव में अपने स्वयं के पुत्र को नहीं बख्शा, बल्कि हम सभी के लिए उन्हें दे दिया, वे निश्चित रूप से उनके साथ हमें सभी चीजें स्वतंत्र रूप से देंगे!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 8:32 (#2)

"जिसने"

जिसने यहाँ परमेश्वर को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर जो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 8:32 (#3)

"न रख छोड़ा"

वैकल्पिक अनुवाद: "देने से नहीं रुके" या "छोड़ने से इंकार नहीं किया"

रोमियों 8:32 (#4)

"अपने निज पुत्र"

पुत्र यीशु के लिए एक महत्वपूर्ण शीर्षक है, जो परमेश्वर के **पुत्र** हैं।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद

रोमियों 8:32 (#5)

"उसे"-"दे दिया"

यहाँ, **उसे दे दिया** का अर्थ है कि परमेश्वर ने लोगों को यीशु को मारने की अनुमति दी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें मारने के लिए सौंप दिया" या "उन्हें मारने की अनुमति दी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:33 (#1)

"परमेश्वर के चुने हुओं पर दोष कौन लगाएगा?"

पौलुस जानकारी के लिए नहीं पूछ रहे हैं, बल्कि वह यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वह कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से संप्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से कोई भी परमेश्वर के चुने हुए लोगों के खिलाफ आरोप नहीं लगा सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 8:33 (#2)

"दोष कौन लगाएगा?"

यहाँ, **दोष** का अर्थ तथ्यों पर आधारित **दोष** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक वास्तविक आरोप"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:33 (#3)

"परमेश्वर के चुने हुओं"

यदि आपकी भाषा में **चुने हुओं** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जिन्हें परमेश्वर द्वारा चुना गया है" या "वे जिन्हें परमेश्वर ने चुना है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:33 (#4)

"परमेश्वर वह है जो उनको धर्मी ठहरानेवाला है"

यह वाक्य यह स्पष्ट करता है कि पिछले वाक्य में प्रस्तुत विचार क्यों सही है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई उन

पर दोष नहीं लगा सकता, क्योंकि परमेश्वर ही है जो उन्हें धर्मी ठहराता है”

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 8:34 (#1)

"कौन है जो दण्ड की आज्ञा देगा?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि वह यहां प्रश्न रूप का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वह जो कह रहे हैं वह सत्य है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से कोई दोषी नहीं ठहरा सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 8:34 (#2)

"दण्ड की आज्ञा"

पौलुस एक ऐसा शब्द छोड़ रहा है जिसकी कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए ज़रूरत होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप संदर्भ से शब्द प्रदान कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो हम विश्वासियों की निंदा करते हैं"

देखें: पदलोप

रोमियों 8:34 (#3)

"मसीह वह है जो मर गया वरन् मुर्दों में से जी भी उठा, और परमेश्वर की दाहिनी ओर है, और हमारे लिये निवेदन भी करता है"

यह वाक्य कारण बताता है कि पिछले वाक्य में विचार सत्य क्यों है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी दोषी नहीं ठहरा सकता क्योंकि मसीह यीशु वही हैं जिन्होंने मृत्यु को प्राप्त किया - लेकिन उससे भी अधिक, वह पुनरुत्थित हुए जो परमेश्वर के दाहिने हाथ पर विराजमान हैं - जो हमारे लिए मध्यस्थता भी करते हैं।"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 8:34 (#4)

"जी भी उठा"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग स्वाभाविक नहीं है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य उपयुक्त तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना ही है कि यह कार्य किसने किया, तो पौलुस का तात्पर्य है कि यह कार्य “परमेश्वर” ने किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उन्हें जिलाया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:34 (#5)

"मुर्दों में से जी भी उठा"

देखें कि आपने **जी भी उठा** का 4:25 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 8:34 (#6)

"परमेश्वर की दाहिनी ओर है"

पौलुस **दाहिनी ओर** इंगित करने के लिए संज्ञा के रूप में **दाहिनी** विशेषण का उपयोग कर रहा है। यदि आपकी भाषा में विशेषण का उपयोग इस प्रकार नहीं होता है, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर के दाएँ ओर”

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 8:34 (#7)

"और परमेश्वर की दाहिनी ओर है"

इस संस्कृति में, शासक के **दाहिनी ओर** में स्थान सम्मान का प्रतीक था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के बगल में सम्मान के स्थान पर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:35 (#1)

"कौन हमको मसीह के प्रेम से अलग करेगा?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि वह यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि वह जो कह रहे हैं

वह सत्य है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से कोई भी हमें मसीह के प्रेम से अलग नहीं कर सकता!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 8:35 (#2)

"कौन हमको मसीह के प्रेम से अलग करेगा?"

यहाँ पौलुस **प्रेम** के बारे में रूपक में बात करते हैं जैसे कि यह कोई वस्तु हो जिससे कोई अलग नहीं हो सकता। उनका मतलब है कि **मसीह** उन लोगों से प्रेम करना नहीं छोड़ेंगे जो उन पर विश्वास करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह को हमसे प्रेम करना बंद करने के लिए कोई मजबूर नहीं कर सकता"

देखें: रूपक

रोमियों 8:35 (#3)

क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि वे यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वे कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से संप्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से न तो क्लेश, न संकट, न उत्पीड़न, न भूख, न नग्नता, न खतरा, न तलवार!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 8:35 (#4)

"क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार"

पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहा है जिनकी कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा होने के लिए आवश्यकता होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्य से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या क्लेश, संकट, उत्पीड़न, भूख, नग्नता, खतरा, या तलवार हमें मसीह के प्रेम से अलग करेंगे?"

देखें: पदलोप

रोमियों 8:35 (#5)

"क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल,"

यदि आपकी भाषा में **क्लेश**, **संकट**, **उपद्रव**, **अकाल** जैसे विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि लोग हमें परेशान करते हैं, हमें चोट पहुँचाते हैं, हमें कष्ट देते हैं, हमारा उत्पीड़न करते हैं, या हमें भूखा रखते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:35 (#6)

"क्या क्लेश, या संकट"

क्लेश और **संकट** मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस उनका उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि वे क्या कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा में पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यधिक कष्ट"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

रोमियों 8:35 (#7)

"या तलवार"

यहाँ, **तलवार** का अर्थ हिंसक रूप से मारे जाने से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या हिंसक रूप से मारे जाने के द्वारा"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 8:36 (#1)

"जैसा लिखा है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:17 में किस प्रकार किया है।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 8:36 (#2)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि यह कार्य किसने किया, तो यह कोरह के पुत्रों द्वारा लिखा गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि कोरह के पुत्रों ने लिखा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:36 (#3)

""तेरे लिये हम दिन भर मार डाले जाते हैं;"

इन खंडों में पौलुस भजन 44:22 का उद्धरण देते हैं। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस विषय को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परिपाटी का प्रयोग करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 8:36 (#4)

"तेरे लिये"

यहाँ, **तेरे** बहुवचन है और परमेश्वर को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके लिए, परमेश्वर,"

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 8:36 (#5)

"हम दिन भर मार डाले जाते हैं" - "के समान गिने गए हैं"

यहाँ, **हम** उन लोगों को संदर्भित करता है जिन्होंने इस पद को लिखा है, इसलिए यह विशेष होगा। यह परमेश्वर को संदर्भित नहीं करता है, जिनसे बात की जा रही है। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 8:36 (#6)

"हम दिन भर मार डाले जाते हैं" - "गिने गए हैं"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे शत्रु हमें मृत्यु के लिए सौंपते हैं ... वे हमें मानते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:36 (#7)

"तेरे लिये हम दिन भर मार डाले जाते हैं"

वाक्यांश **दिन भर** एक अतिशयोक्ति है जो इस बात पर जोर देती है कि इन लोगों को कितनी बार मारा जा रहा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमें नियमित रूप से मारा जाता है।"

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियों 8:36 (#8)

"हम वध होनेवाली भेड़ों के समान गिने गए हैं"

यहाँ पौलुस उन लोगों की तुलना **भेड़ों** से करते हैं जिन्हें लोग परमेश्वर के प्रति विश्वासयोग्यता के कारण मारते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग हमें मारते हैं, वे हमें केवल उतना ही मूल्यवान मानते हैं जितना कि वे भेड़ों को मारते हैं।"

देखें: उपमा

रोमियों 8:36 (#9)

"वध होनेवाली"

यदि आपकी भाषा में **वध** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वध किया जाना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:37 (#1)

"परन्तु"

परन्तु यहाँ यह संकेत करता है कि 8:37–39 में जो आता है, वह 8:35 में पूछे गए वाग्मितापूर्ण प्रश्नों का नकारात्मक उत्तर है। यदि आपने 8:35 में आलंकारिक प्रश्न को एक प्रश्न के रूप में अनुवादित किया, तो यहाँ आप उस प्रश्न के नकारात्मक उत्तर को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग कर सकते हैं। यदि आपने 8:35 में आलंकारिक प्रश्न को एक कथन में बदल दिया, तो यहाँ आप एक ऐसा शब्द उपयोग कर सकते हैं जो मजबूत विरोधाभास को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "नहीं," या "इसके विपरीत,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

रोमियों 8:37 (#2)

"इन सब बातों"

यहाँ, **"इन सब बातों** 8:35 में उल्लिखित विभिन्न प्रकार की पीड़ाओं की सूची को संदर्भित करती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस प्रकार की पीड़ा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:37 (#3)

"हम"-"विजेता से भी बढ़कर हैं"

यहाँ, **विजेता से भी बढ़कर** उन लोगों को संदर्भित करता है जिनके पास अपने शत्रुओं पर पूर्ण विजय है। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारी पूर्ण विजय है"

देखें: रूपक

रोमियों 8:37 (#4)

"जिसने हम से प्रेम किया है,"

यहाँ, जिसने हम से प्रेम किया है, संदर्भित कर सकता है: (1) मसीह, जैसा कि 8:35 में है। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह के माध्यम से, जिन्होंने हमसे प्रेम किया" (2) परमेश्वर, जैसा कि 8:39 में है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के माध्यम से, जिन्होंने हमसे प्रेम किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:38 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात की व्याख्या करता है। यहाँ, यह दर्शाता है कि इस पद और अगले पद में जो आता है, वह पौलुस ने पिछले पद में जो कहा, उसकी व्याख्या है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 8:38 (#2)

"मैं निश्चय जानता हूँ"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुझे समझाया।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:38 (#3)

"न मृत्यु," - "न जीवन," - "न प्रधानताएँ," - "न सामर्थ्य"

यदि आपकी भाषा **मृत्यु, जीवन, प्रधानताएँ, या सामर्थ्य** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मृत होना ... जीवित होना ... जो शासन करते हैं ... शक्तिशाली चीजें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 8:38 (#4)

"प्रधानताएँ"

यहाँ, **प्रधानताएँ** निम्नलिखित को संदर्भित कर सकती हैं: (1) दुष्टात्माएँ, जिन्हें पौलुस आमतौर पर इस शब्द के लिए उपयोग करते हैं (1 कुरि 15:24, 6:12)। वैकल्पिक अनुवाद: "शासक दुष्टात्माएँ" (2) मानव राजा और शासक। वैकल्पिक अनुवाद: "मानव शासक"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:38 (#5)

"सामर्थ्य"

इसका मतलब हो सकता है: (1) शक्तिशाली दुष्ट शक्तियाँ, जैसा कि पौलुस इस शब्द का उपयोग 1 कुरि 15:24 और 1:21 में करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट शक्तियाँ" (2) शक्तिशाली मनुष्य। वैकल्पिक अनुवाद: "शक्तिशाली लोग"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 8:39 (#1)

"ऊँचाई," - "गहराई"

यहाँ, **ऊँचाई** का अर्थ है वह सब कुछ जो किसी व्यक्ति के ऊपर स्थित है, और **गहराई** का अर्थ है वह सब कुछ जो किसी व्यक्ति के नीचे स्थित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे ऊपर जो कुछ भी है ... हमारे नीचे जो कुछ भी है"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 8:39 (#2)

"और न कोई और सृष्टि"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का प्रयोग इस प्रकार नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई अन्य चीज़ जो परमेश्वर ने रची है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 8:39 (#3)

"हमें परमेश्वर के प्रेम से"-"अलग नहीं कर सकता"

देखें कि आपने इसी वाक्यांश का अनुवाद 8:35 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 8:39 (#4)

"जो हमारे प्रभु मसीह यीशु में है"

यहाँ, **जो** दर्शाता है कि पौलुस **परमेश्वर के प्रेम** के बारे में और जानकारी दे रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच संबंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात, मसीह यीशु में परमेश्वर का प्रेम"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 8:39 (#5)

"मसीह यीशु में"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 6:23 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 9:1 (#1)

"मैं मसीह में सच कहता हूँ, झूठ नहीं बोलता"

ये दोनों अभिव्यक्तियाँ मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखती हैं। पौलुस उनका उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि वह सच कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं मसीह में आपको पूर्ण सच्चाई बता रहा हूँ।"

देखें: द्विरावृत्ति

रोमियों 9:1 (#2)

"मसीह में"

देखें कि आपने इसी तरह के वाक्यांश का अनुवाद 3:24 में कैसे किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 9:1 (#3)

"मेरा विवेक भी ... गवाही देता है"

यहाँ पौलुस **विवेक** का उपयोग इस प्रकार करते हैं जैसे कि वह किसी कचहरी में गवाही देने वाला व्यक्ति हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने इसी तरह के वाक्यांश का अनुवाद 2:15 में कैसे किया है।

देखें: मानवीकरण

रोमियों 9:1 (#4)

"पवित्र आत्मा में"

यहाँ, **पवित्र आत्मा में** इंगित करता है कि **पवित्र आत्मा** ही वह हैं जिन्होंने पौलुस के **विवेक** की अगुआई की। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा के अगुआई से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:2 (#1)

"कि मुझे बड़ा शोक है, और मेरा मन सदा दुखता रहता है"

यहाँ, **मेरा मन सदा दुखता** एक मुहावरा है जिसका पौलुस अपने भावनात्मक संकट को साझा करने के लिए उपयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं मन में बहुत ज्यादा शोक का अनुभव कर रहा हूँ।"

देखें: मुहावरा

रोमियों 9:2 (#2)

"बड़ा शोक ... और ... सदा दुखता"

ये दोनों अभिव्यक्तियाँ मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखती हैं। पौलुस उनका उपयोग यह दिखाने के लिए करते हैं कि उनकी भावनाएँ कितनी गहन हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अत्यन्त बड़े शोक"

देखें: द्विरावृत्ति

रोमियों 9:3 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि इंगित करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह बताता है कि इसके पहले क्या आया था। यहाँ **क्योंकि** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह पिछले कथन के सच होने का कारण है। अपनी भाषा में कारण को व्यक्त करने का एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सच है क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 9:3 (#2)

"आप ही ... श्रापित ... हो जाता"

यदि आपकी भाषा में **श्रापित** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप ही ... श्रापित ... हूँ" या "आप ही ... श्रापित व्यक्ति ... हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:3 (#3)

"मसीह से ... अलग हो जाता"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर मुझे मसीह से अलग कर रहे हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:3 (#4)

"मसीह से ... अलग हो जाता"

यहाँ, **मसीह से ... अलग हो जाता** इस विचार को सन्दर्भित करता है कि पौलुस अपना उद्धार खो देंगे, जो असम्भव है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनन्तकाल के लिये मसीह से अलग रखा जाता"

देखें: मुहावरा

रोमियों 9:3 (#5)

"अपने भाइयों, के लिये"

यहाँ, **के लिये** का अर्थ है कि पौलुस अपने **भाइयों** के उद्धार के बारे में बात कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक

हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने भाइयों के उद्धार के लिये"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:3 (#6)

"अपने भाइयों"

यद्यपि **भाइयों** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे भाइयों और बहनों"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ सम्मिलित होती हैं

रोमियों 9:3 (#7)

"अपने भाइयों"

यहाँ, **भाइयों** यहूदियों को सन्दर्भित करता है, जो पौलुस के कुटुम्बी हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे यहूदी कुटुम्बी"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 9:3 (#8)

"जो शरीर के भाव से मेरे कुटुम्बी हैं"

यह खण्ड **मेरे भाइयों** के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच सम्बंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो शरीर के भाव से मेरे कुटुम्बी हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 9:3 (#9)

"शरीर के भाव से"

देखें कि आपने 1:3 में **शरीर के भाव से** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: मुहावरा

रोमियों 9:4 (#1)

"वे इस्राएली हैं"

"यह वाक्यांश पिछले वचन में उल्लिखित "मेरे भाइयों"" के बारे में और अधिक जानकारी प्रदान करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच के सम्बंध को स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मेरे भाई इस्राएली हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 9:4 (#2)

"लेपालकपन का हक़," - "महिमा," - "व्यवस्था का उपहार," - "परमेश्वर की उपासना," - "प्रतिज्ञाएँ"

यदि आपकी भाषा में **लेपालकपन का हक़**, **महिमा**, **व्यवस्था का उपहार**, **परमेश्वर की उपासना**, और **प्रतिज्ञाएँ** जैसे विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएँ नहीं हैं, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेपालकपन को अपनाना ... महिमामय वस्तुएँ ... व्यवस्था दिया जाना ... परमेश्वर की उपासना करना ... जो प्रतिज्ञा की गई है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:4 (#3)

"लेपालकपन का हक़"

यहाँ, **लेपालकपन का हक़** का अर्थ है कि **इस्राएली** परमेश्वर के सन्तान के समान थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के सन्तानों के रूप में पद"

देखें: रूपक

रोमियों 9:4 (#4)

"व्यवस्था का उपहार"

यहाँ, **व्यवस्था का उपहार** यह दर्शाता है कि परमेश्वर यहूदियों को अपनी व्यवस्था प्रदान कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें परमेश्वर की व्यवस्थाओं को देना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:4 (#5)

"परमेश्वर की उपासना"

यहाँ, **परमेश्वर की उपासना** का सन्दर्भ मन्दिर में यहूदी आराधना से है, जो परमेश्वर की सेवा करने का एक तरीका था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके मन्दिर में परमेश्वर की सेवा करना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:5 (#1)

"पूर्वज भी ... के हैं।"

यहाँ, **पूर्वज** का सन्दर्भ इस्राएलियों के पुरखा (पूर्वजों) से है, जो अब्राहम, इसहाक, और याकूब हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब्राहम, इसहाक, और याकूब हैं।"

देखें: रूपक

रोमियों 9:5 (#2)

"शरीर के भाव से"

देखें कि आपने 1:3 और 8:3 में **शरीर के भाव से** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: मुहावरा

रोमियों 9:5 (#3)

"जो सब के ऊपर"

यह खण्ड **मसीह** का उल्लेख करता है, जिनका पहले पद में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस सम्बंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मसीह वे हैं जो सबके ऊपर हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:5 (#4)

"जो सब के ऊपर"

सब के ऊपर वाक्यांश का अर्थ **सब** वस्तुओं **के ऊपर** राजा के रूप में शासन करना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो सब पर राज्य करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:5 (#5)

"परमेश्वर ... धन्य है"

यहाँ, **परमेश्वर ... धन्य है** यीशु को सन्दर्भित करता है। यह पिता परमेश्वर को सन्दर्भित नहीं करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे धन्य परमेश्वर हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:6 (#1)

"परन्तु यह नहीं, कि परमेश्वर का वचन टल गया"

वैकल्पिक अनुवाद: "यह ऐसा नहीं है कि परमेश्वर का वचन टल गया" या "परमेश्वर का वचन टला नहीं है"

रोमियों 9:6 (#2)

"परमेश्वर का वचन टल गया"

यहाँ पौलुस **परमेश्वर का वचन** के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हों जो **टल** नहीं गया हो। उनका अर्थ है कि जो परमेश्वर ने कहा है, वह निश्चित रूप से वैसा ही होगा जैसा उन्होंने कहा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर का वचन अधूरा रहेगा” या “परमेश्वर का वचन झूठा सिद्ध हुआ है”।

देखें: मानवीकरण

रोमियों 9:6 (#3)

"परमेश्वर का वचन"

यहाँ, **परमेश्वर का वचन** उस बात को सन्दर्भित करता है जो परमेश्वर ने इस्राएल के लिए करने का वादा किया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के प्रतिज्ञा का वचन"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:6 (#4)

"इसलिए"

इसलिए इंगित करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह बताता है कि इसके पहले क्या आया था। यहाँ **इसलिए** यह इंगित करता है कि यह वाक्य पौलुस द्वारा पहले कही गई बात के सच होने का कारण है। अपनी भाषा में कारण को व्यक्त करने का एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 9:6 (#5)

"जो इस्राएल के वंश हैं, वे सब इस्राएली नहीं"

यहाँ पौलुस **इस्राएल** शब्द का दो अलग-अलग तरीकों से उपयोग करते हैं। **जो इस्राएल के वंश हैं** वाक्यांश का अर्थ है याकूब के सभी शारीरिक वंशज, जिन्हें परमेश्वर ने **इस्राएल** कहा। हालाँकि, **इस्राएल** का दूसरा उल्लेख याकूब के उन शारीरिक वंशजों को सन्दर्भित करता है जो यीशु में विश्वास रखते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो सकता है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शारीरिक इस्राएल के सभी लोग आत्मिक इस्राएल का हिस्सा नहीं हैं" या "हर शारीरिक इस्राएली एक सच्चा इस्राएली नहीं है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:7 (#1)

"और न अब्राहम के वंश होने के कारण सब उसकी सन्तान ठहरे"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए कई भाषाओं में आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप पिछले वचन से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह ऐसा नहीं है कि सभी सन्तान अब्राहम के वंश हैं" या "यह सच नहीं है कि सभी सन्तान अब्राहम के वंश हैं"

देखें: पदलोप

रोमियों 9:7 (#2)

"सब ... सन्तान"

यहाँ, **सन्तान** विशेष रूप से "इस्राएल के सन्तान" को सन्दर्भित करता है, जो यहूदी लोगों के लिए एक नाम है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएल के सब सन्तान"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:7 (#3)

"सब ... सन्तान"

यहाँ, **सन्तान** किसी के वंशजों को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सब ... वंशज"

देखें: रूपक

रोमियों 9:7 (#4)

"अब्राहम के वंश" - "तेरा वंश"

यहाँ, **वंश** का अर्थ **अब्राहम** के उन शारीरिक वंशजों से है जो यीशु में विश्वास करते हैं, जैसा कि पिछले वचन में "इस्राएल" के दूसरे उल्लेख में कहा गया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब्राहम के सच्चे वंशज ... आपके सच्चे वंश"

देखें: रूपक

रोमियों 9:7 (#5)

"परन्तु"

परन्तु यह संकेत करता है कि इसके बाद जो कहा गया है, वह पहले कही गई बात के किसी प्रकार से विपरीत है। यहाँ पौलुस पुराने नियम की एक पुस्तक से उद्धरण का उपयोग कर रहे हैं (उत्पत्ति 21:12)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो संकेत देता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब परमेश्वर वचन में कहते हैं,"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 9:7 (#6)

"इसहाक ही से तेरा वंश कहलाएगा"

यह वाक्य 21:12 से एक उद्धृत है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों के साथ या अपनी भाषा में उद्धरण का संकेत देने के लिए जो भी विराम चिह्न या पारम्परिक तरीका हो, उसका उपयोग करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:7 (#7)

"इसहाक ही से तेरा वंश कहलाएगा"

यहाँ **तेरा**, **अब्राहम** को सन्दर्भित करता है, और इसलिए, यह एकवचन है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब्राहम, ही से आपका वंश कहलाएगा"

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 9:7 (#8)

"इसहाक ही से"

यहाँ, **इसहाक ही से** का अर्थ है "इसहाक के वंशजों के द्वारा।" यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसहाक के वंशजों के द्वारा"

देखें: रूपक

रोमियों 9:7 (#9)

"तेरा वंश कहलाएगा"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। सन्दर्भ यह इंगित करता है कि यह कार्य परमेश्वर द्वारा किया जाएगा, और वे प्रथम व्यक्ति में बोल रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आपके वंश को ... बुलाऊँगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:8 (#1)

"अर्थात्"

वैकल्पिक अनुवाद: "इसे कहने का एक अन्य तरीका है"

रोमियों 9:8 (#2)

"शरीर की सन्तान"

यहाँ, **शरीर की सन्तान** अब्राहम के शारीरिक वंशजों को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब्राहम के शारीरिक वंशज"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 9:8 (#3)

"परमेश्वर की सन्तान"

देखें कि आपने 8:16 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: रूपक

रोमियों 9:8 (#4)

"प्रतिज्ञा के सन्तान"

पौलुस **प्रतिज्ञा** के परिणामस्वरूप उत्पन्न **सन्तान** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक संज्ञा का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग

अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे सन्तान जो प्रतिज्ञा के परिणामस्वरूप हैं”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 9:8 (#5)

"प्रतिज्ञा के"

यदि आपकी भाषा में **प्रतिज्ञा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो प्रतिज्ञा किए गए थे”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:8 (#6)

"प्रतिज्ञा के"

यहाँ, **प्रतिज्ञा** से तात्पर्य परमेश्वर की उस प्रतिज्ञा से है जिसमें उन्होंने अब्राहम को वंश देने का वादा किया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रतिज्ञा के ... जो परमेश्वर ने अब्राहम से किया था"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:8 (#7)

"वंश"

देखें कि आपने पिछले वचन में **वंश** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

रोमियों 9:9 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह संकेत करता है कि इसके बाद जो आता है वह पहले कही गई बात की व्याख्या करता है। यहाँ यह पिछले वचन में पौलुस द्वारा कही गई बात की व्याख्या प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग

अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सचमुच में,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 9:9 (#2)

"प्रतिज्ञा का वचन यह है"

यह वाक्यांश इंगित करता है कि इसके बाद जो लिखा है वह एक पुराने नियम की पुस्तक (18:10, 14) का उद्धरण है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यह वचन उस प्रतिज्ञा का है जिसे परमेश्वर ने वचन में कहा था।”

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 9:9 (#3)

"प्रतिज्ञा का वचन"

पौलुस अधिकारवाचक रूप का उपयोग एक ऐसे **वचन** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो एक **प्रतिज्ञा** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह वचन जिसकी प्रतिज्ञा की गई थी"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 9:9 (#4)

"प्रतिज्ञा का वचन"

यहाँ, पौलुस ने **वचन** का उपयोग यह वर्णन करने के लिए किया कि परमेश्वर ने शब्दों के माध्यम से क्या कहा था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की कही हुई प्रतिज्ञा"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 9:9 (#5)

"मैं इस समय के अनुसार आऊँगा, और सारा का एक पुत्र होगा।"

यह वाक्य 18:10, 14 से लिया गया एक उद्धरण है। यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो सकता है यदि आप इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों या उद्धरण को स्पष्ट करने के लिए अपनी भाषा में उपयोग किए जाने वाले किसी अन्य विराम चिह्न या परम्परा के साथ प्रस्तुत करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:9 (#6)

"मैं ... आऊँगा"

यहाँ सर्वनाम **मैं** परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, परमेश्वर, आऊँगा।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:9 (#7)

"और"

यहाँ, **और** यह इंगित करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले जो हुआ उससे सम्बन्धित है। यहाँ, **और** यह इंगित करता है कि इसके बाद जो आता है वह पहले वाले खंड में हुई घटना का परिणाम है। अपनी भाषा में परिणाम को दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "और परिणाम यह होगा कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 9:9 (#8)

"सारा का एक पुत्र होगा"

यह खंड एक ऐसा शब्द छोड़ रहा है जिसकी आवश्यकता कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सन्दर्भ से इस शब्द को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सारा को एक पुत्र उत्पन्न होगा"

देखें: पदलोप

रोमियों 9:9 (#9)

"सारा का एक पुत्र होगा"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सारा का एक पुत्र होगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:10 (#1)

"और केवल यही नहीं"

यहाँ, **यही** पौलुस द्वारा पिछले वचन में कही गई बात को सन्दर्भित करता है, जो परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं का एक उदाहरण था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और, केवल यही एक उदाहरण नहीं है" या "और, जो परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी, यही केवल उदाहरण नहीं है।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:10 (#2)

"परन्तु जब रिबका भी"

पौलुस का कहना है कि परमेश्वर ने **रिबका** से एक प्रतिज्ञा की और वह इस प्रतिज्ञा को 9:12 में बताता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परन्तु रिबका को भी परमेश्वर से एक प्रतिज्ञा प्राप्त हुई”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:10 (#3)

"हमारे पिता"

यहाँ **पिता**, **इसहाक** को यहूदी लोगों के पूर्वज के रूप में सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे पूर्वज"

देखें: रूपक

रोमियों 9:11 (#1)

"और"

क्योंकि शब्द यह इंगित करता है कि इसके बाद जो आता है, वह पहले कही गई बात की व्याख्या करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह पौलुस द्वारा पिछले और अगले वचन में कही गई बात के बारे में और जानकारी प्रदान करता है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक सहायक हो, तो आप किसी अन्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सचमुच,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 9:11 (#2)

"और"

यहाँ पौलुस परमेश्वर द्वारा याकूब को आशीष देने और एसाव को न देने की बात कर रहे हैं, जो कि रिबका और इसहाक के जुड़वा पुत्र थे। हालाँकि, वह इसे स्पष्ट रूप से 9:13 तक नहीं कहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर ने रिबका के दो पुत्रों में से केवल एक को आशीष देने के लिए चुना था,"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:11 (#3)

"अभी तक न तो बालक जन्मे थे, और न उन्होंने कुछ भला या बुरा किया था"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं, जिन्हें कई भाषाओं में इन वाक्यांशों को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके अभी तक न तो बालक जन्मे थे, और न उन्होंने कुछ भला या बुरा किया था"

देखें: पदलोप

रोमियों 9:11 (#4)

"इसलिए कि"

यहाँ, **इसलिए कि** इंगित करता है कि निम्नलिखित वह उद्देश्य है जिसके लिए परमेश्वर ने रिबका के पुत्रों में से केवल एक को चुना। किसी उद्देश्य खंड को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें, जैसा कि यूएसटी (अनफोल्डिंगवर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन) में होता है।

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 9:11 (#5)

"परमेश्वर की मनसा"

यदि आपकी भाषा में **मनसा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर ने ठान लिया था"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:11 (#6)

"चुन लेने के अनुसार"

यदि आपकी भाषा में **चुन** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। सन्दर्भ से पता चलता है कि पौलुस **परमेश्वर** द्वारा लोगों को चुनने की बात कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को चुनने के अनुसार" या "लोगों को छाँटने के सम्बंध में"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:12 (#1)

"जेठा छोटे का दास होगा।"

यहाँ पौलुस रिबका के एक पुत्र, याकूब, के चुनाव का उल्लेख कर रहे हैं, जैसा कि अगले वचन में कहा गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:12 (#2)

"दास"

यहाँ, **दास** का तात्पर्य सामान्यतः मनुष्य के सेवकों से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:11 (#3)

"उसने कहा"

यहाँ यह परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कहा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:11 (#4)

"उसने कहा"

पौलुस एक ऐसा शब्द छोड़ रहे हैं जिसकी इस वाक्यांश को पूरा करने के लिए कई भाषाओं में आवश्यकता होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस शब्द को सन्दर्भ से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसने बताया"

देखें: पदलोप

रोमियों 9:12 (#1)

"उसने कहा"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उनसे कहा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:12 (#2)

"उसने कहा"

यह वाक्यांश इंगित करता है कि जो कुछ भी इसके बाद आता है, वह पुराने नियम की एक पुस्तक (25:23) से उद्धरण है।

यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनसे कहा, जैसा कि वचन में लिखा है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 9:12 (#3)

"उसने कहा"

मूल पाठ में "उनसे" लिखा गया है, जबकि हिन्दी बाइबिल में यहाँ यह सर्वनाम नहीं लिखा गया है। पाठकों को समझाने के लिए, यहाँ "उनसे" सर्वनाम जोड़ा गया है। यहाँ, सर्वनाम **उसने कहा (उनसे)** रिबका को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि यूएसटी (अनफोल्डिंगवर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन) में किया गया है।

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:12 (#4)

"जेठा छोटे का दास होगा"

यह वाक्य 25:23 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों के साथ या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:12 (#5)

"जेठा छोटे का दास होगा"

जेठा और **छोटे** वाक्यांश रिबका के **जेठा** और **छोटे** जुड़वाँ पुत्रों को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं, जैसे कि यूएसटी (अनफोल्डिंगवर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन) में है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:13 (#1)

"जैसा लिखा है।"

देखें कि आपने 1:17 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 9:13 (#2)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यदि आपको यह बताना आवश्यक हो कि क्रिया किसने की, तो यह उद्धरण भविष्यद्वक्ता मलाकी द्वारा लिखा गया था, और परमेश्वर वह व्यक्ति हैं जो यहाँ बोल रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा परमेश्वर ने मलाकी से लिखवाया।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:13 (#3)

"मैंने याकूब से प्रेम किया, परन्तु एसाव को अप्रिय जाना।"

यह वाक्य मलाकी 1:2–3 से लिया गया एक उद्धरण है। यह पाठकों के लिए सहायक हो सकता है यदि आप इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों में या अपनी भाषा में उद्धरण को इंगित करने वाले किसी अन्य विराम चिह्न या परम्परा के साथ प्रस्तुत करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:13 (#4)

"मैंने ... प्रेम किया," - " ... को अप्रिय जाना"

यहाँ पर सर्वनाम **मैंने** परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, परमेश्वर, ... से प्रेम किया ... मैं, परमेश्वर, ... को अप्रिय जाना"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:13 (#5)

"मैंने ... अप्रिय जाना"

पौलुस परमेश्वर का उद्धरण देते हुए **अप्रिय** शब्द का उपयोग एक अतिशयोक्ति के रूप में यह बताने के लिए करते हैं कि उन्होंने एसाव से प्रेम नहीं किया और उसे पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने पूरी तरह से नकार दिया।"

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियों 9:14 (#1)

"तो हम क्या कहें"

यहाँ, **तो** यह संकेत करता है कि जो कुछ आगे कहा गया है, वह 9:6–13 में पौलुस द्वारा कही गई बात के उत्तर के रूप में है। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 6:1 में कैसे किया हैं।

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 9:14 (#2)

"तो हम क्या कहें? क्या परमेश्वर के यहाँ अन्याय है? कदापि नहीं!"

इन दो वाक्यों में पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि ऐसे प्रश्नों का उपयोग कर रहे हैं जो कुछ लोगों द्वारा पिछले वचनों में कही गई बात को गलत समझने के कारण उठाए गए आपत्तियों को सम्बोधित करते हैं। यदि आपकी भाषा में इस उद्देश्य के लिए वाग्मितापूर्ण प्रश्नों का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उनके शब्दों को कथनों, विस्मयादिबोधक वाक्यों, या किसी अन्य तरीके से उनके भाव को जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब हम कहेंगे कि परमेश्वर सचमुच में अन्यायी हैं!"

देखें: वाग्मितापूर्ण प्रश्न

रोमियों 9:14 (#3)

"तो हम क्या कहें? क्या परमेश्वर के यहाँ अन्याय है? कदापि नहीं!"

इन दो वाक्यों में पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक व्यक्ति हों जिन्होंने पिछले वचनों में पौलुस की शिक्षा को गलत समझा हो। आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो सकता है यदि आप इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों या उद्धरण को इंगित करने वाले किसी अन्य विराम चिह्न या परम्परा का उपयोग करके अलग कर दें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:14 (#4)

"क्या परमेश्वर के यहाँ अन्याय है?"

यदि आपकी भाषा में **अन्याय** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर के पास कोई अधर्मी गुण है?"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:14 (#5)

"क्या परमेश्वर के यहाँ अन्याय है?"

यहाँ पौलुस **अन्याय** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे यह एक वस्तु हो जो **परमेश्वर के यहाँ** नहीं हो सकती। वे परमेश्वर के अधर्मी होने के विचार का उल्लेख कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर अधर्मी हैं?"

देखें: रूपक

रोमियों 9:14 (#6)

"कदापि नहीं!"

इस वाक्य में पौलुस उन वाग्मितापूर्ण प्रश्नों का उत्तर देना शुरू करते हैं जो उन्होंने पिछले वचन में लिखे थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उत्तर दूँगा, 'कदापि नहीं!'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:14 (#7)

"कदापि नहीं!"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:4 और 6:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 9:15 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह बताता है कि इससे पहले क्या आया था। यहाँ **क्योंकि** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह यह कारण है कि पौलुस ने पिछले वचन में जो कहा, वह सत्य है। अपनी भाषा में कारण को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 9:15 (#2)

"क्योंकि वह मूसा से कहता है"

यहाँ पौलुस इस वाक्यांश का उपयोग पुराने नियम की पुस्तक से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए कर रहे हैं (33:19)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वह मूसा से कहते हैं जो वचन में लिखा है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 9:15 (#3)

"वह ... कहता है" - "मैं जिस किसी पर दया करना चाहूँ, उस पर दया करूँगा, और जिस किसी पर कृपा करना चाहूँ उसी पर कृपा करूँगा"

यहाँ सर्वनाम **वह** और **मैं** परमेश्वर को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर कहते हैं ... 'मैं, परमेश्वर, जिस किसी पर दया करना चाहूँ, उस पर दया

करूँगा, और मैं, परमेश्वर, जिस किसी पर कृपा करना चाहूँ उसी पर कृपा करूँगा'"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:15 (#4)

"वह ... कहता है"

यहाँ पौलुस वर्तमान काल की क्रिया **कहता है** का उपयोग उस बात को सन्दर्भित करने के लिए कर रहे हैं जो पहले हुई थी। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने कहा"

देखें: पूर्वसूचक अतीत

रोमियों 9:15 (#5)

"मैं जिस किसी पर दया करना चाहूँ, उस पर दया करूँगा, और जिस किसी पर कृपा करना चाहूँ उसी पर कृपा करूँगा"

यह वाक्य 33:19 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह इंगित करना सहायक हो सकता है यदि आप इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों में या अपनी भाषा में उद्धरण को सूचित करने के लिए जो भी विराम चिह्न या परम्परा हो, उसका उपयोग करके अलग कर दें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:15 (#6)

"मैं जिस किसी पर दया करना चाहूँ, उस पर दया करूँगा, और जिस किसी पर कृपा करना चाहूँ उसी पर कृपा करूँगा"

यदि आपकी भाषा में **दया** और **कृपा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जिस पर भी दया करूँगा, उस पर दया करूँगा, और मैं जिस पर भी कृपा करूँगा, उस पर कृपा करूँगा।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:15 (#7)

"मैं जिस किसी पर दया करना चाहूँ, उस पर दया करूँगा, और जिस किसी पर कृपा करना चाहूँ उसी पर कृपा करूँगा"

ये कथन आंतरिक रूप से और एक-दूसरे के बीच समानांतरता का उपयोग करते हैं। वे इस बात पर जोर देते हैं कि परमेश्वर जो चाहें, वही करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो दूसरे रूप का उपयोग करने पर विचार करें जो इस बात पर जोर देता है कि परमेश्वर केवल उन्हीं लोगों को कृपा दिखाते है, जिनके प्रति वे दया दिखाना चाहते हैं, और वे ऐसा बाहरी प्रभाव के बिना करते हैं।

देखें: समानांतरता

रोमियों 9:16 (#1)

"इसलिए"

इसलिए यह दर्शाता है कि इस वाक्य में जो कुछ भी कहा गया है, वह 9:11–15 के विचारों का सारांश है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक स्पष्ट अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 5:18 में कैसे किया।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 9:16 (#2)

"यह न तो"

यहाँ, **यह** परमेश्वर की दयालुता से कार्य करने का सन्दर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की दया न तो"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:16 (#3)

"चाहनेवाले की, न दौड़नेवाले की परन्तु ... परमेश्वर की बात है"

पौलुस अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं यह वर्णन करने के लिए कि परमेश्वर की दया किस पर निर्भर करती है या नहीं करती है। यदि आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप किसी अन्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक

अनुवाद: "जो चाहनेवाले है, और जो दौड़नेवाले है उस पर निर्भर नहीं, बल्कि परमेश्वर पर निर्भर है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 9:16 (#4)

"दौड़नेवाले की"

यहाँ पौलुस **दौड़नेवाले** का प्रयोग उस व्यक्ति को सन्दर्भित करने के लिए कर रहे हैं जो परमेश्वर की दया प्राप्त करने के लिए अच्छे कार्य करता है, जैसे कि वह व्यक्ति दौड़ में भाग ले रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो अनुग्रह प्राप्त करने का प्रयास करता है" या "वह जो बहुत परिश्रम करता है"

देखें: रूपक

रोमियों 9:16 (#5)

"दया करनेवाले"

यह वाक्यांश **परमेश्वर** के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप इन वाक्यांशों के बीच सम्बंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो दया करते हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 9:16 (#6)

"दया करनेवाले"

देखें कि आपने पिछले वचन में **दया** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:17 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो लिखा है वह बताता है कि इससे पहले क्या लिखा था। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाया गया है कि आगे जो लिखा है वह दूसरा कारण है कि क्यों पौलुस ने 9:14 में जो कहा वह सच है। कारण बताने के

लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मैंने पहले कहा था, वह भी सत्य है, इस कारण कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 9:17 (#2)

"पवित्रशास्त्र में फ़िरौन से कहा गया"

यहाँ पौलुस **पवित्रशास्त्र** का ऐसा उपयोग करते हैं मानो वह एक व्यक्ति हो जो बोल सकता है। उनका तात्पर्य है कि जिस पवित्रशास्त्र को वह उद्धृत करने जा रहे हैं, उसमें वह जानकारी है जो परमेश्वर ने **फ़िरौन** से कही थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर पवित्रशास्त्र में फ़िरौन से कहते हैं।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 9:17 (#3)

"पवित्रशास्त्र में फ़िरौन से कहा गया"

यह वाक्यांश इंगित करता है कि जो आगे कहा गया है वह पुराने नियम की एक पुस्तक का उद्धरण है (9:16)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने शास्त्रों में फ़िरौन से कहा"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 9:17 (#4)

"कहा गया"

यहाँ पौलुस वर्तमान काल के क्रिया शब्द **कहा गया** का उपयोग उस घटना का उल्लेख करने के लिए करते हैं जो भूतकाल में घटित हुई थी। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कहा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 9:17 (#5)

"मैंने तुझे इसलिए खड़ा किया है, कि तुझ में अपनी सामर्थ्य दिखाऊँ, और मेरे नाम का प्रचार सारी पृथ्वी पर हो"

यह वाक्य 9:16 से उद्धृत है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:17 (#6)

"इसलिए"

देखें कि आपने 9:11 में **इसलिए** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:17 (#7)

"मैंने तुझे ... खड़ा किया है:" - "कि ... अपनी ... दिखाऊँ"

यहाँ सर्वनाम **मैंने** और **अपनी** परमेश्वर को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, परमेश्वर, ने ... खड़ा किया है ... कि ... अपनी ... दिखाऊँ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:17 (#8)

"मैंने तुझे ... खड़ा किया है"

पौलुस परमेश्वर का उद्धरण देते हुए **तुझे ... खड़ा किया है** वाक्यांश का उपयोग करते हैं जिसका अर्थ है किसी को राजा बनने के लिए प्रेरित करना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय मुहावरा या विचार को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने आपको राजा बनने के लिए प्रेरित किया"

देखें: मुहावरा

रोमियों 9:17 (#9)

"तुझे" - "तुझ"

इस वचन में **तुझे (तुझ)** दोनों बार एकवचन में हैं और फ़िरौन को सन्दर्भित करते हैं।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 9:17 (#10)

"इसलिए" - "कि"

इस वचन में **इसलिए (कि)** दोनों बार उद्देश्य खंडों को प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में उद्देश्य के खंडों को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उद्देश्य से ... ताकि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 9:17 (#11)

"अपनी सामर्थ्य"

देखें कि आपने 1:16 में **सामर्थ्य** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:17 (#12)

"तुझ में"

पौलुस परमेश्वर को उद्धृत करते हुए उनकी **सामर्थ्य** का उल्लेख करते हैं जैसे कि यह एक वस्तु हो जो फ़िरौन **में** हो सकती है। इसका अर्थ यह है कि फ़िरौन वह माध्यम था जिसके द्वारा परमेश्वर अपनी सामर्थ्य प्रकट करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके माध्यम से"

देखें: रूपक

रोमियों 9:17 (#13)

"और मेरे नाम का प्रचार ... हो"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य

तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि लोग मेरे नाम का प्रचार कर सकें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:17 (#14)

"मेरे नाम"

यहाँ, **मेरे नाम** स्वयं परमेश्वर को प्रतिनिधित्व करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके लिए समानार्थी अभिव्यक्ति या सरल भाषा का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं जो हूँ"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 9:18 (#1)

"तो फिर"

तो फिर यह दर्शाता है कि इस वचन में जो आगे कहा गया है, वह 9:14–17 के विचारों का सारांश है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक स्पष्ट अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 5:18 और 9:16 में कैसे किया।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 9:18 (#2)

"वह ... चाहता है" - "उस पर दया करता है," - "और ... चाहता है, उसे कठोर कर देता है"

इस वचन में **वह** परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ... चाहते है ... उस पर दया करता है ... परमेश्वर ... चाहते हैं ... उसे कठोर कर देता है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:18 (#3)

"वह ... दया करता है"

देखें कि आपने 9:15 में **दया** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:18 (#4)

"वह ... कठोर कर देता है"

यहाँ, **वह ... कठोर कर देता है** का अर्थ है किसी को हठीला बनाना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह हठीला बनाते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 9:19 (#1)

"तू ... कहेगा"

तू यहाँ एकवचन है और एक काल्पनिक व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो पौलुस का विरोध करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप लोग जो मेरा विरोध करते हैं, कहेंगे"

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 9:19 (#2)

"फिर तू मुझसे कहेगा"

यहाँ, **फिर** यह दर्शाता है कि आगे जो कहा गया है वह पौलुस द्वारा 9:14–18 में कही गई बातों का उत्तर है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर आप मेरी कही हुई बात का उत्तर इस प्रकार देंगे"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 9:19 (#3)

"मुझसे"

यहाँ सर्वनाम **मुझसे** पौलुस को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे, पौलुस से"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:19 (#4)

"वह फिर क्यों दोष लगाता है? कौन उसकी इच्छा का सामना करता है?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि यहाँ इन दो प्रश्नों का उपयोग यह व्यक्त करने के लिए कर रहे हैं कि उसका विरोध करने वाले किसी व्यक्ति को 9:14–18 में कही गई बातों पर क्या आपत्ति हो सकती है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक वाग्मितापूर्ण प्रश्न का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप उसके शब्दों को एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तब वह हमारे ऊपर दोष नहीं लगा सकता! उनकी इच्छा का सामना कोई भी नहीं कर सकता है!"

देखें: वाग्मितापूर्ण प्रश्न

रोमियों 9:19 (#5)

"फिर क्यों"

यहाँ, **फिर** दर्शाता है कि आगे जो कहा गया है, वह पौलुस के 9:14–18 में कहे गए विचारों का उत्तर है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि ये बातें सच हैं, फिर क्यों"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 9:19 (#6)

"वह फिर क्यों" - "दोष लगाता है?" - "उसकी"

इस वचन में सर्वनाम **वह** और **उसकी** परमेश्वर को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर फिर क्यों ... दोष लगाते हैं ... परमेश्वर की"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:19 (#7)

"वह फिर ... दोष लगाता है"

यहाँ, **दोष लगाता है** का अर्थ किसी को कुछ बुरा करने के लिए दोषी ठहराना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह फिर ... हमारे पापों के लिए हमें दोषी ठहराते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 9:20 (#1)

"हे मनुष्य"

इस वचन में पौलुस अपने काल्पनिक प्रतिपक्षी के वाग्मितापूर्ण प्रश्नों का उत्तर देना शुरू करते हैं जो पिछले वचन में उठाए गए थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उत्तर दूँगा, 'हे मनुष्य'"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:20 (#2)

"हे मनुष्य, भला तू कौन है, जो परमेश्वर का सामना करता है? क्या गढ़ी हुई वस्तु गढ़नेवाले से कह सकती है, "तूने मुझे ऐसा क्यों बनाया है?"

इस वचन में पौलुस अपने काल्पनिक प्रतिपक्षी के पिछले वचन में पूछे गए वाग्मितापूर्ण प्रश्नों का उत्तर दे रहे हैं। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:20 (#3)

"हे मनुष्य"

यहाँ **हे मनुष्य** एक विस्मयादिबोधक शब्द है जो आक्रोश व्यक्त करता है। अपनी भाषा में आक्रोश व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक विस्मयादिबोधक का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "हे मनुष्य, आपने कैसे साहस की!"

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 9:20 (#4)

"मनुष्य"

यद्यपि **मनुष्य** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग मानव की कमजोरी पर जोर देने के लिए कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य" या "केवल मरनहार"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

रोमियों 9:20 (#5)

"भला तू कौन है, जो परमेश्वर का सामना करता है"

यहाँ, **जो परमेश्वर का सामना करता है**, यह स्पष्ट करता है कि **तू** कौन हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन शब्दों के बीच सम्बंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भला आप कौन हैं जो परमेश्वर का सामना करते हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 9:20 (#6)

"भला तू कौन है, जो परमेश्वर का सामना करता है?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि पिछले वचन में कही गई बातों पर अपना क्रोध व्यक्त करने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक वाग्मितापूर्ण प्रश्न का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप उसके शब्दों को एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप जो परमेश्वर का सामना कर रहे हो, सचमुच में कुछ भी नहीं हो!"

देखें: वाग्मितापूर्ण प्रश्न

रोमियों 9:20 (#7)

"तू"

यहाँ, **तू** एकवचन है और एक काल्पनिक व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो पौलुस का विरोध करता है। देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद पिछले वचन में कैसे किया हैं।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 9:20 (#8)

"क्या गढ़ी हुई वस्तु गढ़नेवाले से कह सकती है, "तूने मुझे ऐसा क्यों बनाया है?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर देने के लिए यहाँ प्रश्न का रूप उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक वाग्मितापूर्ण प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों

का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो गढ़ा गया है वह निश्चित रूप से गढ़नेवाले से नहीं कह सकता, 'आपने मुझे ऐसे क्यों बनाया हैं?'"

देखें: वाग्मितापूर्ण प्रश्न

रोमियों 9:20 (#9)

"क्या गढ़ी हुई वस्तु गढ़नेवाले से कह सकती है, "तूने मुझे ऐसा क्यों बनाया है?"

यहाँ पौलुस एक व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जिसे परमेश्वर ने ऐसे बनाया जैसे वह एक वस्तु हो जिसे परमेश्वर ने **गढ़ी** हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सृजा गया व्यक्ति निश्चित रूप से उन्हें जिसने उसे बनाया है, यह नहीं कह सकता, 'आपने मुझे ऐसे क्यों बनाया?'"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 9:20 (#10)

"गढ़ी हुई"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह वस्तु जिसे परमेश्वर ने गढ़ा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:20 (#11)

"गढ़नेवाले से"

यहाँ, **गढ़नेवाले से** वह परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, जिन्होंने इसे गढ़ा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:20 (#12)

"क्या गढ़ी हुई वस्तु गढ़नेवाले से कह सकती है, "तूने मुझे ऐसा क्यों बनाया है?"

यदि आप इस वचन का प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद करते हैं, तो यह वाक्य प्रत्यक्ष उद्धरण के अन्दर एक दूसरा प्रत्यक्ष उद्धरण होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप दूसरे प्रत्यक्ष उद्धरण को अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो गढ़ी गई है, वह गढ़नेवाले से यह नहीं पूछेगी कि उन्होंने इसे इस तरह क्यों बनाया?"

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

रोमियों 9:20 (#13)

"तूने मुझे ऐसा क्यों बनाया है?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग अपने काल्पनिक विरोधी के कथन पर जोर देने के लिए कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक वाग्मितापूर्ण प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको मुझे ऐसे नहीं बनाना चाहिए था!"

देखें: वाग्मितापूर्ण प्रश्न

रोमियों 9:21 (#1)

"क्या कुम्हार को मिट्टी पर अधिकार नहीं, कि एक ही लोंदे में से, एक बर्तन आदर के लिये, और दूसरे को अनादर के लिये बनाए?"

पौलुस जानकारी के लिए नहीं पूछ रहे हैं, बल्कि वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर देने के लिए यहाँ प्रश्न का रूप उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक वाग्मितापूर्ण प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कुम्हार के पास निश्चित रूप से मिट्टी पर अधिकार है कि वह एक ही लोंदे में से न केवल आदर के लिए बर्तन बनाए, बल्कि अनादर के लिए भी बनाए!"

देखें: वाग्मितापूर्ण प्रश्न

रोमियों 9:21 (#2)

"क्या कुम्हार को मिट्टी पर अधिकार नहीं, कि एक ही लोंदे में से, एक बर्तन आदर के लिये, और दूसरे को अनादर के लिये बनाए?"

पौलुस **कुम्हार** और उसकी **मिट्टी** के रूपक का उपयोग करके लोगों पर परमेश्वर के अधिकार के बारे में बात करते हैं। पौलुस का अर्थ है कि परमेश्वर को लोगों के साथ जो चाहे करने का अधिकार है, क्योंकि उन्होंने(परमेश्वर) उन्हें (मनुष्य) बनाया है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या परमेश्वर को हम पर अधिकार नहीं है जैसे कि एक कुम्हार को मिट्टी पर अधिकार होता है, कि एक ही लोंदे में से, एक बर्तन आदर के लिये, और दूसरे को अनादर के लिये बनाए?"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

रोमियों 9:21 (#3)

"क्या कुम्हार को मिट्टी पर अधिकार नहीं, कि एक ही लोंदे में से, एक बर्तन आदर के लिये, और दूसरे को अनादर के लिये बनाए?"

एक **कुम्हार** ऐसा व्यक्ति होता है जो एक प्रकार की चिकनी मिट्टी से बर्तन बनाता है जिसे **मिट्टी** कहते हैं और जो गर्म होने पर कठोर हो जाती है। **कुम्हार मिट्टी** के एक **लोंदे** को लेता है और इसे विभिन्न प्रकार के बर्तनों में ढालता है जो विभिन्न उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाते हैं। यदि आपके पाठक **मिट्टी** के बर्तनों से परिचित नहीं हैं, तो आप अपने क्षेत्र में बर्तन बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली किसी अन्य प्रकार की सामग्री का नाम ले सकते हैं, या एक सामान्य अभिव्यक्ति भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या वह व्यक्ति जो कुछ बनाता है, उसके पास अपनी सामग्री पर अधिकार नहीं होता कि वह उन सामग्रियों से, एक बर्तन आदर के लिये, और दूसरे को अनादर के लिये बनाए?"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

रोमियों 9:21 (#4)

"एक बर्तन आदर के लिये," - "अनादर के लिये"

यदि आपकी भाषा में **आदर** और **अनादर** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं

विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक बर्तन जो आदरणीय ... जो अनादरणीय

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:21 (#5)

"एक बर्तन आदर के लिये," - "अनादर के लिये"

यहाँ, **आदर** और **अनादर** इस बात का संकेत देते हैं कि इन बर्तनों का उपयोग कैसे किया जाएगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सम्मानजनक उपयोग के लिये एक बर्तन ... अपमानजनक उपयोग के लिये”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:22 (#1)

"कि"

यहाँ पौलुस कई भाषाओं में पूर्ण वाक्य के लिये आवश्यक कुछ शब्द छोड़ देते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं, विशेष रूप से 9:20 में यह विचार कि कोई भी परमेश्वर का सामना नहीं कर सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कि आप परमेश्वर का सामना कर सकते हैं"

देखें: पदलोप

रोमियों 9:22 (#2)

"कि"

यहाँ, **कि** एक लम्बे वाग्मितापूर्ण प्रश्न की शुरुआत को दर्शाता है जो 9:22 से 9:24 तक फैला हुआ है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए वाग्मितापूर्ण प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और महत्वपूर्ण बात को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि आप परमेश्वर के विरुद्ध कुछ भी नहीं कह सकते"

देखें: वाग्मितापूर्ण प्रश्न

रोमियों 9:22 (#3)

"कि"

यहाँ, **कि** एक सशर्त वाक्य की शुरुआत को इंगित करता है जो 9:22 से 9:24 तक फैला हुआ है। पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह एक काल्पनिक सम्भावना हो, लेकिन उनका अर्थ है कि यह सचमुच में सत्य है। यदि आपकी भाषा किसी चीज को शर्त के रूप में नहीं बताती है कि यह निश्चित या सत्य है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उसके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप परमेश्वर के विरुद्ध कुछ भी नहीं कह सकते, क्योंकि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 9:22 (#4)

"अपना क्रोध दिखाने और अपनी सामर्थ्य प्रगट करने की इच्छा से क्रोध के बरतनों की, जो विनाश के लिये तैयार किए गए थे बड़े धीरज से सही"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बड़े धीरज से सही जो विनाश के लिये तैयार किए गए थे, क्रोध के बरतनों पर अपना क्रोध दिखाने और अपनी सामर्थ्य प्रगट करने की इच्छा से"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 9:22 (#5)

"अपना क्रोध दिखाने ... की इच्छा"

यह खंड संकेत कर सकता है: (1) कारण क्यों परमेश्वर ने **क्रोध के बरतनों की ... धीरज से सही**। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने क्रोध को दिखाने ... की इच्छा के परिणामस्वरूप" (2) परमेश्वर के **अपना क्रोध दिखाने ... की इच्छा** और **क्रोध के बरतनों की ... धीरज से सही** के बीच एक विरोधाभास। वैकल्पिक अनुवाद: "हालाँकि वे अपने क्रोध दिखाने ... की इच्छा रखते थे"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

रोमियों 9:22 (#6)

"अपना क्रोध दिखाने और अपनी सामर्थ्य प्रगट करने ..., क्रोध के बरतनों की, जो विनाश के लिये तैयार किए गए थे बड़े धीरज से सही"

यदि आपकी भाषा **क्रोध**, **सामर्थ्य**, **धीरज**, और **विनाश** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह कितने क्रोधित हैं और यह जानने के लिए कि वह कितने सामर्थी हैं, बहुत धैर्यवान होने के कारण क्रोधित बर्तन जो नाश होने के लिए तैयार किए गए थे, उन्हें सहन किया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:22 (#7)

"अपनी सामर्थ्य प्रगट करने"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपनी सामर्थ्य को लोगों में प्रगट कराने के लिए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:22 (#8)

"क्रोध के बरतनों"

पौलुस लोगों को ऐसे सन्दर्भित करते हैं जैसे वे **बर्तन** हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्रोध के लोग"

देखें: रूपक

रोमियों 9:22 (#9)

"क्रोध के बरतनों"

पौलुस **बरतनों** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं जो **क्रोध** के योग्य ठहरा हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बर्तन जो क्रोध के योग्य ठहरा है" या "लोग जो क्रोध के योग्य ठहरे हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 9:22 (#10)

"विनाश के लिये तैयार किए गए"

यह वाक्यांश **क्रोध के बरतनों** के बारे में और जानकारी प्रदान करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच सम्बंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जिन्हें विनाश के लिये तैयार किया गया है”

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 9:22 (#11)

"विनाश के लिये तैयार किए गए"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। जो कार्य करता है वह हो सकता है: (1) परमेश्वर, जो इस वचन का मुख्य कर्ता हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने विनाश के लिये तैयारी की" (2) स्वयं लोग। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने स्वयं को विनाश के लिये तैयार किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:22 (#12)

"विनाश के लिये तैयार किए गए"

के लिये शब्द यह संकेत करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह उससे पहले आए शब्द से जुड़ता है। यहाँ, **के लिये** उस उद्देश्य को इंगित करता है जिसके लिए **क्रोध के बरतनों ... तैयार** किए गए थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विनाश के उद्देश्य से तैयार किए गए"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 9:22 (#13)

"विनाश के लिये"

यहाँ, **विनाश** नरक में अनन्तकाल तक दण्ड का अनुभव करने को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: “अनन्त विनाश का अनुभव करने के लिये”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:22–24 (#1)

""

सामान्य जानकारी: 9:22–24 एक लम्बा वाक्य है। यदि आप इन वचनों को कई वाक्यों में विभाजित करते हैं, जैसा कि यूएसटी (अनफोल्डिंगवर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन) करता है, तो अर्थ को स्पष्ट करने के लिए आपको कुछ वाक्यांशों को दोहराने की आवश्यकता हो सकती है।

रोमियों 9:23 (#1)

"और"

यहाँ, **और** इंगित करता है कि यह वचन उस वाक्य को जारी रखता है जिसे पौलुस ने पिछले वचन में शुरू किया था। यदि आप वाक्य को छोटे वाक्यों में विभाजित करते हैं, तो आपको यहाँ पिछले वचन से कुछ जानकारी को दोहराने की आवश्यकता होगी। वैकल्पिक अनुवाद: "कि परमेश्वर ने भी क्रोध के बरतनों को सहन किया ताकि" या "परमेश्वर ने भी क्रोध के बरतनों को सहन किया ताकि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 9:23 (#2)

"के लिये" - "इच्छा की"

यहाँ, **इच्छा की** और **के लिये** उद्देश्य खंड को इंगित करते हैं। उद्देश्य खंड को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उद्देश्य के लिये ताकि ... इस उद्देश्य से कि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 9:23 (#3)

"उसने ... पहले से तैयार किया" - "अपने ... प्रगट करने" - "अपने"

इस वचन में सर्वनाम **उसने** और **अपने** परमेश्वर को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ... प्रगट करने ... परमेश्वर का ... परमेश्वर ने ... पहले से तैयार किया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:23 (#4)

"अपने ... प्रगट करने"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह लोगों को बता सकते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:23 (#5)

"धन"

यदि आपकी भाषा में **धन** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धनी गुण”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:23 (#6)

"दया के" - "महिमा के लिये" - "अपने महिमा के"

यदि आपकी भाषा **महिमा** और **दया** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह कितना महिमामय हैं ... जिनके प्रति वे दयालुता से कार्य करते हैं ... महिमामय बनने के लिये"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:23 (#7)

"अपने महिमा के धन"

पौलुस एक **महिमा** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **धन** के द्वारा विशेषीकृत है।

यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी समृद्ध महिमा"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 9:23 (#8)

"दया के बरतनों"

पौलुस **बरतनों** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं जो परमेश्वर की **दया** प्राप्त करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बर्तन जो दया प्राप्त करेंगे"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 9:23 (#9)

"दया के बरतनों"

देखें कि आपने पिछले वचन में **बरतनों** का अनुवाद किस प्रकार किया हैं।

देखें: रूपक

रोमियों 9:23 (#10)

"जिन्हें उसने महिमा के लिये पहले से तैयार किया"

यह खंड **दया के बरतनों** के बारे में और जानकारी प्रदान करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच सम्बंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे हैं जिन्हें उन्होंने महिमा के लिये पहले से तैयार किया"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 9:23 (#11)

"महिमा के लिये"

यहाँ, **के लिये** उस उद्देश्य को इंगित करता है जिसके लिए **दया के बरतनों** को **तैयार** किए थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "महिमा के उद्देश्य से तैयार किए गए"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 9:23 (#12)

"महिमा के लिये"

यहाँ, **महिमा** का अर्थ स्वर्ग में परमेश्वर के साथ हमेशा के लिये **महिमा** का अनुभव करना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनन्त महिमा का अनुभव करने के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:24 (#1)

"अर्थात् हम"

यहाँ, **अर्थात् हम** इंगित करता है कि यह वचन जिसे पौलुस ने 9:22 में शुरू किया था उस वाक्य को जारी रखता है। यदि आप वाक्य को छोटे वाक्यों में विभाजित करते हैं, तो आपको यहाँ पिछले वचनों से कुछ जानकारी को दोहराने की आवश्यकता होगी। वैकल्पिक अनुवाद: "कि हम भी दया के बर्तन हैं" या "हम भी दया के बर्तन हैं"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 9:24 (#2)

"हम"

यहाँ, **हम** पौलुस और उनके मसीही पाठकों को सन्दर्भित करता है, इसलिए **हम** समावेशी होगा। आपकी भाषा में इस रूप को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 9:24 (#3)

"उसने ... बुलाया"

यहाँ, **उसने** परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने बुलाया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:24 (#4)

"न केवल यहूदियों में से वरन् अन्यजातियों में से भी"

यह वाक्यांश उन लोगों के बारे में और जानकारी देता है **जिन्हें** परमेश्वर ने **बुलाया** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यों के बीच सम्बंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो न केवल यहूदियों में से वरन् अन्यजातियों में से भी"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 9:25 (#1)

"जैसा वह होशे की पुस्तक में भी कहता है"

यह वाक्यांश यह इंगित करता है कि इस वचन और अगले वचन में जो कुछ कहा गया है वह पुराने नियम की एक पुस्तक (होशे 2:23; 1:10) से उद्धरण है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि होशे द्वारा लिखे गए वचन में भी कहा गया है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 9:25 (#2)

"वह ... कहता है" - "मेरी" - "अपनी" - "मैं ... कहूँगा"

यहाँ, **वह**, **मैं**, और **मेरी** परमेश्वर को सन्दर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ... कहते हैं ... मैं, परमेश्वर, ... कहूँगा ... मेरी ... अपनी"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:25 (#3)

"वह ... कहता है"

यहाँ पौलुस ने भूतकाल में घटी किसी घटना को सन्दर्भित करने के लिये वर्तमान काल की क्रिया **कहता है** का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने कहा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 9:25 (#4)

"जो मेरी प्रजा न थी, उन्हें मैं अपनी प्रजा कहूँगा,"

यह वाक्य 2:23 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इस सारे तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:25 (#5)

"और जो प्रिया न थी, उसे प्रिया कहूँगा"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जिन्हें मैंने प्रिय नहीं जाना, उन्हें प्रिय जाना"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:26 (#1)

"और ऐसा होगा कि जिस जगह में उनसे यह कहा गया था, कि तुम मेरी प्रजा नहीं हो,"

यह वचन 1:10 से उद्धृत है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इस सारे तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:26 (#2)

"यह कहा गया था"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। सन्दर्भ यह दर्शाता है कि परमेश्वर ने इसे प्रथम व्यक्ति में कहा। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने कहा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:26 (#3)

"वे ... कहलाएँगे"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। कार्य करने वाला हो सकता है: (1) परमेश्वर। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उन्हें ... कहूँगा" (2) सामान्य लोग। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग उन्हें कहेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:26 (#4)

"जीविते परमेश्वर की सन्तान"

देखें कि आपने 8:14 में **सन्तान** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 9:26 (#5)

"जीविते परमेश्वर की"

यहाँ, **जीविते परमेश्वर** का अर्थ हो सकता है: (1) परमेश्वर जो जीवित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह परमेश्वर जो जीवित हैं" (2) परमेश्वर जो जीवित वस्तुओं को जीवित बनाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह परमेश्वर जो जीवन देते हैं" या "वह परमेश्वर जो जीवित करते हैं"

देखें: मुहावरा

रोमियों 9:27 (#1)

"और यशायाह इस्राएल के विषय में पुकारकर कहता है"

यह वाक्यांश इंगित करता है कि इस वचन और अगले वचन में जो कुछ भी लिखा गया है वह पुराने नियम की एक पुस्तक (यशा 10:22–23) से लिया गया उद्धरण है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु, जैसा कि वचन में लिखा है, यशायाह इस्राएल के विषय में पुकारकर कहते हैं"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 9:27 (#2)

"पुकारकर कहता है"

यहाँ पौलुस वर्तमान काल की क्रिया **पुकारकर कहता है** का उपयोग करते हैं ताकि किसी ऐसी घटना का उल्लेख किया जा सके जो भूतकाल में हुई थी। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पुकारकर कहा”

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 9:27 (#3)

"इस्राएल"

यहाँ, **इस्राएल** इस्राएलियों को सन्दर्भित करता है। वे याकूब के वंशज हैं, जिन्हें परमेश्वर ने **इस्राएल** भी कहा हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएलियों" या "इस्राएल के वंशज"

देखें: रूपक

रोमियों 9:27 (#4)

"चाहे इस्राएल की सन्तानों की गिनती समुद्र के रेत के बराबर हो,"

यह वाक्य यशायाह 10:22–23 से एक उद्धरण की शुरुआत है। आपके पाठकों के लिए इसे आरम्भिक उद्धरण चिह्न या किसी अन्य विराम चिह्न या परम्परा के साथ इंगित करना सहायक हो सकता है जिसका उपयोग आपकी भाषा किसी उद्धरण की शुरुआत को इंगित करने के लिए करती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:27 (#5)

"इस्राएल की सन्तानों की"

यहाँ, **सन्तानों** शब्द का अर्थ वंशजों से है। पौलुस यशायाह का उद्धरण देते हुए इस्राएलियों को उनके पूर्वज याकूब के वंशज

के रूप में पहचानते हैं, जिन्हें **इस्राएल** के नाम से भी जाना जाता था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इस्राएल के लोग”

देखें: रूपक

रोमियों 9:27 (#6)

"समुद्र के रेत के बराबर"

पौलुस यशायाह का उद्धरण करते समय कुछ ऐसे शब्द छोड़ देते हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वाक्य के पहले भाग से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समुद्र के रेत के कणों की संख्या के बराबर"

देखें: पदलोप

रोमियों 9:27 (#7)

"समुद्र के रेत के बराबर"

यहाँ पौलुस यशायाह का उद्धरण देते हुए इस्राएलियों की गिनती की तुलना **समुद्र** के किनारे की **रेत** के कणों से करते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि वे कितने अधिक हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गिनने में अत्यधिक"

देखें: उपमा

रोमियों 9:27 (#8)

"समुद्र के रेत"

पौलुस यशायाह का उद्धरण देते हुए **समुद्र** के पास की **रेत** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “समुद्र के किनारे की रेत”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 9:27 (#9)

"थोड़े"

यदि आपकी भाषा में **थोड़े** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो शेष हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:27 (#10)

"बचेंगे"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर बचाएँगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:28 (#1)

"क्योंकि"

यहाँ, **क्योंकि** यह संकेत करता है कि आगे जो कहा गया है वह कारण है कि पिछले वचन में कथन सत्य है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सत्य है क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 9:28 (#2)

"अपना वचन"

यहाँ, **वचन** परमेश्वर के उस प्रतिज्ञा को सन्दर्भित करता है जिसमें वे इस्राएलियों को दण्ड देने और उनमें से एक बचे हुए लोग को बचाने की बात करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उन्हें दण्ड देने और बचाने की प्रतिज्ञा”

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 9:28 (#3)

"पूरा करके"

यहाँ, **पूरा** का अर्थ है किसी कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सफलतापूर्वक पूरा करना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:28 (#4)

"शीघ्र ... करेगा"

यहाँ, **शीघ्र ... करेगा** का अर्थ है किसी बात को फुर्ती से समाप्त करना। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप इसे सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसे फुर्ती से समाप्त करना"

देखें: रूपक

रोमियों 9:28 (#5)

"शीघ्र उसे सिद्ध करेगा"

इस वचन का अन्त यशायाह 10:22–23 से एक उद्धरण का समापन है। आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो सकता है कि आप इसे समापन उद्धरण चिह्न या किसी अन्य विराम चिह्न या परम्परा के साथ इंगित करें जो आपकी भाषा किसी उद्धरण के अन्त को इंगित करने के लिए उपयोग करती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:29 (#1)

"जैसा यशायाह ने पहले भी कहा था"

यह वाक्यांश इंगित करता है कि इस वचन और अगले वचन में जो कुछ कहा गया है वह पुराने नियम की एक पुस्तक (1:9) से लिया गया उद्धरण है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और जैसा कि यशायाह ने पहले से वचन में कहा था”

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 9:29 (#2)

""यदि सेनाओं का प्रभु हमारे लिये कुछ वंश न छोड़ता,"

यह वाक्य 1:9 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:29 (#3)

"हमारे" - "हम ... हो जाते" - "हम ... सरीखे ठहरते"

इस वचन में **हमारे** और **हम** यशायाह और उन लोगों को सन्दर्भित करते हैं जिनसे उन्होंने बात की, इसलिए **हमारे** और **हम** विशिष्ट होंगे। आपकी भाषा में इस रूप को चिह्नित करना आवश्यक हो सकता है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 9:29 (#4)

"कुछ वंश"

यहाँ, **वंश** एकवचन है, लेकिन यह लोगों के एक समूह को सन्दर्भित करता है। देखें कि आपने 4:13 में **वंश** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

रोमियों 9:29 (#5)

"हम सदोम के समान हो जाते।"

पौलुस के पाठक जानते होंगे कि **सदोम** और **गमोरा** ऐसे नगर थे जिन्हें परमेश्वर ने पूरी तरह नाश कर दिया था क्योंकि उनमें रहने वाले लोग अत्यन्त दुष्ट थे (उत् 19)। यदि आपके पाठक इस कहानी से परिचित नहीं हैं, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं या इसे एक टिप्पणी में उल्लेखित कर सकते

हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम सदोम के लोगों की तरह नाश हो जाते, और हम गमोरा के लोगों की तरह नाश हो जाते"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:29 (#6)

"हम सदोम के समान हो जाते।"

ये दोनों वाक्यांश एक ही बात का अर्थ रखते हैं। यशायाह ने एक ही बात को दो बार, थोड़े विभिन्न तरीके से कहा है, ताकि यह जोर दिया जा सके कि इस्राएल को परमेश्वर द्वारा पूरी तरह से नाश किया जा सकता था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हम सदोम और गमोरा के समान हो जाते”

देखें: समानांतरता

रोमियों 9:29 (#7)

"हम ... गमोरा के सरीखे ठहरते"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने हमें गमोरा के समान बना दिया होता"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:30 (#1)

"तो"

तो शब्द यह दर्शाता है कि जो आगे आता है वह एक प्रतिक्रिया है। यहाँ, **तो** पौलुस ने जो 9:20–29 में कहा, उसकी प्रतिक्रिया के रूप में है। देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 6:1 में कैसे किया हैं।

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 9:30 (#2)

"तो हम क्या कहें?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि इस वाक्य में प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं ताकि वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर दे सके। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक वाग्मितापूर्ण प्रश्न का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप उसके शब्दों को एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं और दूसरे तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “फिर हम यह कहेंगे:”

देखें: वाग्मितापूर्ण प्रश्न

रोमियों 9:30 (#3)

"कि अन्यजातियों ने"

पौलुस कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हम कहेंगे कि अन्यजातियों”

देखें: पदलोप

रोमियों 9:30 (#4)

"जो धार्मिकता की खोज नहीं करते थे"

यह खंड **अन्यजातियों** के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के बीच सम्बंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे हैं जो धार्मिकता की खोज नहीं करते थे"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 9:30 (#5)

"धार्मिकता," - "धार्मिकता," - "धार्मिकता"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 6:13 में कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:30 (#6)

"विश्वास से"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 4:16 में कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:31 (#1)

"इस्राएली"

देखें कि आपने 9:27 में इस नाम का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

रोमियों 9:31 (#2)

"व्यवस्था" - "उस व्यवस्था"

इस वचन में **व्यवस्था** उन नियमों को सन्दर्भित करता है जो परमेश्वर ने मूसा को निर्देशित करके यहूदियों को दी थीं। देखें कि आपने 2:12 में **व्यवस्था** के उपयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:31 (#3)

"धार्मिकता की व्यवस्था"

पौलुस **व्यवस्था** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं जो **धार्मिकता** के उद्देश्य के लिए था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “धार्मिकता के लिए एक व्यवस्था”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 9:31 (#4)

"धार्मिकता की"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद पिछले वचन में कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:32 (#1)

"किस लिये"

पौलुस कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह

आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप पिछले वचन से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे धार्मिकता को क्यों नहीं प्राप्त कर सके?"

देखें: पदलोप

रोमियों 9:32 (#2)

"किस लिये?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर देने के लिए यहाँ प्रश्न का रूप उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक वाग्मितपूर्ण प्रश्न का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप उनके शब्दों को एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं और किसी अन्य से महत्वपूर्ण बात को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यही कारण है:"

देखें: वाग्मितपूर्ण प्रश्न

रोमियों 9:32 (#3)

"इसलिए कि वे विश्वास से नहीं"

पौलुस कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में किसी खंड को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप पिछले वचन से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने धार्मिकता प्राप्त इसलिए नहीं की क्योंकि उन्होंने विश्वास से नहीं खोजा"

देखें: पदलोप

रोमियों 9:32 (#4)

"विश्वास से"

देखें कि आपने 9:30 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:32 (#5)

"कर्मों से"

पौलुस मानते हैं कि उनके पाठक समझेंगे कि **कर्मों** का अर्थ "व्यवस्था के कामों" से है। देखें कि आपने 4:2 में **कर्मों** के उसी प्रयोग का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 9:32 (#6)

"उन्होंने ... ठोकर खाई"

ठोकर खाई उस वाक्य की शुरुआत करता है जो पिछले वाक्य में पौलुस द्वारा वर्णित बात का परिणाम बताता है। अपनी भाषा में परिणाम को इंगित करने के लिये एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप, उन्होंने ... ठोकर खाई"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 9:32 (#7)

"उन्होंने उस ठोकर के पत्थर पर ठोकर खाई"

यहाँ पौलुस मसीह के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे वह एक **पत्थर** हों जिस पर यहूदियों ने **ठोकर खाई**। उनका अर्थ है कि यहूदी मसीह से अप्रसन्न थे क्योंकि वे कर्मों से धार्मिक बनने की कोशिश कर रहे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे यीशु से अप्रसन्न थे, जैसे लोग ठोकर के पत्थर पर ठोकर खाते है" या "वे यीशु से अप्रसन्न थे"।

देखें: रूपक

रोमियों 9:32 (#8)

"ठोकर के पत्थर"

पौलुस एक **पत्थर** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **ठोकर** का कारण बनता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पत्थर जो ठोकर का कारण बनता है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 9:33 (#1)

"जैसा लिखा है"

देखें कि आपने [1:17] में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 9:33 (#2)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि कार्य किसने की, तो यह उद्धरण भविष्यद्वक्ता यशायाह द्वारा लिखा गया है और परमेश्वर बोल रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा यशायाह ने लिखा" या "जैसा परमेश्वर ने यशायाह के द्वारा कहा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 9:33 (#3)

""देखो मैं सिय्योन में एक ठेस लगने का पत्थर, और ठोकर खाने की चट्टान रखता हूँ,"

यह वाक्य पौलुस द्वारा 8:14 और 28:16 के भागों का संक्षिप्त अनुवाद है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके आप उद्धरण को इंगित करते हैं।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 9:33 (#4)

"देखो"

पौलुस यशायाह का उद्धरण देते हुए **देखो** शब्द का उपयोग करते हैं ताकि वे अपने श्रोताओं का ध्यान उस पर केन्द्रित कर सकें जो वे कहने वाले हैं। आपकी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं।

देखें: रूपक

रोमियों 9:33 (#5)

"मैं ... रखता हूँ"

इस पुराने नियम के उद्धरण में, **मैं** परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, परमेश्वर, ... रखता हूँ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 9:33 (#6)

"सिय्योन में"

यहाँ, **सिय्योन** यरूशलेम के नगर को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यरूशलेम में"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 9:33 (#7)

""ठेस लगने का पत्थर, और ठोकर खाने की चट्टान,"

यहाँ, **ठेस लगने का पत्थर**, **ठोकर खाने की चट्टान**, और **उस** मसीह को सन्दर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति जो ठेस लगने का पत्थर और ठोकर खाने की चट्टान के समान होंगे" या "एक व्यक्ति जो लोगों को ठेस लगाएंगे और उन्हें ठोकर खिलाएंगे"

देखें: रूपक

रोमियों 9:33 (#8)

"ठेस लगने का पत्थर, और ठोकर खाने की चट्टान"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पुनरावृत्ति का उपयोग यह दिखाने के लिए किया जाता है कि यहूदी लोगों के लिए मसीह कितने ठोकर का कारण होंगे। यदि आपकी भाषा में ऐसा करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक पत्थर जो बड़े ठोकर का कारण बनता है"

देखें: द्विरावृत्ति

रोमियों 9:33 (#9)

"ठेस लगने का पत्थर"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले वचन में कैसे किया था।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 9:33 (#10)

"ठोकर खाने की चट्टान"

पौलुस एक **चट्टान** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **ठोकर** का कारण बनती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह चट्टान जो ठोकर का कारण बनती है”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 9:33 (#11)

"ठोकर खाने की"

यदि आपकी भाषा में **ठोकर** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो ठोकर देती है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 9:33 (#12)

"जो उस पर विश्वास करेगा, वह लज्जित न होगा"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर पर विश्वास करने वालों को कभी लज्जित नहीं करेंगे।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 10:1 (#1)

"भाइयों"

देखें कि आपने 1:13 में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ शामिल होते हैं

रोमियों 10:1 (#2)

"अभिलाषा" - "मेरी प्रार्थना" - "उद्धार"

यदि आपकी भाषा में **अभिलाषा**, **प्रार्थना**, और **उद्धार** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह बहुत ही मनभावनी बात ... जो मेरी प्रार्थना ... वे बच जाएँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:1 (#3)

"मेरे मन की"

यहाँ, **मन** एक व्यक्ति के भीतरी मनुष्यत्व या मन को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे भीतरी मनुष्यत्व का" या "मेरे मन का"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 10:1 (#4)

"उनके"

10:1–4 में **उनके** सर्वनाम उन यहूदियों को सन्दर्भित करता है जो यीशु में विश्वास नहीं करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदी लोग"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 10:2 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि इस बात को दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह पहले कही गई बात का स्पष्टीकरण है। यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह पिछले वचन में पौलुस द्वारा कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझे ऐसा लगता है क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 10:2 (#2)

"उनको ... धुन रहती है" - "बुद्धिमानी के साथ नहीं"

यदि आपकी भाषा **धुन** और **बुद्धिमानी** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे ... सरगर्म हैं ... पूरी तरह से जाने बिना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:2 (#3)

"उनको परमेश्वर के लिये धुन रहती है"

पौलुस **परमेश्वर** की ओर निर्देशित **धुन** का वर्णन करने के लिये स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पास परमेश्वर के लिये एक धुन है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 10:2 (#4)

"बुद्धिमानी के साथ नहीं"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं, जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्यांश से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनमें परमेश्वर के लिये ऐसी धुन है जो बुद्धिमानी के साथ नहीं"

देखें: पदलोप

रोमियों 10:3 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले कही गई बात का स्पष्टीकरण है। यहाँ, **क्योंकि** यह बताता है कि इसके बाद जो आता है, वह पिछले वचन में पौलुस द्वारा कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में कारण को इंगित करने के लिये स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 10:3 (#2)

"परमेश्वर की धार्मिकता," - "परमेश्वर की धार्मिकता के"

देखें कि आपने 1:17 में **परमेश्वर की धार्मिकता** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 10:3 (#3)

"अपनी धार्मिकता"

यदि आपकी भाषा में **धार्मिकता** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को एक क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आप में धर्मी होना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:3 (#4)

"वे ... परमेश्वर की धार्मिकता के अधीन न हुए"

यहाँ पौलुस **परमेश्वर की धार्मिकता** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जिसके **अधीन** कोई व्यक्ति हो सकता है। उनका अर्थ है कि उन्होंने परमेश्वर की अपेक्षा के अनुसार धार्मिकता प्राप्त करने से इनकार कर दिया, जो कि विश्वास के द्वारा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे परमेश्वर की धार्मिकता को उनके तरीके के अनुसार प्राप्त करने से इनकार करते हैं"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 10:4 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो कहा गया है, वह इससे पहले कही गई बात का स्पष्टीकरण है। यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि पिछले वचन में यहूदी क्यों गलत थे जो उन्होंने अपने आप को धर्मी बनाने की कोशिश की। अपनी भाषा में कारण बताने का स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपनी ही धार्मिकता स्थापित करने के प्रयास में गलत थे क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 10:4 (#2)

"व्यवस्था का अन्त है"

यहाँ, **व्यवस्था का अन्त** का अर्थ हो सकता है: (1) व्यवस्था का समापन। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था का अन्त है" (2) व्यवस्था का लक्ष्य। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था का लक्ष्य है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:4 (#3)

"अन्त है"

यदि आपकी भाषा **अन्त** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वही जो पूरा करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:4 (#4)

"व्यवस्था का"

देखें कि आपने 2:12 में **व्यवस्था** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:4 (#5)

"धार्मिकता के निमित्त"

यहाँ, **के निमित्त** यह संकेत दे सकता है कि: (1) **धार्मिकता** का उद्देश्य **व्यवस्था का अन्त** था। वैकल्पिक अनुवाद: “धार्मिक बनने के उद्देश्य से” (2) **धार्मिकता व्यवस्था का अन्त** का परिणाम था। वैकल्पिक अनुवाद: “धार्मिकता में परिणत होना”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 10:4 (#6)

"धार्मिकता"

देखें कि आपने पिछले वचन में **धार्मिकता** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:4 (#7)

"हर एक विश्वास करनेवाले के लिये"

देखें कि आपने 1:16 में **हर एक विश्वास करनेवाले के लिये** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: पदलोप

रोमियों 10:5 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह इंगित करता है कि इसके बाद जो कहा गया है, वह पहले कही गई बात को समझाता है। यहाँ, यह शब्द यह समझाता है कि पिछले वचन में पौलुस ने क्या कहा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सचमुच में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 10:5 (#2)

"मूसा व्यवस्था से प्राप्त धार्मिकता के विषय में यह लिखता है"

यहाँ पौलुस इस खंड का उपयोग पुराने नियम की एक पुस्तक (18:5) से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समान वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत देता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूसा शास्त्रों में उस धार्मिकता के बारे में लिखते हैं जो व्यवस्था से है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:5 (#3)

"लिखता है"

यहाँ पौलुस वर्तमान काल की क्रिया **लिखता है** का उपयोग करते हैं ताकि किसी ऐसी घटना का उल्लेख किया जा सके जो भूतकाल में घटित हुई थी। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लिखा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 10:5 (#4)

"व्यवस्था से प्राप्त धार्मिकता के विषय में"

यदि आपकी भाषा में **धार्मिकता** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था के आधार पर धर्मी होने के विषय में"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:5 (#5)

"व्यवस्था"

देखें कि आपने **व्यवस्था** का अनुवाद 2:12 में और पिछले वचन में कैसे किया हैं।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:5 (#6)

"जो व्यक्ति उनका पालन करता है, वह उनसे जीवित रहेगा"

इस वाक्य में पौलुस 18:5 का उद्धरण देते हैं। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इस सारे तथ्य को उद्धरण चिह्नों से अलग करें या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा का उपयोग करें जो आपकी भाषा किसी उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग करती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:5 (#7)

"व्यक्ति"

यद्यपि **व्यक्ति** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस यहाँ मूसा का उद्धरण देते हुए इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में करते हैं, जो पुरुषों और स्त्रियों दोनों को शामिल करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “पुरुष या स्त्री”

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियाँ भी शामिल होते हैं

रोमियों 10:5 (#8)

"उनका"

यहाँ, **उनका** उन सभी चीजों को सन्दर्भित करती हैं जो परमेश्वर ने मूसा की व्यवस्था में यहूदियों को आज्ञा दीं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “व्यवस्था में लिखी गई ये बातें”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:5 (#9)

"उनका"

पौलुस मूसा का उद्धरण देते हुए यह संकेत करते हैं कि व्यक्ति को **उनका (व्यवस्था)** को पूरी तरह से मानना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इन सभी बातों को पूरी तरह से" या "इनमें से हर एक बात"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:5 (#10)

"जीवित रहेगा"

यहाँ, **जीवित रहेगा** का अर्थ हो सकता है: (1) अनन्त जीवन। वैकल्पिक अनुवाद: "अनन्तकाल के लिये जीवित रहेंगे" (2) एक मरनहार जीवन जिसे परमेश्वर आशीष देते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जीवित रहेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:5 (#11)

"उनसे"

यहाँ, **उनसे** उस व्यवस्था को सन्दर्भित करता है, जिसे पहले वचन में **उनका** के रूप में कहा गया था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 10:6 (#1)

"जो धार्मिकता विश्वास से है, वह यह कहती है"

यहाँ पौलुस इस खंड का उपयोग पुराने नियम की एक पुस्तक (9:4; 30:12–14) से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत देता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वचन में जो धार्मिकता विश्वास से है, वह यह कहती है”

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:6 (#2)

"जो धार्मिकता विश्वास से है, वह यह कहती है"

यहाँ, **धार्मिकता** का वर्णन इस प्रकार किया गया है जैसे वह एक व्यक्ति हो जो बोल सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वास्तविक अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास से धार्मिकता के विषय में मूसा कहते हैं"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 10:6 (#3)

"धार्मिकता विश्वास से"

देखें कि आपने 6:13 में **धार्मिकता** और 4:16 में **विश्वास से** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:6 (#4)

"कहती है"

यहाँ पौलुस वर्तमान काल की क्रिया **कहती है** का उपयोग भूतकाल में घटी किसी घटना का उल्लेख करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कहा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 10:6 (#5)

"तू अपने मन में यह न कहना कि स्वर्ग पर कौन चढ़ेगा?"

इस वाक्य में पौलुस 9:4 और 30:12 का उद्धरण देते हैं। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:6 (#6)

"अपने"

यहाँ पौलुस मूसा को इस्राएल के लोगों को ऐसे सम्बोधित करते हुए उद्धृत करते हैं जैसे कि वह केवल एक व्यक्ति से बात कर रहे हों। सर्वनाम **अपने** एकवचन है। यदि आपकी भाषा में एक समूह से बात करने के लिए एकवचन रूप स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में **अपने** का बहुवचन रूप उपयोग कर सकते हैं।

देखें: समूहों को सन्दर्भित करने वाले एकवचन सर्वनाम

रोमियों 10:6 (#7)

"मन"

देखें कि आपने 10:1 में **मन** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 10:6 (#8)

"स्वर्ग पर कौन चढ़ेगा?"

पौलुस मूसा का उद्धरण देते हुए अपने श्रोताओं को सिखाने के लिए एक प्रश्न का उपयोग करते हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से महत्वपूर्ण बात को व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से कोई स्वर्ग पर चढ़ नहीं सकता!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 10:6 (#9)

"अर्थात् मसीह को उतार लाने के लिये"

इस खंड में पौलुस पिछले वाक्य का अर्थ स्पष्ट करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात् मसीह को पृथ्वी पर नीचे लाने के लिये"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:6 (#10)

"मसीह को उतार लाने के लिये"

यहाँ, **के लिये** यह दर्शाता है कि यह एक उद्देश्य खंड है। उद्देश्य खंड को प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह को उतार लाने के उद्देश्य से"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 10:7 (#1)

"या"

पौलुस यहाँ **या** का उपयोग 30:12 से एक उद्धरण को 30:13 के एक संक्षिप्त व्याख्या के साथ जोड़ने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इसे स्पष्ट रूप से दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "या यह न कहें"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:7 (#2)

"अधोलोक में कौन उतरेगा?"

इस वाक्य में पौलुस 30:13 का उद्धरण करते हैं। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:7 (#3)

"अधोलोक में कौन उतरेगा?"

पौलुस मूसा का उद्धरण देते हुए अपने श्रोताओं को सिखाने के लिए एक प्रश्न का उपयोग करते हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और महत्वपूर्ण बात को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से कोई भी अधोलोक में उतर नहीं सकता!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 10:7 (#4)

"अर्थात् मसीह को मरे हुओं में से जिलाकर ऊपर लाने के लिये"

इस खंड में पौलुस पिछले वाक्य का अर्थ स्पष्ट करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अर्थात् मसीह को मरे हुओं में से जीवित ऊपर लाने के लिये"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:7 (#5)

"मरे हुओं में से" - "लाने के लिये"

देखें कि आपने 4:24 में एक समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: मुहावरा

रोमियों 10:8 (#1)

"क्या कहती है?"

यहाँ पौलुस इस खंड का उपयोग पुराने नियम की एक पुस्तक (30:14) से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वचन में क्या कहा गया है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:8 (#2)

"क्या कहती है?"

पौलुस यहाँ जानकारी माँगने के लिए प्रश्न नहीं पूछ रहे हैं, बल्कि वह प्रश्न रूप का उपयोग इस सच्चाई पर जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वह कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और महत्वपूर्ण बात को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह निश्चित रूप से कहती है,"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 10:8 (#3)

"क्या कहती है? यह"

यह शब्द "धार्मिकता" को सन्दर्भित करता है जिसका उल्लेख 10:6 में किया गया है। यहाँ पौलुस धार्मिकता का वर्णन इस प्रकार करते हैं मानो यह एक व्यक्ति हो जो बोल सकता है। देखें कि आपने 10:6 में "धार्मिकता विश्वास से है, वह यह कहती है" का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: मानवीकरण

रोमियों 10:8 (#4)

"कहती है?"

यहाँ पौलुस वर्तमान काल की क्रिया **कहती है** का उपयोग भूतकाल में घटी किसी घटना का उल्लेख करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो

आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कहा है”

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 10:8 (#5)

"वचन तेरे निकट है, तेरे मुँह में और तेरे मन में है"

इस वाक्य में पौलुस 30:14 का उद्धरण देते हैं। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:8 (#6)

"वचन तेरे निकट है, तेरे मुँह में और तेरे मन में है"

पौलुस मूसा को उद्धृत करते हैं, जो वचन के विषय में ऐसे बोलते हैं जैसे वह एक वस्तु हो जो किसी के **निकट** या **में (अन्दर)** हो सकती है। उनका अर्थ है कि परमेश्वर का सन्देश मूसा के श्रोताओं द्वारा सहजता से समझा और बोला जा सकता था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप सहजता से वचन को समझ और बोल सकते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 10:8 (#7)

"वचन"

पौलुस मूसा को उद्धृत करते हैं, यह दर्शाने के लिये **वचन** का उपयोग करते हैं कि परमेश्वर ने वचनों के द्वारा जो कहा है। यह सामान्य सन्दर्भ मसीहा के बारे में परमेश्वर के द्वारा कहे गए शब्दों को भी शामिल करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर का सन्देश”

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 10:8 (#8)

"तेरे," - "तेरे" - "तेरे"

"यहाँ पौलुस मूसा को उद्धृत करते हैं, जो इस्राएलियों को इस प्रकार सम्बोधित करते हैं मानो वह केवल एक व्यक्ति से बात कर रहे हों। सर्वनाम **तेरे** और **तेरे** एकवचन हैं। यदि आपकी भाषा में किसी समूह से बात करने के लिए एकवचन रूप स्वाभाविक न हो, तो आप अपने अनुवाद में "तुम्हारे" का बहुवचन रूप उपयोग कर सकते हैं।"

देखें: एकवचन सर्वनाम जो समूहसूचक हो

रोमियों 10:8 (#9)

"तेरे मुँह में"

तेरे मुँह में वाक्यांश कुछ कहने की क्षमता को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आप कहते हैं उसमें"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 10:8 (#10)

"तेरे मन में"

देखें कि आपने 10:1 में **मन** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 10:8 (#11)

"विश्वास का वचन"

पौलुस **विश्वास** के विषय में **वचन** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विश्वास के विषय में वचन”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 10:8 (#12)

"विश्वास का"

यदि आपकी भाषा में **विश्वास** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “विश्वास करने के विषय में”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:8 (#13)

"हम प्रचार करते हैं"

यहाँ, **हम** पौलुस और अन्य मसीहियों को सन्दर्भित करते हैं जो **सुसमाचार** का प्रचार करते हैं, इसलिए **हम** एकांतिक होंगे। आपकी भाषा में इन रूपों को चिन्हित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 10:9 (#1)

"कि"

कि इस बात को दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह इससे पहले कही गई बात की व्याख्या करता है। यहाँ, यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है वह "विश्वास का वचन" क्या है, इसकी व्याख्या है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वचन हम प्रचार करते हैं कि"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 10:9 (#2)

"अपने" - "तू ... अंगीकार करे, “” - "अपने" - "तू ... उद्धार पाएगा"

पौलुस अपने पाठकों को ऐसे सम्बोधित करते हैं जैसे वह केवल एक व्यक्ति से बात कर रहे हों। सर्वनाम **तू** और **अपने** एकवचन हैं। देखें कि आपने पिछले वचन में **तू** और **अपने** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: एकवचन सर्वनाम जो समूहसूचक हो

रोमियों 10:9 (#3)

"अपने मुँह से"

यह वाक्य उस माध्यम को दर्शाता है जिसके द्वारा कोई व्यक्ति **यीशु को प्रभु** जानकर अंगीकार करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने मुँह का उपयोग करके आप स्वीकार करते हैं, ‘यीशु ही प्रभु हैं’”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:9 (#4)

"अपने मन से"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 10:6 और 10:8 में कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 10:9 (#5)

"उसे मरे हुओं में से जिलाया"

देखें कि आपने 4:24 में इस समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: मुहावरा

रोमियों 10:9 (#6)

"तू निश्चय उद्धार पाएगा"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर आपका निश्चय उद्धार करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 10:10 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह पहले कही गई बात की व्याख्या करता है। यहाँ **क्योंकि** यह कारण प्रस्तुत करता है कि पौलुस ने पिछले वचन में जो कहा वह क्यों सत्य है। अपनी भाषा में कारण व्यक्त करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 10:10 (#2)

"मन से विश्वास किया जाता है"

देखें कि आपने पिछले वचन में इस समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 10:10 (#3)

"विश्वास किया जाता है" - "अंगीकार किया जाता है"

इन वाक्यांशों का विषय पिछले वचन में निहित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास किया जाता है कि परमेश्वर ने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया ... अंगीकार किया जाता है कि यीशु ही प्रभु हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:10 (#4)

"धार्मिकता के लिये" - "उद्धार के लिये"

इस वचन में दोनों बार **के लिये** का प्रयोग यह संकेत देता है कि उनके बाद जो आता है वह परिणाम है। परिणाम को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद (दोनों वाक्यांशों से पहले एक अल्पविराम के साथ): "जिसके परिणामस्वरूप धार्मिकता ... जिसके परिणामस्वरूप उद्धार"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 10:10 (#5)

"धार्मिकता"

देखें कि आपने 10:6 में इस भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:10 (#6)

"मुँह से अंगीकार किया जाता है"

देखें कि आपने पिछले वचन में इस समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:10 (#7)

"उद्धार"

देखें कि आपने 10:1 में इस भाववाचक संज्ञा का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:11 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दिखाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, पहले कही गई बात की व्याख्या करता है। यहाँ **क्योंकि** यह दर्शाता है कि यह वचन उस बात को स्पष्ट करता है जो पौलुस ने पिछले वचन में कही थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सचमुच में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 10:11 (#2)

"पवित्रशास्त्र यह कहता है"

यह वाक्यांश संकेत करता है कि आगे जो लिखा गया है वह पुराने नियम की एक पुस्तक (28:16) से उद्धरण है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर पवित्रशास्त्र में यह कहते हैं"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:11 (#3)

"पवित्रशास्त्र यह कहता है"

यहाँ पौलुस **पवित्रशास्त्र** का उपयोग इस प्रकार करते हैं जैसे यह एक व्यक्ति हो जो बोल सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर पवित्रशास्त्र में कहते हैं"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 10:11 (#4)

"कहता है"

यहाँ पौलुस ने भूतकाल में घटी किसी घटना को सन्दर्भित करने के लिए वर्तमान काल की क्रिया **कहता है** का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कहा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 10:11 (#5)

"जो कोई उस पर विश्वास करेगा, वह लज्जित न होगा"

देखें कि आपने 9:33 में इस वाक्य का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 10:12 (#1)

"क्योंकि"

मूल पाठ में शब्द "इसलिए" है, लेकिन हिंदी बाइबिल में इसका उपयोग नहीं किया गया है। पाठकों को समझाने के लिए यहाँ "इसलिए" शब्द का प्रयोग किया गया है। इसलिए यह दिखाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, पहले कही गई बात की व्याख्या करता है। यहाँ, 10:10 में पौलुस ने जो कहा उसके लिए एक और स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सचमुच में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 10:12 (#2)

"कुछ भेद नहीं"

यदि आपकी भाषा में **भेद** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अन्तर नहीं करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:12 (#3)

"इसलिए"

इसलिए यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, पहले कही गई बात की व्याख्या करता है। यहाँ, **इसलिए** दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह पहले के खंड की सच्चाई का कारण है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है, जैसा कि यूएसटी (अनफोल्डिंगवर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन) करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 10:12 (#4)

"सब का प्रभु है"

पौलुस **प्रभु** का वर्णन करने के लिए अधिकारवाचक का उपयोग कर रहे हैं जो **सब** पर शासन करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु सभी पर शासन कर रहे हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 10:12 (#5)

"सब का" - "सब"

पौलुस लोगों के एक समूह का वर्णन करने के लिए संज्ञा के रूप में विशेषण **सब** का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में विशेषण का उपयोग इस प्रकार नहीं होता है, तो आप इसे संज्ञा वाक्यांश के साथ अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी लोगों का ... सभी लोग"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 10:12 (#6)

"उदार है"

यहाँ, **उदार है** का अर्थ है दूसरों को उदारता से आशीष देना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उदारता से आशीष देना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:12 (#7)

"नाम लेनेवालों"

यहाँ, **नाम लेनेवालों** का अर्थ है उद्धार के लिए पुकारना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उन्हें उद्धार के लिए पुकारते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:13 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, पहले कही गई बात की व्याख्या करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि यह वचन उस बात को स्पष्ट करता है जो पौलुस ने पिछले वचन में कही थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सचमुच में,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 10:13 (#2)

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ पुराने नियम की एक पुस्तक (2:32) से उद्धरण प्रस्तुत किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि योएल ने पवित्रशास्त्र में लिखा है,”

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:13 (#3)

"जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा"

इस वाक्य में पौलुस 2:32 से उद्धरण देते हैं। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:13 (#4)

"जो कोई"

देखें कि आपने पिछले वचन में **जो कोई** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

रोमियों 10:13 (#5)

"प्रभु का नाम लेगा"

देखें कि आपने पिछले वचन में "नाम लेगा" का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:13 (#6)

"प्रभु का नाम"

यहाँ, **प्रभु का नाम** स्वयं **प्रभु** का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रभु”

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 10:13 (#7)

"जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा"

यहाँ पौलुस का तात्पर्य है कि **प्रभु** यीशु को सन्दर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। हालाँकि, चूँकि यह वाक्य पुराने नियम से

एक उद्धरण है, इसलिए आपको इसे उद्धरण के बाहर कहना होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा। यह प्रभु यीशु हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:13 (#8)

"जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उन सभी का उद्धार करेंगे, जो कोई प्रभु का नाम लेंगे।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 10:14 (#1)

"फिर जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया, वे उसका नाम क्यों लें? और जिसकी नहीं सुनी उस पर क्यों विश्वास करें? और प्रचारक बिना क्यों सुनें?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर देने के लिए यहाँ तीन अलंकारिक प्रश्नों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर निश्चित रूप से वे उनका नाम नहीं लेंगे जिन पर उन्होंने विश्वास नहीं किया! और निश्चित रूप से वे उस पर विश्वास नहीं करेंगे जिसे उन्होंने नहीं सुना! और निश्चित रूप से वे किसी के प्रचार किए बिना नहीं सुनेंगे!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 10:14 (#2)

"फिर ... क्यों"

यहाँ, **फिर** इंगित करता है कि 10:14–15 में जो लिखा है, वह पौलुस के पिछले वचन में बताए गए तथ्य का तार्किक निष्कर्ष है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक

स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप, क्यों"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम संबंध

रोमियों 10:14 (#3)

"उन्होंने विश्वास नहीं किया, वे उसका नाम क्यों लें?" - "जिसकी नहीं सुनी उस पर क्यों विश्वास करें?" - "क्यों सुनें"

इस वचन में **वे** सभी लोगों को सन्दर्भित करता है, यहूदी और गैर-यहूदी दोनों को, जैसा कि पिछले दो वचनों में कहा गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्यों सभी लोग पुकारेंगे ... जिन पर उन्होंने विश्वास नहीं किया है ... क्यों सभी लोग विश्वास करेंगे ... जिसकी नहीं सुनी ... क्यों सभी लोग सुनेंगे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 10:14 (#4)

"जिस पर उन्होंने विश्वास नहीं किया, वे उसका नाम क्यों लें"

देखें कि आपने 10:12 में **नाम ... लें** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:14 (#5)

"जिसकी नहीं सुनी " - "उस पर क्यों विश्वास करें?"

यह खंड यीशु का उल्लेख करता है, जिन्हें पौलुस ने पिछले वचन में प्रभु कहा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु की नहीं सुनी ... यीशु पर क्यों विश्वास करें?"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:14 (#6)

"जिसकी नहीं सुनी" - "प्रचारक बिना क्यों सुनें"

पौलुस कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में इन वाक्यों को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक हो सकते हैं। यदि

यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिनके विषय में उन्होंने नहीं सुना ... प्रचारक बिना उनकी कैसे सुने"

देखें: पदलोप

रोमियों 10:15 (#1)

"और यदि भेजे न जाएँ, तो क्यों प्रचार करें"

पौलुस यहाँ जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रश्न नहीं पूछ रहे हैं, परन्तु वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर देने के लिए यहाँ एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप उनके शब्दों को एक कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं और अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यदि भेजे न जाएँ, तो निश्चित रूप से वे प्रचार नहीं करेंगे!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 10:15 (#2)

"भेजे न जाएँ," - "क्यों प्रचार करें"

मूल पाठ में सर्वनाम "वे" लिखा गया है, लेकिन "वे" हिंदी बाइबल में नहीं पाया जाता है। यहाँ पाठकों को समझाने के लिए, सर्वनाम "वे" जोड़ा गया है। इस वचन में **वे** उन लोगों को सन्दर्भित करते हैं जो **प्रचार** करते हैं, जैसा कि पिछले वचन के अन्त में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रचारक भेजे न जाएँ ... क्यों प्रचार करनेवाले प्रचार कर पाएँगे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 10:15 (#3)

"भेजे न जाएँ"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में

किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी ने उन्हें भेजा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 10:15 (#4)

"जैसा लिखा है"

देखें कि आपने 1:17 में इस वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:15 (#5)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। यशायाह ने यह उद्धरण लिखा है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे यशायाह ने लिखा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 10:15 (#6)

"उनके पाँव क्या ही सुहावने हैं, जो अच्छी बातों का सुसमाचार सुनाते हैं!"

यह वाक्य 52:7 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इस तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:15 (#7)

"पाँव क्या ही सुहावने हैं"

यहाँ, **पाँव** का अर्थ अन्य लोगों के पास जाकर उन्हें **सुसमाचार** सुनाने से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रचार करने और सुसमाचार सुनाने के लिए जाना कितना सुहावना है"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 10:16 (#1)

"परन्तु"

परन्तु शब्द एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है। यहाँ, **परन्तु** यह दर्शाता है कि आगे जो कहा गया है वह पौलुस द्वारा पिछले दो वचनों में कही गई बातों के विपरीत है। अपनी भाषा में विरोधाभास प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “इसके विपरीत,”

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

रोमियों 10:16 (#2)

"सब ने ... न"

यहाँ, **सब ने** सन्दर्भ (1) यहूदियों से हो सकता है, जो अध्याय 9–11 का मुख्य विषय हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सब यहूदी ... न" (2) सभी लोगों से, जैसे 10:13–15 में। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई ... न"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 10:16 (#3)

"सुसमाचार पर कान ... लगाया"

यहाँ पौलुस **सुसमाचार** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो, जिसे **कान ... लगाया** जा सकता है। पौलुस यहाँ मन फिराने और **सुसमाचार** पर विश्वास करने की आज्ञा का पालन करने का उल्लेख कर रहे हैं, जो **सुसमाचार** सन्देश का एक भाग है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुसमाचार में परमेश्वर के आज्ञा का पालन किया" या "सुसमाचार पर विश्वास किया"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 10:16 (#4)

"यशायाह कहता है"

मूल पाठ में "क्योंकि" शब्द लिखा गया है, लेकिन हिंदी बाइबिल में यह नहीं है। पाठकों को समझाने के लिए यहाँ "क्योंकि" शब्द जोड़ा गया है। **(क्योंकि) यशायाह कहता है** यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, पहले कही गई बात की व्याख्या करता है। यहाँ **(क्योंकि) यशायाह कहता है** यह दर्शाता है कि यह वचन उस बात को स्पष्ट करता है जो पौलुस ने पिछले वचन में कही थी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सचमुच में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 10:16 (#5)

"यशायाह कहता है"

यहाँ पौलुस इस वाक्यांश का उपयोग पुराने नियम की एक पुस्तक (53:1) से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यशायाह पवित्रशास्त्र में कहते हैं”

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:16 (#6)

"कहता है"

यहाँ पौलुस वर्तमान काल की क्रिया **कहता है** का उपयोग करते हैं ताकि किसी ऐसी घटना का उल्लेख किया जा सके जो भूतकाल में हुई थी। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कहा”

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 10:16 (#7)

"हे प्रभु, किसने हमारे समाचार पर विश्वास किया है?"

यह वचन 53:1 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिये इसे उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिये उपयोग किए जाने वाले किसी अन्य विराम चिह्न या परम्परा के द्वारा दिखाना सहायक हो सकता है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:16 (#8)

"हे प्रभु, किसने हमारे समाचार पर विश्वास किया है?"

यशायाह जानकारी नहीं माँग रहे हैं, परन्तु यहाँ वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर देने के लिए प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करते हैं, तो आप उनके शब्दों को एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से महत्वपूर्ण बात व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हे प्रभु, निश्चित रूप से किसी ने हमारे समाचार पर विश्वास नहीं किया!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 10:16 (#9)

"हमारे समाचार"

यहाँ, **हमारे** परमेश्वर और यशायाह को सन्दर्भित करता है, जो विशिष्ट हैं। आपकी भाषा में इस रूप को चिन्हित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 10:16 (#10)

"हमारे समाचार"

यदि आपकी भाषा में **समाचार** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम जो समाचार देते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:17 (#1)

"इसलिए"

यहाँ, **इसलिए** संकेत करता है कि इस वचन में जो कुछ कहा गया है वह 10:14–16 के विचारों का सारांश है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक स्पष्ट अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अन्त में” या “संक्षेप में”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 10:17 (#2)

"विश्वास"

यदि आपकी भाषा में **विश्वास** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई क्या विश्वास करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:17 (#3)

"विश्वास"

यहाँ, **विश्वास** मसीह में विश्वास करने को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मसीह में विश्वास करना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:17 (#4)

"सुनना"

पौलुस कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “सुनना ... से प्राप्त होता है"

देखें: पदलोप

रोमियों 10:17 (#5)

"सुनने," - "सुनना"

पौलुस कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु के विषय में सुनना ... उनके विषय में सुनना"

देखें: पदलोप

रोमियों 10:17 (#6)

"मसीह के वचन"

पौलुस **मसीह** के विषय में **वचन** का वर्णन करने के लिये अधिकारवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह के विषय में वचन"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 10:17 (#7)

"वचन"

देखें कि आपने 10:8 में इस शब्द का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:18 (#1)

"परन्तु"

परन्तु शब्द एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है। यहाँ, **परन्तु** यह संकेत करता है कि जो आगे कहा गया है वह उससे विपरीत है जो पौलुस ने पिछली वचन में कहा था। अपनी भाषा में विरोधाभास प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

रोमियों 10:18 (#2)

"मैं कहता हूँ"

यहाँ सर्वनाम **मैं** पौलुस को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, पौलुस, कहता हूँ।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 10:18 (#3)

"क्या उन्होंने नहीं सुना?"

यहाँ पौलुस स्वयं को उद्धृत कर रहे हैं। आपके पाठकों के लिये यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इस सारे तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिये उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:18 (#4)

"क्या उन्होंने नहीं सुना?"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, परन्तु वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर देने के लिए यहाँ प्रश्नवाचक रूप उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिये एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करना चाहते हैं, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने निश्चित रूप से सुना है!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 10:18 (#5)

"क्या उन्होंने" - "सुना"

देखें कि आपने पिछले वचन में **उन्होंने** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:18 (#6)

"तो सही"

तो सही वाक्यांश यूनानी में दो नकारात्मक शब्दों का अनुवाद करता है। पौलुस जो कह रहे हैं उस पर जोर देने के लिये उनका एक साथ उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा सकारात्मक अर्थ बनाने के लिए एक दूसरे को रद्द किए बिना जोर देने के लिये दो नकारात्मक शब्दों का एक साथ उपयोग कर सकती है, तो यहाँ उस वाक्य का उपयोग करना उचित होगा।

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

रोमियों 10:18 (#7)

"क्या उन्होंने नहीं सुना?"

देखें कि आपने 10:14 में **सुना** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:18 (#8)

"उनके स्वर सारी पृथ्वी पर ... पहुँच गए हैं"

यह वाक्य पुराने नियम की एक पुस्तक (19:4) से एक उद्धरण है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत दे कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दाऊद पवित्रशास्त्र में कहते हैं,"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:18 (#9)

"उनके स्वर सारी पृथ्वी पर, ... पहुँच गए हैं"

इस वाक्य में पौलुस 19:4 का उद्धरण देते हैं। आपके पाठकों के लिये यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इन सारी तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिये उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:18 (#10)

"उनके स्वर सारी पृथ्वी पर ... पहुँच गए हैं"

ये दोनों वाक्यांश एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस ने दाऊद को दो बार एक ही बात कहते हुए उद्धृत किया, थोड़े भिन्न तरीके से, ताकि वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर दे सके। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों को एक में जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उन्होंने कहा, वह जगत के छोर तक पहुँच गया।"

देखें: समानांतरता

रोमियों 10:18 (#11)

"उनके स्वर सारी पृथ्वी पर ... पहुँच गए हैं"

इस वाक्य में, **उनके** और **उनके** दोनों सूर्य, चन्द्रमा और तारों को ऐसे सन्दर्भित करते हैं जैसे वे लोग हों जो **स्वर** निकाल सकते हैं या **वचन** बोल सकते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सूर्य, चन्द्रमा, और तारे इस बात का प्रमाण हैं जो सारी पृथ्वी पर, और वे प्रमाण हैं कि जगत के छोर तक पहुँच गए हैं।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 10:18 (#12)

"जगत के छोर"

जगत के छोर वाक्यांश एक मुहावरा है जो पृथ्वी के हर स्थान को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी के हर स्थान पर"

देखें: मुहावरा

रोमियों 10:19 (#1)

"परन्तु"

मूल पाठ में "परन्तु" शब्द लिखा गया है, जबकि हिंदी बाइबिल में "फिर" शब्द दिया गया है। पाठकों को समझाने के लिए यहाँ "फिर" के स्थान पर "परन्तु" शब्द का उपयोग किया गया है। यहाँ, **परन्तु** यह इंगित करता है कि इसके बाद जो कहा गया है, वह 10:17 में पौलुस ने जो कहा, उसके विपरीत है, उसी प्रकार जैसे पिछले वचन का कथन 10:17 के विपरीत था। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप एक ऐसा अभिव्यक्ति उपयोग कर सकते हैं जो इस वचन और पिछले वचन के बीच सहमति को दर्शाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 10:19 (#2)

"मैं कहता हूँ"

यहाँ सर्वनाम **मैं** पौलुस को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, पौलुस, कहता हूँ।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 10:19 (#3)

"क्या इस्राएली नहीं जानते थे?" - "मैं उनके द्वारा जो जाति नहीं, तुम्हारे मन में जलन उपजाऊँगा,"

इन दो वाक्यों में पौलुस पहले स्वयं को और फिर पुराने नियम को उद्धृत कर रहे हैं। आपके पाठकों के लिये यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इन सारे तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिये उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:19 (#4)

"क्या इस्राएली नहीं जानते थे"

पौलुस जानकारी नहीं माँग रहे हैं, बल्कि वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर देने के लिए यहाँ प्रश्नवाचक रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएल निश्चित रूप से जानता था!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 10:19 (#5)

"इस्राएल"

यहाँ पौलुस **इस्राएल** शब्द का उपयोग याकूब के शारीरिक वंशजों को सन्दर्भित करने के लिए किया है, जिन्हें परमेश्वर ने इस्राएल भी कहा था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएली"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 10:19 (#6)

"नहीं"

मूल पाठ में दोहरी नकारात्मकता का उपयोग किया गया है, जबकि हिंदी बाइबिल में यह केवल एक बार है। पाठकों को इसे समझाने के लिए यहाँ दोहरी नकारात्मकता जोड़ा गया है**। बिल्कुल नहीं** वाक्यांश यूनानी में दो नकारात्मक शब्दों का अनुवाद करता है। पौलुस जो कह रहे हैं उस पर जोर देने के लिए उनका एक साथ उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा सकारात्मक अर्थ बनाने के लिए एक दूसरे को रद्द किए बिना जोर देने के लिए दो नकारात्मक शब्दों का एक साथ उपयोग कर सकती है, तो यहाँ उस वाक्य का उपयोग करना उचित होगा।

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

रोमियों 10:19 (#7)

"मूसा कहता है"

यहाँ पौलुस इस वाक्यांश का उपयोग पुराने नियम की एक पुस्तक (32:21) से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समान वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूसा पवित्रशास्त्र में कहते हैं"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:19 (#8)

"मूसा कहता है"

इस वाक्यांश का अर्थ है कि मूसा ने वह लिखा जो परमेश्वर ने कहा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मूसा ने वो लिखा जो परमेश्वर ने कहा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:19 (#9)

"कहता है"

यहाँ पौलुस ने भूतकाल की घटना का उल्लेख करने के लिए वर्तमान काल की क्रिया **कहता है** का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं होगा, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कहा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 10:19 (#10)

"मैं उनके द्वारा जो जाति नहीं, तुम्हारे मन में जलन उपजाऊँगा"

ये दोनों वाक्यांश एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस यहाँ परमेश्वर का कथन उद्धृत करते हुए, उसी बात को दो बार थोड़े भिन्न तरीकों से कह रहे हैं ताकि वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर दिया जा सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों को एक कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं स्वयं एक जाति का उपयोग करके आपके मन में जलन उपजाऊँगा और रिस दिलाऊँगा"

देखें: समानांतरता

रोमियों 10:19 (#11)

"मैं ... तुम्हारे मन में जलन उपजाऊँगा" - "मैं ... तुम्हें रिस दिलाऊँगा"

इस वाक्य में सर्वनाम **मैं** यहाँ परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, परमेश्वर, आपके मन में जलन उपजाऊँगा ... मैं आपको ... रिस दिलाऊँगा।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 10:19 (#12)

"मैं ... तुम्हारे मन में जलन उपजाऊँगा"

अंग्रेज़ी टिप्पणी में "स्वयं" शब्द जोड़ा गया है, जो हिंदी बाइबिल में नहीं पाया जाता। पाठकों को समझाने के लिए यहाँ "स्वयं" शब्द जोड़ा गया है। परमेश्वर **स्वयं** शब्द का उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि इस्राएल के मन में

जलन उपजाने वाले वही हैं। अपनी भाषा में इस जोर को व्यक्त करने के लिए एक प्राकृतिक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चय मैं ही वह हूँ जो आपके मन में जलन उपजाऊँगा"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 10:19 (#13)

"मैं ... तुम्हारे मन में जलन उपजाऊँगा" - "मैं ... तुम्हें रिस दिलाऊँगा"

इस वचन में **तुम्हें** इस्राएलियों को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं ... आप इस्राएलियों के मन में जलन उपजाऊँगा... मैं ... आप इस्राएलियों को रिस दिलाऊँगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:19 (#14)

"मैं ... तुम्हारे मन में जलन उपजाऊँगा" - "मैं ... तुम्हें रिस दिलाऊँगा"

यदि आपकी भाषा **जलन** और **रिस** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं ... आपको जलन करने वाला बना दूँगा ... मैं ... आपको रिस करने वाला बना दूँगा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 10:19 (#15)

"उनके द्वारा जो जाति नहीं"

जो जाति नहीं वाक्यांश उन लोगों के समूह को सन्दर्भित करता है जिनके साथ परमेश्वर का पहले कोई सम्बंध नहीं था। **जो जाति नहीं** का अर्थ "जो मेरी प्रजा न थी" के समान है, जैसा कि 9:25–26 में उपयोग किया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के द्वारा जो मेरे नहीं थे" या "उन लोगों द्वारा जिन्हें मैंने जाति नहीं माना"।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:19 (#16)

"एक मूर्ख जाति"

यहाँ, **मूर्ख** का अर्थ है कि ये लोग परमेश्वर को नहीं जानते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसी जाति जहाँ के लोग मुझे नहीं जानते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:20 (#1)

"फिर यशायाह बड़े साहस के साथ कहता है"

यहाँ पौलुस इस वाक्यांश का उपयोग पुराने नियम की एक पुस्तक (65:1) से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यशायाह बड़े साहसी है, और वह पवित्रशास्त्र में कहते हैं"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:20 (#2)

"बड़े साहस के साथ कहता है"

यहाँ पौलुस ने भूतकाल की घटना का उल्लेख करने के लिए वर्तमान काल की क्रियाओं **है** और **कहता है** का उपयोग करते हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बड़े साहसी थे, और उन्होंने कहा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 10:20 (#3)

"यशायाह बड़े साहस के साथ कहता है"

इस वाक्यांश का अर्थ है कि **यशायाह** ने वही लिखा जो परमेश्वर ने कहा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यशायाह ने बड़े साहस के साथ वही लिखा जो परमेश्वर ने कहा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:20 (#4)

"जो मुझे नहीं ढूँढ़ते थे, उन्होंने मुझे पा लिया;"

इन दो वाक्यों में पौलुस पुराने नियम के 65:1 से उद्धरण दे रहे हैं। आपके पाठकों के लिये यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इन सारी तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिये उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:20 (#5)

"मुझे ... ढूँढ़ते थे" - "मुझे"

इस वचन में सर्वनाम **मुझे** परमेश्वर को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मुझ, परमेश्वर ... ढूँढ़ते थे ... मुझे; मुझे ... मैं, परमेश्वर प्रगट हो गया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 10:20 (#6)

"जो मुझे नहीं ढूँढ़ते थे, उन्होंने मुझे पा लिया;"

ये दोनों वाक्यांश एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस ने परमेश्वर द्वारा कही गई एक ही बात को दो बार, थोड़े भिन्न तरीकों से, उद्धृत किया है, ताकि वह जो कह रहे हैं उसकी सच्चाई पर जोर दे सके। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप वाक्यांशों को एक कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उन लोगों पर प्रगट हुआ जो मुझे जानना भी नहीं चाहते थे"

देखें: समानांतरता

रोमियों 10:20 (#7)

"मुझे पा लिया" - "मैं प्रगट हो गया"

पौलुस ने भूतकाल का उपयोग किया है ताकि वह भविष्य में निश्चित रूप से घटने वाली घटना का उल्लेख कर सके। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप भविष्य काल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं पाया जाऊँगा ... मैं प्रगट होऊँगा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 10:20 (#8)

"जो मुझे नहीं ढूँढ़ते थे, उन्होंने मुझे पा लिया"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से जो स्वाभाविक हो, व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मुझे ढूँढ़ नहीं रहे थे, उन्होंने मुझे पा लिया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 10:20 (#9)

"जो मुझे नहीं ढूँढ़ते थे,"- "जो मुझे पूछते भी न थे"

ये दो खंड गैर-यहूदियों का उल्लेख करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गैर-यहूदी, जो मुझे नहीं ढूँढ़ते थे; गैर-यहूदियों पर मै प्रगट हो गया, जो मुझे पूछते भी न थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 10:21 (#1)

"परन्तु"

परन्तु शब्द एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है। यहाँ, **परन्तु** यह दर्शाता है कि आगे जो कहा गया है वह उससे विपरीत है जो पौलुस ने पिछले वचन में कहा था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक ऐसा वाक्य उपयोग कर सकते हैं जो इस विरोधाभास को और स्पष्ट करता हो। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत,"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

रोमियों 10:21 (#2)

"इस्राएल के विषय में वह यह कहता है"

यहाँ पौलुस इस वाक्यांश का उपयोग पुराने नियम की एक पुस्तक (65:2) से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। यदि

आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएल के विषय में परमेश्वर पवित्रशास्त्र में कहते हैं"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 10:21 (#3)

"इस्राएल"

देखें कि आपने 10:19 में **इस्राएल** का अनुवाद कैसे किया हैं।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 10:21 (#4)

"वह ... कहता है"

यहाँ पौलुस ने भूतकाल की घटना का उल्लेख करने के लिए वर्तमान काल की क्रिया **कहता है** का उपयोग किया हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने ... कहा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 10:21 (#5)

"मैं सारे दिन अपने हाथ एक आज्ञा न माननेवाली और विवाद करनेवाली प्रजा की ओर पसारे रहा"

इन दो वाक्यों में पौलुस पुराने नियम के 65:2 से उद्धरण दे रहे हैं। आपके पाठकों के लिये यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि आप इन सारी तथ्य को उद्धरण चिह्नों या किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग करके बताएँ जो आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिये उपयोग की जाती है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 10:21 (#6)

"सारे दिन"

सारे दिन यहाँ कुछ लगातार या निरन्तर करने का सन्दर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को

सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निरन्तर"

देखें: मुहावरा

रोमियों 10:21 (#7)

"मैं ... अपने हाथ एक आज्ञा न माननेवाली और विवाद करनेवाली प्रजा की ओर पसारे रहा"

किसी की ओर **हाथ** पसारने का कार्य किसी का स्वागत करने या उसे मित्र बनाने के लिये आमन्त्रित करने का प्रतिनिधित्व करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने एक आज्ञा न माननेवाली और विवाद करनेवाली प्रजा को अपना मित्र बनने के लिये आमन्त्रित किया"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

रोमियों 10:21 (#8)

"एक आज्ञा न माननेवाली और विवाद करनेवाली प्रजा"

यह वाक्यांश **इस्राएल** को सन्दर्भित करता है, जिनसे परमेश्वर इस उद्धरण में बात कर रहे थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप आज्ञा न माननेवाली और विवाद करनेवाली प्रजा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:1 (#1)

"मैं कहता हूँ"

यहाँ सर्वनाम **मैं** पौलुस को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, पौलुस, कहता हूँ।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 11:1 (#2)

"इसलिए मैं कहता हूँ"

यहाँ, **इसलिए** यह संकेत करता है कि इस पद में जो कुछ भी आता है, वह पौलुस ने 9:30–10:21 में जो कहा है, उसका

तार्किक निष्कर्ष है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप, मैं कहता हूँ"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम सम्बन्ध को

रोमियों 11:1 (#3)

"क्या परमेश्वर ने अपनी प्रजा को त्याग दिया? कदापि नहीं।"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि यहाँ अलंकारिक प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं ताकि वह जो कह रहे हैं उसके सत्य को जोर दे सकें। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से परमेश्वर ने अपनी प्रजा को त्यागा नहीं !"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 11:1 (#4)

"अपनी प्रजा"

यहाँ, **अपनी प्रजा** यहूदियों को संदर्भित करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके लोग, यहूदी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:1 (#5)

"कदापि नहीं!"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 3:4 और 6:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 11:1 (#6)

"इसलिए"

इसलिए यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, **इसलिए** यह कारण प्रस्तुत करता है कि पौलुस ने पहले पद में जो कहा वह सत्य क्यों है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए स्वाभाविक

तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 11:1 (#7)

"मैं भी तो इस्राएली हूँ"

पौलुस शब्द **मैं भी** का उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि वे प्रमाण हैं कि परमेश्वर ने इस्राएलियों को त्यागा नहीं है। इस जोर को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में, मैं भी हूँ"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 11:1 (#8)

"वंश"

यहाँ, **वंश** एकवचन है, परन्तु यह लोगों के समूह को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 4:13 में वंश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: उपमा

रोमियों 11:2 (#1)

""

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:2 (#2)

"जिसे उसने पहले ही से जाना"

यह वाक्य परमेश्वर की **प्रजा** के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप इन वाक्यों के बीच समबन्ध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रजा के वे लोग जिन्हें उसने पहले से जान लिया था"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 11:2 (#3)

"उसने पहले ही से जाना"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 8:29 में किस प्रकार किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:2 (#4)

"क्या तुम नहीं जानते, कि पवित्रशास्त्र एलिय्याह की कथा में क्या कहता है; कि वह इस्राएल के विरोध में परमेश्वर से विनती करता है"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वह यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वह कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से संप्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और निश्चित रूप से तुम जानते हो कि पवित्रशास्त्र एलिय्याह के बारे में क्या कहता है, कैसे वह इस्राएल के विरोध परमेश्वर से विनती करता है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 11:2 (#5)

"क्या तुम नहीं जानते, कि पवित्रशास्त्र एलिय्याह की कथा में क्या कहता है; कि वह इस्राएल के विरोध में परमेश्वर से विनती करता है"

यह वाक्य संकेत करता है कि अगले पद में जो आता है वह पुराने नियम की पुस्तक से उद्धरण है (1 राजाओं 19:10, 14)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत करता है कि पौलुस महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या क्या तुम नहीं जानते कि पवित्रशास्त्र एलिय्याह के विषय में क्या कहता है, कि वह इस्राएल के विरोध परमेश्वर से विनती करता है? वह शास्त्रों में कहता है,"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 11:2 (#6)

"पवित्रशास्त्र... क्या कहता है?"

देखें कि आपने **पवित्रशास्त्र कहता है** का 10:11 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: मानवीकरण

रोमियों 11:2 (#7)

"कहता है" - "विनती करता है"

यहाँ पौलुस वर्तमान काल की क्रियाओं का उपयोग **कहता है** और **विनती करता है** के रूप में करते हैं ताकि किसी ऐसी घटना का उल्लेख किया जा सके जो अतीत में हुई थी। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कहाँ ... उसने विनती की"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 11:2 (#8)

"इस्राएल"

देखें कि आपने **इस्राएल** का अनुवाद पद 10:19 में कैसे किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 11:3 (#1)

"उन्होंने तेरे भविष्यद्वक्ताओं को मार डाला"

यह वाक्य 1 राजाओं 19:10, 14 से लिया गया है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परंपरा के साथ अलग कर दिया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 11:3 (#2)

"उन्होंने... मार डाला" - "ढा दिया" - "वे... खोजी हैं"

इस पद में **वे** इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएल के लोगों ने मार डाला... उन्होंने ढा दिया ... इस्राएल के लोग खोजते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:3 (#3)

"और मैं ही अकेला बच रहा हूँ," - "मेरे"

इस पद में **मैं** और **मेरे** एलिय्याह को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और केवल मैं, एलिय्याह, बचा हुआ हूँ ... मेरे प्राण"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:3 (#4)

"और मैं ही अकेला बच रहा हूँ"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और केवल मैं ही बचा हूँ।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:3 (#5)

"और मैं ही अकेला बच रहा हूँ"

यहाँ, **अकेला बच रहा हूँ** का अर्थ है कि एलिय्याह ने सोचा कि वे अकेले जीवित बचे हैं और सभी अन्य **भविष्यद्वक्ताओं** मारे जा चुके हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं अकेला ही जीवित बचा हूँ"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:3 (#6)

"वे मेरे प्राण के भी खोजी हैं"

वाक्यांश **मेरे प्राण के भी खोजी** का अर्थ है लोग एलिय्याह को मारने की कोशिश कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मुझे मार डालना चाहते हैं"

रोमियों 11:4 (#1)

"परन्तु परमेश्वर से उसे क्या उत्तर मिला"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वे अपने श्रोताओं का ध्यान अपनी बातों की ओर आकर्षित करने के लिए प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य

के लिए अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों को कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परन्तु ध्यान दें कि परमेश्वर अपने उत्तर में उनसे क्या कहते हैं!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 11:4 (#2)

"परमेश्वर से उसे क्या उत्तर मिला"

यहाँ पौलुस इस प्रश्न का उपयोग पुराने नियम की पुस्तक से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए करते हैं (1 राजाओं 19:18)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत देता है कि पौलुस महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्रशास्त्र में परमेश्वर से उसे क्या उत्तर मिला"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 11:4 (#3)

"परमेश्वर से उसे क्या उत्तर मिला?"

पौलुस **परमेश्वर ... उत्तर** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हों जो कुछ **कहते** हों। पौलुस परमेश्वर के प्रतिक्रिया देने की बात कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उत्तर में क्या कहते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 11:4 (#4)

"क्या" - "उत्तर मिला"

यहाँ पौलुस वर्तमान काल की क्रियाओं **उत्तर मिला** का उपयोग करते हैं ताकि किसी ऐसी चीज़ का उल्लेख किया जा सके जो अतीत में हुई थी। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या ... उत्तर मिला था"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 11:4 (#5)

"उसे"

यहाँ, **उसे** एलिय्याह को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, जैसे कि यूएसटी में।

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:4 (#6)

"बाल के आगे घुटने नहीं टेके हैं।"

यह क्रिया इस संस्कृति में आराधना की अभिव्यक्ति थी। यदि आपकी संस्कृति में इसी अर्थ वाला कोई इशारा है, तो आप इसे यहाँ अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं, या आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बाल की उपासना नहीं की है"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

रोमियों 11:5 (#1)

"इसी रीति से इस समय भी"

शब्द **इसी** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह परिणाम है। यहाँ, **इसी** पौलुस द्वारा पिछले दो पदों में एलिय्याह के बारे में कही गई बात का तार्किक निष्कर्ष प्रस्तुत करता है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप, उसी प्रकार"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 11:5 (#2)

"बाकी" - "अनुग्रह से चुने"

देखें कि आपने **बाकी** का 9:27 में, **चुने** का 9:11 में, और **अनुग्रह** का 4:16 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:5 (#3)

"अनुग्रह से चुने"

पौलुस **चुने** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **अनुग्रह** द्वारा विशेषीकृत है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनुग्रहकारी चुनाव"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 11:6 (#1)

"यदि"

पौलुस ऐसा बोल रहे हैं जैसे यह काल्पनिक संभावना हो, परन्तु उनका मतलब है कि यह वास्तव में सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलतफहमी में पड़ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चूंकि"

देखें: जोड़े — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 11:6 (#2)

"अनुग्रह से"

पौलुस कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप पिछले पद से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चुनाव अनुग्रह द्वारा होता है"

देखें: पदलोप

रोमियों 11:6 (#3)

"अनुग्रह से, {" - "कर्मों से नहीं।" - "अनुग्रह" - "अनुग्रह"

देखें कि आपने **अनुग्रह** का 4:16 में और **कर्मों** का 9:12 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:6 (#4)

"यदि यह...से नहीं"

यहाँ, **यह** पिछले पद में उल्लिखित "अनुग्रह का चुनाव" को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अब अनुग्रह का चुनाव नहीं है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:6 (#5)

"यदि यह..नहीं"

यहाँ, **नहीं** पिछले खंड के तार्किक निष्कर्ष को इंगित करता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि चुनाव **कर्मों द्वारा** हुआ करता था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तार्किक रूप से नहीं है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:7 (#1)

"फिर परिणाम क्या हुआ"

यहाँ, **फिर** यह संकेत करता है कि जो आगे है वह पौलुस ने 9:30–11:6 में जो कहा उसका उत्तर है। यदि यह आपके पाठकों की सहायता कर सकता है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि ये बातें सत्य हैं, तो क्या परिणाम होगा?"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 11:7 (#2)

"फिर क्या"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमें क्या निष्कर्ष निकालना चाहिए?"

देखें: पदलोप

रोमियों 11:7 (#3)

"फिर ... क्या...?"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वह यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वह कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर को संप्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वह है जो हमें निष्कर्ष निकालना चाहिए:"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों11:7 (#4)

"जिसकी" - "यह"

जिसकी और **यह** यहाँ धार्मिकता को संदर्भित करते हैं, जैसा कि 9:30–31 में संकेत दिया गया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धार्मिकता ... यह धार्मिकता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:7 (#5)

"इस्राएल"

देखें कि आपने इस नाम का अनुवाद 10:19 में किस प्रकार किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 11:7 (#6)

"वह उनको नहीं मिला," - "शेष लोग"

यहाँ, **वह** और **शेष लोग, इस्राएल** के लोगों को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएल के लोगों को नहीं मिला ... इस्राएल के शेष लोग"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:7 (#7)

"चुने हुओं" - "शेष लोग"

यदि आपकी भाषा **चुने** और **शेष** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो चुने गए हैं ... उनमें से जो बने रहते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:7 (#8)

"कठोर किए गए हैं।"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। अगला पद यह संकेत करता है कि परमेश्वर ही हैं जिन्होंने यह कार्य किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कठोर किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:7 (#9)

"कठोर किए गए हैं।"

यहाँ, **कठोर** का मतलब हठीला बना दिया जाना है। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हठीला बना दिया गया"

देखें: रूपक

रोमियों 11:8 (#1)

"जैसा लिखा है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 1:17 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 11:8 (#2)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। यदि यह बताना आवश्यक है कि क्रिया किसने की, तो उद्धरण यशायाह 29:10 और व्यवस्थाविवरण 29:4 का स्पष्ट रूप है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा परमेश्वर ने कहा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:8 (#3)

"परमेश्वर ने उन्हें आज के दिन तक मंदता की आत्मा दे रखी है और ऐसी आँखें दी जो न देखें और ऐसे कान जो न सुनें"

इन अनुच्छेदों में पौलुस 29:10 और 29:4 का पुनर्लेखन करते हैं। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परंपरा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 11:8 (#4)

"मंदता की आत्मा"

पौलुस **आत्मा** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **मंदता** से विशेषता प्राप्त है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुस्त आत्मा"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 11:8 (#5)

"मंदता की आत्मा"

यहाँ, **आत्मा** किसी व्यक्ति के दृष्टिकोण या सोचने के तरीके को संदर्भित करती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुस्ती का मनोभाव"

देखें: रूपक

रोमियों 11:8 (#6)

"आँखें दी जो न देखें और ऐसे कान जो न सुनें"

पौलुस मूसा का उद्धरण देते हुए **आँखें दी जो न देखें** और **ऐसे कान जो न सुनें** का उपयोग कुछ न समझ पाने के संदर्भ में करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझने में असमर्थ और ग्रहण करने में असमर्थ"

देखें: रूपक

रोमियों 11:8 (#7)

"आँखें दी जो न देखें और ऐसे कान जो न सुनें"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पुनरावृत्ति का उपयोग यह जोर देने के लिए किया जाता है कि इस्राएल के लोग पूरी तरह से यह समझने में असमर्थ थे कि धार्मिक कैसे बनें। यदि आपकी भाषा में पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पूरी तरह से समझने में असमर्थ होना"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

रोमियों 11:9 (#1)

"दाऊद कहता है"

यहाँ पौलुस इस वाक्यांश का उपयोग पुराने नियम की पुस्तक (भजन 69:22–23) से उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप समान वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दाऊद पवित्रशास्त्र में कहता है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 11:9 (#2)

"दाऊद कहता है"

यहाँ पौलुस वर्तमान काल की क्रिया **कहता है** का उपयोग करते हैं ताकि किसी ऐसी घटना का उल्लेख किया जा सके जो अतीत में हुई थी। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कहा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

रोमियों 11:9 (#3)

"उनका भोजन उनके लिये"

यह वाक्य भजन 69:22–23 के उद्धरण की शुरुआत करता है, जो अगले पद में जारी रहता है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि यह उद्धरण चिह्न से शुरू हो रहा है या आपकी भाषा में उद्धरण की शुरुआत को दर्शाने के लिए जो भी विराम चिह्न या परंपरा का उपयोग होती है, उसका उपयोग करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 11:9 (#4)

"उनका भोजन उनके लिये जाल, और फंदा"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हे परमेश्वर, उनकी मेज को जाल और फंदा बना दे।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:9 (#5)

"उनका भोजन उनके लिये जाल, और फंदा"

यह वाक्यांश मुहावरा है। शब्द **मेज** भोज का प्रतिनिधित्व करता है, जो ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति सुरक्षित महसूस करता है, और **जाल** और **फंदे** का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें तब दंडित करें जब वे सुरक्षित महसूस कर रहे हों" या "उन्हें तब दंडित करें जब वे आरामदायक हों।"

देखें: मुहावरा

रोमियों 11:9 (#6)

"जाल और फंदा"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पुनरावृत्ति का उपयोग दाऊद की न्याय की प्रार्थना पर जोर देने के लिए किया जाता है। यदि आपकी भाषा में ऐसा करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पूर्ण दण्ड के लिए”

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

रोमियों 11:9 (#7)

"और ठोकर"

यहाँ, **ठोकर** का मतलब कुछ ऐसा है जो लोगों को पाप करने के लिए प्रेरित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें पाप करने के लिए प्रेरित करने के लिए"

देखें: रूपक

रोमियों 11:9 (#8)

"और दण्ड का कारण हो जाए"

यदि आपकी भाषा **दण्ड** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं करती है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनसे बदला लेना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:10 (#1)

"उनकी आँखों पर अंधेरा छा जाए"

यह खंड कुछ समझने में असमर्थ होने को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 11:8 में "आँखें दी जो न देखें" का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें समझने में असमर्थ रहने दें"

देखें: रूपक

रोमियों 11:10 (#2)

"उनकी आँखों पर अंधेरा छा जाए"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी आँखों को अंधा कर दे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:10 (#3)

"उनकी पीठ को {सदैव} झुकाए रख"

यह खंड लोगों को ऐसे कष्ट देने का संदर्भ देता है जैसे दास भारी बोझ **उनकी पीठ** पर उठाकर कष्ट सहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें लगातार कष्ट दें"

देखें: रूपक

रोमियों 11:10 (#4)

"सदा"

इस पद का अंत भजन 69:22–23 से उद्धरण के रूप में है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि यह उद्धरण चिह्न के साथ समाप्त होता है या आपकी भाषा में उद्धरण के अंत को इंगित करने के लिए जो भी अन्य विराम चिह्न या परंपरा का उपयोग किया जाता है।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 11:11 (#1)

"इसलिए मैं कहता हूँ"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 11:1 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 11:11 (#2)

"क्या उन्होंने इसलिए ठोकर खाई, कि गिर पड़ें? कदापि नहीं" - "उनके" - "उन्हें" (यह हिंदी आई.आर.वी अनुवाद है)

इस पद में सर्वनाम **वे**, **उनके**, और **उन्हें** यहूदी लोगों को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदी लोग ठोकर नहीं खाएँ ... वे गिर सकते हैं, क्या वे ... यहूदी लोगों का ... यहूदी"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:11 (#3)

"उन्होंने इसलिए ठोकर खाई, कि गिर पड़ें?"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वे यहाँ अलंकारिक प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं ताकि वे जो कह रहे हैं उसके सत्य पर जोर दे सकें। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद कथनों या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से संप्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निश्चित रूप से वे ठोकर खाकर गिरे नहीं!"

देखें: अलंकारिक प्रश्नों

रोमियों 11:11 (#4)

"क्या उन्होंने इसलिए ठोकर खाई, कि गिर पड़ें?"

देखें कि आपने 9:32 में "ठोकर खाई" का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

रोमियों 11:11 (#5)

"गिर पड़ें"

यहाँ, **गिरने** का अर्थ है परमेश्वर द्वारा हमेशा के लिए पूरी तरह से अस्वीकार किया जाना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें अनंतकाल के लिए अस्वीकार किया जा सकता है।"

देखें: रूपक

रोमियों 11:11 (#6)

"कदापि नहीं"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 3:4 और 6:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 11:11 (#7)

"उनके गिरने के कारण अन्यजातियों को उद्धार मिला {" - "कि उन्हें जलन हो"

देखें कि आपने **गिरने** का 4:15 में, **उद्धार** का 1:16 में, और **जलन** का 10:19 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:11 (#8)

"कि उन्हें जलन हो"

देखें कि आपने 10:19 में समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया।

रोमियों 11:12 (#1)

"अब यदि उनका गिरना जगत के लिये धन और उनकी घटी अन्यजातियों के लिये सम्पत्ति का कारण हुआ"

इन दोनों उपवाक्यों का मूल रूप से एक ही अर्थ है। पौलुस उनका उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि वह क्या कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि उनके अपराध निश्चित रूप से जातियों के लिए धन का परिणाम बनें"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

रोमियों 11:12 (#2)

"यदि"

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह काल्पनिक संभावना हो, परन्तु उनका मतलब है कि यह वास्तव में सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चूंकि"

देखें: जोड़े — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 11:12 (#3)

"उनका गिरना"

देखें कि आपने पिछले पद में **गिरने** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:12 (#4)

"जगत के लिये धन"

पौलुस स्वामित्व के रूप का उपयोग **धन** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो **जगत** के लिए है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जगत के लिए धन है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 11:12 (#5)

"जगत"

यहाँ, **जगत** उन लोगों को संदर्भित करता है जो जगत में रहते हैं, विशेष रूप से गैर-यहूदी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जगत में निवास करने वाले लोग"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 11:12 (#6)

"उनकी घटी" - "उनकी भरपूरी"

यदि आपकी भाषा **घटी** और **भरपूरी** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उन्होंने खोया ... वे कितने संपूर्ण "

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:12 (#7)

"उनकी घटी {" - "उनकी भरपूरी"

यहाँ, **घटी** इस्राएल की असफलता को धार्मिक बनाने के संदर्भ में है, और **भरपूरी** उन इस्राएलियों की पूर्ण संख्या को संदर्भित करती है जो यीशु पर विश्वास करके धार्मिक बनेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी घटी ... उनके विश्वासियों की पूर्ण संख्या"

देखें: रूपक

रोमियों 11:12 (#8)

"अन्यजातियों के लिये सम्पत्ति"

पौलुस **धन** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **अन्यजातियों** के लिए है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्यजातियों के लिए धन है"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 11:12 (#9)

"तो उनकी भरपूरी से कितना न होगा"

यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है। पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वह यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग कर रहे हैं ताकि वह जो कह रहे हैं उसके सत्य को जोर दे सकें। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से संप्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो उनकी भरपूरी कितनी अधिक होगी!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 11:12 (#10)

"तो उनकी भरपूरी से कितना न होगा"

पौलुस का तात्पर्य है कि जब सभी इस्राएली यीशु में विश्वास करेंगे, तो और भी अधिक **धन** प्राप्त होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी परिपूर्णता का परिणाम कितने अधिक धन में होगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:13 (#1)

"तुम"

यहाँ, **तुम** बहुवचन है और पौलुस के गैर-यहूदी मसीही पाठकों को संदर्भित करता है।

देखें: 'तुम' के रूप — बहुवचन

रोमियों 11:13 (#2)

"जबकि मैं"

पौलुस शब्द **मैं** का उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि वह **अन्यजातियों के लिए प्रेरित** थे। इस जोर को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वास्तव में वही हूँ जो हूँ"

देखें: निजवाचक सर्वनाम

रोमियों 11:13 (#3)

"अपनी सेवा"

यदि आपकी भाषा में **सेवा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं कैसे सेवा करता हूँ"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:14 (#1)

"मैं अपने कुटुम्बियों से जलन करवाकर"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 10:19 में किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:14 (#2)

"अपने कुटुम्बियों" - "उनमें से कई एक"

यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है। ये वाक्यांश पौलुस के यहूदी रिश्तेदारों का उल्लेख करते हैं जो यीशु में विश्वास नहीं करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अविश्वासी यहूदी, जो मेरे अपने कुटुम्ब के हैं ... मेरे साथी यहूदी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:14 (#3)

"अपने कुटुम्बियों"

देखें कि आपने **शरीर/कुटुम्बियों** का 1:3 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: मुहावरा

रोमियों 11:15 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दिखाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले कही गई बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह इंगित करता है कि इसके बाद जो आता है, वह पौलुस ने पिछले पद में जो कहा, उसे स्पष्ट करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वास्तव में,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 11:15 (#2)

"यदि"

देखें कि आपने **यदि** का 11:12 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: जोड़े — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 11:15 (#3)

"उनका" - "उनका ग्रहण"

इस पद में **उनका** यहूदी लोगों को संदर्भित करता है जो यीशु में विश्वास नहीं करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अविश्वासी यहूदियों का ... यहूदी लोगों का ग्रहण किया जाना"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:15 (#4)

"उनका त्याग" - "उनका ग्रहण" - "जी उठने"

यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है। यदि आपकी भाषा **त्याग**, **ग्रहण**, और **जी उठने** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका अस्वीकारा किया जाना ... उनका स्वीकृत किया जाना ... जी उठना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:15 (#5)

"जगत के मिलाप"

यहाँ, **क्योंकि** यह संकेत करता है कि जो वाक्यांश इसके बाद आता है वह **उनके त्याग** का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "जगत के मेल-मिलाप का कारण बने"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 11:15 (#6)

"मिलाप"

देखें कि आपने **मिलाप** का अनुवाद 5:11 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:15 (#7)

"जगत के"

देखें कि आपने **जगत** का 11:12 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 11:15 (#8)

"तो क्या उनका ग्रहण किया जाना मरे हुओं में से जी उठने के बराबर न होगा?"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग यह जोर देने के लिए कर रहे हैं कि जब परमेश्वर यहूदियों को स्वीकार करेंगे तो यह कितना अद्भुत होगा। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से संप्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनका किया जाना निश्चित रूप से मृतकों में से जी उठने के बराबर होगा!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 11:15 (#9)

"उनका ग्रहण किया जाना"

यहाँ, **क्योंकि** यह इंगित करता है कि जो वाक्यांश इसके बाद आता है वह **उनका ग्रहण** का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मृतकों में से जीवन नहीं मिलता तो उनकी स्वीकृति से क्या होगा"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 11:15 (#10)

"मरे हुओं में से जी उठने"

यह वाक्यांश संदर्भित कर सकता है: (1) सभी मसीहियों का अंतिम पुनरुत्थान, जो तब होगा जब सभी यहूदियों के अवशेष यीशु में विश्वास करेंगे। इस पत्र में कहीं और, पौलुस इसी वाक्यांश का उपयोग यीशु के पुनरुत्थान के संदर्भ में करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मृतकों को जीवन में वापस लाना” (2) यहूदियों के अवशेष का आध्यात्मिक रूप से मृत से आध्यात्मिक रूप से जीवित होना। वैकल्पिक अनुवाद: “अनंत मृत से अनंत रूप से जीवित होना”

देखें: रूपक

रोमियों 11:15 (#11)

"मरे हुओं में से"

देखें कि आपने 4:24 में समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: मुहावरा

रोमियों 11:16 (#1)

"जब" - "जब"

देखें कि आपने **जब** का 11:12 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: जोड़े — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 11:16 (#2)

"गूँधा हुआ आटा भी।" - "डालियाँ भी"

इन खंडों में पौलुस यह संकेत देते हैं कि **गूँधा हुआ आटा भी** और **डालियाँ भी** पवित्र हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गूँधा हुआ आटा भी पवित्र है ... डालियाँ भी पवित्र हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:16 (#3)

"जब भेंट का पहला पेड़ा पवित्र ठहरा, तो पूरा गूँधा हुआ आटा भी पवित्र है"

पौलुस अब्राहम, इसहाक, और याकूब, जो इस्राएलियों के पूर्वज हैं, के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे **पहली फसल** हों जिसे काटा जाना है। वह उन इस्राएलियों के बारे में भी बोल रहे हैं जो उन पुरुषों से उतरे हैं, जैसे वे **गूँधा हुआ आटा** हों जो काटा गया **भेंट का पहला पेडे** से बनाया गया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस विचार को उपमा के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि अब्राहम परमेश्वर को अर्पित की गई पहली उपज के समान हैं, तो उसके सभी वंशजों को भी भेंट माना जाना चाहिए"

देखें: रूपक

रोमियों 11:16 (#4)

"और जब जड़ पवित्र ठहरी, तो डालियाँ भी ऐसी ही हैं"

पौलुस अब्राहम, इसहाक, और याकूब, इस्राएलियों के पूर्वजों के बारे में बात कर रहे हैं, जैसे वे पेड़ की **जड़** हों। वह उन इस्राएलियों के बारे में भी बात कर रहे हैं जो उन पुरुषों से उतरे थे, जैसे वे उसी पेड़ की **डालियाँ** हों। यदि आपकी भाषा में यह विचार उपमा के साथ व्यक्त करना सहायक होगा, तो आप ऐसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि अब्राहम पेड़ की जड़ के समान हैं, तो उसके सभी वंशजों को भी उस पेड़ की डालियाँ माना जाना चाहिए।"

देखें: रूपक

रोमियों 11:17 (#1)

"यदि"

यहाँ, **यदि** यह संकेत करता है कि यह पद और अगला पद शर्तवाक्य हैं। आपको इन पदों को अलग-अलग वाक्यों में विभाजित करने के लिए शब्दों को समायोजित करना पड़ सकता है।

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 11:17 (#2)

"यदि"

पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे यह काल्पनिक संभावना हो, परन्तु उनका मतलब है कि यह वास्तव में सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "चूँकि"

देखें: जोड़े — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 11:17 (#3)

"और यदि कई एक डाली तोड़ दी गई, और तू जंगली जैतून होकर उनमें साटा गया, और जैतून की जड़ की चिकनाई का भागी हुआ है"

पौलुस **पेड़** के रूपक का उपयोग जारी रखते हैं यह बताने के लिए कि कैसे परमेश्वर ने अविश्वासी यहूदियों को अस्वीकार कर दिया और गैर-यहूदियों को अपने लोगों का हिस्सा बनने के लिए स्वीकार किया। **जैतून** परमेश्वर के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। **टूटी हुई डालियाँ** उन यहूदियों का प्रतिनिधित्व करती हैं जो यीशु में **विश्वास नहीं** करते। **जंगली जैतून की डाली** उन गैर-यहूदियों का प्रतिनिधित्व करती है जो यीशु में विश्वास करते हैं। **चिकनाई** उन आशीर्वादों का प्रतिनिधित्व करती है जो परमेश्वर अपने लोगों को देते हैं। **जड़** या तो इस्राएलियों के पूर्वजों का प्रतिनिधित्व करती है (जैसा कि पिछले पद में) या सेनापति में यहूदियों का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस रूपक को उपमा के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। इस अध्याय के सामान्य टिप्पणियों में इस रूपक की चर्चा भी देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कुछ यहूदियों को अस्वीकार कर दिया गया, जैसे पेड़ की डालियाँ टूट जाती हैं, और तुम, परदेशी होते हुए, परमेश्वर के लोगों में शामिल हो गए जैसे जंगली जैतून की

डालियाँ पेड़ पर जोड़ी जाती हैं, और तुमने पहले इस्राएलियों के आशीर्वाद प्राप्त किए परमेश्वर के लोगों के हिस्से के रूप में, जैसे डालियाँ जैतून के पेड़ की जड़ से पोषक तत्व प्राप्त करती हैं"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

रोमियों 11:17 (#4)

"कई एक डाली तोड़ दी गई," - "साटा गया," - "जड़ की चिकनाई का भागी हुआ है"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। अध्याय 9–11 का संदर्भ इंगित करता है कि परमेश्वर ने यह कार्य किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने कुछ डालियों को तोड़ा ... परमेश्वर ने कलम लगाया ... परमेश्वर ने उन्हें उनके साथ सहभागी बनाया।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:17 (#5)

"तू"

हालाँकि पौलुस गैर-यहूदी मसीहियों के समूह को लिख रहे हैं, **तू** इस पद में एकवचन है। यदि आपकी भाषा में किसी ऐसे व्यक्ति के लिए एकवचन रूप स्वाभाविक नहीं होगा जो समूह से बात कर रहे हों, तो आप अपने अनुवाद में **तुम** के बहुवचन रूप का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: समूहों का उल्लेख करने वाले एकवचन सर्वनाम

रोमियों 11:17 (#6)

"उनमें," - "उनमें साटा गया"

यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है। इस पद में **उनमें** उल्लेख यहूदियों के लोगों से है जो यीशु में विश्वास करते हैं। यह उन **डालियों** का उल्लेख नहीं करता जो **तोड़ दी गई थीं**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास करने वाले यहूदी लोग ... उन यहूदियों के साथ सहभागी जो विश्वास करते हैं"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:18 (#1)

"तो डालियों पर घमण्ड न करना"

यह तथ्यात्मक शर्तीय वाक्य का अंत है जो पिछले पद में शुरू हुआ था। यदि आप इस खंड को अलग वाक्य में बदलते हैं, तो आपको शब्दों को समायोजित करने की आवश्यकता हो सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "चूंकि यह सत्य है, इसलिए डालियाँ पर घमंड न करें।"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 11:18 (#2)

""

पौलुस पिछले दो पदों से पेड़ के रूपक का उपयोग जारी रखते हैं। यहाँ, **डालियाँ** उन यहूदियों का प्रतिनिधित्व करती हैं जिन्हें परमेश्वर ने अस्वीकार कर दिया क्योंकि उन्होंने यीशु में विश्वास नहीं किया। **जड़** या तो इस्राएलियों के पूर्वजों का प्रतिनिधित्व करती है (जैसे 11:16 में) या सेनापति में यहूदियों का। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस रूपक को उपमा के रूप में व्यक्त कर सकते हैं। इस अध्याय के सामान्य टिप्पणियों में इस उपमा की चर्चा भी देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "अविश्वासी यहूदियों पर घमंड न करें जिन्हें परमेश्वर ने अस्वीकार कर दिया, जैसे डालियाँ पेड़ से तोड़ी गईं। परन्तु यदि तुम घमंड करते हो, तो तुम स्वयं परमेश्वर के लोगों को बनाए नहीं रखते, जैसे डालियाँ जड़ को नहीं बनाए रख सकतीं, बल्कि पहले इस्राएली तुम्हे बनाए रखते हैं, जैसे जड़ डालियों को बनाए रखती है।"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

रोमियों 11:18 (#3)

"तू घमण्ड करे, तु स्वयं करते हैं" - "सम्भालती" - "तुझे"

देखें कि आपने पिछले पद में **तू** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: समूहों को संदर्भित करने वाले एकवचन सर्वनाम

रोमियों 11:18 (#4)

"तो डालियों पर घमण्ड न करना; और यदि तू घमण्ड करे, तो जान रख, कि तू जड़ को नहीं।"

पौलुस का तात्पर्य है कि अन्यजाति विश्वासियों को जो **घमण्ड** करते हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि वह अब्राहम और पहले इस्राएलियों के विश्वास की **जड़** से समर्थित हैं। यदि यह

आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "याद रखें कि तुम स्वयं जड़ को सहारा नहीं देते, बल्कि जड़ तुमको सहारा देती है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:19 (#1)

"तू कहेगा"

देखें कि आपने पिछले दो पदों में **तू** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: समूहों को संदर्भित करने वाले एकवचन सर्वनामों

रोमियों 11:19 (#2)

"फिर"

यहाँ, **फिर** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पिछले पद में पौलुस द्वारा कही गई बात का उत्तर है। आपकी भाषा में कारण बताने के लिए स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप" या "इसके उत्तर में"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 11:19 (#3)

"डालियाँ इसलिए तोड़ी गई, कि मैं साटा जाऊँ।"

इस वाक्य में पौलुस ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह गैर-यहूदी मसीही हों जो पौलुस के खिलाफ तर्क कर रहे हों। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परंपरा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 11:19 (#4)

"डालियाँ इसलिए तोड़ी गई, कि मैं साटा जाऊँ"

देखें कि आपने **डालियाँ**, **तोड़ी गई**, और **साटा जाऊँ** का 11:17 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

रोमियों 11:19 (#5)

"डालियाँ इसलिए तोड़ी गई, कि मैं साटा जाऊँ"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 11:17 में समान वाक्यांशों का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने डालियाँ तोड़ीं ... परमेश्वर मुझे जोड़ सकते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:19 (#6)

"कि"

यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है। यहाँ, **कि** उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उद्देश्य के लिए कि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 11:20 (#1)

"भला"

यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है। यह वाक्य पिछले पद में दिए गए कथन के प्रति पौलुस की प्रतिक्रिया को प्रस्तुत करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं यह कहकर उत्तर दूंगा कि तूने जो कहा वह भला है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:20 (#2)

"वे तो अविश्वास के कारण तोड़ी गई"

वे और **उनका** इस पद में उन यहूदियों को संदर्भित करता है जो यीशु में विश्वास नहीं करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अविश्वासी यहूदी अविश्वास के कारण टूट गए थे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:20 (#3)

"वे तो अविश्वास के कारण तोड़ी गई"

यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है। देखें कि आपने **तोड़ी गई** का 11:17 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

रोमियों 11:20 (#4)

"अविश्वास के कारण"

यह वाक्य यहूदियों के अविश्वास के कारण **तोड़ दिए जाने** की वजह को दर्शाता है। आपके भाषा में कारण बताने के लिए स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "अविश्वास के कारण"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 11:20 (#5)

"परन्तु तू विश्वास से बना रहता है।"

देखें कि आपने पिछले तीन पदों में **तू** का अनुवाद किस प्रकार किया है।

देखें: समूहों का उल्लेख करने वाले एकवचन सर्वनाम

रोमियों 11:20 (#6)

"परन्तु तू विश्वास से बना रहता है।"

पौलुस अन्यजाति विश्वासियों के परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बने रहने की बात करते हैं ताकि वे **दृढ़ता** से खड़े रहें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू स्वयं परमेश्वर के लोगों में बने रहे"

देखें: रूपक

रोमियों 11:20 (#7)

"विश्वास से"

वाक्यांश, **विश्वास से** यह संकेत कर सकता है: (1) वह साधन जिसके द्वारा अन्यजाति विश्वासियों को **दृढ़ बने रहना** चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास के माध्यम से" (2) वह कारण जिसके कारण अन्यजाति विश्वासियों को **दृढ़ रहना** चाहिए। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास के कारण"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:20 (#8)

"विश्वास से"

देखें कि आपने **विश्वास** का 1:5 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:20 (#9)

"अभिमानी"

यहाँ, **अभिमानी** उन **अभिमानी** विचारों को संदर्भित करता है जो अन्यजाति मसीही यहूदियों के विरोध रख सकते हैं। विशेष रूप से, वे सोच सकते हैं कि वे उन यहूदियों से श्रेष्ठ हैं जो मसीही नहीं हैं, जैसा कि पिछले पद में संकेत दिया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अभिमान द्वारा अविश्वासी यहूदियों के विरोध"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:20 (#10)

"भय"

पौलुस, शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि यह आपके भाषा में सहायक होगा, तो आप इस शब्द को अगले पद से ले सकते हैं, जैसा कि यू.एस.टी. में है।

देखें: पदलोप

रोमियों 11:21 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह शब्द यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह बताता है कि पौलुस क्यों चाहते हैं कि उनके अन्यजाति मसीही पाठक "भय" करें, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुझे भय होना चाहिए क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 11:21 (#2)

"जब"

यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है। देखें कि आपने **जब** को 11:12 में कैसे अनुवादित किया है।

देखें: जोड़े — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 11:21 (#3)

"स्वाभाविक डालियाँ"

यहाँ, **स्वाभाविक डालियाँ** उन यहूदियों को संदर्भित करती हैं जिन्होंने यीशु को अस्वीकार किया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अविश्वासी यहूदियों का"

देखें: रूपक

रोमियों 11:21 (#4)

"तो तुझे भी न छोड़ेगा"

पौलुस का तात्पर्य है कि परमेश्वर किसी को नहीं छोड़ेगा जो यीशु पर विश्वास करना बंद कर देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह तुझे भी नहीं छोड़ेगा यदि तु यीशु पर विश्वास बनाए नहीं रखता।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:21 (#5)

"तुझे"

देखें कि आपने **तुझे** का 11:17–20 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: समूहों को संदर्भित करने वाले एकवचन सर्वनामों

रोमियों 11:22 (#1)

"देख"

पौलुस अपने श्रोताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए **देख** शब्द का उपयोग करते हैं ताकि वे समझ सकें कि वह क्या कहने वाले हैं। आपकी भाषा में समान अभिव्यक्ति हो सकती है जिसे आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं।

देखें: रूपक

रोमियों 11:22 (#2)

"इसलिए"

यहाँ,**इसलिए** इंगित करता है कि इस पद में जो आता है वह पौलुस द्वारा 11:17–21 में कही गई बात का तार्किक निष्कर्ष है। परिणाम व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 11:22 (#3)

"दयालुता" - "परमेश्वर की.... कड़ाई: कड़ाई" - "परमेश्वर की दयालुता" - "उसकी दयालुता"

यदि आपकी भाषा में **दयालुता** और **कड़ाई** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दयालु स्वभाव ... परमेश्वर का कठोर स्वभाव ... उनका कठोर स्वभाव ... परमेश्वर का दयालु स्वभाव ... उनका दयालु स्वभाव"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:22 (#4)

"जो गिर गए, उन पर कड़ाई"

यहाँ पौलुस परमेश्वर की **कड़ाई** के बारे में बात करते हैं जैसे कि यह कोई वस्तु हो जो किसी **पर** हो सकती है। उनका मतलब है कि परमेश्वर उन्हें कड़ाई से दंडित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह मददगार हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे गिरे हुए को कड़ाई से दण्डित करता है”

देखें: रूपक

रोमियों 11:22 (#5)

"जो गिर गए"

पौलुस उन यहूदियों का उल्लेख करते हैं जिन्होंने परमेश्वर पर भरोसा करने में असफल रहे, जैसे कि वे लोग **गिर** गए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे यहूदी जो परमेश्वर पर भरोसा करने में असफल रहे"

देखें: रूपक

रोमियों 11:22 (#6)

"परन्तु तुझ पर दयालुता"

यहाँ पौलुस परमेश्वर की **दयालुता** के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे यह कोई वस्तु हो जो किसी **पर** हो सकती है। उनका मतलब है कि परमेश्वर उन लोगों के प्रति दयालुता से पेश आते हैं जो यीशु में विश्वास करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे तेरे प्रति दयालु हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 11:22 (#7)

"तू," - "तू उसमें बना रहे" - "तू भी" - "काट डाला जाएगा"

देखें कि आपने **तू** का अनुवाद 11:17–21 में किस प्रकार किया है।

देखें: समूहों को संदर्भित करने वाले एकवचन सर्वनाम

रोमियों 11:22 (#8)

"यदि तू उसमें बना रहे"

यहाँ पौलुस परमेश्वर की **दयालुता** के बारे में ऐसे बोलते हैं जैसे यह स्थान हो जहाँ कोई **बना** रह सकता है। उनका मतलब है कि उनके पाठकों को परमेश्वर की दयालुता में विश्वास बनाए रखना चाहिए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू उनकी दयालुता में विश्वास बनाए रख"

देखें: रूपक

रोमियों 11:22 (#9)

"तू भी काट डाला जाएगा।"

यहाँ पौलुस अपने अन्यजाति मसीही श्रोताओं को उन डालियों के रूप में संदर्भित करते हैं जिन्हें परमेश्वर **काट** सकते हैं। उनका मतलब है कि यदि वे विश्वासयोग्य नहीं रहते हैं तो परमेश्वर उन्हें अस्वीकार कर देंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तू स्वयं भी अस्वीकार कर दिया जाएगा" या "तू स्वयं भी उस डाली की तरह अस्वीकार किया जाएगा जो काट दी जाती है"

देखें: रूपक

रोमियों 11:22 (#10)

"तू भी काट डाला जाएगा"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर तुझे भी काट डालेगा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:23 (#1)

"वे," - "वे भी यदि अविश्वास में न रहें," - "उन्हें"

इस पद में **वे**, **वे**, **उनके**, और **उन्हें** उन यहूदियों को संदर्भित करते हैं जो पहले यीशु में विश्वास नहीं करते थे, परन्तु बाद में आस्तिक बन जाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अविश्वासी यहूदी लोग ... वे यहूदी अपने अविश्वास में बने नहीं रहते ... वे यहूदी"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 11:23 (#2)

"वे भी यदि अविश्वास में न रहें"

देखें कि आपने पिछले पद में **न रहें** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

रोमियों 11:23 (#3)

"वे भी यदि अविश्वास में न रहें"

यदि आपके पाठक इस दोहरे नकारात्मक को गलत समझ सकते हैं, तो आप इसे सकारात्मक कथन के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वे विश्वास करना आरंभ करते हैं" या "यदि वे विश्वास में बने रहते हैं"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

रोमियों 11:23 (#4)

"उनका अविश्वास"

देखें कि आपने **अविश्वास** का 4:20 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:23 (#5)

"तो साटे जाएँगे" - "उन्हें फिर साट सकता है"

पौलुस यहूदियों के परमेश्वर के लोगों का हिस्सा बनने की बात करते हैं जैसे कि वे डालियाँ हैं जिन्हें पेड़ में **साटा** जा सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे या उपमा का उपयोग करके व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के लोगों में शामिल होंगे ... उन्हें उनके लोगों में शामिल करने के लिए" या "परमेश्वर के लोगों में शामिल होंगे, जैसे डाली को पेड़ में साटा जाता है ... उन्हें उनके लोगों में शामिल करने के लिए, जैसे किसान डाली को पेड़ में साटता है"

देखें: रूपक

रोमियों 11:23 (#6)

"साटे जाएँगे"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उन्हें साट देगा।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:23 (#7)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह उससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि जो बाद में आता है, वह इस बात का कारण है कि पौलुस ने पिछले वाक्य में जो कहा वह सत्य है। अपनी भाषा में कारण दर्शाने के लिए स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 11:24 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यहाँ यह संकेत करता है कि इस पद और अगले पद में जो कुछ कहा गया है, वह पिछले पद में पौलुस ने जो कहा उसका स्पष्टीकरण है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 11:24 (#2)

"यदि"

देखें कि आपने **यदि** का अनुवाद 11:12 में किस प्रकार किया है।

देखें: जोड़े — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 11:24 (#3)

"तू उस जैतून से, जो स्वभाव से जंगली है, काटा गया और स्वभाव के विरुद्ध अच्छी जैतून में साटा गया, तो ये जो स्वाभाविक डालियाँ हैं, अपने ही जैतून में साटे क्यों न जाएँगे"

पौलुस अन्यजाति विश्वासियों और यहूदियों के बारे में बात करते रहते हैं जैसे वे **पेड़** की डालियाँ हों, जैसा कि उन्होंने 11:17–22 में किया था। यहाँ, **जंगली जैतून** उन सभी गैर-यहूदियों का प्रतिनिधित्व करता है जो यीशु में विश्वास नहीं करते, **काट दिया गया** अविश्वासी गैर-यहूदियों से अलग होने का प्रतिनिधित्व करता है, और **अच्छा जैतून** और **उनका अपना जैतून** परमेश्वर के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। देखें कि आपने **साटा गया** का अनुवाद 11:17 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम जातियों से अलग किए गए थे, जैसे कि डाली को स्वाभाविक रूप से जंगली जैतून से काटा जाता है, और स्वभाव के विपरीत परमेश्वर के लोगों से जोड़ा गया था, जैसे कि डाली को अच्छे जैतून में साटा जाता है, तो कितना अधिक ये, जो स्वाभाविक रूप से जैतून की डालियों की तरह हैं, अपने लोगों से जुड़ेंगे, जैसे कि डाली को उसके अपने जैतून में वापस साटा जाता है।"

देखें: बाइबल की अलंकृत भाषा - विस्तृत रूपक

रोमियों 11:24 (#4)

"तू"

देखें कि आपने **तू** का 11:17–22 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: समूहों को संदर्भित करने वाले एकवचन सर्वनाम

रोमियों 11:24 (#5)

"तू उस जैतून से, जो स्वभाव से जंगली है, काटा गया और स्वभाव के विरुद्ध," - "साटा गया" - "तो ये जो स्वाभाविक डालियाँ हैं, अपने ही जैतून में साटे क्यों न जाएँगे"

यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है। यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने तुझे स्वाभाविक रूप से जंगली जैतून से अलग किया ... परमेश्वर ने जोड़ा ... परमेश्वर इन्हें, जो स्वाभाविक रूप से हैं, वापस जोड़ देंगे।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:24 (#6)

"तो ये जो स्वाभाविक डालियाँ हैं, अपने ही जैतून में साटे क्यों न जाएँगे"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वह यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वह कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए आलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों को कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में अनुवाद कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये जो स्वभाव के अनुसार हैं, वे अपने जैतून के पेड़ में फिर से कितने अधिक साटे जाएँगे!"

देखें: अलंकारिक प्रश्न

रोमियों 11:24 (#7)

"ये," - "अपने ही"

यहाँ, **ये** और **अपने** यहूदी लोगों को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये यहूदी ... यहूदियों के अपने"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:24 (#8)

"ये {जो} स्वाभाविक डालियाँ हैं"

यह वाक्य यहूदियों के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करता है, जिन्हें परमेश्वर अपने लोगों के साथ फिर से जोड़ेंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप इन वाक्यों के बीच सम्बन्ध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो स्वाभाविक रूप से लोग हैं" या "वे जो स्वभाव के अनुसार हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 11:25 (#1)

"इसलिए"

इसलिए यह संकेत करता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, **इसलिए** यह दर्शाता है कि पौलुस ने 11:25–32 में जो कहा है, वह पिछले पद में कही गई बात का कारण है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं तुम्हें ये बातें इसलिए बता रहा हूँ क्योंकि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 11:25 (#2)

"मैं नहीं चाहता कि तुम इस भेद से अनजान रहो"

यदि आपके पाठक इस दोहरे नकारात्मक को गलत समझ सकते हैं, तो आप इसे सकारात्मक वक्तव्य के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं चाहता हूँ कि तुम जागरूक रहो"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

रोमियों 11:25 (#3)

"मैं नहीं चाहता"

यहाँ सर्वनाम **मैं** पौलुस को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, पौलुस, नहीं चाहता"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:25 (#4)

"तुम" - "कहीं ऐसा न हो, कि तुम अपने आपको बुद्धिमान समझ लो"

यहाँ, **तुम** और **अपने आपको** बहुवचन हैं और संदर्भित कर सकते हैं: (1) गैर-यहूदी मसीही, जैसे कि पद 11:17–24 में। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम मसीह में गैर-यहूदी विश्वासियों ... तुम गैर-यहूदी अपने आप में बुद्धिमान नहीं हो सकते" (2) सभी विश्वासियों को जिनके लिए पौलुस यह पत्र लिख रहे थे।

वैकल्पिक अनुवाद: "तुम यीशु में विश्वासियों ... तुम विश्वासियों को अपने आप में बुद्धिमान नहीं होना चाहिए"

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 11:25 (#5)

"हे भाइयों,... इसलिए मैं नहीं चाहता कि तुम इस भेद से अनजान रहो, कि जब तक अन्यजातियाँ पूरी रीति से प्रवेश न कर लें, तब तक इस्राएल का एक भाग ऐसा ही कठोर रहेगा"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के निर्देश बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम इस भेद से अनजान रहो कि इस्राएल में आंशिक कठोरता हुई है, ताकि तुम अपने आप में बुद्धिमान न बनों।"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 11:25 (#6)

"इस भेद से"

यहाँ पौलुस **भेद** शब्द का उपयोग परमेश्वर द्वारा कुछ ग़ैर-यहूदियों को बचाने के बाद यहूदियों के अवशेष को बचाने के संदर्भ में करते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि यह विचार समझने में कठिन है, बल्कि परमेश्वर ने इसे अब तक लोगों पर प्रकट नहीं किया था। यदि आपकी भाषा **भेद** का उपयोग किसी ऐसी चीज़ के लिए नहीं करती जो छिपी हुई थी परन्तु अब प्रकट हो गई है, तो आप अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस छिपे हुए संदेश का"

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

रोमियों 11:25 (#7)

"भाइयों"

हालाँकि **भाइयों** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। पौलुस का संदर्भ हो सकता है: (1) गैर-यहूदी मसीही, जैसा कि 11:17–24 पदों में है। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह में मेरे गैर-यहूदी विश्वासी साथी" (2) सभी विश्वासियों को जिनके लिए पौलुस यह पत्र लिख रहे थे। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे मसीह में विश्वासी साथी"

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं

रोमियों 11:25 (#8)

"कहीं ऐसा न हो, कि तुम अपने आपको बुद्धिमान समझ लो"

यहाँ, **अपने आपको बुद्धिमान** का अर्थ है कि कोई व्यक्ति अहंकार में सोचता है कि वे वास्तव में जितने बुद्धिमान हैं उससे अधिक बुद्धिमान हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम अहंकार में यह न सोचों कि तुम वास्तव में जितने बुद्धिमान लगते हो उससे अधिक बुद्धिमान हो"

देखें: मुहावरा

रोमियों 11:25 (#9)

"एक भाग ऐसा ही कठोर रहेगा"

यहाँ, **कठोर** का मतलब हठी होना और यीशु में विश्वास करने के लिए अनिच्छुक होना है। यह **कठोर** केवल **एक भाग** है क्योंकि कुछ यहूदी यीशु में विश्वास करते हैं। देखें कि आपने 11:7 और 9:18 में समान शब्दों का अनुवाद कैसे किया।

देखें: रूपक

रोमियों 11:25 (#10)

"इस्राएल"

देखें कि आपने **इस्राएल** का 10:19 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 11:25 (#11)

"अन्यजातियाँ पूरी रीति से"

यहाँ, **पूरी रीति** उन सभी गैर-यहूदियों की पूरी संख्या को संदर्भित करती है जिन्हें परमेश्वर बचाएंगे। देखें कि आपने **पूरी रीति** का अनुवाद 11:12 में कैसे किया।

देखें: रूपक

रोमियों 11:25 (#12)

"प्रवेश"

यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है। यहाँ पौलुस **प्रवेश** का उपयोग उन लोगों के बारे में बात करने के लिए करते हैं जो परमेश्वर के लोगों में शामिल हो रहे हैं, जैसे कि वे किसी स्थान

में प्रवेश कर रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “उनके लोग बन गए हैं”

देखें: रूपक

रोमियों 11:26 (#1)

"और इस रीति से"

यहाँ, **इस रीति से** का अर्थ है कि **सारा इस्राएल उद्धार पाएगा** उसी प्रकार जैसे "जातियों की परिपूर्णता," जैसा कि पिछले पद में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और उसी प्रकार से”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:26 (#2)

"सारा इस्राएल उद्धार पाएगा"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर सारे इस्राएल को उद्धार करेंगे”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:26 (#3)

"इस्राएल"

देखें कि आपने **इस्राएल** का 10:19 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 11:26 (#4)

"जैसा लिखा है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:17 में किस प्रकार किया।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 11:26 (#5)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। चूंकि पौलुस कुछ ऐसा संदर्भित कर रहे हैं जो यशायाह ने लिखा था (यशायाह 59:20–21 और 27:9), आप यशायाह को विषय के रूप में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसा यशायाह ने लिखा है”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:26 (#6)

""छुड़ानेवाला सिय्योन से आएगा।"

यह वाक्य "यशायाह 59:20–21" का उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि यह उद्धरण है, इसके लिए उद्धरण चिह्नों का उपयोग करें या अपनी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिए जो भी विराम चिह्न या प्रथा हो, उसका उपयोग करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 11:26 (#7)

"सिय्योन"

देखें कि आपने **सिय्योन** का 9:33 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 11:26 (#8)

"और अभक्ति को याकूब से दूर करेगा"

पौलुस यशायाह का उद्धरण देते हैं जो **अभक्ति** के बारे में बोलते हैं जैसे कि वे कोई वस्तु हों जिसे कोई **दूर करेगा**। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अधर्मी कामों को रोक देगा"

देखें: रूपक

रोमियों 11:26 (#9)

"याकूब"

यहाँ, **याकूब,** याकूब के वंशजों को संदर्भित करता है, जिन्हें इस्राएली भी कहा जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएली" या "याकूब के वंशज"।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 11:27 (#1)

""और उनके साथ मेरी यही वाचा होगी,"

यह पद "यशायाह 59:20–21 और 27:9" का उद्धरण है जिसमें परमेश्वर बोल रहे हैं। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि यह उद्धरण है, इसके लिए उद्धरण चिह्नों का उपयोग करें या आपकी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिए जो भी विराम चिह्न या परंपरा हो, उसका उपयोग करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 11:27 (#2)

""उनके साथ" - "मेरी साथ,"

यहाँ सर्वनाम **मैं** और **मेरी** परमेश्वर को संदर्भित करते हैं, और **उनके** इस्राएल के लोगों को संदर्भित करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएल के लोगों के लिए ... मेरे साथ, परमेश्वर, ... मैं इस्राएल को दूर करता हूँ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:27 (#3)

"मैं उनके पापों को दूर कर दूँगा"

पौलुस परमेश्वर को उद्धृत करते हुए **पापों** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे वस्तुएं हों जिन्हें कोई **दूर कर** सकता है। उनका मतलब है कि लोगों को उनके किए गए **पापों** के लिए क्षमा किया जाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उनके पापों के दोष को दूर कर दूँगा" या "मैं उनके पापों के लिए उन्हें क्षमा करूँगा"

देखें: रूपक

रोमियों 11:28 (#1)

"सुसमाचार के भाव से"

यहाँ पौलुस यह संकेत देते हैं कि यहूदी लोग **सुसमाचार** को अस्वीकार कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों द्वारा सुसमाचार का अस्वीकार"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:28 (#2)

"वे... तुम्हारे" - "बैरी हैं" - "प्यारे हैं" - "पूर्वजों के कारण"

सर्वनाम **वे** इस्राएल के लोगों को संदर्भित करता हैं, और **तुम्हारे** अन्यजाति मसीहियों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएल के लोग बैरी हैं ... तुम गैर-यहूदियों के ... इस्राएल के लोग प्रिय हैं ... उनके पूर्वजों के कारण"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:28 (#3)

"वे... बैरी हैं"

पौलुस का कहना है कि यहूदी लोग परमेश्वर के **बैरी** हैं क्योंकि उन्होंने सुसमाचार को अस्वीकार कर दिया है। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट रूप से कहना सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे परमेश्वर के बैरी हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:28 (#4)

""

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 9:11 में अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:28 (#5)

"वे... प्यारे हैं"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उनसे प्यार करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:28 (#6)

"पूर्वजों के कारण"

यहाँ, **पूर्वजों के कारण** परमेश्वर द्वारा **उनके पूर्वजों** से किए गए वादों का संदर्भ है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके पूर्वजों के लिए जो उन्होंने करने का वादा किया था उसके कारण"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:29 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दिखाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह पहले कही गई बात का स्पष्टीकरण देता है। यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि जो आगे आता है, वह इस बात का कारण है कि पिछले पद में पौलुस ने जो कहा, वह सत्य है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम इस बात को सत्य मान सकते हो क्योंकि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 11:29 (#2)

"परमेश्वर अपने वरदानों से, और बुलाहट से"

यह हिंदी आई.आर.वी से अनुवादित है। यदि आपकी भाषा में **वरदानों** और **बुलाहट** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उदारता से दिया गया है ... जिसे परमेश्वर द्वारा बुलाया गया है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:29 (#3)

"परमेश्वर की बुलाहट से"

यहाँ, **परमेश्वर की बुलाहट** इस तथ्य को संदर्भित करता है कि परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लोग बनने के लिए बुलाया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह तथ्य कि परमेश्वर ने उन्हें बुलाया"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 11:30 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह उससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह इंगित करता है कि इस पद और अगले पद में जो आता है, वह यहूदी लोगों के बारे में पौलुस ने पिछले पद में जो कहा था, उसे स्पष्ट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 11:30 (#2)

"जैसे तुम ने पहले परमेश्वर की आज्ञा न मानी"

यहाँ, **तुम** बहुवचन हैं और गैर-यहूदी मसीहियों को संदर्भित करता है, जैसे कि पद 11:17–24 में। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम गैर-यहूदी मसीह में विश्वासियों ने पहले अवज्ञा की थी।"

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 11:30 (#3)

"दया हुई"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने दया दिखाई"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:30 (#4)

"उनके आज्ञा न मानने से तुम पर दया हुई"

यदि आपकी भाषा में **दया** और **आज्ञा न मानने** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दिखाया गया कि परमेश्वर कितने दयालु हैं और उनकी अवज्ञा कैसे की जाती है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:30 (#5)

"उनके आज्ञा न मानने से"

यहाँ, **से** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह कारण है कि परमेश्वर ने गैर-यहूदी लोगों पर **दया** दिखाई। अपनी भाषा में कारण को दर्शाने के लिए स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इनकी अवज्ञा के कारण"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 11:30 (#6)

"उनके"

यहाँ, **उनके** यहूदियों को संदर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इन यहूदियों का"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:31 (#1)

"उन्होंने" - "उन"

यहाँ, **उन्होंने** और **उन** यहूदी लोगों को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये यहूदी ... यहूदी"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:31 (#2)

"उन्होंने भी अब आज्ञा न मानी कि तुम पर जो दया होती है इससे उन पर भी दया हो"

वाक्यांश **तुम पर जो दया** को जोड़ा जा सकता है: (1) क्रिया जिसका अनुवाद **आज्ञा न मानी** के रूप में किया गया है, जैसा कि यू.एल.टी में है। (2) क्रिया जिसका अनुवाद **दया होती है** के रूप में किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने आज्ञा न मानी ताकि, तुम्हारी दया में, अब उन्हें भी दया दिखाई जा सके।"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 11:31 (#3)

"तुम पर जो दया होती है"

यहाँ, **पर** यह संकेत कर सकता है कि जो आगे आता है: (1) यहूदियों के **आज्ञा न मानने** का कारण है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारी दया के कारण" (2) यहूदियों के **आज्ञा न मानने** का उद्देश्य है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारी दया के कारण"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 11:31 (#4)

"तुम पर जो दया होती है"

यहाँ, **तुम पर जो दया** उस **दया** को संदर्भित करती है जो परमेश्वर ने गैर-यहूदी लोगों को दिखाई है जिन्हें वे बचाते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस दया में जो परमेश्वर ने तुम्हे दिखाई है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:31 (#5)

"तुम पर जो दया होती है"

यहाँ, **तुम** बहुवचन है और यीशु में विश्वास करने वाले गैर-यहूदियों को संदर्भित करता है। देखें कि आपने पिछले पद में **तुम** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 11:31 (#6)

"तुम पर जो दया होती है" - "उन पर भी दया हो"

यदि आपकी भाषा में **दया** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर तुम पर दया करके ... परमेश्वर अब उन पर भी बहुतायत से दया कर सकता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:31 (#7)

"इससे"

वाक्यांश **इससे** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है वह उद्देश्य है। यहाँ, **इससे** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है वह यहूदियों की अवज्ञा के लिए उद्देश्य है। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उद्देश्य के लिए कि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) संबंध

रोमियों 11:31 (#8)

"उन पर भी दया हो"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर अब उन पर भी दया कर सकते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:32 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि इस पद में जो आता है, वह पिछले दो पदों में पौलुस ने जो कहा, उसका निष्कर्ष है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “निष्कर्ष में,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 11:32 (#2)

"परमेश्वर ने सब को आज्ञा न मानने के कारण बन्द कर रखा"

यहाँ पौलुस उन लोगों का उल्लेख करते हैं जिन्हें परमेश्वर आज्ञा न मानने की अनुमति देते हैं, मानो वे बंदीगृह में **बन्द** कैदी हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने सभी लोगों को अवज्ञाकारी होने की अनुमति दी है"

देखें: रूपक

रोमियों 11:32 (#3)

"आज्ञा न मानने" - **"ताकि वह सब पर दया करे"**

यदि आपकी भाषा **आज्ञा न मानने** और **दया** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे कितने अवज्ञाकारी हैं ... यह दिखा सकता है कि वह उनके प्रति कितने **दयालु** हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएं

रोमियों 11:33 (#1)

"अहा, परमेश्वर का धन और बुद्धि और ज्ञान क्या ही गम्भीर है!"

अहा विस्मयादिबोधक शब्द है जो आश्चर्य व्यक्त करता है। इसे व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक विस्मयादिबोधक का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर का धन, बुद्धि और ज्ञान की गहराई कितनी अद्भुत है!"

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 11:33 (#2)

"परमेश्वर का धन और बुद्धि और ज्ञान क्या ही गम्भीर है"

यदि आपकी भाषा में **गम्भीर**, **धन**, **बुद्धि**, और **ज्ञान** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर कितने गहरे, धनवान, बुद्धिमान और ज्ञानी हैं।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:33 (#3)

"परमेश्वर का धन और बुद्धि और ज्ञान क्या ही गम्भीर है"

यहाँ पौलुस परमेश्वर का **धन**, **बुद्धि**, और **ज्ञान** को गहरे स्थान की तरह संदर्भित करते हैं। उनका मतलब है कि परमेश्वर का **धन**, **बुद्धि**, और **ज्ञान** वास्तव में महान हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर का धन, बुद्धि और ज्ञान की महानता”

देखें: रूपक

रोमियों 11:33 (#4)

"उसके विचार कैसे अथाह, और उसके मार्ग कैसे अगम हैं"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस उनका उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि वह क्या कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा ऐसा करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं करती है, तो आप वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो करते हैं, वह पूरी तरह से कितना समझ से परे है।"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

रोमियों 11:33 (#5)

"उसके विचार कैसे अथाह, और उसके मार्ग कैसे अगम हैं"

कैसे यहाँ विस्मयादिबोधक शब्द के रूप में उपयोग किया गया है जो आश्चर्य व्यक्त करता है। इसे व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक विस्मयादिबोधक का उपयोग करें।

देखें: विस्मयादिबोधक

रोमियों 11:33 (#6)

"उसके विचार कैसे अथाह"

यहाँ पौलुस परमेश्वर के **विचार** के बारे में बात करते हैं जैसे वे ऐसी वस्तुएं हों जिन्हें लोग खोज नहीं सकते। उनका मतलब है कि लोग परमेश्वर के **विचार** को पूरी तरह से समझ नहीं सकते। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके न्याय समझ से परे हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 11:33 (#7)

"उसके विचार कैसे अथाह"

यदि आपकी भाषा में **विचार** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह इस तरह से निर्णय लेतें हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:33 (#8)

"उसके मार्ग कैसे अगम हैं"

यहाँ पौलुस परमेश्वर के **मार्ग** के बारे में इस तरह बात करते हैं जैसे वे ऐसी वस्तुएं हों जिन्हें लोग खोज नहीं सकते। उनका मतलब है कि लोग परमेश्वर के **मार्ग** को पूरी तरह से समझ नहीं सकते। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके मार्ग समझ से परे हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 11:34 (#1)

"क्योंकि"

अंग्रेजी अनुवाद में ऐसा है, परन्तु हिंदी आई.आर.वी में इसका अनुवाद नहीं है।**क्योंकि** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** पुराने नियम की पुस्तक से उद्धरण प्रस्तुत करता है (40:13)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप समान वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह दर्शाता है कि पौलुस महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि यह पवित्रशास्त्र में लिखा है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 11:34 (#2)

""प्रभु कि बुद्धि को किसने जाना?"

यह वाक्य 40:13 से उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परंपरा के साथ अलग कर दिया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 11:34 (#3)

""प्रभु कि बुद्धि को किसने जाना?"

पौलुस यशायाह का उपयोग करते हुए इस प्रश्न के माध्यम से यह जोर देते हैं कि कोई भी प्रभु जितना बुद्धिमान नहीं है। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु के मन को किसी ने भी नहीं जाना और न ही कोई उनके सलाहकार बन सके!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 11:34 (#4)

"प्रभु की बुद्धि"

यहाँ, **बुद्धि** उस चीज़ को संदर्भित करती है जो कोई व्यक्ति जानता है और सोचता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "वह सब जो प्रभु जानते हैं" या "जिसके बारे में प्रभु विचार करते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 11:35 (#1)

"या"

शब्द **या** अन्य वस्तु को प्रस्तुत करता है। यहाँ, **या** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह पौलुस द्वारा पुराने नियम की पुस्तक के पद का व्याख्यान है (41:11)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत करता है कि पौलुस महत्वपूर्ण पाठ से उद्धृत कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "या, जैसा कि पवित्रशास्त्र में लिखा है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 11:35 (#2)

""जिसका बदला उसे दिया जाए?,"

यह वाक्य 41:11 के भाग का पुनर्लेखन है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए प्रयुक्त किसी भी विराम चिह्न या परंपरा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 11:35 (#3)

""किसने पहले उसे कुछ दिया है,"

पौलुस अय्यूब का उद्धरण इस प्रश्न का उपयोग करके यह बताने के लिए करते हैं कि वह क्या कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद कथन या विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी ने भी कभी परमेश्वर को कुछ नहीं दिया है, कि उन्हें उसके द्वारा चुकाया जाए!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 11:35 (#4)

"किसने पहले उसे कुछ दिया"

पौलुस अय्यूब का उल्लेख करते हैं, कुछ शब्दों को छोड़कर जो कई भाषाओं में वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसने उन्हें कुछ दिया"

देखें: पदलोप

रोमियों 11:35 (#5)

"जिसका बदला उसे दिया जाए?"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर को उसका भुगतान करना चाहिए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 11:36 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह उससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि पौलुस इस पद में जो कहते हैं, वह इस बात का कारण है कि उन्होंने 11:34–35 में जो कहा, वह सत्य है। कारण दर्शाने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "ये बातें सत्य हैं क्योंकि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम संबंध

रोमियों 11:36 (#2)

""

इस पद्य में **उसी** परमेश्वर को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी चीजें परमेश्वर से, परमेश्वर के माध्यम से, और परमेश्वर के लिए हैं। परमेश्वर को"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 11:36 (#3)

"उसकी ओर से"

यहाँ, **ओर से** यह संकेत करता है कि **सब कुछ** परमेश्वर से आया क्योंकि उन्होंने ही उन्हें बनाया है। यदि आपकी भाषा में

यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनसे उत्पन्न"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:36 (#4)

"उसी के द्वारा"

यहाँ, **के द्वारा** यह इंगित करता है कि परमेश्वर वह साधन हैं जिसके द्वारा **सब कुछ** अस्तित्व में बनी रहता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके माध्यम से अस्तित्व में बने रहना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:36 (#5)

"उसी के लिये"

यहाँ, **उसी के लिये** इंगित करता है कि परमेश्वर वह कारण हैं जिनके लिए **सब कुछ** अस्तित्व में हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसके लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 11:36 (#6)

"उसकी महिमा युगानुयुग {होती} रहे"

यदि आपकी भाषा में **महिमा** के विचार के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोग उनकी महिमा करें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 11:36 (#7)

"युगानुयुग होती रहे"

यहाँ, **युगानुयुग होती रहे** मुहावरा है जिसका अर्थ है "हमेशा के लिए।" यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप समकक्ष मुहावरा या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनन्त काल तक"

देखें: मुहावरा

रोमियों 12:1 (#1)

"मैं ...विनती करता हूँ"

यहाँ और इस अध्याय में हर जगह सर्वनाम **मैं** पौलुस को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं, पौलुस, आपसे आग्रह करता हूँ”

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

रोमियों 12:1 (#2)

"तुम" - "अपने" - "तुम्हारी"

इस अध्याय में और अधिकांश स्थानों पर **तुम** और **अपने** सर्वनाम बहुवचन हैं और रोम के विश्वासियों को सन्दर्भित करते हैं जिन्हें पौलुस ने यह पत्र लिखा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आप सब विश्वासियों ... आप सबका ... आप सबका”

देखें: ‘आप’ के रूप — बहुवचन

रोमियों 12:1 (#3)

"इसलिए ...मैं ...विनती करता हूँ"

इसलिए शब्द इंगित करता है कि जो आगे है वह एक तार्किक निष्कर्ष है। यहाँ, **इसलिए** इंगित करता है कि इस पत्र के शेष भाग में जो आगे है, वह पौलुस चाहते हैं कि उनके पाठक उनके द्वारा अध्याय 1–11 में लिखी गई बातों के जवाब में करें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक पूर्ण अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “चूंकि मैंने जो कुछ कहा है वह सत्य है, मैं आपसे आग्रह करता हूँ”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 12:1 (#4)

"भाइयों"

देखें कि आपने इस शब्द का 1:13 में अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएँ भी शामिल होती हैं

रोमियों 12:1 (#5)

"दया" - "जीवित... बलिदान," - "यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है"

यदि आपकी भाषा में **दया**, **बलिदान**, और **सेवा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। ये शब्द उन विभिन्न तरीकों को इंगित करते हैं जिनमें लोग परमेश्वर की सेवा करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे तरीके जिनसे परमेश्वर दयालु हैं ... एक जीवित जो बलिदान किया जाता है ... जो आपकी उचित सेवा है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:1 (#6)

"अपने शरीरों को जीवित ... बलिदान करके चढ़ाओ"

यहाँ पौलुस मसीह में एक विश्वासी का उल्लेख करते हैं जो परमेश्वर की आज्ञा का पालन करता है, जैसे कि वह व्यक्ति उन पशुओं में से एक हो जिन्हें यहूदी मारकर परमेश्वर को बलिदान के रूप में चढ़ाते थे, सिवाय इसके कि यह बलिदान अभी भी जीवित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आपको पूरी तरह से परमेश्वर को समर्पित करें जबकि आप जीवित हैं, जैसे कि आप मन्दिर की वेदी पर एक जीवित बलिदान हों।"

देखें: रूपक

रोमियों 12:1 (#7)

"अपने शरीरों को"

यहाँ, **शरीरों** समस्त व्यक्तियों को सन्दर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपका सम्पूर्ण अस्तित्व"

देखें: उपलक्षण

रोमियों 12:2 (#1)

"इस संसार के सदृश्य न बनो" - "बदलता जाए"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आप को अनुकूलित न करें ... परमेश्वर को आपको रूपांतरित करने की अनुमति दें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 12:2 (#2)

"सदृश्य न बनो"

वैकल्पिक अनुवाद: "उनके जैसे न बनें"

रोमियों 12:2 (#3)

"इस संसार के"

यहाँ, **इस संसार के** का अर्थ उन अविश्वासियों के दृष्टिकोण और कार्यों से है जो उस समय के दौरान वहाँ रहते थे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस युग के लोग जिस प्रकार सोचते और कार्य करते हैं"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 12:2 (#4)

"बुद्धि के नये हो जाने से," - "परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा"

यदि आपकी भाषा में **नये हो जाने से** और **इच्छा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मन को नया बनाकर ... भली, और भावती और सिद्ध कार्य जो परमेश्वर चाहते हैं”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:2 (#5)

"बुद्धि के नये हो जाने से"

यहाँ पौलुस एक व्यक्ति के सोचने के तरीके को बदलने की बात करते हैं, जैसे कि उस व्यक्ति का मन नया हो गया हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “किसी के सोचने के तरीके के बदलने से”

देखें: रूपक

रोमियों 12:3 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि जो बाद में आता है, वह पौलुस ने पिछले पद में जो कहा उसे स्पष्ट करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों का संयोजन

रोमियों 12:3 (#2)

"उस अनुग्रह के कारण जो मुझ को मिला है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अनुग्रह के माध्यम से जो परमेश्वर ने हमें प्रदान किया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 12:3 (#3)

"उस अनुग्रह के कारण जो मुझ को मिला है"

यहाँ, **अनुग्रह** का अर्थ है परमेश्वर का कृपापूर्वक पौलुस को प्रेरित के रूप में चुनना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस अनुग्रह के माध्यम से जिसने मुझे प्रेरित बनने के लिए नियुक्त किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 12:3 (#4)

"जैसा समझना चाहिए, उससे बढ़कर कोई भी अपने आपको न समझे"

यहाँ, **उससे बढ़कर कोई भी अपने आपको न समझे** का मतलब है कि यदि कोई व्यक्ति अहंकारपूर्वक सोचता है कि वे वास्तव में जितने हैं उससे बेहतर हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह न सोचना कि वे वास्तव में जितने हैं उससे बेहतर व्यक्ति हैं"

देखें: मुहावरा

रोमियों 12:3 (#5)

"जैसा समझना चाहिए, उससे बढ़कर कोई भी अपने आपको न समझे"

हालांकि **अपने** और **आपको** पुल्लिंग हैं, पौलुस यहाँ इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने बारे में जितना सोचना चाहिए उससे अधिक ऊँचा न सोचें।"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएँ भी शामिल होती हैं

रोमियों 12:3 (#6)

"सुबुद्धि के साथ अपने को समझे"

वैकल्पिक अनुवाद: "आपको अपने बारे में सोचने के तरीके के सम्बन्ध में विवेकपूर्ण होना चाहिए"

रोमियों 12:3 (#7)

"जैसा परमेश्वर ने हर एक को परिमाण के अनुसार बाँट दिया है"

यहाँ, **परिमाण** का अर्थ हो सकता है: (1) परमेश्वर में **विश्वास** के विभिन्न स्तर, जो परमेश्वर विश्वासियों को प्रदान करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे परमेश्वर ने आप में से प्रत्येक को उन पर भरोसा करने की क्षमता का स्तर प्रदान किया है" (2) आत्मिक वरदान, जो विश्वास से उत्पन्न होते हैं और विश्वासियों को विभिन्न स्तरों पर प्रदान किए जाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे परमेश्वर ने आप में से प्रत्येक को आत्मिक वरदानों में प्रदर्शित विश्वास का एक स्तर प्रदान किया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 12:4 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया है उसका स्पष्टीकरण है। यहाँ, **क्योंकि** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, उसके कारण पौलुस के पाठकों को "सुबुद्धि के साथ सोचना" चाहिए, जैसा कि पिछले वचन में कहा गया है। अपनी भाषा में कारण दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको यह करना चाहिए क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 12:4 (#2)

"जैसे"

यहाँ, **जैसे** इंगित करता है कि इस वचन में जो आगे आता है वह एक उपमा है। पौलुस इस उपमा का उपयोग मसीह में सभी विश्वासियों की तुलना एक मनुष्य के शरीर के अंगों से करने के लिए करते हैं। चूंकि पौलुस अगले वचन में इस तुलना की व्याख्या करते हैं, इसलिए यहाँ अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की आवश्यकता नहीं है।

देखें: उपमा

रोमियों 12:4 (#3)

"अंग" - "अंगों"

देखें कि आपने 6:13 में अंगों का अनुवाद कैसे किया है।

रोमियों 12:4 (#4)

"एक ही जैसा काम"

यदि आपकी भाषा में **काम** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसी उद्देश्यों के लिए कार्य"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:5 (#1)

"हम," - "हैं"

यहाँ, **हम** सभी मसीही लोगों को सन्दर्भित करते हैं, इसलिए यह समावेशी है। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 12:5 (#2)

"मसीह में"

देखें कि आपने 6:23 में समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

रोमियों 12:5 (#3)

"एक देह होकर आपस में एक दूसरे के अंग हैं"

पौलुस विश्वासियों के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे परमेश्वर ने उन्हें शारीरिक रूप से एक साथ जोड़ दिया हो, जैसे मनुष्य की **देह** के अंग जुड़े होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और विश्वासी व्यक्तियों को एक-दूसरे से जोड़ा गया है"

देखें: रूपक

रोमियों 12:5 (#4)

"अंग हैं"

देखें कि आपने पिछले वचन में **अंगों** का अनुवाद किस प्रकार किया।

रोमियों 12:6 (#1)

"हमें" - "हमें"

यहाँ, **हमें** और **हमें** सभी मसीही लोगों को सन्दर्भित करते हैं, इसलिए ये समावेशी हैं। आपकी भाषा में इन रूपों को चिन्हित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 12:6 (#2)

"उस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया है, हमें भिन्न-भिन्न वरदान मिले हैं"

पौलुस उन विभिन्न क्षमताओं के बारे में बात करते हैं जो परमेश्वर अन्य विश्वासियों की सेवा करने के लिए विश्वासियों को देते हैं, जिन्हें परमेश्वर की ओर से **अनुग्रहित वरदान** कहा जाता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हमारे पास अलग-अलग आत्मिक क्षमताएँ हैं”

देखें: रूपक

रोमियों 12:6 (#3)

"उस अनुग्रह के अनुसार जो हमें दिया गया है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस अनुग्रह के अनुसार जो परमेश्वर ने हमें प्रदान किया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 12:6 (#4)

"अनुग्रह" - "परिमाण के अनुसार भविष्यद्वाणी करे"

यदि आपकी भाषा **अनुग्रह** और **भविष्यद्वाणी** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कृपापूर्वक ... भविष्यद्वाणी करने में सक्षम हैं, जो अनुपातित किया गया है उसके अनुसार"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:6 (#5)

"जिसको भविष्यद्वाणी का दान मिला हो, वह विश्वास के परिमाण के अनुसार"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि परमेश्वर ने किसी को भविष्यद्वाणी का वरदान दिया है, तो उस व्यक्ति को उस वरदान का उपयोग अपने विश्वास के अनुपात के अनुसार करना चाहिए।"

देखें: पदलोप

रोमियों 12:6 (#6)

"विश्वास के परिमाण के अनुसार"

यहाँ पौलुस **विश्वास** का उपयोग उसी प्रकार करते हैं जैसे उन्होंने 12:3 में किया था। देखें कि आपने उस पद में "जैसा परमेश्वर ने प्रत्येक को विश्वास की एक मात्रा वितरित की है" वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 12:7 (#1)

"यदि सेवा करने का दान मिला हो, तो सेवा में लगा रहे, यदि कोई सिखानेवाला हो, तो सिखाने में लगा रहे"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि परमेश्वर ने किसी को सेवा का वरदान दिया है, तो उस व्यक्ति को उस वरदान का उपयोग सेवा के लिए करना चाहिए; यदि परमेश्वर ने किसी को शिक्षण का वरदान दिया है, तो उस व्यक्ति को उस वरदान का उपयोग शिक्षण के लिए करना चाहिए।"

देखें: पदलोप

रोमियों 12:7 (#2)

"सेवा," - "सेवा;" - "सिखानेवाला"

यदि आपकी भाषा **सेवा** और **सिखानेवाला** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरों की सेवा करना ... दूसरों की सेवा करना ... दूसरों को सिखाना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:8 (#1)

"जो उपदेशक हो, वह उपदेश देने में लगा रहे; दान देनेवाला उदारता से दे, जो अगुआई करे, वह उत्साह से करे, जो दया करे, वह हर्ष से करे"

पौलुस कई भाषाओं में वाक्यांशों को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप पिछले पद से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि परमेश्वर ने किसी को प्रोत्साहन देने का वरदान दिया है, तो उन्हें उस वरदान का उपयोग प्रोत्साहन देने के लिए करना चाहिए; यदि परमेश्वर ने किसी को देने का वरदान दिया है, तो उन्हें उस वरदान का उपयोग उदारता के लिए करना चाहिए; यदि परमेश्वर ने किसी को अगुआई करने का वरदान दिया है, तो उन्हें उस वरदान का उपयोग लगन के साथ करना चाहिए; यदि परमेश्वर ने किसी को करुणा दिखाने का वरदान दिया है, तो उन्हें उस वरदान का उपयोग प्रसन्नता के साथ करना चाहिए।"

देखें: पदलोप

रोमियों 12:8 (#2)

"उपदेश देने में;" - "उदारता से;" - "उत्साह से;" - "हर्ष से"

यदि आपकी भाषा में **उपदेश देने**, **उदारता से**, **उत्साह से**, और **हर्ष से** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरों को प्रोत्साहित करते हुए ... उदारतापूर्वक ... परिश्रमपूर्वक ... प्रसन्नतापूर्वक"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:9 (#1)

"प्रेम निष्कपट हो; बुराई से घृणा करो; भलाई में लगे रहो"

पौलुस निर्देश देने के लिए कथनों का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप निर्देशों के लिए एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कपट के बिना प्रेम करें, दुष्टता से घृणा करें, भले को थामे रहें।"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

रोमियों 12:9 (#2)

"निष्कपट"

यदि आपके पाठक इस दोहरे नकारात्मक को गलत समझ सकते हैं, तो आप इसे एक सकारात्मक बयान के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ईमानदार"

देखें: दोहरी नकारात्मकता

रोमियों 12:9 (#3)

"बुराई," - "भलाई"

यदि आपकी भाषा में **बुराई** और **भलाई** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट बातें ... अच्छी बातें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:10 (#1)

"भाईचारे के प्रेम से एक दूसरे पर स्नेह रखो; परस्पर आदर करने में एक दूसरे से बढ़ चलो"

पौलुस निर्देश देने के लिए कथनों का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप निर्देशों के लिए एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भाईचारे के प्रेम में, एक-दूसरे के प्रति स्नेहशील रहें; आदर में, एक-दूसरे से आगे बढ़ें।"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

रोमियों 12:10 (#2)

"भाईचारे के प्रेम से," - "आदर करने में"

यदि आपकी भाषा में **भाईचारे के प्रेम** और **आदर** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएं नहीं हैं, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरों को भाइयों की तरह प्रेम करना ... दूसरों का सम्मान करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:10 (#3)

"भाईचारे के प्रेम से"

हालांकि शब्द **भाईचारे** पुलिंग है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने साथी विश्वासियों के प्रति प्रेम में”

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएँ भी शामिल होती हैं

रोमियों 12:11 (#1)

"प्रयत्न करने में आलसी न हो; आत्मिक उन्माद में भरे रहो; प्रभु की सेवा करते रहो"

पौलुस निर्देश देने के लिए कथनों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप निर्देशों के लिए एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रयत्न में, आलसी न बनें; आत्मा में, उत्सुक रहें; प्रभु की सेवा करें।"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

रोमियों 12:11 (#2)

"प्रयत्न करने में"

यदि आपकी भाषा में **प्रयत्न** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य

तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेहनती होने में”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:11 (#3)

"आत्मिक उन्माद में"

यहाँ, **आत्मिक** का अर्थ हो सकता है: (1) किसी व्यक्ति की आत्मा, जैसे 1:9 में। वैकल्पिक अनुवाद: “आपकी आत्मा में” या “पूरे दिल से” (2) पवित्र आत्मा। वैकल्पिक अनुवाद: “पवित्र आत्मा में”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 12:12 (#1)

"आशा के विषय में, आनन्दित; क्लेश के विषय में, धैर्य रखें; प्रार्थना के विषय में, स्थिर रहें"

पौलुस आदेश देने के लिए कथनों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप आदेशों के लिए एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आशा में आनन्दित रहें; कष्ट में धैर्य रखें; प्रार्थना में दृढ़ रहें।"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

रोमियों 12:12 (#2)

"आशा ...में"

यहाँ, **में** दर्शाता है कि **आशा आनन्द** का कारण है। कारण दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "आशा के कारण, खुशी"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 12:12 (#3)

"क्लेश के विषय में, धैर्य रखें"

यहाँ, **में** उस स्थिति को दर्शाता है जिसमें किसी को **धैर्यवान** होना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कष्ट के समय, धैर्यवान रहें"

देखें: जोड़ें — एक साथ समय बिताएँ

रोमियों 12:12 (#4)

"प्रार्थना... स्थिर रहें"

यहां, **में** इंगित करता है कि **प्रार्थना** वह है जिसे निरंतर करना चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रार्थना के सम्बन्ध में, निरन्तर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 12:13 (#1)

"पवित्र लोगों को जो कुछ अवश्य हो, उसमें उनकी सहायता करो; पहुनाई करने में लगे रहो"

पौलुस निर्देश देने के लिए कथनों का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप निर्देशों के लिए एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संतों की आवश्यकताओं में सहभागिता करें; आतिथ्य का पालन करें।"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

रोमियों 12:13 (#2)

"पवित्र लोगों को जो कुछ अवश्य हो," - "पहुनाई करने में"

यदि आपकी भाषा में **जो कुछ अवश्य हो** और **पहुनाई करने में** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र लोगों को जिन चीजों की आवश्यकता है ... आतिथ्य के कार्य"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:13 (#3)

"पवित्र लोगों को जो कुछ अवश्य हो, उसमें उनकी सहायता करो"

यहाँ पौलुस का मतलब उन **पवित्र लोगों** के साथ चीजें साझा करना है जिनकी **आवश्यकताएँ** हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संतों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जो आपके पास है उसे साझा करना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 12:14 (#1)

"आशीष दो श्राप न दो"

ये दोनों आदेश एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पौलुस उनका उपयोग इस बात पर जोर देने के लिए करते हैं जो वह कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको अवश्य ही आशीर्वाद देना चाहिए"

देखें: द्विरावृत्ति

रोमियों 12:15 (#1)

"आनन्द करनेवालों के साथ आनन्द करो, और रोनेवालों के साथ रोओ"

पौलुस निर्देश देने के लिए कथनों का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप निर्देशों के लिए एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आनन्दित होते हैं, उनके साथ आनन्दित हों; जो रोते हैं, उनके साथ रोएँ।"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

रोमियों 12:16 (#1)

"आपस में एक सा मन रखो; अभिमानी न हो; परन्तु दीनों के साथ संगति रखो"

पौलुस निर्देश देने के लिए कथनों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप निर्देशों के लिए एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक-दूसरे के प्रति एक समान सोचें; ऊँची चीजों के बारे में न सोचें, बल्कि निम्न चीजों को स्वीकार करें।"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

रोमियों 12:16 (#2)

"आपस में एक सा मन रखो"

यह वाक्यांश एक मुहावरा है जो दूसरों की भलाई के लिए उसी परवाह का उल्लेख करता है जैसा कि एक व्यक्ति अपने लिए करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरों की उतनी ही परवाह करना जितनी आप अपनी करते हैं।"

देखें: मुहावरा

रोमियों 12:16 (#3)

"अभिमानी न हो"

अंग्रेजी अनुवाद में यहाँ **उच्च चीजों के बारे में सोचना** वाक्य का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी. अनुवाद में यहाँ **अभिमानी न हो** वाक्य का उपयोग हुआ है। यहाँ, **उच्च चीजों के बारे में सोचना** का मतलब है कि कोई व्यक्ति अहंकारपूर्वक सोचता है कि वे अन्य लोगों से बेहतर हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह न सोचना कि आप दूसरों से बेहतर हैं"

देखें: मुहावरा

रोमियों 12:16 (#4)

"परन्तु दीनों के साथ संगति रखो"

यहाँ, **दीनों** सन्दर्भित कर सकते हैं: (1) वे लोग जो दरिद्र हैं या जिन्हें समाज द्वारा सम्मानित नहीं किया जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे लोगों को स्वीकार करना जो महत्वपूर्ण नहीं लगते" (2) ऐसे कार्य करना जिन्हें लोग अपमानजनक या महत्वहीन मानते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निम्न कार्यों को स्वीकार करना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 12:16 (#5)

"अपनी दृष्टि में बुद्धिमान न हो"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद 11:25 में किस प्रकार किया।

देखें: मुहावरा

रोमियों 12:17 (#1)

"बुराई के बदले किसी से बुराई न करो; जो बातें सब लोगों के निकट भली हैं, उनकी चिन्ता किया करो"

पौलुस निर्देश देने के लिए कथनों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप निर्देशों के लिए एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "किसी को भी बुराई के बदले बुराई न दें; सभी लोगों की दृष्टि में अच्छी बातों पर सावधानीपूर्वक विचार करें।"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

रोमियों 12:17 (#2)

"बुराई के बदले किसी से बुराई" - "निकट.. उनकी चिन्ता किया करो"

यदि आपकी भाषा में **बुराई**, **चिन्ता**, और **निकट** के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दुष्ट चीजें दुष्ट चीजों के लिए; ... के बारे में सावधानीपूर्वक सोचना जैसा कि देखा गया"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:17 (#3)

"बुराई के बदले किसी से बुराई न करो"

यहाँ पौलुस **बदले** का उल्लेख किसी के द्वारा किए गए **बुराई** के कार्य के प्रत्युत्तर में कुछ **बुराई** करने के सन्दर्भ में करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी के द्वारा आपके साथ किए गए दुष्ट कार्य के लिए किसी के साथ कुछ दुष्ट न करें।"

देखें: रूपक

रोमियों 12:17 (#4)

"जो बातें सब लोगों के निकट भली हैं"

यहाँ पौलुस **निकट** का उपयोग करते हैं ताकि यह बताया जा सके कि लोग मानसिक रूप से क्या समझते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे कार्य करें जो सभी लोगों को अच्छा लगे।"

देखें: रूपक

रोमियों 12:17 (#5)

"सब लोगों"

हालांकि **लोगों** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिलाएँ दोनों शामिल हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी व्यक्ति"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएँ भी शामिल होती हैं

रोमियों 12:18 (#1)

"जहाँ तक हो सके"

वैकल्पिक अनुवाद: "जहाँ तक यह आप पर निर्भर करता है" या "जितना यह आप पर निर्भर करता है"

रोमियों 12:18 (#2)

"मेल मिलाप रखो"

पौलुस एक कथन का उपयोग निर्देश देने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप निर्देशों के लिए एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी मनुष्यों के साथ शांति से रहें"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

रोमियों 12:18 (#3)

"सब मनुष्यों"

हालांकि **मनुष्यों** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस यहाँ इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। एक वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है: "सभी लोग"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएँ भी शामिल होती हैं

रोमियों 12:19 (#1)

"अपना बदला न लेना"

पौलुस एक कथन का उपयोग निर्देश देने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप निर्देशों के लिए एक अधिक स्वाभाविक रूप का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आप से प्रतिशोध मत लें"

देखें: वक्तव्य — अन्य उपयोग

रोमियों 12:19 (#2)

"परमेश्वर को क्रोध का अवसर दो"

यहाँ, **क्रोध** परमेश्वर के दण्ड को सन्दर्भित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के दण्ड को स्थान दें"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 12:19 (#3)

"परमेश्वर को क्रोध का अवसर दो," - "बदला लेना मेरा काम है"

यदि आपकी भाषा **क्रोध** और **बदला** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब परमेश्वर क्रोधित होते हैं... मैं प्रतिशोध लूंगा"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:19 (#4)

"क्योंकि "

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले कही गई बात का स्पष्टीकरण है। यहाँ, **क्योंकि** यह बताता है कि इसके बाद जो आता है, वह पौलुस ने पिछले वाक्यांश में जो कहा है, उसका कारण है। अपनी भाषा में कारण दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। आपको एक नया वाक्य शुरू करने की आवश्यकता हो सकती है, जैसे कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन में है। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 12:19 (#5)

"लिखा है"

देखें कि आपने इसी वाक्यांश का अनुवाद 1:17 में किस प्रकार किया।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 12:19 (#6)

"लिखा है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। मूसा ने यह उद्धरण लिखा। वैकल्पिक अनुवाद: "मूसा ने लिखा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 12:19 (#7)

"बदला लेना मेरा काम है, प्रभु कहता है मैं ही बदला दूँगा"

यह वाक्य 32:35 का एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 12:19 (#8)

"बदला लेना मेरा काम है, प्रभु कहता है मैं ही बदला दूँगा"

यदि आपकी भाषा में एक प्रत्यक्ष उद्धरण के अन्दर प्रत्यक्ष उद्धरण भ्रमित करने वाला हो, तो आप दूसरे प्रत्यक्ष उद्धरण का अनुवाद अप्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु कहते हैं कि प्रतिशोध उनका है; वे ही इसका बदला देंगे।"

देखें: उद्धरणों के भीतर उद्धरण

रोमियों 12:19 (#9)

"बदला लेना मेरा काम है...मैं ही बदला दूँगा"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं और इस बात पर जोर देते हैं कि परमेश्वर अपने लोगों का प्रतिशोध लेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से आपका प्रतिशोध लूंगा"

देखें: समानांतरता

रोमियों 12:19 (#10)

"बदला दूँगा"

यहाँ मूसा परमेश्वर का उद्धरण देते हैं, वह **बदला** का उपयोग करते हुए किसी को उचित रूप से दण्डित करने के लिए, जैसे कि दण्ड उस व्यक्ति के कर्मों के लिए पारस्परिक भुगतान हो।

यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उचित रूप से दण्डित करेंगे"

देखें: रूपक

रोमियों 12:19 (#11)

"बदला दूँगा"

मूसा परमेश्वर का उद्धरण देते हैं, कुछ शब्दों को छोड़कर जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनसे बदला लेंगे"

देखें: पदलोप

रोमियों 12:20 (#1)

"परन्तु"

परन्तु यहाँ यह संकेत देता है कि जो आगे है वह पुराने नियम की एक पुस्तक से उद्धरण है (नीतिवचन 25:21–22)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो यह संकेत करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन, परमेश्वर शास्त्रों में कहते हैं,"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

रोमियों 12:20 (#2)

"यदि तेरा बैरी भूखा हो तो उसे खाना खिला"

यह वाक्य नीतिवचन 25:21–22 का एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परम्परा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 12:20 (#3)

"तेरा बैरी" - "तू ... ढेर लगाएगा"

यहाँ पर सर्वनाम **तेरा** और **तू** एकवचन हैं और ऐसा माना जाता है कि एक व्यक्ति को सम्बोधित किया गया है। यदि

आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप यहाँ बहुवचन रूपों का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: 'आप' के रूप — बहुवचन

रोमियों 12:20 (#4)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले जो कहा गया है उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह इंगित करता है कि जो आगे कहा गया है, वह पिछले वाक्य में कही गई बात के सत्य होने का कारण है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का सम्बन्ध

रोमियों 12:20 (#5)

"तू उसके सिर पर आग के अंगारों का ढेर लगाएगा"

यह वाक्यांश एक मुहावरा है। यह सन्दर्भित कर सकता है: (1) एक व्यक्ति को शर्म महसूस होना क्योंकि उन्हें उस व्यक्ति द्वारा मदद मिली है जिसे उन्होंने नुकसान पहुँचाया था। वैकल्पिक अनुवाद: "आप उस व्यक्ति को जो आपको नुकसान पहुँचा चुका है, यह महसूस कराएँगे कि उन्होंने आपके साथ कितना बुरा व्यवहार किया है" (2) परमेश्वर उस व्यक्ति को बहुत कठोरता से दण्डित कर रहे हैं जिसे मदद मिल रही है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप परमेश्वर को उन्हें और कठोरता से न्याय करने का कारण देंगे"

देखें: मुहावरा

रोमियों 12:21 (#1)

"बुराई से न हारो परन्तु भलाई से बुराई को जीत लो"

पौलुस **बुराई** का वर्णन ऐसे करते हैं जैसे यह एक व्यक्ति हो जो किसी से जीत सकता है या उस पर विजय प्राप्त किया जा सकता है। वे किसी के द्वारा बुराई किए जाने के जवाब में किसी की बुराई करने की बात कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुराई को आप पर बुराई करने के लिए दबाव बनाने न दें, बल्कि भलाई का उपयोग करके बुराई को आप पर प्रभाव डालने से रोकें।"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 12:21 (#2)

"बुराई," - "भलाई" - "बुराई"

यदि आपकी भाषा में **बुराई** और **भलाई** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुरे कार्य ... बुरे कार्य ... भले कार्य"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 12:21 (#3)

"बुराई से न हारो"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुराई को आपको पराजित करने का अवसर न दें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 13:1 (#1)

"हर एक व्यक्ति प्रधान अधिकारियों के अधीन रहे"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक व्यक्ति को शासकीय प्राधिकरणों के अधीन होना चाहिए" या "हर एक अपने आप को प्रधान अधिकारियों के अधीन रखें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 13:1 (#2)

"हर एक व्यक्ति प्रधान अधिकारियों के अधीन रहे"

पौलुस यहाँ **व्यक्ति** का उपयोग एक व्यक्ति के संपूर्ण जीवन को संदर्भित करने के लिए करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक प्राणी प्रधान अधिकारियों के अधीन रहे"।

देखें: उपलक्षण

रोमियों 13:1 (#3)

"हर एक व्यक्ति प्रधान अधिकारियों के अधीन रहे," - "क्योंकि कोई अधिकार ऐसा नहीं" - "जो परमेश्वर की ओर से न हो; और जो अधिकार हैं, वे परमेश्वर के ठहराए हुए हैं"

यदि आपकी भाषा **अधिकारियों** और **अधिकार** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर एक व्यक्ति प्रधान अधिकारियों के अधीन रहे," - "जो अधिकार रखने के लिए नियुक्त किए... अधिकृत व्यक्ति... और जो अभी अधिकारी हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:1 (#4)

"क्योंकि कोई अधिकार ऐसा नहीं, जो परमेश्वर की ओर से न हो; और जो अधिकार हैं, वे परमेश्वर के ठहराए हुए हैं"

यदि आपके पाठक इस दोहरे नकारात्मक भाव को गलत समझ सकते हैं, तो आप इसे एक सकारात्मक बयान के रूप में अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी अधिकार परमेश्वर की ओर से आते हैं"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

रोमियों 13:1 (#5)

"और जो अधिकार हैं, वे परमेश्वर के ठहराए हुए हैं"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और परमेश्वर ने वर्तमान के अधिकार नियुक्त किए"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 13:2 (#1)

"इसलिए जो"

इसलिए इस वचन में जो आता है, वह पहले व्यक्त किए गए विचारों का सारांश प्रस्तुत करता है। **इसलिए** यहाँ पिछले पद में पौलुस द्वारा कही गई बात का परिणाम प्रस्तुत करता है। परिणाम को दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "चूंकि यह सत्य है"

देखें: जोड़ें— कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 13:2 (#2)

"कोई अधिकार" - "वह परमेश्वर की विधि" - "और विरोध करनेवाले दण्ड पाएँगे"

यदि आपकी भाषा में **अधिकार**, **विधि**, और **दण्ड** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई अधिकार में हैं... वह परमेश्वर की विधि... करनेवाले दण्ड पाएँगे"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:2 (#3)

"वह परमेश्वर की विधि का विरोध करता है"

यहाँ, **यह** पहले वचन में उल्लिखित **उस अधिकार** का सन्दर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह परमेश्वर की विधि का विरोध करता है, और विरोध करनेवाले दण्ड पाएँगे"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 13:2 (#4)

"विरोध करनेवाले दण्ड पाएँगे"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे परमेश्वर के दण्ड को अपने ऊपर लाएगें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 13:2 (#5)

"और विरोध करनेवाले दण्ड पाएँगे"

यहाँ पौलुस **दण्ड** की बात करते हैं जैसे यह कोई वस्तु हो जिसे कोई लाकर किसी पर रख सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के न्याय के भागी होंगें"

देखें: रुपक

रोमियों 13:3 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया था, उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दिखाता है कि इस पद में जो आता है, वह पौलुस ने पिछले श्लोक में जो कहा था, उसे स्पष्ट करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 13:3 (#2)

"डर" - "अधिकार?" - "अच्छे" - "तेरी सराहना होगी"

यदि आपकी भाषा में **डर, अधिकार, अच्छे** और **सराहना** के लिए भाववाचक संज्ञाएँ उपयोग नहीं होती हैं, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "डरावने... जिसे परमेश्वर ने अधिकार दिया... अच्छे काम... तेरी सराहना होगी"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:3 (#3)

"अच्छे काम" - "बुरे काम"

यहाँ, **अच्छे काम** और **बुरे काम** उन लोगों को संदर्भित करते हैं जो ये कार्य करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो अच्छे काम करते हैं... वे जो बुरे काम करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 13:3 (#4)

"क्या तू अधिपति से निडर रहना चाहता है"

पौलुस जानकारी नहीं मांग रहे हैं, बल्कि वह यहाँ प्रश्न रूप का उपयोग इस बात के सत्य को जोर देने के लिए कर रहे हैं जो वह कह रहे हैं। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और जोर को किसी अन्य तरीके से संप्रेषित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या आप अधिकारी से नहीं डरना चाहते हैं"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 13:3 (#5)

"तेरी सराहना होगी;"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधिकारी आपकी सराहना करेंगे;"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 13:3 (#6)

"ओर से तेरी"

यहां, **से** यह कारण बताता है कि **तेरी सराहना होगी**। आपके भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस कारण से"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 13:4 (#1)

"क्योंकि"

शब्द **क्योंकि** यह संकेत करता है कि इसके बाद जो आता है, वह इस शब्द से पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह संकेत करता है कि इसके बाद जो आता है, वह यह कारण है कि पौलुस ने पिछले खंड में जो कहा, वह सत्य है। आपकी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “जबकि”

देखें: कनेक्ट — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 13:4 (#2)

"वह" - "लिए हुए" - "कि उसके"

इस श्लोक में सर्वनाम **वह** एक व्यक्ति को सन्दर्भित करता है जो शासन करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "**अधिकारी... अधिकारी लिए नहीं रहता... अधिकारी**"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 13:4 (#3)

"परमेश्वर का सेवक है" - "भलाई" - "बुरे" - "क्रोध" - "बुरे"

यदि आपकी भाषा में **सेवक**, **भले**, **बुरे**, और **क्रोध** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो परमेश्वर की सेवा करते हैं... भलाई करते... बुराई... जो परमेश्वर की सेवा करते हैं... जो क्रोध भड़कता है... बुराई"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:4 (#4)

"क्योंकि"

शब्द **क्योंकि** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया था, उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह कारण प्रस्तुत करता है कि पौलुस ने पिछले वाक्यांश में जो कहा, वह क्यों सही है। अपनी भाषा में कारण दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “जबकि”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 13:4 (#5)

"क्योंकि वह तलवार व्यर्थ लिए हुए नहीं"

यहाँ पौलुस एक अलंकार का उपयोग करते हैं जिसमें एक नकारात्मक शब्द का उपयोग करके एक मजबूत सकारात्मक अर्थ व्यक्त किया जाता है, जो कि इरादे के विपरीत अर्थ वाले शब्द के साथ होता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सकारात्मक रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह एक भले काम के लिए तलवार लिए हुए है”

देखें: कटाक्षपूर्ण उक्ति

रोमियों 13:4 (#6)

"क्योंकि वह तलवार व्यर्थ लिए हुए नहीं"

यहाँ, **तलवार** का अर्थ है एक शासक का अधिकार दुष्ट लोगों को दंडित करने का, जिसमें तलवार से उन्हें मारना भी शामिल हो सकता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें दण्ड देने का अधिकार नहीं है"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 13:4 (#7)

"क्योंकि"

शब्द **क्योंकि** यह संकेत करता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, **क्योंकि** यह संकेत करता है कि इस पद में जो आता है, वह पौलुस ने पिछले वाक्यांश में जो कहा उसे स्पष्ट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वास्तव में”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 13:4 (#8)

"कि उसके क्रोध"

यहाँ, **कि** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह **एक बुरे काम करनेवाले** का लक्ष्य है। अपनी भाषा में लक्ष्य को इंगित करने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "क्रोध का उद्देश्य"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 13:4 (#9)

"क्रोध"

देखें कि आपने **क्रोध** का 1:18 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 13:4 (#10)

"कि उसके क्रोध के अनुसार बुरे काम करनेवाले को दण्ड दे"

पौलुस **क्रोध** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह एक वस्तु हो जिसे किसी व्यक्ति **को दण्ड दे** सकता है। उनका मतलब है कि हर दुष्ट व्यक्ति क्रोधपूर्ण दण्ड का अनुभव करेगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुराई करनेवाले को क्रोध का अनुभव होगा"

देखें: रुपक

रोमियों 13:5 (#1)

"इसलिए"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:24 में किस प्रकार किया है।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 13:5 (#2)

"इसलिए अधीन रहना"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आप को अधीन करें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 13:5 (#3)

"इसलिए अधीन रहना"

पौलुस यह संकेत करते हैं कि उनके पाठकों को **के अधीन** होना चाहिए जैसा कि 13:1–4 में वर्णित है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अधिकारियों के अधीन रहना”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 13:5 (#4)

"इसलिए अधीन रहना न केवल उस क्रोध से परन्तु डर से अवश्य है, वरन् विवेक भी यही गवाही देता है"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्द छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो सकता है, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न केवल इसलिए कि वे आपको क्रोध में आकर दंड दे सकते हैं वरन् आपका विवेक भी गवाही देता है कि आपको उनके अधीन रहना चाहिए"

देखें: पदलोप

रोमियों 13:5 (#5)

"क्रोध" - "विवेक"

यदि आपकी भाषा **क्रोध** और **विवेक** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं

विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो क्रोध भड़काता है... आप जानते है कि उचित क्या है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:5 (#6)

"क्रोध"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया था।

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 13:6 (#1)

"इसलिए"

इसलिए यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह पहले क्या कहा गया था, उसे स्पष्ट करता है। **इसलिए** यहाँ यह दर्शाता है कि इस पद में जो आता है, वह पौलुस ने पिछले पद में जो कहा, उसे स्पष्ट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 13:6 (#2)

"क्योंकि... इसी"

यहाँ, **इसी** सन्दर्भित कर सकता है: (1) "क्रोध" और "विवेक" जो पिछले पद में उल्लिखित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्रोध और आपके विवेक के कारण" (2) "क्रोध" और "विवेक" जो पिछले पद में उल्लिखित हैं, और यह तथ्य कि शासक **परमेश्वर के सेवक हैं**। वैकल्पिक अनुवाद: "क्रोध और आपके विवेक के कारण, और क्योंकि अधिकारी परमेश्वर के सेवक है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 13:6 (#3)

"इसलिए"

इसलिए यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह पहले क्या आया था उसे स्पष्ट करता है। यहाँ, **इसलिए** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह एक और कारण है कि क्यों मसीहीयों को **कर चुकाना** चाहिए। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "जबकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 13:6 (#4)

"शासन करनेवाले"

यहाँ, **शासन करनेवाले** 13:1–4 में वर्णित शासकों का सन्दर्भ देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अधिकारी"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 13:6 (#5)

"परमेश्वर के सेवक हैं"

देखें कि आपने 13:4 में इसी वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:6 (#6)

"सदा इसी काम में लगे रहते हैं"

यह खंड शासकों के बारे में अतिरिक्त जानकारी प्रदान करता है, जिन्हें पिछले खंड में **परमेश्वर के सेवक** कहा गया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इन खंडों के बीच संबंध को और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि शासन करनेवाले परमेश्वर के सेवक हैं, और सदैव इसी काम में लगे रहते हैं"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 13:6 (#7)

"इसी काम में लगे रहते हैं"

यहाँ, **सदा इसी काम में** लोगों पर शासन करके परमेश्वर की सेवा करने को सन्दर्भित करती है, जैसा कि पौलुस द्वारा उन्हें **परमेश्वर के सेवक** कहने से संकेत मिलता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह सेवा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 13:7 (#1)

"चुकाया करो"

यदि आपकी भाषा में **चूकना** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो चूकना आपकी जिम्मेदारी है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:7 (#2)

"इसलिए हर एक का हक़ चुकाया करो; जिसे कर चाहिए, उसे कर दो; जिसे चुंगी चाहिए, उसे चुंगी दो; जिससे डरना चाहिए, उससे डरो; जिसका आदर करना चाहिए उसका आदर करो"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसलिए हर एक का हक़ चुकाया करो; जिसे कर चाहिए, उसे कर दो; जिसे चुंगी चाहिए, उसे चुंगी दो; जिससे डरना चाहिए, उससे डरो; जिसका आदर करना चाहिए उसका आदर करो"

देखें: पदलोप

रोमियों 13:7 (#3)

"जिसे कर चाहिए, उसे कर दो; जिसे चुंगी चाहिए, उसे चुंगी दो"

पौलुस सेनापति करों और पथकर की बात कर रहे हैं, किसी विशेष **कर** और **चुंगी** की नहीं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अधिक स्वाभाविक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे कर चाहिए, उसे कर दो; जिसे पथकर चाहिए, उसे पथकर दो"

देखें: साधारण संज्ञा वाक्यांश

रोमियों 13:7 (#4)

"जिसे चुंगी चाहिए, उसे चुंगी दो;"

शब्द **चुंगी** एक विशेष प्रकार के कर को सन्दर्भित करता है जिसे नियमित करों के अलावा भुगतान करना होता है। यदि आपके पाठक इस प्रकार के कर से परिचित नहीं हैं, तो आप अतिरिक्त करों के लिए एक सामान्य अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सरकारी शुल्क जिन्हें देना है उन्हें दो" या "जिन्हें राजस्व देना है उन्हें राजस्व दो"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद करें

रोमियों 13:7 (#5)

"जिससे डरना चाहिए, उससे डरो; जिसका आदर करना चाहिए उसका आदर करो"

यदि आपकी भाषा में **डर** और **आदर** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिससे डरना चाहिए, उससे डरो; जिसका आदर करना चाहिए उसका आदर करो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:7 (#6)

"जिससे डरना चाहिए, उससे डरो; जिसका आदर करना चाहिए उसका आदर करो"

यहाँ पौलुस उन लोगों का सम्मान और आदर करने की बात करते हैं जो इसके योग्य हैं, जैसे कोई उन्हें **सम्मान** और **आदर** दे रहा हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिससे डरना चाहिए, उससे डरो; जिसका आदर करना चाहिए उसका आदर करो" या "आदर उन लोगों का जिन्हें आपको सम्मान देना चाहिए, आदर उन लोगों का जिन्हें आपको आदर देना चाहिए"

देखें: रूपक

रोमियों 13:8 (#1)

"किसी के कर्जदार न हो;"

यदि आपके पाठक इस दोहरे नकारात्मक को गलत समझ सकते हैं, तो आप इसे एक सकारात्मक बयान के रूप में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी बात में किसी के कर्जदार न हो;"

देखें: दोहरे नकारात्मक

रोमियों 13:8 (#2)

"आपस के प्रेम को छोड़ और किसी बात में किसी के कर्जदार न हो"

यहाँ पौलुस अन्य विश्वासियों से प्रेम करने की बात करते हैं जैसे कि यह उनके प्रति एक ऋण हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किसी के कर्जदार न हो, लेकिन एक दूसरे से ऐसे प्रेम करो जैसे यह उनका आप पर कर्ज हो"

देखें: रूपक

रोमियों 13:8 (#3)

"दूसरे से"

यहां, **दूसरे से** का अर्थ अन्य मसीहीयों से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दूसरे विश्वासी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 13:8 (#4)

"व्यवस्था

देखें कि आपने **व्यवस्था** का 2:12 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:9 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह इंगित करता है कि इसके बाद जो आता है, वह पहले क्या आया था, उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहां यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इस बात का कारण है कि दूसरों से प्रेम करना कानून को पूरा करता है, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। अपनी भाषा में कारण को इंगित करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "जबकि यह सत्य है"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 13:9 (#2)

"यह"

यहाँ पौलुस **यह** का उपयोग कानून से एक उद्धरण को इंगित करने के लिए करते हैं जो पुराने नियम में लिखा है (निर्गमन 20:13–15, 17)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो

इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने व्यवस्था में कहा है"

देखें: उद्धरण और उद्धरण का अंतर

रोमियों 13:9 (#3)

"क्योंकि यह कि "व्यभिचार न करना, हत्या न करना, चोरी न करना, लालच न करना"

यह खंड निर्गमन 20:13–15, 17 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस वाक्य को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परंपरा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 13:9 (#4)

"और कोई भी आज्ञा"

पौलुस ऐसा बोल रहे हैं मानो यह एक काल्पनिक संभावना हो, लेकिन उनका मतलब है कि यह वास्तव में सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक बयान के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई भी आज्ञा हो तो सब"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 13:9 (#5)

"और कोई भी आज्ञा"

यहाँ, **और कोई भी आज्ञा** का अर्थ उन आज्ञाओं में से **कोई** भी है जो परमेश्वर ने इस्राएलियों को दी थीं, उन आज्ञाओं के अलावा जिनका पौलुस ने अभी ही उल्लेख किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी दूसरी आज्ञा हो"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 13:9 (#6)

"आज्ञा"

यदि आपकी भाषा में **आज्ञा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने जिन बातों की आज्ञा दी है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:9 (#7)

"तो सब का सारांश इस बात में पाया जाता है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "तो सब का सारांश इस शब्द में है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 13:9 (#8)

"इस बात"

यहाँ पौलुस **बात** का उपयोग एक आज्ञा का उल्लेख करने के लिए करते हैं जो शब्दों से बनी होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “इस आज्ञा में”

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 13:9 (#9)

"इस बात"

यहाँ पौलुस **इस बात** का उपयोग पुराने नियम में लिखे गए व्यवस्था से एक उद्धरण को इंगित करने के लिए करते हैं (19:18)। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं जो इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यवस्था की यह आज्ञा"

देखें: उद्धरण और उद्धरण का अंतर

रोमियों 13:9 (#10)

"अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख"

यह वाक्य 19:18 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस वाक्य को उद्धरण चिह्नों के साथ या जो भी विराम चिह्न या परंपरा आपकी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिए उपयोग की जाती है, उसके साथ अलग से प्रस्तुत किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 13:10 (#1)

"प्रेम पड़ोसी की कुछ बुराई नहीं करता"

यहाँ पौलुस प्रेम के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह कोई व्यक्ति हो जो कुछ प्रकार का **बुराई** कर सकता हो। उनका मतलब है कि जो लोग दूसरों से प्रेम करते हैं, वे उनके साथ **बुराई** नहीं करते। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो प्रेम करते हैं वो पड़ोसी का बुरा नहीं करते हैं”

देखें: मानवीकरण

रोमियों 13:10 (#2)

"प्रेम पड़ोसी की कुछ" - "बुराई" - "प्रेम रखना व्यवस्था को पूरा करना है"

यदि आपकी भाषा **प्रेम**, **बुराई** , और **पूरा करने** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पड़ोसी से प्रेम करना... जो बुरा है... प्रेम रखना व्यवस्था को पूरा करना है।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:10 (#3)

"व्यवस्था को"

देखें कि आपने **व्यवस्था** का 2:12 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:11 (#1)

"कि अब"

पौलुस एक ऐसा शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण करने के लिए आवश्यक होता है। यदि यह आपके भाषा में सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इस शब्द को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा करों"

देखें: पदलोप

रोमियों 13:11 (#2)

"ऐसा"

यहाँ, **ऐसा** उन सभी आदेशों की ओर इशारा करता है जो पौलुस ने 12:1–13:10 में दिए थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आज्ञाएँ मैंने आपको दी है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 13:11 (#3)

"और समय को पहचानकर"

यह खंड पौलुस के पाठकों को उन आदेशों का पालन करने का एक कारण बताता है जो उन्होंने 12:1–13:10 में दिए थे। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जबकि आपको समय पता है"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 13:11 (#4)

"जाग उठने की घड़ी आ पहुँची है"

यहाँ, **घड़ी** इंगित करता है कि इस खंड में जो आता है वह पिछले खंड में बताए गए **समय** का वर्णन करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इन खंडों के बीच संबंध को और अधिक स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वह समय है"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

रोमियों 13:11 (#5)

"घड़ी"

यहाँ, **घड़ी** उस समय को सन्दर्भित करता है जब कुछ होता है। इसका वही अर्थ है जैसा कि पिछले खंड में **समय** का है। यह 60 मिनट की अवधि को संदर्भित नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समय का बिंदु"

देखें: लक्षणालंकार

रोमियों 13:11 (#6)

"तुम्हारे लिये नींद से जाग उठने"

पौलुस रोमी विश्वासियों को आत्मिक रूप से जागरूक रहने की आवश्यकता के बारे में बताते हैं, जैसे कि उन्हें नींद से जागने की आवश्यकता हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे सरल शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आत्मिक रूप से सतर्क रहिए"

देखें: रूपक

रोमियों 13:11 (#7)

"क्योंकि"

क्योंकि यह शब्द यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह पहले क्या आया उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह स्पष्ट करता है कि पौलुस के पाठकों को **नींद से जागना** क्यों आवश्यक है। आपके भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह करो क्योंकि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 13:11 (#8)

"हमारा उद्धार"

यदि आपकी भाषा में **उद्धार** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमार उद्धार प्राप्त करना"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:11 (#9)

"हमारा उद्धार"

यहाँ पौलुस **उद्धार** का उपयोग उस भविष्य की घटना के संदर्भ में करते हैं जब मसीह लौटेंगे और मसीही लोग अपने **उद्धार** की पूर्ण आशीषें प्राप्त करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे उद्धार का पूर्ण होना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 13:11 (#10)

"निकट है"

यहाँ पौलुस **हमारा उद्धार** के बारे में बात करते हैं जैसे कि यह एक वस्तु हो जो किसी व्यक्ति के **निकट** आ सकती है।

उनका मतलब है कि **हमारा उद्धार** निकट है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह जल्दी होने वाली है"

देखें: रूपक

रोमियों 13:11 (#11)

"हमने विश्वास किया था"

यह वाक्य उस समय को दर्शाता है जब पौलुस के मसीही पाठकों ने पहली बार यीशु में विश्वास करना आरंभ किया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब हमने पहली बार विश्वास किया"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 13:11 (#12)

"विश्वास किया था"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमने यीशु पर विश्वास किया"

देखें: पदलोप

रोमियों 13:12 (#1)

"रात"

रात यहाँ उस समय अवधि को सन्दर्भित करता है जब लोग बुरे कार्य करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वह समय है जब लोग पापमय कार्य करते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों13:12 (#2)

"निकलने पर है"

यहाँ, **निकलने पर** का अर्थ है कि **रात** लगभग समाप्त होने वाली है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जल्द ही समाप्त हो जाएगी"

देखें: रूपक

रोमियों 13:12 (#3)

"और दिन"

पौलुस उस समय की बात करते हैं जब यीशु पृथ्वी पर लौटेंगे, जिसे **दिन** कहा जाता है। इस घटना को बाइबल में अन्यत्र "प्रभु का दिन" कहा जाता है और यह पौलुस के पिछले पद में भविष्य के "उद्धार" के सन्दर्भ से संबंधित है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह समय जब यीशु आते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 13:12 (#4)

"निकलने पर है"

यहाँ पौलुस **दिन** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे यह एक वस्तु हो जो किसी व्यक्ति के **पास आ सकती** है। उनका मतलब है कि वह समय जब यीशु लौटेंगे, जल्द ही आएगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जल्द ही होने वाला है"

देखें: रूपक

रोमियों 13:12 (#5)

"इसलिए हम" - "अंधकार के कामों को" - "तजकर ज्योति के हथियार बाँध लें"

इस पद में **हम** पौलुस और उनके मसीही पाठकों को सन्दर्भित करता है, इसलिए **हम** समावेशी होगा। आपकी भाषा में इस रूप को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 13:12 (#6)

"इसलिए हम अंधकार के कामों को तजकर ज्योति के हथियार बाँध लें"

यहाँ, **तजकर** का मतलब है कुछ करना पूरी तरह से बंद कर देना, और **अंधकार के कामों** का मतलब है बुरे कर्म। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सरलता

से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आओ हम बुराई करना बंद करें"

देखें: रूपक

रोमियों 13:12 (#7)

"अंधकार के कामों"

पौलुस उन **कामों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो **अंधकार** की विशेषता रखते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसे कर्म जो अंधकार के गुण व्यक्त करते हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 13:12 (#8)

"बाँध लें"

यहाँ, **बाँध लें** का मतलब कुछ करना शुरू करना है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और करना शुरू करें"

देखें: रूपक

रोमियों 13:12 (#9)

"ज्योति के हथियार बाँध लें"

पौलुस स्वामित्व के रूप का उपयोग **हथियार** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो **ज्योति** की विशेषता हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हथियार जो ज्योति के गुण व्यक्त करते हैं”

देखें: स्वामित्व

रोमियों 13:12 (#10)

"ज्योति के हथियार"

यहाँ, **हथियार** का अर्थ है कि मसीही लोग बुराई का विरोध करने के लिए क्या करते हैं, और **ज्योति** का अर्थ है भले कर्म, जो पिछले वाक्यांश में **अंधकार** के विपरीत हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं या एक रूपक का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बुरे का विरोध करने के लिए उपयोग

किए गए भले कार्य" या "भले कर्म जो बुराई से लड़ने के लिए हथियार के समान होते हैं।"

देखें: रूपक

रोमियों 13:13 (#1)

"चलना चाहिए"

यहाँ, **हमें** पौलुस और उनके मसीही पाठकों को सन्दर्भित करता है, इसलिए **हमें** समावेशी होगा। आपकी भाषा में इस रूप को चिन्हित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशेष और समावेशी 'हम'

रोमियों 13:13 (#2)

"हमें उचित रूप से चलना चाहिए"

यहाँ पौलुस **चलने** का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि लोग कैसे आचरण करते हैं या अपना जीवन कैसे व्यतीत करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आओ अच्छे स्वभाव को धारण करें"

देखें: रूपक

रोमियों 13:13 (#3)

"जैसे दिन में"

यहाँ पौलुस उस निसंकोच तरीके का उल्लेख करते हैं जिससे मसीहीयों को व्यवहार करना चाहिए जैसे कि वे **दिन** के समय चल रहे हों, जब लोग देख सकते हैं कि वे क्या कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे कि सब देख सकते हैं कि हम क्या कर रहें हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 13:13 (#4)

"न कि लीलाक्रीड़ा, और पियक्कड़पन, न व्यभिचार, और लुचपन में, और न झगड़े और ईर्ष्या में"

पौलुस कई भाषाओं में वाक्य को पूर्ण करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न कि लीलाक्रीड़ा, और

पियक्कड़पन, न व्यभिचार, और लुचपन में, और न झगड़े और ईर्ष्या में रहें"

देखें: पदलोप

रोमियों 13:13 (#5)

"न कि लीलाक्रीड़ा" - "और पियक्कड़पन," - "न व्यभिचार" - "और लुचपन में," - "और न झगड़े" - "और ईर्ष्या में"

यदि आपकी भाषा में **लीलाक्रीड़ा**, **पियक्कड़पन**, **व्यभिचार**, **लुचपन**, **झगड़े**, और **ईर्ष्या** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएँ नहीं हैं, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "न कि लीलाक्रीड़ा" - "और पियक्कड़पन," - "न व्यभिचार" - "और लुचपन में," - "और न झगड़े" - "और ईर्ष्या में"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:13 (#6)

"न व्यभिचार, और लुचपन में"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। पुनरावृत्ति का उपयोग सभी प्रकार के यौन पापों पर जोर देने के लिए किया जाता है। यदि आपकी भाषा में ऐसा करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी प्रकार के यौन पाप"

देखें: द्विरावृत्ति

रोमियों 13:14 (#1)

"वरन्"

वरन् यहाँ यह संकेत करता है कि जो आगे कहा गया है वह पिछले पद में कही गई बात के विपरीत है। अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें जो एक मजबूत विरोधाभास को प्रस्तुत करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन कार्यों को करने के बजाए"

देखें: जोड़ें — विरोधाभास संबंध

रोमियों 13:14 (#2)

"वरन् प्रभु यीशु मसीह को पहन लो"

पौलुस **मसीह** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक वस्त्र हों जिन्हें कोई **पहन** सकता है। उनका मतलब है कि लोगों को वैसे ही व्यवहार करना चाहिए जैसे **यीशु** करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु यीशु मसीह के समान व्यवहार करें"

देखें: रूपक

रोमियों 13:14 (#3)

"और शरीर की अभिलाषाओं को पूरा करने का उपाय न करो"

यदि आपकी भाषा में **शरीर की** या **अभिलाषाओं** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और शरीर की अभिलाषाओं को पूरा करने के विचार मत करो"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 13:14 (#4)

"और शरीर की"

यहाँ पौलुस **शरीर** का उपयोग रूपक रूप में पापी मनुष्य की प्रकृति को संदर्भित करने के लिए करते हैं। देखें कि आपने 7:18 में **शरीर** के समान उपयोग का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

Romans 14:1 (#1)

"विश्वास में निर्बल होना"

यहाँ, **विश्वास में निर्बल** का मतलब है वह व्यक्ति जिसका **विश्वास** परिपक्व नहीं है, लेकिन कुछ ऐसे काम करने के बारे में दोषी महसूस करता है जिन्हें परमेश्वर ने मना नहीं किया है। यहाँ **निर्बल** शब्द का मतलब शारीरिक निर्बलता नहीं है। इस अध्याय के लिए सामान्य टिप्पणियों में इसकी चर्चा देखें। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसका मतलब स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसका विश्वास परिपक्व नहीं है।"

देखें: रूपक

Romans 14:1 (#2)

"विश्वास में," - "विवाद करने"

अगर आपकी भाषा में **विश्वास** और **विवाद** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप उन्हीं विचारों को दूसरे तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जिस पर विश्वास करता है ... विवाद करने"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

Romans 14:1 (#3)

"परन्तु उसी शंकाओं पर विवाद करने के लिये नहीं"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप पिछले वाक्यांश से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विचारों पर निर्णय देने के लिए उस व्यक्ति को स्वीकार न करें।"

देखें: पदलोप चिन्ह

रोमियों 14:1 (#4)

"उसकी शंकाओं पर विवाद करने के लिये नहीं"

यहां, **के लिए** इंगित करता है कि यह खंड एक उद्देश्य खंड है। अपनी भाषा में उद्देश्य खंड को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "उसकी शंकाओं पर विवाद करने के उद्देश्य से नहीं"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

Romeo 14:2 (#1)

"एक को"

यहाँ **एक को** का मतलब किसी एक खास व्यक्ति से नहीं है। इसका मतलब है कोई भी व्यक्ति जो मानता है कि वह परमेश्वर के खिलाफ़ पाप किए बिना कोई भी खाना खा सकता है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप ज़्यादा स्वाभाविक वाक्यांश का इस्तेमाल कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “एक तरह का व्यक्ति”

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

Romans 14:2 (#2)

"एक को विश्वास है, कि सब कुछ खाना उचित है"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक व्यक्ति मानता है कि परमेश्वर ने लोगों को किसी भी प्रकार का भोजन खाने की अनुमति दी है।"

देखें: पदलोप चिन्ह

Romans 14:2 (#3)

"जो निर्बल हैं"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद पिछले पद में कैसे किया।

देखें: रूपक

Romans 14:2 (#4)

"साग पात ही खाता है"

यहां पौलुस यह संकेत करते हैं कि यह व्यक्ति केवल **साग पात ही खाता** है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, जैसे कि यू.एस.टी में है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और निहित जानकारी

Romans 14:3 (#1)

"खानेवाला न-खाने वाले को तुच्छ न जाने, और न-खानेवाला खाने वाले पर दोष न लगाए"

यहाँ, **खाने वाला** व्यक्ति पिछले पद में वर्णित उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो मानता है कि वह किसी भी प्रकार का भोजन खा सकता है, और जो **न-खाने वाले** है वह पिछले दो पदों में "निर्बल व्यक्ति" कहे जाने वाले व्यक्ति को संदर्भित करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई भी प्रकार का भोजन खाता है, वह उस व्यक्ति को तुच्छ न जाने जो हर प्रकार का भोजन नहीं खाता है, और जो हर प्रकार का भोजन नहीं खाता है, वह उस व्यक्ति का न्याय न करे जो हर प्रकार का भोजन खाता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:3 (#2)

"परमेश्वर ने उसे ग्रहण किया है"

हालांकि सर्वनाम **उसे** एकवचन है, यहाँ यह **खाने वाले** और **न खाने वाले** दोनों को संदर्भित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने उन्हें स्वीकार कर लिया है।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 14:4 (#1)

"तू कौन है जो दूसरे के सेवक पर दोष लगाता है?"

पौलुस इस बात पर जोर देने के लिए एक प्रश्न का उपयोग कर रहे हैं कि मसीहीयों को एक-दूसरे का न्याय नहीं करना चाहिए। यदि आप इस उद्देश्य के लिए अपनी भाषा में एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको किसी अन्य के घराने के दास का न्याय करने का कोई अधिकार नहीं है!"

देखें: आलंकारिक प्रश्न

रोमियों 14:4 (#2)

"तू"

हालाँकि पौलुस लोगों के एक समूह को लिख रहा है, फिर भी यहाँ **तू** एकवचन है। अगर एकवचन रूप आपकी भाषा में किसी ऐसे व्यक्ति के लिए स्वाभाविक नहीं है जो लोगों के एक समूह से बात कर रहा है, तो आप अपने अनुवाद में **तू** के बहुवचन रूप का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: समूहों को संदर्भित करने वाले एकवचन सर्वनाम

रोमियों 14:4 (#3)

"दूसरे के सेवक"

पौलुस किसी भी मसीही के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे **घरेलु सेवक** हों जो **किसी और के** हों। उनका मतलब है कि सभी मसीही परमेश्वर के हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई है जो परमेश्वर का है"

देखें: रूपक

Romans 14:4 (#4)

"उसके स्वामी"

पौलुस परमेश्वर के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह एक **स्वामी** हों जो दासों के मालिक हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर को, जो उसका स्वामी हैं,"

देखें: रूपक

रोमियों 14:4 (#5)

""

इसका अर्थ यह हो सकता है: (1) **स्थिर होना** और **स्थिर** परमेश्वर को प्रसन्न करने के लिए संदर्भित करता है, और गिर जाना परमेश्वर को प्रसन्न न करने के लिए संदर्भित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने स्वामी को प्रसन्न करता है या नहीं करता है। लेकिन वह परमेश्वर को प्रसन्न करने के लिए बनाया जाएगा, क्योंकि परमेश्वर उसे प्रसन्न करने में सक्षम है" (2) **स्थिर होना** और **स्थिर** अंतिम न्याय में परमेश्वर द्वारा स्वीकार किए जाने को संदर्भित करते हैं, और **गिर जाने** का मतलब है कि परमेश्वर द्वारा अंतिम न्याय में दण्डित होना है। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने स्वामी द्वारा या तो ग्रहणयोग्य होगा या दण्ड पायेगा। लेकिन वह परमेश्वर द्वारा ग्रहणयोग्य होगा, क्योंकि प्रभु उसे स्वीकृत करने में सक्षम हैं।"

देखें: रूपक

Romans 14:4 (#6)

"स्थिर ही कर दिया जाएगा"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर उसे स्थिर करेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

Romeo 14:4 (#7)

"वह स्थिर ही कर दिया जाएगा; क्योंकि प्रभु उसे स्थिर रख सकता है"

आप इसे सक्रिय रूप में अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन प्रभु उसे स्वीकार करेंगे क्योंकि वह सेवक को स्वीकार्य बनाने में सक्षम हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

Romans 14:5 (#1)

"एक दिन को दूसरे से बढ़कर मानता है"

वैकल्पिक अनुवाद: "एक दिन को दूसरे दिन से भिन्न मानते हैं" या "एक दिन को दूसरे दिन से अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं"

Romans 14:5 (#2)

"सब दिन एक सा मानता है"

वैकल्पिक अनुवाद: "सभी दिनों को समान मानते हैं" या "किसी भी दिन को दूसरे दिन से अधिक महत्वपूर्ण नहीं मानते हैं"

Romans 14:5 (#3)

"हर एक अपने ही मन में निश्चय कर ले"

पौलुस का तात्पर्य है कि प्रत्येक व्यक्ति को इस बात पर **निश्चय** होना चाहिए कि वह जो सोचता है उससे प्रभु का सम्मान होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक व्यक्ति अपने मन में पूरी तरह से निश्चय हो कि वह जो करता है उससे प्रभु का सम्मान होता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:5 (#4)

"हर एक अपने ही मन में निश्चय कर ले"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रत्येक व्यक्ति को पूरी तरह से सुनिश्चित होने दें" या "प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं को पूरी तरह से यकीन दिलाने दें।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

Romans 14:6 (#1)

"जो किसी दिन को मानता है"

पिछले पद में **जिस** व्यक्ति के बारे में कहा गया है, वह "जो किसी दिन को मानता है"। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति जो एक दिन को दूसरे दिन से अधिक महत्वपूर्ण मानता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:6 (#2)

"जो खाता है"

यहां, **जो खाता है** उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो 14:3 में सभी प्रकार के भोजन खाता है। पौलुस एक शब्द छोड़ रहे हैं जो इस वाक्यांश को कई भाषाओं में पूरा करने के लिए आवश्यक होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इस शब्द को 14:3 से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर प्रकार का भोजन खाने वाला"

देखें: पदलोप चिन्ह

Romans 14:6 (#3)

"प्रभु के लिए" - "प्रभु के लिए" - "प्रभु के लिए"

इस पद में **प्रभु के लिए** वाक्यांश उस उद्देश्य को इंगित करता है जिसके लिए ये लोग इन तरीकों से कार्य करते हैं। वे ऐसा प्रभु को महिमा या आदर देने के लिए करते हैं। किसी उद्देश्य को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु का सम्मान करने के उद्देश्य से ... प्रभु का सम्मान करने के उद्देश्य से ... प्रभु का सम्मान करने के उद्देश्य से"

देखें: जुड़ाव — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

Romans 14:6 (#4)

"वह परमेश्वर का धन्यवाद करता है" - "वह परमेश्वर का धन्यवाद करता है"

यहाँ पौलुस **धन्यवाद** व्यक्त करने की बात करता है जैसे कि कृतज्ञता के शब्द कुछ ऐसे हों जो किसी व्यक्ति को दिए जा सकते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह परमेश्वर का धन्यवाद करता है ... वह परमेश्वर का भी धन्यवाद करता है"

देखें: रूपक

Romans 14:6 (#5)

"और जो नहीं खाता"

यहाँ, **जो नहीं खाता** है, वह 14:3 में वर्णित उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जो केवल सब्जियाँ खाता है। पौलुस एक शब्द छोड़ रहा है जिसकी इस वाक्यांश को पूरा होने के लिए कई भाषाओं में आवश्यकता होगी। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप 14:3 से यह शब्द दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो खाता है वह हर प्रकार का भोजन नहीं खाता"

देखें: पदलोप चिन्ह

Romans 14:7 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह उससे पहले जो आया है उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि जो आगे आता है वह इस बात का कारण है कि पौलुस ने पिछले पद में जो कहा वह सत्य है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: “यह इस तथ्य के कारण है कि”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

Romans 14:7 (#2)

"हम"

यहां, **हम** पौलुस और उनके मसीही पाठकों को संदर्भित करता है, इसलिए **हम** समावेशी होगा। आपकी भाषा में इस रूप को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 14:7 (#3)

"अपने लिए," - "अपने लिए"

यहां, **अपने लिए** का मतलब है केवल अपने लाभ के लिए कुछ करना। यदि यह आपके लिए सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने लाभ के लिए ... अपने लाभ के लिए"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:7 (#4)

"न तो कोई"

पौलुस कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इन शब्दों को पिछले पद से जोड़ सकते हैं, जैसे कि यू.एस.टी. में।

देखें: पदलोप चिन्ह

Romans 14:8 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है वह बताता है कि इससे पहले क्या आया था। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि इस पद में जो आता है वह बताता है कि पौलुस ने पिछली पद में क्या कहा था। अगर यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 14:8 (#2)

"हम जीवित हैं, जीवित हैं" - "मरते हैं, मरते हैं" - "हम जीएं या मरें"

इस पद में **हम** पौलुस और उनके मसीही पाठकों को संदर्भित करता है, इसलिए **हम** समावेशी होगा। आपकी भाषा में इस रूप को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

Romans 14:8 (#3)

"प्रभु के लिए," - "प्रभु के लिए"

यहां, **प्रभु के लिए** का अर्थ है कुछ ऐसा करना जो केवल **प्रभु** के लाभ के लिए हो। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “प्रभु के लाभ के लिए ... प्रभु के लाभ के लिए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:8 (#4)

"यदि"

यदि शब्द यह संकेत देता है कि आगे जो कुछ भी है वह तार्किक निष्कर्ष है। **यदि** यहाँ यह संकेत मिलता है कि आगे जो कुछ भी है वह पौलुस द्वारा 14:14–20 में कही गई बातों का तार्किक निष्कर्ष है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

Romans 14:9 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि इस पद में जो आता है, वह पौलुस ने पिछले पद में जो कहा, उसे स्पष्ट करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

Romans 14:10 (#1)

"तू," - "क्यों अपने भाई पर दोष लगाता है?" - "तू" - "क्यों अपने भाई को तुच्छ जानता है?"

हालांकि पौलुस लोगों के एक समुह को लिख रहे हैं, **तू** और **अपने** यहां एकवचन हैं। यदि आपकी भाषा में किसी ऐसे व्यक्ति के लिए एकवचन रूप स्वाभाविक नहीं होगा जो लोगों के एक समुह से बात कर रहे हों, तो आप अपने अनुवाद में तू का बहुवचन रूप उपयोग कर सकते हैं।

देखें: एकवचन सर्वनाम जो समूहों को सन्दर्भित करते हैं

रोमियों 14:10 (#2)

"तू अपने भाई पर क्यों दोष लगाता है? या तू फिर क्यों अपने भाई को तुच्छ जानता है?"

पौलुस यहाँ दो प्रश्नों का उपयोग कर रहे हैं ताकि यह जोर दिया जा सके कि मसीही एक-दूसरे का न्याय न करें। यदि आप अपनी भाषा में इस उद्देश्य के लिए एक अलंकारिक प्रश्न का उपयोग नहीं करेंगे, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक कथन या एक विस्मयादिबोधक के रूप में कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको अपने भाई का न्याय करने का कोई अधिकार नहीं है! और आपको अपने भाई का तिरस्कार करने का भी कोई अधिकार नहीं है!"

देखें: अलंकारपूर्ण प्रश्न

Romans 14:10 (#3)

"भाई?" - "भाई"

यहाँ, **भाई** एक साथी मसीही को संदर्भित करता है। देखें कि आपने 1:13 में "भाइयों" का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं भी शामिल होती हैं

Romans 14:10 (#4)

"क्योंकि"

क्योंकि यह शब्द यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात की व्याख्या करता है। **क्योंकि** यहाँ यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह कारण है कि क्यों मसीहियो को एक-दूसरे का न्याय नहीं करना चाहिए। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इस तथ्य के कारण दूसरों का न्याय न करें"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

Romans 14:10 (#5)

"हम सब के सब परमेश्वर के न्याय सिंहासन के सामने खड़े होंगे"

यहाँ, खुद को पेश करने का मतलब है न्याय के लिए न्यायाधीश के सामने खड़े होना, और **परमेश्वर के न्याय सिंहासन** उस स्थान को संदर्भित करता है जहां परमेश्वर न्याय करते हैं। पौलुस का अभिप्राय है कि सभी विश्वासियों का न्याय परमेश्वर द्वारा किया जाएगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हम सभी का न्याय परमेश्वर द्वारा किया जाएगा।"

देखें: रूपक

Romans 14:11 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह संकेत करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह उससे पहले जो आया उसे स्पष्ट करता है। यहां **क्योंकि** यह संकेत करता है कि इस पद में जो आता है, वह पिछले पद में पौलुस ने जो कहा उसे स्पष्ट करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 14:11 (#2)

"क्योंकि लिखा है"

देखें कि आपने 1:17 में उसी पद का अनुवाद कैसे किया।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमाएँ

रोमियों 14:11 (#3)

"क्योंकि लिखा है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से बता सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। चूँकि पौलुस यशायाह द्वारा लिखी गई किसी बात का उल्लेख कर रहा है (यशा 49:18 और 45:23), आप यशायाह को विषय के रूप में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यशायाह ने लिखा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

Romans 14:11 (#4)

"कि प्रभु कहता है, मेरे जीवन की सौगन्ध कि हर एक घुटना मेरे साम्हने टिकेगा,"

इस वाक्य में 49:18 और 45:23 से उद्धरण हैं। यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो सकता है यदि आप इस समस्त सामग्री को उद्धरण चिह्नों से अलग करें, या अपनी भाषा में उद्धरण दर्शाने के लिए प्रयुक्त किसी भी विराम चिह्न या परम्परा का उपयोग करें।

देखें: उद्धरण चिन्ह

Romans 14:11 (#5)

"मेरे जीवन," - "मेरे सामने"

इस वाक्य में **मेरे** शब्द परमेश्वर को संदर्भित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे मैं, परमेश्वर, जीवित हूं ... मेरे लिए"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

Romans 14:11 (#6)

"प्रभु कहता है, मेरे जीवन"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन पदो के क्रम को बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु कहते हैं, 'जैसे मैं जीवित हूँ,'"

देखें: सूचना संरचना

Romans 14:11 (#7)

"मेरे जीवन की सौगन्ध"

इस पद को एक सौगन्ध या गंभीर प्रतिज्ञा को आरंभ करने के लिए उपयोग किया जाता है। सौगन्ध को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "आप निश्चिंत रह सकते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:11 (#8)

"हर एक घुटना मेरे सामने टिकेगा"

पौलुस **घुटने** और **जीभ** शब्दों का उपयोग उस सम्पूर्ण व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए करता है जो ये कार्य कर रहा है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर व्यक्ति झुकेगा और हर व्यक्ति परमेश्वर के सामने अंगीकार करेगा"

देखें: उपलक्ष्य अलंकार

Romans 14:11 (#9)

"हर एक घुटना मेरे सामने टिकेगा"

यह कार्य इस संस्कृति में आराधना की अभिव्यक्ति थी। देखें कि आपने 11:4 में एक समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "हर व्यक्ति आराधना करेगा।"

देखें: प्रतीकात्मक कार्यवाही

Romans 14:11 (#10)

"अंगीकार करेगी"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "स्वीकार करेंगे कि मैं प्रभु हूँ।"

देखें: पदलोप चिन्ह

Romans 14:11 (#11)

"परमेश्वर को"

प्रभु स्वयं को संदर्भित करने के लिए **परमेश्वर** शब्द का उपयोग करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप प्रथम पुरुष का उपयोग कर सकते हैं, जैसा कि यू.एस.टी. में है।

देखें: पहला, दूसरा या तीसरा व्यक्ति

रोमियों 14:12 (#1)

"तो फिर"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 5:18 में किस प्रकार किया।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

Romans 14:12 (#2)

"हर एक परमेश्वर को अपना अपना लेखा देगा"

वैकल्पिक अनुवाद: "हमें अपने कार्यों का हिसाब परमेश्वर को देना होगा"

Romans 14:12 (#3)

"अपना अपना लेखा"

हालांकि शब्द **अपना** पुल्लिंग है, पौलुस यहां इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। एक वैकल्पिक अनुवाद हो सकता है: "स्वयं के बारे में"।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं भी शामिल होती हैं

Romans 14:13 (#1)

"इसलिए"

इसलिए शब्द यह संकेत देता है कि आगे जो कुछ भी है वह एक तार्किक निष्कर्ष है। **इसलिए** यहाँ यह दर्शाता है कि इस पद में जो कुछ भी है वह 14:10–12 में पौलुस द्वारा कही गई बातों का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इन बातों के कारण"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 14:13 (#2)

"अपने भाई के सामने ठेस या ठोकर खाने का कारण न रखे"

यहाँ, **ठेस** और **ठोकर खाने** का मतलब मूल रूप से एक ही बात है। वे दोनों किसी को पाप करने के लिए लुभाने का उल्लेख करते हैं। पौलुस उनका इस्तेमाल अपनी बात पर ज़ोर देने के लिए करता है। अगर आपकी भाषा में ऐसा करने के लिए दोहराने का इस्तेमाल नहीं किया गया है, तो आप एक वाक्यांश का इस्तेमाल कर सकते हैं और दूसरे तरीके से ज़ोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा कुछ भी न करें या न कहें जो किसी भाई को पाप करने के लिए प्रेरित कर सके।"

देखें: दोगुना

Romans 14:13 (#3)

"ठोकर खाने का कारण न रखे"

देखें कि आपने **ठोकर** का 11:9 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

Romans 14:13 (#4)

"भाई के सामने"

यहां, **भाई** एक साथी मसीही को संदर्भित करता है। देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 14:10 में किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं सम्मिलित होती हैं

Romans 14:14 (#1)

"मैं जानता हूं, और प्रभु यीशु से मुझे निश्चय हुआ है"

यहां, **जानता हूं** और **निश्चय हुआ है** बहुत समान अर्थ रखते हैं। पौलुस उनका उपयोग यह जोर देने के लिए करते हैं कि वे क्या कह रहे हैं। यदि आपकी भाषा में ऐसा करने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग नहीं होता है, तो आप एक वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं और किसी अन्य तरीके से जोर दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं पूरी तरह से निश्चित हूं"

देखें: दोगुना

Romans 14:14 (#2)

"प्रभु यीशु से"

यहां, **से** संकेत कर सकता है: (1) वह साधन जिसके द्वारा पौलुस को प्रेरित किया गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु यीशु के माध्यम से" (2) पौलुस का **मसीह** के साथ संयुक्त होना। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु यीशु के साथ एकता में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:14 (#3)

"कोई वस्तु अपने आप से अशुद्ध नहीं" - "अशुद्ध," - "उसके लिये अशुद्ध है"

अगला पद यह बताता है कि यहाँ पौलुस विशेष रूप से **अशुद्ध** खाद्य पदार्थों का उल्लेख कर रहे हैं, वे खाद्य पदार्थ जो मूसा के कानून के अनुसार यहूदियों को खाने से मना किया गया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कोई भी भोजन खाने के लिए वर्जित नहीं है ... वर्जित ... यह वर्जित भोजन है।"

देखें: आनुमानिक ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:14 (#4)

"कोई वस्तु अपने आप से अशुद्ध नहीं"

यदि आपके पाठक इस दोहरे नकारात्मक को गलत समझेंगे, तो आप इसे एक सकारात्मक कथन के रूप में अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सब कुछ अपने आप में पवित्र है"

देखें: दोहरा नकारात्मक

Romans 14:14 (#5)

"अपने आप"

वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी प्रकृति के कारण" या "जो वह हैं उसके कारण"

Romeo 14:15 (#1)

"यदि ...भोजन के कारण"

यदि, यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह पहले क्या आया था, उसे स्पष्ट करता है। **यदि,** यहां यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह कारण है कि पौलुस के पाठकों को 14:13 में दिए गए आदेश का पालन क्यों करना चाहिए। अपनी भाषा में कारण दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: “क्योंकि भोजन के कारण, अपने भाई के सामने ठोकर का पत्थर न रखें,”

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

Romans 14:15 (#2)

"भोजन के कारण"

यह वाक्य उस मसीही के भोजन करने का संदर्भ देता है जिसे दूसरा मसीही अशुद्ध मानता है, जैसा कि पिछले पद और 14:2–6 में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “भोजन के मामले में” या “आप जो खाते हैं उसके कारण”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:15 (#3)

"तेरे" - "तू" - "चलता" - "उस को तू"

"हालांकि पौलुस लोगों के एक समूह को लिख रहे हैं, **तू** और **तेरे** यहां एकवचन हैं। यदि आपकी भाषा में किसी व्यक्ति के लिए एकवचन रूप स्वाभाविक नहीं होगा जो लोगों के एक समूह से बात कर रहा हो, तो आप अपने अनुवाद में ""तू"" का बहुवचन रूप उपयोग कर सकते हैं।"

देखें: एकवचन सर्वनाम जो समूहों को सन्दर्भित करते हैं

Romans 14:15 (#4)

"भाई"

यहां, **भाई** एक साथी मसीही को संदर्भित करता है। देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 14:10 में किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं भी सम्मिलित होती हैं

Romans 14:15 (#5)

"उदास होता है"

यहां, **उदास** का मतलब भावनात्मक या आत्मिक अपमान या पीड़ा का अनुभव करना है। इसका अर्थ शारीरिक रूप से घायल होना नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपमानित होना"

देखें: रूपक

Romans 14:15 (#6)

"तो फिर तू प्रेम की रीति से नहीं चलता"

यहां पौलुस **चलने** का उपयोग यह बताने के लिए करते हैं कि लोग कैसे व्यवहार करते हैं या अपना जीवन जीते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसका अर्थ सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। "चलने" के समान उपयोग 6:4, 8:4, और 13:13 में देखें। वैकल्पिक अनुवाद: "आप अब प्रेम के अनुसार आचरण नहीं कर रहे हैं"

देखें: रूपक

Romans 14:15 (#7)

"जिस के लिये मसीह मरा उस को तू अपने भोजन के द्वारा नाश न कर"

पौलुस यहां **नाश** शब्द का उपयोग किसी को यीशु पर विश्वास करने से रोकने के लिए प्रेरित करने के संदर्भ में करते हैं, जिसका परिणाम उस व्यक्ति के लिए नरक में हमेशा के लिए दण्ड का अनुभव होगा। देखें कि आपने "विनाश" का 9:22 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति को, जिसके लिए मसीह मरे, यीशु पर विश्वास बंद करने और अनन्त विनाश का अनुभव करने के लिए प्रेरित न करें।"

देखें: आनुमानिक ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:15 (#8)

"अपने भोजन के द्वारा"

यह वाक्य उस स्थिति को संदर्भित करता है जब एक मसीही ऐसा भोजन ग्रहण करता है जिसे दूसरा मसीही अशुद्ध मानता है, जैसा कि पिछले पद और 14:2–6 में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भोजन के मामले में" या, अल्पविराम के बीच, "आप जो खाते हैं उसके कारण"

देखें: आनुमानिक ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:16 (#1)

"अब"

शब्द **अब** संकेत करता है कि इसके आगे जो आता है वह तार्किक निष्कर्ष है। **अब** यहाँ संकेत करता है कि इस पद में जो आता है वह पौलुस द्वारा पिछले पदों में कही गई बातों का तार्किक निष्कर्ष है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "परिणामस्वरूप,"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

Romans 14:16 (#2)

"तुम्हारी भलाई"

यदि आपकी भाषा में **भलाई** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आपके लिए लाभकारी है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

Romans 14:16 (#3)

"भलाई"

यहां, **भलाई** का अर्थ हो सकता है: (1) वे **भली** चीजें जो परमेश्वर मसीहियों को प्रदान करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भली चीजें" (2) मसीहियों को जो भी भोजन खाना है उसे खाने की स्वतंत्रता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कुछ भी खाने की आपकी स्वतंत्रता"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:16 (#4)

"अब तुम्हारी भलाई की निन्दा न होने पाए"

अगर आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का इस तरह से उपयोग नहीं किया जाता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या किसी अन्य तरीके से कह सकते हैं जो आपकी भाषा में स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों को आपकी भलाई की निंदा करने की अनुमति न दें"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

Romans 14:17 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि, यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात की व्याख्या करता है। यहां **क्योंकि** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह कारण है कि पौलुस चाहते हैं कि उनके पाठक पिछले पद में दिए गए आदेश का पालन करें। आपकी भाषा में कारण दर्शाने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "यह इस तथ्य के कारण है"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

Romans 14:17 (#2)

"नहीं"

यहां, **नहीं** यह इंगित करता है कि जो आगे आता है वह **परमेश्वर के राज्य** का हिस्सा नहीं है या उससे संबंधित नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "का हिस्सा नहीं है" या "से संबंधित नहीं है"

देखें: आनुमानिक ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:17 (#3)

"परंतु"

पौलुस कुछ ऐसे शब्दों को छोड़ रहे है जिनका कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा होने के लिए ज़रूरत होती है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप ये शब्द पिछले वाक्यांश से जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन है"

देखें: पदलोप चिन्ह

Romans 14:17 (#4)

"धर्म और मिलाप और वह आनन्द है"

यदि आपकी भाषा में **धार्मिकता**, **मिलाप**, और **आनंद** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएं नहीं हैं, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या धर्म है, क्या शान्ति है, और क्या आनन्द है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

Romans 14:17 (#5)

"पवित्र आत्मा से"

यहां, **पवित्र आत्मा से** का अर्थ हो सकता है: (1) वह माध्यम जिससे मसीही **धार्मिकता, और शान्ति और आनंद** का अनुभव करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा द्वारा" (2) मसीहियों का **पवित्र आत्मा के साथ** एकजुट होना। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा के साथ एकता में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:18 (#1)

"क्योंकि" (जो)

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो कहा गया था, उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहां यह दर्शाता है कि इस पद में जो आता है, वह पौलुस ने पिछले पद में जो कहा, उसे स्पष्ट करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 14:18 (#2)

"इस रीति से"

यहां, **इस प्रकार** का अर्थ पिछले पद में उल्लिखित "धार्मिकता, मिलाप और आनंद" से है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस धार्मिक, शांतिपूर्ण और आनंदमय तरीके से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:18 (#3)

"मनुष्यों में ग्रहण योग्य ठहरता है"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य इसे स्वीकार करते हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

Romans 14:18 (#4)

"मनुष्यों में"

हालांकि **मनुष्य** शब्द पुल्लिंग है, पौलुस यहां इस शब्द का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों सम्मिलित हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों के द्वारा"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं भी शामिल होती हैं

Romans 14:19 (#1)

"इसलिये"

देखें कि आपने इस पद का 5:18 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: शब्दों और पद्यांशों का जोड़ना

Romans 14:19 (#2)

"प्रयत्न करें"

यहाँ पौलुस **शांति और निर्माण की बातों** का ज़िक्र इस तरह कर रहे हैं मानो वे ऐसी चीज़ें हों जिनका लोग प्रयत्न कर सकते हैं। वह मसीहियों से कह रहे हैं कि वे ये काम करें। अगर यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका मतलब साफ़-साफ़ बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आइए हम एसा करने के लिए प्रतिबद्ध हों"

देखें: रूपक

Romans 14:19 (#3)

"मेल मिलाप और एक दूसरे का सुधार हो"

पौलुस उन **चीजों** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का उपयोग कर रहे हैं जो अन्य मसीहियों के **मेल मिलाप** और **सुधार** में योगदान देती हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे चीज़ें जिनके परिणामस्वरूप शांति मिलती है और वे चीज़ें जिनके परिणामस्वरूप सुधार होता है"

देखें: स्वामित्व

Romans 14:19 (#4)

"एक दूसरे का सुधार हो"

यहां, पौलुस अन्य मसीहियों को अधिक आत्मिक रूप से परिपक्व बनने में मदद करने की बात करते हैं जैसे कि कोई इमारत का **निर्माण** कर रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बातें जो एक-दूसरे की आत्मिक रूप से परिपक्व होने में सहायता करती हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 14:20 (#1)

"परमेश्वर का काम न बिगाड़"

यहाँ, **बिगाड़ना** का अर्थ है परमेश्वर द्वारा किए गए **कार्य** को नष्ट करना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के कार्य को नष्ट न करें"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:20 (#2)

"भोजन करने से"

यह वाक्य उस स्थिति को संदर्भित करता है जब एक मसीही ऐसा भोजन ग्रहण करता है जिसे दूसरा मसीही अशुद्ध मानते हैं, जैसा कि 14:2–6, 13–17 में उल्लेख किया गया है। देखें कि आपने 14:15 में समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:20 (#3)

"सब कुछ शुद्ध तो है"

यहां, **सब कुछ** भोजन को संदर्भित करती हैं और **शुद्ध** वह है जिसे परमेश्वर ने अनुमति दी है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी खाद्य पदार्थ वास्तव में परमेश्वर द्वारा खाने के लिए अनुमत हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:20 (#4)

"बुरा है"

यहां, **बुरा है** उस भोजन को खाने के कार्य को संदर्भित करता है जिसे कोई व्यक्ति मानता है कि परमेश्वर ने अनुमति नहीं दी है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन चीजों को खाना अनुचित है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

Romans 14:20 (#5)

"परन्तु उस मनुष्य के लिये बुरा है, जिसको उसके भोजन करने से ठोकर लगती है"

यहां, **भोजन करने से ठोकर लगती है** का मतलब है किसी अन्य विश्वासी को पाप करने के लिए उकसाना, उस भोजन को खाकर जिसे दूसरा विश्वासी पापपूर्ण मानता हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस व्यक्ति के लिए खाना जो दूसरे विश्वासी को ठोकर खाने का कारण बनता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:20 (#6)

"ठोकर"

देखें कि आपने **ठोकर** का 11:9 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

Romans 14:21 (#1)

"न और कुछ ऐसा करे"

पौलुस एक शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूर्ण बनाने के लिए आवश्यक होगा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप संदर्भ से शब्द जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह उचित नहीं है"

देखें: पदलोप चिन्ह

Romans 14:21 (#2)

"तेरा"

हालांकि पौलुस लोगों के एक समूह को लिख रहे हैं, **तेरा** यहां एकवचन है। यदि आपकी भाषा में एक समूह के लोगों से बात करते समय एकवचन रूप स्वाभाविक नहीं होगा, तो आप अपने अनुवाद में तेरा का बहुवचन रूप उपयोग कर सकते हैं। सर्वनाम जो समूहों को संदर्भित करते हैं

देखें: एकवचन सर्वनाम जो समूहों को संदर्भित करते हैं

रोमियों 14:21 (#3)

"भाई"

यहाँ, **भाई** एक साथी मसीही को संदर्भित करता है। देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 14:10 में कैसे किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं सम्मिलित होती हैं

Romans 14:21 (#4)

"ठोकर"

यहां, **ठोकर** का मतलब है कि एक अन्य विश्वासी प्रलोभन में पड़कर पाप करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पाप करना”

देखें: रूपक

Romans 14:21 (#5)

"न और कुछ ऐसा करे, जिस से तेरा भाई ठोकर खाए"

ये शब्द बाइबल के कुछ पारंपरिक संस्करणों में पाए जाते हैं, लेकिन ये बाइबल की सबसे सटीक प्राचीन पांडुलिपियों में नहीं पाए जाते हैं। यु.एल.टी. और यु.एस.टी. इन शब्दों को कोष्ठक में रखकर इसे इंगित करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद पहले से मौजूद है, तो आप इस आयत को शामिल करने पर विचार कर सकते हैं। यदि आपके क्षेत्र में पहले से ही बाइबल का कोई अनुवाद नहीं है, तो हम अनुशंसा करते हैं कि आप किसी तरह से संकेत दें कि यह पद मूल नहीं हो सकती है, जैसे कि इसे कोष्ठक में या फ़ुटनोट में रखकर।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

Romans 14:21 (#6)

"जिस से तेरा भाई ठोकर खाए"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उन्हें अपमानित करता है या उन्हें कमजोर बनाता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

Romans 14:21 (#7)

"निर्बल होते"

यहां, **निर्बल** का अर्थ आत्मिक रूप से अपरिपक्व होना है। देखें कि आपने 14:1 में "विश्वास में निर्बल" का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: रूपक

Romans 14:22 (#1)

"तेरा जो विश्वास हो"

यदि आपकी भाषा में **विश्वास** के विचार के लिए एक भाववाचक संज्ञा का उपयोग नहीं होता है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बातें जिन पर आप स्वयं विश्वास करते हैं"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

Romans 14:22 (#2)

"तेरा जो विश्वास हो"

यहाँ, **विश्वास** का मतलब है कि मसीही क्या मानते हैं कि परमेश्वर उन्हें करने की अनुमति देता है, जैसा कि 14:1–6 में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर आपको क्या करने की अनुमति देता है, इसके बारे में आपका स्वयं का विश्वास"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 14:22 (#3)

"सामने अपने ही मन में रख," - "अपने"

हालांकि पौलुस लोगों के एक समूह को लिख रहे हैं, **अपने** और **स्वयं** यहां एकवचन हैं। यदि आपकी भाषा में किसी समूह से बात करने के लिए एकवचन रूप स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में अपने का बहुवचन रूप उपयोग कर सकते हैं।

देखें: एकवचन सर्वनाम जो समूहों को संदर्भित करते हैं

Romans 14:22 (#4)

"परमेश्वर के सामने अपने ही मन में रख"

यह पद अपने विश्वासों को अपने और परमेश्वर के बीच रखने की बात करता है, बजाय इसके कि उन्हें अन्य लोगों को बताया जाए। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसे अपने और परमेश्वर के बीच रखें" या "इसे आपके और परमेश्वर के बीच रहने दे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:22 (#5)

"परमेश्वर के सामने"

यहां पौलुस उन लोगों के बारे में बात करते हैं जो अपने विश्वास को **परमेश्वर के सामने** रखते हैं, जैसे कि वे परमेश्वर के सामने खड़े हों। पौलुस का मतलब है कि लोगों को अपने विश्वासों को व्यक्तिगत रखना चाहिए, क्योंकि परमेश्वर ही उन्हें यह जानने की अनुमति देते हैं कि क्या करना है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और परमेश्वर”

देखें: रूपक

Romans 14:22 (#6)

"अपने आप को दोषी नहीं ठहराता"

यहाँ, **दोषी** होने का अर्थ दोषी महसूस करना या खुद की निंदा करना है। अगर यह आपकी भाषा में मददगार होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह व्यक्ति जो खुदको दोषी महसूस नहीं करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:22 (#7)

"जिसे वह ठीक समझता है"

हालांकि **वह** और **वह** शब्द पुल्लिंग हैं, पौलुस यहां इन शब्दों का उपयोग एक सामान्य अर्थ में कर रहे हैं जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई स्वयं को स्वीकृत करता है उसमें"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं सम्मिलित होती हैं

Romans 14:22 (#8)

"जिसे वह ठीक समझता है"

वैकल्पिक अनुवाद: "जिस बात को वह स्वीकार करता है उसके संबंध में" या "जिस बात को वह स्वीकार करता है उसके संबंध में"

Romans 14:23 (#1)

"परंतु"

यहां, शब्द **परंतु** एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है। **परंतु** यहां यह संकेत करता है कि जो आगे कहा गया है, वह पिछले पद के विपरीत है। एक मजबूत विरोधाभास प्रस्तुत करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत,"

देखें: जोड़ें — विपरीत संबंध

Romans 14:23 (#2)

"जो सन्देह कर के खाता है, वह दण्ड के योग्य ठहर चुका"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। कार्य करने वाला व्यक्ति हो सकता है: (1) परमेश्वर। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई व्यक्ति सन्देह करके खाता है तो परमेश्वर उसे दोषी ठहराता है" (2) वह व्यक्ति जो खाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि कोई व्यक्ति सन्देह करके खाता है तो वह स्वयं को दोषी ठहराता है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

Romans 14:23 (#3)

"जो सन्देह करके खाता है"

यदि आपकी भाषा में **सन्देह करने** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो न्याय करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

Romans 14:23 (#4)

"परन्तु जो सन्देह करके खाता है"

यह पद उस व्यक्ति को संदर्भित करता है जिसने यह निर्धारित किया है कि कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन परमेश्वर द्वारा निषिद्ध है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो सन्देह करता हैं कि कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन करना उचित नहीं है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:23 (#5)

"जो...खाता है"

पौलुस का तात्पर्य है कि व्यक्ति वही खाता है जो वह मानता है कि परमेश्वर ने खाने से मना किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि वह खाता है जिसे वह सोचता है कि परमेश्वर ने उसे खाने से मना किया है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:23 (#6)

"जो (कुछ विश्वास) से नहीं"

यहाँ, **जो** का तात्पर्य उस भोजन को खाने से है जिसे कोई व्यक्ति मानता है कि परमेश्वर ने खाने के लिए निषिद्ध किया है। यदि यह आपकी भाषा में उपयोगी हो, तो इसे स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो कोई यह सोचता है कि किसी वस्तु को खाना निषिद्ध है, उसका उसे खाना उचित नहीं।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

Romans 14:23 (#7)

"विश्वास से" - "विश्वास से"

इस पद में **से** उस आधार को संदर्भित करता है जिस पर कोई व्यक्ति अपने कार्यों को आधारित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह

सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास पर आधारित ... विश्वास पर आधारित"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

Romans 14:23 (#8)

"विश्वास" - "विश्वास"

देखें कि आपने पिछले पद में भाववाचक संज्ञा **विश्वास** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

Romans 14:23 (#9)

"वह"

यहां, **वह** का अर्थ वह सब कुछ है जो एक व्यक्ति करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह सब कुछ जो एक व्यक्ति करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 14:23 (#10)

"पाप"

देखें कि आपने **पाप** भाववाचक संज्ञा का 6:1 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:1 (#1)

"हम" - "अपने आपको"

यहां और इस पूरे अध्याय में **हम** और **स्वयं** सर्वनाम मसीह में सभी विश्वासियों को सम्मिलित रूप से संदर्भित करते हैं। आपकी भाषा में आपको इन रूपों को चिन्हित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 15:1 (#2)

"हम बलवानों को चाहिए"

यहां, **हम** शब्द पौलुस और अन्य लोगों को संबोधित करता हैं जिनके पास परिपक्व विश्वास है। इस अध्याय के लिए सामान्य टिप्पणियों में इस पर चर्चा देखें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हम, जिनके पास परिपक्व विश्वास है” या “हम, जो आत्मिक रूप से मजबूत हैं”।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:1 (#3)

"निर्बलताओं में सहायता करें"

पौलुस **निर्बलताओं** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे वस्तुएं हों जिसके लिए कोई व्यक्ति **सहायता** प्रदान कर सकता है। उनका मतलब है कि परिपक्व मसीहीयों को धैर्यपूर्वक आत्मिक रूप से कमजोर मसीहीयों की सहायता करनी चाहिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कमजोरियों पर विजय पाने में सहायता करें”

देखें: रूपक

रोमियों 15:1 (#4)

"निर्बलताओं"

यदि आपकी भाषा में **निर्बलताओं** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कमजोर गुण"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:1 (#5)

"निर्बलों की निर्बलताओं में"

यहां, **निर्बलों की निर्बलताओं में** का संदर्भ उन मसीहीयों से है जो आत्मिक रूप से परिपक्व नहीं हैं। इस अध्याय के लिए सामान्य टिप्पणियों में इस पर चर्चा देखें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जिनका विश्वास अपरिपक्व है” या “वे जो आत्मिक रूप से कमजोर हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:2 (#1)

"अपने पड़ोसी"

यहां, **पड़ोसी** का अर्थ अन्य मसीहीयों से है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके मसीही साथी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:2 (#2)

"के लिए" - "के निमित्त"

यहां, **के लिए** और **के निमित्त** यह संकेत करते हैं कि किसी **पड़ोसी** को प्रसन्न करने के लिए क्या करे। इस उद्देश्य को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "उद्देश्य के लिए ... और उद्देश्य के लिए"

देखें: जुड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 15:2 (#3)

"सुधारने"

देखें कि आपने **सुधारने** का अनुवाद 14:19 में किस प्रकार किया

देखें: रूपक

रोमियों 15:3 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह इंगित करता है कि इस शब्द के उपरांत जो है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहां यह बताता है कि इस पद में जो आता है वह दूसरों के लिए एक उदाहरण है, जैसा कि पौलुस ने पिछले पद में उल्लेख किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उदाहरण के लिए," या "एक उदाहरण के रूप में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 15:3 (#2)

" जैसा लिखा है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 1:17 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमाएं

रोमियों 15:3 (#3)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। चूंकि पौलुस किसी ऐसी चीज़ का उल्लेख कर रहे हैं जो दाऊद ने लिखी थी, आप दाऊद को एक विषय के रूप में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा दाऊद ने लिखा था"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:3 (#4)

"जैसा लिखा है"

निम्नलिखित उद्धरण में, पौलुस 69:9 का उद्धरण देते हैं जिसमें दाऊद परमेश्वर से बात करते हुए **मसीह** का उल्लेख करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा कि लिखा है, मसीह ने परमेश्वर से कहा"

देखें: अनुप्रमाणित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:3 (#5)

"तेरे निन्दकों की निन्दा मुझ पर आ पड़ी"

यह वाक्य 69:9 का उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह उपयोगी हो सकता है कि इसे उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले किसी अन्य विराम चिह्न या परंपरा के साथ प्रस्तुत करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 15:3 (#6)

"निंदा"

यदि आपकी भाषा में **निंदा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपमानजनक शब्द"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:3 (#7)

"तेरे निन्दकों की निन्दा मुझ पर आ पड़ी"

पौलुस दाऊद का उद्धरण देते हुए कहते हैं कि परमेश्वर के खिलाफ निंदा मसीह को भी प्रभावित करते हैं, जैसे कि वे निंदा की वस्तुएं हों जो उस पर आ **पड़ी** हों। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो आपका अपमान करते हैं, उनके अपमान मेरे खिलाफ भी हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 15:4 (#1)

"के लिये"

के लिये यह दर्शाता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहाँ **के लिये** यह दर्शाता है कि जो इसके बाद आता है, वह पिछले पद में दिए गए शास्त्रीय उद्धरण के महत्व को रेखांकित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 15:4 (#2)

"जितनी बातें पहले से लिखी गईं... के लिये लिखी गईं"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भविष्यद्वक्ताओं ने जो कुछ भी पहले लिखा, वही उन्होंने लिखा।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:4 (#3)

"जितनी बातें पहले से लिखी गईं"

पौलुस उन बातों का उल्लेख कर रहे हैं जो **पहले** शास्त्रों **में लिखी गई थीं**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो शास्त्रों में पहले से लिखा गया था"

देखें: अनुप्रमाणित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:4 (#4)

"के लिये " - "कि हम"

यहां, **के लिये** और **कि हम** आगे आने वाले शास्त्रों के उद्देश्य को इंगित करते हैं । उद्देश्य वाक्यांशों को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक रूप का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उद्देश्य के लिए ... इस उद्देश्य से कि"

देखें: जोड़े — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 15:4 (#5)

"हमारी ही शिक्षा के लिये"

यदि आपकी भाषा में **शिक्षा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमें निर्देश देने के लिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:4 (#6)

"हम धीरज और पवित्रशास्त्र के प्रोत्साहन के द्वारा आशा रखें"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक हो, तो आप इन खंडों का क्रम बदल सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि हमारे पास धैर्य और शास्त्रों के प्रोत्साहन के माध्यम से आशा हो"

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 15:4 (#7)

"धीरज " - "प्रोत्साहन" - "आशा"

यदि आपकी भाषा **धीरज, प्रोत्साहन**, और **आशा** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का प्रयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। देखें कि आपने 2:4 में **धीरज**, 12:8 में **प्रोत्साहन**, और 5:4 में **आशा** का अनुवाद कैसे किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:4 (#8)

"धीरज और पवित्रशास्त्र के प्रोत्साहन के द्वारा"

यहां पौलुस **पवित्रशास्त्र** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वे एक व्यक्ति हों जो **धीरज** रख सकते हों और प्रोत्साहित कर सकते हों। उनका मतलब है कि परमेश्वर **पवित्रशास्त्र** का उपयोग करके अपना **धीरज** और **प्रोत्साहन** दिखाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शास्त्रों के माध्यम से जो धैर्य और प्रोत्साहन परमेश्वर प्रदान करते हैं"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 15:5 (#1)

"धीरज, और प्रोत्साहन का दाता परमेश्वर"

पौलुस स्वामित्व सूचक रूप का उपयोग करके **परमेश्वर** को **धैर्य** और **प्रोत्साहन** से युक्त बताने हेतु वर्णन कर रहा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह परमेश्वर जिसकी विशेषता धैर्य और प्रोत्साहन है"

देखें: स्वामीत्व

रोमियों 15:5 (#2)

"धीरज" - "प्रोत्साहन का"

देखें कि आपने पिछले पद में **धीरज** और **प्रोत्साहन** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:5 (#3)

"आपस में एक मन रहो"

वैकल्पिक अनुवाद: "एक-दूसरे के साथ सहमत होना"

Romans 15:5 (#4)

"मसीह यीशु के अनुसार"

यह संबोधित कर सकता है: (1) **मसीह** का उदाहरण। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु के उदाहरण के अनुसार" (2) **मसीह** की इच्छा। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु की इच्छा के अनुसार" (3) **मसीह** का उदाहरण और इच्छा दोनों। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु की इच्छा और उदाहरण के अनुसार"

देखें: अनुप्रमाणित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:6 (#1)

"ताकि"

यहां, **ताकि** एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस उस एकता के उद्देश्य को बता रहे हैं जिसके लिए उन्होंने पिछले पद में प्रार्थना की थी। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद (बिना अल्पविराम के पहले): "इस उद्देश्य के लिए कि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 15:6 (#2)

"एक मन और एक स्वर होकर"

वैकल्पिक अनुवाद: "एक उद्देश्य के लिए"

रोमियों 15:6 (#3)

"ताकि तुम... एक स्वर होकर..... स्तुति करो"

यहां, **एक स्वर होकर..... स्तुति करो** का अर्थ है एकता के साथ परमेश्वर की ऊँचे स्वर में स्तुति करना। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप एकजुट होकर परमेश्वर की स्तुति कर सकते हैं" या "तुम एकता में होकर ऐसे एक स्वर में परमेश्वर की स्तुति करो मानो केवल एक ही मुख बोल रहा हो।"

देखें: अलंकार

रोमियों 15:6 (#4)

"पिता"

परमेश्वर के लिए एक महत्वपूर्ण उपाधि है **पिता**।

देखें: पुत्र और पिता का अनुवाद करना

रोमियों 15:7 (#1)

"इसलिए"

शब्द **इसलिए** यह संकेत करता है कि जो आगे आता है वह एक तार्किक निष्कर्ष है। **इसलिए** यहाँ पौलुस ने जो 14:1–

15:6 में कहा है, उसका निष्कर्ष प्रस्तुत करते हैं। देखें कि आपने इस शब्द का 1:24 में कैसे अनुवाद किया था।

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 15:7 (#2)

"परमेश्वर की महिमा के लिये"

यहां, **के लिये** एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस यह बता रहे हैं कि जिस प्रकार मसीह ने मसीहियों को स्वीकार किया, उसी प्रकार मसीहियों को एक-दूसरे को स्वीकार करना चाहिए। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद (बिना अल्पविराम के): "परमेश्वर की महिमा के निमित"

देखें: जोड़े — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों15:8 (#1)

"जो"

जो यहाँ यह संकेत करता है कि पिछले पद में पौलुस ने जो कहा उसे आगे आने वाला वाक्य स्पष्ट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 15:8 (#2)

"मैं कहता हूँ"

सर्वनाम **मैं** पौलुस को संबोधित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, पौलुस, कहता हूँ।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 15:8 (#3)

"सेवक" - "सच्चाई " - "प्रतिज्ञाएँ"

देखें कि आपने भाववाचक संज्ञाओं **सेवक** का 13:4 में, **सच्चाई** का 2:8 में, और "प्रतिज्ञाओं" का 4:13 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:8 (#4)

"खतना किए हुए "

यहां, **खतना** उन लोगों को संबोधित करता है जिनका खतना किया गया है: यहूदी लोग। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदियों का"

देखें: अलंकार

रोमियों 15:8 (#5)

"दृढ़ करने के लिये"

यहां, **के लिए** एक उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करता है। पौलुस उस उद्देश्य को बता रहे हैं जिसके लिए **मसीह खतना के सेवक** बने। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद (बिना पूर्ववर्ती अल्पविराम के): "पुष्टि करने के उद्देश्य से"

देखें: जोड़े — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 15:8 (#6)

"प्रतिज्ञाएँ पूर्वजों को दी गई थीं"

पौलुस उन **प्रतिज्ञाएँ** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का प्रयोग कर रहे हैं जो परमेश्वर ने **पूर्वजों** से किए थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पूर्वजों को दिए गए वायदे”

देखें: स्वामित्व

Romans 15:8 (#7)

"पूर्वजों को"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 9:5 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 15:8 (#8)

"जो प्रतिज्ञाएँ पूर्वजों को दी गई थीं"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी

अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे वादे जो परमेश्वर ने यहूदियों के पूर्वजों को दिए थे।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:9 (#1)

"और अन्यजाति भी दया के कारण"

यहां, **और** यह इंगित करता है कि जो आगे आनेवाला है वह दूसरा कारण है कि मसीह "खतना का सेवक" बन गए। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद (बिना अल्पविराम के): "और साथ ही अन्यजातियों के उद्देश्य के लिए"

देखें: जोड़े — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 15:9 (#2)

"दया के कारण परमेश्वर की"

देखें कि आपने **दया** का 9:23 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:9 (#3)

"जैसा लिखा है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 1:17 में कैसे अनुवाद किया था।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमाएं

रोमियों 15:9 (#4)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। चूँकि पौलुस किसी ऐसी बात का उल्लेख कर रहा है जिसे दाऊद ने लिखा था (18:49), आप दाऊद को विषय के रूप में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा दाऊद ने लिखा" या "जैसे की परमेश्वर ने दाऊद के माध्यम से कहा"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:9 (#5)

"इसलिए मैं जाति-जाति में तेरी स्तुति करूँगा"

यह वाक्य 18:49 का उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि यह उद्धरण है, इसके लिए उद्धरण चिह्नों का प्रयोग करें या आपकी भाषा में उद्धरण को दर्शाने के लिए जो भी अन्य विराम चिह्न या प्रथा हो, उसका प्रयोग करें।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 15:9 (#6)

"और तेरे नाम के"

यहां, **तेरे नाम** परमेश्वर स्वयं को संबोधित करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके"

देखें: अलंकार

रोमियों 15:10 (#1)

"फिर"

यहां, **फिर** यह इंगित करता है कि जो आगे है वह पवित्रशास्त्र से एक और उद्धरण है जो पिछले पद में उद्धृत विचार के समान है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और भी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:10 (#2)

"फिर कहा है"

यह वाक्य इंगित करता है कि जो आगे आता है वह एक उद्धरण है जो मूसा ने पुराने नियम की एक पुस्तक में कहा था (32:43)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का प्रयोग कर सकते हैं जो इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण दे रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “शास्त्रों में यह कहा गया है”

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमाएं

रोमियों 15:10 (#3)

"हे जाति-जाति के सब लोगों, उसकी प्रजा के साथ आनन्द करो"

यह वाक्य 32:43 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परंपरा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

Romans 15:10 (#4)

"उसकी प्रजा के साथ"

यहां, **उसकी** परमेश्वर को संबोधित करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर के भक्तों के साथ"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 15:11 (#1)

"और फिर"

यह वाक्य इंगित करता है कि जो आगे है वह पवित्रशास्त्र से एक और उद्धरण है (117:1)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक तुलनीय वाक्यांश का प्रयोग कर सकते हैं जो इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण ले रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और पवित्रशास्त्र में भी"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमाएं

रोमियों 15:11 (#2)

"हे जाति-जाति के सब लोगों, प्रभु की स्तुति करो"

यह वाक्य 117:1 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परंपरा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 15:12 (#1)

"और फिर, यशायाह कहता हैं,"

यह वाक्य इंगित करता है कि जो आगे है वह एक उद्धरण है जो **यशायाह** ने पुराने नियम की एक पुस्तक में कहा था (11:10)। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक समतुल्य वाक्यांश का प्रयोग कर सकते हैं जो यह इंगित करता है कि पौलुस एक महत्वपूर्ण पाठ से उद्धरण ले रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और शास्त्रों में भी, यशायाह कहते हैं"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमाएं

रोमियों 15:12 (#2)

"यशायाह कहता हैं"

यहां पौलुस वर्तमान काल क्रिया **कहता हैं** का प्रयोग करते हैं ताकि किसी ऐसी घटना का उल्लेख किया जा सके जो अतीत में हुई थी। यदि आपकी भाषा में ऐसा करना स्वाभाविक नहीं है, तो आप अपने अनुवाद में भूतकाल का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यशायाह ने कहा था ”

देखें: पूर्वानुमानित भूतकाल

रोमियों 15:12 (#3)

"यिशै की एक जड़" - "उठेगा " - "उस पर"

ये तीनों अभिव्यक्तियाँ उसी व्यक्ति का उल्लेख करती हैं, जो मसीह हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यिशै का वंशज, मसीह ... मसीह अर्थात वही हैं जो उठता है ... मसीह"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:12 (#4)

"यिशै की एक जड़"

पौलुस यशायाह का उल्लेख करते हुए **यिशै** के एक वंशज का जिक्र करते हैं, जैसे कि वह व्यक्ति एक **जड़** या अंकुर हो जो एक पौधे से उगा हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यिशै का वंशज”

देखें: रूपक

रोमियों 15:12 (#5)

"उठेगा"

पौलुस यशायाह का उद्धरण देते हुए **उठेगा** का उपयोग किसी के राजा बनने के संदर्भ में करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एकसमतुल्य मुहावरा या विचार को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो राजा बनेगा"

देखें: मुहावरा

रोमियों 15:13 (#1)

"परमेश्वर जो आशा का दाता है"

पौलुस **परमेश्वर** को **आशा** के स्रोत के रूप में वर्णित करने के लिए स्वामित्व रूप का प्रयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वो परमेश्वर जो आशा देते हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 15:13 (#2)

"आशा का" - "सब प्रकार" - "आनन्द और शान्ति " - "आशा" - "सामर्थ्य"

देखें कि आपने पिछले पद में **आशा**, 14:17 में **आनन्द** और **शान्ति**, और 1:16 में **सामर्थ्य** का अनुवाद किस प्रकार किया था।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:13 (#3)

"परमेश्वर जो आशा का दाता है तुम्हें विश्वास करने में सब प्रकार के आनन्द और शान्ति से परिपूर्ण करे"

पौलुस उन लोगों का उल्लेख करते हैं जो **आनन्द** और **शान्ति** का अनुभव करते हैं, जैसे कि ये चीजें किसी को **परिपूर्ण** कर सकती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो सकता है, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आशा का परमेश्वर आपको सभी आनन्द और शान्ति की अनुभूति दें।"

देखें: रूपक

रोमियों 15:13 (#4)

"विश्वास करने में"

यहां, **में** दर्शाता है कि **विश्वास** वह साधन है जिसके द्वारा लोग **सभी आनंद और शांति** का अनुभव करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास के माध्यम से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:13 (#5)

"विश्वास करने में"

पौलुस कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर में विश्वास करते हुए"

देखें: पदलोप चिह्न

रोमियों 15:13 (#6)

"से परिपूर्ण करे"

यहां, **से** आगे आने वाले एक उद्देश्य वाक्यांश को दर्शाता है। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उद्देश्य से कि आप प्रचुर मात्रा में "

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 15:13 (#7)

"तुम्हारी ... बढ़ती जाए"

वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि आपके पास यह आशा भरपूरी से हो"

रोमियों 15:14 (#1)

"मैं आप भी ... निश्चय जानता हूँ"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने मुझे स्वयं में विवश किया है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:14 (#2)

"मैं आप भी" - "तुम भी आप ही"

पौलुस **आप** और **तुम** शब्दों का प्रयोग इस बात पर जोर देने के लिए करते हैं कि वह अपने पाठकों के अच्छे और ज्ञानवान मसीही होने के प्रति कितने आश्वस्त हैं। इस जोर देने को व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वास्तव में ... तुम वास्तव में"

देखें: स्वयंवाचक सर्वनाम

रोमियों 15:14 (#3)

"भाइयों"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:13 में किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं भी शामिल होती हैं

रोमियों 15:14 (#4)

"तुम भी आप ही भलाई से भरे"

पौलुस उन लोगों का उल्लेख करते हैं जो **भलाई** का अनुभव कर रहे हैं, जैसे कि यहाँ कुछ ऐसा हो सकता है जो किसी को **भर** सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप स्वयं पूर्ण रीति से भलाई का अनुभव करते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 15:14 (#5)

"भलाई से," - "ज्ञान"

यदि आपकी भाषा **भलाई** और **ज्ञान** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का प्रयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो अच्छा है ... जो जानने योग्य है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:14 (#6)

"ज्ञान से भरपूर हो"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर ने आपको सभी ज्ञान से परिपूर्ण किया है।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:14 (#7)

"ज्ञान से भरपूर हो"

यहां पौलुस उन लोगों का उल्लेख करते हैं जिनके पास **ज्ञान** है, जैसे कि यह कुछ ऐसा है जिससे कोई **भरपूर हो सकता है**। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "संपूर्ण ज्ञान का होना"

देखें: रूपक

रोमियों 15:14 (#8)

"ज्ञान से भरपूर हो"

यहां, **भरपूर** एक अतिशयोक्ति है जिसका पौलुस उपयोग करते हैं यह दिखाने के लिए कि इन लोगों के पास कितना अधिक **ज्ञान** है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अपनी भाषा से एक समकक्ष अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं जो इस पर बल देता है। वैकल्पिक अनुवाद: "भरपूर ज्ञान"

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियों 15:15 (#1)

"कहीं-कहीं"

यहां, **कहीं-कहीं** इस पत्र के कुछ हिस्सों का संदर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस पत्र के कुछ हिस्सों में"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:15 (#2)

"याद दिलाने के लिये तुम्हें"

यह एक उद्देश्य वाक्य है। पौलुस यह बता रहे हैं कि उन्होंने इस पत्र में कुछ बातें किस उद्देश्य से लिखी हैं। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्य प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका

अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको स्मरण दिलाने के उद्देश्य से"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 15:15 (#3)

"उस अनुग्रह के कारण हुआ, जो परमेश्वर ने मुझे दिया है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अनुग्रह जो परमेश्वर ने मुझे प्रदान किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:15 (#4)

"उस अनुग्रह"

यहाँ, **अनुग्रह** परमेश्वर द्वारा पौलुस को एक प्रेरित के रूप में कृपापूर्वक चुनने के संदर्भ मे कहा गया है। देखें कि आपने 12:3 में समान वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:16 (#1)

"कि मैं ... होकर"

यहां, **कि मैं** यह दर्शाता है कि जो आगे होने वाला है, वह यह उद्देश्य है जिसके लिए परमेश्वर ने कृपाकर पौलुस को अधिकार दिया, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने का एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उद्देश्य के लिए कि मैं "

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 15:16 (#2)

"का सेवक"

देखें कि आपने **सेवक** का 13:4 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:16 (#3)

"परमेश्वर के सुसमाचार की सेवा याजक के समान करूँ; जिससे अन्यजातियों का मानो चढ़ाया जाना"

पौलुस अपने प्रचार के बारे में बताते हैं कि वह सुसमाचार को अन्यजातियों के लिए एक याजक के रूप मे प्रस्तुत करते हैं, जो परमेश्वर को भेंट चढ़ाते थे। वह उन **अन्यजातियों** की चर्चा करते हैं जो उनके प्रचार के परिणामस्वरूप मसीही बने, जिसे वो भेंट स्वरूप चढ़ाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सुसमाचार का प्रचार करना ताकि अन्यजाति विश्वास करें"

देखें: रूपक

रोमियों 15:16 (#4)

"जिससे"

यहां, **जिससे** आगे होनेवाले कार्य को दर्शाता है, वह यह उद्देश्य है,जिसके लिए पौलुस अन्यजातियों को सुसमाचार का प्रचार करते हैं। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस उद्देश्य से कि"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 15:16 (#5)

"अन्यजातियों का मानो चढ़ाया जाना"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग **चढ़ाया जाना** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं, जो **अन्यजातियों** से बनी है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भेंट, अर्थात्, अन्यजातियाँ,"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 15:16 (#6)

"चढ़ाया जाना"

यदि आपकी भाषा में **चढ़ाया जाना** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो प्रस्तुत किया गया है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:16 (#7)

"पवित्र आत्मा से पवित्र बनकर"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्हें पवित्र आत्मा ने शुद्ध किया"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:17 (#1)

"इसलिए"

"शब्द **इसलिए** इंगित करता है कि जो आगे कहा गया है वह एक तार्किक निष्कर्ष है। **इसलिए** यहाँ इंगित करता है कि इस पद में जो आगे आनेवाला है वह पिछले पद में पौलुस द्वारा कही गई बात का परिणाम है। परिणाम को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद: "इस कारण" या ""इन बातों के परिणामस्वरूप""

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 15:17 (#2)

"मसीह यीशु मे"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 6:23 में किस प्रकार किया।

देखें: रूपक

रोमियों 15:17 (#3)

"मैं {मसीह यीशु में} बड़ाई कर सकता हूँ"

यहां, पौलुस **बड़ाई** की बात करते हैं जैसे यह कोई वस्तु हो जो किसी के **पास** हो। उनका मतलब है कि वे सही तौर से **बड़ाई** करके योग्य हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं घमंड कर सकता हूँ"

देखें: रूपक

रोमियों 15:18 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि इसके बाद अनेवाले शब्द को दर्शाता हैं,और इससे पहले क्या आया था, उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहां यह दर्शाता है कि इस पद में जो आनेवाला है, वह पौलुस ने पिछले पद में जो कहा था, उसे स्पष्ट करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तव में,"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 15:18 (#2)

"मुझे और किसी बात के विषय में कहने का साहस नहीं, जो मसीह ने"

यदि आपके पाठक इस दोहरे नकारात्मक को गलत समझ सकते हैं, तो आप इसे एक सकारात्मक बयान के रूप में अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं केवल वही बोलने का साहस करूंगा जो मसीह ने मेरे माध्यम से उत्पन्न किया है।"

देखें: दोहरी नकारात्मकता

रोमियों 15:18 (#3)

"अन्यजातियों की अधीनता के लिये"

यहां, **के लिये** यह दर्शाता है कि **मसीह ने पौलुस के माध्यम से क्या उत्पन्न किया**। परिणाम व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा के स्वाभाविक तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "जिससे अन्यजातियों की आज्ञाकारिता सुनिश्चित हुई"

रोमियों 15:18 (#4)

"अन्यजातियों की अधीनता —" - "कर्म"

यदि आपकी भाषा **अधीनता** और **कर्म** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का प्रयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गैर-यहूदी आज्ञा का पालन कैसे करते हैं ... क्या किया जाता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:18 (#5)

"अन्यजातियों की अधीनता"

यहां, **अधीनता** का अर्थ है **अन्यजातियों** को यह आदेश पालन कर पश्चाताप करें और सुसमाचार पर विश्वास करें, जो सुसमाचार के संदेश का हिस्सा है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अन्यजातियों को सुसमाचार में परमेश्वर द्वारा दिए गए आदेश का पालन करना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:18 (#6)

"वचन और कर्म "

यहां, **वचन और कर्म** का अर्थ हो सकता है: (1) जो पौलुस ने कहा और किया, जिससे **अन्यजातियों** ने मसीह पर विश्वास किया। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे वचनों और कार्यों के द्वारा" (2) कैसे **अन्यजातियों** ने अपनी **आज्ञाकारिता** प्रदर्शित की। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके वचनों और कार्यों के द्वारा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:18 (#7)

" के लिये वचन"

यहां पौलुस ने जो कहा उसे वर्णित करने के लिए **वचन** शब्द का प्रयोग किया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे वचनों द्वारा"

देखें: रूपक

रोमियों 15:19 (#1)

"और चिन्हों और अद्भुत कामों की सामर्थ्य से"

यह खंड यह दर्शाता है कि एक अतिरिक्त साधन जिसके द्वारा मसीह ने पौलुस के माध्यम से "अन्यजातियों की आज्ञाकारिता" उत्पन्न की, जिसका उल्लेख पिछले पद में किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और चमत्कारों और अद्भुत कार्यों की शक्ति के माध्यम से"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:19 (#2)

"चिन्हों और अद्भुत कामों"

यह वाक्यांश दो शब्दों को **और** के साथ जोड़कर एक विचार व्यक्त करता है। शब्द **अद्भुत** उन अद्भुत **संकेतों** के चरित्र का वर्णन करता है जो **आत्मा** ने पौलुस को करने में सक्षम बनाया। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को एक समकक्ष वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अद्भुत चमत्कारी संकेतों का"

देखें: हेंडियाडिस

रोमियों 15:19 (#3)

"पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से"

यह खंड इंगित करता है कि **पवित्र आत्मा** ने पौलुस के "वचन और कार्य" और **चिन्हों और अद्भुत कामों** को इस प्रकार शक्ति प्रदान किया कि अन्यजाती यीशु पर विश्वास करने लगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर की आत्मा के सामर्थ्य द्वारा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:19 (#4)

"इल्लुरिकुम"

शब्द **इल्लुरिकुम** एक रोमी प्रांत का नाम है जो इटली के पास था।

देखें: नामों का अनुवाद करने का तरीका

रोमियों 15:19 (#5)

"मसीह के सुसमाचार का पूरा-पूरा प्रचार किया"

पौलुस पूरे क्षेत्र में सुसमाचार का प्रचार करने की बात करते हैं जैसे कि उन्होंने **सुसमाचार का पूरा-पूरा प्रचार किया** हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने मसीह के सुसमाचार का पूर्ण रूप से प्रचार किया है"

देखें: मुहावरा

रोमियों 15:20 (#1)

"पर मेरे मन की उमंग यह है, {कि जहाँ-जहाँ मसीह का नाम नहीं लिया गया,} वहीं सुसमाचार सुनाऊँ"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा

में सहायक हो, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं इसे एक सम्मान मानता हूँ कि मैं सुसमाचार का प्रचार कर रहा हूँ।"

देखें: पदलोप चिह्न

रोमियों 15:20 (#2)

"मेरे मन की उमंग यह है"

यदि आपकी भाषा में **उमंग** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसे सम्माननीय मानते हुए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:20 (#3)

"कि जहाँ-जहाँ मसीह का नाम नहीं लिया गया, वहीं सुसमाचार सुनाऊँ"

वाक्यांश **वहाँ नहीं जहाँ - जहाँ मसीह का नाम लिया गया है** उन स्थानों की ओर संकेत करता है जहां पौलुस **सुसमाचार का प्रचार** नहीं करे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे और स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जहाँ मसीह का नाम लिया गया है, उसके अलावा अन्य स्थानों पर सुसमाचार का प्रचार करना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:20 (#4)

"जहाँ जहाँ मसीह का नाम"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का प्रयोग इस तरह से नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लोगों ने मसीह का नाम रखा है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:20 (#5)

"जहाँ जहाँ मसीह का नाम {नहीं } लिया गया"

यहां, **नाम लिया गया है** का अर्थ है किसी का नाम लेना। इसका अर्थ किसी को नाम देना नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे सरलता रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह का नाम बोला गया है" या "मसीह का नाम सुना गया है"

देखें: मुहावरा

रोमियों 15:20 (#6)

"ऐसा न हो, कि दूसरे की नींव पर घर बनाऊँ"

पौलुस अपने प्रचार कार्य और चेले बनाने के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह **नींव** पर एक घर बना रहे हों। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं वह काम जारी नहीं रख सकता जो किसी अन्य व्यक्ति ने पहले ही शुरू किया है" या "मैं उस व्यक्ति के समान नहीं हो सकता जो किसी अन्य व्यक्ति की नींव पर अपना निर्माण कार्य करे।"

देखें: रूपक

रोमियों 15:21 (#1)

"परन्तु"

शब्द "परन्तु" एक विरोधाभास प्रस्तुत करता है। यहाँ, "परन्तु" यह संकेत आगे आने वाले शब्दों की ओर करता है, जो पिछले पद के अंतिम खंड में पौलुस द्वारा कहे गए शब्दों के विपरीत है। एक मजबूत विरोधाभास को इंगित करने के लिए अपनी भाषा में सबसे उपयुक्त तरीके का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके विपरीत,"

देखें: संबंध जोड़ें — अंतर स्पष्ट करें

रोमियों 15:21 (#2)

"परन्तु जैसा लिखा है"

इस पद में पौलुस पवित्रशास्त्र का उद्धरण देते हैं कि वे सुसमाचार का प्रचार उन लोगों को करते हैं जिन्होंने इसे कभी नहीं सुना है, जैसा कि उन्होंने पिछले पद में भी कहा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ऐसा करने के बजाय, मैं वहां सुसमाचार का प्रचार करने की आकांक्षा करता हूं जहाँ पहले इसका प्रचार नहीं किया गया है। ऐसा करना उचित है जैसा कि लिखा है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:21 (#3)

"जैसा लिखा है"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 1:17 में अनुवाद कैसे किया।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमाएं

रोमियों 15:21 (#4)

"जैसा लिखा है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। चूंकि पौलुस यशायाह द्वारा लिखी गई किसी बात का संदर्भ दे रहे हैं, आप यशायाह को विषय के रूप में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसा यशायाह ने लिखा था,"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:21 (#5)

"जिन्हें उसका सुसमाचार नहीं पहुँचा, वे ही देखेंगे,"

यह वाक्य 52:15 से एक उद्धरण है। आपके पाठकों के लिए यह संकेत देना उपयोगी हो सकता है कि इस सामग्री को उद्धरण चिह्नों के साथ या आपकी भाषा में उद्धरण को इंगित करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले किसी भी विराम चिह्न या परंपरा के साथ अलग किया जाए।

देखें: उद्धरण चिह्न

रोमियों 15:21 (#6)

"जिन्हें उसका सुसमाचार नहीं पहुँचा, वे ही देखेंगे,"

ये दोनों वाक्यांश समानार्थी हैं। यशायाह एक ही बात को दो बार, थोड़े अलग तरीकों से कहते हैं, यह जोर देने के लिए कि अन्यजाती लोग मसीह के बारे में सुनेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों को एक में मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने उनके बारे में नहीं सुना है, वे निश्चित रूप से समझेंगे"

देखें: समानता

रोमियों 15:21 (#7)

"जिन्हें उसका सुसमाचार नहीं पहुँचा"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिनके बारे में उन्हें किसी ने सूचित नहीं किया था"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:21 (#8)

"देखेंगे,"

यशायाह का अर्थ है कि अन्यजाती लोग जो मसीह के बारे में कभी नहीं सुने हैं, वे **समझेंगे** कि मसीह कौन हैं और उन्होंने क्या किया है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "देखेंगे कि मसीह कौन हैं ... समझेंगे कि वो कौन हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:21 (#9)

"देखेंगे"

पौलुस यशायाह का उद्धरण देते हुए **देखेंगे** का प्रयोग कुछ समझने के संदर्भ में करते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "समझेंगे"

देखें: रूपक

रोमियों 15:22 (#1)

"इसलिए"

शब्द **इसलिए** आगे क्या आने वाला हैं उसे दर्शाता हैं, जोकि एक तार्किक निष्कर्ष है। यहाँ, **इसलिए** संकेत करता है कि आगे जो कुछ हुआ वह पौलुस का उन स्थानों पर सुसमाचार प्रचार करने की इच्छा का परिणाम है जहाँ लोगों ने इसे पहले कभी नहीं सुना था। परिणाम दर्शाने के लिए अपनी भाषा में एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वैकल्पिक अनुवाद (बिना अल्पविराम के): "इस कारण से" या "यही कारण है कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 15:22 (#2)

"...मैं तुम्हारे पास आने से बार बार रोका गया"

यदि आपकी भाषा में निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य

स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन चीजों ने भी मुझे रोका।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:22 (#3)

"तुम्हारे"

यहां, **तुम्हारे** बहुवचन में है और रोम में विश्वासियों को संबोधित करता है जिन्हें पौलुस यह पत्र लिख रहे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप सभी विश्वासियों को जो रोम में हैं"

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 15:23 (#1)

"परन्तु अब इन देशों में मेरे कार्य के लिए जगह नहीं रही, और बहुत वर्षों से मुझे तुम्हारे पास आने की लालसा है"

ये खण्ड दो कारण बताते हैं कि पौलुस रोमी विश्वासियों से मिलने की आशा करते हैं, जिसका अगले पद में उल्लेख किया गया है। यदि आप इस पद और अगले पद को अपने अनुवाद में एक वाक्य के रूप में रखते हैं, तो आप अपनी भाषा में कारणों को दर्शाने के लिए सबसे स्वाभाविक तरीका अपना सकते हैं। हालांकि, यदि आप इस पद और अगले पद का अलग-अलग वाक्यों के रूप में अनुवाद करते हैं, तो आप अगले पद में परिणाम को दर्शाकर दिखा सकते हैं कि ये उपवाक्य हैं, जैसा कि यू एस टी में है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि अब मेरे पास इन क्षेत्रों में कोई स्थान नहीं है, और क्योंकि मुझे कई वर्षों से आपके पास आने की इच्छा है"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 15:23 (#2)

"अब इन देशों में मेरे कार्य के लिए जगह नहीं रही"

पौलुस इस वाक्यांश का उपयोग यह संकेत देने के लिए करते हैं कि उनके क्षेत्र में अब कोई ऐसी जगह नहीं बची थी जहां लोगों ने मसीह के बारे में नहीं सुना हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इन क्षेत्रों में अब ऐसी कोई जगह नहीं है जहां लोगों ने मसीह के बारे में नहीं सुना है।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:23 (#3)

"तुम्हारे "

देखें कि आपने पिछले पद में **तुम्हारे** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: 'आप' के रूप — एकवचन

रोमियों 15:24 (#1)

"इसपानिया"

उस समय, **इसपानिया** रोम के पश्चिम में एक रोमी प्रांत था।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

Romans 15:24 (#2)

"होता हुआ जाऊँगा"

यह खंड किसी ऐसी बात का संकेत देता है जो अगले खंड में घटित होगी। आप इसे अपने अनुवाद में एक उपयुक्त जोड़ने वाले शब्द या वाक्यांश के साथ स्पष्ट कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गुजरते समय"

देखें: जोड़े — एक साथ समय बिताने का संबंध

रोमियों 15:24 (#3)

"होता हुआ"

पौलुस संकेत करते हैं कि वे अपने रास्ते पर रोम से **होते हुए, इसपानिया** जाएंगे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “रोम से गुजरते हुए”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:24 (#4)

"और जब तुम्हारी संगति से मेरा जी कुछ भर जाए, तो तुम मुझे कुछ दूर आगे पहुँचा दो"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यदि आप पहले मुझे कुछ समय के लिए संतुष्ट कर सकें, तो आप मुझे वहां पहले भेज सकते हैं।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

Romans 15:24 (#5)

"तो तुम मुझे कुछ दूर आगे पहुँचा दो"

यहां, **आगे पहुँचा दो** एक यात्रा के लिए आवश्यक आपूर्ति प्राप्त करने का उल्लेख करता है। यह भोजन या धन मांगने का एक विनम्र तरीका है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे संबोधित करने के लिए एक अलग विनम्र तरीके का प्रयोग कर सकते हैं या इसे सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी यात्रा के लिए वहां तक कुछ प्रावधान आपके द्वारा दिए जाने के लिए"

देखें: मृदु भाषा

रोमियों 15:24 (#6)

"जब तुम्हारी संगति से मेरा जी कुछ भर जाए"

वैकल्पिक अनुवाद: "यदि मैं पहले कुछ समय के लिए आपके साथ रहने का आनंद ले सकूं"

रोमियों 15:25 (#1)

"पवित्र लोगों की सेवा"

यह खंड एक उद्देश्य खंड। पौलुस यरूशलेम की यात्रा करने का कारण बता रहे हैं। अपनी भाषा में उद्देश्य को इंगित करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र लोगों की सेवा करने के लिए"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 15:26 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह संकेत करता है कि इसके बाद जो शब्द आता है, वह पहले क्या आया था, उसे स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यह दर्शाता है कि इसके बाद जो शब्द आता है, वह कारण है कि, पौलुस यरूशलेम में संतों की सेवा करने जा रहे हैं, जैसा कि पिछले पद में कहा गया है। अपनी भाषा में कारण बताने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद (बिना अल्पविराम के): "मैं यरूशलेम जा रहा हूं क्योंकि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 15:26 (#2)

"मकिदुनिया और अखाया के लोगों को यह अच्छा लगा"

पौलुस यहां **मकिदुनिया** और **अखाया** का प्रयोग उन क्षेत्रों में रहने वाले मसीहियों के संदर्भ में करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मकिदुनिया और अखाया के विश्वासी बहुत प्रसन्न थे"

देखें: अन्गांगिवाचन

रोमियों 15:26 (#3)

"के लिये कुछ चन्दा करें"

यदि आपकी भाषा में **चन्दा** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक निश्चित राशि का योगदान करने के लिए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:27 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले जो आया है, उसे स्पष्ट करता है। यहां **क्योंकि** यह दर्शाता है कि इस पद में जो आता है, वह पिछले पद में पौलुस ने जो कहा है, उसे स्पष्ट करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वास्तव में,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 15:27 (#2)

"अच्छा तो लगा," - "वे उनके कर्जदार भी हैं"

इस पद में **वे** का दो बार उल्लेख मकिदुनिया और अखाया के मसिहियों के लिए है, जिनका पौलुस ने पिछले पद में उल्लेख किया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मकिदुनिया और अखाया के विश्वासियों को प्रसन्नता हुई ... वे लोग इसके लिए बाध्य है"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 15:27 (#3)

"उन्हें" - "उनकी" - "उन्हें भी"

इस पद में, **उन्हें** और **उनकी** यरूशलेम के विश्वासियों को संबोधित करता हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदी विश्वासी ... उनका ... वे यहूदी विश्वासी"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 15:27 (#4)

"क्योंकी "

क्योंकि यह दर्शाता है कि इसके बाद जो आता है वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। यहां **क्योंकि** यह दर्शाता है कि मकिदुनिया और अखाया में विश्वासियों का यरूशलेम में विश्वासियों की मदद करने के लिए **बाध्य** होने का कारण क्या है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में सबसे स्वाभाविक रूप का प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "इसका कारण यह है कि"

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 15:27 (#5)

"यदि"

पौलुस **यदि** का उपयोग ऐसे करते है जैसे कि पद का शेष भाग एक काल्पनिक संभावना हो, लेकिन उनका मतलब है कि यह वास्तव में सत्य है। यदि आपकी भाषा में कुछ निश्चित या सत्य होने पर उसे शर्त के रूप में नहीं कहा जाता है, और यदि आपके पाठक गलत समझ सकते हैं और सोच सकते हैं कि पौलुस जो कह रहे हैं वह निश्चित नहीं है, तो आप उनके शब्दों का अनुवाद एक सकारात्मक कथन के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि यह सत्य है कि"

देखें: जोड़ें — तथ्यात्मक स्थितियाँ

रोमियों 15:28 (#1)

"यह"

यहां, **यह** पौलुस की यरूशलेम यात्रा का संदर्भ देता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यरूशलेम की यह यात्रा"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 15:28 (#2)

"उनको यह चन्दा सौंपकर"

पौलुस उस धन के बारे में बात करता है जिसे वह यरूशलेम ले जा रहा है, मानो वह **फल** हो, और वह धन को पहुंचाने की बात करता है, मानो वह यरूशलेम के गरीब विश्वासियों के लिए उसे जमा कर रहा हो। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इस भेंट को सुरक्षित रूप से उन्हें सौंपने के बाद"

देखें: रूपक

रोमियों 15:28 (#3)

"तुम्हारे पास होता हुआ"

पौलुस यहां **तुम्हारे** शब्द का प्रयोग उन लोगों के निवास स्थान का उल्लेख करने के लिए करते हैं, जो रोम है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस क्षेत्र के माध्यम से, जहां आप रहते हैं" या " रोम में जहां आप हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 15:28 (#4)

"इसपानिया"

देखें कि आपने **इसपानिया** का अनुवाद 15:24 में कैसे किया।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे किया जाए

रोमियों 15:29 (#1)

"मसीह की पूरी आशीष के साथ आऊँगा"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) पौलुस और रोम के विश्वासियों को मसीह की आशीषों का अनुभव होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आऊंगा और हम मसीह की आशीषों की परिपूर्णता का अनुभव करेंगे" (2) पौलुस रोम के विश्वासियों के लिए मसीह की आशीषें लाएंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं मसीह की आशीषों की परिपूर्णता लाऊंगा।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:29 (#2)

"मसीह की पूरी आशीष के साथ"

यदि आपकी भाषा में **पूरी** और **आशीष** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह कैसे आशीर्वाद प्रदान करते हैं, इसके पूर्ण अनुभव में"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:29 (#3)

"मसीह की पूरी आशीष"

यहां पौलुस **मसीह की पूरी आशीष** की बहुतायत का अनुभव करने की बात करते हैं, जैसे कि यह कुछ ऐसा है जिसे कोई व्यक्ति पूरी तरह से प्राप्त कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह की आशीष के प्रचुर अनुभव में"

देखें: रूपक

रोमियों 15:30 (#1)

"भाइयों"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:13 में किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं भी शामिल होती हैं

रोमियों 15:30 (#2)

"यीशु मसीह का जो हमारा प्रभु है और पवित्र आत्मा के प्रेम का"

इस पद में **का** के दो बार प्रयोग का अर्थ है कि इसके बाद जो आता है, वे पौलुस के पाठकों को **प्रेरित** करने के आधार हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हमारे प्रभु यीशु मसीह के आधार पर और आत्मा के प्रेम के आधार पर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:30 (#3)

"पवित्र आत्मा का प्रेम"

यह संबोधित कर सकता है: (1) **वह प्रेम** जो **पवित्र आत्मा** मसिहियों को देती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा से प्रेम" (2) **वह प्रेम** जो **पवित्र आत्मा** का है। वैकल्पिक अनुवाद: "पवित्र आत्मा का प्रेम"

देखें: स्वामित्व

Romans 15:30 (#4)

"पवित्र आत्मा का प्रेम," - "प्रार्थनाएँ"

यदि आपकी भाषा में **प्रेम** और **प्रार्थनाओं** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाएं नहीं हैं, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप पवित्र आत्मा द्वारा कैसे प्रेम करते हैं ...आप क्या प्रार्थना करते हैं?"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:30 (#5)

"मेरे साथ मिलकर लौलीन रहो"

पौलुस प्रार्थना करने की बात इस तरह करते है जैसे यह एक संघर्ष हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसके अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं या एक उपमा का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे साथ मिलकर गंभीरता से प्रार्थना करना" या "मेरे साथ मिलकर प्रार्थना करना जैसे कि हम एक साथ संघर्ष कर रहे हो"

देखें: रूपक

रोमियों 15:31 (#1)

"कि" - "और {कि"

इस पद में **कि** के दोनों उदाहरण संकेत कर सकते हैं: (1) उन्हें क्या प्रार्थना करनी चाहिए इसकी विषयवस्तु। वैकल्पिक अनुवाद: "कि ... और कि" (2) प्रार्थना करने का उद्देश्य। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि ... और जिससे की"

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 15:31 (#2)

"अविश्वासियों से बचा रहूँ"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद: "शायद परमेश्वर मुझे अवज्ञाकारी लोगों से मुक्त कर दे "

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:31 (#3)

"अविश्वासियों से बचा रहूँ"

यहाँ, **अविश्वासियों** का तात्पर्य **यहूदिया** में यहूदियों से है जिन्होंने यीशु पर विश्वास करने से इनकार करके परमेश्वर की अवज्ञा की। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अवज्ञाकारी यहूदी" या "वे यहूदी जो यीशु पर विश्वास नहीं करते"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 15:31 (#4)

"मेरी वह सेवा"

यहाँ, **मेरी वह सेवा** उस धन के संदर्भ में कहा गया है जो पौलुस मकिदुनिया और अखाया के विश्वासियों से यरूशलेम के गरीब विश्वासियों के लिए ले जा रहे थे। इस धन को लाने का एक विनम्र तरीका है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे संदर्भित करने के लिए एक अलग विनम्र तरीके का प्रयोग कर सकते हैं या इसे सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "धन जो मैं लाता हूँ"

देखें: मृदु भाषा

रोमियों 15:31 (#5)

"यरूशलेम के लिये"

यहाँ, **यरूशलेम के लिए** का अर्थ है "यरूशलेम के गरीब संतों के लिए," जैसा कि 15:26 में उल्लेख किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यरूशलेम में गरीब संतों के लिए"

देखें: रूपक

रोमियों 15:32 (#1)

"और"

देखें कि आपने पिछले पद में **और** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 15:32 (#2)

"आनन्द के साथ"

यदि आपकी भाषा में **आनन्द** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "खुश रहते हुए"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:32 (#3)

"परमेश्वर की इच्छा से"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:10 में किस प्रकार किया है।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 15:32 (#4)

"तुम्हारे साथ विश्राम पाऊँ"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और शायद मैं अपने साथ ताज़गी का अनुभव कर सकूं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 15:33 (#1)

"शान्ति का परमेश्वर"

पौलुस **परमेश्वर** का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का प्रयोग कर रहे हैं जो **शान्ति** देते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वो परमेश्वर जो शान्ति देता हैं"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 15:33 (#2)

"शान्ति का "

देखें कि आपने **शान्ति** का 1:7 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 16:1 (#1)

"मैं विनती करता हूँ"

सर्वनाम **मैं** यहाँ और इस अध्याय में पौलुस को संबोधित करता है, 16:22 को छोड़कर। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं, पौलुस, विनती करता हूँ।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

Romans 16:1 (#2)

"फीबे"

शब्द **फीबे** एक स्त्री का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद करने का तरीका

रोमियों 16:1 (#3)

"हमारी"

इस पद में और इस अध्याय के दौरान शब्द **हमारी,** पौलुस और उनके मसीही पाठकों को संबोधित करता है, इसलिए **हमारी** समावेशी शब्द होगा। आपकी भाषा में इस रूप को चिह्नित करने की आवश्यकता हो सकती है।

देखें: विशिष्ट और समावेशी 'हम'

रोमियों 16:1 (#4)

"बहन"

पौलुस **फीबे** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह उनकी और उनके मसीही पाठकों की आत्मिक **बहन** हों। उनका मतलब है कि वह यीशु पर विश्वास करने के कारण, वो सभी मसीहियों के साथ भाई-बहन का संबंध रखती हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हमारी आत्मिक बहन”

देखें: रूपक

रोमियों 16:1 (#5)

"सेविका "

देखें कि आपने **सेविका** भाववाचक संज्ञा का 13:4 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 16:1 (#6)

"किंख्रिया"

शब्द **किंख्रिया** यूनान में एक शहर का नाम था। देखें कि **किंख्रिया** का अनुवाद 18:18 में कैसे किया गया है।

देखें: नामों का अनुवाद करने की विधि

रोमियों 16:2 (#1)

"प्रभु में"

यहां, **प्रभु में** का अर्थ फीबे से है कि वो **प्रभु** यीशु में एक साथी विश्वासी हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे कोई प्रभु यीशु में विश्वास करता है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:2 (#2)

"जैसा कि पवित्र लोगों को चाहिए"

वैकल्पिक अनुवाद: "जिस प्रकार विश्वासियों को अन्य विश्वासियों का स्वागत करना चाहिए"

रोमियों 16:2 (#3)

"और"

यहां, **और** यह इंगित करता है कि जो आगे आता है वह पौलुस का दूसरा उद्देश्य है अर्थात यह कि रोम के विश्वासियों के समक्ष फीबे की प्रशंसा करे। यदि यह आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “और इस कारण से आप”

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 16:2 (#4)

"उसकी सहायता करो"

यहां, **सहायता करो** किसी की सहायता करने के संदर्भ में कहा गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी सहायता कर सकते हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 16:2 (#5)

"क्योंकि"

क्योंकि यह बताता है कि इसके बाद जो आता है, वह इससे पहले कहे गए शब्दों को स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहां यह बताता है कि पौलुस रोमी विश्वासियों से फीबे की सहायता करने के लिए कहते है। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में सबसे *स्वाभाविक* रूप का उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं चाहता हूँ कि आप यह करें क्योंकि"

देखें: जोड़े — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 16:2 (#6)

""

यदि आपकी भाषा में **उपकारकर्ता** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उन्होंने भी कई लोगों को लाभ पहुंचाया है, और मुझे भी।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 16:3 (#1)

"नमस्कार"

यहां और 16:3–16 में अभिवादन का आदेशात्मक रूप है, लेकिन यह एक विनम्र निवेदन को व्यक्त करता है न कि एक आदेश को। अपनी भाषा में एक ऐसा रूप प्रयोग करें जो एक विनम्र निवेदन को व्यक्त करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "कृपया मेरा अभिवादन दें"

देखें: आदेशात्मक वाक्य — अन्य उपयोग

रोमियों 16:3 (#2)

"प्रिस्का और अक्विला"

शब्द **प्रिस्का** एक महिला का नाम है, जिन्हें प्रेरितों 18:2 में "प्रिस्किल्ला" भी कहा जाता है। **अक्विला** उसके पति का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद करने का तरीका

रोमियों 16:3 (#3)

"मेरे सहकर्मी"

यहाँ, **सहकर्मी** उन लोगों को संबोधित करता है जो पौलुस के साथ यीशु के बारे में अन्य लोगों को बताने के लिए कार्य करते थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मेरे साथ सुसमाचार का प्रचार करने का कार्य करते थे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:3 (#4)

"मसीह यीशु में"

यहां, **मसीह यीशु में** का अर्थ हो सकता है: (1) उस प्रकार का कार्य जो **प्रिस्का और अक्विला** ने पौलुस के साथ किया। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह यीशु की सेवा में" (2) मसीह के साथ एकजुट होना, जैसा कि इस वाक्यांश का उपयोग 3:24; 6:11, 23; 8:1–2, 39; और 15:17 में किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मसीह यीशु में एक हैं"

देखें: रूपक

रोमियों 16:3–16 (#1)

""

सामान्य जानकारी: जैसा कि उनकी संस्कृति में प्रथा थी, 16:3–16 में पौलुस पत्र को समाप्त करने के लिए उन लोगों को अभिवादन भेजते है जिन्हें वह लिख रहे है। आपकी भाषा में पत्र में अभिवादन भेजने का एक विशेष तरीका हो सकता है। यदि ऐसा है, तो आप यहां उस रूप का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उत्साहपूर्वक याद किए जाने का अनुरोध करता हूँ" या "मैं शुभकामनाएँ भेजता हूँ"

रोमियों 16:4 (#1)

"उन्होंने मेरे प्राण के लिये अपना ही सिर दे रखा था और केवल मैं ही नहीं, वरन् अन्यजातियों की सारी कलीसियाएँ भी उनका धन्यवाद करती हैं"

यह पद 16:3–5 में वाक्य के मुख्य भाग को बाधित करता है ताकि प्रिस्का और अक्विला के बारे में अधिक जानकारी दी जा सके। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट हो, तो आप इस पद का अनुवाद एक स्वतंत्र वाक्य के रूप में कर सकते हैं और अगले पद में पिछले पद की मुख्य क्रिया को दोहरा सकते हैं, जैसा कि यू एस टी में है।

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 16:4 (#2)

"अपना ही सिर दे रखा था"

यह वाक्यांश किसी ऐसे कार्य का उल्लेख करता है जो किसी को फांसी दिए जाने के खतरे में डाल सकता है। रोमी अक्सर लोगों को कुल्हाड़े से गर्दन पर वार करके मारते थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक समान मुहावरा या साधारण भाषा का प्रयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "रोमी अधिकारियों द्वारा उनका सिर काटे जाने का जोखिम उठाया"

देखें: मुहावरा

रोमियों 16:4 (#3)

"धन्यवाद करती हैं"

यहां पौलुस **धन्यवाद** व्यक्त करने की बात करते है जैसे कि वह कुछ ऐसा हो जिसे वे किसी को **दे** सकते है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं और अन्यजातियों की सारी कलीसियाएँ भी उनका आभारी हैं”

देखें: रूपक

रोमियों 16:5 (#1)

"उस कलीसिया को"

यह खंड उस वाक्य को जारी रखता है जिसे पौलुस ने 16:3 में शुरू किया था और पिछले पद में बाधित किया था। यदि आपने पिछले पद को एक वाक्य में बदल दिया है, तो यहाँ आपको 16:3 से मुख्य क्रिया जोड़ने की आवश्यकता होगी। वैकल्पिक अनुवाद: “और उनके घर में स्थित कलीसिया को नमस्कार करें।”

देखें: सूचना संरचना

रोमियों 16:5 (#2)

"उनके घर में"

यहाँ सर्वनाम **उनके** प्रिस्का और अक्विला के संदर्भ में कहा गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रिस्का और अक्विला के घर"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करना चाहिए

रोमियों 16:5 (#3)

"नमस्कार"

देखें कि आपने **नमस्कार** का 16:3 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

रोमियों 16:5 (#4)

"इपैनितुस"

शब्द **इपैनितुस** एक व्यक्ति का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद करने की विधि

रोमियों 16:5 (#5)

"जो मसीह के लिये आसिया का पहला फल है"

पौलुस **इपैनितुस** के बारे में ऐसे बात करते है जैसे वह **फल** हो जिसे उन्होंने काटा हो। उनका मतलब है कि पौलुस के प्रचार का परिणाम स्वरूप **इपैनितुस आसिया** में पहले व्यक्ति थे जिन्होंने **मसीह** में विश्वास किया था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे रीति से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आसिया में यीशु में विश्वास करने वाला पहला व्यक्ति"

देखें: रूपक

रोमियों 16:6 (#1)

"मरियम"

मरियम शब्द एक महिला का नाम है। बाइबल में कई महिलाओं का नाम **मरियम** है क्योंकि यह यहूदियों में एक सामान्य नाम था।

देखें: नामों का अनुवाद करने का तरीका

रोमियों 16:7 (#1)

"अन्द्रुनीकुस"

शब्द **अन्द्रुनीकुस** एक पुरुष का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे किया जाता है

रोमियों 16:7 (#2)

"यूनियास"

यूनियास का अर्थ हो सकता है: (1) एक महिला जिसका नाम यूनियास है, इस स्थिति में **अन्द्रुनीकुस और यूनियास** प्रिस्का और अक्विला की तरह एक विवाहित जोड़ा हो सकता हैं। यू एस टी देखें। (2) **यूनियास** संक्षिप्त रूप में, एक पुरुष का नाम, जिसकी कम संभावना है।

देखें: नामों का अनुवाद करने की विधि

रोमियों 16:7 (#3)

"मेरे कुटुम्बी"

यहाँ, **कुटुम्बी** निम्नलिखित को संबोधित कर सकते है: (1) यहूदी मसीही। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे यहूदी मसीही रिश्तेदार" (2) पौलुस के मसीही रिश्तेदार। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे मसीही रिश्तेदार"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:7 (#4)

"और प्रेरितों में नामी है"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्हें प्रेरित भली-भांति जानते है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 16:7 (#5)

"जो"

यहाँ, **जो** आगे वाली जानकारी अर्थात् **अन्द्रुनीकुस और यूनियास** के बारे में और जानकारी है उसको इंगित करता है। यह **प्रेरितों** के बारे में जानकारी नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं।

वैकल्पिक अनुवाद (एक नए वाक्य के रूप में): "ये दोनों व्यक्ति"

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

रोमियों 16:7 (#6)

"मसीही हुए"

यहाँ, **मसीही हुए** का अर्थ मसीह के साथ जुड़ना। देखें कि आपने इस जैसे वाक्यांश का 3:24 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 16:8 (#1)

"अम्पलियातुस"

शब्द **अम्पलियातुस** एक व्यक्ति का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद करने की विधि

रोमियों 16:8 (#2)

"प्रभु में"

देखें कि आपने इस जैसे वाक्यांश का अनुवाद 16:2 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:9 (#1)

"उरबानुस," - "इस्तखुस"

उरबानुस और **इस्तखुस** पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद करने का तरीका

रोमियों 16:9 (#2)

"मसीह में हमारा सहकर्मी"

देखें कि आपने 16:3 में इसी प्रकार के वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:10 (#1)

"अपिल्लेस," - "अरिस्तुबुलुस के"

शब्द **अपिल्लेस** और **अरिस्तुबुलुस** पुरुषों के नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद करने की विधि

रोमियों 16:10 (#2)

"जो मसीह में खरा निकला"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिसे मसीह ने स्वीकार किया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 16:11 (#1)

"हेरोदियोन," - "नरकिस्सुस के"

शब्द **हेरोदियोन** और **नरकिस्सुस** पुरुषों के नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद करने की विधि

रोमियों 16:11 (#2)

"कुटुम्बी"

देखें कि आपने 16:7 में **"कुटुम्बी"** का अनुवाद कैसे किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:11 (#3)

"प्रभु में"

यहाँ, **प्रभु में** मसीह के साथ एकजुट होने का संदर्भ देता है और इसका वही अर्थ है जैसा कि 16:7 और 3:24 में "मसीह में" का है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु यीशु के साथ जुड़ना"

देखें: रूपक

रोमियों 16:12 (#1)

"त्रूफैना" - "त्रूफोसा," - "पिरसिस"

शब्द **त्रूफैना**, **त्रूफोसा**, और **पिरसिस** स्त्रियों के नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

रोमियों 16:12 (#2)

"प्रभु में।" - "प्रभु में"

देखें कि आपने **प्रभु में** का अनुवाद 16:3 में किस प्रकार किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:13 (#1)

"रूफुस"

शब्द **रूफुस** एक पुरुष का नाम है। देखें कि इस नाम का अनुवाद 15:21 में किस प्रकार किया गया है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

रोमियों 16:13 (#2)

"प्रभु में चुना हुआ"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार का निष्क्रिय रूप प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जिन्हें परमेश्वर ने चुना है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 16:13 (#3)

"उसकी माता को जो मेरी भी है"

पौलुस **रूफुस** की **माँ** के बारे में ऐसे बात करते हैं जैसे वह उनकी अपनी **माँ** हों। उनका मतलब है कि उन्होंने उन्हें अपने बालक की तरह समझा। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी माँ, जिन्हें मैं भी अपनी माँ मानता हूँ"

देखें: रूपक

रोमियों 16:14 (#1)

"असुंक्रितुस, फिलगोन, हिर्मेस, पत्रुबास, हर्मास"

ये पाँच पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

रोमियों 16:14 (#2)

"भाइयों"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:13 में किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्द में स्त्रियां भी शामिल होते हैं

रोमियों 16:14 (#3)

"उनके साथ के भाइयों को"

यहां, **उनके साथ** का अर्थ है कि ये लोग एक कलिसिया के रूप में एकत्र होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "भाई जो उनके साथ एकत्रीत होते है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:15 (#1)

"फिलुलुगुस" - "नेर्युस" - "उलुम्पास"

शब्द **फिलुलुगुस**, **नेर्युस**, और **उलुम्पास** पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

रोमियों 16:15 (#2)

"यूलिया"

यूलिया शब्द एक महिला का नाम है। वह संभवतः **फिलुलुगुस** की पत्नी थी।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

रोमियों 16:15 (#3)

"उनके साथ के सब पवित्र लोगों को"

देखें कि आपने पिछले पद में **उनके साथ** का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:16 (#1)

"नमस्कार"

देखें कि आपने **नमस्कार** का 16:3 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: आज्ञाएँ — अन्य उपयोग

रोमियों 16:16 (#2)

"पवित्र चुम्बन"

यहाँ, **पवित्र चुम्बन** उस **चुम्बन** का वर्णन करता है जो विश्वासी अन्य विश्वासियों को देते थे (इसीलिए यह **पवित्र** है)। पौलुस की संस्कृति में, यह किसी ऐसे व्यक्ति का अभिवादन करने का उपयुक्त तरीका था जिसके साथ बहुत निकट संबंध हो, जैसे कि एक परिवार का सदस्य या एक अच्छा **मित्र**। आप ऐसा अभिवादन का प्रयोग कर सकते हैं, जो करीबी दोस्तों या परिवार के सदस्यों द्वारा प्रयोग किया जाता है और स्पष्ट कर सकते है कि यहाँ इसे **पवित्र** या मसीही तरीके से प्रयोग किया गया है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक मसीही आलिंगन के साथ" या "गर्मजोशी से जो साथी विश्वासियों के लिए उपयुक्त है"।

देखें: अज्ञातों का अनुवाद करें

रोमियों 16:16 (#3)

"सारी कलीसियाओं की ओर से नमस्कार"

यहाँ **सारी** का संदर्भित हो सकता हैं: (1) पौलुस के पत्र लिखते समय उस क्षेत्र की सभी **कलीसिया** जहाँ वे कार्य कर रहे थे। वैकल्पिक अनुवाद: "इस क्षेत्र के मसीह के सभी कलिसिया" (2) सभी **कलिसिया** जिन पर पौलुस का अधिकार था या जिनका वे प्रतिनिधित्व करते थे। वैकल्पिक अनुवाद: "मसीह के सभी कलिसिया जिनका मैं प्रतिनिधित्व करता हूं"

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियों 16:17 (#1)

"भाइयों"

देखें कि आपने इस शब्द का अनुवाद 1:13 में किस प्रकार किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में महिलाएं सम्मिलित होती हैं

रोमियों 16:17 (#2)

"फुट डालने " - "ठोकर खिलाने" - "शिक्षा"

यदि आपकी भाषा **फुट डालने, ठोकर खिलाने और शिक्षा** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का प्रयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्या विभाजित करता है ... क्या अवरोध उत्पन्न करता है ... क्या शिक्षा दी जाती है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 16:17 (#3)

"फूट डालने, और ठोकर खिलाने का कारण"

यह वाक्यांश विश्वासियों को एक-दूसरे से विवाद करने के लिए प्रेरित करने को संबोधित करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। यू एस टी देखें।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:17 (#4)

"ठोकर"

देखें कि आपने "ठोकर" का अनुवाद 11:9 और 14:13 में किस प्रकार किया है।

देखें: रूपक

रोमियों 16:17 (#5)

"उस शिक्षा के विपरीत जो तुम ने पाई है"

यह खंड का संदर्भि हो सकता है: (1) **ठोकर**। वैकल्पिक अनुवाद: "जो उस शिक्षा के विपरीत है जो आपने सीखी है" (2) वह साधन जिसके द्वारा ये लोग **फुट और ठोकर उत्पन्न कर रहे हैं**। वैकल्पिक अनुवाद: "जो शिक्षा तुम्हें दी गई हैं उसके विपरीत कार्य करके"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:17 (#6)

"उनसे दूर रहो"

यहाँ, **उनसे दूर रहो** का अर्थ किसी से बचना है। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप इस अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें पूरी तरह से टालें"

देखें: रूपक

रोमियों 16:18 (#1)

"क्योंकि"

क्योंकि यह संकेत करता है कि इस शब्द के बाद जो आता है, वह इससे पहले की बात को स्पष्ट करता है। **क्योंकि** यहाँ यह संकेत करता है कि इस पद में जो आता है, वह पिछले पद में पौलुस ने जो कहा, उसे स्पष्ट करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “वास्तव में,”

देखें: शब्दों और वाक्यांशों को जोड़ना

रोमियों 16:18 (#2)

"ऐसे लोग"

यहाँ, **ऐसे** उनके संदर्भि मे कहा गया है "वे जो फुट और ठोकर का कारण बन रहे है", जिनका उल्लेख पिछले पद में किया गया है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे कि वे लोग जो फुट डाल रहे है और ठोकर का कारण बन रहे है।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करे

रोमियों 16:18 (#3)

"प्रभु मसीह की नहीं"

यहाँ, "**प्रभु मसीह की नहीं**" होने का अर्थ है **हमारे प्रभु मसीह** के नियंत्रण में नहीं रहना। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “जिनका जीवन हमारे प्रभु मसीह के अधीनता में नहीं है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:18 (#4)

"परन्तु अपने पेट की सेवा करते है"

पौलुस कई भाषाओं में एक वाक्यांश को पूरा करने के लिए आवश्यक कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इन शब्दों को पिछले वाक्यांश से जोड़ सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वे अपने पेट के दास है"

देखें: पदलोप चिन्ह

रोमियों 16:18 (#5)

"अपने पेट की सेवा करते है"

यहाँ, **पेट** का अर्थ हो सकता है: (1) शारीरिक इच्छाएं, विशेष रूप से खाने या पीने की इच्छाए। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी अपनी शारीरिक इच्छाओं के लिए" (2) आत्मसंतोष। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी अपनी खुशी के लिए"

देखें: अलंकार

रोमियों 16:18 (#6)

"चिकनी चुपड़ी बातों से"

यदि आपकी भाषा **चिकनी चुपड़ी बातों** के विचारों के लिए अमूर्त संज्ञाओं का प्रयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "चिकनी और चापलूसी से बात करके"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 16:18 (#7)

"मन"

देखें कि आपने 1:21 में "मन" का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: अलंकार

रोमियों 16:19 (#1)

"इसलिए "

इसलिए यह संकेत देता है कि इसके बाद जो आता है, वह पहले की बात को स्पष्ट करता है। **इसलिए** यहाँ यह बताता है कि इसके बाद जो आता है, वह एक कारण है कि पौलुस के पाठकों को "सावधान रहने" और झूठे शिक्षकों से "दूर रहने" के आदेश का पालन क्यों करना चाहिए। कारण बताने के लिए अपनी भाषा में जो अधिक स्वाभाविक रूप हो उसका प्रयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: “इन लोगों से सावधान रहें और दूर रहें क्योंकि”

देखें: जोड़ें — कारण और परिणाम का संबंध

रोमियों 16:19 (#2)

"तुम्हारे आज्ञा मानने की चर्चा सब लोगों में फैल गई है"

यहाँ पौलुस रोमी विश्वासियों के **आज्ञा मानने** के बारे में ऐसे बात करते है जैसे वह एक व्यक्ति हो जो लोगों के पास जा सकते है। उनका मतलब है कि कई लोगों ने उनके **आज्ञा मानने** के बारे में सुने थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आपकी आज्ञाकारिता के बारे में सभी ने सुना है"

देखें: मानवीकरण

रोमियों 16:19 (#3)

"आपकी आज्ञा मानने" - "भलाई" - "बुराई"

देखें कि आपने **आज्ञा मानने** का 5:19 में और **भलाई** और **बुराई** का 7:19 में कैसे अनुवाद किया।

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 16:19 (#4)

"सब लोग"

यहाँ, **सब लोग** एक अतिशयोक्ति है जिसका पौलुस यह दिखाने के लिए प्रयोग करते है कि कई विश्वासियों ने रोमी विश्वासियों के **आज्ञा मनाने** के बारे में सुना था। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “बहुत से लोग”

देखें: अतिशयोक्ति

रोमियों 16:20 (#1)

"शांति का परमेश्वर"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 15:33 में किस प्रकार किया।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 16:20 (#2)

"शैतान को तुम्हारे पाँवों के नीचे शीघ्र कुचल देगा"

यहाँ पौलुस रोमी विश्वासियों से शैतान पर विजय की बात करते है, जैसे कि वे उसे अपने पैरों तले **कुचल** देंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको शैतान पर पूर्ण विजय दिलाएगा"

देखें: रूपक

रोमियों 16:20 (#3)

"शीघ्र"

यदि आपकी भाषा **शीघ्र** और **अनुग्रह** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का प्रयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शीघ्रता से। प्रभु यीशु मसीह आप पर अनुग्रह करें।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 16:20 (#4)

"शीघ्र"

शीघ्र के रूप में अनुवादित वाक्यांश का अर्थ कुछ समय बाद होने वाली घटना भी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "थोड़े समय में" या "जल्द ही"।

रोमियों 16:20 (#5)

"हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह तुम पर होता रहे"

जैसा कि उनकी संस्कृति में प्रथा थी, पौलुस अपने पत्र को रोमी विश्वासियों के लिए एक आशीर्वाद के साथ समाप्त करते हैं। अपनी भाषा में एक ऐसी शैली का प्रयोग करें जिसे लोग आशीर्वाद के रूप में पहचान सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "आपको हमारे प्रभु यीशु मसीह से कृपा प्राप्त हो" या "मैं प्रार्थना करता हूँ कि आपको हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह प्राप्त हो"

देखें: आशीर्वाद

रोमियों 16:21 (#1)

"मेरे सहकर्मी"

देखें कि आपने 16:3 में समान वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:21 (#2)

"लूकियुस" - "यासोन" - "सोसिपत्रुस"

शब्द **लूकियुस**, **यासोन**, और **सोसिपत्रुस** पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करे

रोमियों 16:21 (#3)

"मेरे कुटुम्बियों"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का 16:7 में किस प्रकार अनुवाद किया।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:21 (#4)

"तुम को नमस्कार"

जैसा कि संस्कृति में प्रथा थी, पौलुस पत्र का समापन उन लोगों की ओर से अभिवादन भेजकर करते हैं जो उनके साथ थे और जिन्हें वे लिख रहे है, उन्हें जानते है। आपकी भाषा में पत्र में अभिवादन भेजने का एक विशेष तरीका हो सकता है। यदि ऐसा है, तो आप यहाँ उस रूप का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे आपको अभिवादन भेजते हैं" या "वे आपसे याद रखने का अनुरोध करते हैं"

रोमियों 16:22 (#1)

"मुझ पत्री के लिखनेवाले तिरतियुस का"

इस खंड का अर्थ है कि **तिरतियुस** ने पौलुस द्वारा बोले गए शब्दों को उनके कहे अनुसार इस पत्र में लिखा। प्राचीन समय में यह आम बात थी कि लोग अपने लिए लिखवाने के लिए लिपिकों का प्रयोग करते थे। इस अध्याय के सामान्य टिप्पणियों में इस पर चर्चा देखें। वैकल्पिक अनुवाद: “मैं, तिरतियुस, वह व्यक्ति हूँ जिसे पौलुस ने इस पत्र को लिखवाने के लिए कहा था।”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:22 (#2)

"मुझ पत्री के लिखनेवाले तिरतियुस का प्रभु में तुम को नमस्कार"

मैं यहाँ **तिरतियुस** का उल्लेख करता है, जिन्होंने इस पद को लिखा है। इस पत्र में अन्यत्र के विपरीत, यह पौलुस का उल्लेख नहीं करता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इस पद में तृतीय पुरुष रूप का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तिरतियुस, जिन्होंने इस पत्र को लिखा है, प्रभु में आपको नमस्कार करते है”

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

रोमियों 16:22 (#3)

"तिरतियुस"

शब्द **तिरतियुस** एक व्यक्ति का नाम है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करे

रोमियों 16:22 (#4)

"प्रभु में"

देखें कि आपने **प्रभु में** के समान उपयोग का 16:2 में कैसे अनुवाद किया है।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:23 (#1)

"गयुस," - "इरास्तुस," - "क्वारतुस"

शब्द **गयुस**, **इरास्तुस**, और **क्वारतुस** पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करे

रोमियों 16:23 (#2)

"जो मेरी और कलीसिया का पहुनाई करनेवाला है"

यह वाक्य इंगित करता है कि **गयुस** का घर वह स्थान था जहाँ पौलुस और उनके साथी विश्वासी आराधना के लिए इकट्ठा होते थे। यदि यह आपके लिए सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो मुझे और पूरी कलीसिया को अपने घर में मेजबानी करते है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:23 (#3)

"भण्डारी"

यहाँ, **भण्डारी** उस व्यक्ति को संबोधित करता है जो उस **शहर** के धन का प्रबंधन करता है जिसमें पौलुस रह रहे है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "कोषाध्यक्ष" या "जो वित्त का प्रबंधन करते है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:23 (#4)

"भाई"

यहाँ, **भाई** एक साथी मसीही के संदर्भि मे कहा गया है। देखें कि आपने **भाई** का 14:10 में किस प्रकार अनुवाद किया है।

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियां भी शामिल होती है

रोमियों 16:24 (#1)

""

यह पद प्रारंभिक उत्तम पांडुलिपियों में नहीं है। यह 16:20 के अंतिम भाग की एक आकस्मिक पुनरावृत्ति प्रतीत होता है। इसे यू एल टी में शामिल किया गया है, लेकिन इसे शुरुआत और अंत में वर्ग कोष्ठक (\[\]) के साथ चिह्नित किया गया है। यदि संभव हो, तो अपने अनुवाद में इस जोड़ को शामिल न करें।

देखें: पाठ्य भिन्नताएँ

रोमियों 16:25 (#1)

""

16:25–27 एक लंबा वाक्य है। यदि आप इस वाक्य को छोटे वाक्यों में विभाजित करते हैं, तो आपको 16:25 में 16:27 के भाग को दोहराना होगा, जैसा कि यू एस टी करता है।

रोमियों 16:25 (#2)

"अब"

अब यहाँ पत्र के समापन खंड का संकेत है। यदि आपके पास इसे अपनी भाषा में करने का कोई तरीका है, तो कृपया यहाँ उसका प्रयोग करें।

रोमियों 16:25 (#3)

"जो तुम को स्थिर कर सकता है"

यहाँ, **जो** परमेश्वर का संदर्भ देता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर, जो आपको स्थापित करने में सक्षम है"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:25 (#4)

"स्थिर कर सकता है"

यहाँ पौलुस परमेश्वर द्वारा एक व्यक्ति के विश्वास को मजबूत करने की बात करते हैं, जैसे कि परमेश्वर उस व्यक्ति को स्थापित कर रहे हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सरलता से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "आपके विश्वास को दृढ़ करे"

देखें: रूपक

रोमियों 16:25 (#5)

"मेरे सुसमचार"

पौलुस उस **सुसमाचार** संदेश का वर्णन करने के लिए स्वामित्व रूप का प्रयोग कर रहे हैं जो उन्होंने प्रचार किया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह सुसमाचार जिसका मैं प्रचार करता हूँ"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 16:25 (#6)

"यीशु मसीह के विषय के प्रचार"

पौलुस स्वामित्व रूप का उपयोग **प्रचार** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो **यीशु मसीह** के बारे में है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यीशु मसीह के बारे में प्रचार"

देखें: स्वामित्व

रोमियों 16:25 (#7)

"विषय के प्रचार" - "भेद के प्रकाश"

यदि आपकी भाषा में **प्रचार**, **प्रकाश**, और **भेद** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो प्रचार किया जाता है ... जो रहस्य को प्रकट करता है"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 16:25 (#8)

"उस भेद के प्रकाश के अनुसार"

यहाँ, **के अनुसार** इंगित करता है कि जो आगे आनेवाला है वह पौलुस के प्रचार का आधार है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इसे स्पष्ट रूप से कह सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "रहस्य के प्रकाशन के आधार पर"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

रोमियों 16:25 (#9)

"भेद के प्रकाश"

यहाँ पौलुस **भेद** शब्द का उपयोग परमेश्वर की उस योजना का उल्लेख करने के लिए करते हैं, जो लोगों को बचाने के लिए है और **सुसमाचार** में प्रकट की गई थी। इसका अर्थ यह नहीं है कि यह विचार समझने में कठिन है, बल्कि यह कि परमेश्वर ने इसे पहले लोगों पर प्रकट नहीं किया था। यदि आपकी भाषा **भेद** का प्रयोग किसी ऐसी चीज़ के लिए नहीं करती जो छिपी हुई थी लेकिन अब प्रकट हो गई है, तो आप एक अलग अभिव्यक्ति का प्रयोग कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस छिपे हुए संदेश का"

देखें: अज्ञात शब्दों का अनुवाद करें

रोमियों 16:25 (#10)

"उस भेद के प्रकाश के अनुसार जो सनातन से छिपा रहा"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "उस रहस्य के अनुसार जिसे परमेश्वर ने अब प्रकट किया है, जिसे लंबे समय तक गुप्त रखा था"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 16:25 (#11)

"जो सनातन से छिपा रहा"

यह खंड **भेद** के बारे में और जानकारी देता है, जो कि **सुसमाचार** भी है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस संबंध को स्पष्ट करने के लिए एक अलग तरीके का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लंबे समय से गुप्त रखा गया था"

देखें: भेद करना बनाम सूचित करना या याद दिलाना

रोमियों 16:26 (#1)

"परन्तु अब प्रगट होकर"

यह खंड "रहस्य" के बारे में और जानकारी देता है, जो पिछले पद में उल्लिखित "सुसमाचार" भी है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस संबंध को स्पष्ट करने के लिए एक अलग तरीका अपना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन अब वह रहस्य प्रकट हो चुका है" भेद करना बनाम सूचित करना या याद दिलाना

देखें: भेद करना बनाम सूचित करना या याद दिलाना

रोमियों 16:26 (#2)

"परन्तु अब प्रगट होकर"

यदि आपकी भाषा इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं करती है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन अब परमेश्वर ने इसे प्रकट किया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 16:26 (#3)

"परन्तु (अब प्रगट होकर) सनातन परमेश्वर की आज्ञा से भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों के द्वारा सब जातियों को बताया गया है"

यहाँ **परन्तु** के रूप में अनुवादित शब्द यह संकेत करता है कि निम्नलिखित चार वाक्यांश पांचवें वाक्यांश से जुड़े हुए है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को बदल सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "और भविष्यद्वाणी लेखों के माध्यम से प्रकट किया गया, अनन्त परमेश्वर की आज्ञा के अनुसार, विश्वास की आज्ञाकारिता के लिए, सभी राष्ट्रों के लिए"

देखें: सूचना की संरचना

रोमियों 16:26 (#4)

"भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों के द्वारा," - "सनातन परमेश्वर की आज्ञा, वे विश्वास से आज्ञा माननेवाले हो जाएँ"

यदि आपकी भाषा में **पुस्तकों**, **आज्ञा**, **माननेवाले**, और **विश्वास** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इन्हीं विचारों को किसी अन्य तरीके से व्यक्त

कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखा गया था ... जिसे अनन्त परमेश्वर ने आदेश दिया, जिसका हम विश्वास के फल स्वरूप पालन करे"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

रोमियों 16:26 (#5)

"विश्वास से आज्ञा माननेवाले हो जाएँ"

यहाँ, **से** यह दर्शाता है कि यह एक उद्देश्य वाक्यांश है। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएं। वैकल्पिक अनुवाद: "विश्वास की आज्ञाकारिता के उद्देश्य से "

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) का संबंध

रोमियों 16:26 (#6)

"विश्वास से आज्ञा माननेवाले"

देखें कि आपने इस वाक्यांश का अनुवाद 1:5 में किस प्रकार किया है।

देखें: स्वामित्व

रोमियों 16:26 (#7)

"बताया गया है"

यदि आपकी भाषा में इस प्रकार से निष्क्रिय रूप का प्रयोग नहीं होता है, तो आप इसे सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद: “परमेश्वर ने प्रकट किया”

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

रोमियों 16:27 (#1)

"एकमात्र अद्वैत बुद्धिमान परमेश्वर"

वैकल्पिक अनुवाद: "परमेश्वर जो एकमात्र बुद्धिमान है"

रोमियों 16:27 (#2)

"महिमा"

यदि आपकी भाषा में **महिमा** शब्द के पीछे के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को एक

रोमियों ***16:27 (#2)***

क्रियात्मक रूप में व्यक्त कर सकते है। वैकल्पिक अनुवाद:
"लोग उनकी महिमा करें"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ